मनुष्य का शत्रु

जादू टोना, जादू टोना और विकन्स के रहस्य

उबादा मीर
अनुवादक: जहिदा रेहमान

समर्पण

मेरे प्यारे अंकल अमीन जेड मीर

यह सब हमारी दुनिया के शुरुवात के साथ शुरू हुआ ।
लाखो वर्ष पहले, पृथ्वी उर्जा और अग्नि से निर्मित प्राणियों से भरी हई थी । उन्हें छुपे हुए लोगो के रूप में जाना जाता था और ब्रम्हांड में कही भी किसी भी मानव के अस्तित्व में आने से पहले , उन्होंने इस ग्रह पर शासन किया था । उन्हें शिकार से छुपने की जरुरत नहीं थी क्यूंकि उनमे अदृश्य होने की शक्ति थी । वे छुपे हुए लोग अपने आप से भयभीत थे क्यूंकि वो एक ऐसी प्रजाति थे जो इतनी भयंकर लडाई और शत्रुता से भरी थी की उन्होंने भूमि और उसमे मौजूद हर चीज को तबाह कर दिया था ।
सदियों तक अजाजल ने देखा की कैसे उसकी साथी अग्नि प्रजातिया जहा चाहे वहा घुमती थी और आग और तलवार से पृथ्वी की उपजाऊ मिटटी को तबाह कर देती थी । वे ना तो इश्वर में ना परलोक में विश्वास करते थे , और क्रूर जीवन जीते थे, जहा वे एक दुसरे को लूटते और मारते थे । बिना किसी विश्वास के उन्हें सद्गुणों में बंधने के लिए , वे धार्मिक विधर्मो में लगे रहे और सभी मूल्यवान चीजो को नष्ट कर दिया ।
वास्तव में दुनिया रहने के लिए एक भयानक जगह थी और घुमने के लिए उससे भी बदतर भूमी थी ।

अजाजेल पृथ्वी का एकमात्र नेता बनने और पृथ्वी पर उत्पात फ़ैलाने वाले भ्रष्ट छिपे हुए लोगो के हाथ से से सत्ता का राजदंड छिनने के लिए निश्चयी था । वह पृथ्वी को उसकी प्राचीन महिमा और शांति बहल करना चाहता था । हिडन ओन्स के नेता के रूप में उन्होंने अपनी तरह के खिलाफ चौतरफा युद्ध जरी रखा , क्युकी अजाजेल को लम्बे समय से मान्यता का इंतजार था । उसकी लम्बे समय की इच्छा पूरी होनेवाली थी इसलिए वो पूरी शिद्दत से लढा रहा था ।

बहुत समय पहले, मनुष्य के निर्माण से लाखो वर्ष पहले और दुनिया मनुष्यों की होने से पहले , पृथ्वी उर्जा और अग्नि से बनी रचना से आबाद थी । उनका जीवनकाल लगभग पचास हजार वर्ष था और वे पृथ्वी पर शान से रहते थे, अपनी शक्ति और क्षेत्र के लिए एकदूसरे से प्रतिस्पर्धा करते थे । अपनी अनूठी काया के कारण , वे नग्न आँखों के लिए अदृश्य थे , और केवल छुपे हुए लोगो के रूप में जाने जाते थे ।

हजारो साल तक ये छुपे लोग पृथ्वी पर उत्पात मचाते रहे और लगातार हत्याए और डकैती करते रहे । हवा में हिंसा की दुर्गन्ध थी और पाप की दुर्गन्ध हर जगह थी , लेकिन उनमे से एक ऐसा भी था जो इन असभ्य प्रथाओ को नापसंद करने लगा था । उसका नाम अजाजेल था और उसने अपने साथियों की तरह हत्या और लूटपाट में शामिल होने से इंकार कर दिया और ब्रम्हांड के भगवन की पूजा करने में तल्लीन रहा ।
वह अपने ही लोगो से घृणा करता था उनकी बुराई से घृणा करता था । उसने स्वयं से कहा के वो एक ही भगवान की पूजा करेगा जिसने उन्हें बनाया, और पवित्र और महान रहेगा । उसकी अपनी प्रजाति के लोग क्रूर और अप्रत्याशित थे और अक्सर उनमे घातक लढाई या छिड जाती थी । वे अधर्म में डूबे हुए थे । हालाकि छुपे हुए लोग आग से बने थे और और खुली आँखों के लिए अदृश्य थे , उनमे रूप बदलने की शक्ति थी और वो अपने रोजमर्रा के काम करने के लिए किसी जंगली जानवर या राक्षस का रूप ले सकते थे । इस भौतिक रूप में छुपे हुए लोगो का एक सदस्य दुसरे सदस्य को छोटे से झगड़े में तोड़ देता था । उन्होंने ना तो इश्वर में विश्वास किया ना उसके बाद के शाश्वत में । और इसलिए छुपे हुए लोगो ने इस पृथ्वी पर निवास किया , दुष्टता और विनाश किया , अति रक्तपात किया । उनके ह्रदय में क्रोध और विद्वेष का पोषण हुआ ।
अज़ाज़ेल समजदार था, उसे पता था उसका जीवन किसी को मारने के लिए नहीं था ना ही पृथ्वी पर अनंतकाल रहने का उसका लक्ष्य था । इसलिए अज़ाज़ेल ने ने भगवान की पूजा और आराधना को अपने जीवन का मिशन बना लिया । इतनी शिद्दत से के ब्रम्हांड में ऐसा कोई ना हो

जिसने अपने देवता की इतनी श्रध्दा की । उसने पृथ्वी का भ्रमण किया और हर कसबे हर नगर में प्रार्थना की । अज़ाज़ेल संसार के प्रभु के प्रति अपनी योग्यता साबित करना चाहता था । और उसने यह सुनिश्चत किया के संसार में एक वर्ग सेंटीमीटर भी ना रहे जहा उसने अपना सर भगवान के सामने नतमस्तक नहीं किया ।
इस ग्रह पर जमीन का एक टुकड़ा भी ऐसा नहीं था जहा अज़ाज़ेल केवल इश्वर के सामने नहीं झुके । हर गुजरते साल के साथ उसने अपनी भक्ति बढाई और वो अधिक पवित्र होती गयी । वह स्वर्ग और पृथ्वी के निर्माता को प्रदर्शित करना चाहता था के वह योग्य है , उन छुपे हुए लोगो के विपरीत जो पापी थे ।
आखिरकार उसके अच्छे काम पर स्वर्ग के लोगो की नजर पड़ने लगी । देवदूत और जीव जो उज्वल प्रकाश से निर्मित हुए थे उन्होंने अज़ाज़ेल के साहस और उत्साह की प्रशंसा की , उसके लचीलेपन और धर्मपरायणता पर उन्हें आश्चर्य हुआ ।
अज़ाज़ेल को अपनी अधिक प्रार्थनाओ की वजह से कुछ विशेष अधिकार भी प्राप्त हुए, आसमान से जाते स्वर्गदूत उसे दिखने लगे । जल्द ही कुछ देवदूत पृथ्वी पर रुक कर उसे नमस्कार करने लगे और और उसकी भक्ति ले लिए उसकी प्रशंसा करने लगे । वो अज़ाज़ेल को छुपे हुए लोगो के बीच एक सन्मानित व्यक्ति मानते थे ।

आसमान के फ़रिश्ते अक्सर अज़ाज़ेल से मिलकर उसके उत्कृष्ट व्यवहार के लिए उसे सलाम करते थे । कुछ लोग अज़ाज़ेल से अच्छी तरह से परिचित हो गए और उसे अपना मित्र मानने लगे ।

एक दिन स्वर्गदूतो में सामान्य दौरा कियाऔर अज़ाज़ेल को सुजाव दिया के अगर वो स्वर्ग में आकर उनकी शाम की प्रार्थनाओ और चर्चा में शामिल हो । अज़ाज़ेल यह सुनकर बहुत खुश हुए और और उन्होंने ने इश्वर की अनुमति लेने का आग्रह किया । देवदूत चले गए और और

उन्होंने ने इश्वर से प्रोटोकोल तोड़कर छुपे हुए लोगो में से एक को आने की अनुमति देने की मांग की ।

ब्रम्हांड के निर्माता ने अनुमति दे दी । देवदूत अच्छी खबर लेकर अज़ाज़ेल के पास आये और उन्होंने उसे बताया के इश्वर उसकी भक्ति से इतने खुश है के उन्होंने उसे देवदूतो को उपदेश करने की अनुमति दी है । अज़ाज़ेल बहुत खुश हुआ और वो देवदूतो के साथ स्वर्ग आया और उनके साथ दोपहर के उपदेश में शामिल हुआ । कई दिनों तक उन्होंने भगवान के दाया और महिमा में बारे में भाषण दिए और देवदूतो से प्रार्थना की के वो उसकी प्रजाति को सही रह पर लाने के लिए उसकी मदद करे ।

आखिरकार अज़ाज़ेल ने इश्वर से कहा के उसकी प्रजाति के लोग एकदूसरे को मार रहे है, जमीने तबाह कर रहे है, दूसरो की पत्नियों को तबाह कर रहे है और सृष्टि के रचना कर्ता से भी इनकार कर रहे है । इसलिए उसने परमेश्वर से देवदूतो की पूरी सेना रखने की अनुमति मांगी ताकि वो पृथ्वी से ये व्यभिचार खत्म कर सके और उन छुपे हुए लोगो को दण्डित कर सके जो पाप कर रहे है । कठिन समय के दौरान देवादुतीय महिमा को छोड़कर अपना कार्य जरी रखा । देवदूत उसके कर्तव्यपारायण शिष्य थे और और परमेश्वर पर विश्वास ना करने वाले छुपे हुए लोगो के खिलाफ उन्होंने हथियार उठाये । हजारो सदाबहार पेड़ जिनकी शाखाये ख़ुशी से लहराती थी ऐसे जंगल में देवदूत को सेना गयी ।

छुपे हुए लोग मानवी आँखों के लिए अदृश्य थे क्यूंकि वो उर्जा और गर्मी से बनाये गए थे, लेकिन देवदूतो के पास उनको महसूस करने की शक्ति थी । भले ही छुपे लोग बहुत गति से यात्रा कर पाते और पन्द्रह सौ वर्षो तक जी सकते थे पर वो देवदूतो को हरा नहीं सकते थे ।

बादमे इश्वर ने उसकी इच्छा पूरी कर दी और देवदूतो की सेना के के साथ पृथ्वी पर आया और किया । पृथ्वी को व्यभिचार और और नरसंहार की लागत से बचाने में अज़ाज़ेल की बहुत ताकत लग गयी पर उसके पास बहुत साहस था और बुराई का अंत करने के लिए उसने बहादुरी से लढाई की ।

दरअसल अग्नि प्रजाति ने अज़ाज़ेल के हस्तक्षेप पर तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की । उन्होंने पहाडियों और पहाड़ पर झपट्टा मारा, आग और तूफान से पृथ्वी को तहस नहस करने की कोशिश की , पर उसने बहादुरी दिखाई । भयावहता को दूर करने के लिए कई बार अपनी जान जोखिम में डाली । जो देवदूत उसके साथ पृथ्वी पर आये थे वो भी कभी कभी इन खतरों से डर जाते थे पर पर अज़ाज़ेल उन लोगो में से नहीं था जो खतरों से कतराता था । वो अपनी योग्यता साबित करने के लिए बेताब था इसलिए वो घातक स्थिति में भी कूद जाता ।

हजारो छुपे हुए लोगो ने देवदूतो के खिलाफ बचाव संघटन किया । उन्होंने अपनी आग की ताकतों को इकठ्ठा किया और पृथ्वी पर कुछ स्थानों पर ज्वालामुखी के विस्फोट किये ताकि आसमान ज्वालामुखी के राख से भर जाये और स्वर्गदूत आसमान से आकर अज़ाज़ेल की सहायता ना कर पाए ।

अज़ाज़ेल को पता था के इस मिशन से उसके जान को खतरा है , पर उसे ये भी पता था के देवदूत देवदूतो में उसको बहुत सम्मान मिलेगा और वो वो उसके कर्तव्यपरायण शिष्य बने रहेंगे और उसके व्याख्यान में भाग लेते रहेंगे ।

जब बहुत सारे छुपे हुए लोग पहाडियों पर और पृथ्वी के अस्थिर क्षेत्र में झुण्ड बनाकर रहने लगे तब अज़ाज़ेल ने उनपर ध्यान भटकाने वाले

हमले कर उन्हें नष्ट करने की कोशिश की । उन्होंने गुफाओ और प्रयाद्विपो के पीछे तक खुदाई की और सुरक्षा इतनी सद्दृढ़ की के देवदूत भी पीछे हटने लगे । अज़ाज़ेल इस घटनाक्रम से घबरा गया और अकेले ही उनके सुरक्षा पंक्ति में घुस गया और काफी चोट भी खायी । हलाकि आग से बने हजारो लोग डटकर अपनी जगह खड़े थे । उन्होंने पहाड़ो को गर्म करने के लिए अपने शरीर की आग का इस्तेमाल किया और अपने अंदर से विशाल मांस खानेवाली चीटियों और कीड़ो को बाहर निकाला ताकि अज़ाज़ेल की प्रगती में बाधा डालने की कोशिश की । जैसे ही अज़ाज़ेल ने उनके ठिकाने में जबरदस्ती घुसने की कोशिश की उन्होंने उसपर चीटियों के सेना छोड़ दी । उसने स्वयं को अरबो चीटियों की सेना से घिरा पाया जो सैकड़ो वर्षो से शीत निद्रा में थी । भिनभिनाते कीड़ो का भयंकर दृष्य देख अज़ाज़ेल सतर्क हो गया, पर वो एक त्वरित विचारक था और तेजी से विचार करता था । उसने अपने शरीर की अग्नि को बुजाया और चारो और सुरक्षा घेरा बनाया और सीधे उनके परिक्षेत्र की और चला गया । उसने सफलता पूर्वक अपने प्रजाति के लोगो पर कब्जा कर उन्हें कैद किया । उसने हर कस्बे हर द्वीप का दौरा किया और ये सुनिश्चित किया के एक भी छुपा हुआ ना रह सके जो उत्पात बंद कर उसके सामने समर्पण ना करे ।

सैकड़ो बार अज़ाज़ेल ने लगभग अपनी आत्मा का बलिदान किया और स्वर्गदूतो को बचाने के लिए खुद की जान को जोखिम में डाली जो छुपे हुए लोगो से लढ रहे थे । कई वर्षो की झडपो और लड़ाईयो के बाद आखिरकार वह लाखो वर्षो की अशांति को खत्म करने में कामयाब हुआ और देवदूतो को उसके कामपर बहुत गर्व था । इन विद्रोही वर्षो में देवदूतो ने अपने अन्दर की आग को पृथ्वी की मूल में तःथा आठ पहाड़ो में निर्देशित किया जो ज्वालामुखीविस्फोट का कारण बनते है । इस वजह से विस्फोट के मुह से गर्म कालिख और राख निकलती थी और आकाश को सीसे के बादल से भर देती थी । कई महीनो तक रख के बादल से

आसमान भरा रहा और सूरज की रोशनी रुक गयी जिस वजह से कई पेड़ मर गए । ज्वालामुखी के राख से आसमान भर जानेपर छुपे हुए लोगो ने जीत की ख़ुशी मनाई और कई महाद्वीपों पर और ज्वालामुखी फटे । सूर्य के प्रकाश के कमी से वैश्विक तापमान में कमी आयी और बहुत से जानवर और पौधे मर गए सुख गए । भीषण आग हर जगह जारी रही जिसकी वजह से वातावरण में अरबो टन सल्फेट अर्सोनोल भर गया जिससे जानवरों को साँस लेने में मुश्किल होने लगी ।

अज़ाज़ेल इस घटना से चिंतित था क्युकी वह जानता था की सूर्यप्रकाश की कमी पृथ्वी की परिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुचायेगी और फसल बर्बाद हो जाएगी इसलिए उसने इस अपराध को करने वाले छुपे लोगो को पकड़ने के लिए पृथ्वी में गोता लगाने का तय किया । अपनी सुरक्षा की जरा भी परवाह ना करते हुए अज़ाज़ेल ज्वालामुखी के पासवाले खायी में प्रवेश किया और बहते हुए तरल मैग्मा से सरकते हुए ज्वालामुखी के मुह तक पहुच कर उसे पथ्थरो से भर दिया ताकि फैलाव धीमा हो जाये । आखिरकार अज़ाज़ेल सभी आग बुझाने में सफल हो गया और उन छुपे हुए लोगो की तलाश में आगे बढ़ा जिन्होंने इसकी शुरुवात की थी ।

स्वर्गदूतो के शानदार स्कवाड्रन जिन्होंने अज़ाज़ेल की इस नेक काम में सहायता की जिसमे उन्होंने विद्रोह करनेवाले छुपे हुए लोगो के खिलाफ बहादुरी से लडाई की । कुछ ही वार्शो में छुपे हुए लोगो को दबा दिया गया और उनके विद्रोह को दबा दिया गया । स्वर्गदूतो की सहायता से छुपे हुए लोगो को अपमानित तरीके से हराया गया । जल्द ही उनके सभी दिग्गज तितर बितर हो गए , उनकी सेनाओ का दमन कर दिया गया ।

छिपे हुए लोगो में से वे लोग जो उनके लिए जिम्मेदार थे उनको गुफाओ और द्वीपों में बंद कर दिया गया । अज़ाज़ेल आसमान में अपने दोस्तों के पास लौट आया और देवदूतो को इश्वर के और स्वर्ग के बारे में पाठ देता रहा ।

अज़ाज़ेल इतने प्रभावी ढंग से स्वर्गदूतो का सम्मान अर्जित करने में सक्षम था की उन्होंने ख़ुशी ख़ुशी उसे अपना निजी नेता बना लिया । ये अप्रत्याशित कदम अज़ाज़ेल के लिए एक झटके के रूप में आया, वो जानता था छुपे हुए लोग निम्न स्तर के थे पर देवदूतो को प्रकाश से बनाया गया था , उसने ये पड़ ख़ुशी ख़ुशी स्वीकार कर लिया ।

प्रत्येक दिन अज़ाज़ेल स्वर्गदूतो को इकठ्ठा करता और और उन्हें इश्वर की महिमा और शक्ति के बारे में वाख्यान देता , वो उनका विश्वासु उपदेशक बना । हालाकि वो देवदूतो में से एक था पर वो खुद को श्रेष्ट मानता था । नजरो से छुपे हुए होने का अज़ाज़ेल को फायदा था और उसकी अपनी जाती के लिए भी । आग से बने हुए होनेपर उसे गर्व था और उसने किसी तरह सोचा के प्रकाश से बने हुए स्वर्गदूत उससे हिन् है ।

देवदूत उज्वल चेहरे के साथ बेदाग रौशनी से जगमगाते हुए आगे बढे । उनकी पगड़िया शाम के तारे की तरह चमक रही थी जब वो बोलते थे तब उनके मुह से नर्म रौशनी की किरने चमकती थी । वो शुध्द प्रकाश से बनाये गए थे और उनके व्यवहार में त्रुटिहीन शालीनता और संतुलन थी । अज़ाज़ेल उनकी जाती का नहीं था पर हर दिन हर रात देवदूतो को एकजुट होकर मार्च करते देख वो भयभीत होता था ।

अज़ाज़ेल और उसकी प्रजाति के लोगो को धुआ रहित आग से बनाया गया था इसलिए उनमे अदृश्य बने रहने की क्षमता थी । वह एक ऐसी प्रजाति से आया था जिसके सदस्यों ने सदियों तक अस्वीकृति का अनुभव किया । उनकी विशेषता के कारण स्वर्गदूतो ने उन्हें “छुपे हुए लोग “ बुलाया । लाखो वर्षो तक छुपे हुए लोगो ने पृथ्वी के हर दरार पर कब्ज़ा किया था, अज़ाज़ेल को बहुत कम समय में बहुत प्रसिद्धि मिली और जल्द ही उसे स्वर्ग और धरती के बीच के पोर्टल का संरक्षक बनाया

गया । वर्तमान के स्वर्गदूतो के प्रमुख के रूप में उसके पास प्रवेशद्वार पर अधिकार था, छुपे हुए लोगो पर अधिकार था तथा पृथ्वीपर रहने वाले बड़े जानवरों पर भी अधिकार था । उसके विशाल ज्ञान के कारन देवदूत उसे सबसे महान मानते थे और वे उसकी प्रार्थनाओ और भक्ति से प्रभावित थे । अज़ाज़ेल ने अपने नए अधिकार का उपयोग पृथ्वी वासियों के रोजमर्रा की जिंदगी का बन्दोबंस्त करने में किया और अपने ही प्रजाति के उन लोगो को नियंत्रित किया जो आग से बनाये गए थे । अक्सर वो विद्रोह करते, उत्पात मचाते, जंगलो और घास के मैदानों में आग लगाते । अज़ाज़ेल अपनी देवदूतो की सेना लेकर धरती पर आकर उन्हें कैद कर लेता । अज़ाज़ेल को खुद के ऊपर बहुत गर्व था, वो खुद को महान और शक्तिशाली मानता था ।

इन वर्षो में उनका गौरव और आत्म मूल्य की भावना अभूतपूर्व रूप से बढाती गयी , और उनके व्याख्यान जुनूनी हुए और वो छोटी छोटी बातो पर देवदूतो को ताड़ना देते थे । हलाकि कुछ समय बाद अज़ाज़ेल दीवाना हो गया और वो घंटो तक प्रकाश से बनाये अपने देवदूत शिष्यों के बारे में सोचता रहता था । वो प्रकाश से बने इन प्राणियों की तुलना में महान बनना चाहता था, इसलिए उसने इश्वर को खुश करने का और भी प्रयास किया और और अधिक लगन से प्रार्थना की । लेकिन एक गूढ़ भावना उसके मन में घर कर गयी और इश्वर ने अज़ाज़ेल की सच्ची भावना को पहचान लिया । इश्वर जानते थे की अज़ाज़ेल भक्ति और नियमित प्रार्थना निर्माता के प्रति प्रेम के कारण नहीं कर रहा था, लेकिन क्यूंकि वो देवदूतो का वीर नेता बनना चाहता था । अज़ाज़ेल देवदूतो की नेकी से आगे जाना चाहता था, उसे बस इस बात की परवाह थी के सुन्दर देवदूत उसके बारे में क्या सोचते है ।

हवा विशाल तारो की तरह चमक रही थी और आकाश का कोई अंत नहीं दिख रहा था । स्वर्ग के गलियारे के तोरण द्वार के माध्यम से देवदूत

इश्वर का स्तुति गीत गा रहे थे । वे परमेश्वर की योजना के बारे में बहुत कम जानते थे और अपने मानवी साथी आदम के बारे में भी ।

यह स्थान प्रकाश और क्रिस्टलों के बादलो से घिरा था और , पन्ने के उचे शिखरों वाले पर्वतों से सुसज्जित था । लाल और हरे रंग की आभा वाली इस स्वप्न लोक की दुनिया में देवदूतो की टोली आनंद में रहती थी ।

आदम का निर्माण

जब भगवान ने पहले मनुष्य को बनाने के इरादा घोषित किया तब उन्होंने चार महादुतो को पृथ्वी पर उतरकर हर एक प्रकार की मिट्टी संग्रहित करने भेजा । अपने कर्तव्यों को पूरा करने और और अपने निर्माता की आज्ञा का पालन करने के लिए देवदूतो ने गोता लगाया और हर पहाड़ी हर घाटी का भ्रमण किया । वो दलदल में कूदे और मैदानों के ऊपर से गुजरे और हर जगह जाकर मिटटी संग्रहित की । एंजल गेब्रियल ने अपने साथियों को पीछे छोड़ दिया और धरती से कुछ मिटटी लाने में सफल रहे पर उनके नेता अज़ाज़ेल ऐसे व्यक्ति थे जो धरती के दुर्गम स्थान में जाकर सबसे बेहतर मिटटी लाने में कामयाब हुए ।

जब महादूत गेब्रियल ने आदम को बनाने के लिए मिटटी लेने के लिए धरती को छुआ तब धरती चिल्ला उठी ,"मै प्रभु से शरण चाहती हु, आप मेरी समृद्धि को नष्ट करने के लिए मेरी संपतिया कम कर रहे है । " दरअसल धरती की धुल और मिटटी को ये डर था के उनसे बनाये गए मनुष्य एक दिन हिंसक और पापी बनेगे और उसी जमीन पर उत्पात मचाएंगे ।

देवदूत गेब्रियल दयालु थे और वे पृथ्वी के भावनाओ के प्रति सवेंदनशील हुए और वो कुछ भी लिए बगैर भगवन के पास लौट गए । अपने

निर्माता के सामने घुटने टेकते हुए उन्होंने नम्रता से घोषणा की , “हे भगवान ! ध धरती ने आप से और मुझ से पनाह मांगी इसलिए मैंने उसे शरण दी । “

भगवान ने देवदूत माइकेल को वाही काम करने के लिए भेजा । माइकेल तत्परता से पृथ्वी पर गया । और मिटटी इकठ्ठा करना शुरू किया । पर पृथ्वी ने और एक बार उसे पुकारा । “दया करो, मै भगवान से पनाह मांगती हु के तुम मेरी संपत्ति नष्ट कर रहे और मेरी मात्रा कम कर रहे हो । “

देवदूत माइकेल ने पृथ्वी से दूर हटकर उसे शरण दी । वो भगवान के पास लौटा और बोला, “हे प्रभु, सचमुच पृथ्वी ने आप से शरण मांगी थी और मैंने उसे देना उचित समझा । “

देवदूत अज़रेल ध्यान में खड़े थे जब भगवान ने उन्हें आदम को बनाने के लिए मिटटी लाने का आदेश दिया ।

देवदूत अज़ारेल ने अपने निर्माता के सामने सर झुकाया और कहा, मै जाकर बिना कुछ लिए लौटने से पहले आपसे शरण मांगता हु ।

पृथ्वी की और तेजी से बढ़ते हुए अज़ारेल ने हर कोने में जाना शुरू किया हर तरह के मिटटी के नमूने इकठ्ठा किये । उसने रेत, कीचड़, पत्थर हर द्वीप से इकठ्ठा किये और ये सुनिश्चित किया के हर नमूना अलग हो । अपना कर्तव्य पूरा कर अज़ारेल तेजी से स्वर्ग में लौटा और नमूने का संग्रह इश्वर के सामने पेश किया । इश्वर के पंखो वाले दूत ने स्वर्ग में वापस लौटकर देवता के समक्ष संग्रह पेश किया और पीछे हट गया ।

जब देवदूत अज़ारेल ने अपना संग्रह जमा किया तब इश्वर ने उससे पूछा, “क्या पृथ्वी के बिनती करने पर तुमने उसे दया नहीं दिखाई?”

देवदूत अज़ारेल ने नम्रतापूर्वक उत्तर दिया, “हे प्रभु पृथ्वी की बिनती से ज्यादा मुझे आपका आदेश महत्वपूर्ण लगा । “

सच में देवदूत अज़ारेल इश्वर का एक समर्पित देवदूत है जो स्वर्ग से आनेवाली सभी आज्ञा ओ का पालन करने के लिए तैयार है, वह अपना कर्तव्य निभाने पर दृढ़ था । उसने पृथ्वी से मिटटी के पर्याप्त नमूने प्राप्त करने का काम पूरा किया और उसने पृथ्वी के मिटटी ना लेने की बिनती को अनदेखा किया ।

इश्वर ने अज़ारेल से कहा,”तुम आदम के बच्चो की आत्माओ को लेने के लिए लायक हो । “

इसी दिन से अज़ारेल को हर इन्सान की जान लेनेवाला घोषित किया गया । अब वो इंसानों के लिए देवदूत अज़ारेल नहीं बल्कि मौत के फ़रिश्ते के नाम से मशहूर हुए । उसकी उन्ही मनुष्यों की आत्माए लेने के लिए निंदा की गयी जिन्हें बनाने के लिए उसने मदद की थी ।
मिटटी का निर्माण

परमेश्वर ने मिटटी को तब तक गिला किया जब तक वो कीचड़ नहीं बनी । फिर उसने उसे दुर्गन्ध आने तक छोड़ दिया । फिर उसने देवदूतो से कहा, “मै मिट्टी से इन्सान बनाने जा रहा हु , जब मै उसे बनाऊंगा और उसमे प्राण फुकुंगा तब उसे श्रध्दा से प्रणाम करना । “ (अंतिम वसीयतनामा ३८:७२) धीरे धीरे परमेश्वर ने इन्सान को अपने हाथो से बनाया ताकि शैतान उसपर घमंड ना कर सके । उसने कहा, “क्या तुम इसपर इतराओ गे जिसे मैंने अपने हाथो से बनाया जब की मै घमंड नही करता । “

वो शुक्रवार का दिन था जब भगवान ने आदम को इन्सान के रूप में बनाया । आकृति बनने पर वाह केवल एक चालीस साल का शरीर रह गया । उसके पास से गुजरते देवदूत उसका आकार देखकर चिंतित हो जाते । उन्होंने अपने भय को दबाया और अपने नेता के पास चिंता जाहिर की ।

अज़ाजेल के दिल में सबसे ज्यादा डर था । ये मिट्टी से बनी चीज जैसी कोई चीज उसने देखि नहीं थी उससे उसे खतरा महसूस हो रहा था । अज़ाजेल उसके शरीर के हर हिस्से की जाँच करता था और जब वह उसके पास से गुजरता तो उसपर तीव्र प्रहार करके देखता क्या होगा । वो हर जगह फैलने वाली ध्वनी ने अज़ारेल को मोहित कर लिया और वो उसी और लौटता रहा और उस मिटटी की गुडिया को देखते रहता । हर दिन देवदूतो के पाठ की तैयारी करने से पहले अज़ाज़ेल उस गुडिया के पास जाता उसपर प्रहार करता और आवाज सुनता । वो मिटटी से बना बेजान शरीर जोर से आवाज करता ।

अज़ाज़ेल आग बनी प्रजाति का था और अपने अपने अद्भुत शक्तियों के रूप में भगवान ने उन्हें अपनी उर्जा को एकत्रित करने और अद्दश्य होने की शक्तिया दी थी और वे एक जगह से दूसरी जगह प्रकाश के तेजी से जाते थे । अज़ाज़ेल ने अपने शक्ति का इस्तेमाल करके हवा का रूप लिया और और उस गुडिया के मुह से प्रवेश करके पीछे से निकला ।

इसके बाद अज़ाज़ेल अपने दैनिक व्याख्यान के लिए आगे बढ़ा और अपने देवदूत शिष्यों को विस्तार में बताया के इस बदसूरत गुडिया से डरने की जरुरत नहीं है । उसने स्वर्गदूतो से कहा, “ इस चीज से डरो मत । ये खोखला है । मेरा वश चले तो मै उसे नष्ट कर दू । “

ऐसे कहा जाता है के जब अज़ाज़ेल अपने शिष्यों के साथ उस शरीर के पास से गुजरते तो वो उन्हें उसका आदर ना करने के लिए कहते जिसे भगवान ने बनाया था । तब अज़ाज़ेल ने स्वर्गदूतो से कहा, हे सुंदर देवदूतो क्या आप इस प्राणी को देखते है जिसके जैसा अपने कोई देखा नहीं । यदि उसे आपसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है और आपको उसकी आज्ञा का पालन कहने कहा जा रहा है तो ऐसा मत करो । " स्वर्गदूतो ने तुरंत जवाब दिया ,"हम अपने इश्वर के आज्ञा का पालन करेंगे । "

इसलिए अज़ाज़ेल ने छुपाया और धीरे से बोला,"अगर उसे मुझ से ज्यादा पसंद किया जाता है तो मै उसकी आज्ञा का पालन नहीं करूँगा । अगर उसे ज्यादा तवज्जु दी गयी तो मै उसे बरबाद बाँद कर दूंगा । "

जब देवदूत अज़ारेल ने पृथ्वी से मिटटी के नमूने जमा किये , तो उसने हर एक प्रकार की मिट्टी लेना सुनिश्चित किया । उसने लाल, काली और सफेद मिटटी इकठ्ठा की जिससे इश्वर ने आदम को बनाया । और मानव जाती के पिता के रूप में उसके शरीर के अंदर प्रत्येक व्यक्ति के लक्षण थे । इसीलिए सदियों तक आदम की संताने विभिन्न रंग में उभरी ।

परमेश्वर द्वारा जब इन्सान को मिटटी से बनांने की इच्छा जाहिर की गयी तब देवदूत आपस में बोले एक रक्त मांस से बना हुआ प्राणी धर्म का पालन कैसे करेगा । पृथ्वी उनके लिए भयानक निवास स्थान होगी क्युकी लोग असहाय होकर भूखे मर रहे होंगे । कुछ देवदूत उन शहरो से गुजरे जहा कोई धर्म नहीं जानता था और लोग जीने के लिए एकदूसरे को मारते थे । सच में मानव जाती सिर्फ तकलीफ देगी और उत्पात मचाएगी । देवदूतो को छुपे हुए प्रजाति का अनुभव था जो सालो से पृथ्वी पर रहते थे । उन्होंने रक्तपात किया, अपने प्रियजनों को मारा । मानव जाती भी ऐसा ही कर सकती थी फिर भी इश्वर की इच्छा थी उन्हें बनाने की ।

जब उस मिटटी के शरीर में प्राण फुकने का वक्त आया तब इश्वर ने कहा, “जब मै इसमें मेरी आत्मा का अंश डालूँगा तब उसे प्रणाम करना । “ जब उन्होंने उसमे प्राण फुका तो वो उसके दिमाग में प्रवेश किया और आदम को छिक आयी । “

देवदूतो ने आदम से कहा, “कहो, इश्वर ही सब कुछ है । “

आदम ने हर्षित होकर विनम्रता से कहा, “इश्वर ही सब कुछ है । “ सर्वशक्तिशाली इश्वर ने आदम से कहा,”तुम्हारा इश्वर तुम पर दया करे । “

जब प्राण ने उसकी आँखों में प्रवेश किया तब आदम को स्वर्ग दिखाई दिया । जब उसने बगीचे के फल देखे तब उसकी आंखे उत्सुकता से चमक उठी । जब प्राण ने उसके पेट में प्रवेश किया तब उसे बहुत भूख लगी और कुछ खाने की इच्छा हुयी तभी प्राणों के पैरो तक पहुचने से पहले ही उसने बगीचे के फल तोड़ने के लिए छलांग लगायी ।

भगवान ने आदम के शरीर को सब से अच्छी विशेषताओ से सुशोभित किया और नश्वर ह्रदय में प्रेम और स्नेह भर दिया । आदम और उसकी जाती पर दया और प्रेम के शानदार सिद्धन्तो की वर्षा की गयी । अधिनस्तो से लेकर परम तक जो भी आदम की संतान थे वे नियति में स्वतंत्र थे ।

एक ही शब्द से इश्वर ने धुल को समझदार दिमाग वाला और और धडकते दिलवाला आदमी बनाने की आज्ञा दी ।

देवदूतो और छिपे हुए लोगो के सामने एक आदमी को बनाया गया जिसका नाम रखा गया आदम जिसका शाब्दिक अर्थ है इन्सान ।

इस घटना से देवदूत चकित हो गए और अपने सामने खड़े इस दिलचस्प प्राणी को आश्चर्य से देखने लगे । आदम के रचना के पहले घंटे के दौरान उसके पास पसली का घेरा नहीं था उसका रूप अब भी कमजोर था । वो पहले मानव की छोटी अंधकारमय मूर्ति देखकर देवदूत इतने प्रभावित नहीं हुए जितजितना उन्होंने सोचा था । उनका पंखोवाला अस्तित्व प्रभावशाली और सुरुचिपूर्ण था, अपने बहुत सुंदर अंगो के साथ तीखे और आकर्षक नैन नक्श , हलके बाल, और स्पष्ट क्रिस्टलीय आंखे, उत्कृष्ट नाक जो लटकन की तरह थी उनके उज्वल चेहरे अधि रात को चंद्रमा में चमक रहे थे । अपने इतने सुंदर रूप के साथ देवदूत खुद को मानव से बेहतर मानते थे जिनमे मानव जैसी वासना, दंभ या अहंकार जैसी खामिया नहीं थी । वे अधिक बाल होना पसीना या नश्वरता से मुक्त थे । आज्ञाकारिता और सज्जनता के अलावा देवदूतो को इस मानव में और कोई अलौकिक विशेषताए नहीं दिखी जिसे आदम कहा गया । ब्रह्मांड में ऐसी कोई जगह नहीं थी जहा देवदूतो ने इश्वर की स्तुति नहीं की और उन्हें समझ नहीं आया के आदम जैसा कलकाला छोटा आदमी क्या योगदान देगा ।

उस दिन आसमान में हर एक के मन में जिज्ञासा थी , स्वर्गदूतो ने अपने शिक्षक को जल्दी बुलाकर दिलचस्प घटनाये बताई । आखिर हर दिन ऐसा नहीं होता था के परमेश्वर उनके सामने एक नयी प्रजाति बनाये, इसलिए उन्होंने अज़ाज़ेल को आदम का अस्तित्व बताया ।

अज़ाज़ेल देवदूतो का नेता बनकर खुश था । उसकी अपर कर्तव्यनिष्ठा उसके व्यवहार में और उग्र भाषणों में प्रकट होती थी । यह सोचकर उसे बहुत प्रसन्नता होती थी के उससे ज्यादा गुण रखनेवाले देवदूत भी उसके शिष्य थे । निश्चित रूप से ब्रम्हांड में उससे ज्यादा बेहतर कोई नहीं था । लेकिन यह आदम एक जिज्ञासा का कारण था जो धुल से बनाया गया था । हलाकि इश्वर बिना कारण के कुछ भी नहीं करते थे और इस नयी

रचना के नसीब में पता नही क्या था । वाह जल्दी से उस जगह पर गया और आदम को देखने लगा ।

अज़ाज़ेल ने देखा हुआ पहला इन्सान काफी नाजुक था । उसकी बड़ी और गहरी आंखे दयालुता से भरी हुयी थी, उसका गोल चेहरा सजीवता से चमक रहा था , उसकी कद काठी सौम्य थी पर उसके दृष्टिकोण में विनम्रता और करुना की झलक थी जो देवदूतो के नेता को स्पष्ट दिखाई दे रही थी । अज़ाज़ेल उस खास चीज की तरफ आकर्षित हुआ जो लगातार धडक रहा था । वो उस मानव के इर्दगिर्द घूम घूमकर उसके अंदर के दिल को देखता रहा । अज़ाज़ेल को समझ नहीं आया के वो क्या चीज है पर उसका होशियार दिमाग उसे उसका उद्देश्य बता रहा था । उसे यकीं था के इश्वर ने इस मुठ्ठी जितने चीज को भावनाओ और संवेदनाओ के सागर से बनाया था । और उसने आदम के दिल के गहराई में झाककर उसके राज और कार्य जानने की कोशिश की । अज़ाज़ेल जितना महत्वकांक्षी था वो अपने आप पर काबू ना रह सका और वो उसके दिल में झाककर ये जानने के तरीके इजाद करने लगा के वो मनुष्य के इस सबसे महत्वपूर्ण अवयव पर कुछ प्रभाव डाल सकता है या नहीं । अज़ाज़ेल ना तो मिटटी से बना था ना प्रकाश से । उसे और उसकी जाती को अदृश्य होने तथा गती से यहाँ वह जाने की शक्ति प्राप्त थी । यहाँ तक के वे अस्पष्ट स्थान में भी प्रवेश कर सकते थे । मानव शरीर में हृदय से प्रवेश कर उसके रक्त वाहिनी में बहना उसके बस में था । इसलिए उसने कल्पना की ।

लेकिन इश्वर जो सर्वज्ञ और सर्वशक्तिमान है वो जानते थे के अज़ाज़ेल आदम के कोमल और नाजुक हृदय पर हमला करेगा । इसलिए इश्वर ने आदम को पसलियों का पिंजरा उपहार में दिया जिससे अज़ाज़ेल और उसके जैसी सोच वालो से इन्सान की रक्षा हो । शैतान का मानना था के स्वर्गदूतो को इंसानों में उसे रोकने के लिए कोई सहयोगी नहीं मिलेगा

इसलिए उसने इस मिटटी से बने इन्सान के मन को नियंत्रित करने के तरीके पर विचार किया ।

जब परमेश्वर ने देवदूतो से कहा के वो इंसानों को पृथ्वी का वाइसराय बनाना चाहते है तब तब इन निष्कलंक सज्जन सेवक आत्माओ ने आश्चर्य व्यक्त किया । उन्होंने सोचा के क्यों इस रक्त और मांस से बने प्राणियों को पृथ्वी पर रहने देना चाहिए जब की वे खुनी उत्पात मचाने वाले छुपे हुए लोगो की तरह व्यवहार करने की संभावना है । पर इश्वर ने उन्हें कड़े शब्दों में चुप कराया, “वास्तव में मै वह जानता हु जो तुम नहीं जानते । “इश्वर ने स्वर्गदूतो को यदयाद दिलाया के सभी मनुष्य शरारती नहीं थे , अपने दिव्य ज्ञान का हवाला देकर इश्वर यह चाहते थे की देवदूत ये जान ले के वहा धर्मनिष्ट पुरुष और महिलाये होंगी, जो पृथ्वी पर शालीनता से रहेगी और पवित्र जीवन जियेंगी, पैगंबर और संत गुनोवाले लोग और ऐसे लोग जो इश्वर की आज्ञाव के बारे में एकजुट होंगे और और शुद्धता और आज्ञाकारिता के शपथ के साथ जियेंगे ।

आदम को एक आदर्श मनुष्य के रूप में गढ़ने के बाद उसे देवदूत और उनके नेता अज़ाज़ेल के सामने खड़ा किया गया और उन्होंने पहली बार पूर्ण रूप से निर्मित मानव को देखा । परमेश्वर ने उन्हें मिटटी से बने मानव के सामने झुकने का आदेश दिया । जब अज़ाज़ेल ने इश्वर की आज्ञा सुनी तब उसने अपना आक्रोश दबाने की जहमत नहीं उठाई पर देवदूतो ने तुरंत आज्ञा का पालन किया । उन्होंने पहले मानव को सम्मान देते हुए अपने घुटने टेककर अपने सुंदर चेहरे जमीन पर झुकाए । अज़ाज़ेल पीछे हटा और उसने ऐसे करने से इंकार कर दिया ।

आदम एक उत्साही विद्यार्थी था, परमेश्वर ने दिए सारे ज्ञान के साथ उसने खुद को शिक्षित किया था । अपने होशियारी के बावजूद आदम का दिल कोमल और जिज्ञासा भरा था । जब परमेश्वर ने उसे पृथ्वी और स्वर्ग के हर चीज का नाम याद करने के लिए कहा तब तब उसने इश्वर

की सिखाई हर चीज को तुरंत दोहराया । देवदूत आपस में चर्चा करने लगे और उन्होंने ने उसकी बुद्धिमानी के सामने सर हिलाया । वो कह रहे थे की उनके रब ने सच कहा था और वैसा ही हुआ । आदम शिक्षा, व्यवहार और और आचरण के मामले में उनसे श्रेष्ठ था । स्वर्गदूतो ने उसके साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया कर्तव्यनिष्ठा से उसका सम्मान किया । वास्तव में आदम इन पंख वाले देवदूतो से गठबंधन करके खुश था जो ऐसे लगते थे जैसे उन्हें बर्फ से तराशा गया हो । ठन्डे और सुसंस्कृत और अत्यंत सौम्य आचरण वाले जैसे उनका जन्म महान हो ।

आदम के पास नरम दिल था अच्छी स्मरण शक्ति थी और उसे नयी भाषाए और शब्द सिखने में मजा आता था । देवदूतो को लगता था आदम अत्यंत प्रतिभाशाली है पर मिटटी से बने इस इन्सान में अज़ाज़ेल को कुछ खासियत नजर नहीं आती थी ।

आदम एक वयस्क व्यक्ति था लेकिन उसकी मुस्कराहट बच्चो की तरह मासूम थी जिससे तर्क और सच्चाई से स्वर्ग की सेवा करनेवाले कट्टर देवदूतो को भी आकर्षित किया था । जब आज्ञा दी गयी तब सभी देवदूतो ने उसके सामने सज्दा किया । वो शरमा गया । उसने नम्र दृष्टी से जमीन की तरफ देखा , उसकी लम्बी पलके उसकी बड़ी काली आँखों को ढक रही थी , अज़ाज़ेल क्या कर रहा था या क्या कह रहा था उसपर उसका ध्यान नहीं था ।

अज़ाज़ेल आग से बने छुपे हुए लोगो के जाती का था पर वावह स्वर्गदूतो को सम्मान पाने और उनका नेता बनने में कामयाब रहा । शैतान बनने से पहले अज़ाज़ेल हजारो वर्षो तक देवदूतो के साथ रहा । जब तक देवदूत उसे अपने गुरु और सलाहकार के रूप में सम्मान देते रहे वह उनके साथ रहा, उसनके साथ प्रार्थनाये की और ये भी भूल गया के वाह किस जाती का था । पर अब मोटी नाकवाले काले आदम की आकृति को देखकर उसे

गर्व महसूस हुआ । उसने अपने निर्माता के आज्ञा का अस्वीकार किया और और इस बात पर जोर दिया के मिटटी से बने मानव के सामने झुकना उसे शोभा नहीं देता ।

परमेश्वर का क्रोध अज़ाज़ेल पर उतरा और उसे स्वर्ग से अनंतकाल के लिए निर्वासित कर दिया । और देवदूत सद्भाव से आदम की विनम्रता से सेवा करते हुए वाही रह गए । उसे इश्वर ने खुद बाहर निकाला था जिन्होंने घोषित किया, "जाओ, क्युकी तुम सचमुच बहिष्कृत हो । प्रतिशोध के दिन तक तुम पर श्राप रहेगा । "(अंतिम वसीयतनामा 7:34)

आदम के लिए स्वर्ग में जीवन खूबसूरती से पर्याप्त था । पंख वाले देवदूत उसकी हर जरुरत का ख्यखयाल रखते थे । आदम की उल्लासपूर्ण भावना, बुद्धि और दयालुता ने देवदूतो को उसके प्रति स्नेहपूर्ण बना दिया । उन्होंने देखा के पहला मानव हर एक के प्रति बहुत विनम्र और सौम्य था और अपना सारा भोजन और फल सबके साथ बाटता था । हलाकि देवदूत हमेशा मना करते थे क्युकी वे ठंडी रौशनी से बने थे उन्हें भोजन या पेय की कोई आवश्यकता नहीं थी ।

देवदूत हर सुबह शाम उसे प्रणाम करते, उसे सुखद संगती देते और दोस्ती का दिया हर मोड़ पर दिखाते । ओह आदम को इस स्वर्ग में शामिल होकर कितना आनंद आया । वो रेशमी पर्दे, सुनहरे रंग और छायांकित कढाई वाले मखमली कालीन पर बैठता ।

आदम की मासूमियत बच्चो जैसी थी और उसका स्वाभाव दयालु था और कभी कभी भावुक भी । यह भूमि कितनी जादुई थी जहा वो स्वतंत्रता से भाग दौड़ चल फिर सकता था । स्वर्ग घर से बढकर था । आदम के लिए ये विश्राम का घर था और ये ऐसी जगह थी जहा हमेशा शांति रहती थी ।

वहा वह शांत एकांतवास और सौम्य अकेलेपन में रहे । हर घंटे भोजन के हजारो थाल उसके सामने आते थे । अनंतकाल तक बहने वाले झरनों से बाष्प निकलते थे जिससे उसके अकेले दिल को सांत्वना मिलती थी और ख़ुशी से दिल रोमांचित होता था ।

अक्सर आदम चांदी और और सुनहरे पेड़ो के चारो और दौड़ता था । हर दिन नया गाना गानेवाले सुनहरे पक्षियों के साथ खेलता था । सूरज की गर्मी से अछुता, चाँद से अछुता स्वर्ग उसके लिए सबसे आदर्श घर था ये वह जानता था ।

आदम को इस अक्लापनिय विलासिता का मालिक होने पर और स्वर्ग में सबसे अलग इस विलसित हवेली में रहनेपर गर्व था । विलासिता के सामग्री से घिरा हुआ आदम अक्सर चांदी के लटकनो ने पास बैठा रहता था जिसकी अग्रभाग नाजुक था और जिसकी छाया सुनहरी थी । प्रत्येक दिन समापन के तैरते गोले स्वर्ग को विदा करते थे , आदम अपने जीवन में संतुष्ट था ।

हीरे की माला की तरह ऊपर चमक रहे सोने की गर्मी रहित कोमल उजली किरणों से सुरक्षा की उसे कोई आवश्यकता नहीं थी । ये जन्नत थी जहा कोई दुःख नहीं था बस सुखद यादे बन सकती थी । ताम्बे से मढ़ी हुयी स्वर्ग की चमकती रौशनी हमेशा आईने पर प्रतिबिम्बित होती रहती थी । हर ऊँचाई से सुगन्धित धाराए बहती रहती थी । सोने चांदी से जड़े रेशमी कपड़े पहनने के बाद और झरनों का मीठा पानी पिने के बाद आदम को अत्याधिक आनंद होता था । हर मोड़ पर प्रकाश और सोने के स्तंभ थे, आनंद की इस भूमि में आदम की जिज्ञासा बच्चो की तरह थी ।

हर मिलनेवाले से आदम प्यार करता था, स्वर्ग के साथी उसके घनिष्ट मित्र बन गए थे । वो बहिष्कृत शैतान करार दिए गए अज़ाज़ेल को

आश्चर्य से देखता रहता था और देवदूतो से बात करता था । जल्द ही उसने उन सबसे दोस्ती कर ली जो सेवक इश्वर की आज्ञा का पालन करने के लिए उत्सुक थे । पन्ने के घासमैदान में आदम उत्साह से दौड़ता था और हीरे जडित रेत के पार बने फूलो के बिस्तर पर लेटता था । उसे छोटी छोटी वस्तुए बनाने में बहुत आनंद आता था , उसने छोटी मुर्तिया और रेरेत के महल बनाये । ओह वो कितना खुश और विनम्र था, वो हर मिलनेवाले देवदूत का स्वागत मुस्कुराहट से करता था और क्युकी वह काला था मुस्कुराते हुए उसके सफ़ेद दांत चमकते थे । आदम अपने आश्चर्यजनक जीवन को देखता रहता और खिलखिलाके हसता रहता और देवदूत आश्चर्यचकित होते के आदम लगातार इतना प्रसन्न क्यों रहता है । जल्द ही उनको आदम का अत्याधिक मिलनसार स्वभाव समझ आया और अपने नए जीवन में शामिल होने का उसका अधिकार था । पर उसे स्वर्गदूतो की संगती पसंद थी और वो अक्सर उनसे बातचीत करता था और स्वर्ग से लाये छोटी छोटी चीजे उन्हें देता था । आदम अक्सर उन्हें उत्तम व्यंजनों से भरी थालिया उपहार में देता था और सूरज की किरणों से चमकते अपने नए वस्त्र उन्हें दिखाता था । आदम का उत्साह संक्रामक था और वो उससे बात करते हुए हमेशा उसे महसूस कर सकते थे । वास्तव में आदम सबसे अलग था उसका हृदय बच्चो जैसा था और दिमाग अध्ययनशील और जिज्ञासु शिष्य की तरह था । उसकी बड़ी आँखों से गर्मजोशी और प्यार झलकता था और उसके हृदय में सिर्फ अपने देवदूत मित्रो के प्रती प्यार था । आदम उनसे अक्सर अपने निर्माता के बारे में अधिक जानने की कोशिश करता था और और उनसे लगातर सवाल पूछता रहता था के उसे कब और कैसे बनाया गया और उसके पहले विश्व कैसा था ।

कुछ देवदूत देखते की आदम कितना प्यारा है और कुछ लोग उसे सावधानी से देखते रहते । देवदूत इस इन्सान की अनाकर्षक शक्ल पर जो काला और छोटा था , आशंका लिए बिना नहीं रह सकते थे जो जो उनके बिलकुल विपरीत था , उनकी त्वचा क्रिस्टलीय और गोरी थी ।

आदम मिटटी से बना था, उसका नाम अदमाह शब्द से लिया गया था जिसका अर्थ था भूरापन एक सावलापन । उसे आदम इसलिए भी कहा जाता था क्युकी वो पृथ्वी के सतह से ली हुयी मिटटी से बना था ।

आदम की रचना देवदूतो के लिए एक झटका था और देवदूतो के नेता और गुरु अज़ाज़ेल के लिए एक आश्चर्य था । उन सबने इश्वर की योजना के बारे में सुना था के मनुष्य का अस्तित्व बनाया जा रहा है । उन्हें ये भी पता था के मनुष्य मांस से बने कमजोर प्राणी होंगे इसलिए वो पाप भी कर सकते है । इसलिए उन्होंने पूछा, “क्या आप वहा एक रखेंगे?जब हम आपकी स्तुति करेंगे तो वाह खून बहायेगा । “ इश्वर ने कहा मै वाह जानता हु जो तुम नहीं जानते । “ देवदूतो को बताया गया के मनुष्य के निर्माण के कई पहलू है जो उन्हें समझ नहीं आएंगे । इश्वर को पता था अज़ाज़ेल घमंडी है और वो उनकी आज्ञा का पालन नहीं करेगा और और अस्वीकार लोगो में से एक बनेगा पर देवदूत ये नही जानते थे । वे अज़ाज़ेल को उनमेसे एक समझते थे और अपना नेता और गुरु मानते थे । उन्हें ये नहीं पता था के जब इश्वर मिटटी से अज़ाज़ेल को बनायेगे तब अज़ाज़ेल को क्रोध आयेगा और वो इश्वर के आदेश की अवहेलना करेगा ।

आदम के निर्माण के बाद इश्वर ने उसे दुनिया में मौजूद हर चीज का नाम सिखाया । हलाकि आदम एक मधुर और अच्छे स्वभाव वाला व्यक्ति था जो मोटे और युवा चहरेवाला था । दिखने में सावला आदम अपने आसपास के हर चीज को अपनी बड़ी आँखों से बहुत उत्सुकता से देखता था । वह आश्चर्य और ख़ुशी से स्वर्ग में चारो और दौड़ता रहता था । वह कैसे भगवान की जानकारी की सारी सम्पदा सिखने में आनंद लेता था । आदम ने खुद को धर्मग्रंथो और पाठ से घेर लिया था । और प्रत्येक पंक्ति को कई बार दोहराता । हर जानकारी को याद कर उसकी आंखे गर्व और उत्साह से चमक उठती ।

आदम एक मेहनती व्यक्ति था जो चीजे याद करने के लिए घंटो तक एक जगह बैठा रहता, दिन रात वो अपने निर्माता ने बताये हुए शब्द याद करने के लिए एक जगह बैठा रहता । परमेश्वर ने जरुरी ज्ञान को इस आश्चर्यकारक तरीके से सिखने के लिए प्रेरित किया क्युकी आजतक किसी के पास इतनी चीजे याद रखने के लिए पर्याप्त स्मृति नहीं थी ।

आदम को आज तक बनाये गए हर देवदूत के नाम सिखाये गए, आनेवाले हर महिला और पुरुष के नाम बताये गए । ये चमत्कारी शिक्षण अनायास नहीं हुआ, बहुतसे बुनियादी लेख आदम को महादूत गेब्रियल द्वारा सिखाये गए जिन्होंने आदम को हर चीज बारीकी से सिखने की प्रेरणा दी । आदम एक अच्छा छात्र था और हर जानकारी याद रखने में सक्षम था ।

दरअसल आदम को हर पेड़ के नाम सिखाये गए, प्रत्येक पक्षी की उत्पत्ति, जानवरों के प्रकार , मछलिया, कीड़े और अंत में परमेश्वर ने आदम को हर वो भाषा सिखाई जो मानवजाति बोलनेवाली थी । इस प्रकार आदम संसार का सबसे ज्ञानी व्यक्ति बना ।

अंतिम टेस्टमेंट में इस घटना के दुसरे अध्याय का विवरण दिया गया है : और उन्होंने आदम को हर चीज के नाम सिखाये, और फिर उन्हें देवदूतो के सामने लाकर कहा ,"अगर तुम बुध्धि से सम्पन्न हो तो मुझे इनके नाम बताओ । "

उन्होंने (देव्दुतोने)कहा,"आपकी स्तुति करो, हमें कोई ज्ञान नहीं है । परन्तु जो हमें जानने दिया है । आप ही सब जानने वाले बुद्धिमान है । "

इस बीच आदम को स्वर्ग में प्रवेश करने और वह हमेशा ख़ुशी और शांति से रहने के लिए कहा गया । वह कितना खुश था ! हजारो लहराते पेड़

उसे अद्‌भुत नजारा दिखाते थे । चांदी के पत्ते और सुनहरे छाल वाले पेड़ो पर फलो की जगह रत्न थे और पैदल यात्रियों पर वे अनमोल पथ्थर बरसाते थे । हर वाह चीज जिसपर आदम की नजर पड़ती वह अत्याधिक आनंददायी थी, अपनी प्रार्थनाये करते हुए आदम बेपरवाह एक पहाड़ी से दूसरी पहाड़ी भटकता रहा और खुश रहा । धीरे धीरे वह चिंतित होने लगा । आदम ने कुछ फल देवदूतो को देते हुए उन्हें उसके साथ टहलने के लिए आमंत्रित किया ।

संगेमरमर की पहाडियों पर चलने वाले देवदूत आदम की इस बार बार दखलंदाजी से परेशान होने लगे । देवदूत अपने जीवन का हर क्षण इश्वर की पूजा करने में और उनकी महानता का ध्यान करने में बिताना चाहते थे । आदम के साथ मनोरंजन करने और उससे बातचीत करने के लिए उन्हें बहुत कम वक्त मिलता था । पर आदम उन्हें अपने साथ बुलाने का कोई अवसर नहीं छोड़ता था । इस स्थान की शांति को बिस्तर पर जाने के बाद कई घंटो तक महसूस किया जा सकता था । आदम अपने भोजन कक्ष के हर पल की सराहना करता था, उसके भोजन कक्ष में बाहरी बैठक व्यवस्था तथा कोकटेल बार था , जहा स्वर्ग के हर तरह के पेय मौजूद थे । इस जगह के वैभव से आदम चकित और विनम्र था ।

आदम उदास आँखों से दावत करनेवाला नहीं था पर हलके भोजन के समय उसे किसी के साथ की चाह थी । कभी कभी कुछ देवदूत अनिच्छा से अपने काम छोडकर आदम के साथ भोजन में शामिल होते पर उस समय वो निंदा करता रहता और बाद में वो उन्हें साथ खेलने और दौड़ने के लिए आमंत्रित करता था । देवदूत अक्सर बहाने बनाकर उसे अलविदा कह कर चले जाते ।

हरे भरे घास में बैठे आदम अक्सर ये सोचता रहता के अगर वो ये वैभव किसी दोस्त के साथ बाँट सकता तो जिन्दगी कितनी अलग होती । काश मेरी ख़ुशी का कोई साथी होता, उसने सोचा और स्वर्ग के दायरे के

इच्छाओ की तरह उसकी इच्छा का जवाब आया। इश्वर ने उसके लिए उपयुक्त सुंदर साथी बनाने का फैसला किया ।

वह एक सुखद स्वर्गीय दोपहर थी जब आदम निराश होकर सोया था । वह लम्बे समय से एक दोस्त की कामना कर रहा था जिसके साथ वो अपना भोजन बाँट सके , जिससे वह बात कर सके और जिसके साथ वो गाना गा सके । अकेलेपन से उसे झपकी आयी और वो गहरी नींद में सो गया । जब वो आराम कर रहा था तब भगवान ने उसकी पत्नी हव्वा की रचना करना शुरू किया । इश्वर ने उसे आदम के दिल के पासवाली पतली पसली से बनाया । और जब इश्वर ने हव्वा को बनायातब आदम को कुछ दर्द नहीं हुआ ।

जब वो उठा तब सबसे सुन्दर स्त्री उसके बगल में बैठी हुयी थी । इस तरह से इश्वर ने आदम के शरीर के हिस्से से दूसरी इन्सान हव्वा को बनाया । फिर उसे आदम के सामने प्रस्तुत किया गया , और उसका चेहरा ख़ुशी से चमक उठा । हव्वा एक खुबसूरत औरत थी, उसके लम्बे बाल उसके गुलाबी गालो को ढकते हुए चेहरे पर लहरा रहे थे । उसका शर्मीलापन उसके चेहरे की सुन्दरता बढ़ा रहा था ।

देवदूत आसपास ही थे और और पहली निर्मित स्त्री को देखने के लिए उत्सुक थे और इस आश्चर्य पर आदम की प्रतिक्रिया देखना चाहते थे ।

देवदूतो ने देखा के आदम हव्वा को घुर रहा था । उन्होंने पूछा,”हे आदम, तुम जानते हो ये कौन है?”

आदम ने तुरंत जवाब दिया क्युकी उसे आनेवाले सभी इंसानों के नाम बताये गए थे । “यह एक इमरा(महिला) है । “, उसने जवाब दिया ।

देवदूतो ने उससे पूछा,”आदम, तुम्हे उसका नाम पता है?”

आदम ने हा में सर हिलाया ,”उसका नाम हव्वा है । “

उसे इमरा (महिला)क्यों कहा जाता है?” , देवदूतो ने उसके ज्ञान की परीक्षा लेने के लिए पूछा

आदम ने उन्हें स्पष्ट किया,”उसे इमरा कहा जाता है क्युकी उसे छोटी पसली से बनाया गया है । “

उसके जवाब से संतुष्ट होकर देवदूतो ने पूछा, “बताओ आदम तुम उसे हव्वा क्यों बुलाते हो?”

मै उसे हव्वा बुलाता हु क्युकी वो एक जीवित चीज है “ (जो अरेबिक शब्द हय्यी से आया है)

स्वर्गदूत आदम की परीक्षा लेने के लिए और प्रश्न पूछते रहे । उन्होंने पूछा,”क्या तुम उससे प्यार करते हो आदम । “

उसने संकोच पूर्ण पर जोश में जवाब दिया,”हा । “

फिर देवदूतो ने उस गोरी स्त्री को देखा और पूछा,”क्या तुम उससे प्यार करती हो हव्वा । “

नहीं” , उसने शरमाते हुए जवाब दिया । जबकि उसके दिल में उससे कई ज्यादा प्यार था ।

फिर देवदूतो ने एकदूसरे से कहा ,” यदि कोई स्त्री अपने पति के प्रति प्यार के बारे में सच बोलती तो हव्वा सच कहती । “

जब आदम गहरी नींद में सोया था तब इश्वर ने उसके बायीं और के सबसे छोटी पसली से हव्वा को बनाया ताकि आदम को उसके साथ विश्राम मिल सके और उसे आनंदमय साथ मिल सके । जब उसकी नींद खुली तब उसने उसको देखा और पूछा," तुम कौन हो?" उसने जवाब दिया, " एक स्त्री ! मुझे आपकी छोटी पसली से बनाया गया है ताकि आपको मेरे साथ आराम मिले । यह उनके शब्दों का अर्थ है "यह वही है जिसने तुम्हे स्वयं से बनाया और उससे अपना जीवनसाथी बनाया ताकि उसे उसके साथ आराम मिले " (7:189)

हव्वा ने अपनी बोलती आंखे झपकाई, हर बार आदम को देखतेही उसके गाल लाल होजाते । उन दोनों को एकदूसरे के साथ गहरा प्यार हो गगया । ओह ! आखिरकार दोस्त पाने की ख़ुशी ! परमेश्वर ने आदम और हव्वा को पति और पत्नी घोषित किया और दोनों को स्वर्ग में अनंतकाल रहने का विशेष अधिकार दिया । उन्हें स्वर्ग की सभी सुविधाओ का आनंद उठाने का अधिकार था केवल एक चीज को छोडकर । उन्हें वर्जित वृक्ष के पास नहीं जाना था । अंतिम नियम , भगवान ने नमूद किया," ओ आदम, तुम और तुम्हारी पत्नी बागीचे में रहो, जो कुछ चाहो वो खूब खाओ, लेकिन इस पेड़ के पास मत जाना नहीं तो तुम्हे पापी माना जायेगा । " (अध्याय 2, श्लोक 35) वर्जित वृक्ष के अलावा आदम और हव्वा को हर चीज खाने और झरने से पेय पिने की इजाजत थी । उसे और उसकी पत्नी को इडन के नजारों को आनंद लेने और अनंतकाल स्वर्ग की सराहना करने का निर्देश मिला था ।

अपनी खुशिया बांटने के लिए एक साथी होने की उसकी प्रबल इच्च्चा को आखिर इश्वर ने स्वीकार कर लिया और इश्वर ने उसे हव्वा से मिलाया । जब आदम ने पहली बार हव्वा को देखा तब वो उसकी खूबसूरती देखकर दंग रह गया । सचमुच वाह अद्भुत थी, आदम ने अब तक स्वर्ग में जो चीजे देखी थी उससे कई ज्यादा ।

हव्वा का लम्बी आखोवाला चेहरा खुबसूरत था , अक्सर वो अपने मोती जैसे सफ़ेद दांत दिखाते हुए उसकी तरफ देख मुस्कुराती । आदम इस महिला से दोस्ती करना चाहता था और उसके साथ दूध और शहद वाली नदियों में नौकायान करना चाहता था ।

स्वर्ग हमेशा से ही सुंदर था पर आदम के पास अब खुशिया बांटने के लिए दोस्त था । स्वर्ग के निवास में विशाल सिनेमा आश्चर्यजनक रूप से विलासतापूर्ण था और आदम और हव्वा ने स्वर्ग के खेल के मैदान में घंटो बिताये, दिन में नारंगी पहाड़ तथा हरे मैदानों में दौड़ लगायी और रात में अंदर के स्विमिंग पुल में आराम किया ।

वे ख़ुशी से रहते थे लेकिन आदम के दिल में हमेशा वर्जित वृक्ष का खयाल आता था । वह आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रह सका के क्यों परमेश्वर ने उसे क्यों उसे उस पे पेड़ से परहेज करने को कहा है । दरअसल उसे सख्ती से उससे दूर रहने के लिए कहा गया था । उसके आसपास सब कुछ उपलब्ध था फिर भी वो क्यों सोचता था । क्या यह एक पेड़ खतरनाक होनेवाला था ? अज़ाज़ेल ने मनुष्य के स्वाभाविक जिज्ञासा का शिकार किया और उसने उसके मन में अधिक शंका का रोपण किया । उसने आदम और उसकी पत्नी को उस पेड़ के फल खाने के लिए उकसाना शुरू किया । शैतान ने दोनों को विश्वास दिलाना शुरू किया के इश्वर ने उन्हें इसलिए मना किया है क्युकी वो फल खाने से वो लोग अनंतकाल स्वर्ग में रहेंगे क्युकी उसमे अमृत है ।

आदम का स्वाभाव जिज्ञासु था और उसकी अशांत आत्मा इस सीधे से आदेश के पीछे का कारण जानने की लालसा को नहीं रोक पाई । इस विशेष पेड़ का फल हानिकारक क्यों है? इसमें ऐसा क्या है जो खतरनाक है?

आदम और हव्वा ही केवल वो मनुष्य थे जो समझते थे के उन्हें वो पेड़ वर्जित है, उनका सयम नाजुक और आत्मनियंत्रण कमजोर था , इसलिए वो हमेशा सोचते रहते थे के वो पेड़ वर्जित क्यों है । आदम हमेशा इसी के बारे में सोचता रहता था , शैतान ने इस मानवी कमजोरी को जाना और उसका फायदा उठाना शुरू किया ।

इस कमजोरी का फायदा उठाने के लिए अज़ाज़ेल हर वक्त स्वर्ग में अंदर बाहर करता रहा । उसने आदम को बुलाया और फुसफुसाना शुरू किया और फल खाने के लिए बहलाने लगा । अंतिम नियम अज़ाज़ेल की कुटिल साजिश बताता है, वो कहता है,"क्या मै तुम्हे अमरता और शाश्वत राज्य के पेड़ की और मार्गदर्शित करू ?" और उसे कहा तुम्हारे रब ने तुम्हे इसलिए मना किया ताकि तुम देवदूत या अमर ना बनो " और उसने (शैतान) उन दोनों के सामने इ इश्वर की शपथ ली ,"वास्तव में मै ही आप दोनों का सच्चा शुभचिंतक हु । " (अंतिम वसीयतनामा , अध्याय उचयिया , श्लोक २०)

आदम शैतान की भविष्यवाणियो के बारे सोचे बिना नहीं रह सका, वो सोचता क्या इसमें कुछ सच्चाई है? क्या होगा अगर मै इस पेड़ से सचमुच फल खाऊ? उसने जोर से सोचा, उस पेड़ में अमरत्व का अमृत होने की कल्पना अधिक अधिक दिलचस्प हो रही थी । वास्तव में किसी भी स्वस्थ मन वाले व्यक्ति की तरह आदम अनंतकाल के लिए इस स्वर्गीय जीवन में रहना चाहता था । वो अमर रहना चाहता था और बेदखली के डर से मुक्त भी । हालाकि अमरता के पेड़ का खयाल हमेशा उसके मन में रहता था लेकिन वह इश्वर की समर्पित रचना था और वो अपने निर्माता की अवज्ञा नहीं करना चाहता था ।

कई कोशिशो के बाद अज़ाज़ेल स्वर्ग की तिजोरियो में घुसने में सफल हुआ और पहले मानव के सामने आया । आदम के प्रती अपनी नफरत

छुपाते हुए उसने अपनी मित्रता का भाव जारी रखा । और उसके साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार जारी रखा ।

आदम ने स्वर्ग की सुख सुविधाओ का आनंद उठाया । साँस रोक देनेवाले स्वर्ग के भोजनालय को देख आदम रोमांचित होता था, उसने अपने सपनो के विशेष घर के हर पल का आनंद उठाया जो स्वर्ग के वंचित कोने में स्थित था ।

लेकिन आदम एक छोटा भावुक इन्सान था जो शैतान के आत्मविश्वास से प्रभावित हो गया । जब से आदम को मिटटी से निर्मित किया गया था तब से वो अज़ाज़ेल का अपने निर्माता के साथ बहस करनेका साहस देख रहा था । हालाकि अज़ाज़ेल एक अपराधी के रूप में रह रहा था पर आदम उसकी बहादुरी और धैर्य की प्रशंसा किये बिना नहीं रह सका । जब आदम शैतान के सामने आया तो उसे अमरत्व के पेड़ के रहस्य जानने में रूचि हुयी ।

मानवीय इच्छा और जिज्ञासा से आगे झुकते हुए आदम ने उस पेड़ का फल खाया, लेकिन जैसे ही उसने उसे खाया उसका दिल टूट गया, वो डर के मारे झुक गया, घबराहट के मारे उसके शरीर में ऐठन हुयी । ये उसने क्या कर दिया? दर्द और उदासी ने जल्द ही उसके मन को भर दिया और उसे शर्मिंदगी का अहसास हुआ । उसने अपनी पत्नी की और देखा और देखा के वो दोनों नंगे है और वो अपने शरीर को छुपाते हुए लज्जा से झुकने लगे ।

इश्वर ने उससे कहा," क्या मैंने तुम्हे उस पेड़ को वर्जित नहीं किया था? वास्तव में शैतान तुम्हारा खुला दुश्मन है । "

उन्होंने (आदम और हव्वा) ने कहा,”ये हमारे रब ! हमने गुनाह किया है । अगर आप हमें क्षमा नहीं करेंगे और दया की भिक नहीं देंगे तो हम निश्चित ही हारनेवालो में से होंगे । “

इश्वर) ने कहा ,”निचे उतरो, तुम में से एक दुसरे का दुश्मन है (आदम, हव्वा, शैतान आदि) एक समय के लिए पृथ्वी तुम्हारा आनंदमय निवासस्थान है । उन्होंने कहा,”तुम वही जिओगे और वही मरोगे और वहा से लाये जाओगे (पुनर्जीवित)। (अंतिम नियम ऊंचाईया श्लोक 22)

घर छोड़ने के आदेश के बाद आदम निराशा में डूब गया । जितने गहरे उसके दुःख थे उतनाही वो फुट फुटकर रोया । अफ़सोस ! वाह अपने पत्नी की सलाह के सामने क्यों झुक गया था? परमेश्वर की उस पेड़ के फल को ना खाने की आज्ञा का पालन करने के बजाय प्यार में इतना पागल होकर अपने प्रिय की बाते सुनने का उसे बहुत दुःख था ।

उसके दुखी मन में कुछ दोहे प्रवाहित हो उठे :

प्रेमियों के प्यार का क्या हुआ?
इन पीडितो के दर्द का क्या हुआ?
भावना और संकट का क्या होता है?
वह सारी निष्ठां और विश्वास को खत्म कर देता है?
हे प्रिय ऐसा भाग्य पाने के लिए मैंने क्या किया?
ओह मेरे प्रियजन, विश्वासघात करना मेरा काम नहीं था
पर तुमने मेरा दिल बुरे दिन की तरह तोड़ दिया
यह मत सोचना के आदमी आदमी कम प्यार करता है या भूल जाता है

सचमुच मेरा प्यार उस सूरज की तरह चमकता है जो कभी अस्त नहीं होता
और जो मेरा इनाम था उसीसे मुझे विश्वासघात मिला
उस मल्लाह की तरह डूब रहा हु जिसकी नाव डूब पलट गयी है
ओह तुम इतना दर्द कैसे दे सकते हो
आप ऐसा दिल कैसे तोड़ सकते हो जिसके लिए मर भी सकते हो
तुम उस दिल को कैसे तोड़ सकते हो जो तुम्हारे लिए इतना सच्चा है
और जो तुम्हारे लिए रोता है उसे ठंडी निगाहोसे सताओगे?
हे प्रिय , क्या तुम इतना जल्दी भूल गए
जो समय हमने साथ बिताया, जो बाते हमने की
ओ तुमने मेरा ये नाजुक दिल क्यों तोडा?
और मेरी आँखों को दुःख के आंसू से रुलाया?
ओ मेरे दिल के प्यार
आज तुम्हारे पास क्या कारण था ?
मुझे अपने प्यार और लालसा से दूर करने के लिए
मै कभी कैसे ठीक होने का सपना भी देख सकता हु
इतनी कडवी हानी से, इतने गंभीर प्रेम से
जब ये अकेलापन दिल तोडनेवाला होता है
और मेरी आँखों में आंसू चमक रहे होते है?
ओह मै एक सच्चे और वफादार प्रेमी की चाहत रखता हु
मै उस वफ़ादारी के तलाश में हु जो हमने एकदूसरे से साझा की है
व्यर्थ ही उस प्रेम की खोज कर रहा हु जो मैंने कभी तुममे देखा था
उम्मीद है इक श्याम , प्यार की रौशनी फिर चमकेगी
हे प्रिय, क्या ये प्रेमियों के बारे में सच है?
के सच्चा प्रेमी ही सबसे ज्यादा धोखा देता है ?
और जिस परमेश्वर को हम भूल जाते है वह हमारी भूल देखता है
और हमें निराशाजनक ह्रदय विदारक से बचाता है ?
ओह प्यार और वासना के वादे क्यों करे?
जब आप जानते है ये कायम नहीं रहेगा ?

यह शोकपूर्ण प्रेम क्या है सिवाय एक घोर दरिद्रता के
जो मनुष्य को एकदूसरे का गुलाम बनाता है ?
ये कैसा प्यार है जो धोखा देता है, चोट पहुचाता है जैसा और कोई नहीं पहुचाता
यह पीड़ा केवल प्रेमियों को क्यों सताती है ?
अफ़सोस ! उसने मेरा दिल तोडा और मुझे छोड़ दिया
ओह वो मेरे उदासी में मुझे कैसे भूल गयी ?

आदम ने स्वर्ग के परिसर पर नजर डाली और उसकी विलासिता को दुःख भरी नजरो से देखा जो कभी उसकी थी । इस स्वर्ग की सबसे आश्चर्यजनक और अनूठी चीज थी कांच के पुल और चांदी के पेड़ जो आदम और हव्वा के निवास को घेरे हुए थे । सीढ़ीदार बगीचों से उसकी हवेली की शोभा बरक़रार थी, वो बाहरी झरनों से परिपूर्ण थी, इसमें कई भव्य छते भी शामिल थी जो कलात्मक महान देवदूतो ने सजाई थी । आदम अक्सर सोने से बने आभूषण की जटिल सुन्दरता का अध्ययन करने में घंटो बिताता था । और अब उसे ये सब छोडकर जाना था ।

आदम ने इश्वर से उनकी आज्ञा का उल्लंघन करने के लिए माफ़ी मांगी । अफ़सोस वह सब कुछ हार गया , अब वो अनिश्चितता और असंतोष के खाई में था । इस भयानक अवनिती के बाद कैसा जीवन होगा? इस बंजर धरती पर वो कैसे जी पायेगा जब उसे स्वर्ग के बगीचों की आदत थी । इस निराशाजनक सम्भावना ने उसके दिल को चकनाचूर कर दिया ।

उसने अपने निर्माता से दया और क्षमा की प्रार्थना का सहारा लिया । उसने इश्वर से स्थायी शांति और सफलता की प्रार्थना की ।

आदम को स्वर्ग से निष्कासित करने के बाद शैतान ख़ुशी से नाचने लगा । वह आदम के साथ चालाकी करने के अपने लक्ष्य के सफल होने पर

आश्चर्यचकित हुआ । उसने अब सचमुच संकल्प कर लिया के मानव जाती को जीवन भर गुमराह करेगा आदम का कोई भी बच्चा उसके जाल से नहीं बच पायेगा । वह सामान्य मनुष्य को उसके पडोसी के घर और खजाने लुटने को कहेगा । पूरी तरह अराजकता फ़ैल जाएगी और आदमी और औरतो को युध्द की भयावहता का अहसास कराया जायेगा ।

भोले भाले इंसानों को शैतान दूरदर्शी लगता था क्युकी वह सटीक परिणाम देता था । उन्हें उनके भविष्य की कुछ घटनाये बताता था जो घटने वाली है । उन्हें ये नहीं पता था के अज़ाज़ेल कभी देवदूतो के साथ रहता था और उसने इश्वर से काफी जानकारी सीखी थी इसलिए वो मानवी जीवन के हर छोटे विवरण को जानता था ।

आदम की रचना शैतान के लिए एक झटका थी पर जब इश्वर ने पहली महिला बनायीं तब उसने खुद को सांत्वना दी । वो जानता था औरत का दिल कोमल होता है और वो हमेशा उसके हथकंडो का विरोध नहीं कर पायेगी । उसने आदम को नष्ट करने के लिए हव्वा का इस्तेमाल किया । देवदूतो के सामने आते हुए उसने सीधे शब्दों में कहा ,” देखो देखो इश्वर ने अब क्या बनाया है? दरअसल ये एक महिला है जिसे आदम से बनाया गया है उसकी ही पत्नी के रूप में । मै उसका इस्तेमाल आदम को गुमराह करने के लिए करूँगा और उसे स्वर्ग से बाहर निकल्वाऊंगा ।

शैतान ने लोगो को सत्य मार्ग से भटकाने के कसम खाईऔर रिश्तेदारों के साथ खुली शत्रुता में शामिल होने को प्रोत्साहित किया । प्रत्येक व्यक्ति अपने मित्रो को प्यार में गिरफ्तार करेगा और सूली पे चढ़ाएगा । मानव जाती को नष्ट करनेके अपने उद्देश्य को अज़ाज़ेल ने छुपाने की कोशिश भी नहीं की । वो आदम पर उससे बेहतर होने के लिए गुस्सा था ।

इश्वर के देवदूत बुध्धिमान थे, हालाकि वो जानते थे आदम की कुछ संताने पापी होंगी फिर भी इश्वर की आज्ञा मानकर पहले निर्मित मानव को दंडवत किया । अज़ाज़ेल जो देवदूतो का नेता था उसने आज्ञा का पालन नहीं किया और स्वर्ग से निकाला गया । उसे निर्वासित शैतान घोषित किया गया और निकल जाने का आदेश दिया गया । स्वर्गदूतो को अहसास हुआ अज़ाज़ेल ने बड़ी गलती की और वो उसके रास्ते पर ना चलने के लिए प्रेरित हुए । जब भी वे आदम से मिले उन्होंने हमेशा आज्ञाकारिता और समर्पण से उसे अभिवादन किया ।

दूसरी तरफ अज़ाज़ेल ने उसकी शैतान की भूमिका आसानी से स्वीकार कर ली और खुद को दुनिया की सरकार में स्थापित किया । और छुपे हुए लोगो के नई पीढ़ी को मानव जाती को गुमराह करने और इश्वर का विद्रोह करने के लिए प्रशिक्षित करना शुरू किया । वो शैतान था और स्वर्ग के आसपास तेजी से घूम रहा था और उसने देवदूतो को आश्वासन दिया के वो मानवजाति का सबसे अच्छा दोस्त बनने का ढोंग करेगा, और मनुष्य आखिरकार उसके झूठे शब्द मानेगे और इश्वर की बजाय उसकी पूजा करेंगे ।

निश्चित रूप से तुम संभवतः मानव जाती से छेड़छाड़ नहीं कर सकते “, देवदूतो ने विरोध किया ।

शैतान गुस्से और आशंका में पागल था,”मुझे यकीन है के ये नीच मनुष्य मुझे खुश करने के लिए कोई भी गुनाह करेंगे । “

स्वर्गदूतो ने चुप रहने की कोशिश की, उनके मूर्ति जैसे चेहरे भावनारहित थे पर शैतान जानता था वो उसके लिए तिरस्कार के अलावा कुछ महसूस नहीं कर रहे है ।

ओह! डरो मत देवदूतो । " , शैतान कांपते हुए चिल्लाया ,"मै किसी को भी चाहू तो गुमराह कर सकता हु । आज इश्वर की अवज्ञा करने के कारण मै शैतान बना हु । मै निश्चित ही उस दिन तक जिन्दा रहूँगा जब तुम अपनी कायरतापूर्ण निष्क्रियता पर पछताओगे । किसी दिन तुम सबको मुझे ठुकराने का खामियाजा भुगतना पड़ेगा । मैंने आप सभी को आदम को प्रणाम ना करने की चेतवानी दी थी और फिर भी आप सबने मेरी बिनती को ठुकराते हुए इश्वर की आज्ञा मानी । अब मै मानव जाती पर ध्यान केन्द्रित करूँगा और उन्हें पाप करने के लिए बाध्य करूँगा । मै उनके सामने जाऊंगा और और मेरे अंदर के आग की उर्जा का इस्तेमाल करूँगा और उन्हें मुझपर और मेरे अंदर की उर्जा पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए कहूँगा । मुर्ख इन्सान मेरे ऊपर अपना ध्यान केन्द्रित करेंगे और उनके बीमार शरीर में मै जो गर्मी पैदा करूँगा तब तक जब तक उन्हें मेरे अत्स्तिव का अहसास नहीं होता और वो इश्वर के बारे में भूल जायेंगे । फिर मै इन बदबूदार इंसानों को सार्वजानिक रूप से व्यभिचार करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा और वो ख़ुशी ख़ुशी सुअरों की तरह एकदूसरे पर चढ़ जायेंगे और तब मै परमेश्वर को दिखाऊंगा के ये मनुष्य कितने घिनौने है ये एकदूसरे को जानवरों की तरह मार रहे है , इस्तेमाल कर रहे है , उनके पेट के आंतो में तैरते कीड़ो के साथ दुसरे मनुष्य के उपर चढ़ेंगे और कीड़े उनके नितम्ब से निकलेंगे । "

देवदूतो ने शैतान से कहा,"हम तुमसे और कुछ नहीं सुनना चाहते । " गुस्से में शैतान ने हवा में पंजे मारे और गला बैठने तक चिल्लाया,"इतना अपमानित करने के बाद आखिर मै इश्वर को साबित कर पाउँगा के मनुष्य कितने घृणित है । मै हर घंटे मेरी उर्जा का ध्यान करवा कर उनका मन इश्वर से दूर करूँगा । हर उस क्षण के लिए जिसमे वो इश्वर को भूल जायेंगे मै उन्हें पुरस्कृत करूँगा जैसे के दुसरो के मन की बात जानना या भविष्य की कुछ चीजे देखना । फिर लोगो को विश्वास होगा मै कितना ताकतवर हु और वे दिल से मुझे पूजेंगे । "

उदासीन देवदूतो ने आखिरी वसीयतनामा कहा ,"गलत काम करने वालो के ना दोस्त होंगे ना सहायक I या उन्होंने उसके बदले दोस्त की रक्षा करना चुना? पर इश्वर (अकेला) ही रक्षक दोस्त है I वह तुरंत मारता है और वो सब कुछ करने में सक्षम है I (अंतिम नियम 42:9)

उसके बाद देवदूतो ने अपने पुराने शिक्षक को समझाने की कोशिश की और कहा,"ओह दुष्ट और ईर्ष्यालु शैतान ! जब इश्वर अपनी उदारता से देते है तब बदले में कुछ नहीं चाहते I सचमुच इश्वर दयालु है और वो तुम्हारी तरह नफरत या गुस्से से कुछ नहीं देते I इश्वर आदम के बेटे बेटियों को बनाये रखेंगे और उनका पालन पोषण करेंगे I और चाहे वे जो भी करे इश्वर उनसे कभी नफरत नहीं करेंगे I "

शैतान चिल्लाया,"तुम देखोगे कैसे इन्सान जानवर बनेंगे, सार्वजानिक रूप से व्यभिचार करेंगे, गर्व से एकदूसरे को अपमानित करेंगे, आदमी और और औरतो को इसमें ख़ुशी मिलेगी I अह लेकिन मै घरेलु सांप की तरह उनकी जिन्दगी में घुस जाऊंगा I उस सांप की तरह जो इंसानी शहरो में घूमता है और सोते हुए बच्चो को काटता है I मै उन्हें किसी पुरुष या महिला के प्यार में पड़ने के लिए मजबूर करूँगा और एकदूसरे के प्रति जानवर बनने को प्रोत्साहित करूँगा I "

देवदूतो ने ठंडे स्वर में जवाब दिया,"ओह धोखेबाज राक्षस ! क्या है जो आप इंसानों से इतनी नफरत करते है के उन्हें नष्ट करने और पागल बनाने के लिए लाभ देते है और ये सुनिश्चित करना के उन्हें मृत्यु के समय गुमराह करो ताकि वो अनंतकाल तुम्हारे साथ नर्क में रहे और तुम्हे उन्हें पीड़ा दे सको I "

शैतान धुल पर पैर पटकते हुए इधर उधर करता रहा I

सचमुच मै नर्क की घाटियों में जाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता जहा आखिर मुझे मिटटी से बनाये आदम के बच्चो से बदला लेने मिलेगा जिन्हें मुझ से श्रेष्ठ बनाया गया। यदि मनुष्य ये जान पाते के मै उनसे कितनी नफरत करता हु और उन्हें कितना दर्द देना चाहता हु तो वो कीड़े मकोडो की तरह मेरी पूजा नहीं करते। उन्हें कभी पता नहीं चलेगा मै उनसे कितना तिरस्कार करता हु। ", शैतान शून्य में घूरते हुए जोर से चिल्लाया।

जाओ ओ निर्दयी शैतान , क्या तुम में जरा भी दया नहीं है?"

दया? कभी नहीं ! मै इस गंदे इंसानी शरीर के हर धागे को नष्ट कर दूंगा और उनका विनाश करूँगा। "

ओ धोखेबाज शैतान ! कोमल इन्सान तुमपर कभी भरोसा नहीं करेंगे क्युकी वे जानते है शैतान उन्हें तकलीफ देना चाहता है। क्या तुम्हे लगता है कोई समझदार इन्सान पृथ्वी पर गिने चुने दिनों के लिए रहने तुम्हारी मदद लेगा? और जीवन के बाद के अनंतकाल को नष्ट करेगा सिर्फ अस्थायी दुनिया में जीने के लिए जिसकी कोई
शाश्वती नहीं है। उन्हें पता है मृत्यु कभी भी आ सकती है। हे शैतान तुम कभी भी इश्वर और मनुष्य के बीच नहीं आ सकते क्युकी वो बिना शर्त वाले प्यार से बंधे है। वो अतार्किक भावना से बना है और और हर कठिनाई औरहर ख़ुशी , हर सफलता और दिल टूटने पर भी जो वफादार रहे ऐसे प्यार से जुड़ा हुआ है। मनुष्य का इश्वर के प्रती प्यार आपकी तरह नहीं है।

शैतान स्वर्ग की और देखकर चिल्लाया,"कभी नहीं ! कभी नहीं !
मानवजाति मेरी
गुलाम होगी। "

सच में हे शैतान तुम्हारा स्वार्थी दिल स्वार्थ के अलावा कोई भावना नहीं जानता । तुमने इश्वर की हर स्तुति बदले के कुछ पाने के लिए ही की है । मनुष्य के लिए इश्वर का प्रेम लेनदेन नहीं है । इश्वर के लिए मनुष्य का प्रेम किसी दर्द या तकलीफ की वजह से नफरत में बदलने वाली भावना नहीं है । नहीं !सचमुच हे शैतान , मनुष्य तकलीफ में और भी ज्यादा इश्वर से प्यार करता है और पीड़ा में उसे पुकारता है और अगर तुम जानते के इश्वर ऐसे समय में उनसे कितना प्यार करते है तो तुम खुद को जलाकर रख कर लेते और अपना मुह बहुत पहले गुस्से की आग में जला देते । "

नहीं !", शैतान अधीरता से चिल्लाया ,"आप देवदूत नहीं समझते ! मुफ्त में कोई कुछ नहीं करता । हर कोई बदले में कुछ चाहता है और मै जानता हु के इन्सान इन्सान कमजोर , गंदे और स्वार्थी प्राणी है और बस एक बार उनकी प्रार्थना अस्वीकार होने से वो इश्वर को छोड़ देंगे । वो मेरी आज्ञा का पालन करेंगे और मेरे नौकर बनेगे जब वो देखेंगे के सारा दिन मेरा नाम जपने पर और रातभर मेरी उर्जा में ध्यान केन्द्रित करने पर उन्हें सोने और चांदी के कुछ टुकड़े मिलते है । अब कोई भी इन्सान इश्वर से प्यार नहीं करेगा । "

हे मानव जाती को धोखा देनेवाले और आनंद को नष्ट करनेवाले शैतान । तुम्हारा स्वार्थी दिल कभी भी इश्वर का मनुष्य के प्रती गहरा और बिनशर्त प्यार कैसे समझ पायेगा ? इश्वर आदम और उसके बच्चो को बिना किसी कारण से प्यार करते है !सचमुच इश्वर मनुष्य की जरूरतों और कमजोरियों से बहुत ऊपर है । इश्वर को मनुष्य जाती के प्रेम या पूजा की कोई आवश्यकता नहीं है । इश्वर को शैतानो या देवदूतो या मनुष्य के पूजा की जरुरत नहीं है और उनके आज्ञा मानने की भी । सभी महिला पुरुष इकठ्ठे होने से उनका साम्रज्य ना कमजोर होगा ना मजबूत । ना ही उनकी अवज्ञा या पापो से इश्वर को कोई हानि पहुचेगी ! लेकिन उनका दिल से प्यार ही है जो इश्वर इनसे प्यार करते है ! वो मनुष्य है

जिनसे तुम नफरत करते हो वाही मनुष्य इश्वर से बिनशर्त प्यार करते है, उसकी सराहना करते है ! यही मनुष्य इश्वर से किसी कारण के बिना या अपेक्षा के बिना प्यार करते है । और जितना वे अपने निर्माता से प्यार करते है, इश्वर उससे हजार गुना ज्यादा उनसे प्यार करते है । "

शैतान ने स्वर्गदूतो से कहा,"नहीं ! मनुष्य स्वार्थी है इ और यदि मै उन्हें कोई छोटा सा उपहार दू तो वो मेरी आज्ञा मानेंगे और मेरी सेवा करेंगे । सचमुच मै अपने मानवी दासो की सबसे अधिक सेवा करूँगा भले ही मै दुनिया में सबसे ज्यादा नफरत करता हु लेकिन जब तक इस संसार में इश्वर के भक्त है और आदम के कुछ बच्चे इश्वर की भक्ति और पूजा करेंगे अगर कोई निर्माता के खिलाफ मेरी सुरक्षा की मांग करेगा तो मै उसे पुरस्कार में सोना और दौलत दूंगा । मै अपने सभी दानवो को उनकी इच्छाओ का जवाब देने के लिए बुलाऊंगा , जैसे अपने शत्रुओ को सपने में डराना , या अपने पड़ोसियों को परेशान करना जो उनसे दुर्व्यवहार करते है, जब तक वो गंदे मनुष्य मेरे पुरस्कार स्वीकार करेंगे और निष्टापूर्वक मेरी पूजा करेंगे वो पूरी तरह से भटक जायेंगे और भगवान का त्याग करेंगे । " देवदूतो से बहस करते हुए शैतान कराह रहा था , हांफ रहा था ," मै समय समय पर उनकी थोड़ी मदद करूँगा जब तक मनुष्य बड़ी संख्या में मेरे पास नहीं आते और इश्वर के अस्तित्व का इंकार नहीं करते ! और हमेशा के लिए मेरे दास नहीं बन जाते । फिर मै अपना असली रंग दिखाऊंगा तभी वो मेरा क्रोध देखेंगे और गुस्सा महसूस करेंगे । फिर मै उनसे थोड़े से खाने और धन के लिए घिनौने पाप करवाऊंगा । अह फिर मै देखूंगा के इश्वर फिर भी उनसे कैसे प्यार करेंगे जैसे आप बेवकूफ देवदूतो को विश्वास है । "

इश्वर कभी भी आदम और उनके बच्चो से प्यार करना नहीं छोड़ेंगे ", देवदूतो ने शांति से कहा ।

नए प्रतिशोध में कांपते हुए शैतान दहाड़ने लगा ,”मै मुर्ख विकृत मनुष्यों को मेरी सेवा में भरती करूँगा , बदले में उन्हें धन और शक्ति दूंगा । वो मेरे सभी दानवो पर विश्वास करने तक मै उनकी सहायता करूँगा फिर वो उल्लासपूर्ण अवसर आयेगा जब वो खुलेआम इश्वर को शाप देंगे और मेरे पास आएंगे । मै उस दिन का इंतजार करूँगा जब उनके अत्याधिक पाप के कारण देवदूत पृथ्वी छोड़ देंगे और मेरे उपासक दुनिया जला रहे होंगे । मै अपने कुछ वफादार मानवी दासो को परमाणु हमले , विस्फोट करनेके , महामारी फ़ैलाने और ज्वालामुखी का विस्फोट करने की आज्ञा दूंगा ताकि सूरज की रौशनी रुक जाये लोग वैश्विक भुखमरी झेले और फसल , दवाई और खाने के बिना दुनिया अंधकारमय हो जाये । फिर मै मनुष्य के पास भगवान बनकर आऊंगा और उन्हें भोजन, धन और औषधि देकर अपनी और आकर्षित करूँगा । उस दिन तक मै परछईया चुराते हुए छुपा रहूँगा गंदे मनुष्यों की हर तरह से मदद करते हुए , दुसरे मानव अनुयायियों से उन्हें धन देकर या उनके दुश्मनों को सपने में डराकर या दुसरे शैतानो से और चीजे करवाकर । मै तब ये सब कर पाऊँगा जब अधिकांश किसी आपदा में मानव जाती नष्ट होगी, प्राकृतिक या अप्राकृतिक आपदा जिसकी वजह से पृथ्वी की मिटटी जहरीली होगी , उनके सभी फल जहरीले और संक्रमित होजाएंगे, गाये और दवाईया सब नष्ट हो जायेगा । फिर मै उनके पास आऊंगा और बीमार कुत्ते की तरह उनसे पूजा करवाऊंगा , और इश्वर से इनकार करनेको मजबूर करूँगा और आप देखेंगे वो कैसे मुझपर विश्वास करते है और मेरी आज्ञा मानते है । “

शैतान बेतहाशा अपने पैरो पर खड़ा होगया और चिल्लाया ,”इंसानों के लिए मेरी नफरत और उनके बच्चो के लिए प्रतिशोध ने इंसानों के लिए मेरी भूख बढ़ा दिया । ओह , मेरे सेवक बनने के बाद मै इंसानों के दुःख दर्द पर कितना हसूंगा ! हा ! वो अनाज के टुकड़े के लिए मेरी पूजा करेंगे , क्युकी मुझे पता है इन्सान दुनिया में सबसे स्वार्थी और घिनौना प्राणी है । “, शैतान अग्रदूत की तरह चिल्लाया, “इश्वर और उसके देवदूत

बहुमूल्य मनुष्य जाती के पाप, पीड़ा और पतन के असहाय गवाह होंगे ! मै ये सुनिश्चित करूँगा के मनुष्य का शरीर पाप और दुःख अलावा किसी का पात्र ना बने । "

आप उन्हें परमेश्वर से प्रेम करने से नहीं रोक सकते", देवदूतो ने दृढ़ता से कहा "निश्चित रूप से मृत्यु के साथ तुम भी मर जाओगे , और सारी मानवजाती अनंतकाल तक परमेश्वर को देखेगी । "ये बेवकूफ मानव सोचेंगे के मै भयानक शैतानो में से एक हु । मै रात को उनके पास आऊंगा और उन्हें और पाप करने के लिए डराऊंगा और कभी कभी देवदूत बनकर फुसलाऊंगा और उन्हें गंदे काम करने को कहूँगा , जब तक के वो इंसानियत का आखिरी कण ना खो दे । इन घिनौने इंसानों को हमेशा के लिए पाप के दाग और मृत्यु के गंद के साथ रहना पड़ेगा । वो तुम्हे भी श्राप देंगे क्युकी मै बार बार देवदूत बनने का नाटक करूँगा और पंख लगाऊंगा जैसे इश्वर और मै एक ही है । मै हर अंतिम मानव को नष्ट कर दूंगा ! हे आदम के शापित बच्चो तुम्हारी कब्र भी शापित हो ! सचमुच, इश्वर फिर कभी इन गंदे इंसानों से प्यार नहीं करेंगे, मुझे यकीं है । "

ओह तुम प्रतिशोधी शैतान हो ", देवदूतो ने चेतावनी दी "तुम्हे पता नहीं इश्वर इंसानों से कितना प्यार करते है , तुम्हे देखना चाहिए पाप करने के बाद या पीड़ा के बाद जब इन्सान उन्हें पुकारता है तब इश्वर कितने खुश होते है , अगर तुम देख पाते इश्वर उनसे कितना प्यार करते है , अगर तुम देख पाते उनका अत्याधिक प्रेम , यदि तुम उनकी कृपा देख पाते , देख पाते के कैसे वो राजाओ का राजा ब्रह्मांड का स्वामी होते हुए भी कैसे उनके पुकार की प्रतीक्षा करते है , वास्तव में वो बहुत भावुक हो जाते है । आपने इश्वर को मनुष्य के प्रती नाराज करने की आशा खो दी और तुम सोचो सब से बुरे पाप करनेवालों को भी माफ़ किया जायेगा और उनको इश्वर से दूर करने के तुम्हारे सारे प्रयास विफल और बेकार हो जायेंगे । "

शैतान की आंखे फिर एक बार आग की तरह चमक उठी ,"कभी नहीं!मै उन्हें इश्वर से दूर करने में जरुर सफल होऊंगा क्युकी जो मेरे नाम का जाप करेंगे मेरी पूजा करेंगे , मै धनवान मनुष्यों मेसे किसीको उन्हें सोना चांदी देने या लोटरी जितवाने भेजूंगा और वो सोचेंगे मेरे पास अलौकिक शक्तिया है जो उनकी इछाये पूरी करेंगी । तब वो परमेश्वर को छोड़ देंगे और सिर्फ मेरी पूजा करेंगे ! ओह मुझे कितनी ख़ुशी होगी जब ये बदसूरत मनुष्य मेरे साथ नर्क में रहेंगे ! मै उनके लिए नर्क में आग के पहाड़ बनाऊंगा जहा मेरी पूजा करनेवाले, वफादार गुलामो को जला दिया जायेगा । ", किसी पछतावे के बिना शैतान ने शेखी बघारी ।

ओह शैतान ! ओह राक्षसों , यदि तुम इश्वर का दर्द देख पाते जब इन्सान उन्हें अस्वीकार करते है, यदि तुम उनका दिल टूटते हुए देखते जब उनकी कोई रचना उन्हें शाप दे और और तिरस्कार करे , अविश्वास दिखाए, यदि तुम उनका दर्द महसूस कर पाते तो तुम्हे भी अपने निर्माता पर दया आती । यदि तुमने वो विश्वासघात देखा जो उनकी आशा को जला देता है , उनकी पीड़ा, उदासी देखी , हे शैतान हमें यकीन है चाहे तुम कितने भी शातिर क्यों ना हो मानवता को गुमराह करने के तुम्हारे प्रयास उत्साही नहीं होंगे । "

कभी नहीं!कभी नहीं!", शैतान फिर चिल्लाने लगा । लेकिन देवदूतो ने अपने पंख उठाये और स्वर्ग की और उडान के लिए तैयार हो गए ।

चुप रहो, शापित शैतान, तुम और तुम्हारे राक्षस चले जाओ !", एक महादूत चिल्लाया ,"फिर कभी मै तुमसे एक शब्द भी नहीं कहूँगा । " इन शब्दों के साथ अविश्वास से सर हिलाते हुए देवदूत स्वर्ग की और उड़ने लगे । अपने पंखो की गति बढ़ाते हुए देवदूतो ने पृथ्वी के और एक दृष्टी डाली ,"ओह उन गरीब लोगो का भाग्य , शैतानो के बीच रहने की जिनकी नीति होगी !", उनमेसे एक देवदूत ने कहा ।

हा “, उसके पंखो वाले साथियों ने कहा । “इश्वर उनके दोस्त बने और शैतान की भ्रामक युक्तियो से बचने में मदद करे ! ऐसा प्रतीत होता है आदम के बेटे या हव्वा के बेटियों में से एक भी दुनिया के द्वार से बेदाग नहीं गुजरेंगे क्युकी शैतान और उसके साथी हानिरहित मनुष्यों को डराकर निराशा की गहराई में डूबा देंगे !”

कोई चेतावनी देनेवाला हो सकता है? अगर कोमल मनुष्यों को बचाया जा सके !”, दुसरो ने दुःख भरी आह भरी । “

वास्तव में दया आती है क्युकी सरल मन वाले प्राणी अनजाने में शैतान के जाल में पकड़े जायेंगे । शैतान कितनी पीड़ा देगा ये तो इश्वर ही जानते है । “

कोई भी इन्सान इस हमले से नहीं बचेगा “, एक देवदूत ने कहा,”वास्तव में वो लोग शैतान के झूठे वादों में भ्रमित हो जायेंगे । “

हे परमेश्वर उन्हें शक्ति देना !” , देवदूत ने धरती की और प्यार से देखते हुए कहा ,जहा आदम और उसके बच्चे रहेंगे । “

स्वर्गदूतो की टोली ऊपर उडी और निचे छोटी दुनिया को देखा, और उन्होंने परमेश्वर से सच्चे दिल से प्रार्थना की के शैतान के घातक प्रभाव से मानवजाती को बचाए । “

पंखवाले स्वर्गदूतो ने पृथ्वी के निवासियों के लिए दोहा गाना शुरू किया ।

ओह अपने निर्माता की आशा और और ह्रदय मत तोड़ो !

सचमुच हे मनुष्य इश्वर तुम्हे माता से ज्यादा प्यार करते है !
क्या तुमने इससे अधिक सच्चा प्रेम जाना है ?
क्या तुम इससे इंकार कर सकते हो? परन्तु तुम्हारा इश्वर दृढ रहेगा !
हे मनुष्य क्या तुम्हारे पास ह्रदय है?
अपने इश्वर को चोट पहुचाने और निष्क्रिय रहने के लिए?
क्या तुम उसके प्रेम और दया की निंदा कर सकते हो?
जो उसने मानवजाती को निशुल्क दी है?
आपकी स्तुति और प्रार्थनाये इश्वर तक पहुचेंगी
और अब तक ना कोई दानव ना उपर उठ सका ना निचे गिर सका
उस वक्त मनुष्य तुम मृत्यु में जागोगे !
हे मनुष्य अपनी दया के लिए केवल इश्वर में विश्वास करो !
शैतान का प्रतिशोध आयेगा
लेकिन शैतान की माया केवल गूंगे लोगो को फायदा पहुचायेगी
मानव जाती के सबसे निष्पक्ष और कमजोर लोगो में
हे मनुष्य क्या तुम इस मैदान से भाग जाओगे ?
उस दुष्ट ने जिन पापी आत्माओ को मारा है ?
क्या सारा विश्वास और निष्ठां खत्म हो जाएगी ?
और उदारता के मानवी धर्म भाग जायेंगे ?
जो आखिरी साँस से बोले
क्या आप उनकी क्रूर मृत्यु के लिए प्रसाद देंगे?
हे मनुष्य , क्या तुम शैतान से छोटी मोटी चीजे लेने के लिए
अपना नाम त्याग दोगे ?
तुम शैतानो के साथ चले जाओगे और इश्वर के ह्रदय को चोट
पहुचाओगे?
इश्वर वफादार मानवजाती पर प्रेम बरसाता है
तो उन्हें अनंतकाल तक शांति से विश्राम करना चाहिए
हे मानवजाती मृत्यु से पहले उसकी तरफ जाओ
अपनी मरती सांसो के साथ की उसके पास जाओ
उसे मत भूलना जो तुम्हारे प्यार के लिए तरसता है

उसे मत भूलो जिसने स्वर्ग बनाया
क्या तुमने कभी उसे जाना जो देता है, सब मुफ्त में देता है
क्या तुमने कभी ऐसा प्यार देखा है जो मुफ्त में मिलता है और बदले में कुछ नहीं चाहता ?
इससे पहले के मृत्यु चालाकी से प्रवेश करे, अपने इश्वर से प्रेम करो
और शैतान अनंतकाल सर्दियों से शापित करता है
तब भविष्य खाली कब्र होगा
अनंत विनाश के लिए उसमे सड़ना

अज़ाज़ेल उस प्रजाति से था जो आग से बनायीं गयी है और ये छुपे हुए लोगो की प्रजाति पृथ्वी नाम के गोले पर रहती थी। छुपे हुए लोगो के बीच रहने से अज़ाज़ेल निर्णय लेने में निपुण और योध्दा बना। वो क्रूर जीवन से परिचित था और बुनियादी सुविधाओ के लिए उसे रोज झगड़ा करना पड़ता था। सचमुच वह अपनी जाती में सबसे धूर्त था , उसने सबसे अधिक शक्ति और प्रतिष्ठा प्राप्त की। सभी लोगो के आगे निकलने के इस चाह ने अज़ाज़ेल को उसके निर्माता का भक्त बनाया, उसने अपना जीवन ब्रम्हांड के निर्माता की पूजा और स्तुति में लगाया। उसकी भक्ति सबसे महत्वकांक्षी थी और उसकी प्राथनाए सबसे उत्सुक थी। हर क्षेत्र में उत्कृष्ठता हासिल करना और और अपनी तरह के लोगो में शासन करना इसके अलावा उसकी और कोई चाह नहीं थी।

हलाकि सारी सृष्टि में सर्वश्रेष्ठ होने की महत्वाकांक्षा के कारण ही उसने इश्वर के सामने अपने घुटने टेके। अज़ाज़ेल को उसकी सालो की सेवा के लिए पुरस्कृत किया गया , उसकी अमर रहने की इच्छा को पूरा किया गया। अज़ाज़ेल एक शिक्षित प्राणी था जो दुसरो को अपना अनुसरण करने में और हेरफेर करने में अपनी क्षमताओ में विश्वास रखता था और उसने अपने पीडितो को पाप करने में फ़साने के लिए कई चाले रची। उसने अपनी अदृश्य रहने की शक्ति का इस्तेमाल करने का इरादा और मानव जाती को हर तरफ से लुभाने का इरादा सस्पष्ट किया। दरअसल

अज़ाज़ेल ने बुरे विचार मानवजाती के दाये कान में बाए कान में ऊपर से निचे से फुसफुसाने का वादा किया था , हर मोड़ पर बुरी इच्छाए और झूठी आशाओ का घात लगाये । अज़ाज़ेल को उसकी अवज्ञा और अहंकार के कारण स्वर्ग से निकाला गया था , इसलिए उसने पहले मनुष्य को धर्म के मार्ग से भटकाने की और पाप करवाने की प्रतिज्ञा ली थी । उसके पहले शिकार आदम और हव्वा थे जिन्हें उसने इश्वर की इकलौती आज्ञा का उल्लंघन करवाया । अज़ाज़ेल की योजनाओ के बारे में अंतिम नियम बताता है : "तब शैतान ने उन्हें भटका दिया (स्वर्ग से) और उन्हें वहा से निकाला गया । हमने कहा ,"तुम सब आपसी दुश्मनी में निचे उतरो, कुछ समय के लिए पृथ्वी तुम्हारा आनंद के लिए स्थान होगा । " (अंतिम नियम, अध्याय २ , श्लोक 36)

अज़ाज़ेल अब पवित्र नहीं था, वो शक्ति औत प्रसिद्धि का भूखा था । शैतान के रूप में वह जानता था के पृथ्वी पर अपनी तरह के लोगो में रहने के बावजूद वह जल्द ही मिट जायेगा , इसलिए वह मानवी नैतिकता और एकमात्र आस्था को मिटाने की सख्त कोशिश करता रहा । शैतान की तीव्र इच्छा थी के मानवजाति प्रतिगमन सहे और फिर कभी निर्माता पर विश्वास ना करे जिन्होंने उन्हें बनाया है , और ना तो दिव्य सिध्धांतो का अभ्यास करे जो स्वर्ग से उन्हें सुनाये जाते है । उसने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया के मानव जाती करुणा की निरंतरता और नश्वर प्रगति के नियम सब कुछ भूल जाये ताकि उन्हें जीवन में और जीवन के बाद भी विनाश भुगतना पड़े ।

दरअसल शैतान महत्वकांक्षी था, वह मानवजाती की गहरी अस्पष्टता समझना चाहता था , उनके दिल पर राज करना चाहता था जो उसकी पृथ्वी पर रह रहे थे । जब उसने आदम को सम्मान दिखने से मना किया तब इश्वर ने शैतान से पूछा, "ओ इब्लीस (शैतान) ! आपको उन लोगो में शामिल होने से किसने रोका है जिन्होंने प्रणाम किया । "

उसने कहा,"मै उस इन्सान के सामने सज्दा नहीं करूँगा जिसे सुखी मिटटी से बनाया गया है । शैतान ने फिर इश्वर से दुनिया खत्म होने तक कई सालो तक जीने की अनुमति मांगी । उन्होंने अंतिम नियम में कहा है ,"हे इश्वर ! मुझे उस दिन तक राहत दे जब तक वे पुनर्जीवित ना हो जाये । " शैतान का इरादा मानवजाती के बीच रहकर, उनसे पाप करवाकर उनकी आत्मा नष्ट करनेका था ।

इश्वर ने शैतान के अनुरोध को स्वीकार किया क्युकी उसने अस्सी हजार सालो से ज्यादा इश्वर की प्रार्थना की थी । इश्वर ने कहा,"तुम सचमुच ज्ञात प्रलय के दिन तक छुटकारा पनेवालोमेसे होंगे । "

तब शैतान ने कहा,"हे मेरे प्रभु ! जैसे तूने मुझे सोपा है । मै निश्चय ही पृथ्वी पर बुराई बढ़ाऊंगा और मै तुम्हारे समर्पित नौकरों को छोड़कर बाकि सब को नष्ट कर दूंगा । "

इसके बाद इश्वर ने शैतान को स्वर्ग से बाहर निकल दिया और आदेश दिया के उसे अपनी नेक निकटता छोडनी होगी । अज़ाज़ेल अब शैतान था और न्याय के दिन तक शापित था ।

उससे लम्बी उम्र का वादा किया गया और इश्वर ने उसके लम्बी उम्र में हस्तक्षेप ना करनेका वादा किया और उसे स्वतंत्र इच्छा का उपहार दिया । अज़ाज़ेल अब बिना समय नष्ट किये भविष्य की योजना बनाने लगा । उसने मानवजाती से गलती करवाने के लिए नयी विधियों की योजना बनायीं, नयी चाले गढ़ी वह मानवजाती के मनोविज्ञान का गहन अध्ययन करने लगा । उसने निष्कर्ष निकाला के मनुष्य प्राणी कमजोर है, उन्हें चमक धमक आकर्षित करती है । सचमुच उन्हें विलासतापूर्ण वस्तुओ का शौक था और वो औरत और शराब का मजा उठाते थे । मनुष्य सभी प्रकार के आराम की सराहना करते थे और साधारण दुःख से नफरत करते थे जैसे भुखमरी, कठिनाई या श्रम । अज़ाज़ेल यह जानकर

रोमांचित हुआ के मनुष्य ऐसी किसी भी प्रथा का अनुकरण करते जो उन्हें सुंदर लगती, इसलिए उसने मनुष्य को अपने बुरे तरीको में फ़साने के लिए पापो को आकर्षक बनाके प्रकट करने का संकल्प किया । शैतान जानता था वो मानवजाती से कुछ भी करवा सकता है कह सकता है जब तक वो उनके दिमाग का शिकार करता रहेगा उन्हें आराम की दुनिया में ले जाकर धीरे से मार्गदर्शन करता रहेगा जहा वो केवल वाही देखेंगे और अपने कार्यो के नतीजो से अनजान रहेंगे । वह उनसे इस संसार के बड़े सुखो का वादा करेगा और इश्वर के उनको दिए निर्देशों को भुलवा देगा । यहाँ तक के अंतिम नियम के परिछिदो में मानव जाती को शैतान द्वारा धोखा दिए जाने की बात कई बार की गयी है , अज़ाज़ेल अपने भविष्य के बारे में विश्वस्त था । इश्वर ने अंतिम नियम में घोषणा की,"हे आदम की संतान ! शैतान को तुम्हे धोखा देने मत दो जैसे उसने तुम्हारे माता पिता (आदम और हव्वा) स्वर्ग से बाहर किया था । अंतिम वसीयतनामा ऊँचाई अध्याय, श्लोक 27

शैतान ने सामान्य व्यक्ति की तरह दिखना बंद किया और धीरे धीरे वह घृणित सांप की तरह दिखने लगा । एक जहरीले सांप की तरह इन्सान के दिमाग में घुसकर वो वहा भ्रष्टाचार और छल बोने लगा । दरअसल उसका अंतिम लक्ष्य था लोगो को भटकाना ताकि वे मुर्ख और बेशर्म बने । वह उन्हें अविश्वासी, अज्ञेयवादी और बहुदेववादी बनाना चाहता था क्युकी वह चाहता था किसी भी मर्द या औरत को पता ना चले की आदम पहला इन्सान था । शैतान चाहता था के हर कोई विश्वास करे के उनके पूर्वज वानर और गधे थे । अज़ाज़ेल जानता था के इन्सान बुध्धिमान प्राणी है और आसानी से उसकी बातो में नहीं आएंगे इसलिए उसने प्यार और दौलत के झूठे वादे देकर उन्हें फ़साने की कोशिश की । वो उन्हें बुतपरस्त बनाएगा और उन्हें उसकी और अग्निप्रानियो की पूजा करने के लिए मजबूर करेगा बदले में उन्हें कुछ सोना और चांदी देने का वादा करेगा । परन्तु जो मनुष्य उसकी पूजा करने के लिए तैयार होंगे वाही सबसे पहले उसके शिकार होंगे क्युकी वह उनसे उसे खुश करने के

लिए सबसे गंदे और घिनौने काम करवाएगा । सचमुच अज़ाज़ेल ने सोचा मै अपने अनुयायियों से खुद के मलमूत्र खाने को कहूँगा और खुद के बच्चे जलने के लिए कहूँगा अगर वो सदैव जीवित रहना चाहते है और शक्ति प्राप्त करना चाहते है । जब वो मेरी बात मानने को तैयार होंगे तब मै इश्वर को दिखा दूंगा के ये मनुष्य कितने मुर्ख और कमजोर है । अज़ाज़ेल धर्म्निश्ठो पर आक्रमण करने के लिए धर्मपरायणता का उपयोग करने की कसम खायी थी , विद्वानों पर हमला करने के लिए भ्रामक विद्वान लाये, न्यायशास्त्री उपदेश देने के लिए उनसे झूठ बुलवाए । इसी कारण से इश्वर ने मानवजाती को चेतावनी दी ,"शैतान के नक्शेकदम पर मत चलो । निश्चित रूप से वह आपका खुला दुश्मन है । " (अंतिम नियम ६:१४२)

शैतान ने झूठे तर्क का भरपूर उपयोग करने का वादा किया उन लोगो के लिए जो ज्ञानी होने पर गर्व करते है जिसकी वजह से सबसे ज्ञानी व्यक्ति भटकेंगे । आम लोगो के लिए उनकी अज्ञानता का उपयोग उनके जीवन चक्र पर हमला करने के लिए शैतान ने किया , उन्हें पापी और दुखपूर्ण कर्म करने के लिए मजबूर किया । अंतिम नियम मानव और शैतान के चालो के बारे में इश्वर का उद्धरण ,"ओह !पापियों ! क्या मैंने तुम्हे आदेश नहीं दिया था आदम के बेटो ! शैतान की उपासना मत करो क्युकी वो घोषित शत्रु है । " (अंतिम नियम 36:60)

अंतिम नियम के आखिरी पन्नो में इश्वर ने मानव जाती को ये स्पष्ट किया है के अज़ाज़ेल उनका दुश्मन है और उसका लक्ष्य मानवजाती को इश्वर से दूर भटकाना है । इश्वर का लक्ष्य है जो उन्हें अनुसरण करना है उसकी पूजा करनी है और अपने निर्माता की आज्ञा का पालन करना है । हलाकि शैतान का लक्ष्य अलग था जो की उन्हें इश्वर में अविश्वास के लिए प्रोत्साहित करना और स्वर्ग के आज्ञा का उल्लंघन करना था । शैतान जानता था उसका शाश्वत निवास नर्क है इसलिए उसने आशा की के मानव जाती को धन, शराब और स्त्रियों से विचलित किया जाये, उन्हें

पाप की तरफ आकर्षित किया जाये ताकि वे अनंतकाल तक उसके साथ नर्क में रह सके ।

शैतान को इंसानों को शारीरिक रूप से नुकसान पहुचाने की शक्ति नहीं दी गयी थी लेकिन उसे सभी बुराईयों का स्त्रोत माना जाता था क्युकी वह लोगो को पाप और वासना में लिप्त होने के लिए प्रोत्साहित करता था । वह मानवजाती को एकदूसरे को मारने का आग्रह करता था और अनैतिकता और व्यभिचार फ़ैलाने में सक्षम बनाता था । अज़ाज़ेल को पता था के मनुष्य को मिटटी से बनाया गया है और वो अपनी नश्वर आवश्यकताओ के बारे में कमजोर है जैसे के भोजन, पेय और महिलाये । उसने उन्हें शराब पिने और इश्वर में अविश्वास करने का आग्रह किया । उन्होंने महिलाओ को सार्वजनिक रूप से शरीर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि पुरुष पशु वासना का शिकार बने और सभी प्रकार के पाप करे ।
शैतान मनुष्य को हत्या और आपसी शत्रुता में लिप्त देख प्रसन्न होता । वो चाहता था के वो एकदूसरे से नफरत करे और मूर्तियों की और जानवरों की पूजा करे । शैतान को अपने शरीर के ऊपर गर्व था क्युकी वह आग से बना था , उसने मुर्ख मनुष्यों को अग्नि पूजक बनाया ।

अंतिम नियम स्पष्ट करता है के अज़ाज़ेल आग से बनाया गया था और छिपे हुए लोगो के प्रजाती का था । अंतिम नियम के पंद्रहवे अध्याय में आदम के बारे में यह वर्णन किया गया है : हमने मनुष्य को सुखी मिटटी से पैदा किया, गहरे रंग की दोमन मिटटी और (जिन्न) छुपे हुए लोगो के पास था जो अग्नि से बने थे । याद रखे जब इश्वर ने देवदूतो से कहा ,"मै मनुष्य को सुखी मिटटी, गहरे रंग की दोमन मिटटी से बनाऊंगा । जब मै उसमे अपनी आत्मा डालूँगा तब गिरकर उसकी आराधना करो । "

और सब देवदूत एकसाथ सज्दे में झुक गए ; इब्लीस (शैतान) को बचाए ; उसने उन लोगो के साथ झुकने से मना कर दिया ।

हे इब्लीस (शैतान)", इश्वर ने कहा ,"तू उन लोगो के साथ नहीं है जो सज्दा करते है ?"

उसने कहा,"मुझे उस मनुष्य के सामने झुकना सही नहीं लगता जिसे चिकनी मिटटी से बनाया गया है । "

उन्होंने कहा,"तुम यहाँ से चले जाओ पथ्थर वाहित, क़यामत के दिन तक तुम पर शाप रहेगा । "

उसने कहा,"हे मेरे पालनहार ! मुझे उस दिन तक मोहलत दे जब तक मनुष्य पुनर्जीवित हो जायेगा । "

उन्होंने कहा,"तो पूर्वनिर्धारित समय तक टू विश्राम करेगा । "

उसने कहा," हे मेरे रब ! क्युकी तूने मुझे बहकाया है , मै निश्चय ही पृथ्वी पर सब सुंदर करूँगा, आपके इमानदार भक्तो को छोड़कर बाकि सब को बहकाऊंगा । "
उन्होंने कहा ,"यह मेरे लिए सही मार्ग है , क्युकी मेरे किसी सेवक के पास भटके हुए लोगो को सही करने की ताकत नहीं होगी । और वास्तव में उनके लिए नर्क ही मिलने का स्थान होगा । उसमे सात दरवाजे होंगे और हर एक दरवाजे को कक्षा होगी । " (अंतिम नियम अध्याय रॉक श्लोक 30)

अज़ाज़ेल बदला लेना चाहता और वो मानवजाती को भ्रष्ट करने और सत्य और न्याय के मार्ग से हटाने के लिए बेताब था । उसने मनुष्य को इश्वर और उसके धर्म का अनुसरण करने से रोकने की योजना बनायीं

और दौलत और औरत का लालच देकर पाप करने के लिए प्रेरित किया । लोगो को उसके साथ नर्क में ले जाना उसके जीवन का एकमात्र उद्देश्य बन गया था , जहा वो उन्हें यातना देकर आनंद ले सके । सर्वशक्तिमान पृथ्वी और आकाश के निर्माता ने अंतिम वसीयतनामे में टिपण्णी की है ,"निश्चित रूप से शैतान तुम्हारा दुश्मन है और उसे दुश्मन की तरह व्यवहार करो । वो सिर्फ धधकते हुए नर्क में कैदियों के बीच रहने के लिए आमंत्रित करता है । (अंतिम नियम , अध्याय प्रवर्तक, श्लोक ६)

पीड़ा और क्रोध में अपने बाल उखाड़ते हुए शैतान देवदूतो पर गरजने लगा , उसने घोषणा की के आदम के को स्वर्ग से निकालने के लिए और उसके बच्चों को भ्रमित करने के लिए वो हर चीज करेगा । "मनुष्य गन्दगी से बना मुर्ख प्राणी है । " वह चिल्लाया,"निश्चित रूप से ये जानवर उपरी ज्ञान से प्रभावित होंगे वह चिल्लाया , क्युकी मै उन महिला और पुरुषो को पुरस्कृत करूँगा जो बच्चे का दिल खाने जैसा काम करेंगे उन्हें मौत के समय जैसी चीजे बताएँगे । ख़ुशी ख़ुशी वो मेरी पूजा करेंगे और आखिर मै वो विशिष्टता हासिल कर लूँगा जिसकी मुझे उस दिन से तलाश थी जब इश्वर ने गन्दी मिटटी से आदम को बनाया था ।

मूर्तिमान देवदूतो ने आश्चर्य व्यक्त किया,"ओ अज़ाज़ेल, वो तुम्हारी पूजा क्यों करेंगे जब इश्वर ने उन्हें बनाया है और और वाही उन्हें खिलाता है ?"

उन्हें मेरी पूजा करनी पड़ेगी !", शैतान ने जवाब दिया , मै प्रासंगिक और असीम ज्ञान होने का दावा करूँगा । मै मनुष्य को पृथ्वी के हर चीज के गुण दिखाऊंगा उन्हें सभी पौधों, और मिटटी से परिचित करवाऊंगा , उन्हें चट्टानों के खनिज दिखाऊंगा । "
शैतान से सीधे बात करने की जगह देवदूतो ने अंतिम नियम के दुसरे अध्याय का कुछ अंश पढ़ा,"इश्वर से क्षमा मांगों , क्युकी इश्वर क्षमाशील है और दयालु है । "

शैतान फिर चिल्लाया और देवदूतो पर झपट कर उन्हें जमीन पर गिराने की कोशिश की इ फिर उसने उन्हें हिंसक स्वर में कहा,”मनुष्य और उनकी शापित आत्माए मेरे आज्ञा के प्रति समर्पित होंगी । “ शैतान ने भावना में दोहराया मै अपनी पूरी शक्ति लगाऊंगा और उन्हें संक्षिप्त आनंद के लिए इश्वर और धर्म का त्याग करने कहूँगा । और जब ये पाशविक मनुष्य मेरे दास बन जायेंगे तब मै उन्हें अपने दोस्तों के सड़े हुए शव खाने के लिए कहूँगा और उनके बच्चो को बेकार जादू टोना सिखने के लिए कहूँगा । वो बदबूदार गुलाम जिनके शरीर कीड़े मकोडो से भरे हुए है वो मेरी नैतिकता के लिए अपनी गरिमा और मानवता का सौदा करेंगे और दोनों दुनिया में अपने मेरी आज्ञा मनाकर अपनी उधार्ता का त्याग करेंगे । तब मै इश्वर को दिखाऊंगा मनुष्य कितना घृणित है और मुझसे कितना हिन् है ।

जैसे ही शैतान बोला, देवदूतो ने उसे इश्वर की महिमा और अनुग्रह की याद दिलाने की कोशिश की और इसलिए अपनी बात साबित करने के लिए अंतिम वसीयतनामा के कुछ अंश कहे,”लो ! यह एक चेतावनी है । तुम्हारा प्रभु जानता है तुम लगबघ दो तिहाई या आधी या एक तिहाई रात प्रार्थना करते हो । परमेश्वर रात दिन को नापता है । वो जानता है तुम घन्टे की गिनती ठीक से नही कर सकते इसलिए तुम्हारी और दया से मुड़ता है । अंतिम समय आसान होने के लिए जितना हो सके उतना पाठ करो । वो जानता है तुम से कुछ लोग बीमार है, जबकि अन्य लोग भगवान की कृपा के तलाश में पृथ्वी पर यात्रा कर रहे है और अन्य लोग उसके पक्ष में युध्द कर रहे है ।इसलिए इतना ज्यादा पाठ करना के सब आसान हो जाये । और प्रार्थना का निरिक्षण करे, क़ानूनी भिक्षा अदा करे, इश्वर को ऋण दे; जो भी अच्छे काम तुम अपनी और से पहले भेजते हो, तुम इश्वर को साथ पाओगे । यह सबसे अच्छा और अमीर मुआवजा होगा । और इश्वर से क्षमा मांगों ; वास्तव में इश्वर क्षमाशील और दयालु है । (अंतिम नियम, अध्याय सलंग्न, श्लोक 20)

शैतान को अब स्वर्ग में द्वार के सरंक्षक, देवदूतो के शिक्षक और अज़ाज़ेल के नाम से सम्मानित नहीं किया जाता था । अब वह शापित था, इसलिए उसने आदम को स्वर्ग से निकालने और पृथ्वी पर भेजने के लिए अपनी शक्ति में जो बन पड़ा वो किया । आदम को झूठे वादों से धोखा मिला और उसने वर्जित पेड़ का फल चखा । इसके बाद आदम और हव्वा का जीवन पहले जैसा नहीं रहा । वे युगों युगों में ऐश्वर्य में जीवित थे , स्वर्ग के सुखो का आनंद उठाते थे, जहा उनके निवास शाही वैभव स्तर के थे । अब हर मोड़ पर केवल निराशा और अंधकार छाया हुआ था, अपने शरीर को ढकने के लिए केवल कुछ ही सूखे पत्ते थे, जहा स्वर्ग में उन्हें सुबह शाम अलग अलग वस्त्र परिधान करने मिलते थे ।

कई बार इश्वर ने मनुष्य को शैतान की दुष्ट योजनाओ से दूर रहने की याद दिलायी । अंतिम नियम के छन्दों में सर्वशक्तिमान इश्वर कहते है ,"और अगर शैतान की दुष्ट फुसफुसाहट तुम्हे दूर करती है (भलाई करने से) तो इश्वर की शरण लो । सचमुच वह सब सुननेवाला और सब जाननेवाला है । "(अंतिम नियम विवरण में समझाया गया श्लोक 36)

शैतान यह सहन नहीं कर सका के आदम और हव्वा स्वर्ग में शांतिपूर्ण रहे जबकि वो विधर्म और आतंक में अनंतकाल जियेगा । वो नहीं चाहता था के आदम अपनी खुबसूरत पत्नी के साथ इडन में अपनी नियति को पूरा करे इसलिए उसने अपनी शक्ति में उनको स्वर्ग से निकलने और धोखा देने के लिए सब कुछ किया ।

जब आदम और हव्वा स्वर्ग पर राज कर रहे थे शैतान ये सोच रहा था के क्यों इश्वर ने देवदूतो को अप्रभावी मानव को प्रणाम करने को कहा । उसे आदम से बेहद जलन होती थी और आश्चर्य होता था के ये छोटा आदमी कैसे इतनी चीजे याद रख पाता है । वास्तव में सर्वशक्तिमान इश्वर ने आदम को सभी जीवित प्राणियों के नाम सिखाये थे , प्रथम मानव को हर भाषा सिखाई थी , जब आदम के सामने हर प्रजाति और

वस्तु को क्रमबद्ध किया गया , आदम के अलावा कोई भी नहीं जानता था के हर चीज का नाम क्या है और उसकी सामग्री क्या है । वह खनिजो और पथ्थरो की पहचान करने में सक्षम था , और तरल पदार्थ और गैस के गुण भी जानता था ।
अरबी और सिरिअक इस्तेमाल करनेवाला आदम पहला व्यक्ति था , साथ ही वह सभी भाषाओ में लेखन करने और किताबे पढने में पारंगत था । हलाकि देवदूत गेब्रिअल अरबी भाषा जाननेवाले पहले थे लेकिन आदम पहला पहला इन्सान था जिसने ये प्राचीन भाषा बोली और सिखाई । सचमुच इश्वर ने आदम को हर भाषा सिखाई और मानवजाती जो भी वस्तुए बनाएगी उनके नाम भी सिखाये । वह बर्तनों और पेड़ो के नाम रखना जानता था और और वो पेड़ो और कवक के आयुर्वेदिक गुण भी जानता था ।

आदम का भाषा ज्ञान देखकर देवदूत आश्चर्यचकित थे, पर अज़ाज़ेल क्रोध और इर्ष्या से उबल रहा था । इश्वर ने अज़ाज़ेल और देवदूतो को दिखाया के मिटटी से बना हुआ मनुष्य सभी देवदूतो और आत्माओ से ज्यादा ज्ञानी था । उसे देवदूतो के नेता से अधिक जानकारी थी । अज़ाज़ेल गुस्सा होगया ।

इससे पहले के आदम पूरी तरह तैयार होता, अज़ाज़ेल ने आशा से इश्वर की तरफ देखा के वो उस मूर्ति में जान ना डाले । अपनी उत्तेजना को अपने शिष्यों से छुपाते हुए वो तेजी से आगे बढ़ा पर सफल नहीं हो पाया । उसकी बचैनी जाहिर थी ,और उसने बार बार उनसे कहा इस नए प्राणी को अपने से श्रेष्ठ मत मानो ।

इश्वर ने मिटटी की मूर्ति में जान फूंक दी, और पृथ्वी पर खड़ा रहनेवाला पहला व्यक्ति धीरे धीरे जिन्दा होगया, पर उसकी आंखे अब भी बंद थी । इस बीच सृष्टि और आदम के निर्माता ने देवदूतो और छुपे हुए लोगो को आदम के सामने झुकने की आज्ञा दी । देवदूतो ने इश्वर की आज्ञा का

तुरंत पालन किया और मुह के बल गिरकर प्रणाम किया । यह वाही क्षण था जब आदम ने अपनी आंखे खोली और एक प्राणी के अलावा सभी देवदूतो को उसे प्रणाम करते देखा, वो प्राणी दूर से भी देवदूत की तरह नहीं लग रहा था । वह प्राणी दूर खड़ा था और आदम को घृणित और खतरनाक नजरो से देख रहा था । आदम को अभी अभी बनाया गया था और उसे कम जानकारी थी । वह नहीं जानता था के ये किस प्रकार का प्राणी है जो बाकि देवदूतो के साथ नहीं झुक रहा है । पहले तो आदम को अज़ाज़ेल का नाम भी नहीं पता था पर उसकी क्रोधित दृष्टी उसे कांपने पर मजबूर करती थी । खुद की मदद करने में असमर्थ आदम को निडरता से सामने खड़े इस अजीब प्राणी से परेशानी महसूस हुयी । देवदूत आदम को झुककर प्रणाम कर रहे थे इसलिए उसे अज़ाज़ेल का सिर्फ चेहरा ही नजर आ रहा था । हालाकि अज़ाज़ेल को आग से बनाया गया था फिर भी वह खुद को देवदूतो से श्रेष्ठ मनाता था । उसके अपने शिष्यों को एक काले छोटे आदमी के सामने झुकते देख उसे गुस्सा आया । उसे समझ नहीं आ रहा था के कैसे देवदूत अपना गर्व भूलकर इश्वर की आज्ञा का पालन कर सकते है । अज़ाज़ेल को पता था के इश्वर ने उसे आग से बनाया है इसलिए वो आदम की पूजा नहीं करना चाहता था ।

जब सर्वशक्तिमान इश्वर ने देवदूतो से कहा,"मै काली चिकनी मिटटी से इन्सान (आदम)को बनाने जा रहा हु , जब मै उसमे आत्मा डालूँगा तब उसके सामने गिर पड़ो । "

उनका आदेश सुनतेही शैतान को छोडकर सब सज्दे में झुक गए - उसने झुकने से इंकार कर दिया ।

अंतिम नियम के सातवे अध्याय में इश्वर ने घटना का वर्णन किया,"और निश्चित ही हमने तुम्हे बनाया (तुम्हारे पिता आदम) और तुम्हे आकार दिया (एक महान इन्सान का आकार) फिर हमने फरिश्तो से कहा,

आदम को सलाम करो और इब्लीस के सिवाय सबने सज्दा किया , उसने सज्दा करनेवालों में होने से इनकार किया । “

इश्वर) ने कहा ,”तुम्हे किसने रोका, हे इब्लीस (दुष्ट चीज) के जब मैंने तुम्हे आज्ञा दी तब तुमने सज्दा नहीं किया?”

इब्लीस (दुष्ट) ने कहा,”मै उससे (आदम) बेहतर हु , आपने मुझे आग से बनाया और उसे मिटटी से । “

इश्वर ने कहा,”ओ शैतान, इस (स्वर्ग) से निकल जाओ, यह यहाँ इसलिए नहीं है के तुम अहंकारी बन जाओ । बाहर निकलो क्युकी तुम अपमानित में से एक हो । “

शैतान (ने कहा,”मुझे उस दिन तक मोहलत दो जब तक वो उठाये जायेंगे (पुनर्जीवित)। “

इश्वर ने खा,”आप उन लोगो में हो जिन्हें राहत की अनुमति है “ (अंतिम वसीयतनामा 7:13)

उस मनहूस घडी के बाद अज़ाज़ेल शैतान बन गया और स्वर्ग से निकाला गया । हालाकि उसने आदम से श्रेष्ठ दिखने की व्यर्थ कोशिश की और स्वयं की तुलना आदम से करने लगा । उसने देवदूतो से कहा के वो एक अनाकर्षक इन्सान की तुलना में ज्यादा सन्माननीय है उसकी दलील ये थी के आग मिटटी से बेहतर है इसलिए इश्वर द्वारा उसे सज्दे के लिए चुना जाना चाहिए था ।

कुछ देवदूतो ने शैतान को समझाने की कोशिश की के जरुरी नहीं आग मिटटी से बेहतर हो, क्युकी आग में काफी हद तक विनाशकारी गुण थे और मिटटी और धुल में जीवनदायी गुण थे जैसे के शांती, क्षमाशीलता,

दृढ़ता और विकास, सभी पेड़ पौधे पृथ्वी से बढ़ते थे। उन्होंने शैतान को ये भी बताया के आग ने जीवित चीजो को बहुत नुकसान पहुचाया है और वो जलन और दर्द की निर्माता है।

अज़ाज़ेल को आदम की उत्कृष्ट भावनाओ और दयालुता से जलन होती थी और वो ये मानता था के उसे देवदूतो में श्रेष्ठ माना जाना चाहिए। उसके पास स्वर्ग के ज्ञान का कुछ हिस्सा था। एक समय में अज़ाज़ेल देवदूतो का नेता और शिक्षक था और उसे अपने ज्ञान पर गर्व था पर जब इश्वर ने आदम को बनाया और उसे महान शब्द सिखाये तब असुरक्षा से शैतान गुस्सा हो गया। वो देवदूतो की नजर में अपना मूल्य खोने से डरता था और जैसा के उसने सोचा था इश्वर ने देवदूतो को और उसे आदम के सामने सज्दा करने का आदेश दियाऔर अज़ाज़ेल ने इश्वर की आज्ञा मानने से इनकार कर दिया और स्वर्ग से निकाला गया। जब से अज़ाज़ेल को स्वर्ग से निकाला गया था वो इस घटना पर शौक मना रहा था वह जब मानवजाती को निर्माता के सामने झुकते और उसकी पूजा करते देखता तो चिल्ला उठता। शैतान आसुओ के साथ चिल्लाता,”हे मुझपर धिक्कार है ! आदम को सज्दा करने और करवाने का आदेश था इसलिए उसके पास बागीचा है। मुझे सज्दा करनेका आदेश मिला और मैंने इंकार किया इसलिए मेरे पास आग है। “ दरअसल शैतान जानता था के इश्वर के आदेश का पालन करना यह उसपर निर्भर है लेकिन उसने आदम के सामने झुकने से इनकार कर दिया क्युकी उसे लगता था मिटटी से बने इन्सान से वो बेहतर है। शैतान बनने से पहले अज़ाज़ेल आश्चर्य से देखता था के इश्वर कैसे ब्रम्हांड का निर्माण करते है। ग्रह मंडल के निर्माण से लेकर आकाश गंगाओ के निर्माण तक अज़ाज़ेल ने नश्वर मंडल के हर छोटी छोटी जानकारी जानने की कोशिश की।

अपने सिमित और अपर्याप्त दिमाग के साथ , शैतान ने यह कल्पना की वह अपने सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता की बुद्धि को मात दे सकता है।

आदम के निर्माण के तुरंत बाद , इश्वर की नजरो में उसके सन्माननीय स्थान के बारे में आदम अनजान था I वास्तव में, इस छोटे हसमुख आदमी को ये पता नहीं था के सारे देवदूत और छुपे हुए लोग उसे प्रणाम करने के लिए खड़े है I इश्वर के मिटटी के शरीर में आत्मा डालने के बाद आदम ने पहली बार दृष्टी को खोजा और प्यार, विस्मय और आश्चर्य की भावनाओ को महसूस किया I उसने तुरंत ही उसके दिल में निर्माता के लिए गहरा प्यार महसूस किया I आदम इस बात से बहुत प्रसन्न था के इश्वर ने ना केवल उसे मिटटी से बनाया बल्कि देवदूतो के सामने उसका आदर सम्मान भी किया I

इश्वर ने आदम से बहुत प्यार किया और देवदूतो से सज्दा करवाया I देवदूत परिस्कृत शिष्टाचार के साथ दयालु प्राणी थे , वो तो शैतान था जिसने आदम को चकित कर दिया I इस अग्निजिव को गुस्से से उसे घूरते देख आदम आश्चर्यचकित हो गया I आदम को अहसास हुआ के अग्नि से बना ये प्राणी बिना उसे जाने ही उससे घृणा करता है I आदम को इन अग्निजिव से और देवदूतो से दोस्ती करने की कितनी उत्सुकता थी , पर उसे आश्चर्य होता था के अग्निजिव की उससे क्या नाराजगी है I आदम एक मिलनसार व्यक्ति था, वो हर किसी को पसंद करना चाहता था और हर मुलाकात हुए अजनबी से दोस्ती करना चाहता था लेकिन शैतान आदम के इस प्यार भरे व्यवहार का बदला प्यार से देना चाहता था I प्रथम मानव को यह सुनकर बहुत दुःख हुआ के शैतान उसका शाश्वत शत्रु होगा I

आदम के शरीर का निर्माण मिटटी से होने के समय से पहले देवदूत मानवजाती के निर्माण का कारण जानने में असफल रहे , इसलिए इश्वर ने देवदूतो से कहा,"मै पृथ्वी पर उपप्रधान का निर्माण करूँगा I "

यह सुनकर पंखवाले देवदूतो को आश्चर्य हुआ,"उस उपप्रधान के गुण और स्वभाव क्या है?"

जवाब था,"उसकी कुछ संताने पृथ्वी पर उत्पात मचाएंगी, एक दुसरे से इर्ष्या करेंगी, एकदूसरे को मार डालेंगी । "

जब स्वर्गदूतो ने उपप्रधान शब्द सुना तब उन्होंने निष्कर्ष निकाला के आदम की कुछ संताने उत्पात मचाएंगी , उपप्रधान का दर्जा सुधार स्थापित करने के लिए , भ्रष्टाचार का त्याग करने, लोगो को न्याय प्रदान करने, और लोगो को निषिद्ध कार्य करने से रोकने के लिए होता है ।

देवदूत अंतर्ज्ञानी प्राणी थे वह जानते थे फ़िलहाल जिनका पृथ्वी पर कब्ज़ा है वो आग से बनाये हुए छुपे लोग है, उन्होंने पृथ्वी पर खून बहाया और उत्पात मचाया । देवदूतो को पता था के ऐसा होने की सम्भावना है के जिस मनुष्य को पृथ्वी पर रहने के लिए भेजा जायेगा वो उनसे पहले रहने वाले छुपे हुए लोगो की तरह उत्पात मचाये ।

अंतिम नियम में इश्वर द्वारा देवदूतो को दिए गए सन्देश में कहा गया है,"वास्तव में , मै (मानवजाती को) पृथ्वी पर पीढियों के बाद पीढियों में बसाने जा रहा हु । "

उन्होंने पूछा,"क्या आप उन लोगो को भी बसाओगे जो खून बहायेंगे और उत्पात मचाएंगे , जबकि हम तेरी स्तुति, महिमा और धन्यवाद करते है (आप उन सबसे अधिक महान है जो आपके साथ भागीदार के रूप में जुड़े है) और पवित्र करते है । "
उन्होंने (इश्वर ने)कहा,"मै वह जानता हु जो तुम नहीं जानते । "

इश्वर ने संकेत दिया के वो इस जाती के बारे में उतना जानते है जितना देवदूत अंदाजा भी नहीं लगा सकते , इश्वर को पता था आदम के बहुत सारे बेटे बेटिया होंगे , उनमे महान संत और पैगंबर भी होंगे । आदम की

संतान में बहुत सारे धर्मात्मा उपासक होंगे, धर्मात्मा विद्वान होंगे, परमेश्वर प्रेमी और पवित्र दूतो के चेले होने और इसलिए आदम इतना विशेष और श्रेष्ठ है ।

आदम को स्वर्ग में आनंदपूर्वक रहने की छुट्टी दे दी गई आराम जहां वह स्वर्ग के सुनहरे ओरिओल्स को देख सकता था। अनन्त दीप्तिमान वृक्ष फलों से लदे हुए थे, और आदम को इडन के सबसे स्वादिष्ट अनार और अंगूर परोसे गए। आदम हमेशा सुखद और अच्छे मूड में था, औरजब अंततः ईव का निर्माण हुआ, तो वह ईव के चेहरे की सुंदरता और उसके बालों की प्रचुरता इससे मंत्रमुग्ध हो गया ।

गुप्त काल से ही इस ब्रहमाण्ड में बुराई का उदय शुरू हुआ जब छुपे हुए लोग बनाए गए. परमेश्वर ने उस जाति को आग से बनाया था , और उनमें से, शैतान नेता था और उसका अंतिम नियम में अहंकार और विद्रोही स्वभाव को स्पष्ट किया गया, जहां भगवान ने मानव जाति को याद दिलाया: "और (याद रखें) जब हमने फ़रिश्तों से कहा: 'आदम को झुको।' तो, उन्होंने शैतान को छोड़कर, झुक गये। वह छुपे हुए लोगों में से था,
और उसने अपने प्रभु की आज्ञा का उल्लंघन किया।” (अंतिम नियम,अध्याय गुफा, श्लोक 50)

वास्तव में, शैतान को निर्धूम आग से बनाया गया था, और इसलिए उसमें स्वयं को मानवीय दृष्टि से छिपाने की क्षमता थी, और उसने अपनी तरह के लोगों के साथ, उनकी अपनी एक दुनिया पर कब्ज़ा कर लिया। आदम को पहली बार देखकर शैतान क्रोधित हो गया और उसका अहंकार पूरे प्रदर्शन पर था क्योंकि उसने बकाया भुगतान करने से इनकार कर दिया था, उस छोटे कद वाले व्यक्ति के प्रति सम्मान, जो उसकी ओर उत्सुकता से मुस्कुरा रहा था। वह था शैतान की ईर्ष्या और झूठे तर्क ने उसे यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि वह शैतान है वह

आदम से श्रेष्ठ था और वह क्रोध में परमेश्वर पर चिल्लाया: "मैं बेहतर हूँ उससे (एडम) तूने मुझे आग से पैदा किया, और उसे तूने मिट्टी से निर्मित!" (द फाइनल टेस्टामेंट, चैप्टर हाइट्स, श्लोक 12)

भगवान के साथ शैतान की बातचीत का वर्णन किया गया था अंतिम नियम का पंद्रहवाँ अध्याय इस प्रकार है:

"हे एब्लिस (दुष्ट शैतान)," भगवान ने कहा, "तू क्यों नहीं है उन लोगों के साथ जो सिर झुकाकर प्रणाम करते हैं?"

उन्होंने कहा, "मुझे मनुष्य की पूजा में झुकना उचित नहीं लगता जिसे तू ने मिट्टी से, और दुर्गन्धयुक्त काले कीचड़ से बनाया है ।"

उन्होंने (इश्वर) ने कहा, "तो फिर तुम यहां से निकल जाओ; क्योंकि तू होगा
पत्थरों से मार कर भगाया. जब तक तुम पर श्राप बना रहेगा कयामत के दिन तक !"

शैतान ने कहा, "हे प्रभु, मुझे उस दिन तक की मोहलत दे।" मनुष्य को मरे हुओं में से जीवित किया जाएगा।"

उन्होंने कहा, "तब तू पूर्वनिर्धारित समय तक विश्राम पाने वालों में से एक होगा। "

"हे मेरे परमदेव! चूँकि तू ने मुझे ग़लती में डाल दिया है , मै निश्चित ही पृथ्वी पर सबको न्याय का भ्रम दूंगा, मै निश्चित ही उन सबको भ्रमित करूँगा, भटकऊँग सिवाय उनके जो तेरे समर्पित सेवक है । "

जिस पर भगवान ने) कहा: "यह रास्ता मेरे द्वारा सही है। वास्तव में मेरे बारे में
सेवकों, उन पर तेरा कोई अधिकार न होगा; लेकिन उन पर केवल वही जो बहकाया जाएगा, और जो तेरे पीछे हो लेगा; और वास्तव में, नर्क उन सभी के लिए वादा है। इसमें सात दरवाजे है ; प्रत्येक दरवाजे पर उनका एक अलग बैंड है; सचमुच वो
जो लोग बुराई से दूर रहेंगे और सीधे मार्ग पर चलेंगे वो बागों और पानी के सोतों के बीच में होंगे ।" (अंतिम वसीयतनामा, अध्याय 15)

शैतान ने इतने आत्मविश्वास से बात की जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की थी
एक सेकंड कि उसे अपने मानव अपने जाल में फंसाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा । ईश्वर की अवहेलना करते हुए, शैतान ने खुले तौर पर अपनी घोषणा की
वह हर तरफ से उनसे कैसे उनसे सम्पर्क करेगा, भयानक पाप करवाएगा , भावानाओ के सामने झुकने पर मजबूर करेगा ।

अज़ाज़ेल का अब केवल एक ही लक्ष्य था, और वह था मानव जाति से आग्रह करना
एक दूसरे को दुःख पहुँचाना और धर्म के मार्ग से भटकाना । उसका इरादा लोगों को उन पर निर्माता अविश्वास करने का था और मूर्तिपूजक और बहुदेववादी बनाना था ।
उसे बहिष्कृत घोषित कर दिया गया, आदम और उसकी खूबसूरत पत्नी को भटकाने के लिए मजबूर करने का धोखे का अपना मिशन शुरू कर दिया । उनके मन में संदेह उत्पन्न हुआ और उन्होंने वर्जित वृक्ष के फल का स्वाद चखा, जिसके कारण आदम और हव्वा को स्वर्ग से निष्कासित होना पड़ा । शैतान जानता था कि मानवजाति के पास संक्षिप्त जीवनकाल होगा , और उन्होंने धरती के ऊपर रहने वाले

लोगों ,दुनिया को प्रकट करने का फैसला किया । मानव जाति को लुभाने के लिए यह उसका एकमात्र हथियार होगा धन और स्त्री ।

सभी मनुष्य एक जैसे नहीं थे, और हर इंसान एक जैसा नहीं होगा जो उससे धोखा खायेगा । शैतान यह जानता था समस्त मानव जाति को गुमराह करने के लिए, उसे स्वयं उनका उपचार करना पड़ेगा , और उनकी कमज़ोरियों का शिकार करना होगा ।
प्रत्येक मनुष्य की रुचियाँ और प्रवृत्तियाँ अलग होगी वो उनके मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल की तरह अपनी रणनीति बदलना चाहता था ।

अज़ाज़ेल एक अत्यधिक बुद्धिमान प्राणी था, और वो छुपे हुए लाखों लोगों में से एक था । उसे सबसे अधिक साधन संपन्न व्यक्ति माना जाता था । वह जानता था कि अरबों मनुष्यों को गुमराह करना यह एक कठिन कार्य होगा और इसलिए उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति के कमजोरी का उसे नष्ट करने के लिए उपयोग करने का निर्णय लिया । उदाहरण के लिए, वह चिंतित था वे विद्वान जो स्वर्ग के सभी नियमों से परिचित थे उनको कैसे गुमराह किया जाए । शैतान वह निराशा में पड़ने वालों में से नहीं था, और उसने ज्ञान और आस्था के लेख का उपयोग उनके मन में संदेह पैदा करने के लिए करने ने का निर्णय लिया, ताकि उन्हें अपने ज्ञान पर गर्व महसूस हो ।

उन लोगों के लिए जो पूरे दिन और रात भगवान की पूजा करते थे और महान धर्मपरायणता की आड़ में रहते थे, शैतान ने मौज-मस्ती के वादे का इस्तेमाल किया
उन्हें उनके ध्यान से विचलित करने के लिए जबकि उनमें झूठे तर्क और गुमराह करने वाले तर्क बोए । जहां तक आम इंसानों की बात है जो लापरवाह जीवन जीते थे,
उन्हें पूजा-पाठ करने और भिक्षा देने से विचलित करने के लिए शैतान ने औरतों का और धन का इस्तेमाल करके उन्हें आसानी से धोखा

दिया ,धनी व्यक्तियों के पास भी शैतान का जाल से बचने का कोई साधन नहीं था क्योंकि अज़ाज़ेल उन्हें गंभीर भविष्य की ज़रूरतों के बारे में चेतावनी देता और गरीबी के बारे में अगर उन्होंने अपना पैसा.दान दे दिया ।

अंतिम नियम में, सर्वशक्तिमान ईश्वर मानव जाति को शैतान अज़ाज़ेल से संभावित ख़तरे की इसकी याद दिलाते हैं : “हे आदम के बच्चों! शैतान तुम्हें धोखा न दे, जैसे उसने तुम्हारे माता-पिता दिया (आदम और हव्वा) स्वर्ग से बाहर निकलवाया।” (अध्याय ऊँचाई , श्लोक 27)

अज़ाज़ेल, जो परमेश्वर की आज्ञा मानने से इनकार करने के बाद शैतान बन गया था
प्रत्यक्ष आदेश, मानव जाति का कट्टर शत्रु था, जिसका एकमात्र अस्तित्व में उद्देश्य मनुष्य का ध्यान परमेश्वर की उपासना और प्रार्थना करनेसे भटकाना था , और अपने निर्माता की आज्ञाओं के विरुद्ध अपराध करना, और पाप करना । “शैतान के नक्शेकदम पर ना चले ," परमेश्वर मानवजाति को एक बार फिर अंतिम वसीयतनामा में याद दिलाता है । "निःसंदेह, वह तुम्हारा खुला शत्रु है।" (अंतिम नियम, 6:142) यह सुनिश्चित करना शैतान की स्थायी इच्छा है कि कोई भी इंसान उसके धोखे के जाल से नहीं बच पाये ।

शैतान ने इंसानों को ईश्वर का अनुसरण करना और उसकी पूजा करना या उसकी आज्ञाओं का पालन करना इससे रोकना अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया । शैतान का लक्ष्य मानवजाति को ईश्वर की अवज्ञा करवाना और भटकाना था, उन्हें इसके बाद अनन्त कयामत की ओर ले जाएंगे, जो कि होगा शैतान का स्थायी निवास । अंतिम वसीयतनामा में भगवान ने घोषणा की , "निश्चित रूप से, शैतान तुम्हारा दुश्मन है, इसलिए उसे एक दुश्मन के रूप में ले लो (व्यवहार करो) वह केवल

अपने अनुयायियों को आमंत्रित करते हैं कि वे ऐसा कर सकें धधकते नरक के निवासी बनने के लिए ।" (अंतिम वसीयतनामा, 35:6).

शैतान ने अपनी योजनाओं को पूरा किया और मनुष्यों का ध्यान भटकाने के लिए नए तरीके खोजे, उसने अपनी शक्तियों का उपयोग करने का निर्णय लिया, मनुष्यों के मन में बुरे विचार फुसफुसाना, आपसी शत्रुता सक्षम बनाना, और परिजन और रिश्तेदार में घृणा बोकर एक दूसरे को मार डालना । उन्होंने नश्वर मनुष्यों को व्यापक अनैतिकता और व्यभिचार कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया , और उनके नग्न शरीर दूसरों के सामने सार्वजनिक प्रदर्शन करने को कहा । चूँकि अज़ाज़ेल और उसकी जाती
छुपे हुए लोगों के बीच आग से बनाया गया था, उनके पास नग्न आंखों के लिए अदृश्य रहने की शक्ति थी , और वो मानव शरीर के उपर बिना किसी के जाने उड़ सकते थे । अज़ाज़ेल की संभावित ऊर्जा और दुष्ट कौशल के बारे में इश्वर ने मानव जाति को चेतावनी दी , भगवान ने निर्देश दिया के मानवजाति को शैतान से शरण लेनी चाहिए।
अंतिम नियम के अंतिम अध्याय में शैतान को कानाफूसी करने वाला दुष्ट कहा गया है
 जो लोगों के कानों में संदेह और दुर्भावना फुसफुसाता है : "कहो: मैं मुझे मनुष्यों के प्रभु , मनुष्यों का राजा की शरण में ले लेता हूँ। इंसानों का इश्वर । शैतान की शरारत के खिलाफ, जो गुप्त रूप से फुसफुसता , जो मनुष्य की छाती में में फुसफुसाता है छुपे हुए लोगों और पुरुषों के विरुद्ध। (अंतिम नियम, अध्याय CXIV)

शैतान ने घोषणा की कि वह मनुष्यों से गुपचुप तरीकों से संपर्क करेगा उन्हें एक-दूसरे की हत्या करने के लिए उकसायेगा, और उन्हें आदी बनाकर, बड़े पैमाने पर विद्रोह को शराब पीना, मूर्ति पूजा करना और व्यभिचार करना इनके लिए प्रोत्साहित करेंगा । अंतिम वसीयतनामा चतुर मनुष्यों को शैतान से सावधान रहने की याद दिलाता है । "यदि शैतान

तुम्हें बुराई के लिए उकसाए, तो भगवान की शरण लो , क्योंकि वह सुनने वाला, जानने वाला है।" (अंतिम वसीयतनामा, 41:36)
दरअसल, शैतान की उपाधि मिलने के तुरंत बाद, शैतान ने स्वर्गदूतों को घोषणा कर दी कि वह मानवजाति में से किसी को भी नहीं छोड़ेगा, जिसमें एडम और उसका परिवार भी शामिल है। “मैं सभी मनुष्यों से पागल गायों की तरह पाप करवाऊंगा ! भले ही इंसान गलती से कोई नेक काम कर जाए , मैं उससे पापी बनने और व्यभिचारी बनने का आग्रह करूंगा । मैं विद्वानों को प्रभु के विरुद्ध विद्रोह करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा जिन्होंने उन्हें बनाया और दयालु भगवान द्वारा स्थापित दैवीय कानूनों और नियमों को अस्वीकार करने कहूँगा !”

अंतिम नियम के सैंतीसवें अध्याय में, दयालु भगवान मानव जाति को चेतावनी देते हैं कि शैतान ऐसा करने की कोशिश करेगा । मनुष्यों को ग़लत जानकारी देकर उनके साथ छेड़छाड़ करें: “हम निचले स्वर्ग को सितारों के अलंकरण से सजाया है । वे प्रत्येक विद्रोही के विरुद्ध रक्षक के रूप में भी कार्य करते हैं; कि वे ऊँचे पर सभा में जो कुछ चल रहा है उसे अनसुना कर देते हैं (उच्च स्तर के देवदूत), क्योंकि उन पर पथराव किया जाता है, वे सब ओर से निकम्मे ठहराए गए हैं, और उनका फल सदा की सज़ा है !”

"हा!" शैतान चिल्लाया, “कोई भी मनुष्य मुझसे नहीं बचेगा! यदि वे मंदबुद्धि और बुद्धिहीन मनुष्य फिर भी इतना अच्छा कार्य कर पाते हैं, मैं उनमें गर्व की भावना पैदा करूंगा, ताकि वे वैसे बन जाएं मैं जैसा बुरा हूँ।' जल्द ही, वे मेरी पूजा करेंगे, और मेरा नाम जपेंगे, और लूसिफ़ेर के रूप में मुझे बुलायेंगे और तब मैं उन्हें सचमुच नष्ट कर सकूंगा ! मैं सभी प्राकृतिक आपदाओं और बीमारियों को जिम्मेदार इश्वर को ठहराऊंगा , जिससे मूक मनुष्य ईश्वर से और उसकी दिव्य इच्छा से निराश होने लगें और असंतुष्ट होने लगे।” मैं उन्हें संगीत, शराब और अन्य विलासिता का आदी बनाऊँगा ,शीघ्र ही, वे मेरे कर्तव्यपरायण दास

बन जायेंगे और मुझे खुश करने के लिए अपने ही माता-पिता का धडकता दिल खायेंगे। मैं उन्हें सभी के प्रति शंकालु बनाकर ईश्वर में उनके विश्वास को कमजोर कर दूंगा। फिर मैं प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तित्व का और मानवीय कमजोरी का पता लगाऊंगा और उन्हें उन कार्यों में प्रलोभित करूँगा जिसे
मना करना कठिन होगा। मैं मानव जाति को सभी को उन्हें मारने के लिए प्रोत्साहित करूंगा जो भविष्यवक्ता है और परमेश्वर के शब्दों को छोटा करते हैं और सभी दिव्य चीजों का उल्लंघन करते हैं । वह गन्दे मनुष्य व्यभिचार करेंगे, उनके अपने बच्चे की हत्या करेंगे और परमेश्वर के सत्य को अस्वीकार कर्नेगे और हमेशा के लिए बर्बाद रहेंगे!

शैतान ने अपना वादा निभाया और हव्वा को वश में करने में कामयाब रहा और आदम ने परमेश्वर की आज्ञाओं का उल्लंघन किया और स्वर्ग के बगीचे को छोड़ दिया। . स्वर्ग छोड़ने की आज्ञा मिलने के बाद , आदम अपने दुःख में गमगीन था। क्या कोई उसकी मदद नहीं कर सकता था लेकिन उस पर दया कर सकता था, जिसके दिल में खून बह रहा था और दुःखी मन था ? आदम दुखी था कि उसने अपनी प्रिय पत्नी की सलाह का पालन किया , लेकिन यह वास्तव में शुद्ध प्रेम था उसके कारण वह भटक गया।

अपने दिल में, एडम ने अपनी भावनाएँ व्यक्त करने के लिए कुछ पंक्तियों के बारे में सोचा :
"जब स्नेह का दीपक मंद पड़ जाता है,
और प्यार का फूल मुरझा जाता है,
फिर दिन अंधकारमय और नीरस हो जाता है,
और मृत्यु और क्रूरता अपना रास्ता खोज लेती है!
उस प्रेमी के चेहरे पर तब ख़ुशी नहीं होती,
उन आँखों से आँसू केवल अनुग्रह,
दिन इतना अँधेरा, रात इतनी घिनौनी,

प्यार ही नज़रों से ओझल हो जाये!
न प्रेम की चमक, न दया की किरण,
क्या फिर कभी, मेरे सपने को साकार कर सकते हैं!
.
उसके प्यार ने एक बार मेरे दिल को कैसे खुश कर दिया था,
और मेरी आँखों में ख़ुशी आ गई, किसी रानी पत्नी की तरह!
अब मुझमें निराशा का प्रतीक बना हुआ है,
मैं अपने आँसुओं की छाया में अकेला लोटता हूँ,
कैसे मैंने उत्तम दिन का उपहार खो दिया था,
कैसे मेरे पाप के कारण स्वर्ग लुप्त हो गया !
हे मेरे प्रिय, वायलिन के टूटे हुए तारों की तरह,
तुमने मुझे पाप के अकेलेपन में क्यों डाला है?
क्या तुम हमारे किये सारे वादे भूल गये,
क्या तुम नहीं देख सकते कि मैं उस घास के मैदान में कैसे शोक मनाता हूँ?
क्या आप इतनी जल्दी इस कड़वी सच्चाई से उबर गये,
क्या तुम्हें मेरे द्वारा महसूस किये जाने वाले दर्द का आभास नहीं हो सकता?
क्या तुम, हे प्रिय, इस हृदयविदारक से ठीक हो गए हो,
जब मैं केवल तुम्हारे लिये रोता और रोता हूँ?
प्रेम और जुनून की गंभीर शक्ति के साथ,
मैंने पूरी निष्ठा से तुम्हें अपने जीवन की सौगंध दी थी!
लेकिन बर्फ की पहाड़ियों की तरह जो पिघल जाती हैं,
गर्मी के दिन से सूरज की रोशनी की चकाचौंध में,
जब हमारी सारी मन्नतें और मन्नतें पूरी हो गईं,
तुम्हारा प्यार डूबते सूरज की तरह गायब हो गया था!
हे प्रिय! ये प्यार नाम की चीज़ कितनी बड़ी लानत है,
जो मनुष्य को अपने प्रिय की प्यार के लिये पाप करने को कहता है,
इंसान अपनी ही प्रेमिका के लिए कितने पाप करता है,

कितने मनुष्य इस चरित्र की खोज में ईश्वर को भूल जाते हैं?
इंसान के सारे जुनून त्यागने के बाद अपने ही कैसे धोखा देते हैं,
और यहां तक कि इंसानों को प्रेम देने के लिए भगवान को भी धोखा देता है?
ओह प्रियजन! मुझे विश्वास था कि मेरे प्रति आपका प्यार सच्चा और पक्का था,
और इसलिए, मैंने तुम्हें ऐसे प्यार से प्यार किया जो पूरी तरह से सच्चा था,
लेकिन हे इस हृदयविदारक और सभी मानवीय पीड़ा के बाद,
अब मेरे पास पाने के लिए मेरे भगवान और केवल उसके प्यार के अलावा कोई नहीं है!"

आदम उन सभी स्वर्गदूतों का मित्र और भाई था जो आकाश से परे थे , और उसने व्यक्तिगत स्वर्ग में रहने का बहुत आनंद लिया । शानदार मोती महल है जिसमे आदम अपनी सुबह की चाय लेता था एक सुखद जीवन शैली से घिरा हुआ था, क्रिस्टलीय झीलों और गायन से भरे प्राचीन जंगलों से । अद्वितीय निवास को उसके चांदी जैसे मीनारो के धुएं से परिभाषित किया गया था, सुनहरी बालकनियाँ, फूलों से ढके रास्ते, और प्रस्तरप्रतिमा।

अब एक मूर्खता के कारण, आदम की स्थिति में गिरावट आई और पृथ्वी के क्रूर और एकाकी बंधन में उसे कैद कर लिया गया, हलाकि सुविधांये यहाँ मौजूद थी , पर अकेला होने से अधिक दयनीय कुछ भी नहीं थाा। बचकाने हृदय वाले एक प्रसन्नचित्त व्यक्ति के लिए, इस अजीब दुनिया में जंगल में अकेले रहने से अधिक विनाशकारी कुछ भी नहीं । यहां तक कि सूरज की रोशनी में चमकता गोरा समुद्र भी उसकी दुख-भरी आँखों को गर्माहट नहीं दे रहा था , और न ही वसंत पक्षी के गाने उसके व्यथित हृदय को सांत्वना देने का काम कर पा रहे थे ।

आदम जानता था कि यह उसकी परीक्षा थी। निषिद्ध वृक्ष उसके धैर्य की परीक्षा के लिए था और भगवान की आज्ञाएँ प्रबल हो सकती हैं, लेकिन आदम अपने निर्माता की सलाह का पालन करने में असफल हो गया था उसने वर्जित पेड़ के फल का स्वाद चखा । अंतिम नियम में, मानवजाति को चेतावनी दी: “हे तुम जो विश्वास करते हो! शैतान के नक्शेकदम पर न चलें, क्योंकि जो कोई शैतान के पदचिन्हों पर चलेगा, वह उसे वह जो नीच और निन्दनीय से जोड़ेगा । इश्वर की अच्छाई और दया उनके लिए नहीं होगी , उनमेसे किसीको भी सदा के लिए शुध्द नहीं किया जायेगा । परन्तु परमेश्वर जिसे चाहता है, उसे शुद्ध कर देता है। और परमेश्वर सुनता, जानता है।” (अंतिम नियम, अध्याय प्रकाश, श्लोक 21)
स्वर्ग आदम के घर से बढ़कर था; यह उनका विशिष्ट आतिथ्य स्थल था, जहाँ हजारों स्वागत कक्ष हैं, और प्रत्येक में कई नाश्ता हॉल, भोजन कक्ष और चाय कक्ष भी शामिल थे। अचानक कोई बारिश नहीं हुई, न ही कोई अवांछित आंधी उसके दिन को बर्बाद करने के लिए आई । वह असंख्य राजसी स्वागत कक्षों में विनम्रतापूर्वक घूमता था जिसे जल पुष्पों से सजाये गये थे और भित्तिचित्रित छतो से अलंकृत थे । आदम अक्सर उसकी खूबसूरत संपत्ति के बगीचे के फूलों की कतार में जाता था जो एक पर स्थित थे हीरे की पहाड़ीपर ।

लेकिन अब वह सारी महिमा ख़त्म हो गई थी! आदम को अपना स्वर्ग का स्थान छोड़ना पड़ा । अब, उसके सामने अनंत समुद्र बिछे हुए थे जब सोच रहा था कि इस विदेशी धरती पर कैसे कदम रखा जाए। अंधेरे के रूप में पानी लुढ़कता और झाग बनता, भय और अनिश्चितता ने उसे घेर लिया, और वह सच्चे दिल से स्वर्ग में अपने धर्मी घर लौटने की इच्छा कर रहा था। आह, यह स्वर्ग की तुलना में क्या था, जहां के प्रकाश स्तंभ से मैदान को ढँक दिया है और सुनहरे खंभे स्वर्ग में खड़े है ।

पृथ्वी पर आकाश धूसर और नीरस था। हे यह विशाल था और घिनौना, जंगली खतरनाक बादलों के साथ हर तरफ स्वर्ग को व्याप्त हुआ ।

आदम जानता था कि उसकी नाजुक स्थिति के लिए ईश्वर दोषी नहीं है, वास्तव में, उसे शैतान द्वारा बिछाए गए जाल में गिरने न देने की चेतावनी दी गई थी। अब, वह इस दुनिया में था, अकेला। उसने कौतुहल भरी निगाहों से झाग निकलते मुख्य और को देखा आश्चर्य हुआ कि क्या यह अनंत काल तक फैला है। अफ़सोस! अधर्मी
अज़ाज़ेल ने उसे और उसकी पत्नी को वह निषिद्ध वृक्ष चखने के लिए धोखा दिया था
, और हे दुःख उसे अकेले को ज्ञात था। अँधेरे समुद्र की प्रचंड लहर की तरह, उसने अपना दिल भय और पछतावे से भरा हुआ पाया ।

हमने स्वर्गदूतों से कहा, "आदम को प्रणाम करो।" तो, वे नीचे झुक गये , शैतान को छोड़कर। वह जिन्न में से था और उसने उसके भगवान की आज्ञा की अवज्ञा की । क्या तुम उसे और उसकी सन्तान को मेरे बदले इश्वर मानोगे ?
जब की वे तुम्हारे बैरी हैं, शैतान गलत काम करने वालों के लिए विनिमय है (अंतिम नियम,अध्याय गुफा, श्लोक 50)

ईश्वर के पंखों वाले दूत जो देवदूत के रूप में प्रसिद्ध हुए ठंडे प्रकाश से निर्मित अच्छे आचरण वाले प्राणी थे जो शुद्ध बर्फ के समान है, और राजसी पहाड़ों की तरह है। वे देशों की यात्रा करके और अपने प्रभु की आज्ञाओं को पूरा करते थे । वे उन लोगों का भी सम्मान करते थे जिनके पास उनसे अधिक ज्ञान था , और इसलिए वो आदम का सम्मान और प्रशंसा करते थे उसके अद्वितीय कौशल के लिए । शुद्ध आनंद के लिए ज्ञान चाहने वाले किसी भी व्यक्ति के सामने देवदूत अपने पंख निचे करते थे । उन्हें आदम का सम्मान करते देख शैतान बहुत क्रोधित हुआ और उसने के आदम के हर आखिरी बच्चे को नष्ट करने की कसम खाई थी ।

शैतान ने स्वर्गदूतों को चिल्लाया। “मैं उन बदबूदार इंसानों को कभी भी इतने महान भगवान की पूजां करने नहीं दूंगा ! नहीं ! मैं कभी भी किसी भी घृणित मनुष्य को ऐसे महान भगवान की सेवा और पूजा करने नहीं दूंगा !” शैतान चिल्लाता रहा और पूरी मानवता को गुमराह करने की शपथ ली।

देवदूतो ने तुरंत अंतिम वसीयतनामा के पांचवें अध्याय से भगवान को उद्धृत किया : "परन्तु जो कोई इस दुष्टता, और संशोधन के बाद उसे परमेश्वर के पास लौटेगा , भगवान वास्तव में उसके साथ होंगे : क्युकी लिए ईश्वर क्षमाशील, दयालु है।”

“हाय मुझ पर!” शैतान चिल्लाया । वास्तव में,इश्वर की पूजा करना उन लोगो को महान बनायेगा। और इससे भगवान खुश होंगे और उन्हें गर्व होगा । जब तक मैं जीवित हूं, मैं उन्हें कभी ऐसा नहीं करने दूंगा, कभी नहीं क्या मैं मनुष्यों को इतने उत्कृष्ट, इतने पवित्र और ईश्वर की पूजा करने नहीं करने दूंगा । मैं उन पशुओं को इश्वर का तिरस्कार करने कहूँगा । मैं उन्हें उसके हर एक कानून का उल्लंघन करने पर मजबूर कर दूंगा। मैं उन्हें अपना और अपने प्रेमियों का दास और सेवक बनऊँगा। मैं उन्हें विश्वास दिलाउंगा कि वे बबून और गोरिल्ला बन्दर हैं ! मैं उन बदसूरत इंसानों को इस पर विश्वास दिलाऊंगा वे गोरिल्ला और के पोते हैं और सूअरों के दादा, इसलिए, वे सूअरों और कुत्तो की तरह व्यवहार करना शुरू कर देंगे । वो कभी भी स्वयं को किसी ईश्वर की पूजा करने के लिए पर्याप्त या सम्माननीय स्वर्गीय धर्म का पा लनयोग्य नहीं समझेंगे । मैं महिलाओं को नंगा करके मादा कुत्तों से भी बदतर बनाऊंगा और जब कोई आदमी उनका अपमान करगा और उनके बदबूदार नग्न सुअर जैसे शरीर को घूरेगा तो संतुष्ट हो जायेगा । मैं उन्हें विश्वास दिलाऊंगा कि वे जितना अधिक नग्न होंगे , पशुवत होंगे उतना ही सम्माननीय बनेंगे । और वे बेवकूफ औरतें नग्न सूअरों की तरह नाचना

शुरू करेगी और कुत्ते जैसे आदमियों द्वारा घूरा जाने से सम्मानित महसूस करेंगी !”

स्वर्गदूतों ने अंतिम नियम से उद्धृत किया और शैतान को याद दिलाया कि मानव जाति को नष्ट करने के प्रयास व्यर्थ होंगे क्योंकि सचमुच,ईश्वर दयालु है। "उसे बचाएं जिसने गलत काम किया है और बाद में बुराई को भलाई से बदल दिया ; क्योंकि मैं क्षमाशील,दयालु हूँ।"

इस कथन से शैतान क्रोधित हो गया और पागल कर देने वाले जोश के साथ चिल्लाने लगा "नहीं! इन्हें भगवान कभी माफ नहीं कर सकते क्योंकि मैं उन्हें साझीदार बनाऊंगा,मनुष्यों को कलंकित करूंगा । आख़िरकार,पृथ्वी पर एक भी व्यक्ति न ख़ुदा को मानेंगे और न आदम को उनके पिता थे मानेंगे ।

वे मुझ पर ध्यान करेंगे और मेरी पूजा अपने देवता के रूप में करेंगे । जैसे ही आधे-बुद्धि मनुष्य मेरी ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करते हैं, मैं तुरंत उन्हें छोटे-मोटे इनाम दूँगा जैसे अतीत की कुछ घटनाओं को देखने और वे घटनाएँ जो भविष्य में घटित हो सकती हैं। मैं उनसे कहूँगा जानवरों की तरह व्यभिचार करो और एक दूसरे का मवाद और खून और मलमूत्र खाओ और उन्हें और अधिक शक्तियाँ देने का वादा करुना । जब वे अपने आप को नीच से भी बदतर बनाएंगे , तब भगवान को अपने स्वर्ग में अकेले बैठने दो और रोने दो और पीड़ित होने दो आदम को बनाने पर दुख और अफसोस करने दो । आह, मैं कैसा खुश होऊंगा भगवान को उन्हीं इंसानों के विश्वासघात से पीड़ित होते देखकर जिसे उन्होंने बहुत प्यार और सम्मान के साथ बनाया और उससे बहुत अच्छाई की उम्मीद थी। लेकिन मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि भगवान ने जिन इंसानों से इतना प्यार किया और उन्हें महानता दी वो नग्न पागल जानवरों से भी बदतर हो जाए,
और आवारागर्दी करने वाले सूअरों की तरह व्यवहार करे ।"

शैतान एक बार फिर चिल्लाया, “हे इंसानों को कितने बड़े क ष्ट सहने पड़ेगे ! मैं उन्हें दृढ़ता से प्रतिशोध की भावना के पकड़ में लूंगा I मनुष्य कभी मुझ से दूर नहीं हो पाएंगे ! मैं इंसानों को कुत्तों से भी बदतर बना दूँगा। वे आज़ाद और सड़ा हुआ बन जाएगा! ब्रह्मांड के भगवान ने आदम को इतने स्नेह और आदर से बनाया था, और
उन्हें वहाँ रखने के लिए एक सुंदर स्वर्ग बनाया, लेकिन अब वह देखेंगे कि कैसे वे सभी अपनी वासना और गुलामी में जानवर बन गए और यौन पागलपन और इच्छा का दास बनेगा I भगवान आदम के बच्चों की गवाही देंगे के कैसे वे पतित जानवरों में बदल जाएगा जो एक दूसरे को मार डालेंगे और गर्व, घृणा और क्रूरता के साथ जियेंगे I वे पाप कर्मों में ऐसे डूबे हुए होंगे कि जो भी पवित्र या धर्मी होगा उसे केवल ईर्ष्या के कारण मार डालेंगे ।"

स्वर्गदूतों ने अंतिम नियम के अध्याय राज्य की पहली पंक्तियों का पाठ किया : "धन्य है वह जिसका हाथ है साम्राज्य! और वह सब वस्तुओं पर प्रबल है; उसी ने सृजन किया है
मृत्यु और जीवन यह साबित करने के लिए कि तुममें से कौन सबसे अधिक धर्मी काम होगा ; और वह शक्तिशाली, क्षमाशील है!"

"आह, मनुष्य कुरूप, गूंगे और अपवित्र प्राणी हैं!" शैतान खुशी से चिल्लाया. “वे मेरे झूठ पर विश्वास करेंगे और उनकी आत्मा बेचने के लिए सहमत होंगे , और बदले में, मैं उन्हें अपने विरोधियों के विचार और रहस्य पढ़ने दूँगा और कुछ पहेलियाँ का पता लगाएंगे और कुछ तरकीबें जिनका हमारी गर्मी और आग का उपयोग करके मैं और मेरी जाति सीखेंगे , और फिर मैं उनकी मदद करना जारी रखूंगा थोड़ा इधर और थोड़ा उधर, हालांकि मैं यह सुनिश्चित करूंगा मैं उनका कुछ भला न करूंगा, क्योंकि मैं उनके शत्रुओं को भी सब बता दूंगा उनके बारे में रहस्य और उनकी संपत्ति का स्थान। जो कोई अपने ही शरीर को अशुद्ध करता है, और अपने ही बच्चो की हत्या करता हैं, मैं उन्हें और भी

अधिक इनाम दूँगा, जब तक कि सभी ध्वजवाहक न हो जाएँ संसार में मनुष्य एक-दूसरे से खुलकर लड़ेंगे एक-दूसरे की हत्या करेंगे और उनमें से हर निर्दोष को मार डालेंगे , मुझे और अधिक समर्पित बनेगे । ये परजीवी-भरे जानवर मुझे खुश करने के लिए कुछ भी करो ताकि मैं उनके शत्रुओं की तुलना में और अधिक वफादार बन जाऊं । बेशक, मैं उनसे सबसे बुरा काम करवाकर आखिरी इंसानियत को नष्ट कर दूंगा जब तक वे जानवर न बन जाएं और एक दुसरे को मारना शुरू न कर दें यदि उन्हें मेरी अधिक सहायता की आवश्यकता हो । मैं महिलाओं को निशाना बनाऊंगा

, और उन्हें समझाउंगा कि नग्न बने रहना सम्मानजनक है और सड़कों पर एक दूसरे पर गिरने कहूँगा ! वास्तव में, वे कृमि कवक से भरी महिलाएं किसी भी प्रकार के कपड़े पहनने महान मानेंगी ! इस तरह मै उन्हें नीच बनने तक मजबूर करूँगा जब तक वे आसानी से जो भी नैतिक व्यक्ति उन्हें सम्मान देने की और अपने शरीर का सम्मान करने की सलाह देता है उसे जला दे। मैं इन पवित्र इंसानों को अन्य मनुष्य को खाने कहूँगा ! मैं उनसे मनुष्य का मांस निगलवाऊंगा! मैं उनसे अपने माता-पिता और उनके बच्चों की हत्या को मेरी पूजा में एक अनुष्ठान बना दूंगा । मैं गंदे मनुष्यों से पशुओं को मरवाऊंगा और उनके पालतू जानवर मेरे नाम पर बलि चढ़ाऊंगा ! मैं मनुष्यों को पैगम्बरों से दुश्मन्नी के लिए प्रोत्साहित करूँगा और सब प्रेरितों को अभिशाप दिलाऊंगा जब तक वे परमेश्वर के सभी दूतों और संतों से नफरत ना करने लगे ।

शैतान के आतंक के जवाब में, स्वर्गदूतों ने अंतिम नियम के अध्याय सोलह से एक श्लोक पढ़ा "उनके लिए भी जो अपने परीक्षणों के बाद अपने देश से भाग गए, फिर लड़े और
सब्र किया , वास्तव में, अन्त में तुम्हारा रब क्षमाशील, दयालु होगा । "

शैतान बेतहाशा चिल्लाया, उसके दाँत नफरत से पीस रहे थे वह उसके उग्र हृदय में समाइ हुयी थी । "मैं अपमानजनक वासना और खून-खराबा

इंसानों का वंशानुगत पेशा बनाऊंगा ! ओह,मैं खुशी से कैसे गाऊंगा और नाचूंगा जब ये इंसान अपनो को लूटेंगे । हाय, क्या महिमा है और क्या आनंद मेरे लिए होगा! मेरे पास कितनी उत्कृष्ट शक्ति होगी, और वास्तव में,इन्हें घृणित बनाना , आदमी जानवरों से भी बदतर और उन्हें बच्चों को भाईयो को मारते देखना मेरे लिए शाश्वत मोक्ष होगा । मुझे लोगों को एक दूसरे को गुलाम बनते , शिशुओं का खून पीते, स्वयं पर ध्यान कर और स्वयं को भगवान मान देखकर खुशी होगी।अहा, मिट्टी के उन पतित प्राणियों को एक-दूसरे को मारते , मरते और सड़ते देखने का आनंद और अभी भी विश्वास है कि उनका निर्माता अस्तित्व में नहीं है और वे हैं इनके पूर्वज सूअर और बंदर थे। मैं उन्हें अपनी ऊर्जा पर विश्वास दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा जब की वह मैं ही हूं जो उनके मन और शरीर को गर्मी दे रहा हूँगा । जब मैं पुरुषों के एक छोटे समूह की सफलतापूर्वक मदद करें, बाकी लोग मेरी शक्तियाँ देखंगे और झुंड बनाकर मेरे पास आएंगे । सचमुच, मैं उन्हें कुछ चालें दिखाऊंगा ईश्वर और उसके दूत के प्रति उनके विश्वास को नष्ट करं दूंगा
, और मैं बुरे विचार उनके मन में फुसफुसाता रहूँगा । जल्द ही, वे यह मानते हुए कि वे सभी देवता और स्वर्ग और पृथ्वी के नियंत्रक हैं अनन्त विनाश में गिर जायेंगे । “

जिन स्वर्गदूतों ने इस विस्फोट को सुना, उन्होंने शैतान को शांति से जवाब दिया, और उसे आश्वासन दिया कि भगवान मानव जाति को माफ कर देंगे। “ओ खलनायक!” वे चिल्लाये “अंतिम वसीयतनामा अध्याय जोसेफ में, मानव जाति को ईश्वर की दया की याद दिलाता है: 'इस दिन दोष तुम पर नहीं होगा। भगवान तुम्हें माफ कर देंगे, क्योंकि वह दया दिखाने वालों में सबसे दयालु है ।' मूर्ख मनुष्यों को धोखा देने से कोई लाभ नहीं होगा, उनके रचयिता क्षमा के रूप में उन पर दया बरसाएँगे।”

अचानक, शैतान चिल्लाया। “वास्तव में, भगवान को कष्ट सहने दो! उसे रोने दो और मेरा अपमान करने पर पछताने दो । मैं सब निर्माण में

सबमें श्रेष्ठ हूँ। फिर भी, भगवान ने मेरा अपमान किया और इंसानों को मेरे ऊपर प्राथमिकता दी और मुझसे कहा कि मैं उनकी सेवा करूँ और उन्हें दण्डवत् करूँ! तुम सब स्वर्गदूत देखोगे और इश्वर भी देखेंगे जिस मनुष्य को तुम्हारे परमेश्वर मेरे ऊपर आदर दिया वो केवल वासनामय कुत्तों और नग्न सूअरों की तरह है । सचमुच, वे अपनी वासना और प्रलोभन की खोज में जानवरों से भी बदतर हो जायेंगे और छोटे लड़कों साथ छेड़छाड़ करेंगे । ओह, मैं उन्हें पाप करते देखकर कितना प्रसन्न होऊंगा! मैं कैसे अकल्पनीय रूप से खुशी से चीखूंगा
क्युकी स्वर्ग ख़ाली हो जाएगा क्योंकि सारी मानवजाति मेरे साथ नरक में होगी! आह, वह आनंद जब स्वर्ग में लाखों महल ख़ाली होंगे, किसी भी इंसान से रहित हो भगवान इन सभी मनुष्यों वर्षों तक प्रतीक्षा की, भगवान के पास जो आनंद के बगीचे थे मानवजाति के लिए सजाया गया और आशा थी कि वे उस के शब्द और उसके वादों पर भरोसा विश्वास करेंगे! जब भगवान देखता है कि कैसे सभी मनुष्यों ने उसे शाप दिया, उसकी अवज्ञा की, उसका अपमान किया, और मेरी पूजा की, फिर उसे अपने महान स्वर्ग को खाली पाकर कैसा लगेगा?”

स्वर्गदूत जानते थे कि मनुष्यों के लिए धर्मी जीवन व्यतीत करना यह बहुत कठिन होगा
, और बहुतों को प्रलोभन होंगे, लेकिन उन्होंने अंतिम वसीयतनामा से एक अंश पढ़ा
: “हे तुम जो विश्वास करते हो! यदि तुम परमेश्वर का भय मानो तो वह तुम्हारा उद्धार करेगा , और तुम्हारे पाप तुम से दूर हो जाएंगे, और तुम्हें माफ कर देंगे ईश्वर महान और उदार है!” (अंतिम नियम, लूट का अध्याय, श्लोक 31)

"मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि भगवान उन्हें कभी माफ न करें," शैतान चिल्लाया वो   गुस्से में पागलों की तरह उछल रहा था। “मैं उन्हें मेरी तुच्छ शक्तियाँ दिखाऊंगा

और उनसे मेरी पूजा कराऊंगा । वे जो मुझे अपना भगवान कहने पर सहमत होंगे उन्हें कुछ मामूली पुरस्कार प्राप्त होंगे,लेकिन मैं उन्हें शक्ति तभी दूँगा जब वे अपने बच्चों का बलिदान देंगे मेरे नाम पर, और उन बच्चों को खाएंगे!"

"कैसी बेतुकी बात है!" एक पंख वाले देवदूत ने टिप्पणी की। "वास्तव में, अज़ाज़ेल, आपको माता-पिता से अपनी इच्छानुसार बच्चो को मृत्युदंड क्यों दिलवाना चाहते है
? तुम्हें इससे क्या हासिल होगा?"

"हा!" शैतान ने उपहास किया, उसकी आँखों से पागलपन झलक रहा था। "यदि विकृत माता-पिता अपने ही बच्चों को मार डालें तो मुझे क्या लाभ होगा? क्यों, बिल्कुल कुछ नहीं! लेकिन निर्दोष शिशुओं की हत्या करना इश्वर की दृष्टी में घोर पाप है, और ऐसा करके मैं यह सुनिश्चित कर सकता हूँ कि ईश्वर उन अपमानित इंसानों को कभी माफ नहीं करेंगे जो मुझे खुश करने के लिए उनके बच्चे को मार डालेंगे ! भगवान के पास लेकिन उन्हें शाश्वत यातनागृह में रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा, जहां मैं उन्हें यातना देने और उन्हें अनंत काल तक जलाने में सक्षम हो सकूंगा।"

"लेकिन भगवान ने अंत में अंतिम वसीयतनामा में मानव जाति के लिए अपनी माफी की घोषणा की है,'स्वर्गदूतों ने तर्क दिया। "क्या तुमने अंतिम वसीयतनामा नहीं पढ़ा
, जहां भगवान मानव जाति को सूचित करते हैं: मेरे सेवक, तुम जिन्होंने अपने विरुद्ध अपराध किया है, अल्लाह की रहमत से निराश न हो। सचमुच अल्लाह सभी ग़लत कामों को माफ़ कर देता है। वह सदा क्षमाशील, परम दयालु है।" (अंतिम नियम,
39:53)

"कभी नहीं!" शैतान चिल्लाया. “भगवान उन्हें कभी भी स्वर्ग में प्रवेश नहीं करने दे सकते । वह कैसे कर सकते है? ईश्वर इतना अन्यायी कैसे हो सकते है उन पीड़ितों के प्रति जिन्हें मानव उत्पीड़क के हाथों ऐसा दुख झेलना पड़ा है ? यदि एक भी मनुष्य स्वर्ग में प्रवेश करे तो मुझ पर धिक्कार है ! यदि ईश्वर उतना ही न्यायपूर्ण है जितना वह दावा करता है, तो ईश्वर ऐसा कभी नहीं करेगा । इन नीच और पापी मनुष्यों को कहीं भी स्वर्ग में जाने नहीं देगा। उन्हें अवश्य ही नरक में अनंत काल तक जलते रहना होगा!” पलक झपकाते हुए शैतान ने पागलपन से अपना चेहरा ज़मीन पर पटक दिया और फिर बोला. “ओह मैंने एक भी इंसान को स्वर्ग में प्रवेश करने दिया तो मुझे नरक में जलाने दो और मेरे टुकड़े-टुकड़े कर दो ! मुझे उनसे पाप और निकृष्टतम प्रकार का दुराचार करवाना ही होगा। आह, कैसे मैं जोश से नाचूंगा? जब ये गंदे इंसान एक दूसरे को गाली देंगे और मारेंगे ! नरक में, मैं एक भयानक रूप में परिवर्तित हो जाऊँगा
यातना के मंत्री, जहां मेरी क्रूरता के कर्म मुक्त रूप से मानव जाति पर बरसेंगे, और भगवान उनकी मेरे क्रोध से रक्षा करने में सक्षम नहीं होंगे । ओह, मैं अपनी उन्मादी खुशी को कैसे रोकूंगा जब मैं स्वामी के स्वामी निर्मित मानव जाती के प्रत्येक सदस्य को मेरे साथ नर्क में खिचुन्गा! ओह, मेरे लिए यह कैसा दिन होगा! सभी दिनों में से कैसा दिन जब मानव जाति का प्रत्येक सदस्य मेरे साथ नर्क में सडेगा और मुझे यातना देने की शक्ति मिलेगी और उन्हें अनंत काल के लिए जलादूंगा इससे ज्यादा खुशी और क्या हो सकती है वे सभी जो मानव जाति के सदस्य हैं उन्हें जब मैं अपने साथ सबसे नरक के गहरे गड्ढे में खिचुन्गा । ”

स्वर्गदूतों ने अज़ाज़ेल को चुप कराने का प्रयास किया और शैतान को बताया की उसकी
योजनाएँ विफल होंगी। “हम हमेशा उन मनुष्य सज्जनों के साथ रहेंगे जो अपने प्रभु को देखते हैं," स्वर्गदूतों की एक सेना ने कहा। "वास्तव में,

हम मनुष्यों को उनके ईश्वर की महिमा के बारे में याद दिलाएंगे, और उन्हें अंतिम नियम से छंद पढ़ेंगे , जो ईश्वर में उनका विश्वास बहाल करें। हम उन्हें आयतें सुनाएँगे जहां भगवान कहते हैं: 'और भगवान से क्षमा मांगो: वास्तव में, भगवान क्षमा करने वाला, दयालु है,' और जब वे निर्माता क्षमा चाहते हैं , उनकी सभी मूर्खताएं हमेशा के लिए भुला दी जाएंगी और मिटा दी जाएंगी !'"

“अगर एक भी मानव परमेश्वर के स्वर्ग में प्रवेश करता है तो आग और पिघला हुआ स्टील और नरक की यातना मुझे परेशान करे!” शैतान ऐसे चिल्लाया इतनी तीव्रता कि देवदूत के सोने के खंभे हिल गए। बेतहाशा पैर पटकते हुए, वह उन पर चिल्लाया। "जब
बेशर्म इंसान कुत्तों की तरह एक दूसरे के गंदे शरीर के अंगों को चूसते हैं और स्त्रियों के नग्न शरीर को घूरकर देखते हैं, वे ऐसे ही बीमार और भ्रष्ट हो जाएंगे और अपने ही बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर देंगे , मुझे प्रसन्न करने के लिये दूसरे मनुष्यों का मांस खायेंगे! ओह, मैं उस दिन का इंतज़ार नहीं कर सकता जब परमेश्वर अपने चुने हुए का गवाह बनेगा सृजन जंगली सूअर की तरह व्यवहार कर रहा है और एक दूसरे का गंदा माँस खा रहा है ! वे अपने शरीर को खुला रखेंगे और प्रत्येक पर अन्य रोगग्रस्त जानवरों की तरह झपटेंगे , जिससे वे उनके सूअरों के समान हो जाएंगे । स्त्रियाँ भी मेरी दासी बन जायेंगी और उनके शरीर को खुला रखेंगी , और वे भी कम इंसान सदृश दिखेंगी और उनके शरीर कच्चे मुर्गे की टांगों जैसे दिखेंगे! मैं महिलाओं को समझाऊंगा कि यह अपने स्कार्फ और कपड़े जलाने की आजादी है और नग्न होना सम्मानजनक है और उन्हें यह आश्वासन दिलाऊंगा कि वे पशु और पुत्र हैं, व्यभिचारी हैं और गोरिल्ला की बेटियाँ है । वो मंदबुद्धि लोग मुझपर विश्वास करेंगे और मेरी पापपूर्ण आज्ञाओं का पालन करेंगे और वे चारों ओर घूमेंगे जो लोग इसका विरोध करते हैं उन्हें मार डालेंगे , ताकि वे सभी अँधेरे और निराशाजनक नरक में फँस जाएँगे । वास्तव में, मैं व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करूंगा कि भगवान का स्वर्गीय संसार

खाली हो जाए, और आदम के सभी पुत्र मेरे साथ नरक में जाएंगे , जहाँ मैं उनके शरीरों में अनंतकाल आग लगा दूँगा !"

स्वर्गदूतों ने शैतान को याद दिलाने की कोशिश की कि भगवान हमेशा कैसे मानव जाति की रक्षा करते है और उन्हें क्षमा करते है , इसलिए उन्होंने एक अंश पढ़ा
अंतिम नियम से: “और यदि शैतान से कोई बुरा सुझाव आता है तुम शैतान से बचो, फिर परमेश्वर की शरण लो। सचमुच, वह सुन रहा है और जानता है । वास्तव में, जो लोग आवेग आने शैतान के उन्हें छुनेपर पर ईश्वर से डरते हैं , वे तुरंत [भगवान] को याद करते हैं उनके पास अंतर्दृष्टि है।” (अध्याय द ऊँचाई , श्लोक 200)

"कोई भी परजीवी इंसान मेरी चाल से बच नहीं पाएगा!" शैतान ने स्वर्गदूतों को अशुभ चेतावनी दी। “यदि एक व्यक्ति स्वर्ग में प्रवेश करता है तो तो मुझे हजार बार मृत्यु और विनाश आता है ! आदम के गंदे बेटे परमेश्वर की आराधना कभी नहीं
करेंगे! जंगली की तरह व्यभिचार करने के लिए अपने अपवित्र शरीरों का उपयोग करके उन्हें मेरी आज्ञा का पालन करना पड़ेगा तब तक जब तक ईश्वर को पछतावा नहीं होता कि उसने आदम को बनाया और उसके जैसे गंदे इंसान के सामने झुकने को कहा ! मैं जो घृणित मनुष्य मेरी उपासना करते हैं उनसे पाप करवाऊंगा, और फिर वो उसपर इसके बारे में घमण्ड करेंगे , जब तक ये सुअर जैसे लोग अन्य समुदाय अपना सम्मान बताने वाले को मार नहीं डालेंगे ।

परमेश्वर जानता था कि शैतान मनुष्य शैतान के अंधेरे की पूजा करने के लिए ज़बरदस्ती और चालाकी करने की कोशिश करेगा, इसलिए उसने , अपनि दयालुता में
आदम और उसके बच्चों को शापित अज़ाज़ेल से सावधान रहने की चेतावनी दी। अंतिम वसीयतनामा के छत्तीसवें अध्याय में, भगवान कहते

हैं: "क्या मैंने तुम्हें आदेश नहीं दिया था, हे आदम के बच्चों, तुम शैतान की पूजा मत करो ? वास्तव में, वह तुम्हारे लिए एक साफ़ दुश्मन है! (अंतिम नियम, 36:60)

“मनुष्यों को सुअर के बच्चों और भूखे कुत्तों की तरह मेरी पूजा करनी चाहिए! हे

इससे पहले कि मैं उन बदसूरत और बदबूदारमें से एक भी आदम के बेटे ईश्वर में विश्वास करते हुए मर जाते हैं और स्वर्ग में प्रवेश करते हैं मुझे जंगली कुत्ते फाड़ डालेंगे और मेरा शरीर गिद्धों फाड़ डालेंगे!” अज़ाज़ेल ने शेखी बघारी। “ये कीड़ों से भरे इंसान शक्ति के लिए हांफेंगे और मुझ पर झपटेंगे! और तब वे मेरे समर्पित दास हो जायेंगे और ईश्वर के अस्तित्व को अस्वीकार करेंगे । जो कोई लोगों से भगवान की आराधना करने के लिए कहता है, उनपर ईर्ष्या हावी होगी , और जल्द ही, पृथ्वी पर मौजूद सभी लोग मेरी पूजा करेंगे,और वे सब आनन्दपूर्वक नरक के कुंडों में प्रवेश करेंगे, जहां मैं अकेला राजा रहूँगा! भगवान के स्वर्ग में जाने के लिए एक भी आदमी या औरत नहीं बचेगा । उस दिन मैं कितना खुश होऊंगा! ओ मेरे लिए क्या खुशी होगी,

जब मेरा एकमात्र सपना सच होगा! सचमुच, यह मेरा एकमात्र सपना है प्रत्येक अंतिम व्यक्ति को नरक में जाते देखना! यदि एक आदमी स्वर्ग में प्रवेश करने का प्रबंधन करता है तो मुझ पर धिक्कार है । नहीं! सचमुच, मेरी इच्छाएँ पूरी होंगी और मेरे सपने सच होंगे ।”

अज़ाज़ेल को एहसास हुआ कि वह एक बहिष्कृत और शैतान बन गया है इसलिए वो

जो मौजूद थे उन पर चिल्लाया। “ओह, वास्तव में यह मेरा मानव जाति को नष्ट और अपवित्र करने का जुनून और मेरा लक्ष्य है! मेरी एकमात्र आशा यह है कि ये लोग पशुओं के समान हो जायें और एक दूसरे के साथ जंगली कुत्तों जैसा व्यवहार करे और सूअर की तरह घूमते रहे । मैं

उन्हें कभी भी खुद का सम्मान नहीं करने दूँगा और दुष्ट मनुष्य सभी अच्छे मनुष्यों को मार डालेंगे!" वह क्रूरता से चिल्लाया ।

तेजी से परिवर्तित हो रहे भूभाग के मानव-संक्रमित जिले जिसे उसने अपनी धरती को जाना था इन्हें देखकर ही शैतान को घृणा और क्रोध आया । लाखों वर्षों से, केवल
छुपे हुए लोग, उसकी ही जाति के लोग जिनहे शुद्ध अग्निके साथ बनाया गया था
, इस ग्रह पर रहती थी और पैदा करती थी।

कैसे अज़ाज़ेल भटक गया था मार्गदर्शन और सत्य का मार्ग से उस प्रसंग को याद करते हुए कि , इश्वर आदान-प्रदान का वर्णन अंतिम वसीयतनामा में करते है "और याद करो जब हमने तुमसे कहा था: वास्तव में, तुम्हारा पालनहार मनुष्यों के चारों ओर है; जो दर्शन हम ने तुम्हें दिखाया हमने ठहराया, और उसी प्रकार केवल पुरुषों के विवाद के लिए कोरन के वृक्ष भी शापित किया ; हम उन पर आतंक का प्रहार करेंगे ; लेकिन यह उनमें भारी दुष्टता की वृद्धि ही करेगा:

और जब हमने फ़रिश्तों से कहा, "पहले आदम के सामने सजदा करो।" :" और एब्लीस (शैतान) को छोड़कर, उन सभी ने उन्हें साष्टांग प्रणाम किया।

"क्या!" उस ने कहा, क्या मैं उसके साम्हने दण्डवत करूं जो मिट्टी से निर्मित है?
 क्या तुमने इस मनुष्य को देखा है जोमुझसे ऊपर सम्मानित है? सचमुच, यदि तू मुझे पुनरुत्थान के दिन तक की मोहलत दे , मैं कुछ को छोड़कर, उसकी संतानों को नष्ट कर दूँगा।"

उस ने कहा, “चले जाओ ; परन्तु जो कोई उन में से तेरे पीछे हो ले, निश्चय हीउसका बदला नरक होगा; एक भरपूर प्रतिफल! और तू उन में से जितने को अपनी वाणी से बहका सके, फुसलाना; और उनके विरुद्ध तेरे घुड़सवार और पैदल सेना भेजना ; उनके धन और उनके बच्चों में भागीदार बनना , और उनसे वादे करो: परन्तु शैतान उन से केवल धोखेबाजी के वादे करेगा । जहां तक मेरे सेवकों की बात है , उन पर तुम्हारा कोई अधिकार न होगा; और इश्वर उनके पर्याप्त अभिभावक होंगे... और अब हमने आदम की सन्तान को हम ने भूमि और जल दोनों मार्ग से पार किया है हमने उन्हें अच्छी-अच्छी चीज़ें खिलायीं, और हमारे पास अनेक प्राणियों से कहीं अधिक प्रचुर संपदा है जिससे उन्हें संपन्न किया।” (अंतिम वसीयतनामा , अध्याय रात का सफर , श्लोक 60-70)

शैतान में ईश्वर की अवहेलना करने का असीम दुस्साहस था वो अपनी अवज्ञा का दोष ईश्वर पर मढ़ता रहा। उसने कहा, "मेरे नाथ! यह तुम्हारा दोष है कि मैं अपराधी हूं, वास्तव में, आप अदृश्य को जानते थे, और आप जानते थे कि मै आदम को प्रणाम करने की आपकी आज्ञा को अस्वीकार करूँगा । अभी तक, यह जानते हुए कि मैं तेरी आज्ञा का उल्लंघन करूंगा, तू ने अंधेरे कीचड़ से आदम को उत्पन्न किया है और मुझे पापी बनने में सक्षम किया । यह संपूर्ण आपकी गलती है कि मैं अब एक निष्कासित शैतान हूं, और इसलिए मैं आदम की सब सन्तान को आपके पैगम्बरों के विरूद्ध और आपकी दिव्य पुस्तकें विरुद्बध करूँगा , लेकिन मैं कभी भी आपके विरुद्ध विद्रोह नहीं करूंगा। आपके मानव दास मेरी आज्ञा मानेंगे और मेरी पूजा करेंगे, जबकि मैं सदैव आपको ही प्रणाम करूँगा । दुष्ट मनुष्य उनका घृणित शरीर का उपयोग पृथ्वी को भ्रष्ट करने के लिए करेंगे । वे अपने माता-पिता को ही मार डालेंगे और मुझे खुश करने के लिए उनका दिल खायेंगे । मेरी धार्मिक वेदियों पर माता-पिता करेंगे अपने बच्चों की बलि
चढ़ाएंगे , जबकि मैं पवित्र रहूँगा और केवल तुम्हारी प्रार्थना करूँगा । फिर आप देखेंगे कि कौन सी जाती बेहतर थी। आप स्वयं मानवजाति

की भ्रष्टता के साक्षी बनेंगे , और आदम के पुत्रों के पापों को देखेंगे। तब हे मेरे सृजनहार, तू मेरी सराहना करेगा!”

भगवान ने, अपने महामहिम में, केवल अपने अंतिम वसीयतनामे में कहा: “तुम में से जो कोई अज्ञानतावश कोई दुष्कर्म करता है उसके बाद पश्चाताप करता है और सुधार करता है, तो वास्तव में वह क्षमाशील, दयालु है ।" (अंतिम वसीयतनामा , 6:54)

अज़ाज़ेल अब स्वर्गदूतों का नेता नहीं था, और उसने सार्वजनिक रूप से ईश्वर की अवहेलना करना शुरू कर दिया और कुछ समय के लिए अपने कुछ पूर्व देवदूत शिष्य को विनाश के पथ पर भर्ती करने का प्रयास किया । मानक निषेध बनाना है नैतिक रूप से सुदृढ़ समाज दमनकारी और असभ्य प्रतीत होता है यह शैतान का व्यक्तिगत लक्ष्य बन गया। मानव जाति को यह विश्वास दिलाकर कि जानवर और जानवरों का बेटे है उसने उन्हें धर्मनिरपेक्ष बनने की आशा की । "वास्तव में," वह उत्सुकता से गुर्राया, “अगर मानव जाति ने आदम पर विश्वास करना बंद कर दिया, और ऐसा मत नहीं सोचा कि वे आदम और हव्वा के वंशज है , फिर वे मेरे झूठे तर्कों को सहर्ष स्वीकार कर लेंगे कि वानर, गधे और सूअर उनके पूर्वज थे। ख़ुशी से वे मूर्ख यहाँ एक अनैतिक समाज में रहना पसंद करेंगे और नास्तिक रूढ़िवादी संस्कृति का पालन करेंगे , एक दूसरे को अनैतिकता के विभिन्न तरीके सिखायेंगे और अनाचार, हत्या और व्यभिचार को सामान्य करेंगे । मानव समाज अब समलैंगिक -कामुकता के इर्द-गिर्द केंद्रित नहीं होगा ,परन्तु वे केवल गहनतम दुष्टताओं को ही जान सकेंगे।” “ शैतान कर्कश आवाज़ में चिल्लाया, और एकल परिवारों की नींव को नष्ट करने की और नैतिक और मनोवैज्ञानिक अराजकता में मानव जीवन में डुबाने कसम खाई । वह अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ समय बिताने के बजाय या छोटे शिशुओं की देखभाल करने की
बजाय वो चाहता था इंसान अपनी हवस का गुलाम बन जाये और बार-बार

कुख्यात पब जाये और बाज़ार और सड़कों पर जंगली शूकर की तरह व्यभिचार करेंगे। यदि एक मनुष्य स्वर्ग में प्रवेश करने में सफल हो जाए तो क्या मुझे अनंत काल जला दिया जाएगा, नष्ट कर दिया जाएगा और जला दिया जाएगा!"

यहाँ तक कि जब शैतान ने मानवजाति के विरुद्ध षड़यंत्र रचा, तब भी परमेश्वर ने उसे उनके अंतिम नियम में उनकी करुणा से आश्वस्त किया निम्नलिखित शब्द में : "जो कोई बुराई करता है या अपने आप पर अत्याचार करता है और उसके बाद ईश्वर से क्षमा मांगता है तो वह पायेगा के ईश्वर सबसे अधिक क्षमाशील, दयालु है ।" (अंतिम नियम , 4:110)

"यदि आदम के परजीवियों से भरे पुत्र नरक की सज़ा से बच जाएं तो मुझ पर धिक्कार है !" हर घंटे के साथ, अज़ाज़ेल का गुस्सा बढ़ता गया और उसका गगनभेदी विलाप दूर-दूर तक गूँजता रहा, जब तक कि वह पागल नहीं हो गया , उदासी से अपनी छाती और चेहरा पीट ने लगा । "आप सभी गवाही देंगे," उसने उन स्वर्गदूतों से चिल्लाकर कहा जो उसे सावधानी से देख रहे थे "आप देखेंगे कि ये तांडव करने वाले इंसान का ईश्वर में विश्वास कितनी तेजी से ख़त्म हो जाता है । आदम के वे घृणित पुत्र होंगे

इतने भयानक अपराध करेंगे और ऐसे अक्षम्य कृत्य करेंगे जो इतने भयानक होंगे कि वे हमेशा के लिए बर्बाद हो जायेंगे! वे प्रार्थना करना रोंक देंगे क्योंकि वे मेरी शक्ति और इच्छा पर विश्वास करना शुरू कर देंगे और वे उत्साहपूर्वक मेरी पूजा क्युकी मै उनके भविष्य के बारे में मैं उन्हें अधिक जानकारी देता हूं। वास्तव में, ईश्वर महान और वह मनुष्य द्वारा की गई प्रार्थनाओं का सदैव उत्तर नहीं देंगे, क्योंकि वास्तव में, ईश्वर उनका गुलाम नहीं है। जब वे उससे प्रार्थना करेंगे, कभी-कभी वह उनकी इच्छाएँ पूरी करेंगे , और कभी-कभी भगवान उनकी प्रार्थनाओं का जवाब देने में देरी करेंगे, और उनके लिए सर्वोत्तम है सोचेंगे ।

लेकिन मैं वहां रहूंगा मूर्ख इंसानों को समझाते हुए कि मेरे पास उनके रचयिता से भी अधिक शक्ति है। मैं गुमराह कर दूंगा कि मैं अपनी आग से जादू कर सकता हूं, जबकि वे देखेंगे कि भगवान उन्हें वह सब कुछ नहीं देते जो वे चाहते हैं । भगवान, अपनी महिमा और बुद्धि में, कभी-कभी कुछ इनाम रोकते हैं
और बदले में अधिक उपयोगी वस्तु देते है या उन्हें किसी भयानक विपत्ति से बचाते है या कुछ अन्य नुकसान से उनकी रक्षा करते है , लेकिन हड्डी वाले इंसान इसको नहीं समझेंगे । वे सोचेंगे कि मेरे पास अधिक शक्ति और इच्छाशक्ति है ख़ुशी से मेरी पूजा करेंगे ! सचमुच, जब ये बेईमान इंसान स्थूल कृत्य करने के लिए मेरा ध्यान करने के लिए मान जायेंगे, मैं उनके शरीर पर कब्ज़ा कर लूँगा । जब वे मेरी पूजा करते हैं और मुझ पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो वे लोग भगवान पर विश्वास करना बंद कर देंगे और मुझ पर विश्वास करना शुरू कर देंगे और अपनी ऊर्जा पर विश्वास रखें जिसे मैं अपनी मारक क्षमता का उपयोग करके उनके अंदर आकर उत्पन्न करूंगा । मुझे खुश करने के लिए सबसे घृणित कार्य करेंगे । मैं उन आदमियों को और स्त्रियाँयो को जो मेरी पूजा करती हैं, उनसे अपने बच्चों को फाँसी दिलवाऊंगा ताकि भगवान उन अक्षम्य पापों को क्षमा ना कर पाए ! मैं अपनी विधि पर उनके माता-पिता की बलि चढाऊंगा और उनसे अन्य अक्षम्य पाप कार्य करवाऊंगा, ताकि भगवान, अपने सर्वोच्च न्याय में, ऐसा उन पीड़ितों के साथ अन्याय न कर सकें और उन्हें अनन्त नरक में डाल दे जहाँ मैं उन्हें सदैव पीड़ा दूँगा!"

सेवक आत्माएँ जो स्वर्ग के सुनहरे रास्तों पर घूम रही थीं उन्होंने अज़ाज़ेल को उस दयालु दया की याद दिलाई जिसके लिए भगवान ने उनकी रचना से वादा किया था
और उन्होंने अंतिम नियम से पाठ किया: "सचमुच ईश्वर मानव जाति के प्रति दयालु है।" (अंतिम वसीयतनामा, 2:143)

"नहीं!" शैतान बहुत ज़ोर से चिल्लाया। “मैं दुखी मनुष्य ऐसे भयानक कार्य करवाऊंगा जो भगवान भी उन्हें क्षमा नहीं कर सकते, क्योंकि ईश्वर न्यायकारी है और वह कभी उन सड़े हुए इंसानों के पीड़ितों के साथ बहुत अन्याय नहीं कर सकता। मैं उन्हें सलाह दूंगा कि वे अपने बच्चों को मार डालें और उनके माता-पिता का दिल निकाल लें , और फिर मैं उन्हें सूअरों के समान व्यभिचारी बनाऊंगा, और वे जल्द ही विश्वास करेंगे कि वे गोरिल्ला और वानरों के बेटे हैं।

“मनुष्य कभी विश्वास नहीं करेगा कि वे गोरिल्ला के वंशज हैं ," स्वर्गदूतों ने अज़ाजेल से तर्क किया। “वास्तव में, वे आदम को अपने पिता के रूप में और हव्वा को अपने माँ के रूप में जानेंगे और पहचानेंगे !"

"झूठ! मैं छिपे हुए लोगों की एक सेना को वानर और गोरिल्ला का आकार लेने का आदेश दूँगा और मैं उन्हें मार डालूँगा और उनकी हड्डियाँ दलदल पर बिखरी मिलेंगी ताकि पापी मानव जाति से वैज्ञानिक मूर्ख बनें और उन पुराने कंकालों की खोज कर और गोरिल्ला हड्डियों का अध्ययन करे और विश्वास करें कि वे यहीं से विकसित हुई हैं । सचमुच, मैं उन्हें विश्वास दिलाऊंगा कि वे मानव जाति के नहीं हैं! आख़िरकार, मैं उन्हें उनकी बात बताऊंगा के उनके दादा-दादी सूअर थे, और उनके बच्चे कुत्ते हैं। जल्द ही, वे इतने आश्वस्त होंगे कि वे जानवर हैं और जंगली सूअरों की तरह व्यवहार करेंगे और अपने शहरों में कपड़ों पर प्रतिबंध लगायेंगे और चारों ओर नग्न होकर भागेंगे, एक दूसरे के साथ व्यभिचार करेंगे और अपने बच्चे के साथ मारपीट करेंगे, और अपने मित्रों का दिल खायेंगे , और केवल इंसानी मांस की लालसा करेंगे! तब भगवान देखेंगे कि ये इंसान कितने ज़हरीले पापी हैं ! ईश्वर अपने सिंहासन के ऊपर अकेले बैठेंगे और अपनी प्रिय रचना बदनामी का पाप देखेंगे! भगवान को मेरा दर्द महसूस करने दो और उन्हें इस बात का अफ़सोस करने दो कि उन्होंने कभी मनुष्य को मुझसे और मेरी जाति से

श्रेष्ठ बना दिया था ! हे सर्वशक्तिमान को समझने दो की उन्होंने इस गंदी मानवजाति को वह दिया गया जिसके वे हकदार नहीं थे!”

ईश्वर के प्रति अज़ाज़ेल के विद्रोह को अंतिम नियम के छंद में स्पष्ट रूप से समझाया गया था : "जब हमने स्वर्गदूतों से कहा, 'आदम को साष्टांग दण्डवत करो', उन सब ने दण्डवत् किया सिवाय एब्लीस के , जो जिन्न का था, और उसने अपने प्रभु के आदेश से विद्रोह किया था! तो क्या तुम उसे और उसके वंश को भी मेरे बजाय संरक्षक ले लोगे?
और वे तुम्हारे शत्रु हैं? दुष्टों के बदले में दुष्टता!” (अंतिम नियम, अध्याय गुफा, श्लोक 50)

इस प्रकार अज़ाज़ेल को एब्लिस के रूप में जाना जाने लगा, जो कि अरबी शब्द बालास से आया था , जिसका अनुवाद अपवित्र या दुष्ट व्यक्ति होता है। बहिष्कृत शैतान बनने पर, उसे स्वर्ग के दायरे को त्यागने का और पृथ्वी पर रहने के लिए उतरने का आदेश दिया गया, लाखों छिपे हुए लोग अभी भी पृथ्वी पर रहते हैं, और उन्हें अपने रचयिता और पालनकर्ता की कोई परवाह नहीं है। उनमें से बहुत कम ही लोग कुछ धार्मिक प्रवचनों में लगे रहे और उससे भी कम ईश्वर से प्रार्थना करते थे या उनकी दिव्य आज्ञाओं पर विश्वास करते थे। शैतान को अपनी ही प्रजाति में लौटना पड़ा और निराशा में जीना पड़ा, केवल जितने हो सके उतने लोगों को गुमराह करने का प्रयास करते हुए ताकि नरक में उसका शाश्वत निवास आनंदमय हो सके। वास्तव में, शैतान समझ से परे क्रोधित था उसके लिए कोई मायने नहीं रखता था कि वह हमेशा के लिए नरक के अँधेरे में रह सकता था , लेकिन जब तक वह इंसानों को साथ लेकर चलता है
उसके लिए, पीड़ा का हर घंटा उसके लिए परमानंद होगा ।

आदम और उसके बच्चों को नष्ट करने की अपनी हताशा में, शैतान अपने स्वयं के महाकाव्यात्मक रुझानों से ग्रस्त हो गया और पीड़ा और

दर्द को आसानी से सहने को तैयार था । शक्ति के प्रति उनका जुनून और मानव जाति को गुमराह करने में असफल होने का उसका डर ने उसे इस तथ्य पर प्रसन्न किया कि उसे एक बहुत लंबा और शक्तिशाली जीवन का अनुदान दिया गया था ।

जैसे ही स्वर्गदूतों ने भयभीत होकर देखा, अज़ाज़ेल ने दावा किया कि वह मानव जाति के सभी सदस्यों को पाप में पीड़ित करेगा और उन्हें सूअरों और लकड़बग्घों से भी बदतर बना देगा । "ओह, आख़िरकार मुझे मेरी इच्छा मिल जाएगी !" शैतान चिल्लाया. "मेरे लिए खुशी और मेरी जाति के लिए खुशी , वास्तव में उस मनुष्य को मेरे हाथ में अपमानित होने के लिए जिसे मेरे इश्वर ने , मेरे निर्माता ने और मेरे स्वामी ने इतनी गरिमा और सम्मान के साथ बनाया है । पहला मनुष्य जिसे इश्वर ने सर्वशक्तिमान उच्चतम स्तर की धर्मपरायणता का ताज पहनाया गया था उनकी सभी रचनाओं में से सर्वश्रेष्ठ होने की घोषणा की गई। मैं उन्हें सबसे बुरे प्राणियों में बदल दूंगा और एक दूसरे के अपशिष्ट से भरे पिछवाड़े का पीछा करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा, फिर इश्वर देखेंगे कैसे मानवजाति गंदी है, और तब परमेश्वर को एहसास होगा कि वास्तव में मनुष्य सारी सृष्टि में सबसे ख़राब है! इससे भी बुरी बात यह है कि उसके सबसे घटिया प्राणी! मैं धीरे से इंसानों को ऐसी गंदी हरकतें करने के लिए प्रोत्साहित करूंगा।'कि वे उन सूअरों से भी बदतर हो जाएंगे जो अपना मांस खाते हैं

और अंततः वे कुत्तों से भी बदतर हो जायेंगे और गिद्ध और लकड़बग्घा जो मनोरंजन के लिए अपनी ही प्रजाति को मारते हैं घृणा, ईर्ष्या या लालच के कारण निर्दोषों को मार डालते है । " शैतान घोषणा की कि वह लोगों को अच्छे कार्यों से दूर रखने के लिए उदारतापूर्वक आलस्य का और टालमटोल प्रयोग करेंगे और उनके सामने दुनिया की विलासिताएँ रखेंगी ताकि वे इस सांसारिक निवास को छोड़ने से सावधान रहें। उन्होंने लोग क्रूर तरीके से घेरने वाली सबसे अप्रत्याशित समय पर हमला करनेवाली मौत से डरे रखने की कसम खाई जो उनसे उनसे प्रियजन और सब

कुछ छीन लेंती है । “ मुझ पर पीड़ा और विपत्ति आये यदि एक भी मानव आत्मा नरक से बच जाती है! मैं उनसे तब तक घोर पाप कराता रहूँगा जब तक ईश्वर चाहकर भी उन्हें माफ नहीं कर सकेंगे। यदि मेरा बस चले तो उन घृणित मनुष्यों को स्वर्ग से बाहर निकालने के अलावा इश्वर के पास नहीं होगा कोई विकल्प नहीं होगा। उन्हें अपने ही बच्चों को मारने के लिए और उनकी बलि चढ़ाने के लिए और अपने माता-पिता का मांस खाने के लिए प्रोत्साहित करूंगा, क्योंकि ये अक्षम्य पाप हैं जिनसे हमारा सम्माननीय और न्यायप्रिय ईश्वर घृणा करता है। निश्चित रूप से, ऐसी घिनौनी हरकतें करने के बाद भगवान उन्हें माफ करना नहीं चुनेंगे !वो नहीं करसकते ! बिलकुल नहीं करना चाहिए ! मैं नष्ट हो जाऊ इससे पहले कि परमेश्वर एक भी मनुष्य को क्षमा करे! अगर वे पश्चाताप करने की कोशिश करें , मैं अन्य पूजा करने वाले मनुष्यों से उनका वध करवाऊंगा और उनके बच्चों की बलि चढाऊंगा और फिर मैं उन्हें उनके बच्चों को छीनने के लिए इश्वर को दोष देने के लिए मना लूँगा । वे मूर्ख बुद्धिहीन मनुष्य अपने बच्चे को और एक बार मरने देने के लिए भगवान को कोसेंगे और फिर एक बार जन्नत उनके लिए प्रतिबंधित कर दी जाएगी!”

जैसे ही आदम को धरती पर भेजा गया, वह दु: ख से तबाह हो गया । एक अंधेरे जंगल के बीच में खड़े आत्मा को झकझोर देने वाले भय और रहस्य के एहसास ने उसे घेर लिया , उसे कुछ भी पता नहीं था इस दुर्गम इलाके में कैसे, कहां रहना या जीवित रहना है जहा न तो मनुष्य और न ही जानवर उसकी सहायता और मार्गदर्शन के लिए मौजूद थे। "ओह, मेरे इश्वर ! मै क्षमा चाहता हूँ! तुम मेरे दिल की बात जानते हो! तुम्हें सब पता है मैं जो नहीं जानता!" उसके रोने में ऐसा बेताब पागलपन था के उसे लगा कि उसका दिल दर्द से मरोड़ रहा है।

आदम ने पहले कभी अकेलेपन की ऐसी पीड़ा और निराशा का अनुभव नहीं किया था

! ओह, वह कैसे चाहता था कि काश उसे कभी न बनाया ना जाता ! यदि उसे बनाया नहीं गया होता तो वह कभी भी परमेश्वर की अवज्ञा नहीं कर सकता था! अपने दिल में आँसू भरते हुए, आदम ने एक कविता की कुछ पंक्तियों के बारे में सोचा जिसकी रचना उसने की थी:
"मेरे दुःख की आंधी को कौन महसूस कर सकता है,
जब सभी राक्षस अविश्वास में आनन्द मना रहे हैं;
और वे जानवर शक्ति के साथ जीते हैं,
उन मनुष्यों का शिकार करना जिनका जीवन धन्य नहीं है?
प्रेम, इन्सान अनिच्छा से नही त्याग सकता ,
परन्तु मेरे इस पाप का भागी और कौन होगा?
मैंने अकेले में प्यार किया, और प्यार में, मुझे अभी भी प्यार होना चाहिए,
वह मेरी प्रेमिका, पत्नी और मंगेतर थी!
लेकिन जो प्यार करता है वो धोखा कैसे दे सकता है,
प्रेमी को भटकते देखना कितना दयनीय है!
ओह, इस विश्वासघात और पाप ने मुझे झूठ बोलने पर मजबूर कर दिया,
मुझे स्वर्ग से उतरने की सजा दी
मृत्यु के दर्द को फिर से जीने के लिए, इसके द्वारा तड़पते हुए,
मानवजाति को जीने और हमेशा के लिए मरने के लिए मजबूर करना!
मैं एक अधिक भरोसेमंद प्रेमी पाने का सपना देखता हूँ,
वह जो उस प्रेम जो तुमने एक बार मेरे लिए किया था?
ओ हमारे प्यार की वीणा टूट गयी;
उसकी मधुर धुन अब नहीं बोली जाती,
उसकी कृपा और शब्दों ने मेरा दिल चुरा लिया,
स्वर्ग की कला का सर्वोत्तम अवतार!
एक चिरस्थायी दिन की चमकती सुंदरता,
इससे मेरी सांसें थम गईं!
सुबह के सूरज की तरह जो डूबना नहीं चाहता,
यह प्यार मैंने संजोया, कभी नहीं भूलूंगा!

लेकिन गरजते समुद्र की रेतीली पहाड़ियों की तरह,
सुबह की धुंध की तरह जो इतिहास बनकर रह जाती है,
मेरे प्यार ने मुझे झूठी गवाही देने के लिए छोड़ दिया था,
ओह, उसने मुझे मोक्ष और अकेलेपन के लिए छोड़ दिया!
उसने मेरे भरोसे को धोखा दिया; उसने मेरी चाहत को त्याग दिया,
हालाँकि मैंने उससे बेहद बेइंतहा प्यार किया था!
उसने मुझे धोखा दिया, हालाँकि उसके लिए मेरा प्यार सच्चा था,
काश कि मैं भूल जाता और नये सिरे से जन्म लेता!
ओह मेरा दुःख कितना असहाय था, मेरा विलाप कितना दयनीय था,
पाप को प्रकट होते देखने के लिए, मेरे प्रियतम का साक्षी बनने के लिए,
जब मैंने जिसे प्यार किया और प्यार किया, उसने विश्वासघात किया ,
देह में प्रकट हुआ था, जिसे परमेश्वर ने पोषित किया था!
उस दिन मैं कितना अभागा पापी हो गया था!
मेरे रास्ते में आने वाली स्त्री सौंदर्य से धोखा खाया गया, नश्वर शरीर
द्वारा नए सिरे से पाला गया और बहकाया गया,
जिसने आज्ञापालन और प्रेम की शपथ खाई थी, वह सच्चा हो!"
मेरे रास्ते में आने वाली स्त्री सौंदर्य से धोखा खाया गया, नश्वर शरीर
द्वारा नए सिरे से पाला गया और बहकाया गया,
जिसने आज्ञापालन और प्रेम की शपथ खाई थी, वह सच्चा हो!"

बारीक चुनी हुई मिट्टी से रचने का क्या मतलब था, और परमेश्वर ने उसे ऊंचा किया, और स्वर्गदूतों ने उसका आदर किया, और वे सभी जो अस्तित्व में थे उन्प्रेहोंने उससे प्रेम किया , जिसका अस्तित्व केवल गलती करने और स्वयं को नीचा दिखाने के लिए
उस एकमात्र प्राणी के विरुद्ध पाप करने और विद्रोह करने जिसने उस को पोषित किया उससे प्रेम किया और उसे प्रेम के अलावा किसी अन्य प्रयोजन के लिए नहीं बनाया सम्मानित किया गया और सांत्वना दी गई और ऊंचा उठाया गया और प्रसन्न किया गया तृप्त और संतुष्ट? फिर भी, आभार व्यक्त करने के बजाय, आदम ने अपने निर्माता की अवज्ञा

की थी! वास्तव में, यह वह था जिसने ईश्वर चोट पहुंचाई! यह वह था जिसने अपने प्रभु को विफल कर दिया! यह वह था जिसने सृजक की घोर कृतघ्नता और उसकी दृढ़ता को साबित किया , आदम को पता चला निषिद्ध वृक्ष का फल खाकर उसने स्वार्थ के अलावा कुछ भी व्यक्त नहीं किया था और अब उसे दुष्परिणाम का सामना करना पड़ा । उसने परमेश्वर को यह सिद्ध कर दिया था कि वह स्वर्ग के लिए कितना अयोग्य है । वह स्वर्ग की विलासिता का आनंद लेने के लायक नहीं था ? क्या उसके रब ने उससे कुछ कृतज्ञता और अच्छाई नहीं छोड़ी थी ? लेकिन अफ़सोस, आदम असफल हो गया और अज़ाज़ेल, शैतान के जाल में गिर गया!

अंतिम नियम में कहा गया है, “और प्राचीनकाल में हमने आदम के साथ एक वाचा बाँधी थी ; परन्तु वह इसे भूल गया... और जब हमने फ़रिश्तों से कहा, "सज्दा करो और आदम की पूजा करो," उन्होंने सभीने पूजा की सिवाय एब्लिस (शैतान) के जिस ने इन्कार कर दिया, और हमने कहा, "ओह, आदम! यह सचमुच तुम्हारा और तुम्हारी पत्नी का शत्रु है। इसलिये उसे तुम्हें बगीचे से निकालने मत दो , और तुम अभागे हो जाओगे; क्योंकि यह तुम्हारे लिये निश्चय है कि यहाँ तुम्हें भूख न लगेगी, और न तुम नग्न रहोगे ; और उस में तुम्हें प्यास न लगेगी, और न तू गर्मी से सूख रहा होगा ;"

परन्तु शैतान ने फुसफुसाकर उससे कहा, “हे आदम! क्या मैं तुम्हें अमरता का वृक्ष दिखाऊं? और वह राज्य जो टलता नहीं?” (अंतिम नियम, अध्याय 20, श्लोक 120)

शैतान का धोखा बहुत बड़ा था, और आदम और हव्वा को सबसे अधिक धोखा देने के लिए उसने व्यापक रूप से रचनात्मक तरीके सोचने की कोशिश की । वह जानता था कि आदम को पूरी स्वायत्तता प्राप्त है, लेकिन अज़ाज़ेल के लिए अवसर की एक छोटी सी खिड़की थी; वह उन

दोनों को वर्जित वृक्ष फल चखने के लिए मनाएगा । शैतान ने पेड़ का बारीकी से अध्ययन किया, और देखा कि यह किसी प्रकार के पौधे जैसा दिखता है। इसमें बहुत सारे घुँघराली लताएँ दूर तक फैली हुई हैं। उसने बहुत वर्षों बाद पता लगाया की वह पेड़ एक अंगूर की लता के अलावा और कुछ नहीं था जिसके फल कई रंगों और बनावट के सुस्वादु अंगूर थे। कुछ फल चखने के बाद, शैतान ने मुट्ठीभर को निचोड़ने का और इसका जूस बनाने का फैसला किया। इसके बाद वह आगे बढ़ा और रस को गाढ़ा और किण्वित होने तक प्रोसेस किया । उसने किण्वित अंगूर के रस की तीखी गंध को सूँघा और स्वयं को आभा से अभिभूत होते पाया। दरअसल, उसने

उत्साह से सोचा, इस फल का रस एक के नशीले पदार्थ के रूप में कार्य करता है ।

उन्होंने कुछ बूंदें खुद पी लीं और उन्हें इस बात का एहसास हुआ के यह उनके मिशन तक पहुंचने का बढ़िया तरीका होगा। आदम को पेड़ का फल खिलाना लगभग असंभव था, लेकिन वह फल से जूस बनाएगा और उन्हें चखने के लिए मनायेगा। हालाँकि, आदम निषिद्ध वृक्ष के पास कहीं भी जाने को लेकर बहुत सतर्क था, और उसे एक गिलास जूस पिलाना अज़ाज़ेल के लिए अव्यावहारिक था । वह संभवतः आदम के सामने अपनी उपस्थिति का खुलासा नहीं कर सकता था , इसलिए उसने एक नई योजना तैयार की। इसमें केवल आदम की खूबसूरत पत्नी हव्वा शामिल थी ।

उसने हव्वा के दिल को नियंत्रित करने के लिए संगीत का उपयोग करने की एक विस्तृत योजना बनाई और उसके खिलाफ उसकी भावनाओं का उपयोग किया । पेड़ के पीछे स्वयं बैठ कर , शैतान ने अपने सभी संगीत वाद्ययंत्र इकट्ठे किये और उदासी और निराशा के लम्बे स्वर बजाना शुरू कर दिया । उसने देखा हव्वा उत्सुकता से आगे बढ़ रही थी, उसकी आंखो से पीड़ा के आँसू फूट रहे थे । उसने अपने संगीत सुर बढ़ाये और बजाना जारी रखा, संगीत तब तक चलता रहा जब तक हव्वा भावनाओं से

अभिभूत नहीं हो गई। घंटों तक, शैतान ने जोरदार खेल दिखाया। मर्मज्ञ ध्वनियों के साथ और
तेज लय में, अज़ाज़ेल ने हव्वा को पूरी तरह से मंत्रमुग्ध करने की कोशिश की । तभी शैतान अचानक सामने प्रकट हो गया और उसे बताया कि स्वर्ग में ऐसा कुछ है जो उसे खुश कर देगा ।

“वास्तव में, इस पेड़ के फलों में शाश्वत जीवन का अमृत समाहित है ," शैतान ने हव्वा से कहा। “इश्वर ने यह वृक्ष तुम्हारे और तुम्हारे पति लिये वर्जित कर दिया है क्योंकि वह तुम्हें स्वप्नलोक निवास से बाहर निकालना चाहता है । उसे खाओ और हमेशा के लिए बच जाओ!”

हव्वा एक प्रतिभाशाली महिला थी, लेकिन जैसे ही शैतान ने उससे बात की, उसे लगा
उसका दिल डगमगा गया। यदि शैतान सच बोल रहा हो तो क्या होगा? वह कई घंटों तक संगीत सुन रही थी और उसका दिमाग गहन भावनाओं से घिरा हुआ था । वह अब और तर्कसंगत रूप से नहीं सोच सकती थी और स्वर्ग से निर्वासित होने का विचार
उसके लिए भयावह था। हव्वा को आश्चर्य हुआ कि क्या शैतान क्या कह रहा था उसमें सच्चाई है । यह संभव था कि भगवान का इरादा उन्हें इस शानदार बगीचे से बाहर निकालने के का था । फिर वह और उसका पति जीवित कैसे बचेगे ? क्या स्वर्ग में हमेशा के लिए अंदर बने रहने का यही एकमात्र रास्ता था, वर्जित वृक्ष के फल खाना?

शैतान जानता था कि संगीत लुभावना है और उसमें एक व्यक्ति आकर्षित करने की क्षमता है । उसने हव्वा को लुभाने के लिए और उससे अपनी आज्ञा का पालन करवाने के लिए कुछ खास धुन बनायीं थी । अज़ाजेल को पता था अपनी बात कहने के लिए

और मानव जाति के लिए पापपूर्ण सलाह और संदेश देने के लिए संगीत उसका सबसे मजबूत उपकरण था जिसका उपयोग वे करके वो इन्सान को आसानी से भ्रष्ट
कर सकता था। इस प्रकार, संगीत के माध्यम से, अज़ाज़ेल ने हव्वा को गुमराह किया
यह विश्वास दिलाया कि निषिद्ध वृक्षमें अमरता के रहस्य छुपे हुए हैं। उन्होंने उसे अपने पति के पास जाकर उसे पेड़ से एक फल खाने को समझाने की सलाह दी।हव्वा अभी भी अभिभूत थी, उसकी भावनाएँ इतनी बढ़ गईं कि वह दौड़कर अपने पति के पास गई और उसे समझाया परमेश्वर ने जिस वृक्ष को उनके लिए निषिद्ध बनाया था, वह वास्तव में वही उनकी मुक्ति का साधन था। उसने बताया कि फल खाना उन्हें सदैव जीवित रहने में सक्षम बनाएगा। हालाँकि, आदम ने यह सुझाव तुरंत अस्वीकार कर दिया , और धीरे से अपनी पत्नी को याद दिलाया कि इश्वर ने उन्हें निषिद्ध वृक्ष और उसके फल के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए थे। उनसे कहा गया कि वे इसके करीब भी न जाएं।

उसके बाद कई दिनों तक शैतान निषिद्ध वृक्ष इधर-उधर घूमता रहा और संगीत बजाना और हव्वा को उसे सुनने में मनाना जारी रखा। हर सुबह, वह हव्वा को बताता था कि कैसे यह पेड़ धन्य है और इसके फलो में जीवित रहने की कितनी शक्ति है। और हर शाम, हव्वा अपने पति के पास जाती थी और अनुरोध दोहराती फल खाओ ताकि हमेशा के लिए स्वर्ग में रह सको।

आदम ने उसे बार-बार इश्वर की आज्ञा समझाई, और अंततः सुझाव दिया गया कि रमेश्वर की सीधी आज्ञा तोड़ने पर कुछ भयानक घटित हो सकता है।

हव्वा को रहा नहीं गया। वह अपने पति से प्यार करती थी और चाहती थी के वो

हमेशा के लिए स्वर्ग में रहे , उसके डर को दूर करने के लिए, उसने पहले फल को चखने की इच्छा प्रकट की , यह जांचने के लिए कि क्या कुछ हो सकता है ।

उसने अपने उत्तेजित पति को इन शब्दों से सांत्वना दी: “मैं तुम से पहले खाऊँगी। अगर मुझे कुछ हो गया तो तुम्हें इसे आज़माना नहीं पड़ेगा और तुम सुरक्षित रहोगे।”

आदम किसी ऐसी चीज़ को आज़माने से सावधान रहता था जो सीधे परमेश्वर के निर्देशों के विरुद्ध चलती हो, लेकिन वो उसे अपनी योजना के साथ आगे बढ़ने से रोक नहीं सका, और हव्वा ने फल निचोड़ा और रस निकाला और एक छोटा घूंट लिया। इसके बाद उसने खाना खाया फल के कई टुकड़े किये और पाया कि यह मीठा और स्वादिष्ट था । पके हुए गोल फल में इसका कोई भी नुकसान पहुचाने का संकेत नहीं था। कुछ देर इंतजार भी किया और फिर अवलोकन किया कि वह अभी भी स्वर्ग में सुरक्षित है। कुछ भी कठोर नहीं हुआ था वह प्रसन्न मन से उसके पास गई। उसनेआदम से कहा, “देखो, प्रिय! मैंने खाया और इससे मुझे कोई नुकसान नहीं हुआ ।"

इस घोषणा ने आदम को आश्वस्त किया और अंततः उसने यह निष्कर्ष निकाला
यदि वे इसका पेड़ का फल चख लें तो उन्हें कोई गंभीर हानि नहीं पहुँच सकती। फिर आख़िरकार आदम ने फल खाये और फिर उसने असहज महसूस करना शुरू कर दिया। अचानक उसने देखा कि उसके निजी अंग खुले है , और उसे तुरंत अहसास हुआ उसने कुछ बुरा किया है । उसे इसका एहसास तब हुआ जब हव्वा ने फल खाया, कोई प्रतिकूल घटना घटित नहीं हुई क्योंकि उनके लिए परमेश्वर की आज्ञा दोहरी थी। इसलिए, जब तक वे दोनों आज्ञा उल्लंघन नहीं करते, उस वृक्ष का फल नहीं खाते और उसका किण्वित रस पिते तब तक कोई प्रतिक्रिया या सज़ा नहीं थी

। नशे का असर इतना गहरा था कि आदम को तुरंत खुद को राहत देने की इच्छा हुई और उसे पेट में ऐंठन महसूस हुई । वह जानता था कि यह परमेश्वर की अप्रसन्नता का संकेत था, और
यह भी समझ आया कि चूँकि ईश्वर ने दोनों को वृक्ष से बचने के लिए आदेश दिया था
जब तक उन दोनों ने वर्जित फल नहीं खा लिया पूर्ण अवज्ञा नहीं की थी । आदम सत्तारूढ़ और अपूरणीय गलती भूल गया।

यह संगीत का हानिकारक प्रभाव और दिमाग को सुन्न कर देने वाला था नशे के प्रभाव ने आदम और हव्वा को नशे की लत में डाल दिया , दयनीय जाल जो शैतान द्वारा बिछाया गया था। अज़ाज़ेल चाहता था इश्वर आदम को स्वर्ग से निष्कासित करे जैसे उसे निष्कासित किया गया था और वह अपने मिशन में सफल हुआ । लेकिन आदम को और उसकी पत्नी को स्वर्ग से बाहर करने के बजाय इश्वर ने उन्हें देवदूत के साथ उचित सम्मान के साथ , धीरे से उन्हें पृथ्वी उतारा। पृथ्वी जीवन से भरपूर थी, पकी हुई फसलें मानव जाति का इंतजार कर रही थीं पर आदम सांत्वना नहीं थी। उसने दुःख व्यक्त किया, उसने दुःखी होकर ईश्वर से उसे और उसकी पत्नी को क्षमा करने की प्रार्थना की , ब्रह्मांड के दयालु निर्माता ने पहले मनुष्य को उसके पाप माफ कर दिए।

इश्वर ने पृथ्वी पर एक उत्तराधिकारी स्थापित करने की कसम खाई थी और आदम को इस ग्रह के विशाल मैदानों में रहने और शासन करने के लिए भेजा गया। हालाँकि आदम को ईश्वर ने निर्देश दिया था कि वह निषिद्ध वृक्ष के निकट न जाए , वह स्वर्गीय आदेश भूल गया था । शैतान से प्रभावित होकर उसने फल खाया और इसके कारण वह और उसकी पत्नी स्वर्ग से शीघ्र बाहर निकाले गए ।

इस दुनिया की नम और ठंडी मिट्टी पर गिरने पर, आदम अपने प्रभु से क्षमा मांगते हुए फूट-फूट कर रोने लगा। "ओ ईश्वर!" वह रोया। "मुझे क्षमा करो, नाथ! हे शाश्वत परमेश्वर !"

वह फूट-फूट कर रोने लगा, और परमेश्वर के क्रोध के भय से कांपने लगा, उदार ईश्वर की अप्रसन्नता अर्जित करने से डरने लगा जिसने उसे बनाया और उसे एक सुन्दर पत्नी दी। दोनों हव्वा और आदम धरती पर उतरने पर फूट-फूट कर रोये , और उनके
अपराधबोध और अत्यधिक अकेलेपन ने मिलकर उनके दिलों को पिघला दिया
दूर जाकर उन्होंने यह पता लगाने की कोशिश की कि इस अंधेरे और अकेली दुनिया में कैसे जीवित रहा जाए । नीरस ग्रह में अस्तित्व उनके के लिए पीड़ा थी ।

बारिश पहाड़ों पर हुई और जंगलों में फैल गई जैसे आदम लगातार सिसकता रहा। ऐसा लग रहा था मानों ये पेड़ के पत्ते भी उसके साथ रो रहे थे। शाम का आसमान था
स्पष्ट और चमकते तारे दिखाई दे रहे थे, लेकिन उदात्तता और स्वर्गीय आभूषणों की भव्यता ने उसे प्रभावित नहीं किया। आदम ने हरे और अनुशासित पत्तों को उदास दृष्टि से देखा और उसे आश्चर्य हुआ कि क्या वे निर्जीव वस्तुएँ उसकी वेदना समझ सकती हैं। "मुझे माफ़ कर दो, हे इश्वर! आपके अलावा इस निराशाजनक और एकाकी दुनिया में आशा देने वाला कोई नहीं है , जहां मौत हर कोने में इंतजार कर रही है और जो कुछ भी मौजूद है वह सड़ जाता है।"

उसे ऐसा महसूस हुआ मानो ब्रह्मांड ने उसे सबसे अधिक यातनापूर्ण सज़ा का श्राप दिया हो, जैसे-जैसे वह दुनिया का अंधेरा में और अधिक फँसता गया । अकेलेपन के कारण के दर्द से कांप कापते हुए , आदम ने ईश्वर से उसे क्षमा करने की प्रार्थना की।

उन्होंने चुपचाप उस प्रेम की निंदा करते हुए कुछ पंक्तियाँ बोलीं जिसने उससे पाप करवाया:

“सुनो तुम अंधे प्रेमी,
अपने चेतन मन से सुनो,
मैं उन औषधियों की बात करता हूं जो मार डालती हैं,
प्रेम का जो नश्वर इच्छा को नष्ट कर देता है,
और प्रेमियों को आंसुओं को मकाता है;
जहाँ केवल उनकी आँखें ही सुन सकती हैं,
और झूठे वादों से, बहकाते हुए,
ज़हरीले दाँतों से मुस्कुराता है!
फिर मेरी सलाह सुनो,
उस प्रेम से बचो जो लुभाने की कोशिश करता है,
आज़ाद दिल को गुलाम बनाता है ,
इसे कला के एक टुकड़े की तरह तोड़ता है !
मृत्यु का प्याला और पीड़ा का पार,
प्रेमी की मुख्य रगों में काटता है!
परन्तु हे अभागे लोगोंको फिर से धोखा देता है ,
और उन्हें आश्वस्त करता है कि आपका प्यार अच्छा और सच्चा है?

उसे ऐसा महसूस हो रहा था मानो यह धरती एक अभिशाप है जो उसे स्वर्ग से ढो रही है , और वो स्वर्ग से दूर होता जा रहा था ,जहां खुशी के अलावा कुछ भी नहीं वह था और इश्वर और उसके अलावा कोई भी साथी नहीं थे । सचमुच, यह दुनिया एक जेल से भी बदतर महसूस हो

रही थी । यह एक यातनापूर्ण और भयावह जेल था , और आदम जानता था कि उसे ईश्वर के अलावा कोई आशा नहीं ।

वह जानता था कि उसका जीवन किसी भी क्षण समाप्त हो सकता है, किसी भी प्रकार की यातना उस पर बिना किसी चेतावनी, किसी पीड़ा के आ सकती है या उसे कोई बीमारी घेर लेती है या कोई शत्रु किसी भी समय हमला कर सकता है और उसकी हर आखिरी आशा को नष्ट कर सकता है । पृथ्वी के उपप्रधान के रूप में, यह सुनिश्चित करना आदम की ज़िम्मेदारी थी कि उसके बच्चे जीवित रहें, धर्मी जीवन जीते रहे और ईश्वर की दिव्य आज्ञाओं का पालन करते रहे , जब की वह एकमात्र आदेश का पालन करने में विफल रहा था।

हे दण्डित होने की पीड़ा और अभिशाप! ओ परमेश्वर की अप्रसन्नता होने का डर

और उसके क्रोध का भागी बनना और उसका क्रोध अर्जित करना! हे उस पर परमेश्वर के विश्वास को धोखा देने की अत्यंत दयनीय एवं निराशाजनक भावना थी ! उसके टूटा हुए दिल पर यह अज्ञात एकाकी संसार जितना भी दर्द थोप सकता है यह वास्तव में उससे भी बदतर था ।

आदम को सज़ा के तौर पर नहीं, बल्कि निचली दुनिया में वहां रहने वाले सभी लोगों के नेता के रूप में भेजा गया था । ईश्वर ने आदम को सभी चीज़ों के नाम सिखाये और

स्वर्गदूतों पर उसकी सर्वोच्चता को प्रदर्शित किया और फिर स्वर्गदूतों की टोली में पहला मानव को प्रस्तुत किया और उनसे कहा:
"यदि तुम जो कहते हो सच है, तो मुझे इन (वस्तुओं) के नाम बताओ।" ईश्वर के पंखों वाले दूतों ने तुरंत स्वीकार कर लिया, आदम का दर्जा ऊंचा किया और उसे प्रणाम किया। उन्होंने पृथ्वी पर मनुष्य की उचित सर्वोच्चता को मंजूरी दी।

लेकिन आदम के लिए अकल्पनीय पीड़ा के अलावा कुछ नहीं था। यह कौन सा जीवन था? ये कौन सी दुनिया थी? वो दुनिया जिसमे डर, अनिश्चितता, पाप और अकेलेपन के अलावा कुछ नहीं था ? अज्ञात का डर और निंदा करने वाले हर दरार में छुपे हुए का अभिशाप हैं!

"ओह यह कैसी भयानक दुनिया है जहाँ दर्द के अलावा कुछ नहीं है, डर के अलावा कुछ नहीं और निराशा के अलावा कुछ नहीं!" आदम चुपचाप घूम रहे आकाश की ओर देखकर सिसकने लगा जो अपने टिमटिमाते सितारों के साथ तेजी से दूर चला जा रहा है। वह एक दर्द और बहते अंधेरे की सुनसान भूमि थी। "कैसी सज़ा इतनी गंभीर हो सकती है निराशाजनक दुनिया जहां केवल पाप और दर्द रहते हैं इसमें दर्द भरा जीवन जीने को अभिशप्त होना पड़ सकता है? यह जीवन क्या है सृष्टिकर्ता की क्षमा और प्रेम के बिना ? आशा और शाश्वत मोक्ष स्वप्न से रहित यह संसार क्या है ? कोई अनंत काल की आशा के बिना कैसे जी सकता है ,उस एक ईश्वर के साथ रहना जिसने हमें वह सारा प्यार दिया जो हम महसूस करते हैं, हमें वह सारी मित्रता प्रदान की जिसकी हमें कभी आवश्यकता हो सकती है, और जिसने हमें उत्पादक जीवन जीने के लिए सारा स्वास्थ्य और धन उपहार में दिया?"

जहां तक उसकी आंखें देख सकती थीं, वहां तक अंधेरा जंगल फैला हुआ था और उसने देखा कि शैतान ने जंगली जानवरों को पृथ्वी पर उसपर हमला करने के लिए उकसाया और प्रशिक्षित किया था। भय और सावधानी ने उसके हृदय पर अधिकार कर लिया।
आदम उसके बीच से भयावह संगीत सुन सकता था, उसने जंगली आंखों वाले कुछ प्राणियों को उसके आसपास देखा। उसने उनके साथ एक बहिष्कृत शत्रु की तरह व्यवहार किया और अपना रास्ता बदला। कीचड़ से सनी पहाड़िया फैली हुयी थी और अप्रत्याशित स्थानों से हरी पत्तिया ऊग आई थी।

उसने सोचा इस दुनिया में ऐसी दयनीय परिस्थितियों में रहने से ज्यादा किस प्रकार का जीवन इससे अधिक भयानक हो सकता है, जहा ब्रह्माण्ड का रचयिता उससे अत्यंत अप्रसन्न था? क्या हम सबको मरना नहीं पड़ेगा? ओह, आदम जानता था

मृत्यु किसी भी क्षण उसके पास आ सकता है, और किसी भी मिनट और कोई सेकंड उस पर धावा बोल सकता है ! फिर उसके जीवन में शाश्वत आशा के अलावा क्या बचेगा, के दयालु ईश्वर में उसकी आत्मा बचाएगा ।

आदम का दुःख

जंगल की गहरी गर्जना पेड़ो के बीच की दरारों से गूँजती थी । कठोर रेतीले टीले एकांत में आगे तक फैले हुए थे। आदम ने स्वर्ग की ओर देखा और रोया। "मेरे परमेश्वर! आपने मुझे प्रेमहीन और असभ्य समझा? क्या आपने मुझे कृतघ्न समझा है? क्या अपने मुझे विश्वासघाती समझा है जो उस व्यक्ति से दूर पलट जाता है जो देता है और उसके प्रति वफादार रहने का प्रयास करता है जो लेता और धोखा देता है? नहीं, हे प्रभु, मैं किसी और से नहीं आप से प्रेम करता हु ! ये दर्द, ये धोखा और ये अकेलापन बहुत सज़ा है , हे मेरे आत्मा के परमेश्वर! क्या आप मुझे नरक के नरक में जलाने वाले थे?

, तब वह निर्दयी दर्द इससे बहुत कम होता! सचमुच, मेरे पाप महान हैं लेकिन आपके जैसे शक्तिशाली और दयालु इश्वर के लिए मुझे क्षमा करना आसान होगा! आप, जो इसके ब्रह्मांड और अरबों आकाशगंगाओं के मालिक हैं, मेरे जैसा एक तुच्छ प्राणी

को माफ करने में असफल नहीं हो सकते ! आपके अलावा मेरी दलील का जवाब देनेवाला मेरे पास कोई नहीं है!” जैसे ही आदम ने प्रार्थना की, उसने कि क्या ईश्वर

उस पर दया बरसाएँगे। क्या इश्वर मुझे दया के अयोग्य समझेंगे? क्या वह मुझे सबसे बेइज्जत और अपमानित और अशोभनीय प्राणी समझेगा जिसने उसके साथ विश्वासघात किया था। क्या वो मुझे उनके प्रेम के योग्य नहीं पाते? क्या वह मुझे नहीं ढूंढेगे ? क्या वह मुझे स्वर्ग और अनंत काल की शांति और खुशी मिले इतना सम्मानजनक नहीं समझेंगे ? एडम एक बार फिर चिल्लाया। "मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर आप दें, हे दयालु प्रभु! मेरी विनती मत टालो, क्योंकि आपके सिवा मेरे पास याचना करने को कोई नहीं है! हे इश्वर , मेरा दिल आपका है, भले ही मैंने गलती की है! मैंने आपके सिवा किसी से प्रेम नहीं किया, और मेरे सच्चे पश्चाताप को स्वीकार करो
और उस पापी को क्षमा कर दो जो असहाय है और जिसका आप के सिवा कोई सहायक नहीं है!"

आदम ज़मीन की शुरुआती ठंड से कांप रहा था, जैसे उसने अपने सामने पहाड़ की ढलान देखी। उसने मूक स्वरों में ईश्वर से बात की। "मैंने तुम्हें कभी आपको धोखा नहीं दिया! मैंने कभी आपको कभी अस्वीकार नहीं किया! मैंने कभी भी आपके अस्तित्व की अवहेलना नहीं की है! हे मैने क्या किया ?! मैंने फिर कौन सा पाप कर दिया इश्वर के प्रति जिसने मुझे बनाया? ओह, मैंने अपने साथ कितना बड़ा विश्वासघात किया है हे प्रभु, उस झूठे व्यक्ति के अस्थायी प्रेम के लिए जिसका प्रेम लड़खड़ाता है और दिन-रात बदलता रहता है? मैंने यह कैसा भयानक कृत्य किया है ऐसे जीवनसाथी को खुश करने के लिए जिसका प्यार इस अजीब दुनिया के मौसम के अनुसार बार-बार बदलता है? हे मेरे शरीर और आत्मा के निर्माता! देखें उस दर्द की गहराई जो मेरे दिल को झकझोर देती है और किसी दिन तुम्हारी दया से मुझ पर दया करो। मुझे जो यह दर्द महसूस हो रहा है वह वास्तव में सबसे गंभीर है, हे मेरी आत्मा के स्वामी! मेरी मूर्खताएँ माफ कर दो! इंसानों का प्यार ने मेरे साथ क्या किया? इंसान से वफ़ा ने क्या कर दिया जो मैं उस ईश्वर को भूल गया जिसने सबसे पहले मुझे यह प्यार भेजा था?"

दिन हफ़्तों में बदल गए लेकिन आदम की पीड़ा और विलाप कोई अंत नहीं देखा! "नहीं, मेरे इश्वर !" आदम ने बार-बार दोहराया। “यह मत सोचो कि मनुष्य बुरा है! विश्वास मत करो कि आदमी कृतघ्न है। हे ईश्वर! सचमुच, मनुष्य तुमसे नफरत नहीं करता! मैं केवल आपसे प्रेम करता हूं और पूजा करता हूं ! मेरे अपराध क्षमा करो और मुझे शैतान को सुनने के लिये क्षमा करो ! सचमुच, तू ही सबसे दयालु है!” उस पश्चात्ताप से जिसने उसके हृदय को विदीर्ण कर दिया उसे दर्द हुआ! "हे प्रभो!" आदम रोया “मैं आपसे न तो नफरत करता हूं और न ही मैं कृतघ्न हूं! मैंने सचमुच ग़लती की, और मेरा कभी भी आपकी अवज्ञा करने का और अपना क्रोध अर्जित का इरादा नहीं था !” अफसोस, वह अब क्या पश्चाताप कर सकता था? वह क्या पश्चाताप प्राप्त कर सका? उस परमेश्वर को कैसे पुकारें जिसके साथ उसने विश्वासघात किया था? वह ईश्वर जिसने मनुष्य के प्रेम में आशा खो दी होगी, क्योंकि पहले मानव जो सृजा गया था उसने प्रचुर धन, शक्ति और सम्मान प्राप्त करने के बाद उसकी निर्माता की अवज्ञा की थी ।

आश्चर्यजनक रूप से कम समय में,आदम एक अधेड़ उम्र के आदमी में बदल गया था

, जो आगे की ओर झुककर चलता था और आँसुओं से भरी आँखों से दुःखी होकर देखता था । अपराधबोध में जो शर्म थी उससे इस जीवन में उनकी सारी उम्मीदें खत्म हो गईं। आँसू दिन और रात ख़त्म नहीं हुए ! अपराध बोध ने आदम को हर तरफ से डुबा दिया

लेकिन इश्वर ने पहले ही अपने अंतिम नियम में घोषणा कर दी थी: "लेकिन जो लोग बुरे काम करते हैं, वे फिर तौबा करें और विश्वास करें, वे ऐसा करेंगे तो अपने प्रभु को क्षमाशील और दयालु पाएंगे ।" (अंतिम नियम, 7 :153)

उसके आत्म-धिक्कार से उसके हृदय में असहनीय पीड़ा उत्पन्न हुई, और अंतरात्मा की पीड़ा ने उसके लिए जीवन जीना कठिन बना दिया इस दर्दनाक अस्तित्व में जहां ब्रह्मांड के इश्वर ,निर्माता जिसने उसे धूल के एक कण से बनाया लेकिन अब सोचा

उसे झूठे दिल वाला है । वास्तव में, इश्वर ने अवश्य ही उसके बारे में सोचा होगा

उसने प्रेम नहीं किया। आदम उसके गालों पर आँसुओं की ताज़ा धार के रूप से काँप उठा । अरे क्या इश्वर ने मुझे लापरवाह समझ लिया,झूठे हृदय वाला मनुष्य, जो केवल अपने रचयिता से सशर्त प्रेम करता था , और आसानी से अपने ईश्वर की अवज्ञा करता है और शैतान के मनहूस शैतान के सस्ते वादों का पालन करता हैं?

आदम अपने कार्यों पर रोया, यहाँ तक कि उसने अपने स्वर्ग के नुकसान पर शोक भी व्यक्त किया! उसने अपने दुख पर विलाप किया और इश्वर की क्षमा की लगभग आशा खो दी , जैसे सप्ताह महीनों में बदल गए और महीने साल में बदल गए।

आदम हव्वा और उसकी बुरी सलाह के बारे में सोचना बंद नहीं कर सका!

वह परमेश्वर की अवज्ञा करके उसकी आज्ञा कैसे मान सकता था?

अश्रुपूरित नेत्रों से उसने एक दोहा कहा , वह अपने हृदय में प्रेम रखता था:

"हे प्रियजन, मैं अपनी पीड़ा में क्या कर सकता हूँ -
तुम्हें उस दिल से प्यार करने के लिए जो मैं तुम्हारे लिए रखता हूँ?
तुम्हें ये उदासी क्यों नज़र नहीं आती,
या मुझ पर पड़े ये दर्द महसूस नहीं होता ?
तुम दिन के उजाले में सूरज से भी ज़्यादा गोरे थे,
और वसंत के आनंद से भी अधिक सुंदर,

और मैंने अपना दिल और आत्मा तुम्हें बेच दी,
परन्तु केवल एक धोखेबाज़ का दृष्टिकोण प्राप्त हुआ!
मेरे लिए तुम्हारे अंदर का प्यार ख़त्म हो गया था,
समुद्र पर एक यात्री के चुंबन की तरह;
मैं फिर कभी देह की खोज नहीं करूंगा!
ओह, उसने वह दिल तोड़ दिया जो उसे लेना था,
अब मेरे कड़वे हृदयविदारक को कौन ठीक करेगा ?
उसने मेरा भरोसा तोड़ा जो कभी वापस नहीं आएगा,
ओ प्यार के खोए हुए साल तिरस्कार में बदल गए हैं!
उसने मेरा सारा प्यार, आशा और आँसू तोड़ दिये!
उसने उस दिल को धोखा दिया जो वर्षों से उसका था!
प्रेम और वासना से दूर, मैं लक्ष्य करके चलता हूँ,
मानवीय भावनाओं दूर रहनेका !
क्योंकि सारे नश्वर प्रेम के साथ, मुझे दमन करना आवश्यक नहीं है,
जब पृथ्वी के जंगल में इश्वर के लिए रो रहे थे,
क्योंकि मेरे रचयिता का मानव जाति से प्रेम सच्चा है,
और वह उस पापी को क्षमा कर देता है जो उसे पुकारता है!

अब आदम और हव्वा दोनों के साथ पृथ्वी पर दुखी देख , शैतान आनन्दित हुआ, लेकिन उसके मन में नए सिरे से डर छा गया उसने सोचा कि यदि आदम जैसे मनुष्य आंसुओं से पश्चाताप करेंगे तो ईश्वर उन्हें क्षमा कर सकता है । बिजली के झटके की तरह, उस पर आतंक प्रहार किया गया, यह कल्पना करते हुए कि आदम और उसके बेटे को दयालु इश्वर के सामने रोने से स्वर्ग में दाखिला मिल सकता है क्युकी इश्वर उन्हें माफ कर सकते है । “नहीं!” वह अश्लीलता से चिल्लाया “ मुझ पर अभिशाप और विपत्ति आ पड़े यदि मैं एक मनुष्य को इश्वर माफ़ कर देते हैं!” दृढ़ समर्पण के साथ, शैतान ने
आदम और उसके बच्चों से बदला लेने की कसम खाई। उसने ऊपर शांत आकाश देखा

और स्वर्ग की ओर मुख करके वह पागलपन से चिल्लाया। “मैं दिखाऊंगा कि ये सूअर कितने गंदे जीव हैं ! आपने उन्हें मिट्टी और गंदगी से बनाया है, और उन्हें स्वर्ग में शानदार महलों की पेशकश की, और उन्हें इसे श्रेष्ठ समझा हैं! मैं आपको दिखाऊंगा कि आप कितने गलत हो।”

शैतान ने विस्तृत योजनाएँ बनाईं के और उसके बच्चो को कैसे गुमराह किया जाए , लेकिन इश्वर ने अपने अंतिम वसीयतनामा में मानव जाति को याद दिलाया : “हे आदम के बच्चों! शैतान तुमपर मुसीबत न ले आये, जब उसने तुम्हारे माता-पिता को बगीचे से बाहर निकाल दिया, उन्हें उनकी नग्नता दिखी ।

वह और उसके साथी, वास्तव में आपको देखता है ,जहाँ से तुम उन्हें नहीं देखते हो। वास्तव में, हमने ही शैतान को उन लोगों के संरक्षक बनाया है जो विश्वास नहीं करते।” (अंतिम नियम, अध्याय ऊंचाइयां, श्लोक 27)

शैतान अपने ही चेहरे पर मुट्ठियों से वार करते हुए भयंकर चिल्लाता रहा “हे ब्रह्मांड के राजसी इश्वर ! तुम्हारी मिट्टी से बने मनुष्य कहलाने वाले प्राणी अब तक अस्तित्व में आई सबसे घिनौनी चीज़ हैं। कुछ मायावी चालों के बदले में, वे मेरी पूजा करते हैं और मुझे प्रसन्न करने के लिए सभी प्रकार के घृणित कार्य करते हैं। ये इन्सान जिन लोगों के सामने मुझे झुकने का आदेश दिया गया था वे और कुछ नहीं वो सूअर जो मैदानी इलाकों में बीमार कुत्तों की तरह नग्न घूमते हैं वे एक-दूसरे के गंदे शरीर के अंगों की लालसा करते हैं, और तांडव करते है ताकि बाकी लंपट इंसान देख सकें।” अपने अंदर नफरत और निराशा के दंश को जलते हुए महसूस कर , शैतान लगातार चिल्लाता रहा। "यदि आदम के उन अपवित्र पुत्रों में से एक भी स्वर्ग में जाये तो तो मेरे लिए नरक की आग होगी । मैं उन्हें नरक की सज़ा से बचने नहीं दूँगा! वे गूंगे और बदबूदार लोग आसानी से मुझे खुश करने के लिए सैकड़ों बच्चे वध कर

देंगे , यह जाने बिना कि मैं उनके सबसे तीव्र नापसंदगी रखता हु ! फिर मैं देखूंगा यदि आप अब भी उन्हें मुझसे अधिक प्यार करते हैं! यदि आप स्वयं को न्यायसंगत कहते हैं, यदि आप दयालु ईश्वर हैं, फिर भी मैं आपको अभी भी उन्हें क्षमा करने की चुनौती देता हूँ! आप अपनी राजसी महिमा और करुणा में कैसे उन दुष्ट और पापी मनुष्यों को क्षमा कर सकते हो , जो अत्याचार करते हैं और हजारों निर्दोषों को मारते हैं और माता-पिता के धड़कते दिलों को काट डालते है और उन विद्रोही शरीर के अंगों को खाते हैं? ये नहीं हो सकता! लानत है मुझपर अगर उन्हें माफ कर दिया जाए तो !" नफ़रत और गुस्से की आंधी में, अज़ाज़ेल ने हवा को तेजी से काट दिया , अपना गुस्सा निकालने की घटिया कोशिश की ।

इस बीच, आदम का पश्चाताप और माफ़ी अंतहीन थी। वह अपने प्रभु के सामने अपने प्यार और कृतज्ञता को साबित करने का मौका पाने के लिए पछताया । उसने बहुत दुःख व्यक्त किया कि इश्वर शायद उसके बारे में सोचे की वो और उसकी पत्नी कृतघ्न है आंसुओं से आहें भरते हुए, उसने दिन-रात प्रार्थना की । उन दुर्भाग्यपूर्ण दिनों में उसके शब्द कितने दयनीय थे ! वह कितने अश्रुपूर्ण वाक्यांश कह गया , कोई भी मानवीय कल्पना कभी भी अनुभव या कल्पना नहीं कर सकता ।

अफ़सोस! यदि केवल उसने अपनी पत्नी के प्यार के आगे घुटने नहीं टेके होते और
उसकी सलाह ना मानी होती ! हे दुःख! आदम ने चुपचाप उनकी स्मृति से कविता सुनाइ :

"हे प्रिय, क्या तुम्हारे पास पश्चाताप की एक झलक महसूस करने का हृदय है,
उन लाखों लोगों के लिए जिन्हें फंसाया गया, यहां तक कि उनकी अर्थी तक;

या वे हजारों जो तेरे दासों के हाथों कष्ट सहे,
जिनके शव ठंडी गुंबददार कब्रों के अंदर छिपे हुए हैं,
जिसने आपके भ्रमित दासों की झूठी दुनिया की निंदा की,
और वे जो जंगली समुद्री लहरों के नीचे मर गये?

प्रेम एक छूत है, एक रोग है जिसे रोकना है,
जिसे कोई भी मनुष्य टाल नहीं सकता या कानूनी रूप से प्राप्त नहीं कर सकता,
प्रेमी की ईर्ष्या और अभिमान इच्छानुसार प्रसन्न होते हैं,
और, हजारों तीरों की तरह, अपंग करते है और मार डालते है ,
जो मासूम उसके अभिशाप के पास रहते हैं,
जब प्रेमी तलाक लेते हैं तो वे नष्ट हो जाते हैं!"

आँसुओं की धार के कारण बोलने में असमर्थ, आदम सिसकने लगा और उस घड़ी के बारे में सोचा जब उसने पाप किया था और निर्माता का उस पर भरोसा तोड़ दिया था

. "हे इश्वर ! क्या तुम उसे माफ नहीं करोगे जो तुम्हारे विरुद्ध गलत किया और तुम्हारी अवज्ञा की और इश्वर और स्वामी के रूप में उसके अधिकार तोड़ दिए ? हे मेरे आत्मा के स्वामी! मुझे शैतान के समान, कृतघ्न और विश्वासघाती समझते है उसके प्रति जिसने उसे सब कुछ दिया?

अत्यधिक रोने के कारण जब आदम लगभग बेहोश हो गया तब स्वर्ग में घूमने वाली पंखधारी मंत्री आत्माओं ने आदम को आराम देने का का प्रयास किया। उन्होंने आदम को यह भी चेतावनी दी कि शैतान कैसे शराब और अन्य प्रकार के मादक पेय पदार्थों का उपयोग करके उन्हें गुमराह करने की योजना बना रहे हैं। "अफसोस! शैतान के पास पेड़-पौधों के बारे में गहरा ज्ञान है , और उसने तुम्हें गुमराह करने की ठान ली है

बच्चे शराब का सेवन करते हैं, क्योंकि वास्तव में, सभी प्रकार के नशीले पदार्थ बुराई की जननी हैं, क्योंकि वे मनुष्यों को हानि पहुंचाते हैं क्या सही है और क्या गलत, यह भूल जाते है । वह जानता था अगर हव्वा नशे में धुत हो गई, वह उसका विरोध नहीं कर पायेगी । इसी कारण शैतान ने तुम्हारे स्वर्ग में प्रवेश कर गया और तुम्हारी पत्नी को वर्जित वृक्ष के फल का किण्वित रस पीने के लिए मजबूर किया। सचमुच, इस मूर्खता के कारण आप दोनों को स्वर्ग छोड़ना पड़ा , परन्तु निराश मत हो , क्योंकि पृथ्वी पर परमेश्वर तुम्हें एक ऐसा राज्य देगा जहां शैतान के पास इंसानों या जानवरों को मारने या बचाने की कोई शक्ति नहीं होगी। दरअसल, मनुष्यों के प्रत्येक पीढ़ी के साथ , परमेश्वर तुम्हारी सन्तान में से एक पैगंबर भेजेगा जो पवित्र और ईश्वरभक्त होगा । वह लोगों को सही को गलत का फर्क करना सिखाएगा , और इसलिए, सभी महान लोगो को शराब पीने से मना करना चाहिए , क्योंकि वास्तव में यह प्रतिरक्षा प्रणाली को कमज़ोर करती है और निमोनिया और तपेदिक जैसी बीमारियाँ होती है ,नाजुक इंसानों को घातक बना देती है । न केवल नशा आपके बच्चों की मानसिक स्थिरता के लिए हानिकारक हो सकता है इससे उन्हें अनकहा शारीरिक कष्ट भी होगा। वे कई प्रकार की बीमारियों से पीड़ित होंगे, जैसे लिवर कैंसर, एसोफेजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और कोलोरेक्टल और गर्दन का कैंसर । परन्तु शैतान नशे को लोगों का जीवन में इतना आम बना देगा , कि मादक पेय पीना आपके कई बच्चों के लिए सामाजिक परिदृश्य का एक नियमित हिस्सा बन जाएगा और यह उनके विनाश का कारण बनेगा। अफसोस, अगर वे ये जानते शराब के सेवन से उन्हें कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ेगा विकलांगताएं और अपूरणीय सामाजिक क्षति पैदा करना, इत्यादि । महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें दयालु प्रभु की अप्रसन्नता अर्जित करनी होगी!”

यहाँ तक कि जब स्वर्गदूतों ने धीरे से बात की, तब भी आदम को घबराहट महसूस हुई

आशंका हुई और दुख के तनाव को महसूस किया जो उसके दिल को झकझोर रहा था । अपने रोने पर , आदम का कोई नियंत्रण नहीं था। वह ऐसे रोया जैसे बच्चा, ज़मीन पर गिर रहा है, और आँख मूँद कर कंकड़-पत्थर वाले रास्ते पर लड़खड़ा रहा है । उसके सामने डर के ताजा तनाव और अकेलेपन ने उसे घेर लिया। उसे अज्ञात के भय से खतरा महसूस हुआ और यह भावना उससे भी अधिक भयानक थी जो उसने कभी अनुभव किया हो। वो कैसी यातना थी अकेलेपन का तीव्र दर्द, कोई मित्र न मिल पाना या न होना या अपना दुःख बाँटने के लिए किसीका भी ना होना ! घोर अकेलेपन ने उसे हर तरफ से घेर लिया जैसे उसके दिमाग को निराशा और सबसे भयंकर भय नष्ट करने की धमकी दी जा रही है। अफ़सोस, क्या उससे पहले भी कोई था वह जो इस अमित्र दुनिया से इतना डरता था?! कोई आत्मा थी इससे पहले कि उसे इतनी गहरी चोट लगी हो । जहां अपराधबोध और उदासीदोनों ने उसके हृदय को घेर लिया और इतने समय तक उसे अपने जीवन में उन कष्ट भरे दिनों में जीवित रहने की कोई आशा नहीं दिखी? वह एक बच्चे की तरह सिसकने लगा। "ओ इश्वर! दयालु और मधुर इश्वर ! मैंने अकेले ही तुम्हारे साथ अन्याय किया है! अकेला मैंने आपके विरुद्ध पाप किया है! मैं ही दोषी हूँ!"

इस धरती के घर में रहने वाले कबूतरों ने न तो आदम को आकर्षित किया और न ही
क्या जीव-जंतुओं या वनस्पतियों के भंडारों ने उसे अपने दुखद दुर्दशा के बारे में भुलाने दिया । आदम को चांदी के पंखों वाले पक्षियों की याद आई जो स्वर्ग की धाराओं के साथ चमकते औरस्वर्ग के ऊपर उड़ते थे । यहाँ मृत्यु के अंधकारमय पूर्वानुमान और विनाश पर ध्यान देने के अलावा उसके पास करने के लिए कुछ नहीं था । ओह, वह संगीत की धुनों पर कितना क्रोधित था जिसने होश उड़ा दिए! वह हर हवा और तार वाले वाद्‌यंत्र से घृणा करता था जिनका प्रयोग शैतान ने हव्वा का

ध्यान इश्वर की याद से भटकाने के लिए किया था । वास्तव में, उसने उसे प्रेरित किया था शैतान की
शापित की सम्मोहक धुनों से प्रभावित होने के लिए । आह, लेकिन आदम एक सम्माननीय व्यक्ति था, और अपनी मूर्खता के लिए उसने केवल स्वयं को ही दोषी ठहराया । लेकिन उसने संगीत नोट्स दोबारा कभी न सुननें का मौन संकल्प ले लिया।

आदम पृथ्वी के अकेलेपन से डरता था जहाँ अंत में मृत्यु निश्चित थी, और उसके दिल में, वह एक आसन्न कब्र की निराशा से डर गया था । वह उस दिन को कभी कैसे भूल सकता है जिस दिन उसका आनंद दूर हो गया और उसे एक ऐसी दुनिया में फेंक दिया जहां उसका इंतजार मूक और खाली कब्रें कर रही थी ?

जब इश्वर ने देखा कि शैतान एक अश्लील गाना गाता है और हव्वा में भावनाओं को जगाने के लिए कई अनोखे संगीत वाद्ययंत्र प्रयोग करता है, उन्होंने मानव जाति को संगीत के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी दी सभी प्रकार के संगीत वाद्ययंत्रों से बचने को कहा । “वहाँ एक आदमी है जो एक हास्यास्पद कहानी (संगीत, गायन) बिना ज्ञान के खरीद सकता है , मनुष्यों को परमेश्वर के मार्ग से बहका सकता है , और
वे उसी प्रकार हँसकर तिरस्कार कर सकते हैं: इन्हें लज्जाजनक कष्ट सहना पड़ेगा।” (अंतिम नियम, 31:6)

इश्वर क्रोधित हो गए और शैतान को स्वर्ग से बाहर निकलने का आदेश दिया
जब उसने आदम के सामने नम्रता दिखाने से इनकार कर दिया था।
शैतान राहत की गुहार लगाई औरइश्वर से उसे पुनरुत्थान के दिन तक जीने के लिए शक्ति देने के लिए कहा । "(इश्वर ने) उत्तर दिया निकल जाओ ! मैं तुम्हें मोहलत देता हूं: परन्तु उनमें से जो कोई तुम्हारा

अनुसरण करे , निश्चित रूप से नर्क में वह तुम्हारा उपहार होगा।
(अंतिम वसीयतनामा, 17:64)

अंतिम नियम के इस्राएल के बच्चों के अध्याय में, बाद में अज़ाज़ेल ने संगीत और अश्लीलता के गीत के बोल के माध्यम से मानव जाति को गुमराह करने का वादा किया
, परमेश्वर ने उत्तर दिया: "उनमें से किसी को भी अपनी वाणी से भरमा दो। और तू उन में से जितना हो सके अपनी वाणी से व्यर्थ लोगों को फुसलाना; और अपके सवारों समेत उन पर चारोंओर से आक्रमण करो ; और उनके धन और सम्पत्ति और बच्चो में उनके साथ भागी हो; और उनसे वादे करो; (लेकिन शैतान झूठे वादों के अलावा और कुछ नहीं दे सकता)।"

जब से शैतान हव्वा को अश्लील गीत और दिल को छू लेने वाली धुन का उपयोग करके फुसलाने में सफल हुआ, उसने पृथ्वी पर राज्य करने का संकल्प लिया और संगीत उद्योग पर पूर्ण नियंत्रण रखने का जहां वह किसी भी गायक से एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए कहते थे जो प्रसिद्ध होना चाहता था, प्रसिद्धि और धन के एक छोटे से क्षण के लिए जिसके बदले में वे उसे अपनी आत्मा बेच दें।

आदम और हव्वा द्वारा पाप से पश्चाताप करने के बाद, इश्वर ने उनके साथ एक पौधे को पृथ्वी पर भेजा ईश्वरीय करुणा और क्षमा का संकेत के रूप में, सर्वशक्तिमान ने निषिद्ध वृक्ष को आदम और उसके बच्चों के लिए एक अनुमेय फल बनाया । आदम के सच्चे पश्चाताप के कारण, परमेश्वर ने उसके प्रति किसी भी प्रकार की द्वेष भावना के कारण उसे नहीं रोका उसने पौधे को उसके वंशज का भोजन बना लिया। यह पेड़ वहां स्वर्ग के निवासियों के लिए एक परीक्षा था और परमेश्वर ने जानबूझकर इसे आदम के सामने रखा था ताकि उसे भगवान के आदेशों की याद दिलाएं, लेकिन अपनी संक्षिप्त त्रुटि के बाद, वह क्षण भर में

गलत काम करने वालों में से एक बन गया, लेकिन यह मानवीय भूल के कारण हुआ था और ईश्वर के आदेश की घोर उपेक्षा के कारण नहीं । अंतिम नियम के अंश में कहा गया है: “और पुराने ज़माने में हमने आदम के साथ एक वचन बाँधा था ; परन्तु वह इसे भूल गया; और हमें उसके उद्देश्यमें कोई दृढ़ता नहीं मिली।” (अंतिम वसीयतनामा, 20:117) हालाँकि, चूँकि आदम ने विस्मृति के कारण फल खा लिया , परमेश्वर उस पर क्रोधित नहीं हुआ, और आदम को प्रणाम करने से इन्कार करने के लिए अज़ाजेल की तरह उसे अपने देवता के क्रोध का सामना नहीं करना पड़ेगा ।

वे देवदूत जो आदम को स्वर्ग से बाहर ले गए थे और उसे धीरे से धरती पर नीचे उतारा था अब वह चले गए थे और वो अकेला था । भयानक भय उसके हृदय पर गहन अँधेरे की भाँति छा गया । वह फूट-फूट कर रोने लगा, अपने परमेश्वर को क्षमादान और राहत की मांग करने लगा । उसके प्रभु की ओर से आदेश का उल्लंघन करने के लिए वह शर्मिंदगी से अपराधबोध और व्याकुलता से त्रस्त था , और ईश्वर ने उसकी प्रार्थनाओं का उत्तर दिया और उसे आश्वस्त किया के पृथ्वी पर उसे एक मिशन पूरा करना था और भावी पीढ़ियों को ईश्वर के गुण सिखाना था ।

अंतिम नियम पुष्टि करता है कि आदम और हव्वा दोनों क्षण भर के लिए वे अपने प्रभु की आज्ञा के बारे में भूल गए और निषिद्ध वृक्ष का स्वाद चख लिया उसके बाद जो हुआ वह है इस प्रकार वर्णन किया गया है: “और उन दोनों ने उस से खाया, और उन्हें उनकी नग्नता दिखाई दी, और वे उन्हें ढकने के लिए बगीचे की पत्तियाँ की सिलाई करने लगे और आदम ने इश्वर की अवज्ञा की और गिर गया। बाद में उसके रब ने उसे याद किया और उसे माफ कर दिया और उसका मार्गदर्शन किया।

और (इश्वर) ने कहा, "तुम सब यहाँ से नीचे आओ, तुममें से एक एकदूसरे का शत्रु होगा इसके बाद मुझ से मार्गदर्शन तुम्हारे पास आएगा; और जो कोई मेरे मार्गदर्शन का अनुसरण करेगा वह गलती नहीं करेगा, और वह अभागा न होगा, परन्तु जो मुझ से फिर जाए , उसका जीवन वास्तव में दुख का होगा; और हम उसे (दूसरों के साथ) क़यामत के दिन अंधा करके इकट्ठा करो।"

वह कहेगा, "वह कहेगा, "ऐ मेरे रब, तूने ऐसा क्यों किया? मुझे (दूसरों के साथ) अंधा कर दिया? जबकि मैं दृष्टि से संपन्न था?"

वह (परमेश्वर) उत्तर देगा, "ऐसा ही है, क्योंकि हमारे चिन्ह सामने आए हैं।" और तू ने उनको भुला दिया, और तू भी उस दिन भुला दिया जायेगा । " इस प्रकार, हम उसे बदला देते हैं जो उल्लंघन करता है और अपने इश्वर रहस्योद्घाटन पर विश्वास नहीं करता है। और निश्चय ही आख़िरत की यातना इससे भी अधिक गंभीर, और अधिक स्थायी है।" (अंतिम नियम, अध्याय 20,श्लोक 120)

शैतान ने मानवजाति को नष्ट करने की करने का वादा किया, और पूरी कोशिश की
उन्हें नरक में भेजने की , लेकिन पुनरुत्थान के दिन, जब लोग उन्हें गुमराह करने के लिए शैतान को डांटेंगे, वह दोष अपने सिर पर लेने से इनकार कर देगा और कहेगा : वास्तव में, इश्वर ने तुमसे सच्चाई का एक वादा किया था और मैंने भी तुम से वादा किया था, परन्तु मैं ने विश्वासघात किया । मेरा तुम पर कोई अधिकार नहीं था सिवाय इसके कि मैंने तुम्हें बुलाया, और आपने मुझे जवाब दिया। तो, मुझे दोष मत दो, बल्कि अपने आप को दोष दो । मैं तुम्हारी मदद नहीं कर सकता, न ही तुम मेरी मदद कर सकते हो । मैं इनकार करता हूं तुम्हारा पूर्व कृत्य मुझे (शैतान को) इश्वर के भागीदार के रूप में मिलाने का है (दुनिया की जिंदगी में मेरी बात मानकर)। सचमुच, वहाँ मुश्रिकों और

ज़ालिमों के लिए दर्दनाक यातना है !" (द अंतिम नियम, अध्याय इब्राहीम, श्लोक 22)।

हालाँकि शैतान इंसानों को गुमराह करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा,लोगों में बुद्धिमान लोग जान लेंगे कि सभी मनुष्य मरे हुए हैं सिवाय उन लोगों के जिनके पास ज्ञान है ; और वे सभी जो ज्ञान रखने वाले सोए रहते हैं अच्छे कर्म करने वालों को छोड़कर; और जो अच्छे कर्म करते हैं, वे धोखा खाते हैं, सिवाय उन लोगों के जो ईमानदार हैं; और जो ईमानदार हैं वे हमेशा चिंता की स्थिति में रहते हैं। शैतान जिन चालों का उपयोग करना चाहता है उन्हें जानने से उन बुद्धिमानों को उसके जाल में फंसने से बचने से सहायता मिलेगी। ईश्वर के अंतिम नियम में घोषणा की गई, "और जो कोई परमेश्वर से डरता है और उसके प्रति अपना कर्तव्य रखता है, वह उसके लिये (हर कठिनाई से) बाहर निकलने का मार्ग बनाएगा। और वह उसे वह कभी कल्पना भी नहीं कर सकता था (स्रोत) प्रदान करेगा ।"

रोते हुए आदम ने अपनी आँखें स्वर्ग की ओर उठाईं और आसमान साफ और अंधेरा देखा । उन्हें आशा थी कि महादूत गेब्रियल प्रकाश का परिचित वस्त्र पहनकर उतरेंगे
और उसकी मोक्ष खबर की घोषणा करेंगे ।

लेकिन घुटने टेककर प्रार्थना करते समय भी, आदम को अँधेरे अशांत आकाश में आगे कोई रोशनी चमकती नहीं दिखी । परमेश्वर ने आदम को सचेत किया था कि
शैतान उन्हें बहकाना चाहता था, परन्तु आदम शैतान की चाल का विरोध नहीं कर सका । उसे शैतान की बात सुनकर निषिद्ध वृक्ष का फल खाने का पछतावा हुआ ।

अज़ाज़ेल को आग से बनाया गया था, और हालाकि उसकी तरह के लोग पृथ्वी पर उत्पात मचाने के लिए और एक दूसरे की हत्या करने में प्रवृत्त थे वह उन से भिन्न था

उसने परमेश्वर की सभी आज्ञाओं का पालन किया, और उसकी प्रार्थना कहने से कभी नहीं चूके । वह इश्वर पर यह प्रभाव डालना चाहता था कि वह सभी स्वर्गदूतों और अपनी जाति, छुपे हुए लोगों में सर्वश्रेष्ठ है , आग से बनाया गया । और इसलिए उसने पृथ्वीघूमने का संकल्प लिया , और हजारों वर्षों तक, वह हर कोने में साष्टांग प्रणाम करता रहा और दुनिया के कोने-कोने में, यह सुनिश्चित करते हुए कि इस ग्रह पर कोई जगह न हो जहा उसका माथा ज़मीन को छुए बिना ही रह गया ।
अज़ाज़ेल
इश्वर के सामने शेखी बघार कर कहना चाहता था कि उसका चेहरा पृथ्वी के हर देश की गंदगी छू गया है , उसकी भक्ति इतनी गहरी थी।

उसके अच्छे कार्य अनदेखे नहीं हुए और जल्द ही,... सेवा करने वाली आत्माएँ जो पृथ्वी और आकाश में उडती थी ,अज़ाजेल और उसकी धर्मपरायणता की सराहना करने लगी । उन्हें आश्चर्य हुआ कोई व्यक्ति अपनी प्रार्थनाओं और ध्यान में इतना दृढ़ कैसे हो सकता है ।

अज़ाजेल मानव जाति को नष्ट करने के अपने मिशन में अथक प्रयास कर रहा था
और सुनिश्चित कर रहा था कि एक भी पुरुष या महिला कभी इश्वर की कृपा और शांति और आनंद निवास में प्रवेश न करे। अब जब कि वह शैतान था , अज़ाजेल को पता था कि उसकी अभिशप्त आत्मा यातनागृह में फंस गई है और उसकी नियति हमेशा के लिए नरक में रहना है , लेकिन उसने ठान लिया था कि वहाँ अकेले नहीं रहेगा । शैतान अपनी शक्ति में सब कुछ करेगा यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर एक इंसान उसकी निराशा में उसके साथ शामिल हो, और जन्नत के सुखों से वंचित रह जाये । उसने भगवान को चुनौती दी और अपनी धूर्त क्षमताओं

पर घमण्ड किया, और निर्दोष और कलाहीन मनुष्यों को धोका देकर गुमराह करने की कसम खाई , परन्तु परमेश्वर ने भी उन प्राणियों को क्षमा करने का वादा किया जिन्हें उसने मिट्टी से बनाया था।
अंतिम नियम में, लोगों को शरण लेने का आदेश दिया गया और ईश्वर की शरण लें और शैतान की योजनाओं से सुरक्षा की तलाश करें। ईश्वर ने मानव जाति को निम्नलिखित प्रार्थनाओं को बार-बार दोहराने का निर्देश दिया अज़ाज़ेल की फुसफुसाहट से उनकी आत्माओं की रक्षा करने का आदेश। "और कहो, 'हे मेरे रब! मैं अपने को तेरे पास सौंपता हूं, शैतानों की प्रेरणा के विरुद्ध : और हे मेरे प्रभु, मैं ने मुझे तेरे पास सौंप दिया!
ताकि वे मुझ तक कोई हानि पहुंचा न सकें।" (अंतिम नियम , अध्याय विश्वासियों, श्लोक 96)

जब शैतान ने इंसान को गुमराह करने की अपनी योजना व्यक्त की, वह जानता था कि मानव जाति के बीच जो लोग उनके पापों के लिए इश्वर की क्षमा की तलाश करेंगे
और इसके लिए इश्वर से शैतान के विरुद्ध सुरक्षा की प्रार्थना करेंगे उससे प्रवंचनाएँ मुक्त रहेगी ।

अंतिम नियम में, इश्वर कहते हैं, “यदि शैतान से कोई बुरी फुसफुसाहट आती है
बचो, फिर तुम परमेश्वर की शरण लो। वास्तव में, वह सब कुछ सुननेवाला, जाननेवाला है।” (अध्याय द हाइट्स, श्लोक 200)।

शैतान को विश्वास है कि वह लोगों को गुमराह करने के अपने मिशन में सफल होगा
किया, क्योंकि उसने मान लिया था कि अधिकांश मनुष्य अपने निर्माता के प्रति कृतघ्न होंगे। शैतान उनसे पाप करवाने और ऐसे बुरे काम

करवाने में जो उनकी आत्माओं को नष्ट कर देगा मनुष्य के ईश्वर के प्रति कृतघ्नता पर निर्भर था ।

आदम को यह नहीं पता था कि मानव जाति की अनिवार्य आवश्यकताएँ हैं। वह
इसके लिए एक साथ व्यथित और भयभीत महसूस कर रहा था । ठंडक की पीड़ा, भूख की पीड़ा और प्यास की कठोरता जिसने उसे परेशान कर दिया। आदम अक्सर स्वर्ग के सुखद दिन याद करते थे, जहां वह हीरो के महलों में रहता था जो सोने के द्वारों से घिरे हुए थे। उनकी सम्पदाएँ विशाल थीं, और परिपक्व जंगलो ने उन महलनुमा आवासों को घेर लिया था और इसका आँगन साफ-सुथरा था ।हजारों मीनार-जैसी मीनारें थी ,इसकी स्वर्ग जैसी सेटिंग और सैकड़ों खूबसूरत गुंबदों से टावरों ने महल को एक स्वप्न भूमि जैसा बना दिया था , और आदम अक्सर विस्तृत लॉन और देशी बागों में स्वतंत्र रूप से वह बुर्ज़ वाले, ढंके हुए रास्तों को पार दौड़ लगाता था । उन भव्य महलों के भीतर के कमरे मनमोहक निजी थे रूबी-पैनल वाली दीवारों और एक गुंबद के साथ विश्राम स्थल उड़ते फूलों और सफेद रोशनदान के साथ नीलमणि छत थे ।
उनके स्वागत कक्ष और शयनकक्ष नियुक्त किये गये थे मूल सोने के दरवाजे और चांदी के फर्श, और विशिष्ट रूप से सजावटी छतें, और धुआं रहित रोशनी थी । हर दिशा में दूर कांच की सीढ़ियाँ फैली हुई हैं , जबकि अदृश्य मार्ग और छायादार तोरणद्वार भव्य रूप से सजाए गए महल से जुड़े हुए थे अंतरंग आंतरिक आंगन का हॉल संगमरमर से सजाया गया है । आदम जहाँ भी गया, उसे अनगिनत तैरती वनस्पतिया मिली और जीवों से भरे लटकते हुए बगीचे, फव्वारे, हीरे की टाइल वाली छतें, और पन्ना पुष्प। मिले ! लेकिन वो सब ग्लैमर ख़त्म हो गया था, और वह धरती पर नहीं था!

अफ़सोस, जब स्वर्गदूत एक-एक करके चले गए, तो वह भयभीत हो गया

उनके उज्ज्वल पंखों से खुशी की चमक फीकी पड़ गई और जैसे तूफ़ान से घिरे समुद्र में नाविक को ऐसा महसूस हुआ मानो कोई जल रहा हो उसके हृदय में दुःख की मशाल जल उठी और वह पृथ्वी के केंद्र पर बिल्कुल अकेला रह गया ।

शैतान इस व्यवस्था से नाखुश था, और उसने आदम की सन्तान को धोखा देना शुरू कर दिया , उन्हें ऐसे पाप में लिप्त करना जो पुण्य जैसा प्रतीत हो, और सुनिश्चित किया कि उन्हें पाप की हर ज्यादती से परिचित कराया जाए ।

अज़ाज़ेल को अब उसके नाम से संबोधित नहीं किया जाता था, क्योंकि वो अब
अस्वीकृत, शापित और बहिष्कृत बन गया था और उसने उस पर किया गया अत्याचार उसे विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लिया , क्योंकि दुनिया में स्वायत्तता और इंसानों को गुमराह करना यह उसकी हार्दिक इच्छा थी ।

लाखों वर्षों तक, आदम की रचना से पहले, केवल अज़ाज़ेल और छुपे हुए लोगों की उसकी प्रजाति, इस धरती पर रहती थी और खुलेआम खून बहाती और एक दूसरे को तबाह करती थी । वे अकेले पाप की इस भूमि के नागरिक थे , जिसे स्वर्गदूत पृथ्वी के रूप में जानते थे ।

यह आदम के प्रति अज़ाज़ेल की जिद्दी द्वेष था जिसने उसे एक भयानक प्राणी बनाया । . इश्वर के आदेश के प्रति अपने कटु उपहास के साथ , उसने अपने लिए नरक के शाश्वत में एक स्थान सुरक्षित कर लिया था ।

वह निराश होकर भूमि पर अकेला चल रहा था ,वो किसी उद्देश्य के साथ चल नहीं रहा था , लेकिन केवल एक राहगीर के रूप में। प्रार्थनाओ के माध्यम से इश्वर से बात करना ही इस परिक्षेत्र से आशा की किरण

थीं। हालांकि दुःख की बाहों में घिरे आदम कोअपने मानव निर्माता के प्रति समर्पित होकर ईश्वर से अपनी मूर्खता और नश्वर कमजोरी की क्षमा माँगकर सांत्वना मिली ।

आदम केवल स्वर्ग में जीवन के बारे में जानता था, और वहां उन्हें प्यास या भूख का अनुभव कभी नहीं हुआ था और न ही उन्हें कभी खुद को राहत देने की जरूरत नहीं हुयी । यह पाताल था, प्राचीन स्वर्ग से लाखों प्रकाश वर्ष दूर, एक रसातल जो अँधेरा और अकेला था , एक घर जिसमें उससे पहले कोई आदमी नहीं रहता था जो कीड़े-मकोड़ों और जानवरों का अखाड़ा था , जिसे अग्नि प्राणियों का छुपे हुए लोग का अखाड़ा कहा जाता है । उसके लिए, वह भयावह निराशा की स्थिति में था उसने सोचा कि इश्वर इन राक्षसों का शाश्वत क्रम निंदनीयों से अनुपस्थित होंगे । नीचे मनुष्य की यात्रा में अनुपस्थित होना, एक समय विकार है।

अकेलेपन की पीड़ा इतनी अधिक थी कि उसने अपने शरीर में होने वाली भूख की पीड़ा पर शायद ही ध्यान दिया हो। धूप से घिरी लहरें शोर मचाते हुए उसके स्वर्गीय दिनों की अनंतता की याद दिला रही थीं, और इस धारणा के साथ उसकी आंखों में आंसुओं की नई लहर दौड़ पड़ी। ओह, वह चाहता था इस धरती को छोड़ दो जो द्वेष और घृणा से भरी हुई थी, और एक बार फिर अनन्त उज्ज्वल स्वर्ग में जिए । उदासी से कदम आगे-पीछे बढ़ाते हुए , आदम को लगा जैसे उसका दिल जोरों से धड़क रहा हो, वह अपने उन्मत्त दुःख में मर सकता है।

स्वर्ग आदम का घर था, शांति और समृद्धि ने कभी उसे विफल नहीं किया । जब उसे सबसे छोटे उपहार की इच्छा होती तो वह बस अपना पुत्रवत हाथ आगे बढाता और
उसके मन में इसकी इच्छा करता , और स्वर्ग का चमत्कार से अपने हृदय की इच्छा प्राप्त हो जाती । वह आनंद ले रहा था, स्वप्नलोक की दुनिया ने उसे शाश्वत सुख के इस जीवन में हर तरफ से घेर लिया था ।

आदम को दिए गए अनूठे उपहारों ने उसके जीवन को एक अद्‌वितीय चमत्कार और आश्चर्य प्रदान दिया गया । उसे सभी चीजों का ज्ञान था, और सभी भाषाओ के अक्षरों में शिक्षित था और यहाँ तक कि सभी पत्राचार की सामग्री भी जानता था । इस जटिल ज्ञान के कारण वह स्वर्गदूतों से भी आगे निकल गया यहाँ तक कि अज़ाजेल जैसे मामूली हैसियत वाले प्रखर वक्ता को भी।

यद्‌यपि सर्वोत्तम गुणवत्ता की चीनी मिट्टी से निर्मित, आदम अपने आकर्षण में अद्‌वितीय था, और वह बहुत निडर था,एक दयालु आत्मा, कि स्वर्गदूतों ने उसके अप्रभावी काले शारीरिक पहचान के पीछे देखना शुरू कर दिया और उसकी प्रशंसा करने लगे।

उसके बाल आबनूस जैसे काले थे, लेकिन घने बालों में ऐसी चमक थी ऐसे ताले जिन्हें देखने वालों की प्रशंसा से सांसें थम जाएंगी । आदम के पास एक चमकदार दिल और एक ऊर्जावान आत्मा थी, वह हँसी और गाने से गूंज रहा था। उसे जो वर्जित नहीं हैं, उन राग की व्याख्या सुनाने में मजा आता था । शायद ही कभी वह अपने शांत परिसर तक ही सीमित अपने स्वर्ग में रहा हो, आदम अपने आस-पास के स्वर्गदूतों का स्वागत चमकदार दांतेदार मुस्कान से करता था , और विशाल विस्तार के चारों ओर एक बच्चे के रूप में स्वतंत्र रूप चक्कर लगाता था ।

आदम बार-बार स्वर्गदूतों को देखकर मुस्कुराता था और यहाँ तक कि अज़ाज़ेल की भी प्रशंसा करता था, शैतान के मन में उसके प्रति नफरत के बावजूद। आदम को अपने भोजन और फलों को स्वर्गदूतों के साथ साझा करना पसंद था , अक्सर शापित शैतान को कुछ भेंट करता । सचमुच, इतना सरल और वह बच्चों जैसा आदमी था कि वह हर किसी से प्यार करता था, यहां तक कि अपने शत्रुसे भी । उसकी बड़ी-बड़ी काली आँखें गर्मजोशी और जिज्ञासा से चमक रही थीं।

आदम के मुट्ठी भर काले बाल उसके कंधे से ऊपर गिर गए और छल्ले उसके कान के पीछे आराम कर रहे हैं। उनकी विशेषताएं नाजुक से अधिक दयालु थीं , फिर भी बड़ी अभिव्यंजक आँखें और बच्चों जैसी मुस्कुराहट उत्सुक भावना को व्यक्त करती है। वह
अपने सामने आने वाले हर व्यक्ति से प्यार करता था, और बाकी सभी देवदूत की तरह
, अज़ाज़ेल इतने काले छोटे प्राणी का उत्साह देखकर चकित रह गया। आदम ने अज़ाज़ेल के लिए एक त्वरित प्यार महसूस किया , और उत्सुकता से उसका सर्वश्रेष्ठ दोस्त माना । ओह, आदम ने अज़ाज़ेल को खुश करने के लिए कितनी सख्त कोशिश की। उसे नहीं पता था कि यह आग से बना प्राणी उसके लिए कितना तिरस्कार रखता था ।

एक प्यारे बच्चे की तरह, आदम उत्साह की भूख से सब कुछ देखता रहा, और रुचि की एक वस्तु को देखकर, वह प्रसन्नता से बेदम बन गया ।

आदम खुशी-खुशी स्वर्ग की झाड़ियों के चारों ओर दौड़ा, जब उसने नई वस्तुओं को देखा तो उत्सुकता से उनका निरीक्षण किया, और भजन गाए, उसके समृद्ध जीवन के लिए परमेश्वर की स्तुति की । वह अक्सर सीखने में रहता था और चर्मपत्र के बीच बैठे
धर्मग्रंथों और पवित्र ग्रंथों को याद करता था । वह भाषाएँ और शब्द जानने के लिए उत्सुक था और खुशी से गायन का भरपूर आनंद लेता था , लेकिन इस उपलब्धि में भी वह एक बच्चे की तरह मासूम था और प्रत्येक घटना को विवेक के दिखावे के बिना जीया, और बिना तात्कालिकता के सहजता से उसके गीत के शब्द गाने के लिए जाने जाते थे।

अज़ाज़ेल के भीतर एक अविवेकी हृदय समाहित था, उसे केवल प्रसिद्धि और शक्ति की इच्छा थी, और एक संक्षिप्त क्षण के लिए, वह स्वर्गदूतों

की प्रशंसा प्राप्त करने से वह मंत्रमुग्ध हो गया था। उसे अपने आप को योग्य साबित कर अपने नेता बनने की प्रबल इच्छा से बहकाया गया और अब, आदम की रचना से सब कुछ बदल गया। अज़ाज़ेल की इच्छा केवल स्वार्थी विचारधारा के पास लौटने की थी जो अग्नि प्राणियों की प्रकृति का मूल था, और पाताललोक में अपना शासन शुरू करना चाहता था। अज़ाज़ेल ने झुकने से इनकार कर दिया , और उसका मन इस विद्रोह को कायम रखने के लिए पर्याप्त तर्क से स्वयं को सुसज्जित करने के लिए दौड़ पड़ा। उसने आदम से पाप करवाने की कोशिश की और उसे स्वर्ग से निष्कासित करने में सफल हुआ। पृथ्वी पर निर्वासित होने के बाद, आदमचारों ओर पृथ्वी को उदास दृष्टि से देखता रहा, और स्वर्ग की दिव्य चमक को याद करता रहा। कभी-कभार अपने सृष्टिकर्ता की असीमित उपकारिता के बारे में सोचकर आशा के विचार उसके कोमल, बचकाने चेहरे को सजीव कर देते थे।

लेकिन वह जानता था कि उसने गलती की है, और यह उसकी गलती थी यहाँ पृथ्वी पर, अकेला और सभी आराम और खुशियों से रहित रह रहा है। यह मानवीय कमजोरी ही थी जिसने उसके हृदय को जिज्ञासा और विस्मृति की जंजीरों में जकड़ दिया था।

निराशा की गहराई

आदम के पास अपना दुख व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं थे! सचमुच, ऐसा नहीं था

खूबसूरती से सजाए गए स्वर्ग ने उसे मंत्रमुग्ध कर दिया-बल्कि था , बल्कि अपने प्रिय निर्माता और राजा के निकटता के कारन उसने स्वर्ग में जीवन को प्राथमिकता दी ! अब, वह एक दूर का ग्रह जिसे पृथ्वी के नाम से जाना जाता है उस पर था, जहां केवल शैतान और उसके लोग हैं और उनकी संतानें निवास करती थीं- ऐसे प्राणी जो भयंकर आग से बने थे और जिसने उसे चोट पहुँचाने और उसके बच्चों को नुकसान पहुँचाने की कोशिश की! ओह, उसने अपने हृदय की डोरियों में पीड़ा महसूस की!

एक इंसान कैसे दयालु ईश्वर के प्रेम की आशा के बिना जीवित रह सकता है जिसने सबको बनाया?

उसकी बड़ी आँखें से कड़वे आँसुओं के अलावा कुछ भी नहीं बह रहा था। वास्तव में, पृथ्वी पर जीवन अनंत काल के लिए नहीं था, और सचमुच मृत्यु निकट थी और सबसे भयंकर भय उनका दुनिया के उस तरफ इंतजार कर रहा था !

जैसे आदम और हव्वा धरती की धूल भरी ज़मीन पर लेट गए और ईश्वर की तरफ रोने लगे; शैतान ख़ुशी से हँसा। उसने गर्व से मानव जाति की तबाही में उसका अपना हिस्सा याद किया। उसकी जीत आदम की त्रासदी थी। शैतान एक महान वक्ता था, और स्वर्ग से बाहर जाने से पहले, उसने पंख वाले स्वर्गदूतों की उपस्थिति में प्रेरक उपदेश दिये थे। सहजता और जीवंतता के साथ, उसने आदम के पुत्रों को बहकाने और उनसे पाप करवाने की योजना बनाई और पवित्र लेखों और मुकदमों को अपवित्र किया जब मनुष्य उनकी मृत्यु शय्या पर असहाय पड़े रहें, और जीवित शरीर पर भयावह घटनाएँ आएँगी, और आत्मा अनन्त पुनर्जन्म की ओर यात्रा करना शुरू कर देगी, और
असंगत रूप से भयावह आकृति प्रकट होगी और उनकी आत्मा के अवशेष जब्त कर लेगी, वही क्षण शैतान के होंगे वह अपना अंतिम कदम उठाएगा और विद्रोही मानव जो उसके विनाश का कारण था, वह कभी भी ईश्वर की कृपा में स्वर्ग में प्रवेश नहीं कर सके यह सुनिश्चित करेगा।

आदम फूट-फूट कर रोने लगा। "हे मेरे प्रभु तुम्हारे सिवा मेरा कोई नहीं है, , और मेरे पापों को क्षमा करने वाला कोई नहीं? स्वर्ग और पृथ्वी के हे दयालु भगवान! सचमुच, तू ने मुझपर और मेरी पत्नी पर दया की है, और तू ने मुझे जितना मेरे पास इच्छा करने की शक्ति थी, उससे कहीं अधिक दिया है, और फिर भी उल्लंघन किया, मैंने गंभीर गलती की। मैं,

जो कम से कम आपकी दया का पात्र हूं, अब आपसे क्षमा के लिए विनती करता हूं! हे इश्वर , मैं आपसे विनती करता हूं कि मुझे को क्षमा करें! मेरे हृदय की सारी धाराएँ भय और आशा से सराबोर होकर, मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ!”

भूरे आसमान में बिजली चमकने लगी, जैसे ही आदम को भारी बारिश का अहसास हुआ, जो उसके चेहरे पर, उसके नमकीन आँसुओं को धो रही थी । वह आंसुओं से लगभग अंधा हो गया जैसे ही उसने उसके बेतहाशा धड़कते दिल को सांत्वना देते हुए सांस लेने की कोशिश की । आदम ने उसकी और अधिक पीड़ा सहने की क्षमता से परे ईश्वर से प्रार्थना की कि वह उसे माफ कर दे और उसे इस अज्ञात दुनिया की भयावहता से बचाएं।

आदम के लिए पृथ्वी नई थी, और वह नहीं जानता था कि यहाँ कैसे खाया जाए या इस अजीब माहौल में कैसे जीवित रहें। वह आशंका से कांपते हुए अपने निर्माता से बात करने लगा । हे स्वर्ग और पृथ्वी, स्वर्गदूतों, छिपे हुए लोगों और मानव जाति के निर्माता परमेश्वर । “ओ इश्वर ! मानवजाति के निर्माता! इन अनोखे बादलों के और
इन शक्तिशाली पर्वतों के निर्माता! ओह, मेरे दयालु निर्माता ! मेरे पापों को क्षमा कर दो क्योंकि मैं ही दोषी हूँ!” रोते हुए आदम ने सोचा कि क्या उसका दयालु निर्माता उसे इतना योग्य पाता है कि उसकी क्षमा का पात्र बन सके?

उसने जंगल के पेड़ों को हसरत भरी नजरों से देखा और रोने वाली हवा जो उसके सिर के ऊपर से गरज रही थी उसे संबोधित किया। “हे कोमल और मधुर हवा! जब तुम मेरी अश्रुपूर्ण आँखों के पास से दौड़ते हो तो क्या तुम मेरे दिल में होने वाले दर्द को महसूस नहीं कर सकते? हे सुबह की हवा! क्या आप देख सकते हैं मेरे गालों पर आँसू बह रहे हैं?”

जैसे ही आदम सिसकने लगा, हवा तेज़ चलने लगी। उसे तेज़ बारिश का एहसास हुआ
जब वह उस भयानक मूर्खता के बारे में भूलने जो उसने की थी ,पहाड़ियों से ऊपर-नीचे दौड़ने की कोशिश कर रहा था, तो उसके चेहरे पर छींटे पड़ गए! उसने मासूम पक्षी ऊपर उड़ रहे थे उन्हें घुर कर देखा और सोचा काश वह छोटा पक्षी होता   जिसे कभी अपने ईश्वर की आज्ञा का उल्लंघन नहीं करना पड़ा! ओह आदम कैसे रोया और आश्चर्यचकित हुआ कि क्या पक्षी जो दुःख की धुनों को गा रहे थे वो उसके दर्द को समझते थे जब उसने अपने प्रभु से दया की प्रार्थना की।

ओह, आख़िरत के डर ने आदम के शरीर के रोम-रोम को कैसे हिलाकर रख दिया! आदम सावधानी से चल रहा था, यह देखकर चकित रह गया कि ज़मीन कैसी शान्त और स्थिर रह रही है जब की वह परमेश्वर के भय से हर कदम पर कांप और गिर रहा था ! आदम इस दुर्गम पृथ्वी की निराशा और डर से घिर गया और उसके निर्माता को पुकार लगायी !
“मेरे प्रभु और स्वामी! ब्रह्मांड के राजा! मैंने अकेले ने ही तुम्हारे साथ अन्याय किया है और मैं ही दोषी हूँ! जानते है कि मैं दुःखी हूँ और पश्चाताप कर चुका हूँ! हे कोमल वृक्ष और पहाड़ों! मैंने गलती की है और अपने निर्माता से क्षमा चाहता हूँ!
उस प्रभु की गवाही दो जिसने सब कुछ बनाया और उससे विनती करो मुझे माफ़ करने के लिए!”

जैसे ही आदम रोया, उसके गालों से कड़वे आँसू बहते रहे। "हे इश्वर! मुझे अपनी पूजा करने और मेरे शेष दिन तेरी पूजा स्मरण और अनिर्दिष्ट धार्मिकता में खर्च करने का एक और मौका दें !” आदम ने सोचा, अफसोस, उसका क्या हाल हो गया शैतान की बुरी सलाह सुनी और अनुग्रह से गिर गया। वह और हव्वा कैसे उनके विनाश को टालने में असहाय थे ! मनुष्यों के पास अपनी सभी आशाओं को टिकाने और मोक्ष की चट्टान पर दृढ़ रहें थामने के लिए केवल ईश्वर ही है । यहाँ

पृथ्वी पर जीवन को जानते हुए किसी भी क्षण समाप्त हो जाएगा और सर्वशक्तिमान ईश्वर के अलावा हमारे साथ कुछ भी नहीं । आदम को तनिक भी संदेह नहीं हुआ के पृथ्वी पर जीवन उनके और उनकी संतान के लिए एक परीक्षा थी। वास्तव में, उसके बाद भविष्यवक्ता आयेंगे जो लोगों के लिए अच्छाई की शिक्षा देंगे और स्वर्ग से रहस्योद्घाटन लायेंगे जो मानवजाति पर ईश्वर की कृपा का प्रकटीकरण परम का प्रतिनिधित्व करने वाले पवित्र ग्रंथ होंगे।

यह एक निश्चित मृत्यु थी जिसके आगमन से उनका जीवन धूल के कणों में बदल जाएगा जो कब्र के ठंडा अंधेरे दबे होंगे, जिसमें कोई मानवीय प्रेम नहीं, कोई नश्वर आशा नहीं और आराम देने के लिए कुछ भी नहीं होगा । इंसान इस जीवन को पागलपन में रोये बिना कैसे जी सकता है ? आदम को आश्चर्य हुआ कि कैसे मनुष्य इस दुनिया में यह जानकर खुशी सेहो सकता है ये जानकर कि अगला भोजन उनके पेट में कभी जाएगा या नहीं और न ही उन्हें पता चलेगा वह बिस्तर पर वे लेटेंगे या जलते हुए ताबूत के अंदर होगा ! अरे वह इस शापित स्थान पर क्यों आया था? जहां न तो दीर्घायु और न ही स्वास्थ्य का आश्वासन दिया गया था? अफ़सोस, षडयंत्रकारी शैतान ने उसे धोखा दिया, जिसने वर्जित वृक्ष के फल खाने के लिए मना लिया ! आह, काश उसने इश्वर की आज्ञा का पालन किया होता और पेड़ से दूर रहता !

उनके बच्चों में बहुत से लोग होंगे मानव जाति की प्रगति और वैश्विक सभ्यता के विकास में उत्कृष्ट योगदान करेंगे , लेकिन वे भी शैतान के जाल में फंस सकते हैं। आदम पृथ्वी पर अकेला और असहाय पड़ा अज्ञात भविष्य के गुप्त भय से जूझ रहा था। वह
जानता था कि यह तो बस शुरुआत थी। उसे और उसके बच्चों को नष्ट करने के मिशन की शैतान ने तो बस शुरुआत ही की थी । शैतान फिर महान ज्ञान का वादा करेंगा और अपनी सामाजिकता बढ़ाने की शपथ

लेंगा कई गुना अधिक उपलब्धि का वादा करेगा , और असंख्य अरबों लोग उसकी आज्ञा मानेगे तो नष्ट हो जायेंगे ।

ओह, मैंने क्या किया है? मैंने अपने आप को क्या बर्बाद कर लिया है? सचमुच, ये दुनिया झूठ के सिवा कुछ भी नहीं है, और आराम के झूठे वादे जिनसे हर किसी को यह देता है यह छीन लेता है । मनुष्य कैसे हस सो और प्यार कर सकते थे और जब उन्हें पता हो कि वे रात हो गई और उनका बिस्तर ताबूत का तकिया हो सकता है या एक ओवन का फर्श और उनके शरीर जो उन्हें पसंद थे और पूर्णता के लिए तैयार किया गया जल्द ही सड़ कर नष्ट हो जाएगा? जिनके पास सहायता मांगने को कोई नहीं था, उनके लिए क्या आशा थी?

दरअसल, इंसानों का निर्माता के अलावा कोई दोस्त नहीं था और आदम को उसके मन में अंतिम वसीयतनामा की सांत्वनादायक पंक्तियाँ याद आ गईं, जिसमें कहा गया है: "ईश्वर क्षमाशील, दयालु है। तू जानता है स्वर्ग और पृथ्वी की संप्रभुता इश्वर की है ? वह जिसे चाहता है सजा देता है, और जिसे चाहता है उसे क्षमा कर देता है । और परमेश्वर को सभी चीज़ों पर अधिकार है।" (अंतिम वसीयतनामा, अध्याय तालिका, श्लोक 42)

ओह, जब आदम को धरती पर भेज दिया गया उस के मन में भयानक भय घर कर गया! क्या विचार, क्या प्रार्थना, क्या भय और उसे कैसा कष्ट सहना पड़ा! उसके दिल में, कोमल हृदयवान् मनुष्य चिल्ला उठा,
"मेरे नाथ! क्षमा चाहता हूँ! मेरे निर्माता!
मेरी गलती माफ कर दो! मेरे पापों को क्षमा करो! मुझसे जो हुआ है उसे माफ कर दो!" वे कौन से निराशाजनक विचार थे जिन्होंने उस दिन उसके हृदय को जला दिया! उसने अपने आप को कैसा भय और कैसी विपत्ति अनुभव की ? यह अकेलेपन की पीड़ा थी, अस्वीकृति की पीड़ा थी, प्रभु से दूर किये जाने का दर्द जिसने उसे बनाया और

उस परमेश्वर द्वारा निकाल दिये जाने का दुःख जो उसका सर्वस्व था!

उन्होंने अंतिम नियम के उस अंश को याद किया, जहां इश्वर अपनी रचना को अपनी दिव्य करुणा का आश्वासन देता है: "उन्हें छोड़कर जो, यदि आप पश्चाताप करेंगे; वह जानेंगे वह ईश्वर क्षमाशील, दयालु है। हे तुम जो विश्वास करते हो! ईश्वर से डरना।
उसके साथ मिलन की इच्छा करो। उसके मार्ग पर ईमानदारी से संघर्ष करो आप ख़ुशी प्राप्त कर सकते हैं। (अंतिम नियम, अध्याय तालिका, श्लोक 40)

आदम के शरीर के हर कन में अपराध भावना थी । उसने ऐसा कैसे किया
इश्वर की आज्ञा भूल गया ? उसने एकमात्र पालनकर्ता और संरक्षक को निराश किया था । उसके निर्माता, उसके ईश्वर, उसके पालनकर्ता और मित्र की उपस्थिति से उसे निष्कासित कर दिया गया था ! किसी का दिल कितनी बुरी तरह टूट जाता है जब उसे एक अँधेरी और नीरस धरती पर निर्वासन पर भेजा जाता है ? वास्तव में, आदम को एक अथाह भय महसूस हुआ किसी भी आदमी का विवेक को खतरे में डाल सकता था ! उस पर प्रतिबंध लगा दिया गया और उसे बेदखल कर पृथ्वी की तरह नृशंस, ग्रह के जगह भेज दिया गया जिसमें केवल शैतान उसकी संतानें, लाखों छुपे हुए लोगों के झुंड के साथ हर दरार और पहाड़ी पर रहते हैं । अमित्रता , क्षमा न करने योग्य रेगिस्तान, और कटु चुप्पी के साथ पृथ्भूवी का -भागनर्क के समान महसूस हुआ।
बर्फ की शीतलता और निर्दयी सूरज की प्रचंड गर्मी जीवन को क्षणों में निगल सकता है, जबकि असंख्य ज़हरीले साँप, बिच्छू और हिंसक जानवर हर जगह घूम रहे थे । जंगली पागल कुते एक सुर में चिल्ला रहे थे जिससे उसका ह्रदय वेदना से कांप उठा।अकेलेपन का पागलपन , अपराधबोध की पीड़ा ने आदम को अकथनीय दुःख बुरी तरह घेर लिया !

स्वर्ग में कोई भय या चिंता नहीं थी। वहाँ उस काल्पनिक जीवन में समय या ऊर्जा की कमी नहीं थी जहां वह और उसकी पत्नी आनंद में रहती थे । जीवित रहने की आशा उम्मीद पर टिकी थी, लेकिन आदम के पास कोई नहीं था। वह दुनिया के रंगभूमि में ठंडी निराशा में अकेला डूब रहा था । वह अब इस दफन दुनिया के भीतर जीने के लिए अभिशप्त था । आदम ने जीने का हर प्रयास छोड़ दिया और दुःखी अवस्था में रहने लगा , लगातार रोते रहा ,और नम उबड़-खाबड़ ज़मीन पर असहाय पड़ा रहा । वह रोने-धोने और रक्तरंजित, चिंतित आँखों से लगातार आँसू बहाने से स्पष्ट रूप से थक गया था । उसके दिल में चुभने वाले दर्द और उनके दिमाग मे दुख की गहराई को कौन कभी समझ सकता है ? पृथ्वी पर कौन सा प्राणी ऐसा करने की क्षमता रखता है
उस अपराध बोध की सराहना करें जो आदम के दिल में उबल रहा था? यह एक दर्द की तीव्र पीड़ा जो इतने गंभीर अपराधबोध से उत्पन्न हुई थी और अपराध इतना अंतहीन कि आदम को विश्वास हो गया इस घटना की लगातार पीड़ा से वह नष्ट हो जाएगा ।
वह सोचता रहा कि वह कैसे उस परमेश्वर को धोखा दे सकता है जिसने उसे सब कुछ दिया! ओह , उस ईश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करने की पीड़ा को जिसने उसे सृजन का सर्वश्रेष्ठ बनाया और उसे सभी स्वर्गदूतों से ऊपर उठाया और उसे आत्माओं और राक्षसों से भी ऊपर सम्मान दिया। फिर भी, उसने गलती की और उसकी अवज्ञा की! ओह, उसने खुद को कैसे उस इश्वर के सामने अपमानित किया था ! आखिर वह अपने निर्माता की अवहेलना कैसे कर सकता है जिसने उसे सब दे दिया? वह खुद को इंसान और आज्ञाकारी और अपने निर्माता के प्रति वफादार कैसे कह सकता है जब उसने एक कानून के खिलाफ उल्लंघन किया जिसका पालन करने के लिए उसे कहा गया था?!

स्वर्ग से, ब्रह्मांड के निर्माता ने आदम और मानवजाति के प्रति करुणा के शब्दों की पेशकश की: "ईश्वर शक्तिशाली और समझदार है । परन्तु जो

कोई उसके इस पाप के बाद उसे परमेश्वर की ओर आये ,और पश्चाताप करे , इश्वर वास्तव में उसकी ओर होगा : क्योंकि इश्वर क्षमाशील, दयालु है ।" (अंतिम नियम, अध्याय तालिका,
श्लोक 41)

अंतिम नियम के उन छंदों को याद करते हुए, आदम को एक रत्ती भर आशा महसूस हुयी । आँसू नये सिरे से आये, पहाड़ से छलकने की धमकी दी और उसके बीच में एक बन गयी । आदम बच्चे की तरह रो पड़ा ! "हे मेरे परमदेव! मुझे क्षमा करें, वास्तव में मेरा आशय तुम्हें चोट देने का नहीं था!" उसने उस परमेश्वर से प्रार्थना की जिस पर उसने भरोसा रखा था , और उसे आशा थी कि आदम उससे प्रेम करेगा और उसकी आज्ञा मानेगा, परन्तु शैतान से अपने करतब दिखाये थे! अज़ाज़ेल के जाल में आदम फंस गया और उसके प्रभु की आशा और उस पर भरोसा तोड़ दिया! ओह, उसने कैसे
उसके बाद अपने निर्माता को त्याग दिया और उसका अपमान किया और उसका अनादर किया जब के दानी परमेश्वर ने आदम को स्वर्गदूतों का नेता बनाया था
और इश्वर के दरबार में रहने वाले सभी लोगों में सबसे लोकप्रिय विश्वासपात्र बनाया ?

आदम की आँखों में आँसू आ गए लेकिन उसे चांदनी की चमक के नीचे एक पहाड़ी की झलक दिखी और उसने दौड़ के उसके पीछे आश्रय लिया । यदि शैतान ने उससे पाप न कराया होता और उसने अपने प्रभु की आज्ञा की अवहेलना ना की होती , तो आदम पीड़ा में ना डूबता ! उसके दिल की धड़कन की कोई सीमा नहीं थी जब उसने
इस बारे में सोचा कि उसने उसे बनाने वाले प्रभु को कैसे निराश किया , जबकि उसने स्वर्गीय दरबार में उनका निषिद्ध वृक्ष के फल खाकर अपमान किया था ! दरअसल, आदम ने सोचा, उसने उस ईश्वर के प्रति घृणा व्यक्त की है जिसमें केवल उसके लिए प्रेम था ! आदम ने हमेशा

आशा की थी कि वह कभी भी शैतान की तरह विद्रोही और अन्यायी न हो । वह हमेशा एक प्यार करने वाला और ईश्वर की आज्ञाकारी रचना बनना चाहता था , लेकिन अब, उसने भी शैतान की तरह आज्ञा का उल्लंघन किया है! क्या यह शापित शैतान नहीं था जिसने अपने इश्वर के प्रति अकथनीय विश्वासघात और अपने इश्वर का अपमान किया । क्या पीड़ा और चोट इतनी अकल्पनीय है कि कल्पना भी नहीं की जा सकती?

आकाश में भयंकर बादल फटने से आदम भयभीत हो गया और चारों ओर सावधान दृष्टि से देखा। उन स्वर्गदूतों में से एक जो उसके पास थे उन्होंने अंतिम नियम के कुछ अंशों को पढ़करउसे सांत्वना दी , "हे समझवालों, परमेश्वर से डरो! बस यही है
आपके साथ अच्छा हो सकता है । हे विश्वासियों! हमसे उन चीज़ों के बारे में न पूछें जिनसे आपको केवल कष्ट हो सकता है...इश्वर आपको इसके लिए क्षमा करेंगे, क्योंकि परमेश्वर क्षमाशील, दयालु है।" (अंतिम नियम,अध्याय तालिका, श्लोक 100)

स्वर्गदूतों ने आदम को आश्वासन दिया कि ईश्वर सभी मनुश्यो पर दया करेंगे पर शैतान अपने भ्रामक तरीकों से मानव जाति को बहकाने और गुमराह करने के लिए नशीले पदार्थों का सहारा लेने की संभावना है । एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो हजारों वर्षों तक जीवित रहा, अज़ाज़ेल को सब पता था कि शराब कितनी खतरनाक है।
उसे मालूम था कि नशे के परिणाम मानव जाति के सदस्य के दिमागी और शारीरिक तौर पर कितने नकारात्मक हो सकते हैं , और उसने आदम के बेटों को हर तरह का नशा पीने के लिए मनाने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञा की । "मैं उन परजीवियों से भरे मनुष्यों को शराब पीने के लिए मजबूर कर दूँगा जब तक उन्हें अल्कोहल विषाक्तता न हो जाए, तब तक शराब पीते रहेंगे ," उसने सोचा, " बेतहाशा बदसूरत जानवरों की तरह वे एक दूसरे पर हमला करेंगे और अपने दोस्तों को अपने वाहनों से कुचल

देंगे । मैं भटके हुए मनुष्य को मना लूंगा कि मनुष्य का मांस खाना फायदेमंद होता है। माताएँ अपने भ्रूण और नाल को खाएँगी क्योंकि उन्हें लगेगा कि इसमें मजबूत स्वास्थ्य के लिए जादुई गुण हैं। तब मैं देखूंगा कि कैसे ये कसाई जैसे मनुष्य अपने माता-पिता को कैसे मारते हैं और अपने बच्चों का बलिदान देंते है और अपने समाज के ताने-बाने को नष्ट करते है ।
आदम की जाति पतन के लक्षणों से पीड़ित होगी और गिरेंगे और विनाश, बर्बरता और नरभक्षण में व्यस्त बने रहेंगे पर स्थायी सामाजिक पतन का अनुभव करते हुए !

जब आदम अपने बारे में सोच रहा था के कैसे शैतान और वो एकसाथ आ गए तब शैतान पीड़ा में दहाड़ रहा था ! वे एक ही ग्रह साझा कर रहे थे! कैसा दुर्भाग्य है! क्या वह शैतान नहीं था जिसने परमेश्वर के प्रेम करने के बाद उसका सबसे अधिक सम्मान देने के बाद ,उसने परमेश्वर के प्रति अपनी घृणा को स्पष्ट रूप से घोषित कर दिया था?
क्या वो शैतान नहीं था जिसे परमेश्वर द्वारा नेतृत्व और प्रिय के पद पर पदोन्नत किया गया , और फिर भी, उसने परमेश्वर को धोखा दिया था अपने रचयिता के प्रति ऐसी घृणा व्यक्त की जिससे स्वर्गदूतों हैरान थे ? दरअसल, इश्वर ने कभी भी उसके बहुत करीबी से ऐसी नफरत की उम्मीद नहीं की थी ! क्या इससे इश्वर को कोई कष्ट नहीं हुआ जो मानवजाति के लिए अकल्पनीय था वह जिसे अपने में भव्य था , भरोसेमंद और प्रिय और सभी देवदूत के बीच से ऊंचा उठाया गया , अचानक उसी ईश्वर से हिंसा के साथ घृणा करने लगता हैं कुछ समझ नहीं पाया? आदम शैतान के विश्वासघात के बारे में सोचकर रो पड़ा के परमेश्वर को तब कैसे महसूस हुआ होगा जब शैतान ने उसे शाप दिया था और उस पर चिल्लाया था? जब अज़ाज़ेल ने विद्रोह किया तो इश्वर को जो दुःख हुआ होगा उसकी कल्पना कर सकते हैं, उस ईश्वर के विरुद्ध जिसने उसे बनाया, उसका आदर किया और पुरस्कार दिया उसे

हर पदोन्नति के साथ तब तक नियुक्त किया जाता रहा जब तक कि वो सभी से पहले न आ जाए ?

उस गंभीर हृदयविदारक के बाद, और एक अप्रत्याशित विश्वासघात की पीड़ा का अनुभव करने के बाद, इश्वर , अपनी अनंत कृपा से, इसी उम्मीद में नरम और शुद्ध मिट्टी से इंसानों की रचना कीके ये प्राणी अधिक आभारी और आदरणीय बनें! वास्तव में,इश्वर ने एक इंसान से यह आशा की गई कि वह कम से कम अपने प्रभु की आज्ञा का पालन करेगा और शैतान के विद्रोह और निष्ठाहीनता में उसका अनुसरण नहीं करेंगा !

इस के बारे में सोचकर , आदम रोते-रोते गिर पड़ा। “फिर मैं अलग कैसा हूँ?" वह सिसकने लगा. “तो फिर मैं उससे अलग कैसे हूं जिसने मेरे परमेश्वर की आशा और प्रेम को तोड़ डाला? आख़िरकार इश्वर को मुझसे क्या चाहिए? इश्वर ने मनुष्य के लिए जो कुछ किया है, ये देखने के लिए के मनुष्य शैतान के समान उसकी उसके निर्माता की आज्ञाओ की अवज्ञा करेगा और उसका अनादर करेगा ? कैसा हृदयविदारक!और पीड़ा परमेश्वर को जकड़ लेगी, और कैसी निराशा छा जाएगी जब उसका दिल उस आदमी को देखता है, जिसपर उसने अपनी आशा रखी, उसने धोखा दिया ? इश्वर यह देखकर क्या सोचते होंगे? जिस आदमी को उसने मिट्टी से बनाया था, उसने अपने अंदर के अवज्ञा और विद्रोह और घृणा से शैतान का अनुसरण करने का फैसला किया?”

उलझी हुई घास पर बैठकर, आदम दुःखी दृष्टि से उन विशाल पेड़ो को देख रहा था

जो उसे चिलचिलाती धूप से छाया प्रदान करते थे। आह, यह कैसी अप्रिय दुनिया थी जहाँ हर कोने पर मौत की संभावना थी । उसके दिल में कैसी यातना देने वाली सोच है

जब वह पागलों की तरह रोने लगा तो कड़वाहट भर गई , उसने अपने प्रभु से वादा किया कि वह कभी भी शैतान जैसा नहीं बनेगा वह अपने

परमेश्वर की आशा और हृदय को कभी नहीं तोड़ेगा, ताकि परमेश्वर मनुष्य को दुर्भावनापूर्ण और प्रतिशोधी शैतान की तरह प्रेमहीन कृतघ्न और घृणित या द्वेषपूर्ण न समझें!

आदम के हृदय-विदारक दुःख को देखकर शैतान उछल पड़ा और गर्व से फुल गया , और फिर स्वर्ग में अपनी मुट्ठियाँ हिलाते हुए हँसी से दहाडा । “मेरे शक्तिशाली और सर्वज्ञ इश्वर ! आपने मुझे आदम की तरह जो बदसूरत और घृणित मिट्टी से बनाया गया एक नीच प्राणी के सामने खुद को झुकाने का आदेश दिया था और अपने उसे ऊंचा उठाया था, लेकिन वास्तव में, अब आप देखेंगे कि कैसे आदम और उसकी सन्तानें लंगड़े और पापी हैं! वे ऐसे पाप करेंगे जो कोई अन्य नहीं करेगा ! आप अपने अशुद्ध सड़ी हुई मिट्टी और सड़ते मांस से बनी गंदी रचनापर मेरी शक्ति का गवाह बनेगे ! आप साक्षी बनेंगे कि वे किस प्रकार मेरी ओर मुड़ते हैं और एक दूसरे को अपवित्र करने का आनंद लेते हैं, मेरी आज्ञापालन करते हुए एक दूसरे पर अत्याचार करते है । मैं आपको और आपके धर्म तथा अनुयायियों को कोस रहा हूं।"

"अपनी निंदा करो, अज़ाजेल!" स्वर्ग के स्वर्गदूतों में से एक ने ठंडे स्वर में कहा । एक बर्फ़ीला तराशा हुआ चेहरा ऊपर उठाते हुए, पंखों वाले दूत ने शैतान को क्षमादान के वादों के बारे में सूचित किया जो इश्वर ने इंसानों को दिया। “अंतिम वसीयतनामा के अध्याय 16 में, इश्वर ने अपनी रचना का आश्वासन दिया: उन लोगों के लिए जिन्होंने अज्ञानता में बुराई की , फिर बाद में पश्चाताप और संशोधन किया, निश्चय ही तुम्हारा रब आख़िर दया करेगा , क्युकी वो दयालु है।

जब स्वर्गदूतों ने बात की, तो शैतान को फिर से क्रोध और निराशा महसूस हुयी वह जो उसने तब अनुभव की थी जब आदम को पहली बार बनाया गया था। अपनी अथाह अँधेरी और तिरछी आँखों से स्वर्ग की ओर देखते हुए, वह क्रूरता से बोला “मैं आदम के बनाए जाने से पहले और

उसके किसी भी बच्चे के जन्म से पहले भी मौजूद था। सचमुच, मैंने राज्यों के उत्थान और पतन, साम्राज्य का पराजय और राष्ट्रों का विनाश को देखा ।
मेरे पास मानवजाति को नष्ट करने वाला पर्याप्त ज्ञान है ! धीरे-धीरे सब मानवता से मेरी पूजा करवाऊंगा । मैं उन सब को ईश्वर से विमुख कर दूंगा! मैं उन्हें तब तक भूखा रखूंगा जब तक कि उन्हें एक दूसरे मारने के लिए प्रोत्साहित न कर दूं और मांस तब तक खाओ जब तक वे जंगल के जानवरों से भी बदतर न हो जाएँ । सचमुच, मानव जाति के बीच में कुछ वफादार अनुयायी भी होंगे जो मुझमें विश्वास न करने वाले किसी भी व्यक्ति की हत्या कर देंगे , और तब हर कोई मुझे अपना इश्वर और राजा कहेगा!"

एक और देवदूत शैतान को संबोधित करते हुए गरजा। "यह और जानो, हे शापित शैतान! तुम छोटी-छोटी बेवकूफी भरी चीजो के लिए कितना भी एहसान कर लो , उन प्यारे इंसानों को कभी अपने इश्वर से दूर नहीं कर सकते! क्या आप जानते हैं इश्वर को ये मनुष्य क्यों प्रिय हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि जब वह उन्हें परीक्षणों के साथ परखते है और उनके बच्चों को दूर ले जाते हैं, और दुनिया के कुछ कष्ट भोगते हैं उन पर विपत्ति आती है, हमेशा तुरंत उनकी सहायता के लिए नहीं आते है, बल्कि उनका परीक्षण करते है, फिर भी, हे शैतान, अभी भी ये मनुष्य अपने इश्वर की पूजा करते हैं! फिर भी वे उसे पुकारते हैं! फिर भी वे धैर्य रखते हैं और अपने निर्माता पर विश्वास रखते हैं! और क्या हे शैतान, तुम्हे पता है , उनके परमेश्वर ने अनंत काल में उनके लिये कैसी सुख-सुविधाएं तैयार की थीं, और भगवान ने उनके लिए क्या संग्रहित किया है, और परमेश्वर के मन में उनके लिए किस प्रकार का अकल्पनीय प्रेम है?"

एक बड़े पंख वाले स्वर्गदूत ने शैतान को निम्नलिखित तरीके से डांटा "ओह, शापित और अस्वीकृत शैतान, ! अगर सबसे बुरा पापी मनुष्य ,

यह जानता विधाता उनसे कितना प्रेम करता है तो उनमें से सबसे नीच व्यक्ति भी विस्मय से काँप उठेगा और पापी का हृदय खुशी से फट जाएगा और वे मर जायेंगे! हे शैतान! चाहे तुमने इश्वर की कितनी भी पूजा की हो , तेरी पूजा और नकली भक्ति का तेरे इश्वर लिए कोई मतलब नहीं था । तुमने स्वार्थी कारणों से ऐसा परमेश्वर से कुछ पाने के लिए उसकी प्रार्थना की । तुम्हारा समर्पण सस्ते व्यापार के समान हैं, जहां बेशर्मी के लेन-देन के अलावा कुछ नहीं है और तुमने कुछ पाने के लिए सभी पवित्र कार्य किए! तुमने ऐसा इसलिए किया क्योंकि तुम बदले में कुछ चाहते थे! तुम प्रेम के लिये परमेश्वर की आराधना कभी नहीं कि! अपने जीवन में तुमने उससे एक बार भी प्रेम नहीं किया ! ये दयालु और बुद्धिमान मनुष्य ही हैं जो उनसे प्यार करते है ! ये वही हैं जो अपने असहाय बच्चों से प्यार करते हैं और उनके लिए खाना बनाते हैं और सफाई करते है ! यह मानव पिता और माता हैं जो अपने बच्चों के लिए प्रयास करते है और जीविकोपार्जन करते है जो जानते है एक दिन बच्चे चलना सीख जाएंगे और उन्हें छोड़ देंगे! यह मनुष्य है जो बुढ़ापे में, कमज़ोर होने पर अपने माता-पिता से प्यार करता है जब युवा जोश पर बुढ़ापा विजय प्राप्त कर लेता है, और स्वास्थ्य जटिलताओं के कारण एहसान कोई भी उसे वापस नहीं लौटा सकता! इंसान विशाल हृदय वाले प्रेम से सराबोर शानदार प्राणी हैं , और इस प्रेम से वे अपने परमेश्वर, अपने निर्माता और पालनकर्ता, से प्रेम करते है । यह वह दयालु इश्वर है जिसे मनुष्य बिना कुछ मांगे सेवा और प्रेम करेगा!"

शैतान ने स्वर्गदूतों पर व्यंग्य किया और चिल्लाया। "नहीं! इंसान प्रेमहीन, मूल्यहीन बुरे प्राणी, कम नैतिकता वाले और मूर्ख लालच से भरे हैं!"

"हे निंदित शैतान! चाहे कितने भी पुरस्कार प्रदान कर तुम मनुष्यों को तुम्हारी पूजा करने या अप्रिय अँधेरी ऊर्जा पर ध्यान देंने सेवा करने के लिए मजबूर करो ,चाहे तुम उनसे अपने भगवान को त्यागने के लिए

कितनी भी आग्रह करो और चाहे तेरे दास बन जाये , वे अपने रचयिता को कभी न भूलेंगे!
वे अच्छे इंसान तुम्हें, तुमको अपने मित्र समान कभी नहीं मानेंगे जो उनके इश्वर का दुश्मन है , और न वे तुम्हारा स्वीकार करेंगे ।"

"ओह, वास्तव में, मुझे पता है कि वे बदबूदार इंसान कितने भयानक हैं!" शैतान प्रतिशोधात्मक ढंग से गुर्राया। “वे जीव स्वभाव से सबसे कृतघ्न हैं और उनमें से अधिकांश बहुत अधीर हैं। सचमुच, मैं अपने राक्षसों से उनकी मदद करने की पेशकश करूंगा! मैं कभी-कभी यहां-वहां उनकी मदद करूँगा और उनके दुश्मनों को थोड़ा डराऊँगा अगर उन्होंने मुझसे मदद मांगी , क्योंकि जब तक वहाँ पृथ्वी पर सच्चे एकेश्वरवादी विद्वान और अनुयायी, और इस भूमि से प्रेरित भविष्यवक्ता इश्वर के उपासक मौजूद हैं , मैं उनकी ईमानदारी से सेवा करूँगा जब तक कि मवाद से भरे हुए सभी मनुष्य ईश्वर के हर विश्वासी को मार न डालें और फिर वो लोग अपने निर्माता की जगह मेरी पूजा करेंगे । हालाँकि मैं उनसे उनकी कल्पना से कहीं अधिक नफरत करता हूँ, जबकि मेरे पास उन गंदे इंसानों की मदद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, परन्तु जिस दिन एक ईश्वर के सभी सच्चे अनुयायी चले जायेंगे, और मुझे किसी भी परमेश्व के उपासक का उनके पास लौटने का कोई डर नहीं रहेगा तब मैं उन उन्हें यातना दूंगा और उनसे जघन्य से जघन्य अपराध करवाऊंगा , अपने बच्चों का खून बलिदान करवाऊंगा और उन्हें मानव शरीर को मारकर खाने के लिए मजबूर करूँगा !
ओह, मैं उन्हें अपमानित करना कैसे पसंद करूंगा! वास्तव में, आख़िरकार ईश्वर के सभी अंतिम एकेश्वरवादी विश्वासी मर जायेंगे, तो फिर मैं हर एक को अपना अनुयायी बनाऊंगा, बच्चों पर उनके आंसुओं के लिए अत्याचार करूंवऊँगा । यदि वे उन दुष्ट काम और क्रूर अपराध को करने के लिए सहमत नहीं होंगे , तब मैं अपने सभी राक्षसों से उनकी फसलें और फल नष्ट करवा दूंगा ,उनके जल की आपूर्ति करने वाले उनकी नदियों में जहर घोल दूंगा और उनके खेतों को जला दूंगा । स्वाभाविक

रूप से, अन्य सभी लोगों को नष्ट करने के लिए और उनके हर भोजन को जलाने के लिए मेरे सबसे वफादार दास को चुनुँगा । लंबे समय तक उनके बच्चो पर अत्याचार करने के बाद , मैं उन्हें कुछ भोजन या कुछ धन पर सिर्फ तभी जब वो आसुओ के लिए बच्चो को प्रताड़ित करेंगे और हजारो लोगो को मारकर उनके अवयव खायेंगे । तभी मैं उन्हें थोड़ा सा भोजन दूँगा और परमेश्वर को शाप दूंगा और उसका अपमान करूँगा और तभी वो उनकी सम्मानित रचना को पापी कीड़ों की तरह छटपटाते हुए देखेंगे ! मैं परमेश्वर को आदम के पुत्रों को घृणित, क्रूर बनते हुए दिखाऊंगा ।

“हे शापित! आप सदैव एक पेशेवर के सैनिक थे और आपने जो किया उसके लिए हमेशा प्रतिफल की आशा की। तुमने कभी हे शैतान अपने परमेश्वर से प्रेम नहीं किया! तू कभी उसके लिये नहीं रोया जिसने तुम्हे बनाया और न खुदको हमसे ऊपर उठाया! तुमने कभी हर घंटे के लिए बढ़िया बदला लेने की उम्मीद करने के अलावा उसके साथ पूजा नहीं की । हे प्रेमहीन, चले जाओ, क्योंकि परमेश्वर उनसे कभी प्रेम नहीं करता जो लोग उससे प्रेम नहीं करते! चाहे आदम के बेटे कितने भी ग़लती करे या पाप , तुम्हारा परमेश्वर, परमेश्वर और आदम का रचयिता उन्हें माफ ही करेगा और जब वे पुकारें तो सबसे ज्यादा भावुक होगा !"

शैतान ने स्वर्गदूतों की उपेक्षा की और हांफता रहा। "मैं कोशिश करूँगा ताकि सारा संसार मेरी आराधना करे और मेरी आज्ञा माने! वे ईश्वर पर कभी विश्वास या भरोसा नही करेंगे और केवल मेरी शक्ति, मेरी ऊर्जा पर विश्वास करेंगे और मैं उन्हें सिखाऊंगा कि अपने मन पर ध्यान कैसे करें और उन्हें नरक और स्वर्ग में अविश्वास करने के लिए मनाऊंगा । वे जल्द ही विकास सिद्धांतों पर विश्वास करेंगे जहां मैं उन्हें दिखाऊंगा इस बात का मिथ्या प्रमाण दूंगा कि वे बंदरों की संतान हैं और
गोरिल्ला के पोते जब तक इस पर विश्वास करना बंद नहीं कर देते और पुनरुत्थान के दिन पर अविश्वास करेंगे । इंसानों को बुरा बनने की चिंता

नहीं होगी, और फिर वे बिना किसी पछतावे के पाप करेंगे , मार डालेंगे जो कुछ भी वे चाहते वो करेंगे । मैं दुनिया से सभी धर्मों को नष्ट कर दूंगा! मैं दुनिया से भगवान की हर आखिरी आज्ञा नष्ट कर दूंगा । मैं दुनिया का हर आखिरी धर्मग्रंथ जला दूंगा । परमेश्वर के सभी जन जो परमेश्वर की आराधना करते हैं और परमेश्वर से प्रेम करते हैं और परमेश्वर का आदर करते हैं और उसकी आज्ञाओं को कंठस्थ करते हैं , जो पापी मनुष्य मेरी आराधना करते हैं उनके द्वारा जला दिया जाएगा और मार डाला जाएगा! और फिर मैं दुनिया का राजा बनूंगा । और परमेश्वर और उसके पैगम्बर और उसकी आज्ञाएँ और उसका धर्म कभी इस संसार में अक्षुण्ण नहीं होंगे। मैं पैगम्बर और धर्मात्मा लोगों को हर प्रकार के दोष में फँसा दूंगा । मैं उनके धार्मिक और एकेश्वरवादी आज्ञाएँ ख़राब प्रतीत कराऊंगा । मैं लोगों को प्यार मानवता ईश्वर पर अविश्वास करने धर्म को नष्ट करना सिखाऊंगा फिर मैं हत्या और बलात्कार को वैध बनाना शुरू करूँगा। वो मनहूस और कुरूप मनुष्य छोटे बच्चों को बहकाना इसे अपना बुनियादी मानवाधिकार मानेंगे
और मेरी कुटिल योजनाओं को समझने के लिए मूर्ख है । वे ख़ुशी से ऐसे हिंसक कार्य करेंगे कि भगवान उनसे घृणा करने लगें।"

आदम शैतान की सभी साजिशों से बेखबर था, और वह एक पीड़ित बच्चे की तरह रोया! घंटे दिन में बदल गये लेकिन आदम का पछतावा कम नहीं हुआ! उसका दुःख ख़त्म ही नहीं हो रहा था! क्या शब्द क्या उसने अपने प्रभु को पुकारा, कोई कल्पना भी नहीं कर सकता, और उसकी आँखों से आँसुओं की धारा बह रही थी, किसी इंसान का दिल कल्पना नहीं कर सकता है! अपराध बोध के पागलपन में उसने किन शब्दों के माध्यम से बात की , कोई भी इंसान नहीं जान सकता।

आदम घने जंगलों से गुज़रा और बेतहाशा आँसू बहाये। वह घने जंगलों से घिरा हुआ था और उत्सुकता से कांप रहा था, यह जानते हुए कि उन जंगलों में अनकहे खतरे छिपे हैं। वह जमीन पर गिर पड़ा और देखते ही

हांफने और कांपने लगा और आसमान को देखा , जिसके पार उसका घर है, उसका समृद्ध स्वर्ग है । अब वह एक डरावने देश के अंदर था जहां विचित्र था जीव-जंतु स्वतंत्र रूप से घूमते थे और हवा के तेज झोंकों ने किसी की श्रद्धा को तोड़ दिया था । ओह, वह स्वर्ग से कैसे चूक गया। रोते हुए आदम चिल्लाया "ओ मेरे निर्माता! आपके अलावा कोई इश्वर नहीं है! मेरे लिए, कोई उम्मीद नहीं है परन्तु आप हो ! स्वर्ग और पृथ्वी में कोई दोस्ती या रिश्ता नहीं मेरे लिए आपके प्यार और आशीर्वाद को छोड़कर!"

उसने उफनते समुद्र के पानी से निकलने वाली दहाड़ को नजरअंदाज कर दिया, और आगे कच्ची चट्टानें और सुलगती नहरें बहती थीं।

" अब मुझे माफ कर दो, हे मेरी आत्मा के भगवान," आदम ने सिसकते हुए कहा, " मैंने
तुम्हारे साथ अत्यंत घृणित अन्याय किया है! ओह, इतना शापित होना यह कैसी विपत्ति है ! इससे बुरी सज़ा क्या हो सकती है!भविष्य के भय से बढ़कर और कौन सी पीड़ा हो सकती है । इस शापित दुनिया दर्द और भविष्य के विनाश और नफरत का डर है?!

जैसे नदियों के ढहते किनारे घूमे और उठे, आदम पश्चाताप में लीन था। यह एक ऐसी भूमि थी जहाँ कोई मौत के तांडव से बच नहीं सकता था । " मुझे अपना दर्शक होने से इनकार मत करो ," वह चिल्लाया, "हे मेरे टूटे हुए दिल के स्वामी! क्या मेरे आँसू जो मेरी सारी आत्मा को जला देते हैं, तुम्हें आश्वस्त करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं के मैं कोई शैतान नहीं हूँ! मैं कोई कृतघ्न पापी नहीं हूँ जो दूसरों के विरुद्ध अन्याय करता हूँ जो उसे आशीर्वाद देता है!"

इश्नेवर ने , अपनी महानता में, घोषणा की: “और इश्वर की माफी तलाश करो! सचमुच ईश्वर बड़ा क्षमाशील और दयालु है।" (अंतिम नियम, 2:199)

अज़ाज़ेल को अब शैतान कहा जाने लगा, क्योंकि वह पृथ्वी पर रक्तरंजित, उत्सुक आँखों से स्वर्ग की ओर उत्सुकता से देख प्रतीक्षा कर रहा था। तब उसने देखा कि वह इतने वर्षों से क्या चाहता था। आदम का धरती पर उतरना। वह पंखों वाले देवदूत के साथ आ रहा था । शैतान ने कुरूप भाव से देखा आदम और हव्वा बहुत रोते हुए ब्रह्मांड के इश्वर से प्रार्थना करते हुए धरती पर उतरे । उन्होंने मर्मस्पर्शी असहाय दृष्टि से देखा
, लेकिन यह उनका दुःख था जिसने शैतान को आनन्दित किया और वो खुशी में नाचा । आज उसका मिशन शुरू होगा। इस घंटे से उसे हर आखिरी इंसान को निश्चित रूप से पृथ्वी पर का अंत बहुत ही बदसूरत और अंधकारमय नरक की जेल का वासी बनाने का प्रयास करना होगा । जहाँ वह उन्हें अनंत काल तक यातना दे सकता था।

"ओह, यह कैसी शिकायत है!" आदम विलाप करने लगा। “कैसी पीड़ा और दुःख मेरे निर्माता के क्रोध से भी अधिक गंभीर हो सकता है ?! मैंने उस ईश्वर को विफल कर दिया है जिसने मुझे सब कुछ दिया, जिसने मुझे ऊपर उठाया और मुझे सम्मानित किया और मैंने उसे धोखा दिया और निराश किया! इश्वर ने सोचा था कि मैं शैतान से भी अधिक पवित्र बनूंगा, लेकिन मैंने उनके वफादार देवदूतो की उत्कृष्ट अदालत में उसे गलत साबित कर दिया ! हे मेरे आत्मा के परमेश्वर! क्या तुम मुझे इतना बुरा समझते हो, कृतघ्न और इतना दुष्ट कि मैं स्वेच्छा से जिसने मुझे खाना खिलाया, जिसने मुझे सम्मान दिया, जिसने मुझे आशीर्वाद दिया, जिसने मुझे सारी सृष्टि में सर्वश्रेष्ठ चुना है इसके विरुद्ध हो जाऊँगा?”

आदम बहुत रोया, और इश्वर से माफ़ी मांगी, शैतान ने आशंकित दृष्टि से देखा। वह जानता था कि इश्वर ने आदम को माफ कर दिया है और उसकी विनम्रता के लिए उसकी बहुत प्रशंसा करेंगे जबकि उसे एक साधारण आज्ञा की अवज्ञा करने के लिए
हमेशा के लिए स्वर्ग की दया से निकाल दिया गया था । वास्तव में, वह साधारण आज्ञा का उल्लंघन था , जबकि आदम ने विस्मृति में वास्तव में गलती की थी । . “हाय!” वह भयंकर क्रोध से चिल्लाया,अपनी सभी संतानों को उसकी सहायता के लिए बुलाने के लिए । “मेरे सभी प्रयास व्यर्थ थे । मैं परमेश्वर को दिखाना चाहता था कि आदम एक पापी था, परन्तु परमेश्वर ने उस से उतना बैर नहीं किया जितना उस ने मुझ से बैर रखा, एक निष्कासित शैतान । ओह, मुझे कितनी आशा थी कि इश्वर आदम को निषिद्ध वृक्ष से चखने के लिए सज़ा देंगे । आदम को सज़ा देने के बजाय, परमेश्वर ने उसे एक बड़े अनुरक्षण के तहत स्वर्गदूतों की टोलियों के साथ पृथ्वी पर भेज दिया,
जिन्होंने उसे अलविदा करते समय गार्ड ऑफ ऑनर दिया । अब, मेरी उम्मीदें धराशायी हो गईं। अदम्य क्रोध में दहाड़क्र , शैतान पहाड़ों पर रौंद डाला
और उसके चेहरे को चट्टानों पर जोर से पटका, यहां तक कि उसकी मौत हो गई
छिपे हुए लोगों के अनुयायियों को डर था कि उसे पूर्ण पागलपन ने घेर लिया है ।

आदम धूल भरी धरती पर आँख मूँद कर अपना रास्ता बनाता हुआ आगे चला, क्योंकि लगातार रोने के कारण उसकी दृष्टि ख़राब हो गई थी । “हे हवा जो आँसुओं से मेरी दृष्टि जलाती है, उसका विरोध करती है! तुम क्या जानो उस दर्द को मानव हृदय की शक्ति को धोखा देता है? ? आप इसके बारे में क्या जानते हैं मैंने उसके साथ जो विश्वासघात किया उससे मेरे भगवान को कितना दर्द हो रहा है? क्या इंसान के प्यार ने मेरे साथ कुछ किया है?! ओह, प्रिय और मधुर और दयालु प्रभु! मैंने गंभीर गलती

की थी और मैं अपनी पत्नी जो विश्वास करती थी निषिद्ध फल के रस पर पेड़ में बहुत फायदे हैं प्रभावित से हो गया! ओह, इसमें क्या प्यार है? वह व्यक्ति जिसे तू ने मेरे लिये बनाया, और मेरे लिये भेंट करके भेजा ?!" जैसे ही आदम ने ये शब्द कहे, उसे आश्चर्य हुआ कि कैसे पीढ़ी दर पीढ़ी मनुष्य इसी सुनसान भूमि पर जीवित रहेंगे, जहाँ दिन के समापन के समय घोर अंधकार व्याप्त था। पृथ्वी कितनी भिन्न थी! यह कितना अजीब है अँधेरा इतनी बार आता है ! अँधेरे बिस्तर पर सोना यह कितना भयावह था!

आदम को हर उस लेख जो अस्तित्व में था उसका ज्ञान था और वह सभी भाषाओं से जो मानवजाति कभी बोलेगी उनसे अवगत था। सचमुच, वह उतना ही पारंगत था

चूँकि वह भविष्य की मृत भाषाओं में प्राचीन अतीत के सिफर में पारंगत था । सचमुच, उसके बच्चों को किसी के साथ संवाद करने के लिए अपनी सरलता के संसाधनों का उपयोग करना होगा और उनके मानव हृदय की आकांक्षाओं का पालन करना होगा । वह अपनी पत्नी की तलाश में जो उसके साथ ही धरती पर अवतरित हुयी थी , पृथ्वी के चारों ओर उद्देश्यपूर्ण ढंग से भ्रमण किया । आदम एक के सामने आया और फिर उसने अपने सामने एक अँधेरा जंगल फैला हुआ देखा। उसने चीखने-चिल्लाने की आवाजें और कान फाड़ देने वाली चीखें सुनीं। ध्वनि उसके पहले ही जंगल से आगे बढ़ गया, और आदम सिकुड़कर दूर चला गया वह अशुभ ऊँचे पेड़ों से शाखाओं की दमघोंटू छाया से तब तक भागता रहा जब तक वह बच नहीं गया ।

गंभीरता से रुकते हुए, आदम ने ईश्वर से उसे क्षमा करने की प्रार्थना की। "हे भगवान! मैं केवल मनुष्य हूँ! मैं केवल एक छोटी सी रचना हूं और क्या यह मनुष्य का भूलने का स्वभाव नहीं है? क्या यह किसी नश्वर मनुष्य का जन्मजात दोष नहीं है? उससे भयभीत होकर भेजने वाले को भूल जाओ?" अब, वह संक्षेप में तटीय क्षेत्र में रुक गया

, जहाँ चाँदी जैसा पानी चमक रहा था। लेकिन समुद्र की प्रचंड ध्वनि ने उसके हृदय को कंपा दिया वह घबरा गया और फूट-फूट कर रोने लगा, वह वहाँ से भाग गया । अफसोस! मेरे पापों के इस विश्वासघात ने मेरे दिल के अंदर तक क्या किया है? किस दर्द ने मुझे इतना तोड़ दिया है और इतनी बुरी तरह कमजोर किया है के मुझमें इस जीवन में एक और पल सहने की ताकत नहीं रही ? मुझमें हिम्मत नहीं है के एक और साँस ले सकू ! दरअसल, हवा की हर सांस मुझे दर्द और अकेलेपन में ढहने पर मजबूर कर देती है।" आदम का दिल किसी ऐसी चीज़ के डर से गिरफ्तार किया गया जो अजीब थी और कुछ ऐसा जो भयानक था! उसके सिर से पसीना टपकने लगा, और जब वह टहलने की कोशिश कर रहा था तो नमी उसके माथे पर आ गई। "हे इश्वर ! आपके अलावा मेरे लिए कोई नहीं है! कोई प्रेमी नहीं ,मेरे पास कोई मित्र नहीं है जिसे मैं चाहता हूँ, कोई साथी नहीं चाहता हूँ, और कोई शुभचिंतक नहीं जिस पर मैं भरोसा करता हूँ! मेरे इस दिल में तुम्हारे अलावा कोई नहीं है!

आदम ने शोकपूर्वक चारों ओर देखा। उसने विशाल पर्वत देखे और नदियाँ बहती रहीं और रोते और प्रार्थना करते हुए चला । "ओ पेड़! हे पौधों के पत्तों! हे मुड़ने वाली लताएँ और फूल जो दुनिया में है ! क्या आप जानते हैं कि मैंने इश्वर के साथ क्या किया है जिसने मुझे सब कुछ दिया और अनगिनत आशीर्वाद इनाम दिया? क्या तुम्हें अंदाज़ा है कि मैंने कैसे ग़लती की और इश्वर को धोखा दिया जिसने मुझे सम्मान दिया और पसंद किया और मेरी हर सपने को पूरा किया और विपत्तियों से मेरी रक्षा की?! आपको पता है कैसे मैंने उसे धोखा दिया है? क्या आप किसी ऐसे दर्द के बारे में जानते हैं जो लेने वाले से लाख गुना ज़्यादा देने वाले को दर्द देता है? क्या आप जानते हैं
अविश्वास और निराशा से आत्माओं के दिल और सभी का भरोसे को किस प्रकार की गंभीर चोट पहुंचाती है?"

"आह, गंदे अपवित्र मनुष्य!" अज़ाजेल उसके जैसे ही उत्साह से चिल्लाया जब उसने कुछ दूरी पर आदम को रोते हुए सुना। "मेरे लिए खुशी और मेरे राष्ट्र के लिए खुशी! मैं हव्वा को पेड़ का किण्वित रस पीने के लिए उकसाने में सफल हो गया हूँ जिसने उसे नशे में धुत किया और मेरे आकर्षण के प्रति असंवेदनशील! यदि जिस नशे को मैंने फलों निषिद्ध वृक्ष के रस से पैदा किया वो नहीं होता , मैं कभी भी हव्वा को मनाकर आदम को फल खाने मजबूर कर स्वर्ग से निष्कासित नहीं कर पाता ! सचमुच, मुझे हर उस इंसान को जो धरती पर रहता है उसे लगातार शराब पीने के लिए सिखाऊंगा । मैं उन्हें फल और अनाज से नशीला पदार्थ बनाना बताऊंगा, और फिर जब वे इसे पी लेंगे , वे बेहोश हो जायेंगे और मेरे आदेश पर कोई भी पाप करेंगे । सचमुच, परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता सही थे जब उन्होंने शराब को सभी बुराइयों की जननी बताया! मैं

इसे अपने लाभ के लिए उपयोग करूँगा और मूर्ख मनुष्यों को इसका आदी बनऊँगा

ये सड़े हुए पेय पदार्थ जो उनकी सांसों को और अधिक बदबूदार बना देंगे, लेकिन वे ख़ुशी-ख़ुशी घृणित तरल पदार्थ पियेंगे क्योंकि वे घृणित मनुष्य शराब का बुरी तरह आदी बन जाएंगे । दरअसल, जब कोई पुरुष या महिला आदी होती है, वह व्यक्ति मेरा स्थाई गुलाम बन जाएगा,क्योंकि वह अधिक शराब या नशीले पदार्थ खरीदने के लिए पर्याप्त धन कमाने के लिए हत्या करेगा, चोरी करेगा, या वेश्यावृत्ति करेगा। वे अधिक नशा पाने के लिए किसी भी अपराध को अंजाम देने के लिए सहमत होंगे, और मैं उनके दिलों पर नियंत्रण करूँगा और उनके दिमाग में हेरफेर करूँगा जब तक वे ईश्वर पर अविश्वास नहीं करते और उसके प्रेरितों को शाप नहीं देते । प्रत्येक राष्ट्र और प्रत्येक जिला और उसकी नगर पालिकाएँ, प्रत्येक व्यक्ति या सभ्य संसार में रहने वाली स्त्री, मेरी दासी बन जाएगी और स्वयं को कुत्तों से भी बदतर बना लेंगे।"

"ये सज्जन इंसान बेहद दयालु और नाज़ुक होंगे।" एक देवदूत ने तर्क दिया. "वे कभी तुम्हारे जैसे ही दुष्ट और घृणित किसी के गुलाम नहीं बनेंगे ।"

शैतान ने पंखदार वक्ता एक भयंकर दृष्टि डाली और उसके चेहरे पर क्रोध से चमक उठा । उसने स्वर्गदूतों के अनुशासन दृढ़ता और नाज़ुकता की प्रशंसा की, लेकिन जलती हुई ईर्ष्या की टीस महसूस हुई हर बार जब वह उन इश्वर के दूत पंखों पर नज़र डालता था तो उसका दिल दुखता था ।

मानवीय भावनाओं से अछूता, और उम्र से अछूता, ये देवदूत ठंडी रोशनी से निर्मित एक अनोखा नमूना थे, और साहसी चेहरे जो बर्फ से भी सफेद थे। उनकी आंखें हर दिन उज्जवल बनते गए और उनके चेहरे निखरते गए, और वे अपने आस-पास का बहुत ध्यान से निरीक्षण करते थे ।

" प्रतिष्ठित मनुष्य और उसके पुत्र और हमारे मित्र आदम की बेटियाँ कभी भी क्यों शैतान का उपासक बनेंगी ?" एक देवदूत ने जोर से सोचा।

शैतान ने बड़ी सहजता से उत्तर दिया। "मानवजाति उनकी आर्थिक वास्तविकताओं के बारे में जानने में जलमग्न हो जाएगी। ये नीच इंसान भौगोलिक साहित्य का अध्ययन करेंगे और यादृच्छिक स्थानों की यात्रा करेंगे , और जल्द ही, सभी धार्मिकता उनके मन से गायब हो जाएगी , और वे मेरी पूजा करना और मैं उन्हें जो कुछ सिखाता हूं उस पर विश्वास करना शुरू कर देंगे । उदाहरण के लिए, मैं लोगों को मजबूर करूंगा
उन्हें यह विश्वास करने के लिए कि वे झूठे विकास सिद्धांतों पर विश्वास ना करे की वो आदम और हव्वा के वंशज है , क्योंकि यदि वे विश्वास करते हैं वे इंसान हैं, वे खुद को मुझसे ज्यादा सम्माननीय और श्रेष्ठ होने की कल्पना करना शुरू कर सकते हैं । इसलिए मुझे उन्हें मनाना

पड़ेगा कि वे जानवरों से भी बदतर हैं, और इसलिए मैं उन्हें वफादार मानव दासों की टीम में भर्ती करूंगा उन्हें यह सिखाने के लिए कि उनका
दादा-दादी गोरिल्ला थे, और उनके पूर्वज सभी बंदर थे । स्वर्ग की अनिर्वचनीय घटना
उन्हें इतना चकित कर देगा कि वे प्रसन्न हो जायेंगे और मेरे गुलाम बनेंगे और दिन के हर घंटे मुझे लूसिफ़ेर कहेंगे ! आख़िरकार, उनका पूरा जीवन व्यर्थ हो जायेगा ।"

“निश्चित रूप से,” एक अन्य देवदूत ने टिप्पणी की, “आदम और उसके बच्चे इतने भोले नहीं है की वो तुम पर विश्वास करेंगे । आदम ने वर्जित फल खाकर गलती की थी, लेकिन यह तुम्हारे बहकाने पर किया गया था, और तब से , युवा जोड़े ने अपनी गलतियों को पहचाना और क्षमा के लिए प्रार्थना की । इस नेक व्यवहार ने उन्हें इश्वर के प्रेम, क्षमा और मार्गदर्शन का दर्जा दिला दिया।”

शैतान चिल्लाया, "गंदे इंसान मूर्ख हैं," और इसलिए इन विकास सिद्धांतों पर विश्वास करेंगे और उनके निर्माता और इश्वर को नकार देंगे , और मेरी और मेरे राक्षसों की पूजा करेंगे और मैं उन्हें पौराणिक, जादुई या वीरतापूर्ण कहानियाँसुनाऊंगा उन सभी पर विश्वास करेंगे ।”

“नहीं, हे अस्वीकृत शैतान! मनुष्य उनके प्रभु की दृष्टि में सम्माननीय है," स्वर्गदूतों ने अंतिम नियम का एक अंश पढ़ने से पहले उत्तर दिया , जहां इश्वर ने घोषणा की, “जो कोई भी धार्मिकता का काम करता है, चाहे वह पुरुष हो या महिला, और सत्य आस्तिक है , हम निश्चय ही उसे सुखी जीवन देंगे; और हम उन्हें उनकी पूरी योग्यता के अनुसार उनका प्रतिफल देंगे । जब आप क़ुरान पढ़ें, तो परमेश्वरका सहारा लें, कि वह तुम्हें पत्थर से भगाए गए शैतान से बचाए : परन्तु वह केवल उन

पर ही अधिकार रखता है जो ईश्वर से विमुख हो जाते हैं, और उसके साथ जुड़ जाते है ।" (अंतिम
वसीयतनामा, 16:99)

"ठीक है," शैतान ने निश्चयपूर्वक घोषणा की। “मैं आरंभ से ही मनुष्यों का विश्वास को नष्ट कर दूँगा! मैं उन्हें इश्वर के नाम को गाली देकर अपवित्र करना सिखाऊंगा। प्रत्येक पीढ़ी में, मैं यह पता लगाऊंगा कि कैसे मनुष्य अपने इश्वर का उल्लेख करते हैं, और फिर मैं उनके देवता का नाम विकृत कर दूंगा ताकि वे उसे पुकारना और उनके निर्माता के लिए प्रार्थना करना बंद कर दें । मैं कभी भी किसी पुरुष या महिला को ईश्वर को उसके सच्चे नाम, अल्लाह, से पुकारने की इजाजत नहीं दूंगा! जब इंसान की शुरुआत हिब्रू सीखना शुरू करेंगे , और उस प्राचीन भाषा में, सर्वशक्तिमान ईश्वर और ब्रह्मांड के निर्माता का नाम यहोवा का प्रयोग करेंगे , मैं उन्हें विश्वास दिला देंगे कि यह एक झूठा देवता है। जब लोग अरबी भाषा बोलने वाले अपने ईश्वर को उसके नाम अलाहा से पुकारेंगे, मैं उन्हें यह सोचकर गुमराह करने का प्रयास करूँगा कि यह एक अलग हिब्रू देवता यह्वा से अलग इश्वर है । और जब धर्मात्मा पुरुष उनमें से कनानी उच्च देवता को एल एलाह के रूप में पहचानेंगे , या यह्वा के बजाय और भी अधिक सामान्य एलोहीम का उपयोग करेंगे , तो मैं कोशिश करूँगा उन्हें सच्चे ईश्वर के नाम का उपयोग करके पुकारने से रोकने के लिए और इसके बजाय, उन्हें विश्वास दिलाऊँगा कि ये सब बहुदेववादी देवता हैं । अंत में, जब अरबी बोलने वाले हिब्रू और सिरिएक विद्‌वान सामने आते हैं , और वे परमेश्वर को ब्रह्मांड अल्लाह बुलाएँगे, मैं उन सभी को इस बात पर विश्वास करने के लिए मनाऊंगा एलोहीम, एल एला, योड हे वौ हे या हिब्रू यव्ह और आल्हा सभी छोटे चंद्रमा देवता हैं जिन्हें शाश्वत मोक्ष प्राप्ति के लिए दुष्टतापूर्वक शाप दिया जाना चाहिए | हालाँकि ये सभी नाम इश्वर के सच्चे और एकमात्र नाम का एक रूपांतर हैं लेकिन , मैं मंदबुद्‌धि धार्मिक पुरुष और महिलाओ मनाऊंगा कि वे गलत हैं। तब वे मुझ पर विश्वास करेंगे और परमेश्वर पर

अविश्वास करेंगे और शाप देंगे और मेरी पूजा करेंगे ! इसलिए, मुझे बिल्कुल भी डर नहीं है कि इश्वर पापी और घृणित मनुष्य को माफ कर देंगे । वास्तव में, इश्वर भी उनपर नज़र भी नहीं डालेंगे जब वह सुन ले कि वे उसे कैसे कोस रहे हैं!"

आदम के आँसू

धरती पर भेजे जाने के कुछ क्षण बाद, नरम दिल मानव निराशा में डूब गया। वह स्वर्ग के लिए फूट-फूट कर रोने लगा और चिल्लाने लगा । "ओह कितना भयानक दर्द है! यह जीवन जिसमें केवल कड़वी यातना है कैसी निराशा का साम्राज्य है? ओह, ये कैसा जीवन है मुझे अंत की कामना करवाता है ताकि मैं एक ऐसी जगह पर रह सकूं जहां सब कुछ भुलाया जा सकता है! ओह, काश यह सब एक सपना होता जिससे मैं जाग जाऊँगा और यह सारी पीड़ा एक अतीत की भूली हुई बात होगी, और मेरा ह्रदय दुःख से नहीं धड़कता और दुःख से ना फूट पड़ता ! ओह, काश मेरे दिल मेरे हर घातक कदम के साथ विस्फोट होना बंद हो जाता और मेरी आँखों से सभी दृष्टियों से अंधकारमय हो जाए ताकि मुझे कभी भी फिर से नश्वर पर नजरें नहीं डालनी पड़ेंगी! ओह, काश मेरा दिल अंततः चिल्लाकर स्वर्ग की ओर पुकारने की शक्ति पा पाता
जो सारे आकाश को हिला देगी और नरक की दीवारों को तोड़ डालेगी !"

आदम इस नये निवास के सभी आकर्षणों से मोहित नहीं था। उसका ह्रदय एक संन्यासी जीवन की तपस्या के लिए लालायित था। उस दुनिया से पूरी तरह घृणा हो गई जो अब शैतान और उसकी उत्पात मचाने वाली संतानों के साथ संक्रमित हो चुकी थी । उसकी कामना केवल शांति से ईश्वर की आराधना करने और अपने छोटे से पाप के लिए रोने के लिए थी । पश्चाताप के साथ, वह दिन में इश्वर से प्रार्थना करने लगा और रात के सबसे अंधेरे घंटों में रोने लगा ।

अपने दुःख में, आदम ने कई दोहे पढ़े:

"पहले कोई भी आदमी मेरी तरह ग़लती नहीं कर रहा था,
हे इश्वर , मेरी कड़वी आह में इस पश्चाताप को स्वीकार करो,
सचमुच, मैं पाप करने के प्रति बहुत अधिक प्रवृत्त हो गया था,
लेकिन क्या मानवता की शुरुआत मेरी मूर्खता से ही होनी चाहिए?
प्रेम की ये प्रतिज्ञाएँ, हे प्रभु, ठुकराओ मत,
इस पागल को अपने नरक में मत जलने दो,
क्योंकि मैं भूल गया था! हे मनुष्य हमेशा कैसे भूल जाता है,
लेकिन मेरे दिल में पछतावे के अलावा कुछ भी नहीं है!"

वह चाहते थे कि उनके बच्चे धर्मपूर्वक जीवन व्यतीत करें और अव्यवस्थित जीवन से परहेज़ करें। पृथ्वी उसका घर और उसके बच्चों का अस्थायी निवास था , और वह जानता था कि उसे उनके बीच रहना होगा ताकि उन्हें ईश्वर और आख़िरत पर विश्वास हो सके। हालाँकि, वह इतना शोकग्रस्त था कि उसे स्थानिक लोगो से हटके बस एक साधू बनने के अलावा कुछ नहीं चाहिए था । मानवजाति पर अनेक विपत्तियाँ आने वाली थीं। सचमुच, वे अकाल, प्यास, नग्नता से अजनबी नहीं होंगे। उनके अधिकांश बच्चे शत्रु की तलवार से बच न सकेंगे।

गरीबों और निराश्रितों पर दया नहीं की जाएगी और बहुतों का मज़ाक उड़ाया जायेगा, अपमानित किया जायेगा , मज़ाक उड़ाया जायेगा थूक दिया जायेगा जबकि बाकियों को पीटा जायेगा । शांति का उपदेश देने का प्रयास करने वालों को कट्टरपंथियों के भीड़ का हमलों का सामना करना पड़ेगा । वह जीवन कितना विपत्तिपूर्ण होगा!

अज्ञानी लोग जो शैतान के निर्देशों का पालन करते थे धार्मिक सभा के अंदर सबसे पवित्र जागरण और प्रार्थनाओ के अंदर घुसेंगे । ओह, वह अपने भविष्य के पीढ़ियों लिए कितना दुखी था । उसके बच्चों के बच्चे कैसे होंगे यदि शापित शैतान उनका साथी और सलाहकार बन जाता है?

आदम ने अपनी छाती पकड़ ली और हताश होकर उदासी से कहा । "ओ मेरे मन! ऐ मेरे दिल! ये कैसा अभिशाप है मेरे अपराध बोध का बोझ इतना गहरा है कि मुझे अपने इस शरीर से डर लगता है के बर्दास्त नहीं कर सकता?! यह कैसा दर्द है कि मुझमें ताकत नहीं है मात्र एक दिन के लिए भी जीवित रहने की ? ओह, मैंने तेरे विरुद्ध कितना भयानक पाप किया है हे मेरे प्रभु! मैंने आपको धोखा दिया जबकि आपने स्वर्गदूतों और छुपे हुए लोगों से ऊपर मुझे तरजीह दी मेरा सम्मान किया और मुझे वह सब कुछ दिया जो मैं चाहता था, जो मैंने कभी सपने में भी नहीं माँगा था, उससे भी अधिक मुझे दिया,और फिर भी, मैंने तुम्हें अस्वीकार कर दिया और तुम्हें अत्यंत निराश किया! सचमुच, क्या मैं ने तुझे सिद्ध नहीं किया? उस शापित शैतान के प्रति गलत जिसने तुम्हें धोखा दिया और वादा किया क्या आप चाहते हैं कि मैं और मेरी संतान भी ऐसा ही करें? अफ़सोस! केवल अब मुझे शर्म और निराशा ने घेर लिया है!”

जैसे ही आदम ने ईश्वर से उसे माफ करने की प्रार्थना की, शैतान अधिक और अधिक चिंतित होगया । उसे डर था कि दया के देवता उनके सिंहासन के ऊपर से मनुष्यों पर उदारता और दया की वर्षा करेंगे , इसलिए उसने आदम और उसके बच्चों को गुमराह करने अपने प्रयासों को दोगुना करने का निर्णय लिया । वह जोर से चिल्लाया । "इन प्रार्थना करने से और क्षमा मांगने से अप्रिय मनुष्य कभी पाप से दूर नहीं होंगे! मैं उन्हें नशीली दवाओं और शराब का आदी बनाऊंगा! उन्हें क्षीण इंद्रियाँ से कष्ट होगा और मनोदशा में भारी परिवर्तन और यह उन्हें गंदे काम करने और अपने प्रियजनों को चोट पहुँचाने में सक्षम बनाते हैं। ओह, क्या जानवर बनेंगे वो इंसान! मैं इश्वर को दिखाऊंगा कि कैसे वे लूटपाट करने वाले मनुष्य दुष्ट हैं ! आख़िरकार, उनका नशा इतना गंभीर हो जाएगा, कि वे व्यभिचार और हत्या में व्यस्त रहकरचेतना खो देंगे ! मैं सुनिश्चित करूँगा कि वे सभी शाश्वत यातनागृह में पहुँचें क्योंकि उनमें से एक भी नहीं

जो मृत्यु के समय एक ईश्वर पर विश्वास करने में सक्षम होगा । अपना सिर ज़मीन पर पटकते हुए, शैतान उसके क्रोध में पागल हो गया । "अगर मुझे कीड़े-मकोड़ों से भरे लोग मिलते हैं जिनके पास शराब के प्रति उच्च सहनशीलता है , मैं उन्हें सिखाऊंगा कि यह फायदेमंद है और तब तक कठोर पदार्थ पीते रहें जब तक उनका मन ख़राब न हो जाए और वो जंगली हिंसक जानवरों की तरह नासमझ ना बन जाये ! वे इन नशीले पदार्थों की लत उन्हें ऐसी लगेगी कि उन्हें याद भी नहीं रहेगा कि सड़े हुए तरल पदार्थ पीने से कैंसर हो सकता है और हृदय संबंधी समस्याएं ।

जैसे-जैसे शैतान भड़क रहा था, आदम उदास होकर रो रहा था, प्रार्थना कर रहा था
इश्क्षवर से क्षमा मांग रहा था और जंगली पक्षियों और जानवरों से बात क्र रहा था इस विचित्र मानव को दयालुता से देख रहा था । "हे जंगल के जानवरों! हे सिंह के बच्चों! हे पक्षियों के बच्चों! क्या आप जानते हैं एक धोखा जो आपको इंसानियत पर विश्वास करने की आशा खो देता है ?! क्या आप जैसे प्राणी इसका दर्द समझ सकते हैं
उस व्यक्ति से अस्वीकृति जिससे आपने कभी नफरत की उम्मीद नहीं की थी ?" आदम आंसू बहाते हुए चिल्लाया , वह स्थिर खड़ा था, हांफ रहा था, और फिर उसने यह पता लगाने के लिए आगे दौड़ने की कोशिश की कि हव्वा कहाँ उतरी है । जंगली जानवर उसका पीछा करने लगे और अशुभ ढंग से गुर्राने लगे। दरअसल, वह धरती के जानवरों के बीच में जाने से डरता था ! यदि उन्होंने उसका पीछा किया या उसके शरीर को चीर दिया तो क्या होगा? वह नहीं चाहता था कि उसके टुकड़े-टुकड़े हो जाये , और एक गड्ढे से दूसरे गड्ढे में भागता रहे , जिस विचित्र इलाके पर वह चला, उसे समझने की कोशिश कर रहा था। उसने एक बार फिर अपने आस-पास के प्राणियों को संबोधित किया। "ओह, आप एक ऐसे दर्द के बारे में जानते हैं जो किसी भी हृदय के लिए इतना गंभीर होता है कि उसे रोक पाना संभव नहीं होता और किसी दिमाग को समझने लायक नहीं होता ? क्या आपने कभी विश्वासघात का दर्द

महसूस किया है? किसी ऐसे प्रियजन से जो आपको कभी धोखा नहीं दे सकता था? कहो, क्या आप उस दर्द के बारे में जानते हैं जिसमें इंसान शून्यता में घुल जाना चाहता है? क्या आप उस पीड़ा की सराहना कर सकते हैं जो इसे जन्म देती है? साँस लेना असंभव हो जाता है और आवाज़ भी संकुचित हो जाती है? हे शावक! अगर आपकी माताएं आपको खाना खिलाना बंद कर दें और तुम्हें छोड़ दे , तो क्या तुम्हें उस दर्द का एहसास होगा जो मैंने मेरे प्रभु को दिया है, जिसने कभी मुझसे उसे पीड़ा पहुँचाने के लिए विश्वासघात की आशा नहीं की थी , खासकर जब उसने मुझे अपना सब कुछ दे दिया? क्या आप किसी प्रियजन से अस्वीकृति का दर्द जानते हैं, या उस व्यक्ति से बेवफाई जिससे आपने कभी वफ़ादारी और प्यार के अलावा कुछ उम्मीद नहीं की थी? क्या तुम्हें उस कड़वे दर्द के बारे में पता है, हे लड़कियों, अगर आपको उम्मीद थी कि आपकी मां आपको खाना खिलाएंगी लेकिन वह तेरा वजूद भूल जाती हैं, और उससे दोस्ती की जो आप का शिकार करता है?!" कड़वी दृष्टि डालते हुए, आदम उन्मादी ढंग से बोला। "ओह,
जंगली जानवर! हे पृथ्वी के प्राणियों! मैंने वास्तव में मेरे इश्वर को सबसे गंभीर रूप से धोखा दिया और उसके दिल को दर्द दिया है , और मेरे दिल के आंसू उस सारे अपराध के गवाह हैं जो मुझे घेर लेता है!”

आदम ने दिन में और रात में परमेश्वर को पुकारा, इश्वर की क्षमा और स्वर्गीय प्रेम के तलाश के अलावा दुनिया में किसी और चीज की परवाह नहीं। उसने अंधकारमय पृथ्वी के चारों ओर नज़र दौड़ाई, और उत्सुकता से चाहा कि वह स्वर्ग में स्वर्गदूतों के साथ हो।

आदम और हव्वा अनुभव कर रहे पीड़ा को देखकर शैतान खुलकर प्रसन्न हुआ
औरउसने अपनी सफलता का श्रेय उस किण्वित रस के नशीले प्रभाव को दिया

, जिसे उसने निषिद्ध वृक्ष के फल से बनाया था। "वास्तव में," उसने बच्चे जो उसके साथ बैठे थे उनसे कहा , "मैंने हव्वा को फलों के किण्वित रस का एक प्याला चढ़ाया था और जब उसने तरल पदार्थ पिया, तो उसके दिमाग पर नशे का असर हुआ और वह मेरे आकर्षक हेरफेर के प्रति संवेदनशील बन गई, इसलिए जब मैंने उसे बताया अपने पति को पेड़ का फल खाने के लिए मनाना तो दोनों इतने मूर्ख हो गए कि परमेश्वर की स्पष्ट चेतावनी को नज़रअंदाज कर दिया मेरे झूठे वादों पर विश्वास किया।
इसलिए, मैं इसके सभी रूपों की सराहना करता हूं, नशीले पदार्थों का सेवन न करने की आज्ञा देता हु और मै ये सुनिश्चित करुनग के कोई मर्द या औरत उन बदबूदार सड़ा हुआ तरल पदार्थ पिए बिना ही इस धरती से ना चले जाये। मैं उन सब को जो पृथ्वी पर है उन्हें नशीला पदार्थ पिलाऊंगा और पागल बना दूंगा। और जब वे
जानवरों की तरह पागल हो जायेंगे और शराब के नशे में तांडव और हत्याएं करने लगेगे तब मैं इश्वर को दिखाऊंगा उसने घृणित प्राणियों को बनाया है। मैं इश्वर से कहूंगा कि उन्हें सूअर जैसा दिखने वाला घृणित इंसान बनाने से बेहतरकरना चाहिए था , और जंगली कुत्तों की तरह सार्वजनिक रूप से अपनी पीठ उघाड़ते हैं लकड़बग्घे की तरह व्यभिचारी है। वे एक-दूसरे के गंदे शरीर के अंगों को सूंघते हैं और गधों की नाईं रेंकते थे, तो भी परमेश्वर ने उन्हें मुझ से श्रेष्ठ समझा! उसकी यह सोचने की हिम्मत कैसे हुई कि आदम और उसके गंदे बच्चे मुझसे बेहतर हैं , जब वे ऐसी घृणित प्रजातियाँ हैं जो अग्नि के चारों ओर घूमकर मेरी पूजा करते है , और मुझे खुश करने के लिए अपने माता-पिता का बलिदान करते है अपने बच्चों को खाते है ?"

शैतान अपनी उत्तेजना को शांत करने के लिए रुका और अपने राक्षसों पर घमंड करना जारी रखा। " इश्वर कभी उन बदबूदार मनुष्य को मुझसे बेहतर कैसे सोच सकते हैं," वह ज़ोर से आश्चर्यचकित हुआ, "जब वे सभी यौन तांडव में संलग्न होते हैं और अपने नग्न बदसूरत शरीर को रंगते हैं

और उन विद्रोही चित्रों को देखते है ? सचमुच, यहाँ तक कि जंगल की सबसे नीची और मूर्ख प्रजाति भी जानवर पूरे दिन एक-दूसरे के गंदे शरीर के अंगों को देखते नहीं रहते हैं, और फिर भी मनुष्यों में यह सोचने का साहस है कि वे छुपे हुए लोग जो आग से बने हैं उनसे बेहतर हैं ? कभी नहीं! मैं इश्वर को साबित करूंगा वह कितना गलत है! मैं इन लोगों को शराब के नशे की लत लगा दूंगा और उनसे भयानक अपराध करवाऊंगा ताकि इश्वर उसकी गलती को समझे ।"

शैतान इतने पागलपन से चिल्लाया कि स्वर्गदूत निश्चित समझा कि वह पूरी तरह से अपना दिमाग खो चूका है । "हे शापित और अस्वीकृत! यह मानव जाति के प्रति जुनून की शिकायत करना बंद करो ! एक देवदूत ने चिल्लाकर शैतान को चुप रहने को कहा।

अपने ही बालों को झटकते हुए और बालों के गुच्छों को तोड़ते हुए, शैतान चिल्लाया। "हे देवदूतों! कभी मत सोचो कि तुम्हें बख्शा जाएगा! मैं सभी स्वर्गदूतों को फसऊँगा और देवदूत होने का दिखावा करूँगा, और आपका आकार और रूप, और फिर लूँगा फिर मंदबुद्धि मनुष्यों के सामने प्रकट होऊंगा जो सोचेंगे कि मैं असली फरिश्ता हूं और फिर मैं उनसे माइकल का गेब्रियल होने का नाटक करके बात करूंगा।' तो, इस तरह, मनुष्य यह सोचकर मूर्ख बनेंगे कि वे इश्वर के देवदूतों से मदद मांग रहे हैं और कुछ मूर्ख लोगों को इसका एहसास भी नहीं होगा कि वे शापित शैतान की पूजा कर रहे हैं, क्योंकि मैं अक्सर देवदूत होने का दिखावा करूंगा और दावा करता हूं कि मेरे पास बहत्तर देवदूत मेरी सेवा कर रहे हैं, जबकि वास्तव में वे सभी राक्षस होंगे !"

"लेकिन सम्माननीय मनुष्य इश्वर के चुने हुए सेवक हैं!" एक देवदूत चिल्लाया. "उन्हें तुम्हारी आज्ञाओं का पालन करने और पूजा करने से अधिक समझ होगी ।"

"आह!" शैतान पागलपन से चिल्लाया। “मैं आदम के दुष्ट पुत्रों को मेरी पूजा करने के लिए मनाऊँगा, और उन्हें मेरी ऊष्मा ऊर्जा पर ध्यान करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा

और जब वे मेरा नाम हजारों बार जपें तो मैं उनके पास आऊंगा और उनकी समस्याओ समाधान करने का नाटक करूंगा । अगर वे नौकरी न मिलने की शिकायत करेंगे तो मैं इश्वर होने का दिखावा करूंगा , और मेरे अन्य उपासकों में से किसी एक को ऐसा करने को कहूँगा ,उस आदमी को एक पत्र भेजें और उसे कुछ पैसे दें या उसे एक काम का प्रस्ताव दूंगा । अगर उन्हें कुछ सोना चाहिए तो मैं किसी अमीर से मनुष्य नए गुलाम को एक छोटी सी लॉटरी जिताने के लिए कहूँगा , ताकि उसका मुझ पर विश्वास पुख्ता हो जाएगा। सचमुच, इस तरह मुझे बहुत सारे दास मिलेंगे और वह व्यक्ति आशापूर्वक दूसरों को मेरे दास बनाएगा ! फिर मैं उन इंसानों को नशे में धुत बनाऊंगा

और सबसे जघन्य पाप करवाऊंगा और झूठी वैज्ञानिक रिपोर्टों पर विश्वास करने को कहूँगा जो उन्हें यह विश्वास दिलाएगी बीयर और वाइन उनके स्वास्थ्य के लिए अच्छे हैं। मैं जानता हूं कि आप देवदूत मेरे उपदेशों को झुकाने की कोशिश करेंगे, लेकिन मैं उन्हें मना लूँगा कि व्हिस्की, माल्ट शराब और अल्कोहल पीने से वे लंबे समय तक जीवित रहेंगे , लेकिन वास्तव में, ये आसुत आत्माएं और प्रतिकूल हैं तरल पदार्थ के कारण उनकी मानसिक स्थिति और स्वास्थ्य ख़राब हो जाएगा । वास्तव में,

वे मंदबुद्धि मनुष्य जो कुरूप मिट्टी से बने हैं अत्यधिक शराब पीने के आदी हो जायेंगे और शराबी बन जायेंगे जब तक वे विषैले और मनो-सक्रिय पदार्थ के कारन वे पूरी तरह से मंदबुद्धि बनेंगे ।”

आदम की छाती दुख से फूल गई और वह अकेला ठंडा और सुनसान तट पर खड़ा रह गया, अँधेरे जल की तेज़ लहरों को देखते हुए , धीरे-धीरे अपने आप से स्वर्गीय प्रार्थनाएँ फुसफुसाते हुए, जो इश्वर ने उसे कई युगों पहले सिखाई थीं। आह, वह कल्पना नहीं कर सका कि उसे इस

निराशा के वातावरण में निर्वासित जीवन कैसे जीना पड़ेगा और इन चट्टानी खोहों के बीच कैसे रहना होगा ।

स्वर्ग में पूर्व सुख

स्वर्ग के आश्चर्यों को देखकर, आदम बहुत खुश हुआ। इन अद्भुत चीज़ों के बारे में और अधिक जानने के लिए वह अक्सर रमणीय और सुनहरी पहाड़ियों के बीच दौड़ता था। वह नयी जानकारी प्राप्त करके और नए स्थानों की खोज करके आश्चर्यचकित और प्रसन्न दोनों हुआ । लेकिन स्वर्ग का आनंद के बावजूद , वहाँ स्वर्ग के बगीचों से परे एक सदैव उपस्थित शत्रु छिपा हुआ था । शैतान क्रोध से खदबदा रहा था, और उसने पहले मानव से बदला लेने की कसम खाई थी जिसे इश्वर ने सम्मान और अनुग्रह के साथ बनाया। शैतान आदम को स्वर्ग से निकालने में दृढ़ था जैसे उसको स्वर्ग से निकाल दिया गया !

यह शैतान का स्वभाव था कि वह अपनी महत्वाकांक्षाओ में कच्चा और बेचैन था ।

अज़ाज़ेल अपने देवदूत साथियों से मित्रता की तुलना में प्रशंसा अधिक चाहता था , और कुछ देवदूत जो उसे करीब से जानता थे , सोचता था कि वह एक घृणित और निर्दयी व्यक्ति है। दरअसल, अज़ाजेल ने अपना जीवन खुद को प्रकृति के दर्शन से शिक्षित करने में समर्पित कर दिया और जीवन और मृत्यु और आत्मा की अमरता के महान सत्यों को समझने का प्रयास किया। अज़ाजेल बहुत बुद्धिमान था और वह अमर जीने के विचार से बहुत प्रभावित था, जहां कोई भी उससे दिमाग या सुंदरता में

 श्रेष्ठ नहीं होगा । लेकिन देवदूत, जिन्हें पूरी तरह ठंडी रोशनी से तैयार किया गया था

, शैतान के समझदार और साहसी हताश प्रयासों से अप्रभावित थे । उन्हें आदम में शिष्टाचार से अधिक भरोसेमंद होने कोमल गर्माहट मिली ।

आदम के स्वर के बारीक बदलाव को समझने पर, और उसके हाव-भाव की अत्यंत सौम्यता को देखते हुए, सज्जन देवदूतो को एहसास हुआ कि यह आदमी विशेष था और इसमें ऐसे गुण थे जो वे न तो जानते थे और न ही समझते थे।

आदम की शारीरिक पहचान किसी भी चीज़ से भिन्न थी जो स्वर्गदूतों ने पहले कभी नहीं देखा। वह एक हँसमुख व्यक्ति था, जो खेल और विविधता से भरपूर था। आदम में एक साधारण इंसान की बनावट थी, लेकिन इश्वर की अनुमति और असीम कृपा के कारण, वह अरबों शब्दों और भाषाओं को भिन्न-भिन्न असंख्य नाम लेख और खाद्य पदार्थ, और प्रत्येक मनुष्य की जीवनियाँ, देवदूत और छिपे हुए लोग जो कभी जीवित थे या आने वाले थे उनको याद करने में सक्षम था । एक मानव मस्तिष्क के लिए इतनी विशाल जानकारी श्रृंखला को समाहित करना असंभव है , लेकिन इश्वर ने आदम को बुद्धि और अद्भुत स्मृति का शानदार उपहार दिया । चूँकि इश्वर ने उसे दुनिया के जटिल विवरण सिखाया थे , आदम उन्हें बिना अप्राकृतिक प्रयास के सीखने में सक्षम था । सर्वशक्तिमान इश्वर ने उसे ऐसा बनाया के उसे सिखाई गई सारी जानकारी याद रखें और बनाए रखें, और इसने आदम को अब तक का सबसे विद्वान व्यक्ति बना दिया।

स्वर्ग की चाबियाँ प्राप्त करने पर, आदम को सबसे खूबसूरत महलों में रहने की इजाजत थी । स्वर्ग के देवदूत अक्सर उसे छद्म नाम कहकर बुलाते थे, जो अबू एल बशर था, जिसका मतलब था मानवता के पिता। उसे स्मृति के लिए केवल एक सरल नियम बनाए रखने के लिए कहा गया था। इश्वर ने उसे वर्जित वृक्ष के फल को छोड़कर स्वर्ग की सभी सुविधाओं का आनंद लेने की अनुमति थी । हालाँकि, यह ज्ञान आदम के मस्तिष्क के न्यूरॉन्स में चमत्कारिक रूप से अंतर्निहित नहीं है, लेकिन उसे इसे अपनी इच्छा से याद रखने को कहा गया। बेशक, यह केवल एक इंसानी गलती थी , और इसलिए, आदम भूल गया कि यह

कितना महत्वपूर्ण निर्देश था। दरअसल, वह यह नहीं भूले कि यह वर्जित पेड़ के फलों को चखने की ईश्वर की आज्ञा थी , लेकिन जब शैतान ने उसे आश्वासन दिया कि पेड़ जिसमें अनन्त जीवन का अमृत शामिल था, आदम ने बस यही सोचा कि अमर होकर सदैवस्वर्ग में रहना कितना सुंदर होगा ।

आदम ने इस आदेश को याद रखने के लिए खुद पर भरोसा किया था, लेकिन अपनी पत्नी के साथ गलती हो गई । अंतिम नियम निम्नलिखित श्लोक में क्षण की याद दिलाता है : "हमने पहले आदम के साथ एक अनुबंध किया , लेकिन वह भूल गया। हमें उसका कोई दृढ़ संकल्प नहीं मिला ।" (20:115)

सचमुच, आदम परमेश्वर की आज्ञा भूल गया और उसने अपनी खूबसूरत पत्नी के आग्रह पर, पेड़ का फल खा लिया । शैतान ने उसे यह विश्वास दिलाने के लिए धोखा दिया था कि वर्जित फल में जीवन का अमृत था, और उसने इसके कुछ फलों का रस पी लिया, लेकिन आदम उसके इश्वर की अवज्ञा करने में झिझक रहा था। हालाँकि, हव्वा ने उससे कुछ चखने का आग्रह किया, क्योंकि उसे यकीन था कि अगर उसका पति वर्जित फल का जूस नहीं पीता तो वह उसके साथ हमेशा के लिए स्वर्ग में रहने में असमर्थ होगा।

अफ़सोस! जोड़े ने गलती की और अब, आदम को पृथ्वी पर ले जाया गया। इस विचित्र ग्रह पर, उसने भयभीत होकर चारों ओर देखा। दूर से उसने जंगली जानवरों की दहाड़ और चिल्लाहट सुनी। प्रचण्ड वायु ने सिंहों की दहाड़ को उसके पास लाए । ईश्वर सबसे बेहतर जानता था, क्योंकि वह अकेले ही स्वर्ग और पृथ्वी का राजा था, और यह उनकी दयालु बुद्धि का कठोर आदेश था कि वे वर्जित वृक्ष के पास न जाएं । ओह, मानव हृदय जो भूल जाते हैं! ओह, प्यार और इच्छा जो सबसे उत्सुक दिमागों को अंधा कर देती है!

उसने गलती की थी, उसने गंभीर अन्याय किया था और पेड़ का फल खाया था,
और यद्यपि उसकी सजा उसके दुखते दिल पर पारित की गई थी
परमेश्वर ने जो भी आदेश दिया था, उसके निर्दयी ह्रदय ने स्वयं को पाप में फँसने दिया।

भेड़ियों के डंक ने आदम को भयभीत कर दिया, क्योंकि यह ध्वनि उसने जीवन में पहली बार सुन रहा था । ओह, यदि केवल स्वर्ग से दया और क्षमा की फुसफुसाहट गूँज उठी! ओह, वह कैसे चाहता था कि उसके पास आने वाली एकमात्र सांसारिक ध्वनि क्षमादान की घोषणा हो । उसने उसकी पत्नी की आज्ञा क्यों मानी थी? ओह, उसने हव्वा के सामने आत्मसमर्पण क्यों किया था? सब ख़त्म हो गया, और सारी ख़ुशी ख़त्म हो गई!

यह उसका नश्वर पाप था जिसने उसे स्वर्ग के उज्ज्वल द्वार से बाहर निकलने और धरती में समाने के लिए प्रेरित किया था । अफ़सोस! अज़ाज़ेल मानव जाति का शत्रु था , और किसी भी प्रकार की खुशी के लिए अभिशाप था। उसने आदम और उसकी पत्नी की खुशी को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

यह केवल ईश्वर ही था जो एक बार फिर आदम को बचाने आया उसे अपने संकट से उबरना सिखाने के लिए एक पवित्र सांसारिक जीवन जीने के लिए सारापों को भेजा, जहाँ सारी अच्छाई का अंत होना था मृत्यु और नश्वरता को उन लोगों के साथ संजोया जाना चाहिए जिनसे कोई प्यार करता हो। वह कैसे तारों से भरे स्वर्ग में बादलों के बीच रहना चाहता था!

आदम को अज्ञात पृथ्वी के पहाड़ों और घाटियों में दुःख की परछाइयाँ तैरती हुई महसूस हुईं, और युद्धभूमि से निकली हर ध्वनि और हर क्षण

ने चीखों की भाँति उसके हृदय को छेद दिया। वह एक विदेशी दुनिया, विदेशी प्राणियों और अजीब जीवों और जंगली पेड़ के बीच था ।

वह स्वर्ग में अनंत काल तक रहने और स्वर्ग की प्राचीन खुशियो की सांस लेने की कितनी तीव्र लालसा रखता था, लेकिन वह आसमान से गिर गया, और अब अकेला और परेशान था। वास्तव में, स्वर्ग प्रचुर मात्रा में विलासिता से परिपूर्ण सबसे उत्तम भूमि थी ।

ओह, वह कितनी बुरी तरह चाहता था कि उसे इतने सारे आतंक के अनुभव के बोझ से मुक्ति मिल जाए । उसने सोचा कि हव्वा कहाँ है । वास्तव में, यह उसके अश्रुपूर्ण शब्द ही थे जिसने आदम को परमेश्वर की आज्ञा को भूलाया । वह फूट-फूट कर रोने लगा और आश्चर्य करने लगा प्रभु की सलाह सुनने के बजाय हव्वा की विनती सुनने को क्यों चुना :

"एक फूल की तरह, वह मेरी तरफ मुस्कुराई,
और खुशी के साथ, मैं उस दिन उठ खड़ा हुआ!
और स्नेह का तूफ़ान बढ़ता गया,
दिन और रात के लिए, हमारा प्यार सच्चा था!
यह कैसा मधुर भाव था,
क्या कारण रहा?
ओ मेरे आशिक ने धोखा क्यों दिया,
आज उसने धोखा क्यों दिया?
कोई पवित्र शब्द नहीं, कोई दिव्य कानून नहीं,
न ही मेरा, मेरा कोई प्रेमी है!
हे यह विश्वासघात जल जाता है,
कल के प्यार को धोखा!
मेरे प्रिय ने यह दिल तोड़ दिया,
और बेरहमी से मेरी आत्मा को टुकड़े-टुकड़े कर दिया!
हे हम अपने स्वर्ग से गिर गए हैं,

हे इस विश्वासघात को कभी माफ नहीं किया जा सकता!
मेरे प्यार के प्रति उसका तिरस्कार सच्चा था;
उसका स्नेह और दुलार भी!
कोई बहन समुद्र एक साथ नहीं जुड़ सकती,
न ही जुड़वां ग्रह ईथर को तोड़ते हैं,
न ही मैं अपने द्वारा सहे गए इस दर्द को भूल सकता हूं;
क्योंकि मैंने उससे ऐसा प्रेम किया था जैसा किसी और से नहीं!
ऐ विश्वास का दीपक टूट गया,
और अतीत की खुशियाँ बिखर गई हैं,
अब मेरे पास प्यार करने के लिए कोई प्यारी पत्नी नहीं है,
न ही कोई आशिक मुझे कसम देने वाला!"

आदम ने सोचा कि स्वर्ग के अंतिम घंटों में क्या हुआ था और वह पृथ्वी के चारों ओर तीव्रता से घूमता रहा, एकमात्र महिला के लिए जिसे उसने पूरे दिल से प्यार किया था उसे खोजता रहा । ओह, आख़िरकार उसे अपनी पत्नी मिल गयी । हव्वा अंतहीन रूप से प्रार्थना कर रही थी और रो रही थी , और उसने आदम की खोज में पृथ्वी पर घूमना शुरू कर दिया । आदम को देखते ही उसने मुस्कान जो खुशी के आँसुओं से मिश्रित थी ऐसे स्वागत भाव से स्वागत किया । ओह,आदम की आँखों में ख़ुशीके आँसू झलक उठे , जब उसने उस महिला की ओर हाथ हिलाया जो स्वर्ग और पृथ्वी पर उसकी विधिपूर्वक विवाहित पत्नी थी।

उसके मन की व्याकुलता कम नहीं हुई। उसे चारों ओर से जो खतरा उसपर मंडरा रहा था और बदनीयती महसूस हुयी और जब वह वहां विनम्र मौन में खड़ा था ।

वे घड़ियाँ लंबी और चिंताग्रस्त थीं जो उसके खड़े-खड़े पीले पड़ जाने से बीत गईं और अभी भी, उसके पास मौजूद स्वर्ग के कार्यकलापों को देख रहा है जो उसने खोये थे । वह जानता था कि जंगल में जाने से घातक

परिणाम हो सकता है, इसलिए वह प्रार्थना करते हुए अपनी जगह पर स्थिर रहा और दया और प्रेम की आस करता रहा ।

वह बुरी तरह रोने लगा, उसने अपनी बोलने वाली आँखें ऊपर की ओर उठाईं
शोक भरी दृष्टि से बादलों से घिरे आकाश की ओर देखा। उसके रोने की आवाज़ दूर-दूर तक गूँज रही थी, आदम को डर था कि वह पृथ्वी पर एकमात्र मानव है । ओह, वह उस शाम कितनी बेतहाशा रोया ! अँधेरी रात की ठंडी ओस उसके चेहरे पर गिरी,
उसकी दुःख-रंजित आँखों को क्षणिक सांत्वना देते हुए, लेकिन उसके गाल उदासी और रोने से पिचक गये थे, उसने ईश्वर से उसके अपराधों को क्षमा करने की प्रार्थना की।

अंतिम नियम के दूसरे अध्याय में, इश्वर ने मानवजाति को सूचित किया के आदम और हव्वा को किस चीज़ ने ईडन बगीचों में गोद लिया था । युगल को बनाने से पहले, ब्रह्मांड के निर्माता उसकी योजनाओं के बारे में स्वर्गदूतों को सूचित किया:

जब तुम्हारे रब ने फ़रिश्तों से कहा, "मैं पृथ्वी पर एक उपप्रधान बसाने वाला हूँ।"

उन्होंने कहा, "क्या तुम वहाँ किसी ऐसे व्यक्ति को रखोगे जो बुरा काम करेगा और खून बहायेगा जब की हम तेरी स्तुति मनाते हैं और तेरा गुणगान करते हैं ?" ।"

इश्वर ने कहा, "वास्तव में, मैं वह जानता हूं जो तुम नहीं जानते।"

और उस ने आदम को सब वस्तुओं के नाम सिखाए, और फिर उसे फ़रिश्तों के सामने रख दिया और उन्होंने कहा, “यदि तुम बुद्धि से सम्पन्न हो तो मुझे इनके नाम बताओ "

उन्होंने कहा, "आपकी जय हो! हमें इसके अलावा कोई ज्ञान नहीं है जो तूने हमें जो जानने को दिया है, तू जानने वाला और समझदार है ।"

उसने (इश्वर ने) कहा, "हे आदम, उन्हें उनके नाम बताओ।" और जब उस ने उनको उनके नाम बता दिए, तो कहा, क्या मैं ने नहीं बताया तुम से कहो कि मैं स्वर्ग और पृथ्वी के गुप्त रहस्यों को जानता हूं , और मैं जानता हूं कि तुम क्या प्रकाश में लाते हो, और क्या छिपाते हो ?"
और जब हमने फ़रिश्तों से कहा, झुको और आदम की इबादत करो ," फिर उन सभी की पूजा की, शैतान को छोड़कर । उसने इनकार कर दिया और घमण्ड से फूल गया, और अविश्वासियों में से एक हो गया।

और हमने कहा, "ऐ आदम! तुम और तुम्हारी पत्नी जन्नत में रहो।" और जहां से तुम चाहो वहां से खूब खाओ; लेकिन इस वृक्ष निकट न जाओ, ऐसा न हो कि तुम अपराधियों में से बन जाओ।

परन्तु शैतान ने उनका विनाश कर दिया और जिस स्थान पर वे थे उन्हें उस से हटा दिया। और हमने कहा, “तुममें से जो एक दूसरे का शत्रु है, नीचे उतरो: और तुम्हारे लिये पृय्वी पर निवासस्थान एक समय का प्रावधान होगा।”

और प्रार्थना के शब्द आदम ने अपने प्रभु से सीखे: और इश्वर उसकी ओर मुड़ा; क्योंकि वह दयालु है, प्यार से मुड़ना पसंद करता है ।

हमने कहा, "तुम सब एक साथ इससे नीचे उतरो: और यदि मुझसे मार्गदर्शन मिले, वह मेरे पास से तुम्हारे पास आएगा, , जो मेरे मार्गदर्शन

पर चलेगा, उन पर कोई भय न होगा, और न वे उदास होंगे , जो लोग ईमान नहीं लाएँगे और हमारी निशानियों को झूठा समझेंगे, ये नरक के कैदी होंगे; वे हमेशा के लिए उसी में बने रहेंगे ।"

जब आदम को पृथ्वी पर भेजा गया, तो परमेश्वर ने उसे एक आरामदायक सुविधा प्रदान की दुनिया में उनके स्थायी घर तक पहुँचाया गया। आँखो में आंसुओं और उदास मुस्कान के साथ, आदम ने अपने देवदूत मित्रों को गले लगाया और उन्हें विदाई दी, और महादूत गेब्रियल ने व्यक्तिगत रूप से उसे जमीन पर पहुचाया ।

जब आदम को स्वर्ग के आसपास से जाने के लिए कहा गया, तो उसने इस आदेश को दु:ख और आश्चर्य के साथ प्राप्त किया, जबकि शैतान हँसी में दहाड़ा, बहुत खुश हुआ कि वह उसकी दुष्टता के लाभ की फसल काटने में सक्षम था ।

हालाँकि, जब आदम पृथ्वी पर उतरा, तो शैतान क्रोध और नाराजगी से भर गया जब उसने ऐसा देखा आदम को स्वर्ग से निष्कासित करने के बजाय स्वर्गदूतों की एक सेना द्वारा धीरे से पृथ्वी पर भेजा गया ।

इस बीच, अज़ाज़ेल पृथ्वी पर वापस आ गया था, इस ग्रह की उपजाऊ मिट्टी पर अपना छोटा सा प्रभुत्व निर्माण कर रहा था । जब इश्वर ने उसे स्वर्ग से दूर भूमि के एक टुकड़े बेबीलोन पर फेंक दिया गया जहां शैतान अपने अगली चाल के बारे में चिंतन करने लगा । उसने अब तक सभी छुपे हुए आग से बने हर एक प्राणी को नियंत्रित किया और कार्यों की कमान संभाली थी । हालाँकि, अपनी प्रजाति को नियंत्रित करने के अलावा,
शैतान जानवरों की भाषा सीखने और उनसे बोलने में कामयाब रहा । उसने उनके साथ चालाकी की और सभी जानवरों को यकीं दिलाया के एक खतरनाक आदमी जंगल में उतर रहा था। शैतान ने सभी जंगली

जानवरों को बताया कि आदम उन्हें नष्ट करने और जलाने के लिए पृथ्वी पर आ रहा था । "सुनो! आपको उसी क्षण आदम को मार डालना होगा जब वह पृथ्वी पर उतरेगा !" दुनिया के जानवरों को अज़ाज़ेल ने आदेश दिया । "सावधान! एक दुष्ट और खतरनाक आदमी तुम्हारे निवासस्थानोंको उजाड़ने आने वाला है , इसलिये यदि तुम बुद्धिमान हो, तो उसे मार डालोगे जिस क्षण वह यहां आता है।

कई घंटों तक शैतान सभी जानवरों को आदम पर हमला करने समझाता रहा वह स्वयं आदम को मारने के लिए बेताब था, परन्तु परमेश्वर ने उसकी सारी शक्तियां छीन लीं थी , उसके पास मानव जाति के किसी भी सदस्य को नुकसान पहुँचाने की क्षमता नहीं थी । धरती पर उतरकर , आदम भूमि का नेता बन जाएगा, और अज़ाज़ेल में , शैतान के रूप में, भोले-भाले लोगों के दिमाग में झूठे तर्क फुसफुसाने की केवल सीमित क्षमता होगी ।

लेकिन उसने अपनी शक्तियों का उपयोग करके सभी जानवरों को यह विश्वास दिलाया कि आदम खतरनाक था और उन्हें कुचल देगा और थोड़ी देर के लिए, अज़ाज़ेल ने सोचा कि उसकी योजना काम कर गई। जानवर एक साथ इकट्ठे हुए और लंबी चर्चा हुई और अंततः इस बात पर सहमत हुए कि शैतान सही था । वास्तव में, यदि आदम उन्हें मारने आ रहा था, तो उन्हें उसकी प्रगति को रोकने के लिए कुछ करना चाहिए। ऐसे विचारों के साथ, जानवरों ने अपने बीच से एक नेता चुना। पशु साम्राज्य में कुत्तों से अधिक कुशल और बुद्धिमान कोई नहीं था , इसलिए एक झुंड के नेता के रूप में , जानवरों ने कुत्ते का चयन किया जैसे ही आदम उनके ग्रह पर पहुंचे उसे उसके खतरे का आकलन करने उसके पास जाना होगा ।

पृथ्वी पर उतरने पर, आदम ने खुद को जंगल वाली भूमि में भयावह स्थलाकृति और विशाल वृक्षों के बीच अकेला पाया । ताज़ा आँसुओं में,

आदम को लगा कि उसका दिल डर के मारे बेतहाशा धड़कने लगा है। वह एक ऐसी दुनिया में अकेला जिसके बारे में वह कुछ भी नहीं जानता था। उसका कोई परिवार या दोस्त नहीं था। उसकी सबसे प्रिय हव्वा कहीं नज़र नहीं आ रही थी। फिर उसने अपने चारों ओर गुस्से भरी फुसफुसाहट और गुर्राहटें सुनीं। आदम ने भयभीत आँखों से अपने चारों ओर नजर दौड़ाई और देखा अंधेरे जंगलों के अलावा कुछ नहीं था । मानो भाषा की कला खो जाने के कारण, वह एक शब्द भी नहीं बोल सका, लेकिन केवल मौन की तरह मौत के मुंह में खड़ा रहा, सबसे कड़वे आँसू रोता रहा जो स्वर्गदूतों ने कभी नहीं देखा था।

वह निराशा में डूब गया , उसके चेहरे पर पीड़ा स्पष्ट झलक रही थी । सिर से पाँव तक काँपते हुए, आदम ने ईश्वर की उचित आज्ञाएँ को नम्रता से प्राप्त किया , और वह नम्रता से स्वयं को झुकाया उत्सुक से ईश्वर की इच्छाओं का पालन करने, लेकिन अंदर ही अंदर उसका हृदय दुःख की दहलीज पार हो गया था , और उसके कदम हर घंटे भारी हो रहे थे , और आंसुओं का गर्म ज्वार उसके गालों पर बह निकला।

तभी आदम ने फिर से ठंडी आवाज सुनी, और ऊपर देखा। उसके सामने अब तक का देखा गया सबसे भयानक प्राणी खड़ा था । चमकती आँखों और नुकीले नुकीले दांतों के साथ, एक विशाल कुत्ता उसकी तरफ गुर्राने लगा।आदम इस प्राणी का आदी नहीं था उसने स्वर्ग में ऐसा जानवर कभी नहीं देखा। उसे डर था वह जानवर उसे काट लेगा, इसलिए उसने असहाय आँखों से इधर-उधर देखा। महादूत गेब्रियल कुछ दूरी पर इंतजार कर रहे थे और उन्होंने आदम का डर देखा । जब आदम ने गेब्रियल की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा, तो देवदूत ने इशारा किया कि आदम को कुत्ते के सिर को थपथपाना और सहलाना चाहिए ।

कांपती उंगलियों के साथ, आदम ने आगे बढ़कर उस जानवर को सहलाया । जैसे ही उसने कुत्ते के सिर को छुआ, विशालकाय जानवर शांत हुआ

और मैत्रीपूर्ण भाव से अपनी पूँछ हिलाई। दूर से , जानवर जो आदम पर झपटने के लिए जंगल में तैयारी कर रहे थे उन्होंने खुद से कहा, “अगर यह समाचार प्राणी कुत्ते के प्रति इतना दयालु व्यवहार करता है, जो हमारा नेता है, फिर हम उसमें कोई बुराई नहीं देखते । शैतान ने हमें आदम के बारे में सोचने के लिए गुमराह किया है की वो एक खतरा है । अब से, हम उसे या उसके परिवार को कोई नुकसान नहीं पहुँचाएँगे।” इस प्रकार कहकर, जानवर पीछे हट गए और अपनी मांद में जंगल के अंदर लौट आए ।

इस बीच, कुत्ते को आदम के प्रति हल्की पसंद विकसित हो गई। जानवर का पहले कभी कोई मानव मित्र नहीं था और इस इंसान के दयालु और उदार व्यवहार ने कुत्ते को प्रभावित किया, और उसने आदम के साथ रहने का फैसला किया। उस दिन के बाद से कुत्ता आदम का निजी पालतू जानवर बन गया और यहाँ तक कि आदम और हव्वा के बच्चो का भी पालतू जानवर   बन गया ।

अब निराशाजनक धरती पर रहते हुए, आदम को हमेशा शापित शैतान को सुनने के लिए पछतावा होता था । अफ़सोस! अज़ाज़ेल की बुद्धि ने उस पर प्रभाव डाला और उसकी इंद्रियों में संदेह पैदा कर दिया और उसने और हव्वा ने मिलकर वर्जित वृक्ष का स्वाद चखा, इश्वर को निराश किया ।

ओह, कैसे आदम के आँसुओं ने उसके अंगरखे को भिगो दिया और उसके विलाप ने उसे चीर दिया ! शैतान ने आदम को यह सोचकर मूर्ख बनाया था कि निषिद्ध वृक्ष के फल में शाश्वत जीवन का छिपा हुआ अमृत समाहित था , लेकिन अब उसने वह स्वप्नलोक जीवन खो दिया है जो उसने कभी जाना था। हालाँकि, अपने बढ़ते दुःख के बावजूद, आदम को इसकी जानकारी दी गई इश्वर हर जगह थे और भले ही वह पृथ्वी पर

था उसके इश्वर उसकी पुकार सुन सकते थे । हालाँकि, जब से आदम और हव्वा को
पृथ्वी पर भेजा गया और उसे इस निवास को शैतान के साथ साझा करना पड़ा,
परमेश्वर ने मनुष्यों को चेतावनी दी कि अज़ाजेल और उसकी संतानें कैसे मानव हृदय को ईश्वर की याद से विचलित करने का प्रयास करेंगे । अंतिम नियम के सोलहवें अध्याय में, इश्वर ने अपना आश्वासन दिया है कि शैतान को असीमित शक्ति नहीं दी जाएगी और न ही वह मानव जाति को खुले तौर पर प्रभावित करने में सक्षम होगा: "वह जो इश्वर पर विश्वास करते हैं, और भरोसा रखते हैं, उनपर कोई अधिकार नहीं रखता है । परन्तु उसके पास केवल उन लोगों पर अधिकार है जो ईश्वर से विमुख हो जाते हैं , और अन्य किसी की पूजा करते है ।"

सूरज डूब रहा था और बहुत ठंड हो रही थी। उदास शाम की धुंध क्षितिज पर छा गई, और अंधेरी पहाड़ियाँ घाटियों में धुंधला हो गया । वह नश्वरता की बेड़ियों में जकड़ा अपनी मूर्खता की बेड़ियों से बंधा हुआ था । आदम ने सितारों और ग्रह की ओर देखा जो अपनी निरंतर गति में घूमते रहे।

आदम जानता था कि शैतान के पास शक्ति का केवल एक सीमित रूप थी। दरअसल, अज़ाजेल ने उसके साथ पाप करने के लिए शारीरिक रूप से जबरदस्ती नहीं की थी ।
 शैतान ने उसे केवल निषिद्ध वृक्ष के लाभ के बारे में सुझाव दिया, और उसने शैतान पर भरोसा करने की गलती की । हर बीतते घंटे के साथ, आदम भयानक रूप से डर गया , और उसका मोटा शरीर शर्म से कांपने लगा ।

वह रोते हुए बादलों के समूह के नीचे खड़ा था और बर्फीले बारिश के पानी में भीग गया जो उसके सिर पर बह रहा था। ओह,वह कितना

भयानक दुखी और शोक संतप्त लग रहा था। चांदनी के आगे की दृष्टि ने कोई राहत का वादा नहीं किया।

प्रत्येक वर्ष के साथ, आदम और ईव ने अपने नए निवास के बारे में और अधिक सीखा
उनकी दैनिक गतिविधियाँ में ऊर्ध्वपातन और परिष्कार किया , लेकिन वे कभी भी स्वर्ग जो कभी उनका घर था उसके बारे में नहीं भूल सकते थे।

आदम जानता था कि यह संसार उसका अस्थायी निवास है, जहाँ वह शाश्वत अस्तित्व में रहने के लिए नहीं बना था। वह अपने स्वर्ग में शानदार दिन जहां उसे न तो थकान का पता था और न ही थकान का भय उन्हें याद करता था । उसके मानव हृदय को अब एकमात्र सांत्वना यही थी मृत्यु के बाद एक और जीवन होगा, जहां मनुष्य की आत्मा को अमरता परमेश्वर आश्वासन दिया गया था सिर्फ धार्मिक लोग एक बार फिर अदन के खूबसूरत बगीचों में निवास करेंगे,स्वर्ग की समशीतोष्ण जलवायु का आनंद लेंगे जहाँ सोने की धाराएँ बहती हैं और हर खड्ड से चाँदी बह निकलेगी, और एक हजार धीरे-धीरे बहती नदीया संगमरमर के महलों और घरों की शोभा बढ़ाएगी।

हर तरफ उत्तम हरियाली और हीरे की धूल होगी । यह ईडन था जहां शांति कभी नहीं मरती थी और स्वादिष्ट फल थे और वहां रहने वाले सभी लोगों को लगातार पेय परोसा जाता था। स्वर्ग वह स्थान था जहाँ दुर्लभ सुंदरता के फूल थे जो न तो कभी सूखता है और न ही कभी नष्ट होता है। विलासिता की प्रचुरता स्वर्ग ने इसे अत्यंत वांछनीय स्थान बना दिया, और निष्कासित किया जाना वह मार्मिक दुःख था जिसकी वह कल्पना नहीं कर सकता था।

दरअसल, बुराई की चेतावनी दिए जाने के बावजूद उसने गलती की थी वह निषिद्ध वृक्ष के निकट पहुँचा, परन्तु शैतान ने उसे धोखा दे दिया जिसने उसे विश्वास दिलाया कि इस पेड़ में अमरता का अमृत है । अफसोस, पेड़ उसके सामने आकर्षक ढंग से खड़ा था, और आदम अनजाने में सुंदर धनुषाकारों के बीच चला गया, और अज़ाज़ेल के समझाने और अपनी पत्नी की विनती करने पर, उसने फल तोड़ा और उसका स्वाद चखा।

जंगल की गहराई में बहने वाली नदियाँ खतरनाक जानवर की तरह चमकने लगीं, और एक विशाल दलदल की तरह भूरेपन का ढेर के सामने खड़ा था जो जीवित लोगों की जेबों में समा गया था ।

बर्फ़ से ढके पहाड़ उसको पूरी तरह से घेरते हुए दिख रहे थे । स्वर्गदूतों ने अत्यंत गंभीरता से दुःखी मनुष्य के दृढ़ता की याचना की, और अपने भव्य और उदात्त ईश्वर आदम की गलती माफ करने पर भरोसा किया । यह परमेश्वर ही था जिसने आदम को धूल के एक कण से बनाया और उस से कहा, बन जा! और लो! एक शानदार दैवीय शक्ति के कारण , ईश्वर की शक्ति का अंतर्विरोध उनके सामने प्रकट हुआ और आदम अस्तित्व में आया।

अज़ाज़ेल अवसाद में पागल हो गया और फूट-फूट कर रोने लगा उसी क्षण जब उसने सुना कि आदम और उसके बच्चों का उससे भी बड़ा होना तय था और अपने प्रचंड क्रोध में, वह जो लोग उसके आसपास थे उनपर चिल्लाया “मैं मानव जाति को नष्ट कर दूँगा! मैं उन्हें मेरे साथ नरक में जलाऊंगा ! ओह, मैं आदम के के बच्चों को नरक में डालने के लिए इंतजार नहीं कर सकता ताकि वे मेरे नजदीक में रहें । उन्हें ऐसी यातना देने में सक्षम होऊंगा जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी! मैं प्रत्येक मनुष्य को एक दूसरे का गुलाम बना दूंगा । मैं उन्हें जानवरों और जंगली जानवरों से भी बदतर। बनाऊंगा” फिर उसने अपना

चेहरा इश्वर के सिंहासन की ओर उठाया, शैतान चिल्लाया। "हे प्रभो! तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई आदम को मुझसे श्रेष्ठ बनाने की? तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई स्वर्गदूतों और आत्माओं को मिट्टी से बने एक घृणित और घृणित मानव के सामने झुकाने और दण्डवत् करवाने की ?”

अज़ाजेल ने अपने अतीत के गौरव को याद किया और सोचा कि उसका जीवन कैसा होगा यदि आदम कभी नहीं बनाया गया होता तो । उसे अपनी दुनिया में बहादुर मिशन की याद आ गयी जहां उन्होंने बड़ी संख्या में छुपे हुए लोगो की सेनाओं को हराया था , जो उसकी ही प्रजाति से थे, और निर्धूम अग्नि से बने थे, लेकिन अब, उसके सभी बलिदान और हजारों वर्षों की पूजा व्यर्थ गई। उसे आशा थी सभी जीवित प्राणियों से श्रेष्ठ बने रहने की , और केवल एक कमज़ोर मानव ज्ञान में और बुद्धि में

उससे आगे निकलना उसे स्वीकार नहीं था । अब वह बस इंसान आत्मा को आवारागर्दी और वासना के जंजीर से बांध देना चाहता था और मनुष्यों से ऐसा पाप करवाना चाहता था कि उन्हें कभी माफ नहीं किया जा सकता, लेकिन इश्वर ने शैतान को सूचित किया कि उसकी दया की उन लोगों के लिए कोई सीमा नहीं थी जिन महिलाओं के दिल में सृष्टिकर्ता के प्रति सच्चा प्यार होता है और उसने उन लोगों के पापों को क्षमा करने का वादा किया । जितनी बार वे बार गलती करते हैं उतनी बार क्षमा करेगा । “वास्तव में, इश्वर सभी पाप को माफ कर देता है । निस्संदेह, वह अत्यंत क्षमाशील, दयावान है / “ (अंतिम वसीयतनामा, 39:53)

सामान्य माफी की इस घोषणा से शैतान क्रोध से कांप उठा । अज़ाजेल को पता था कि ईश्वर का प्यार और दया असीमित है, लेकिन वह नहीं चाहता थे कि मनुष्य क्षमा मांगें और स्वर्ग में प्रवेश करें। पागलों की तरह चिल्लाते हुए, अज़ाज़ेल ने फिर से इश्वर को चिल्लाया। “नहीं, मेरे नाथ! आपके द्वारा बनाया गया मनुष्य कभी भी धार्मिक नहीं होगा और न ही आपसे क्षमा पायेगा । सचमुच, मैं तुम्हें उनके हीनता प्रमाण दे

दूँगा! मैं ब्रह्मांड को उनकी बीमारी और उनकी नीचता दिखाऊंगा । मैं दुनिया को उनकी क्रूरता और उनकी अपवित्र अभद्रता का हर विवरण दिखाऊंगा। ओह मैं कैसे आपको और सभी स्वर्गदूतों को दिखाऊंगा कि मनुष्य कितने बीमार हैं । तुम्हें पता चल जाएगा कि वे कितने गंदे प्राणी हैं क्युकी मैं अपने जीवन के हर जागते घंटे में ऐसे भ्रष्ट कृत्य करवाऊंगा कि वे सबसे अधिक भ्रष्ट हो जायेंगे, आपकी सारी सृष्टि की सबसे अधिक
 अनैतिक और भद्दी रचना।"

भगवान द्वारा अस्वीकार किए जाने पर, अज़ाज़ेल गुस्से में चिल्लाया, कि वह आदम से बेहतर था। वह एक निर्धूम अग्नि के साथ बनाया गया था जबकि आदम की रचना मिट्टी से हुई थी। अज़ाज़ेल ने फिर इश्वर पर अपने पाप के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। उसने इश्वर को बताया , यह उनकी गलती थी कि वह एक अस्वीकार कर दिया गया, क्योंकि परमेश्वर जानता होगा कि वह आदम के सामने सजदा करने से इन्कार कर देगा, और इसलिए, उसे अज़ाज़ेल के जीवन को नष्ट करने पैदा किया गया था और सभी संभावित भविष्य की सफलता को ख़त्म करने के लिए किया गया ।

इस निंदनीय वाक्यांश ने उसे भगवान की कृपा से और भी दूर कर दिया, और शैतान ने मानवजाति पर शारीरिक और आध्यात्मिक पतन की धमकी दी । इसके तुरंत बाद, अज़ाज़ेल को स्वर्ग का परिसर खाली करने का आदेश दिया गया । यह महसूस करते हुए कि उसके पास इस मामले में कोई विकल्प नहीं था, अज़ाज़ेल ने हठपूर्वक घोषणा की कि वह प्रत्येक मानव पर नैदानिक और मनोवैज्ञानिक अध्ययन करेगा और
 सुनिश्चित करेंगा कि वे सब गुमराह हो ।

"हे ब्रह्मांड के इश्वर !" नये नाम वाला शैतान चिल्लाया। "क्या आपने वास्तव में मुझे शाप देना और मनुष्य को मुझ पर प्राथमिकता देना

उचित समझा है? क्या तूने मुझे एक छोटी-सी बेकार मांस के गांठ से हीन बना दिया है? क्या आपने इन इंसानों से प्यार करने का और आख़िरकार उन्हें पुरस्कृत करने का सपना देखा है ? क्या तू इन पापी नीच प्राणीयो पर दया करेगा? यदि आप उन्हें मुझ पर प्राथमिकता देते हैं तो मुझपर धिक्कार है !"

परमेश्वर के अंतिम नियम के कथन में पूरी सृष्टि के लिए उनकी दया की गवाही देते हैं: "और जो अपने प्रभु की दया से निराश हो गया लेकिन खोया नहीं ? (अंतिम नियम, 15:56)

"ओह, तो जान लो कि मैं उनमें से हर एक को नष्ट कर दूंगा," शैतान चिल्लाया, उसकी आवाज़ बैलों की तरह गड़गड़ा रही थी, "और मैं उन्हें एक-दूसरे को अपमानित करने के लिए मजबूर करूँगा, नहीं, बल्कि उन्हें सबसे अपमानजनक तरीके से अपना अपमान करने के लिए मजबूर करें । तो मैं देखूँगा कि आप उन्हें कितना माफ कर सकते हैं या उनसे कितना प्यार कर सकते हैं एक बार जब मैं उन्हें अपवित्र करूँगा और उन्हें एक दूसरे का दास बना दूंगा ।क्या आपको लगता है कि आप उन्हें माफ कर पाएंगे? कभी नहीं! ऐसा कदापि न होगा कि वे धर्मी हों। बल्कि इससे पहले कि उन्हें कभी भी धार्मिक और पवित्र होने का मौका मिले मैं उन्हें नष्ट कर दूँगा । मैं प्रत्येक पुरुष और स्त्री को उनके दिलों में और उनकी आत्माओ में बीमार करूँगा । ओह, सचमुच, मैं उनको हर सुबह और शाम तुम्हारी आज्ञा न मानने पर मजबूर कर दूँगा! मैं उन्हें आपके महिमा अपमान को अस्वीकार करने के लिए मनाऊंगा महाराज। वे अंततः आपकी आज्ञाओं का उल्लंघन करेंगे। मैं इन गंदे इंसानों को एक-दूसरे के प्रति वासनायुक्त बना दूंगा जब तक वे एक-दूसरे के गुप्तांगों के गुलाम नहीं बन जाते और सड़े हुए जानवरों की किसी भी प्रजाति से कहीं अधिक बदतर नहीं हो जाते ! फिर आप उन्हें कभी माफ नहीं कर पाएंगे ।"

आदम के दयालु निर्माता ने शैतान से वादा किया कि नहीं चाहे मानव जाति ने कितना भी पाप किया हो, जैसे ही उन्होंने क्षमादान मांगा उन्हें माफ कर दिया जाएगा । “मुझे माफ़ करने दो और क्षमा करने दो । क्या तुम्हें परमेश्वर द्वारा क्षमा किया जाना पसंद नहीं है?” (अंतिम वसीयतनामा, 24:22)

अपने रचयिता की दया के बारे में सुनकर, शैतान गुस्से से पागल हो गया और फिर चिल्लाया। “ओह, आप सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता हैं, समस्त सृष्टि का ईश्वर, आप राजसी सिंहासन के ऊपर बैठकर अपनी नीच रचना की बीमारी को देखो, जब मैं उन्हें अपनी बीमारी में इतना बुरा बना दूँगा कि वे मनुष्य उत्सुकता से किसी भी तरह के शर्मनाक कृत्य को अंजाम देंगे। सचमुच, वे पशुवत मनुष्य भद्दे बेशर्म पापों के घिनौने कृत्य की बाढ़ में डूब जायेंगे ।”

एक श्रद्धालु आस्तिक से क्रोधित शैतान में यह अचानक हुआ हिंसक परिवर्तन

स्वर्गदूतों के लिए बिलकुल अजीब था , शैतान तेज़ आवाज़ में चिल्लाता रहा। “ओह, मैं मनुष्य सबसे घृणित सूअरों की तरह व्यवहार कराऊंगा , और वे एक-दूसरे के घृणित गंध से भरे अंगों का पीछा करेंगे और एक-दूसरे का मवाद और खून सूँघेंगे , और फिर मैं देखूंगा कि क्या वे अभी भी मुझसे श्रेष्ठ हैं । सचमुच, हर देवदूत उन विद्रोहि मनुष्य को घृणा से देखेगा । ओह, यह आदम जिसकी सेवा और सम्मान करने करने का आदेश आपने सभी को दिया था , वो और उसके बच्चे एक दूसरे को मार डालेंगे और तबाह कर देंगे । मुझे आप और आपके देवदूतो को देखकर आनंद आएगा जब आप आदम और उसकी की संतान को पतित होते, अपमानित विकृत होते देखेंगे ।

ईश्वर ने अंतिम नियम में दोहराया: "और ईश्वर सर्व क्षमाशील, अत्यंत दयालु है।" (अंतिम नियम, 24:22)

"क्या आप अब भी मुझ पर मनुष्य को तरजीह दे रहे हैं?" अज़ाजेल चिल्लाया. "मेरे
इश्वर ! आप इन गंदे इंसानों को कितना माफ कर सकते हैं? कितनी बार आप उनसे मुंह फेर लेते हैं जबकि वे एक दूसरे को मारने जैसे पशुवत राक्षस और हमला करके पागल शिकारी कुत्ते बन जाते है ? क्या आप अब भी उनका सम्मान करेंगे और अपने क्षमा का मार्ग पर खुला रखेंगे जब वे अपने निर्दोषों बच्चो को बहकाते हैं और एक दूसरे के साथ छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार करते हैं और इसे प्यार कहते हैं । तुम्हारे विरुद्ध विद्रोह करते है और उन सभी को मार डालते है जो तुम्हारी पूजा करते हैं और तुमसे प्रेम करते हैं?"

यद्यपि शैतान क्रोध में चिल्ला रहा था, प्यार करना और माफ करना यह परमेश्वर का स्वभाव था , और एक बार फिर, इश्वर अंतिम नियम के अपने शब्दों को याद करते हैं
: "तो, उन्हें क्षमा करें, और उनके लिए क्षमा का निवेदन करें , और मामलों में उनसे परामर्श करें, और जब वो हो जाये , इश्वर पर भरोसा रखें। जो लोग उस पर भरोसा करते हैं निस्संदेह, अल्लाह उनसे प्रेम करता है ।" (अंतिम नियम, 3:159)

"आदम का कोई भी बच्चा गहन आनंद या शांति का आनंद नहीं लेगा।" शैतान
अपना चेहरा स्वर्ग की ओर उठाते हुए चिल्लाया। "मैं अपनी विरासत योद्धाओं को लूँगा और उन्हें धोखा देने के लिए जंगली द्वीपों को पार करूँगा , और अनातोलिया से एंसीरा, टार्सस और त्रिपोली तक घाटियों से गुजरूँगा और समरकंद से सीदोन तक एकर से यरूशलेम तक में रहने वाले सभी मनुष्यों को भ्रष्ट करुगा वहां मैं मानव जाति को बहलाऊंगा के ईश्वर पर अविश्वास कर मेरी पूजा करे उन छुपे हुए लोगों का ध्यान करे जो मेरे प्रति वफादार हैं । मैं किसी भी पुरुष या महिला को धार्मिक कार्यों

में संलग्न रहने की सेवा या आशीर्वाद नहीं दूंगा । सचमुच, हे मेरे प्रभु और रचयिता, आपने आदम को बनाने में गलती की है! आपको उस दिन पछतावा होगा जब आपने गंदगी और गंदगी और कीचड़ से बने इंसानों को प्राथमिकता दी, जो सड़ जायेंगे और मर जायेंगे ! तौभी तू ने उनका आदर और सम्मान क्यों किया? वे मुझसे और आग से बनी मेरी शुद्ध जाति से श्रेष्ठ हैं?"

स्वर्गदूतों ने अंतिम नियम से एक और अंश पढ़ा यह प्रदर्शित करने के लिए कि निर्माता कितने दयालु और क्षमाशील हैं और उन्होंने अंतिम नियम से उद्धृत किया: "इश्वर तुम से प्रेम करेंगे , और तुम्हारे पाप क्षमा करेंगे , क्योंकि परमेश्वर दयालु और क्षमा करनेवाला है ।"

शैतान ने स्वर्गदूतों की अनदेखी की और चिल्लाता रहा इतनी जोर से कि उसकी आवाज कर्कश हो गई। "हे स्वर्ग को जलने दो क्योंकि मैं किसी भी मनुष्य को उसमें प्रवेश न करने दूँगा और न ही इस विशाल पृथ्वी पर कोई भी मनुष्य आपकी पूजा करेगा और आपकी आज्ञा मानेगा! मैं उन्हें अपना दास और अपनी ही अभिलाषा का दास बनाऊंगा और मैं उन्हें यातना देने वाली घिनौनी वस्तुओं में बदल दूँगा क्योंकि
वास्तव में वे मूर्ख, गूंगे और बुद्धिहीन प्राणी हैं जिनके पास कोई धैर्य या बुद्धि नहीं है ।" अपने बाल झटकते हुए, शैतान ने भगवान से कहा कि वह हर आखिरी इंसान के साथ छेड़छाड़ करेगा उन्हें अत्यंत कष्टदायी रूप से पीड़ा देगा । "मैं उन सभी को गुमराह करूंगा, मैं बैठूँगा और जीवन भर उनका इंतजार करूँगा और प्रत्येक का मनोवैज्ञानिक युक्तियों की विधि उपयोग करूँगा और मैं उन्हें गुमराह करने उनकी प्रकृति का अध्ययन करूंगा, मनुष्य पवित्रता और धर्म के मार्ग से दूर करने के लिए , गंदा नेतृत्व करने के तरीकों के साथ प्रयोग करूँगा ।"

"कोई भी इंसान इतना मूर्ख नहीं होगा कि आपकी बात माने और तुम्हारा झूठ पर विश्वास करे," देवदूत ठंडे स्वर में बोले।

"ओह, लेकिन इश्वर देखेंगे!" शैतान चिल्लाया. “ये गंदे इंसान वे मुझे लूसिफ़ेर के रूप में जानेंगे, और उनके सबसे बुरे दर्द में भी , मैं राक्षसों की अपनी सेना के साथ उनके पास आऊंगा और उन्हें बचाने या उनकी मदद करने का दिखावा करूँगा । मैं उनमें से कुछ को मेरा दास और उनकी अभिलाषा का दास बनूंगा , और मैं उनमे से निर्बल बुद्धिहीन लोगो को अपने गंदे, घृणित और सड़े हुए प्रेमियों की पूजा करने कहूँगा , और मैं उस वासना का उपयोग करके उन्हें अपना दास बना लूँगा और वो पूरी दुनिया को गुमराह करेंगे और वो अपने अहंकार और क्रोध अभिमान का उपयोग करेंगे उन्हें ताकि वे सारी मानव जाति को गुमराह करने में मेरी मदद करें। इश्वर , आप अपनी संपूर्ण सृष्टि को कुत्तों और जानवरों से भी बदतर में परिवर्तित होते देखेंगे ।”

हालाँकि, इश्वर ने अपनी कृपा से घोषणा की कि वह हमेशा निर्दोष मनुष्यों की पुकार पर ध्यान देंगे । उन्होंने घोषणा की, “यदि वह एक हाथ भर भी मेरे निकट आए, तो मैं दो फैली हुई भुजाओं के विस्तार से उसके करीब आऊंगा । वह अगर मेरे पास चलकर आता है, मैं उसके पास दौड़कर आऊंगा!”

"हे मेरे परमदेव!" यह सुनकर शैतान निराशा में चिल्लाया के इश्वर पापियों को माफ कर देंगे और छोटे-छोटे धर्मार्थ कार्रयो को कई गुना बढ़ाएंगे और उन मनुष्यों को बहुत बड़ा पुरस्कार देंगे । शैतान यह सुनकर पूरी तरह से घबरा गया कि परमेश्वर व्यक्ति का प्रतिफल बढ़ाएगा और उस पर अपनी सारी दया निछावर करेगा । वह फूट-फूट कर चिल्लाया “मेरे निर्माता! आप अपना स्वर्ग बना सकते हैं और इन रोगग्रस्त मनुष्यों की पूजा करने की और अओकी आज्ञा मानने की प्रतीक्षा कर सकते है , परन्तु मैं आपको दिखाऊंगा के हर मनुष्य जिसे आपने मिटटी से बनाया वो मेरा दास और दासी होकर रहेगी अपने प्रेमियों के गुलाम कुत्ते बनेंगे । आप उन्हें मंदबुद्धि जानवरों की तरह एक दूसरे के पीछे

पाप और वासना करते देख सकते हैं । देवदूत उन्हें देखेंगे; दुनिया और ब्रह्मांड इन बदबूदार आदमियों की कमजोरी का गवाह बनेंगे ! उनके पाप, उनकी बीमारी, उनकी दुष्टता आपके सामने प्रकट होगी और तब आप जान लोगे कि मैं इन सूअरों से बेहतर था जिन्हें आपने सम्मान दिया और इंसान बुलाया !"

जैसे ही शैतान क्रोधित हुआ और चिल्लाने लगा, स्वर्गदूतों ने उसे समझाने की कोशिश की और उससे कहा, “हे शापित शैतान! तुम मनुष्य से इतने क्रोधित क्यों हो? अंतिम नियम घोषित करता है कि 'ईश्वर अपने सेवकों के प्रति अन्यायी नहीं है।' तुम उन्हें धोखा देने की कोशिश कर सकते हो लेकिन इश्वर ने जिस क्षण वे दया मांगेंगे, उन्हें माफ करने का वादा किया गया!"

“तो मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि उन्हें कभी क्षमा मांगने का मौका न मिले," शैतान चिल्लाया, उसके चारों ओर अपनी बाहें चाबुक की तरह फैलाते हुए । “और मैं मनुष्यों को उनके पाप पर गर्व कराऊँगा और वे अधिक अहंकारी होजायेंगे और खुले तौर पर और गुप्त रूप से परमेश्वर की अवहेलना करेंगे । मैं स्वर्गदूतों को ये मनुष्य की बीमार वासना के कृत्यों में गंदी गन्दी अश्लील बातें देखने पर मजबूर कर दूँगा और फिर स्वर्गदूत मेरा आदर करेंगे और मनुष्यों से घृणा करेंगे ।”

तब परमेश्वर जो सब कुछ सुनता है, कहेगा, मैं निकट ही हूं : “और जब मेरे दास तुझ से मेरे विषय में पूछें, तब क्या मैं उनके निकट रहूँगा? मैं उसकी पुकार का उत्तर दूँगा
वह मेरी दोहाई दे, परन्तु वे मेरी सुनें, और मुझ पर विश्वास करे , कि वे ठीक रीति से आगे बढ़ें।” (अंतिम वसीयतनामा, 2:186)

"मैं किसी को भी स्वच्छ और पवित्र नहीं रहने दूंगा!" अज़ाज़ेल आवाज के ऊँचाई पर चिल्लाया । “मैं इंसानों को केवल अश्लील भाषा बोलने के

लिए प्रोत्साहित करूंगा और उनके साथियों की उपस्थिति में घृणित कृत्यों को अंजाम देंगे । मैं स्त्री-पुरुषों से ऐसी घृणित बातें कराऊंगा कि वे एक दूसरे के खिलाफ दोगुने द्वेषपूर्ण हो जायेंगे और इश्वर स्वयं उनके व्यवहार को विद्रोही पाएंगे ।”

“परमेश्वर अपने सेवकों पर कोई अन्याय नहीं करेगा!” अंतिम नियम का वह एकमात्र पद था जिसे स्वर्गदूतों ने कहा था सुनाई देने लगा और इससे शैतान फिर से गुस्से में आ गया।

“मैं कभी भी किसी इंसान को दूसरे इंसान का सम्मान करने की अनुमति नहीं दूँगा। मैं
उन्हें एक घेरे में बैठा दुंगा और उनके शरीरों को उनका अपना मल में भिगो दूंगा और वे इतने बीमार हो जायेंगे भ्रष्ट है कि वे गंदे इंसान अपने ही बच्चों के साथ व्यभिचार करना शुरू करेंगे । मैं उन्हें मना लूंगा के वे घृणित कार्य करें और मल और गंदगी खाएं
ताकि उनके मुंह से इतनी भयानक बदबू आने लगे कि वे यह विश्वास करना शुरू हो जाएं कि वे जानवरों से भी बदतर हैं । मैं किसी को भी मानवता का सम्मान करने की अनुमति न दूंगा । मैं उन्हें कभी ऐसा व्यवहार नहीं करने दूंगा जिससे उन्हें लगे कि वे
मुझसे श्रेष्ठ है ।"

आसमान की ओर उत्सुकता से देखते हुए, शैतान उसकी ऊँची आवाज़ में चिल्लाता रहा
 “आदम के पुत्रों में से किसी को भी मैं इसकी अनुमति नहीं दूँगा के आपकी आराधना करें, आपका नाम पुकारें! वे लाठियों और पत्थर और एक दूसरे के शरीर की पूजा करेंगे , जब तक उनका समाज हानिकारक और निष्प्राण नहीं बन जाता । आप देखेंगे कि मनुष्य कुत्ते और सूअर की तरह है और मैं उनसे कितना श्रेष्ठ हूँ! स्त्री-पुरुष एक दुसरे के साथ विद्वेषपूर्ण व्यवहार करेंगे । आपकी पूजा?! मैं किसी भी व्यक्ति को

पवित्र और शुद्ध रहने की अनुमति नहीं दूँगा ! आदम का एक भी बेटा गंदगी खाने के हवस पूरी करने वाला गुलाम के अलावा कुछ भी नहीं करेगा , जो कुत्तों की तरह व्यभिचार करेगा और जंगली सूअरों की तरह नग्न होकर रहेगा जो अपने आप में रहते हैं
और खुद का मल खाते है !"

"इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मनुष्य क्या करता है," एक पंख वाले देवदूत ने उत्तर दिया, "इश्वर की असीम करुणा, उन्हें क्षमा कर देगी!"

"मैं उन्हें अनुष्ठानों में अपनी माँ का हृदय खाने और बलिदान करने का आदेश दूँगा । वे मेरा नाम जपेंगे और मुझे लूसिफ़ेर कहेंगे! और फिर मैं अपने परिवार के सदस्यों को मार डालने और नरभक्षी बनने के बदले में उन्हें छोटे-मोटे इनाम देने का वादा करूंगा
! यदि वे उनके नवजात को मारकर और खा जायेंगे , तो मैं उन्हें अन्य मनुष्यों के दिमाग पढने दूंगा !

"हे शैतान! आप उनकी थोड़ी मदद कर देंगे, लेकिन किसलिए? मनुष्य जैसा कोई भी बुद्धिमान प्राणी मूर्खतापूर्ण मन से पढ़ने का छोटा सी बात की परवाह क्यों करेगा?
वे कभी भी केवल इसके लिए तुम्हारी नहीं करेंगे , जब हम, उज्ज्वल देवदूत भी कुछ रहस्य कह सकते हैं । महज़ कुछ अप्रासंगिक जानकारी के लिए वे कभी भी आपके गुलाम बनने के लिए सहमत नहीं होंगे !"
फिर फ़रिश्तों ने अंतिम नियम से पाठ किया
, "हे सच्चे विश्वासियों, सच्चा धर्म में पूरी तरह से प्रवेश करो , और शैतान के नक्शेकदम पर न चलें, क्योंकि वह आपका खुला दुश्मन है ।

"तुम व्यर्थ देवदूत!" शैतान चिल्लाया. "क्या आप नहीं जानते मैं मनुष्यों को धन से रिश्वत दूंगा ? वे गंदे और लालची प्राणी है ! मैं उन्हें धन की पेशकश करूंगा, और मैं उन्हें सुनिश्चित करूंगा के वो मेरे पास मदद

के लिए आये ! यदि वे स्वेच्छा से मेरे दास न बनें, मैं अपनी सन्तान राक्षसों को भयावह रूप धारण करवा दूँगा और उन्हें अंधेरे में डराऊंगा , और उन्हें कल्पित भूत पर विश्वास कराऊंगा । मैं उन्हें मानसिक रूप से कष्ट दूँगा और अन्य मनुष्य से तब तक शारीरिक रूप से प्रताड़ित करवाऊंगा जब तक कि उनका मस्तिष्क कोशिका नहीं बन जाता और वे इसी आंतरिक वेदना की भावना से आत्महत्या नहीं कर लेते हैं !

"आप क्यों चाहते हैं कि मनुष्य आत्महत्या करें?"

शैतान चिल्लाया, "वास्तव में, मैं जानता हूं कि आत्महत्या एक पाप है।" यह एक आत्मा को मारने के बराबर है और यही कारण है कि मैं चाहता हूँ के यदि संभव हो तो पृथ्वी पर सभी मनुष्य स्वयं को मार डालें । मुझे चाहिए की वह नरक की घाटियों में अनन्त दण्डों से पीड़ित हो जहा मै राजा हूँगा और उन पर अत्याचार करूँगा ! इसलिए मैं उन्हें कुछ धन का वादा करके मेरी पूजा करने के लिए प्रेरित किया करूंगा।
सचमुच, उन मूर्ख मनुष्यों को यह बात पता भी नहीं होगी, भले ही वे कभी मेरी पूजा नहीं की, उन्हें वो पैसे और सोना वैसे भी मिल जाते , जैसा कि भगवान ने तय किया था कि कितना खजाना है उनके आत्माओं के अस्तित्व में आने से पहले ही । लेकिन मैं
मैं उन्हें अपनी शक्तियों से भ्रमित करूंगा, और उनसे हर तरह का काम करवाऊंगा
थोड़ी शक्ति हासिल करने के लिए गंदी और रक्तरंजित चीजे करवाऊंगा ।"

वह गुस्से में तमतमा उठा और उस घड़ी को याद किया जिसके कारण उसे शैतान बनना पड़ा था । वह माननीय अज़ाज़ेल था जो उज्ज्वल स्वर्गदूतों का नेता था, लेकिन सब कुछ बदल गया जिस क्षण आदम को बनाया गया।

अंतिम नियम इस प्रकरण को याद करता है, जिसमें भगवान को इस प्रकार उद्धृत किया गया है:

हम ही ने तुम्हें पैदा किया और तुम्हें आकार दिया; फिर हमने स्वर्गदूतों ने आदम को दण्डवट करने कहा , और उन्होंने दण्डवत् किया; इबलीस (शैतान) ने नहीं किया ; उन्होंने झुकने वालों में से होने से इनकार कर दिया. (ईश्वर) कहा: “जब मैंने तुम्हें आज्ञा दी तुम्हें झुकने से किसने रोका है।”?” उन्होंने कहा: "मैं उससे बेहतर हूं: आपने मुझे आग से बनाओ, और उसे मिट्टी से।” (इश्वर ने) कहा: "तुम्हें इससे नीचे ले आओ।": यहाँ तुम्हारे लिए अहंकारी होना उचित नहीं है: बाहर निकलो,क्योंकि तू (जीवों में) सबसे नीच है।” (अंतिम वसीयतनामा, 7:11)

शैतान को याद आया कि आदम के सामने नम्रता दिखाने से इंकार करके कैसे उसने विवेक से चुनाव किया था यह अच्छी तरह जानते हुए भी कि इससे उसे न्यायी परमेश्वर के क्रोध का सामना करना पड़ेगा।

देवदूत अभी भी सुसंगत रूप से बोल रहे थे। उनमें से एक ने कहा, “मानवजाति के बीच ऐसे लोग होंगे जो परमेश्वर की आराधना करेंगे और आपकी चालाकियों से सुरक्षित रहने के लिए प्रत्येक दिन कई बार प्रार्थना करेंगे ।”

स्वर्गदूतों पर चिल्लाते हुए, शैतान चिल्लाया, “मैं पतित मनुष्य गन्दगी और पाप में रहने के लिए सब कुछ करूँगा और तुम सब देखोगे वे सूअरों की तरह मेरी पूजा कैसे करते हैं। सचमुच, कई सोने के सिक्कों के लिए वे मेरे पास आएंगे, जो उन्हें वैसे भी मिल जाते। उन नासमझ लोगों को पता भी नहीं होगा कि यदि उन्होंने कभी मेरी पूजा नहीं की या मेरी आज्ञा का पालन नहीं किया तो भी उन्हें उनका धन मिलेगा ।”

“तुम्हारे पास बुद्धि की कमी है, हे शैतान! आप उनको पूजा करने के लिए कैसे मजबूर करेंगे जिन मनुष्य के भाग्य में कोई धन नहीं लिखा है । निश्चित रूप से, हम दोनों जानते हैं कि आप उन्हें कुछ ऐसा जो उनके भाग्य में नहीं है नहीं दे सकते !”

शैतान क्षण भर के लिए रुका, और फिर उसने अपना चीखना जारी रखा “मैं उन मंदबुद्धि मनुष्यों को उनके सामने विकराल आकृतियों के रूप में प्रकट होकर इतना भयभीत कर दूँगा के इस जन्मजात भय से मस्तिष्क कोशिकाएं गड़बड़ा जाएंगी, और
मृत्यु का निरंतर भय और कब्र के अंधकार की पीड़ा उन्हें पागलपन की कगार पर ले जायेगी और वे सभी आत्महत्या करेंगे । और बाकी जो इंसान बचे हैं मैं उन्हें जीवित ही दिन रात सूअरों के समान व्यभिचारी बनाऊंगा। यहाँ तक कि परमेश्वर को उन पर दृष्टि डालने से भी घृणा न हो जाए!”

“सभी मनुष्यों को यौन सक्रियता के अवैध कार्यों में संलग्न करने का आपका उद्देश्य क्या है? स्वर्गदूतों में से एक ने पूछताछ की। “आपको उनसे हर समय व्यभिचार क्यों करवाना है ?”

“आह, यदि तुम्हें अवश्य जानना ही है ,” शैतान ने कहना शुरू किया, “क्योंकि मैं यह जानता हूँ अधिक यौन अनुभव होने से मनुष्य हृदयहीन हो जाएगा। अपने हृदयों को दूसरे के गंदे शरीर के अंगों का गुलाम बनाने से ये बदबूदार इंसानो को स्मृतिहीन बना देगा । वहाँ महिलाओं के बीच बहनापा नहीं होगा क्योंकि मैं हर औरत को दूसरी औरत पर हमला करने मना लूंगा ! पुरुष अब भाई-बहन जैसे नहीं रहेंगे उत्सुकता से लकड़बग्घे की तरह एक-दूसरे पर आक्रामक तरीके से हमला करेंगे । एक पिता और बेटी के बीच रिश्ते पवित्र नहीं होंगे क्योंकि मैं उन्हें मना लूँगा के बच्चों के साथ सेक्स करना आज़ादी और प्यार है । माँ और बेटे करेंगे जल्द ही एक-दूसरे से शादी करना शुरू करेंगे पृथ्वी पर कोई भी

पारिवारिक बंधन नहीं बचेगा । तब क्या परमेश्वर उन से नफरत करेगा, और वे परमेश्वर को कोसते रहेंगे, तब तक जब तक कि एक भी पुरूष या स्त्री इश्वर के स्वर्ग में प्रवेश न कर सके !”

शैतान की योजनाएँ सुनकर देवदूत चौंक गये और वे एक दूसरे के प्रति भय और चिन्ता व्यक्त करते थे, और आश्चर्य करते थे के मनुष्य शैतान की चालों से कैसे बचेगा। स्वर्गदूतों की सेना स्वर्ग की ओर उड़ गई, और पृथ्वी पर एक उदास नज़र के साथ वे रोये । उन के गालों से बहते आंसुओं के साथ, महादूत गेब्रियल और उनके साथियों ने धीरे से जप किया:

"क्या तुम, हे मनुष्यों, जानते हो कि हम क्या करेंगे,
एक दिन के लिए नश्वर दृष्टि से मनुष्य बनकर जीने ,
और महसूस करो कि तुम्हारे ईश्वर का तुम्हारे प्रति क्या प्रेम है,
और उससे अत्यधिक प्रेम भी करते हो?
हे सज्जन मानव, क्या तू बुराई के आगे झुकेगा,
और प्रेमहीन शैतान की वेदी की पूजा करेगा ?
जब शैतान तुम्हारे दिन में प्रवेश करता है तो उस पर विश्वास मत करो,
और तुम्हारे स्वर्ग की अनंतता छीन लेता है!
हे मनुष्यों, क्या तुम अपने रचयिता को भूल जाओगे?
जब नश्वर पीड़ा से पीड़ित होगे ?
क्या तू अपने पालनहार को भूल जाएगा?
जब सूखे या बारिश के साथ परीक्षण किया जायेगा ?
क्या तू अपने प्रभु की आशा को तोड़ देगा?
जब कष्ट या पाप तुम पर हावी हो जायेंगे ?
हे मनुष्यों, हम तुम्हारे जैसा बनने के लिए क्या करेंगे!
क्योंकि तेरा परमेश्वर विधर्म में भी तुझ से प्रेम रखता है!
वह तेरी प्रार्थना की प्रतीक्षा कर रहा है और हे जुबली,
जब तेरा परमेश्वर किसी पापी की पुकार या धुन सुनता है!
उस रोती हुई माँ की तरह जिसका खोया हुआ बच्चा मिल गया हो,

जब कोई पापी उसकी तरफ मुड़ता है तो परमेश्वर की प्रसन्नता अधिक होती है!”

शैतान एक बार फिर चिल्लाया, “मैं पुरुषों और महिलाओं के दिलों से मानवता को नष्ट कर दूँगा। मैं उन्हें दुष्ट बनूंगा और जंगली पशुओं के समान पाप करवाऊंगा । बेटे भाग जायेंगे पिता को डर से कि कहीं उसका यौन शोषण न हो जाए! लोग सेक्स के इतने आदी हो जाएंगे कि खुद पर काबू नहीं रख पाएंगे, और फिर माता-पिता स्वयं को बहकाएँगे और बच्चो से दुर्व्यवहार करेंगे और सोचेंगे कि यह प्यार है! कुछ लोग मुझे खुश करने की उम्मीद में हमला करेंगे और बच्चो की हत्या कर देंगें ! नवयुवक सारा दिन नशे में रहेंगे और पूरी रात जानवरों की तरह व्यभिचार करेंगे । वे अपने माता-पिता और माताओं पर हमला करना शुरू कर देंगे । उनके पास अपने बेटे और बाकी सभी लोगों से दूर भागने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहेगा । सब एक दूसरे को गाली देने पर नफरत करेंगे! मैं इस बात को सुनिश्चित करूंगा के दुनिया में कोई शुद्ध प्रेम नहीं बचे और तब वे गन्दे दुर्गन्धयुक्त मनुष्य मेरी पूजा करेंगे क्योंकि मैं उन्हें छोटे उपहार देने का वादा करूंगा और शायद उनमें से एक मेरे धनी दासों को आज्ञा भी दूंगा कुछ सोना देने के लिए। वे मेरे बारे में सोचेंगे उन्हें अमीर बनाने की शक्ति है, और फिर खुशी से इश्वर की पूजा छोड़ मेरी आज्ञा का पालन करेंगे मेरे समर्पित दास और सेवक बन जायेंगे !”

"हे राक्षसों के सबसे घृणित राजा!" देवदूत चिल्ला उठे.
“सज्जन मनुष्य आपकी तुच्छ शक्तियों पर कभी विश्वास नहीं करेंगे!इसके अलावा, इंसान आपके जैसे नहीं हैं! वास्तव में, वे कभी स्वभाव से भी तुम्हारे ही समान नहीं थे
, क्योंकि तुम स्वार्थी थे ,भाड़े के लोग, जो केवल पद के लिए भगवान की पूजा करते थे

आपने पवित्रता से काम किया और कई मिशनों को अंजाम दिया हमें यह दिखाने का आपका जुनून में कि आप कितने महान नायक हैं! वास्तव में, यदि परमेश्वर ने कभी आपकी इच्छाएँ और प्रार्थनाएँ नहीं दी होती तो तुम कभी भी उसकी आराधना नहीं करते । सचमुच, तुम्हारी ईश्वर की उपासना सशर्त थी और एक भाड़े के सैनिक की तरह कार्यान्वित किया । आपके लिए, प्रार्थनाएँ ये केवल व्यापारिक लेन-देन थे बल्कि ईमानदार व्यक्ति की अपने निर्माता पूजा को शुद्ध प्रेम से अर्पित करते है ! बिना किसी
वापसी की कामना किये , ये दयालु इंसान उनकी पूजा करते हैं!

"तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई उन बदबूदार और बदसूरत लोगों को दयालु कहने की?" शैतान ने पागलपन से अपनी भुजाएँ लहराईं और चिल्लाया । “मैं तुम्हें और भगवान को यह साबित कर दूँगा कि वे कितने भयानक ,विकृत मनुष्य हैं! आप देखेंगे कि वे कैसे मेरी पूजा करते हैं, भोजन के कुछ सड़े हुए निवालों के लिए मेरे पैरों पर कराहते है जिसे मैं एक सस्ते कुत्ते की तरह उनके रास्ते पर फेंक दूँगा! वे ईश्वर से प्यार नहीं करते! वे परमेश्वर से प्रेम नहीं करते!”

एक उज्ज्वल चेहरे वाले देवदूत ने शैतान को रोका, और पुकारा। “ओ शापित और दुष्ट शैतान! क्या आप जानते हैं इश्वर आदम के बेटे और बेटियाँ कितना प्यार करते हैं? क्या आप जानते हैं इश्वर ऐसी शक्ति से प्रेम करते हैं जो ब्रह्मांड को बार-बार नष्ट कर सकती है ? क्या आपको कोई अंदाज़ा है कि इश्वर इन इंसानों को क्यों प्यार करते हैं? जिसका आप स्पष्ट रूप से तिरस्कार करते हैं? ऐसा इसलिए क्योंकि उनमें से कोई जो धर्मात्मा हैं वो बदले की इच्छा किए बिना ईश्वर से प्रेम करते है। कभी-कभी, भगवान इस दुनिया में लोगों की परीक्षा भी लेते हैं उन पर विपत्तियाँ लाते है उन्हें ऊपर उठाने के लिए सांसारिक उन्हें ऐसा स्वर्ग प्रदान करें जो इंसानों को अकल्पनीय होगा । छोटी-छोटी परीक्षाओं में उनके धैर्य के बदले में,इश्वर उन्हें इतने परिमाण की अनन्त महिमा से

पुरस्कृत करेंगे कि वे इसे केवल अपने अच्छे कर्मों से कभी अर्जित नहीं कर सकते। जब भगवान किसी को सबसे ज्यादा प्यार करते हैं, वह उन्हें दर्द से परखते हैं, कष्ट, आपदाएँ और बीमारियाँ, या प्रियजनों की मृत्यु का कारण बनता है और अक्सर उन्हें लाइलाज बीमारियों से पीड़ित कर देते हैं । लेकिन हर उस क्षण के लिए जिसमे उनके धैर्य और उनके प्रति, ईश्वर के प्रति उनकी निष्ठा होती है इश्वर उन गौरवशाली मनुष्यों को पुरस्कृत करता है और वह पुरुष या स्त्री जिसका स्वर्ग के निम्नतम क्षेत्र में निवास करना नियत था । उन्हें तब तक ऊपर उठाता है जब तक वह स्वर्ग में इतनी ऊँचाइयों तक नहीं पहुँच जाता, जो स्थान सबसे महान है संतों ने वहां पैर रखने के बारे में सपना देखा होगा। वास्तव में, अपने प्रतिशोधी मन से, आप कभी नहीं समझ सकते कि इश्वर क्यों मानव जाति से प्यार करता है और क्यों वे दयालु लोग उससे बदले में प्यार करते हैं !"

“मैं विवाह को पवित्र नहीं रहने दूंगा और मानव जाति को पाप करने के लिए मनाऊंगा
और वो सूअरों की तरह व्यभिचार करेंगे जब तक परमेश्वर उनसे प्रेम करना बंद न कर दे!” शैतान चिल्लाया । “मैं मनुष्यों को वैवाहिक बंधन में बंधने की अनुमति नहीं दूँगा
केवल उसी प्रकार संतान उत्पन्न करो जैसा परमेश्वर ने आदेश दिया था। नहीं! उन्हें एक-दूसरे के गुलाम बना लिया जाएगा और अपनी वासनापूर्ण इच्छाओं का पीछा करेंगे , और प्रत्येक माता-पिता अपने ही बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करेंगे और उन्हें बहकाएंगे और माताये निराशा में रोयेंगी । माता-पिता और बच्चे निराशा और भय से रोएँगे , और वे जीवित शुद्ध जीवन जीने में असमर्थ होंगे , और जब हर कोई चिंतित रहेगा, मैं उन्हें और कुछ धन और शक्ति प्रदान करूँगा । फिर वो इंसान मेरी पूजा करेंगे और अन्य मनुष्यों का पीछा करेंगे। वे किसी और का पीछा करेंगे और उस प्रेमी को पाने के लिए पागल हो जाएंगे , जब तक कि वे उस प्रेमी को अपने साथ रखने के लिए पूरी कायनात मार न दें !

फिर स्वर्गदूतों ने वसीयतनामा के आखिरी अध्याय एंट से एक श्लोक उद्धृत किया

, जहां सर्वशक्तिमान ईश्वर आश्वस्त करने के लिए मूसा को संबोधित करते हैं : "हे मूसा, मत डर; क्योंकि भेजे हुए लोग मेरी उपस्थिति में नहीं डरते, सिवाय उसके जिसने ग़लती की है बाद में बुराई को भलाई से बदला ; क्योंकि मैं क्षमाशील, दयालु हूं।"

"कभी नहीं!" शैतान चिल्लाया. " इश्वर इंसान ऐसी घिनौनी हरकतें करने के बाद उन पापियों को माफ नहीं कर सकते । सचमुच, मैं उनकी आत्मा से प्रेम को नष्ट कर दूँगा

, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति उनके अपने रिश्तेदार से दुर्व्यवहार और दुरूपयोग करेगा ! वे अपने ही समलैंगिक लोगों पर हमला करेंगे ! मैं उन्हें खूब सेक्स करवाऊंगा और समाज का बंध नष्ट कर दूंगा और उनके जीवन से शुद्ध प्रेम को मिटा दूंगा , क्योंकि शुद्ध प्यार लोगों को अच्छा बनने की ताकत देता है । सचमुच, मैं यह जानता हूं शुद्ध प्रेम मनुष्य को धर्मी बने रहने की शक्ति देता है और परिवारों को सुरक्षा प्रदान करता है! यदि वे अनिर्दिष्ट शुद्ध हैं उनके हृदय में प्रेम हो, तो वे मनुष्य मेरी आज्ञा न मानेंगे। वे एक-दूसरे की मदद करेंगे और विपत्ति के समय इश्वर की ओर मुड़ेंगे, और वे प्रेमियों का गुलाम बनने से इंकार कर देंगे क्योंकि उनके पास एक अच्छा और प्यार करने वाला परिवार है । नहीं! मुझे इंसान को जानवरों से भी बदतर बनाना ही होगा जहां इंसान दूसरे आदमी को बहकाएगा और गाली देना । मैं मनुष्यों से दूसरे मनुष्यों का सम्मान और भाईचारा नष्ट करवाऊंगा । सचमुच, जो मेरे पास आते हैं सत्ता की चाह रखते हुए, मैं उन लोगों से कहूंगा कि मैं उन्हें सत्ता नहीं दूंगा जब तक कि वे माताओं या बेटियों के साथ यौन गतिविधियाँ न करें! जल्द ही, वे इतने बीमार और विकृत हो जायेंगे कि पूरा संसार दान-पुण्य का कार्य छोड़ देगा और धर्म का जिक्र होने मना कर देगा

और बच्चे उनके माता-पिता से शादी में व्यस्त हो जायेंगे और इसे केवल प्राकृतिक मानेंगे ! मैं सब पारिवारिक संबंध नष्ट कर दूंगा, और सभी लिंगों को ख़त्म कर दूंगा । माता-पिता और बच्चे लिंगविहीन और संवेदनहीन रूप से विकृत और बीमार होने और
बहन की रक्षा के लिए परिवार में कोई बेटा उपलब्ध नहीं होगा और बेटी की रक्षा करने के लिए कोई पिता नहीं होगा, और कोई बच्चा अपनी माँ से प्यार नहीं करेगा ! दरअसल, पूरा समाज लिंगविहीन हो जाएगा और वे ईश्वर को कोसेंगे और मृत्यु और परलोक में अविश्वास करेंगे, और मनुष्य, प्यार, सम्मान और पारिवारिक सुरक्षा से वंचित रहेंगे और पागल हो जायेंगे ।

“हे शैतान!” स्वर्गदूतों ने विलाप किया। “आप लोगो के साथ ऐसा क्यों कर रहे हैं?
वे भोले-भाले मनुष्य कभी क्यों आपके झूठ पर विश्वास करेंगे , भले ही तुम किसी का मन को पढ़ने में कामयाब होंगे या उन्हें उनके दुश्मन के रहस्यों के बारे में बताएं जो उनके दिल में छुपे हुए हैं ?"

शैतान ने घोषणा की, "वे घृणित मनुष्य अशुभ रूप से बीमार होंगे।", "और इसलिए वे सभी एक-दूसरे को गाली देंगे। इस हद तक कि वे एक-दूसरे को गाली देने के कारण उन्हें नफरत करने लगेंगे, लेकिन बाद में पीड़ित भी जल्द ही दुर्व्यवहारी बन जाएंगे । इतना घृणित दुर्व्यवहार करने के बाद उस पापी समाज में हर कोई एक दूसरे से नफरत करेगा , और वे इतने टूट जायेंगे, कि उन लोगों को इंसान होने का एहसास ही नहीं होगा । वे बीमार आदमी घृणित दुर्व्यवहार करने वाले बन जायेंगे और बेटियों का पीछा करेंगे । हर कोई स्वार्थी बहकाने वाले बन जायेगा, जो केवल अपने प्रेमी की हवस की परवाह करेगा ! निःस्वार्थता के सभी तरीके चले जायेंगे , और मनुष्यों के हृदय से सारी अच्छाई चली जाएगी। इंसानों में अच्छाई की कोई ताकत नहीं रह जाएगी ! लोग अब बूढ़ों का आदर नहीं करेंगे और जवान लड़के यौन संबंधों के डर से बड़े पुरुषों पर

भरोसा नहीं कर पाएंगे! पिता और बेटी, और बेटा और माँ के बीच कोई भरोसा नहीं रह जाएगा , यहाँ तक कि वे सब एक दूसरे को तुच्छ जानेंगे और बैर करेंगे ।"

नहीं, वास्तव में ईश्वर के प्रेरित मानवजाति को शुद्ध जीवन जीना सिखाएँगे और एक दूसरे का सम्मान करना सिखायेंगे " एक स्वर्गदूत ने तुरंत प्रतिवाद किया।

“वे इतने पापी और दुष्ट हो जायेंगे कि वे परमेश्वर को और सब धर्मात्मा पुरूषों को कोसेंगे । वे मनुष्य हर किसी से क्रोधित हो जायेंगे और निराशा से घिर जायेंगे ।
वे सब कड़वे बन जायेंगे और फिर मेरी सहायता के बिना, वे सहज रूप में बुरे हो जायेंगे ! बेशक, मैं उनका शोषण करूंगा और उन्हें अधिक धन और शक्ति की पेशकश करूंगा , और वे उस धन को हासिल करने के लिए एकदूसरे को प्रताड़ित और दुर्व्यवहार करेंगे !”

जब शैतान ने स्वर्गदूतों से कहा कि वह मानवजाति से पाप करवाएगा और उन्हें परमेश्वर के क्रोध से नाश कर डालेगा , पंखों वाले स्वर्गदूतों ने केवल उत्तर दिया : "तो क्या वो इश्वर के पास वापस नहीं जायेंगे और उससे क्षमा मांगेंगे ?
चूँकि ईश्वर दयालु और क्षमाशील है ! क्या उन्हें नहीं पता कि कितनी भी दौलत और
शक्ति जो तुम उन्हें देते हो , तुम उन्हें एक मिनट भी उससे अधिक जीवित नहीं रख सकते जो उन्हें प्राप्त होता यदि वे इश्वर के उपासक बने रहते ? क्या वे परमेश्वर को अपने में वास करते हुए नहीं देखेंगे तब तक रहेंगे जब तक वो है ? लोग देखेंगे । दोनों तेरे दास और परमेश्वर के उपासक सौ साल की अवधि में मर जाएंगे । कोई भी सदैव जीवित नहीं रहेगा!”

"हाँ," शैतान ज़ोर से हँसा। "हम यह जानते हैं, लेकिन मनुष्य मूर्ख हैं और उन्हें मेरी पूजा-पाठ से इसकी प्राप्ति नहीं हो सकती वे अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकते।
मनुष्य मूर्ख हैं , जो मंदबुद्धि और गूंगे हैं और गोबर से भरे हुए बुद्धि वाले और इसीलिए वे मेरे पास आते हैं और मेरी पूजा करते हैं जबकि वे जानते हैं कि मेरे पास उन्हें देने के लिए इसके अलावा कुछ नहीं है जो उन्हें पहले से ही मिलेगा । यदि वे होशियार होते, तो उन्हें पता होता कि मुझमें उन्हें यह पहला जीवन देने की शक्ति नहीं है ना ही अगला जीवन! वे इश्वर पर अविश्वास क्यों करेंगे और अपना योगदान क्यों देंगे ऐसी चीज़ किसी के लिए जिससे वे एक मिनट अधिक जीवित न रह सकें ? हा! लेकिन फिर भी वे मेरे पास आते हैं हलाकि वे जानते हैं कि मेरे पास जीवन या मृत्यु पर शक्ति नहीं है और मेरे पास उन्हें एक घंटा अतिरिक्त जीवन या अनुदान देने की शक्ति नहीं है या उन्हें भोजन का एक निवाला देने की । सचमुच, वे जानवरों से भी अधिक मूर्ख हैं । जानवर मेरे पास नहीं आते, देखो! वे जंगली जानवर जानते है कि मुझमें उन्हें कुछ देने की क्षमता नहीं है, इसलिए वे अपना खाना स्वयं खाते हैं। लेकिन इंसान तो मूर्ख हैं वे जो कुछ परमेश्वर ने उनके जन्म से पहले उनके लिये ठहराया है, उसके लिये भीख माँगने के लिये मेरे पास आते है !"

"वास्तव में, मानव जाति मूर्ख नहीं है," स्वर्गदूतों ने गंभीरता से कहा, "और वे जल्द ही आप उनका अपमान करते है ये जान जायेंगे और ये भी के कि तुम किस तरह से घृणा उन्हें करते हो । जल्द ही, सभी मनुष्यों को उन्हें अपमानित करने के जुनून के बारे में पता चल जाएगा । एक बार जब वे देख लें कि आप उन्हें कैसे प्रताड़ित करना चाहते हैं और उनकी दुनिया को नर्क में बदल देना चाहते हो तो वे आपसे प्यार नहीं करेंगे ।
यहाँ तक कि मनमौजी लोग भी तुम्हारा तिरस्कार करेंगे जब उन्हें एहसास होगा कि आप अनंत काल तक नरक में कष्ट देंगे ,उन्हें इच्छाओं

का गुलाम बनाकर और उन्हें शिक्षा देकर गंदी दैहिक वासनाओं में लिप्त करवाकर और उन्हें उनके इश्वर की आज्ञा ओ के विरुद्ध जाने के उकसाकर। मनुष्य तुमसे घृणा करेंगे जब वे देखते हैं कि आप उनसे अपनी पूजा करवाते हैं और उनके जीवन को नष्ट करने के लिए उन्हें अपनी शक्ति में विश्वास दिलाते हैं । “

"मुझ पर विश्वास करो!" शैतान चिल्लाया । “मनुष्य मूर्ख हैं, और पूरे दिन और रात लूसिफ़ेर, लूसिफ़ेर चिल्लायेंगे , इस आशा में कि मैं उनकी मदद करूँगा! वे यह नहीं जानते कि यदि मैंने कभी उन असहमत लोगों की सहायता नहीं भी करू तो संकट के समय भी वे प्राणी जीवित रहेंगे क्योंकि परमेश्वर ने उनके जीवन में आनेवाली उस हर चीज़ का भाग्य लिख दिया था जो आने वाली थी ! अगर मैंने कभी उनकी मदद नहीं की, तो वे अब भी वही खाना खाते हैं, लेकिन वे मेरे पास आते हैं और वही दर्द और पाप के साथ ले लेते हैं । और जब वे सबसे बड़ा पाप करेंगे , इतना गंदा होने पर बहुत गुस्सा करेंगे , और फिर वे ईर्ष्या और पागलपन में बाकी सभी को मारने के लिए तैयार हो जाते हैं !”

“आह, लेकिन क्या वे सम्माननीय और सज्जन मनुष्य नहीं जानते भले ही आपने कभी उनकी मदद न की हो, फिर भी वे बिल्कुल समान दिनों या वर्षों की संख्या के लिए जीवित रहेंगे ?” देवदूतों ने पूछताछ की ।

"हाँ! लेकिन भयानक इंसान बहुत डरपोक, कायर और होते हैं और इस पर विश्वास करने के लिए भावनात्मक रूप से अस्थिर होते है । वे अब भी मेरे पास आएंगे, मेरी सहायता के बिना भी , क्योंकि उनका जीवन काल निश्चित है। अपनी पूरी शक्ति से, यदि मैं उनकी आयु समाप्त होने के बाद उन्हें बचाने की कोशिश की, तब भी मैं उन्हें एक मिनट भी अधिक जीवित नहीं रख पाऊंगा। अगर मेरी शक्तियाँ और मेरे राक्षसों की ऊर्जा इन सबके साथ, उनका भाग्य यह था कि उन्हें जीवित रहना चाहिए और मैंने अपनी सारी शैतानी का उन्हें मारने के लिए इस्तेमाल किया

फिर भी वे जीवित होंगे, लेकिन मनुष्य अभी भी कुछ लाभ की आशा से मेरे पास आएंगे । मैं उनके अंध विश्वास का उपयोग उन्हें नष्ट करने के लिए करूँगा ।”

"तुम उनके पास कैसे आओगे, जब तुम, एक अग्नि-प्राणी के रूप में, मानव आँख के लिए अदृश्य हो ?”

शैतान ने धीरे से समझाया “मैं प्रौद्योगिकी और बिजली का विस्ततार होने तक का इंतजार करूंगा, और फिर मैं मेरे छुपे हुए लोग और राक्षसो के जरिये उनसे संपर्क करूंगा और भगवान होने का दिखावा करूंगा कभी-कभी मैं तुम स्वर्गदूतों को फंसाऊंगा और गेब्रियल या माइकल होने का नाटक करूंगा ।"

“लेकिन सज्जन मनुष्य प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स की खोज केवल समय के अंत में करेंगे ," स्वर्गदूतों ने टिप्पणी की ।

“तब मैं उनके सामने प्रकट होने के लिए अंत समय तक प्रतीक्षा करूँगा । मैं मूर्तियों के भूत-प्रेत के रूप में उनके पास आऊंगा और उनसे बात करूँगा ताकि उन्हें लगे कि मैं एक देवता हूं और वो मेरी पूजा करेंगे ! मैं ग्रहों के और टूटते सितारे के आकार में उनके सामने उपस्थित होऊंगा ! मैं उनके समाने आऊंगा और ग्रहों के पुराने देवता और प्राचीन मूर्तियाँ होने का दिखावा करूंगा और मैं उनके आंखें और दिमाग को चकमा दूँगा और उन्हें यह सोचने पर मजबूर करूँगा कि यह वास्तविक है। मैं उन्हें अतीत के बारे में कुछ जानकारी दे दूँगा जो मैंने व्यक्तिगत रूप से देखी थी, और मेरी अग्नि-प्रजाति में से लोग कुछ जांचों में मेरी सहायता करेंगे । हम सब मिलकर मनुष्यों को झूठे देवताओं में विश्वास दिलाकर धोखा देंगे, और उन्हें स्पष्ट सबूत देंगे और यहां तक कि रहस्यों और अपराधों को भी सुलझाएंगे । मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि वे आदम के परमेश्वर के बारे में सब कुछ भूल जाएँ, और मृत्यु से पूरी तरह

बेखबर हो जाये । समय के अंत की ओर , मैं उन्हें विश्वास दिलाने के लिए हर रूप में आऊंगा आदम के ईश्वर के अलावा किसी भी चीज़ की पूजा करवाऊंगा । मैं उन्हें उनके भविष्य के बारे में कुछ बताऊंगा , और उन्हें सभी रहस्य बताऊँगा जो स्वर्गदूत पहले से जानते थे, और साधारण आत्माएँ भी देख सकती हैं। लेकिन वे मनुष्य मेरी शक्तियाँ देखकर पागल हो जायेंगे और वे खुशी-खुशी ईश्वर पर अविश्वास करेंगे! दरअसल, इश्वर ने मुझे आग से बनाया है, मैं प्रकाश की गति से यात्रा कर सकता हूं मैं इस शक्ति का उपयोग विभिन्न स्थानों पर उपस्थित रहने के लिए करूंगा। मेरे सभी राक्षस, मेरी सेना और मेरी संतानें और मेरी प्रजाति मेरी मदद करेगी और मैं उस शक्ति का उपयोग वस्तुओं को यहाँ से वहाँ ले जाने के लिए करूँगा , जैसे बादल को धकेलकर एक जगह से दूसरी जगह धकेलकर वर्षा कराऊँगा , और इसी शक्ति से हर मनुष्य मेरी पूजा करेगा और परमेश्वर को अस्वीकार करेगा !”

स्वर्गदूतों ने आश्चर्य से कहा , “यद्यपि ये निर्दोष मनुष्य असाध्य रूप से बीमार हो जाते हैं, और यहाँ तक कि उन्हें मृत्यु का एहसास भी होता है और देखेंगे कि तुम्हारी चालें भी उन्हें बचा न सकेंगी , और जब वे बीमारी के रूप में आने वाली मृत्यु का संकेत देखते हैं, क्या वे नहीं जान लेंगे कि तू झूठा देवता था?”

“नहीं, उनकी मृत्यु से पहले मैं उन दुष्ट मनुष्यों को सूचित कर दूँगा कि मैं अब उनकी सहायता नहीं कर सकता क्योंकि वे सात या दस दिन में मर जायेंगे , और फिर मैं उन्हें बताऊंगा कि कोई और इश्वर उनसे नाराज हो गया है उनकी जान ले लूँगा । और हर एक मदद के लिए जो गंदे इंसान मुझसेचाहेंगे, मैं उनकी मदद करूंगा जब तक अधिक से अधिक अपमानजनक कार्य नहीं करते और उनमे इंसानियत नहीं बचती और सभी इंसान एक जैसे जानवरों की तरह हो जायेंगे !"

देवदूतों ने शांति से कहा। "वास्तव में, मनुष्य ईश्वर की ओर मुड़ेगा .ईश्वर की पवित्रता के आगे झुकेंगा , और उनके निर्माता की उत्कृष्टता की पूजा करेंगा और आदम के परमेश्वर की दिव्यता में विश्वास करेगा , जिन्होंने उन्हें दुनिया में शांतिपूर्ण जीवन देने के बाद और अधिक शांति देने का वादा किया ! सचमुच, वे परमेश्वर की आज्ञा का पालन करेंगे जिन्होंने उस से प्रेम किया और उसे शुद्ध नियम दिये और वे उससे प्रेम करेंगे जिसने उन्हें कभी अपमानित नहीं किया, और कभी उनसे खुद को अपमानित करने को नहीं कहा । वो उदार मनुष्यों इश्वर की ओर रुख करेंगे जब वे देखेंगे उनसे ऐसे अपमानजनक कृत्य और अपराध ही करवाने के बाद भी तुम उन्हें नहीं बचा सके
उन्हें उनकी मृत्यु के लिए छोड़ दिया ।"

शैतान ने उन्मादपूर्वक चिल्लाते हुए अपना चेहरा आसमान की ओर उठाया
अवज्ञापूर्वक कहाः "हे प्रभु! मैं आदम के एक भी आदमी को आपके पास आने की इजाज़त नहीं दूँगा ! मैं उनके छोटे मूर्ख दिमाग और उनके छोटे अहंकार का उपयोग उन्हें आपसे दूर करने करूंगा । मैं उन्हें तुम्हारे खिलाफ विद्रोही बना दूँगा ! मैं उन पर क्रोध करूंगा और उन्हें उनके दुर्भाग्य के लिए आपको दोषी ठहराना सिखाऊंगा और वे उनकी भलाई के लिए प्रेमियों को श्रेय देंगे । जब तक वे अपने प्रेमियों की गंदगी से भरे शरीर की पूजा करना शुरू नहीं कर देते और अपनी पागल नफरत और मूर्खता में आपसे दूर हो जाते हैं ।"

"ईश्वर ने आदेश दिया कि आदम की मानव जाति का इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी ," रचित स्वर्गदूतों ने टिप्पणी की, और फिर आगे कहा: "वास्तव में, वे तब इश्वर की ओर मुड़ेंगे, और वे वे आप पर विश्वास नहीं करेंगे जब वे देखेंगे कि आप वास्तव में शक्तिहीन हैं ।

"इन्सान ! आप किसे इन्सना कह रहे हैं? नहीं! उन्हें इन्सान ना बुलाये , लेकिन जानवर   धर्म मनुष्य को मनुष्य बनाता है। तो, मैं धर्म को उनसे दूर करूँगा और उन्हें जंगली जानवर की तरह और पागल कुत्तों और सूअरों की तरह एक-दूसरे की हत्या करवाऊंगा ! ये गंदे कट्टरपंथी मेरी आज्ञाओं का पालन करेंगे और अपनी माँ को मार डालेंगे अपने ही बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करेंगे ।"

अंतिम नियम में, भगवान ने केवल यह घोषणा की, "हे तुम जो विश्वास करते हो , परमेश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण कर दो । शैतान के नक्शेकदम पर ना चले । सचमुच, वह तुम्हारा स्पष्ट शत्रु है।" (अंतिम वसीयतनामा, 2:208)

"नहीं!" शैतान चिल्लाया । "मैं उन्हें अंतिम नियम का मार्ग भुला दूँगा । हर इंसान मुझे अपना प्रिय लूसिफ़ेर कह कर संबोधित करेगा और मेरा दास बनेगा ; हर इंसान अपनी ही वासना के गुलाम बन जायेगा । मैं इन भयावह इंसानो को एक-दूसरे के साथ अत्यंत अपमानजनक व्यवहार कराऊंगा । जानवरों और शिकारी कुत्तों की तरह वे एक-दूसरे के पीछे लालसा रखेंगे और खुद को सूअरों जितना नीचा दिखाने का आनंद लेंगे ,परजीवी वे सड़े हुए कीड़ों के समान हो जाएँगे वासना और पागलपन के सुख के साथ एक-दूसरे की गंदगी की पूजा करेंगे ।"

शैतान को केवल अंतिम वसीयतनामा के एक परिच्छेद सुनाया गया था , जो मानव जाति को शापित की पूजा करने के प्रति सचेत करता है । "और उन लोगों के समान न बनो जो वहां उनके घरों से निकले और परमेश्वर के मार्ग से दूर होते उन्हें और ईश्वर देखते है । और याद करो जब शैतान ने उन्हें खुश करने वाले काम किये और कहा , 'आज आप पर लोगों के बीच से कोई हावी नहीं हो सकता , और वास्तव में, मैं तुम्हारा रक्षक हूं।'जब दोनों सेनाओं ने एक-दूसरे को देखा, तो वह अपनी ओर मुड़ गया और कहा, 'वास्तव में, मैं तुमसे अलग हो गया हूँ।

दरअसल, मैं वह देखो जो तुम नहीं देखते; सचमुच, मैं परमेश्वर से डरता हूँ। और इश्वर दंड में कठोर है ।" (अंतिम नियम, 8:48)

"हे इश्वर ! इन घृणित इंसानों को बनाने पर आपको समय का अंत तक पछतावा रहेगा! मैं कभी नहीं रुकूंगा, कभी ब्रेक नहीं दूंगा, कभी धीमे नहीं होऊंगा और उन्हें कभी मोहलत न दूंगा ।" शैतान भयंकर कट्टरता के साथ दहाड़ उठा । "बीमार घृणित मनुष्य, और आप उन्हें मुझसे श्रेष्ठ बनाते हैं ? आप उन्हें मुझसे बेहतर बनाते हैं? मैं, जो आग से बनाया गया? मैं, जिसने आपकी पूजा की? मैं जो अच्छा था? मैं जो अचूक पवित्र था? मैं, जो सभी स्वर्गदूतों में सर्वश्रेष्ठ था और फिर भी, तू ने उन गंदे मनुष्यों को बनाया जिनके शरीर बदसूरत कीचड़ के थे मुझसे बेहतर होगये ?".

अंतिम नियम में, परमेश्वर ने अपने प्रेरितों से घोषणा की: "मेरे सेवकों को घोषित करो कि मैं दयालु हूं ।" " (15:49) शैतान जानता था कि उन्होंने नश्वर लोगों से कितना भी पाप करने के लिए प्रोत्साहित करो , फिर भी ईश्वर ने चाहा तो उनके पापों को क्षमा कर देगा और उन्हें गुमराह करने के उनके प्रयास व्यर्थ हो जायेंगे । यह सोचकर कि आदम और उसकी संतान एक बार फिर उससे आगे निकल जायेंगे , वह एक विक्षिप्त जानवर की तरह चिल्लाया। "पराक्रमी प्रभु! क्या आप सोचते हैं कि मैं आपको इस निंदनीय मानवजाति को क्षमा करने की अनुमति दूँगा? कभी नहीं! मैं उनसे इतनी ग़लती और पाप करवाऊंगा कि उनकी आत्मा को बचाना आपके सम्मान में नहीं होगा । उन्हें अपवित्र और गंदा बनने मैं सभी और हर चीज का उपयोग करूंगा । मैं उन्हें अपनी पशु इच्छा गुलाम बना लूंगा और उन्हें महिलाओं के साथ यौन संबंध बनाने के लिए एक दूसरे को मारने के लिए मजबूर करूँगा और फिर मैं पुरुषों पर हमला और बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करने कहूँगा । अगर मैं उन्हें नकी अभिलाषा के कारण विचलित नहीं कर सकता तब मैं उनका क्रोध इस्तेमाल करूँगा । मैं उन से घिनौना काम कराऊंगा, और उनसे भाईयो

को मरवाऊंगा और अपने अहंकार को तब तक बढ़ावा देते रहो जब तक उन्हें अपने पापी होने पर गर्व न हो जाए और फिर वे अपने मौत के सामने कभी क्षमा नहीं मांगेंगे।"
हालाँकि, परमेश्वर ने मानवजाति को अंतिम नियम के छंदों में क्षमादान माँगने की विधि पहले ही सिखा दी थी , जैसे निम्नलिखित परिच्छेद के रूप में: और कहो, "मेरे इश्वर , माफ कर दो और दया करो और तुम सबसे अच्छे दयालु हो।"

शैतान जानता था कि ईश्वर क्षमा करना पसंद करता है, इसलिए वह दोबारा चिल्लाया
। "मैं घृणित मनुष्यों को इतना क्रोधित कर दूँगा कि उनका अहंकार उन्हें अपने निर्माता से माफ़ी मांगने की अनुमति नहीं देगा। यदि आवश्यक हुआ तो मैं लोगों को कष्ट दूंगा और गरीबी सह्मनेको मजबूर करूँगा ताकि वे मेरी पूजा करने के लिए सहमत हों। मैं उन्हें सोने और चांदी के छोटे-छोटे टुकड़े देने का वादा करूँगा और उन्हें आज्ञा दूंगा
तुम्हारे बजाय मेरी पूजा करना। तो फिर मैं देखूंगा कि क्या तुम अब भी उनके अपराध क्षमा कर सकते हो ! अगर वो काम नहीं करेगा तो मै विभिन्न परीक्षणों से गरीबी और बीमारी से गुजरूँगा , और मैं प्रियजनों की मृत्यु के बाद उनके पास आऊंगा और उन्हें वादा करूँगा कि मैं उनके मृत मित्रों और परिवार को फिर से जीवित कर दूँगा
अगर उन्होंने मेरी गंदी आज्ञाओं का पालन किया और मेरी पूजा की । वे दयनीय रूप से मंदबुद्धि मनुष्य कभी नहीं जान पाएंगे कि मैं केवल छिपे हुए लोगों के कुछ सदस्यों को आदेश दूंगा उनके प्रियजन के शरीर का आकार ग्रहण करें और उन्हें वैसा होने का दिखावा करें ! ओह, मैं इन बदसूरत गंदे खून वाले लोगों पर अत्याचार का कैसे आनंद लूँगा और मैं उन में से हर एक को आप के विमुख कर दूंगा ।"

शैतान की लगातार उन्मत्त चीखों ने स्वर्गदूतों को बहुत चिंतित कर दिया वह अपने जगह से हटके और एक दुसरे को धीमी आवाज़ में संबोधित

किया “हमारे इंसान मित्र का क्या होगा जिनका धरती पर शैतान के साथ रहना तय है?”

एक और पंखदार देवदूत आसमान की ओर उड़ गया, और अश्रुपूरित स्वर में कहा, “इतना प्रतिशोध! ऐसी नफरत! मनुष्य कैसे राक्षसों से ऐसी पीड़ा सहन करेगा ?”

“हाय!” एक अन्य देवदूत ने अपने साथियों को संबोधित करते हुए कहा। “शैतान के झूठ से मानव जाति को धोखा दिया जाएगा ! केवल इश्वर ही उन्हें बचा सकते हैं!”

"सच में," स्वर्गदूतों ने प्रतिध्वनित किया। तब उन्होंने पृथ्वी निचे तैरती हुयी पृथ्वी को देखा , और एक स्वर में गाया :
“हे मनुष्यों, क्या तुम जानते हो?
हम तुम्हारे बीच के हर प्राणी से कैसे ईर्ष्या करते हैं?
हे मनुष्यों, क्या तुम जानते हो?
हम आपके जैसा बनने के लिए क्या करेंगे?
हे मनुष्यों, क्या तुम जानते हो?
आपकी जाति का होने के लिए हम एक क्षण के लिए क्या पेशकश करेंगे?
हे मनुष्यों, क्या तुम जानते हो?
हम आपके अनुग्रह के प्रति आपके ईश्वर के प्रेम को पाने का स्वप्न कैसे देखते हैं?
हे मनुष्यों, क्या तुम जानते हो?
तेरा परमेश्वर तुम में से सबसे बुरे को भी कैसे प्रेम करता है?
हे मनुष्यों, क्या तुम जानते हो?
हम सभी अमर और पवित्र गौरव का त्याग कैसे करेंगे,
और अपने ईश्वर के प्रेम के एक क्षण के लिए अपना सब कुछ दे देंगे ,
कि वह जो मानवजाति को निःशुल्क प्रदान करता है?
हे सज्जन जाति, अपने शत्रु मत बनो,

आओ हे मनुष्यो, अपना मुख उज्ज्वल करो!
उस गौरवशाली ईश्वर के प्रति हो, सुनो और जानो ,
उसे अपने अंदर का प्रेम प्रदान करो !
उस परमेश्वर के पास आओ जो तुम्हारे बालों के हर बाल से प्यार करता है,
और तुझे और तेरे उस प्रेम के लिये जो तू रखता है आशीष देता है;
हे मनुष्यो, अपने परमेश्वर को स्मरण करने के लिये उसके पास आओ,
अपने निर्माता के पास वापस आओ जो तुम्हारे बुलावे का इंतजार करता है!
आओ, हे अनुपस्थित मनुष्यों, अपने निर्माता का प्रेम प्राप्त करो,
आओ और ऊपर से उसकी दया में फिर से शामिल हो जाओ!
इससे पहले कि मौत आपकी आत्मा को बहुत दूर ले जाये,
और आपके नश्वर दिन में जीवन समाप्त हो जाये !
यह दर्द या पीड़ा आपके लिए उपयोगी न होगी ,
और न इन शैतानों का बैर तुझ पर प्रबल होगा ;
हे मनुष्यों, तुम्हारे प्रभु का प्रेम मुफ़्त है;
उसके पास आओ, और तुम्हें महिमा मिलेगी!
हे तुम्हारे परमेश्वर का तुम्हारे प्रति जो प्रेम है!
ओह अपने निर्माता के पास आओ, अपना भाग्य अर्जित करो,
इससे पहले कि ईश्वर आपकी मानवता में आशा खो दे,
और तुम्हें अपनी अनंत काल से दूर कर दे !
जानिए आपकी प्रार्थनाएँ स्वर्ग तक पहुँचेंगी,
और अंत में सभी मानवीय आशाएँ पूरी हुईं,
परन्तु परमेश्वर पर जल्दबाजी की योजना बनाने का दोष न लगाओ,
परन्तु अपने पापों को और अपने संगी पुरूष को दोषी ठहराओ,
क्योंकि परमेश्वर तुम्हें संसार में कभी भी दुःख उठाने की अनुमति नहीं देता,
तुम्हें एक शक्तिशाली इनाम देकर बचाएंगा !
मानव जाति की नफरत तुम्हें धोखा न दे!

शैतान के उपहार तुम्हें धोखा न दें!
कष्टों की पीड़ा तुम्हें गुमराह न करे!
तेरा हृदय उस परमेश्वर को न भूले जिसने तुझे बनाया है!
हे वीरों को सच्चा रहने दो,
और सभी मानव हृदय एकत्र होते हैं,
परमेश्वर का प्रेम और उसकी महिमा नये सिरे से;
और झूठ को अलविदा कहो!"

आकाश और पृथ्वी का रचयिता जानता था कि अज़ाजेल के हृदय में रोष व्याप्त हो गया है । अब उसे शैतान करार दिया गया, और उसने मानव को नष्ट करना और यह सुनिश्चित करनेका कि हर पुरुष और महिला धधकते हुए नरक में शामिल हों इसी को
अपने जीवन का एकमात्र उद्देश्य बना लिया था ।

परमेश्वर ने अंतिम नियम में मानव जाति को आश्वासन दिया: "चाहे तुम (मानव जाति) एक अच्छे काम का खुलासा (धन्यवाद के अच्छे शब्दों द्वारा) करो
(किसी के द्वारा आप पर उपकार के रूप में किया गया), या यह छिपाया , या किसी बुराई को क्षमा किया , वास्तव में, ईश्वर सदैव क्षमा करने वाला, सर्वशक्तिमान है।" (द फाइनल टेस्टामेंट, 4:149

"मेरे नाथ! अब मेरी सुनो ! आप कभी ऐसा नहीं चाहेंगे इस बेतहाशा लंपट जाति को क्षमा करें जो सड़ी-गली स्त्रियों की कोख से पैदा हुई है । ये इंसान जिन्हें आपने सम्मान दिया , ये लोग जिनका आप इंतजार करते हैं और आशा करते हैं कि वे पश्चाताप में वापस आएंगे, वे मनुष्य पवित्र और अच्छे बन जाएंगे जिन पर आप विश्वास करते हैं
, आदम की संतान जिसका तुम आदर करते हो और प्यार करते हो , तुम देखोगे कि वे सभी कैसे घृणित पापी प्राणी बन गए हैं । जो तुमसे उतना ही नफरत करेगा जितना तुम उनसे प्यार करते हो! मैं तुम्हें यह

साबित करूंगा कि ये मनुष्य तुम्हारा उतना ही अपमान करेंगे जितना तुमने उनका आदर किया है और वे तेरा और तेरे पैगम्बरों का शब्दों को उतना ही उपहास करेंगे, जितना आपने उन्हें संजोकर रखा है, और फिर भी
आपने स्वर्ग और अनन्त जीवन की सभी महिमाएँ बनाईं मैं अपने प्राण की शपथ खाता हूं, कि तुम एक भी पुरूष न पाओगे तुमसे प्रेम करेंगे या तुम्हारे गुण गाएंगे! उनके कमजोर छोटे दिमाग वे घृणा और अहंकार से और मेरे निर्देशों से भर जायेंगे स्वयं को किसी योग्य साबित करने के लिए आपके विरुद्ध विद्रोह करेंगे । आप को आदम के पुत्रों में कोई बुद्धिमान या स्नेही पुरुष न मिलेगा !”

स्वर्गदूत अज़ाज़ेल की बातों को नज़रअंदाज करने की कोशिश करते हुए उसके पास से गुजरे परन्तु वह निन्दा की ललकार सुनकर उनके चेहरे पीले पड़ गये “हे लूसिफ़ेर और शैतान! आप iइंसानों कैसे गुमराह कर सकते हैं जब की , यह उनका प्रेम ही है जिसने उन्हें अपने ईश्वर के पास आने पर मजबूर किया? न कोई पीड़ा, न यातना, न भूखा, न कोई भय ना गरीबी उनके ईश्वर के प्रति उनके प्रेम को कम कर सकती है! सचमुच, कोई दर्द और कोई रोग नहीं कि तू उन पर कोई प्रभाव डाले, और उन्हें उनके परोपकारी ईश्वर से नफरत करवा सकता है! वास्तव में, मनुष्य ईश्वर से बिना शर्त प्रेम करता है! और ईश्वर भी मनुष्य से प्रेम करता है और बिना किसी स्पष्ट कारण के उसे पुरस्कार देता है!”
"नहीं!" शैतान चिल्लाया. “उन बदबूदार इंसानों को बदले में कुछ चाहिए होगा ! वे कभी भी परमेश्वर की आराधना और आज्ञापालन बिना वजह नहीं करेंगे !"

“आह, वे ऐसे दुष्ट नहीं हैं ! तुमने तो ईश्वर की आराधना केवल अपने लाभ के लिए की और अब, तुम सोचते हो मनुष्य तुम्हारी तरह अत्यंत घृणित रूप से स्वार्थी, घृणित और कृतघ्न है ? कभी नहीं, हे शैतान, तुम मनुष्य को कभी गुमराह नहीं कर सकते, क्योंकि उन्हें उनके ईश्वर के

असीम प्रेम के बारे में पता चलेगा! वे हमेशा उसके पास लौटेंगे चाहे तुम कुछ भी कर लो !”

"मेरे नाथ!" शैतान चिल्लाया, स्वर्गदूतों को अनदेखा करते हुए , इश्वर से बात करने की कोशिश की “क्या आपने मुझे इतना भयावह पाया है कि आप उन घृणित प्राणियों को मुझसे अधिक पसंद करते हैं? मैं सत्यनिष्ठा से वादा करता हूँ हर आदमी और औरत से अब तक का सबसे अनैतिक काम करवाऊंगा , और मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि वे भद्दे कपड़े पहनें और सड़कों पर अश्लील यौन संबंध बनाये । हर इंसान जो आपने बनाया जंगलों में सूअर की तरह अशोभनीय और गन्दा होगा । वे कुत्तों की तरह व्यभिचार करेंगे और उनके शरीर सूअरों जैसे नंगे होंगे और तब आप आपके अपने निर्णय का परिणाम देखोगे ।"

अंतिम नियम में, परमेश्वर ने अपने प्रेरितों को पृथ्वी का भ्रमण करने का निर्देश दिया
 और मानव जाति के लिए एक आश्वासन और प्रेम के संदेश की घोषणा की
: “हे मेरे लोगों! अपने प्रभु से माफ़ी मांगो और फिर पश्चातापपूर्वक उसकी ओर मुड़ें; वह स्वर्ग भेज देगा कि तुम पर बहुत वर्षा बरसाए, और वह तुम्हारी ताकत बढ़ाएगा
तुम्हें और अधिक ताकत देकर : इसलिए, अपराधियों (ईश्वर की एकता में अविश्वास करने वालों) की तरह अलग मत हो जाओ ।" (अंतिम नियम, 11:52)

शैतान लगातार चिल्लाता रहा, वह गुस्से में उछलता रहा और हर बार जब वह सोचता था कि इश्वर आदम और उसके पाशविक बच्चों को क्षमादान देंगे तो और उनका पछतावा स्वीकार करेंगे । “हे मेरे रचयिता! मैं तुमसे मानव जाति से नफरत करवाऊंगा । शायद, मानव जाति का अपमानजनक व्यवहार और दुष्टता को देखने के बाद , आप उन्हें

अस्वीकार कर देंगे और उसके बाद मैं उनसे निर्दोष बच्चों की हत्या करवाऊंगा और युवाओं को बर्बाद करूंगा महिलाएं और युवा पुरुषों पर हमला, शायद तब आप समझेगे कि हर सुअर और जंगली कुत्ता इन अशुद्ध मनुष्यों से भी अधिक सम्माननीय है जिन्हें आपने गन्दी मिट्टी से बनाया है। ओह, केवल तभी आप अंततः मेरी श्रेष्ठता की सराहना करेंगे और मुझे आपके स्वर्गीय दरबार में समस्त सृष्टि में सबसे श्रेष्ठ की तरह वापस आने की अनुमति देंगे ! वास्तव में, एक दिन आप देखेंगे की , मैं उन बीमार, लंपट लोगों से जानलेवा चीज़ें जिन्हें आप इंसान कहते हैं कितना बेहतर हूँ। एक दिन आप समस्त मानवजाति में सबसे श्रेष्ठ प्राणी के रूप में मेरा सम्मान करोगे !
एक दिन स्वर्गदूत फिर मेरी आराधना करेंगे, और गंदे दिमाग वाले इंसानों पर जिनकी वे अब इतनी वफादारी से सेवा करते हैं क्योंकि वे आपको प्रसन्न करना और अपने आप को विश्वास दिलाना चाहते हैं की मनुष्य शुद्ध, पवित्र और दयालु हैं ,उनपर उनपर घृणापूर्वक थूकेंगे !"

हालाँकि शैतान ने मानव जाति को गुमराह करने और ज़बरदस्ती पाप करवाने की कसम खाई थी , परमेश्वर आदम के बच्चों को उनकी असीम करुणा का आश्वासन देना जारी रखा । अंतिम नियम में, मरणोपरांत पुरस्कारों का वादा निम्नलिखित श्लोक में विस्तृत है : वहां से स्वर्ग पवित्र के निकट लाया जाएगा "यही वह है जिसका तुमसे वादा किया गया है: हर किसी से जो परमेश्वर की ओर मुड़ा , और उसके नियमों का पालन किया; जो गुप्त रूप से दया के परमेश्वर का भय मानता है, और एक दुःखी हृदय जो उसके पास आया है : इसे शांति प्रवेश करें: यह अनंत काल का दिन है। (अंतिम नियम, 50:30)

शैतान ने इंसानों को गुमराह करने और ख़राब करने का वादा किया था , और आख़िरकार यह उसका अहंकार ही था जिसने उसे अविश्वास और अपने रचयिता की अवज्ञा करने का बाल दिया । यह श्रेष्ठता का मिथ्या का भाव है जिसने अज़ाज़ेल को शैतान में बदल दिया था, और वह

पागलों की तरह गुस्से से कांपते हुए स्वर्ग की ओर चिल्लाया। "मेरे इश्गवर और सर्वोच्च निर्माता! चाहे आपकी क्षमा कितना भी विशाल क्यों न हो , चाहे आपके कानून कितने भी उदार क्यों न हों, और चाहे आपकी रचना के प्रति आपकी दया कितनी भी अनगिनत हो, मैं सुनिश्चित करूँगा कि आदम और उसके बच्चों के पाप आपकी क्षमाशीलता की सीमाओ से बढ़कर हों और आपको उन लोगों से घृणा करवाऊंगा जो जीव-जंतु मिश्रित हैं और उनका घिनौना व्यवहार तुम्हारी सहानुभूति नष्ट कर देगा, और उनके सबसे बुरे कृत्यों के कारन आपकी दया गायब हो जाएगी जो किसी भी आत्मा या जानवर या देवदूत द्वारा अब तक किए गए कृत्यों में सबसे बुरे होंगे । दरअसल, आपके पास उन्हें कष्ट सहने देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा क्योंकि जिन मनुष्यों को आपने मुझसे श्रेष्ठ होना चुना है वो ऐसा अपमानजनक और घृणित व्यवहार करेंगे आपकी दया के बावजूद, वे अपराधी प्राणी होंगे । सचमुच, आप जिस परजीवी मनुष्य को स्वर्ग में स्थान देने की आशा कर रहे हैं

वो इतना गंदा और वासना से भरा हो जाएगा कि वे निर्दोष के प्रति अत्यंत क्रूर व्यवहार करेंगे , और मैं उन्हें विकृत दुर्व्यवहार करने वाले, बहकाने वाले बना दूँगा । दरअसल, ओ ब्रह्मांड के इश्वर , आप अपने मानव दासों को आपके प्रति सबसे कृतघ्न और विश्वासघाती पाएंगे !”

दया के देवता ने केवल क्षमा करने का अपना वादा दोहराया । अंतिम नियम में, सर्वशक्तिमान ईश्वर मानव जाति को आश्वासन देता है : “जो लोग अच्छा करते हैं उन्हें वह अच्छा प्रतिफल देता है । उन लोगों के लिए जो बड़े अपराधों और घोटालों से बचते हैं लेकिन केवल हल्के दोष ही करते है , वास्तव में, तुम्हारा इश्वर तुमपर दया करेगा "

स्वर्गदूतों ने शैतान से कहा, “तू मनुष्य पर अधिकार होने का दावा करता है , लेकिन जब मृत्यु का समय निकट आता है, यदि तुम उनकी मदद नहीं कर सकते तो कैसे तुम शक्ति होने का दिखावा करोगे ?

"वास्तव में, आपने एक वैध मुद्दा उठाया है।" शैतान ने अस्वाभाविक शांति से उत्तर दिया . "मैं मृत्यु के दूत पर नज़र रखूँगा कि वो कहाँ चला आ रहा है, और मैं देखूंगा कि वह किस क्षेत्र में है खंगाल रहा है और वह किसे देख रहा है और फिर मैं इसकी जानकारी उस व्यक्ति को दूंगा और उसे कहूँगा उसकी मृत्यु का समय निकट आ गया है और मैं उसकी अब और कोई सहायता नहीं कर सकता । जैसे ही मैं मृत्यु के दूत को पास में देखूंगा, और यदि मैं मृत्यु के दूतों को मानव आत्मा का पलायन की तैयारी करते देखता हूँ मैं मानव को सचेत करूंगा कि मैं अब उन्हें बचा नहीं सकता । मैं उन्हें बताऊंगा दूसरी शक्ति उनकी आत्मा छीन लेगी ! और दिलचस्प बात यह है कि वे गंदे मंदबुद्धि लोग मनुष्य अब भी मेरी पूजा करेंगे क्योंकि मैं उसकी मृत्यु का अनुमानित समय बता दूंगा और गुलाम व्यक्ति को वह बेकार जानकारी का टुकड़ा अग्रिम रूप से बताऊंगा ।"

स्वर्गदूत रुके और बोले, "हे शापित शैतान! वास्तव में, हम परमेश्वर के पंखधारी दूत और स्वर्गदूत मरने वाले आदमी और औरत के साथ हमेशा रहेंगे ! हम उनकी सहायता करेंगे और उनका दर्द आसान करेंगे ! जब किसी व्यक्ति की मृत्यु निकट आती है, तो हम उसे सहायता प्रदान करते हैं!"

"यहां तक कि जब मौत इस मूर्ख व्यक्ति के करीब होगी, तब भी उसे गुमराह करके, बहकाके और धोखा देके विश्वास दिलाया जाएगा की मैं उसका प्रिय लूसिफ़ेर, शैतान और भगवान हूँ! शैतान उसके मुँह से थूक उड़ाते हुए चिल्लाया "आखिरकार, जब
मृत्यु का समय निकट आयेगा , मैं उनके पूर्वजों का आकार ले लूँगा, और मैं उससे कहूंगा कि वह मुझ पर विश्वास और ईश्वर में अविश्वास करे । वे पापी और कामुक मनुष्य जो

वे अपने जीवन का हर घंटा सूअरों की तरह व्यभिचार की तरह बिताएंगे और उनके नंगे मल निकलेंगे और खुद को पुरुषों से कोड़े लगवाने की भीख मांगकर उनका अपमान किया जाता है और महिलाएं,उनके निधन से पहले कभी भी भगवान पर विश्वास नहीं कर पाएंगी । मैं इसकी अनुमति नहीं दूँगा! इससे पहले कि वे कीड़ों से भरे मनुष्य इश्वर की कृपा में स्वर्ग में प्रवेश करे , मैं जला दिया जाऊ और झुलसा लूं और डूब जाऊं ! मृत्यु के समय वे गंदे और असभ्य आदमी और जो औरतें जो मेरी पूजा करती थीं वो मेरे और उन स्वर्गदूतों के बीच अंतर नहीं बता पाएंगी जो उसकी मदद करने की कोशिश करेंगे । क्योंकि मरता हुआ आदमी विश्वास करेगा कि वह पहले ही मर चुका है और उसके दादा-दादी उसे स्वर्ग ले जाने के लिए वहाँ होंगे । हकीकत में वो दादा-दादी मेरे अपने राक्षस होंगे जो उनका आकार लेंगे उन्हें धोखा देने के लिए । यदि मानव मेरा दास उसने अपना पूरा जीवन अविश्वास में बिताया, निश्चित रूप से, वह अपने जीवन के अंतिम क्षण में भी सत्य और असत्य को पहचान नहीं पायेगा । यदि आप जैसे सभी देवदूत उसे याद दिलाने की कोशिश करें कि वह अभी भी जीवित है
और उसे तुरंत भगवान में विश्वास करना चाहिए।
अपना पैर इतनी जोर से जमीन पर पटका कि धरती हिल गयी , शैतान चिल्लाया। “नहीं! वह मुझ पर अधिक भरोसा करेगा और मैं उस पर अधिकार रखूँगा क्योंकि मैं लगातार उसका उपयोग करूंगा और उसे मेरी और अपनी ऊर्जा पर ध्यान करने के लिए मजबूर करूँगा ! वह उस समय ईश्वर पर विश्वास करने में सक्षम होता अगर उसने अपना पूरा जीवन मुझ पर ध्यान केंद्रित करके नहीं बिताया होता बल्कि इश्वर और महामहिम पर केंद्रित करता । लेकिन मेरी अंधेरी ऊर्जा पर लम्केबे समय तक ध्यान केन्द्रित करने के कारण , ये दूषित मनुष्य निराशाजनक रूप से भ्रमित हो जायेंगे। यहां तक कि देवदूत उसे आश्वस्त करने का प्रयास करते हैं कि मृत्यु वास्तविक है और उसके बाद का जीवन वास्तविक सच है, मैं उन्हें गुमराह कर दूँगा। यदि वे इश्वर की बजाय मुझपर विश्वास करते हैं तो मैं उन्हें बताऊंगा , फिर मैं पुनर्जन्म को अंजाम दूंगा और

उन्हें मृतकों में से वापस लाऊंगा भले ही इसके लिए उन्हें असली में मरना पड़े !"

परमेश्वर जानता था कि शैतान का इरादा मानव जाति में से ईमानदार महिलाओ और पुरुषो को नुकसान पहुँचाने का था , और अंतिम वसीयतनामा में , सर्वशक्तिमान देवता ने घोषणा की: “लेकिन उन लोगों के लिए जो ईमान लाते है और अच्छे काम करते है , दयालु उन पर उसके प्यार की कृपा करेगा !" (अंतिम नियम, अध्याय मैरी, श्लोक 96)

"मेरे इश्वर और निर्माता!" शैतान चिल्लाया, इस उम्मीद में कि इश्वर उसे सुनेंगे । “तुम अपने चुने हुए मनुष्यों को पाप करते हुए देखोगे! सचमुच, वे भ्रष्ट मनुष्य तुम्हें तब भी शाप देंगे जब आप उन्हें आशीर्वाद दोगे और विपत्तियाँ आने पर वे तुम्हें शाप देंगे। वे दूषित मनुष्य आपको तब नकार देंगे जब आप उन्हें खिलाएंगे और जब आप उनको ठीक कर दोगे तो वे खुद को श्रेय देंगे । वे उन लोगों को नष्ट कर देंगे जो आपसे प्यार करते हैं और आपके अनुयायी हैं और वे उन लोगों पर अत्याचार करेंगे जो आपकी पूजा करते हैं।

“उड़ाऊ मत बनो, क्योंकि परमेश्वर उड़ाऊ से प्रेम नहीं करता... और शैतान का अनुसरण मत करो , क्योंकि वह तुम्हारा घोषित शत्रु है।” (अंतिम नियम, अध्याय मवेशी)

शैतान पागलों की तरह चिल्लाता रहा, “तुम मेरे गवाह बनो, हे प्रभु, और हे स्वर्गदूतों, जब मैं घोषणा करूं तो तुम सब मेरे गवाह बनो! मै मनुष्य को अत्यंत मंदबुद्धि, बदबूदार, बुद्धिहीन, कमज़ोर हो और स्वार्थी प्राणिघोषित करता हु ! मैं उनमें से हर एक को गुमराह कर दूंगा और उनके पहले से ही बेवफा और दुष्ट दिल को भ्रष्ट कर दूंगा। हे ब्रह्माण्ड के परमेश्वर, वे कुछ मामूली धन-सम्पत्ति और जानकारी के लिए स्वेच्छा से मेरी पूजा करेंगे और थोड़ी देर के बाद, वे सभी पाप की स्थिति में , शर्मनाक कृत्यों में डूबे हुए आपके पास लौट आएंगे ।”

अज़ाजेल भारी आत्म-धोखे में रहता था। शैतान ने सोचा पृथ्वी उसका निजी क्षेत्र होगी और वह ग्रह के प्रशासन में परिवर्तन किये जाने से उसे कोई नुकसान नहीं होगा जिस ग्रह को उसने अपना कहा । वह परमेश्वर को कोसते हुए स्वर्ग की ओर उसकी सारी ताकत से चिल्लाया । “आप और कितना माफ कर सकते हैं जबकि बदसूरत इंसान एक-दूसरे को मारते हैं और दोष देते हैं और अपने स्वयं के अपराधों के लिए निर्दोषों को फंसाते हैं ? आप उन पर और कितना दया कर सकते हैं जबकि वे अपने पवित्र लोगों का दुरुपयोग करते हैं? कितनी क्षमा कर सकते हैं इससे पहले कि आपको एहसास हो कि वे सभी अशुद्ध शरीर वाले मनुष्य कितने दुष्ट हैं? आदम के बेटे कट्टरपंथी धर्मनिरपेक्षीकरण और बेवफाई की प्रक्रिया से गुज़रे थे । वे स्वर्गीय आदेशों का और अधिक पालन नहीं करेंगे! आप कब यह समझोगे कि जिन लोगों को तुमने छुपे हुए लोगों और देवदूत से अधिक तरजीह दी है वे सारी सृष्टि में सबसे निकृष्ट हैं, पागल जानवर और जंगली जानवर और बीमार गिद्ध से कहीं अधिक हीन हैं ?”

स्वर्गदूतों ने अंतिम नियम से एक अंश उद्धृत किया, और कहा: "तुम्हारा रब असीम, सर्वव्यापी दया रखता है: परन्तु उसकी गंभीरता दुष्टों पर से न हटेगी।” (अंतिम नियम, 6:147)

"चुप रहो!" शैतान चिल्लाया, पुलों पर कूद गया, और अपने उन्माद में पहाड़ियों से फिसल गया स्वर्गदूतों का गला घोंटने के लिए। “ओह, धिक्कार है मुझपर ! शापित हो इस देश के मानव जाति के सभी पुरुष और शापित हो सारी स्त्रियाँ ! मैं उन्हें कुत्तों से भी बदतर बना दूँगा। इश्वर उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे! कभी नहीं!!" शैतान चिल्लाया और एक लंबा कोड़ा मारा और चिल्लाते हुए हवा में मारना शुरू कर दिया। “यदि एक मनुष्य मुझ से बच निकले, तो क्या मैं अन्धा और गूँगा हो जाऊँगा? ”

वह लगातार चिल्लाता रहा और पागल की तरह इधर-उधर भागता रहा "यदि मैं एक मनुष्य को ईश्वर में विश्वास करके मरने दूं, तो मुझ पर धिक्कार है ! नहीं! मैं उनमें से हर एक को गुमराह कर दूँगा। मैं आदम के बारे में भूल जाने को कहूँगा , और उन्हें पापपूर्ण कार्य करने के लिए मजबूर करूँगा ताकि वे नरक में जाएँ जहाँ मैं अंततः उन्हें ख़ुशी से हजारो वर्ष तक जला सकूँ । मैं मनुष्यों को अपने साथ नरक में खींच लूँगा। मैं
उन्हें उनके परमेश्वर से घृणा करने पर मजबूर कर दूंगा । मैं उन्हें कभी इश्वर से प्यार या उस पर विश्वास करो, या उसका नाम भी लेने नहीं दूंगा ! वे गन्दे दिमाग वाले प्राणी इश्वर ने बनाए है ! हे ओले और आग मुझ पर हमला करें अगर वे इश्वर में विश्वास करते हैं तो ! मैं उन्हें कभी परमेश्वर की ओर से क्षमा मांगने नहीं दूँगा , क्योंकि मैं गूंगों को झूठ का प्रचार कराऊंगा ! मैं उन्हें विश्वास दिलाऊंगा कि वे सूअर और बंदर के वंशज हैं , इसलिए उनका मानना है कि वे सूअरों की पीढ़ियाँ हैं, और मैं उन्हें सड़कों पर कुत्तों के समान व्यभिचारी बनाऊंगा जिस तरह से कुत्ते एक दूसरे के बट को सूँघते हैं। यदि एक भी मनुष्य परमेश्वर के प्राचीन स्वर्ग में प्रवेश करता है तो मुझ पर धिक्कार है । ओह, मैं उनसे कितनी नफरत करता हूँ। वो शापित चीजें । वे परजीवी और कीड़े। तुम्हें लगता है मैं उन्हें जन्नत में दाखिल होने दूँगा! नहीं, मैं उन सभी को नरक में भेजूंगा , और लकड़बग्घे, कीड़ों और गिद्धों जैसे उन्हें दूसरों का मांस खाने दूंगा !"

"शांत रहो, अज़ाज़ेल," स्वर्गदूतों ने उसके गुस्से को रोकने का प्रयास करते हुए शैतान से कहा "तुम बेतुकी बातें कर रहे हो और चिल्ला रहे हो एक जानवर की तरह।"

शैतान ने अपने पैर पटके और चिल्लाया। "मैं इंसानों को यकीन दिलाऊंगा कि वे कुत्तों और सूअरों के बच्चे हैं और बंदरों और वानरों के

वंशज है । ओह, सचमुच, मैं उनसे नकली शोध कराऊंगा , और उन्हें गुप्त संगठन शोध करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा जो मेरे गुलाम होंगे । जैसा मैं कहूँगा वे वैसा ही करेंगे, और मेरी ओर से, वे लोग शेष मानवजाति को विकासवाद के सिद्धांत पर विश्वास करने प्रोत्साहित करेंगे । ओह, बस रुको और देखो मैं कैसा व्यक्तिगत रूप से उन कुलीन नास्तिक टीम को सोना और चाँदी की आपूर्ति करता हु और उन्हें शक्ति और धन का झूठा वादा करता हु , और बदले में, वे मानव जाति को नैतिकता और इश्वर के नियम के बारे में भूला देंगे । मैं उन्हें विश्वास दिलाऊंगा कि उनके पूर्वज बंदर थे । जिन मंदबुद्धि मनुष्यों का मस्तिष्क कीड़ों के साथ भरा हुआ है ख़ुशी-ख़ुशी जंगली जानवरों की तरह बंदरों की तरह व्यभिचारी व्यवहार करना शुरू कर देंगे । मैं उस झूठे समूह को जानकारी दूंगा के अमीर लोगों का धन कहां छिपा है, ताकि वे सभी को गुमराह करे और कोई भी व्यक्ति ईश्वर की आज्ञा नहीं माने । मैं उन्हें बिल्कुल भी इंसान नहीं बनने दूंगा , ताकि इश्वर उन्हें स्वर्ग में प्रवेश की अनुमति देने का फैसला ना करें ! मैं उन्हें परमेश्वर से घृणा करवाऊंगा! क्या तुम देवदूत सोचते हो कि मैं एक घटिया पात्र हूँ? क्या आपको लगता है कि मैं एक कमज़ोर हूं? क्या आपको लगता है कि मेरा दिमाग ख़राब हो गया है, या बदल गया है? एक दयालु कीड़े में बदल जाऊँगा कि मैं एक व्यक्ति को स्वर्ग में प्रवेश करने दूँगा? नहीं, मैं नहीं करूँगा! मैं इंसानों को अपने बच्चों और अन्य बच्चों के साथ यौन संबंध बनाऊंगा जब तक वे जानवरों से बदतर न हो जाएं ।"

शैतान की चिल्लाहट से देवदूत अचंभित रह गए, और उन्होंने उसे याद दिलाने का प्रयास किया कि इश्वर ने सभी के लिए मोक्ष वादा किया था । अज़ाज़ेल को यह विश्वास दिलाने का प्रयास कि वह बुरी भूल में डूबा हुआ है उन्होंनेअंतिम वसीयतनामा की पंक्तियाँ उद्धृत कीं : "क्योंकि वे परमेश्वर के विरूद्ध तुम्हारा लाभ उठाएँगे।" और सुख में, बुराई करने वाले एक दूसरे के संरक्षक हैं ; परन्तु जो उस से डरते हैं उनका संरक्षक परमेश्वर ही है। इस किताब में मानव जाति के लिए अंतर्दृष्टि, मार्गदर्शन

और दया है ऐसे लोगों के लिए जो विश्वास में दृढ़ हैं I समझो वे जो केवल बुराई करते है , कि हम उनके साथ वैसा ही व्यवहार करेंगे जैसा उनके साथ किया जो ईमान लाते है और नेकी से काम करते है , ताकि उनका जीवन और मृत्यु एक जैसे होंगे ? क्या वे न्याय करेंगे? सच तो यह है कि ईश्वर ने ही स्वर्ग और पृथ्वी बनाए है , ताकि वह प्रत्येक को वैसा ही प्रतिफल दे जैसा उसने गढ़ा होगा; और उनके साथ अन्याय नहीं किया जाएगा क्या आप सोचते हैं? वह जिसने अपने इश्वर को जुनून बनाया है, और जिसको परमेश्वर जानबूझ कर ग़लती कराता है, और किस के कान और किस के उस ने हृदय पर मुहर लगा दी है, और जिस पर उस ने दृष्टि रखी है पर्दा-भगवान द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद, ऐसे व्यक्ति का मार्गदर्शन कौन करेगा? तो क्या तुम्हें चेताया न जाएगा?" (अंतिम नियम, 45:25)

"मैं इंसानों को समझाऊंगा कि बुद्धिहीन गर्म दिमाग वाले जानवर की तरह जीना गर्व की बात है जो सूअरों जैसे एक दूसरे के प्रजनन अंग को खाते हैं I" अज़ाज़ेल ने दहाड़ते हुए उसकी छाती पर अपनी मुट्ठी जोर से मारी। "मैं उन्हें परमेश्वर की शुद्ध आज्ञाओं की अवहेलना करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा वे अपनी गंदी वासनाओं में लिप्त होना शुरू कर देंगे और समलैंगिक यौन संबंध बनाएंगे , और अपने ही बच्चों का यौन उत्पीड़न करेंगे और इसे अपना गौरव समझेंगे I मैं मनुष्यों को एक दूसरे को खून और गंदगी से सना हुआ बना दूंगा , और वे खुद को कभी साफ नहीं करेंगे I ओह, मैं उन्हें एक-दूसरे में मलत्याग करते देख , कीड़ों के पीछे मांस से भरी वासना, और जानवरों का पीछा करते देख कितना आनंदित होऊंगा I वे सड़क के कुत्ते जैसे होंगे , नहीं चिल्लाने वाले जानवरों से भी बदतर, क्योंकि वे सार्वजनिक रूप से मलमूत्र से सने नग्न समुद्र तटों पर व्यभिचार करेंगे !"

"हे सच्चे विश्वासियों, शैतान के नक्शेकदम पर मत चलो: क्योंकि जो कोई शैतान के पदचिन्हों पर चलेगा, वह उसे गंदे अपराध की आज्ञा देगा,

और जो गैरकानूनी है। यदि ईश्वर की कृपा और आपके प्रति उसकी दया ना होती , अभी तक तुममें से कोई भी अपने अपराध से मुक्त नहीं हुआ होता: परन्तु परमेश्वर जिसे चाहता है शुद्ध करता है; इश्वर दोनों सुनता और जानता है।" (द फाइनल टेस्टामेंट, चैप्टर लाइट,श्लोक 21)

वह मानव जाति का पाप से दम घोंटने और भ्रष्ट कार्यों में लगाने के अलावा और कुछ नहीं चाहता था, उनकी मृत्यु तक उन्हें घृणित व्यवहार करने दो । वह ज़हरीली आवाज़ में देवदूतो को फुसफुसाया : "मैं सर्वोत्तम मानवतावादी शिक्षाशास्त्र को भी प्रदूषित कर दूँगा उन्हें आश्वस्त करके कि वे सभी जानवर हैं और उन्हें जंगली सूअर और मवाद खाने वाले कीड़ों की तरह व्यभिचार करना चाहिए ।" "फिर शैतान
खुशी से चिल्लाया. "आदम का प्रभामंडल चला गया है," "वे इंसान नहीं हैं! वे जानवर हैं! जानवर!" उसके अजीब मुँह से थूक उड़ रहा था, अज़ाज़ेल ने उन स्वर्गदूतों को संबोधित करना जारी रखा जो आज तक उस के समर्पित विद्यार्थि थे "आप सभी बस प्रतीक्षा करें और देखें कि मैं कैसे नीच जाती को धोखा देता हूं वह पृथ्वी पर जीवित रहेगा। तब तक प्रतीक्षा करें जब तक मैं मनुष्यों को ज़मीन पर मौजूद सबसे गंदे जानवरों की तरह व्यवहार में लाने योग्य न बना दूं । मैं उन्हें नग्न पैदल चलाऊंगा
और सार्वजनिक चौराहों पर दौडऊँगा , और मैं उन्हें समझाऊँगा कि सड़क पर मल त्यागना और खाना सम्मानजनक है ! सचमुच, मैं उन्हें भूतग्रस्त पशुओं की तरह दु:ख दूंगा जब तक वे मुर्दे से भी बदतर न हो जाएँ। वो नीच जाती मेरी आज्ञा का पालन करेगा और वे परमेश्वर के बदले मेरी आराधना करेंगे। तब मैं यह देखना चाहूंगा कि क्या ईश्वर अब भी सोचता है कि मनुष्य मुझसे श्रेष्ठ है, आग से बना महान प्राणी।"

स्वर्ग और पृथ्वी का निर्माता और नियंत्रक जो अज़ाज़ेल के हृदय में व्याप्त हो गया यह जानता था , और परमेश्वर भी जानता था वह मानव जाति को गुमराह करने की कितनी बेताबी से कोशिश करेगा। इसी कारण

से, इश्वर ने अंतिम वसीयतनामा में एक उद्धरण प्रदर्शित किया: “ईडन का बगीचा, जो दया के देवता के पास है अपने सेवकों से वादा किया, यद्यपि अभी तक अनदेखा: अपने वादे के लिए होगा: वे उसमें कोई व्यर्थ प्रवचन नहीं सुनेंगे, परन्तु केवल 'शान्ति' और उनका भोजन उन्हें भोर को दिया जाएगा । यही तो जन्नत है जिसकी धरोहर हम बनाएंगे हमारे उन सेवकों के बारे में जो हमसे डरते हैं," (द फाइनल टेस्टामेंट, अध्याय मैरी)

"हा!" अज़ाजेल ने गुस्से में चिल्लाकर कहा। “ इश्वर का स्वर्ग खाली होगा ! स्वर्ग में कोई नहीं होगा, क्योंकि मैं यह सुनिश्चित करूंगा की मैं अशुद्ध मनुष्यों को जानवरों से भी बदतर प्राणियों में बदल दूंगा । ओह, भगवान वास्तविकता को तब देखेंगे, जब मैं
पुरुषों और महिलाओं को अपनी सड़कों पर व्यभिचार करने के लिए प्रोत्साहित करूंगा
और अपने नगरों में नंगे फिरेंगे ! उन्हें उन सूअरों को देखने दों, उन इंसानों को उसने शिकारी कुत्तों और लकड़बग्घा की तरह अभिनय करने के लिए सम्मानित किया था ।
 मैं भगवान को दिखाऊंगा कि यह कैसा भुनगा मनुष्य हैं । भगवान ने आदम को बनाने की हिम्मत कैसे की और मुझे झुकने का आदेश दिया जैसे के आदम जैसा कमज़ोर प्राणी कभी भी मुझ जैसे श्रेष्ठ के सामने खड़ा हो सकता है?   मैं भगवान को दिखाऊंगा कि मुझे आदम के सामने झुकने कहना उसका आदेश गलत था ! मैं मानव जाति को बहलाऊंगा ऐसे बुरे कार्य करने कि भगवान निराश होकर देखें और यह देखकर आश्चर्य चकित हो जाये कि आदम और उसके कुत्ते कैसे मवाद से भर संतानें हैं !”

उसने घोषणा की वह सुनिश्चित करेगा की आदम और उसकी संतान को उसकी भ्रामक प्रवंचनाओं और भ्रम में फंस जाये , जिसे वह उन पर थोपेगा । वे देवदूत जो उस दिन तक उसके वफादार शिष्य रहे थे उन के

उजले चेहरों पर तिरस्कार का भाव देखकर , शैतान ने उसके बालों को झटका दिया और उसके चेहरे को निराशा से खरोंच दिया। फिर उसने एक गहरी साँस ली और धमकी भरे अंदाज में चिल्लाया "भगवान देख सकते हैं कि कुत्ते मनुष्य किस तरह की गंदगी से भरे हुए हैं , और मैं उनकी जाति वासना की बेशर्म गुलाम में से भी सर्वोत्तम मनुष्य बनाऊंगा, और यही कारण होगा

मनुष्य को जानवरों, कीड़ों और यहां तक कि उसके बच्चों के साथ यौन संबंध बनाएगा और फिर मैं देखूंगा कि क्या भगवान सीधे मुख से उन्हें माफ़ कर सकते हैं , क्योंकि यदि परमेश्वर अपने आप को धर्मी कहता है, तो फिर मुझे देखने दो कि क्या वह उन कीड़ों में से किसी को भी शुद्ध स्वर्ग में प्रवेश करने देता है । ओह, मैं पूरे ब्रह्मांड को जला डालूँगा एक भी मनुष्य जीवित मिल जाए जो ईश्वर को अपना देवता कहकर पुकारता हो,

क्योंकि वास्तव में मैं जानता हूं कि अगर वे उनके जीवनकाल में एक बार भी एक ईश्वर पर विश्वास करते हैं और उसका आह्वान करते हैं , तो दया का देवता उन्हें क्षमा करेगा

और उन्हें स्वर्ग में प्रवेश की अनुमति देंगा , लेकिन मैं सुनिश्चित करूँगा कि ऐसा कभी न हो!"

"अफसोस! हे अज़ाजेल!" स्वर्गदूतों में से एक ने प्रतिवाद किया। "आपने पर्याप्त नहीं कहा? आप लोगों को कभी भी अपने निर्माता को भूलने पर मजबूर नहीं कर सकते

, क्योंकि हर कोई जानता होगा कि आदम और हव्वा को इश्वर द्वारा बनाया गया था

और वो उनके माता-पिता हैं और वे भविष्यवक्ता युगल के वंशज है ।

"तुम्हारी मुझ पर शक करने की हिम्मत कैसे हुई?" शैतान जोर से चिल्लाया, देवदूत अपने दोनों हाथों थपथपाया और पैरों से उनके पंख फाड़ने का प्रयास कर रहा था

"मैं बदसूरत मूर्ख इंसानों को पूरी तरह से झूठ पर विश्वास दिलाऊंगा , इसलिए वे मानेंगे कि वे सूअरों की और बंदरों की संतान हैं, और मैं होशियारों से दुसरो को गुमराह कर दूंगा , इसलिए वे सड़क पर पागल कुत्तों की तरह व्यभिचार करते हैं । ओह, मैं इंसानों को कभी यह न सोचने दें कि वे इंसान हैं! मैं कभी उन्हें ये याद रखने नहीं दूँगा के कि वे आदम की संतान हैं, बल्कि वे केवल उस झूठे वंशावली वृक्ष पर विश्वास करेंगे जो मैं उन्हें प्रदर्शित करूँगा । तब वे सड़े-गले मनुष्य कभी भी ईश्वर पर विश्वास नहीं करेंगे और पूरी तरह से आश्वस्त होजाएंगे कि उनके पूर्वज सूअर और बंदर भी थे ।

"हे आदम के रचयिता!" शैतान चिल्लाया. "मैं मनुष्य को बनाने और उन्हें पसंद करने तथा आपकी सभी रचनाओं से ऊपर उनका सम्मान करने के आपके निर्णय पर पछतावा कराऊंगा। मैं आग से बना हूँ; इसलिए, मैं सर्वश्रेष्ठ हूँ! मैं हूं आपकी समस्त सृष्टि का सर्वोच्च मैं ही एकमात्र रक्षक हूं। वहाँ कभी कोई मुझसे बेहतर नहीं होगा! सचमुच, मुझे सर्वश्रेष्ठ होना चाहिए! और मैं जो कुछ भी करता हूं महानता का मानक होगा! मैं कभी किसी को मुझसे बेहतर, मुझसे अधिक पवित्र या अधिक प्रतिष्ठित होने की इजाजत नहीं दूंगा । मैं मनुष्य को पाप और वासना से कभी मुक्त नहीं होने दूँगा! मैं मनुष्य को अपने से बेहतर बनने की इजाजत नहीं दूंगा ! आपका कोई धर्म नहीं मैं उन्हें अनुसरण करने की अनुमति नहीं दूंगा ! क्योंकि, आपका धर्म उनमें धर्मपरायणता, दृढ़ता, ईमानदारी, न्याय और दया आदि सिखाएगा और वे जो भी अच्छा करते हैं उसके बदले उन्हें स्वर्ग शाश्वत मोक्ष की आशा प्रदान करेंगा । नहीं! मैं उन्हें कभी भी धर्म का पालन करने नहीं दूंगा ! मैं उनका धर्म नष्ट कर दूँगा! नहीं, मैं और भी बेहतर कर सकता हूँ! मैं उनसे ही धर्म नष्ट करवा दूंगा और मैं तेरे बदले मेरी पूजा करवाऊंगा। मैं आपको दिखाऊंगा कि जिन प्राणियों का आपने मानव के रूप में सम्मान किया है, वे आपके द्वारा बनाए गए किसी भी जानवर से भी बदतर है । मैं उन्हें उनके भविष्य की जानकारी देने का वादा करूंगा जो मैंने पहले ही आपके रहस्यों की

पुस्तक में लिखी देख ली है! यदि वे मुझे लूसिफ़ेर कह कर पुकारें तो मै समय-समय पर उनके भविष्य के बारे में और उनके शत्रु के रहस्य जानने में उनकी मदद करूँगा ! मैं उसके साथ जो मैं जानता हूं कुछ ज्ञान साझा करूंगा इससे उन्हें लोगों के मन को पढ़ने में मदद मिलेगी क्योंकि मैं किसी भी स्थान में प्रवेश कर सकता हूं जहाँ मानव तापमान है क्योंकि मैं आग से बना हूँ। मैं उन्हें दिमाग पढ़ने, खोई हुई वस्तुओं को ढूंढने और छिपी हुई वस्तुओं का स्थान पता लगाने में भी मदद करूँगा जब तक वे मुझ पर ध्यान केंद्रित करते हैं और
अपनी महानता के बजाय उनकी ऊर्जा पर विश्वास करना शुरू करते है । तब
धीरे-धीरे मैं उन्हें तुम्हारे ही धर्म के विरुद्ध एकत्रित कर दूँगा और वे अपनी वासना और प्रेमियों के गुलाम बन जायेंगे । खुद ब खुद, वे सभी धर्मों को नष्ट करना चाहेंगे, इसलिए दुनिया में कोई अच्छाई नहीं बचेगी ! आपकी कोई दया मानव नाम की इन घृणित वस्तुओं को बचा नहीं पायेगी । फिर वे सब अपनी अभिलाषाओं और प्रेमियों के दास बन जायेंगे और पागल कुत्तों और सूअरों की तरह व्यभिचारी हो जायेंगे । मैं उनमें से एक मनुष्य से बाकियों को मरवा दूँगा जबकि वे अभी भी अविश्वास की स्थिति में हैं और आपके प्रति नफरत के अलावा कुछ भी नही रखते , इसलिए आपके पास कुछ भी उन्हें माफ करने या पुरस्कार देने का मौका नहीं है , और जब मैं इसका आनंद उठाऊंगा
वे नरक की घाटियों में सड़ेंगे, वहीं मैं उन्हें उन्हें अपनी आग से जलाकर दण्ड दूंगा ! मै उन नौकरो को मुझ पर विश्वास कराऊंगा , मैं कभी-कभी उन्हें अनदेखा शक्तियाँ और धन देने का वादा करूंगा , लेकिन मेरी पूजा से उन्हें दुःख के अलावा कुछ हासिल नहीं होगा !" इन शब्दों के साथ, शैतान ने आदम और हव्वा को नष्ट करने की अपनी योजना शुरू की और उन्हें स्वर्ग से निष्कासित करने का रास्ता खोजना शुरू कर दिया ।

जब तक आदम और हव्वा को स्वर्ग से बाहर नहीं निकाला गया, तब तक शैतान को स्वर्ग के लोकों में घूमने की अनुमति थी हालाँकि, उसके

लिए स्वर्ग में प्रवेश सख्त वर्जित था। लेकिन अज़ाजेल आदम और हव्वा को गुमराह करके उन्हें स्वर्ग से निष्कासित करने के लिए बेताब हो गया था । वह ईश्वर को दिखाना चाहता था
मनुष्य एक लंपट प्राणी है । वह बहुत ही साधन संपन्न प्राणी था , और उसके साथ सहयोग करने के लिए स्वर्ग के जानवरों में से एक को रिश्वत दी।

“कहो, मेरी बात सुनो!” शैतान चमकता हुआ जानवर को चिल्लाया . “आपको स्वर्ग में प्रवेश करने और बाहर निकलने की स्वतंत्रता है , जबकि मैं ईश्वर की मर्ज़ी के बिना यात्रा नहीं कर सकता मुझे स्वर्ग की महिमा से निकाल दिया था। सचमुच, भगवान सोचते है के मैं बुरा हूँ, लेकिन वह जल्द ही देखेगे कि मनुष्य कितने कामुक होते हैं।
ऐसी स्थिति में, आपके पास एक बड़ा मुंह है जो विशाल है मेरे लिए खुद को उसमे समाने के लिए पर्याप्त है।

“फी! आप क्या बकवास करते हैं?” जानवर ने विरोध किया "मैं तुम्हें अपने मुँह में क्यों छिपाऊँ?"

“क्या तुम नहीं समझ सकते?” अज़ाज़ेल ने प्रतिवाद किया। उसका दिमाग दौड़ इन विचारों के साथ दौड़ रहा था कि वह कैसे आदम को बहलाकर उसे एक बदमाश में बदल सकता है । “मुझे स्वर्ग में प्रवेश करना होगा और आदम को किसी अत्यंत मूल्यवान चीज़ के बारे में चेतावनी देनी होगी । वह अंदाजा नहीं रखता कि उस पर कौन सी विपत्ति आने वाली है। मुझे वहां जाकर उसे बोलना चाहिए । प्रार्थना करें, मेरे लिए इस बातचीत को सुविधाजनक बनाएं!”

"अच्छा ।" जानवर मान गया. “तुम मेरे मुँह के अंदर छुप सकते हो , लेकिन वास्तव में मेरे पास स्वर्ग लौटने का कोई साधन नहीं है क्युकी मै

बहुत दूर भटक गया हु । स्वर्ग में प्रवेश पाने के लिए उस ऊँचाइयो की ओर उड़ना होगा जहाँ आदम और हव्वा रहते हैं।

इस सहयोगी को पाकर अज़ाजेल बहुत खुश हुआ और उसने सभी स्वर्गीय पक्षियों से बात की , लेकिन उन सभी ने उसे स्वर्ग के दरवाजे तक ले जाने से इनकार कर दिया। अंततः, उसने एक पक्षी को भर्ती करने के लिए जानवर भेजा और इस बार, मोर, बिना यह जाने कि शैतान जानवर के मुह के भीतर छिपा है उसे वहा तक लेजाने लिए सहमत हो गया। शैतान ने कोई समय बर्बाद नहीं किया। उसने खुद को एक मुट्ठी के आकार की वस्तु में बदल लिया और जानवर के मुँह के अंदर छुपा । बड़े पक्षी ने जानवर को उसके पंजों के चारों ओर लपेटने की अनुमति दी वे उड़ते रहे और तब तक उड़ते रहे जब तक वे स्वर्ग के द्वार तक नहीं पहुंच गए । कर्तव्यपरायण देवदूत जो स्वर्ग के दरवाजे पर पहरा दे रहे थे, पक्षि और जानवर को देखा , और कुछ भी गलत ना देखकर, उन्होंने जोड़े को प्रवेश करने की अनुमति दे दी । किसी भी गार्ड को संदेह नहीं हुआ कि शैतान चमकदार जानवर के मुँह के अंदर छिपा हुआ था।

जब दोनों ने स्वर्ग की दहलीज पार की, तो शैतान चमकदार जानवर के मुँह से निकला और उसने तुरंत आदम और हव्वा को नष्ट करने के अपने मिशन की योजना बनाना शुरू किया । अज़ाजेल विद्वान शिक्षक था , और निषिद्ध पेड़ के बारे में हर विवरण जानता था , और वह यह भी जानता था कि परमेश्वर ने आदम को पेड़ के पास नहीं जाने का निर्देश दिया था । उसने इस बात पर विचार-मंथन किया कि आदम के समान धर्मी और पवित्र मनुष्य को कैसे पेड़ का फल खिला सकता है । सचमुच, यह लगभग असंभव कार्य था। आदम ईश्वर के लिए ब्रह्मांड में सबसे अधिक ज्ञानी व्यक्ति था उन्होंने खुद ही उसे सारी चीजों के नाम सिखाये थे ।

उसे कैसे आगे बढ़ना चाहिए? अज़ाज़ेल का दिमाग अंधकारमय और चिंताजनक विचारो से धुंधला हो गया , उसने निषिद्ध वृक्ष का सर्वेक्षण किया और इसकी जड़ों को मापा और इसके फलों का अध्ययन किया। हर जगह फैली हुई चिकनी लताओं के साथ, यह एक खूबसूरत पौधा था। छोटे हरे फल और लाल गहनों की तरह ताजा और चमकीले थे। पेड़ एक सुंदर दृश्य था, लेकिन अज़ाज़ेल को पता था कि उसे एक विश्वसनीय योजना के साथ आना होगा । जैसे ही वह पेड़ के सामने बैठा और विचार करने लगा कि कैसे वह आदम को उसमें से खाने के लिए मनाएगा, उसने एक उज्ज्वल आंख वाली महिला हरे-भरे बगीचे में टहलती देखी । शैतान उसे हव्वा के रूप पहचान गया , और तुरंत, एक नया विचार उसके दिमाग में प्रकट हुआ । वह उसका इस्तेमाल अपने पति तक पहुंचने के लिए कर सकता था।

संगीत द्वारा हेरफेर

आदम और हव्वा ने स्वर्ग में सुखद जीवन का आनंद लिया। भगवान के आशीर्वाद के साथ , उन्होंने स्वर्ग के दूर कोनों तक यात्रा की और हर दिन नए स्थानों का दौरा किया। युगल ने हर सुबह और शाम को स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद चखा और सभी फलो को खाया निषिद्ध पेड़ के फलों को छोड़कर । हालाँकि, हव्वा के लिए कभी-कभार वर्जित वृक्ष के पास आना कोई असामान्य बात नहीं थी केवल जिज्ञासावश ही यह समझने की कोशिश करने कि उस पेड़ में इतना खतरनाक क्या था।

इस बार, अज़ाज़ेल ने खुद को पेड़ की लताओं के पीछे छिपा लिया हव्वा इत्मीनान से टहलती रही। वह जानता था कि खुद को उसे दिखाना असंभव होगा . निःसंदेह, हव्वा अलार्म बजाएगी और अभिभावक देवदूत उसे गिरफ्तार कर लेंगे और एक ही बार में स्वर्ग से निर्वासित कर देंगे । उसे पेड़ से फल खाने के लिए प्रेरित करने का भी मौका नहीं मिलेगा । लेकिन शैतान ने बहुत सोचा, और फिर एक रहस्यवादी प्रयोग किया

स्वर्ग के आर्केस्ट्रा से वीणा बजाई गई और संगीत गाना शुरू कर दिया । उसने धीमी आवाजों की विभिन्न स्वरों को बजाने की कोशिश की तब तक जब तक हव्वा को गूँज ने मंत्रमुग्ध नहीं कर दिया, और वह केसर भूमि पर बैठ गई और संगीत को ध्यान से सुना।

शैतान के संगीत के सुरों का हव्वा पर गहरा प्रभाव पड़ा, और वह रोने लगी, और फूट फूट कर रोने लगी, और तब अज़ाज़ेल ने अपने आप को उसके सामने दिखाया और हव्वा से उसके निराशा का कारण पूछा , उसने विलाप किया और निराशा व्यक्त की।

एक बार जब उसकी भावनात्मक स्थिति उथल-पुथल होगई , शैतान ने तेजी से उसे निषिद्ध वृक्ष के पास ले गया और उससे कहा कि इसके फल खाओ इससे तुम हमेशा के लिए जीवित रहोगी । उसने उसे मना लिया की वह अपने पति को कुछ फल दे ताकि सदैव आनंदमय स्वर्ग में वे खुशी से रह सकें । हव्वा जानती थी कि आदम दृढ़ता से इस पेड़ के फल खाने से इनकार करेगा , इसलिए उसने उसे इसका स्वाद लेने के लिए मनाने एक योजना बनाई । शैतान ने उसे सलाह दी फलों का रस बनाएं और इसे किण्वित करके इसे नशे का रूप तैयार करें । फिर उसने उसे इसे अपने पति के पास ले जाने का आदेश दिया ।

जब हव्वा किण्वित फलों के रस का प्याला लेकर आदम के पास पहुंची , वह भयभीत होकर पीछे हट गया। आदम जानता था कि यह निषिद्ध वृक्ष के फल का रस है और उसने हव्वा को ईश्वर की सख्त आज्ञा के बारे में याद दिलाया । हालाँकि, हव्वा , जो संगीत से प्रभावित थी उसके पति के सामने जूस का एक घूंट लेंने के लिए खूब रोयी और गिड़गिड़ायी ,अमर होने और सदैव स्वर्ग में रहने के लिए । सचमुच, शैतान ने उसे दृढ़तापूर्वक आश्वस्त किया कि निषिद्ध वृक्ष का फल खाकर, उन्हें अमरता की कुंजी प्राप्त होगी।

आख़िरकार, हव्वा ने प्याला पी लिया और उसे अपने पति के साथ साझा किया । परिणामस्वरूप भगवान ने अपनी अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया आदम और हव्वा स्वर्ग का परिसर छोड़कर पृथ्वी पर शांति और प्रेम के साथ रहने के लिए कहा । चूँकि संगीत शापित था, वह चीज जिसने हव्वा के कोमल हृदय को मंत्रमुग्ध और प्रभावित किया था , भगवान ने आदम और उसकी संतान को संगीत या तार या पवन वाद्ययंत्र सुनने से मना किया ।

(भगवान ने शैतान से कहा) और उन्हें तुम अपनी आवाज धीरे-धीरे मूर्ख बनाओ (अर्थात् गीत, संगीत, और भगवान की अवज्ञा के लिए कोई और चीज ।" (अंतिम वसीयतनामा, 17:64

स्वर्गदूतों ने आदम को और उसकी भावी संतान को संगीत के खतरों के बारे में सूचित किया, , और आगे कहा, "एक बार जब आप पृथ्वी ग्रह पर पहुंच जाएं तो संगीत सुनने से बचना । सचमुच, लंबे समय तक अत्यधिक या बहुत तेज़ संगीत सुनने से कानों को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे हृदय पर दबाव, जैसे हृदय का खिंचना और मांसपेशी झुकना और दिल की धड़कन अनियमित होना और उच्च रक्त दबाव का कारण बनता है ।"

"केवल एक ध्वनि शरीर को और मानव आत्मा को इतना नुकसान कैसे पहुंचा सकती है ?" हमेशा जिज्ञासु रहने वाले आदम ने सच्ची चिंता के साथ पूछताछ की ।

स्वर्गदूतों ने अपना चेहरा तिरछा किया और धैर्यपूर्वक समझाया। "बार-बार तेज़ संगीत वाद्ययंत्रों की गड़गड़ाहट होने से यह मस्तिष्क में व्यवधान पैदा करता है और कानों को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचाता है और उन अनियमितताओं से युवा मनुष्यों की मनोदशा बदल देता है और उन्हें स्पष्ट रूप से सोचना कठिन बना देता है । कान के पर्दों को नुकसान

पहुंचने से परेशानी हो सकती है लोगों को समन्वय के साथ आगे बढ़ने से और संतुलन बनाएं रखने से रोकता है ।"

उन्होंने कई अन्य सवालों के जवाब दिए जो आदम के दिल में थे और उसे आश्वस्त किया कि पृथ्वी पर जीवन का अंत नहीं है , और वहाँ भी, ईश्वर उपस्थित और निकट रहेंगे ।

आदम के लिए, जीवन की निरंतरता, पृथ्वी पर ही थी। यहाँ, वह लौकिक शांति की तलाश करने और खुशी पाने में सक्षम होगा, हालांकि शाश्वत यौवन और अमरता से रहित। परमेश्वर ने आदम को अनुशासित करने के लिए नहीं बल्कि उसे पृथ्वी पर बस एक परीक्षण के लिए भेजा था । ईश्वर जिस पूर्व-शाश्वत ज्ञान से आदम को बनाया था उसमे यह आदेश दिया था कि उसे एक दिन पृथ्वी पर अवश्य उतरना होगा और एक नश्वर जीवन जिना होगा और प्राकृतिक मृत्यु सहना होगा।

मनुष्य को पृथ्वी पर निवास बनाने की अनुमति दी गई, इसका अर्थ यह है कि वे दोनों मिट्‌टी पर जीवित रहेंगे और उसके ऊपर मर जायेंगे और उसी धूल के नीचे दफन हो जाऊगे ! आदम और उसके वंशजों का फैलना पूरी पृथ्वी पर तय था और शैतान को उनके बीच में छिपने की अनुमति दे दी गई । हालाँकि, पृथ्वी स्वर्ग नहीं थी, इससे पहले कि मानवजाति शाश्वत मोक्ष में प्रवेश कर सके और पुनर्जन्म हो वहाँ परीक्षण और बाधाएँ पार करनी ही थीं । आदम और उसके बच्चों को ज़िम्मेदारियाँ दी गईं और धार्मिक जीवन जीने के शुद्‌ध तरीके सिखाए गए, इसलिए ताकि पृथ्वी पर उनका परीक्षण किया जा सके और उन्हें मरने के बाद उनका पुरस्कार दिया जा सके । मनुष्य की कब्र अधिक जिस निवास स्थान में वे रहते थे, उसकी अपेक्षा स्थायी विश्राम स्थान थी जीवित प्राणियों के रूप में कुछ निश्चित स्तर की सुख-सुविधाओं का आनंद उठाया इसमें स्वस्थ भोजन, सुंदर कपड़े, सुखी जीवन, सार्थक बातचीत, पति-पत्नी की घनिष्ठता और अन्य छोटी-छोटी खुशियाँ शामिल हैं ।

अज़ाज़ेल की चालें उजागर होने के बाद, स्वर्गदूतो ने स्वर्ग के द्वारों के आसपास कड़े सुरक्षा उपाय किये , और इस बार शैतान को बिना किसी तामझाम के स्वर्ग की परिधि से बाहर फेंक दिया गया । वह अपोलोगु नामक स्थान पर उतरा, जो यूफ्रेट्स-टाइग्रिस मुहाना कि दाहिने किनारे पर स्थित एक बंदरगाह शहर था । इसके बाद, एपोलॉग उसी नाम के उत्तरी नहर के किनारे पर पड़ा , जो शहर को नदी और दक्षिण-पूर्व की टाइग्रिस से जोड़ती थी ।

आदम और हव्वा को स्वर्ग से बाहर ले जाया गया और उन्हें ऊँचे और सम्माननीय स्थान से निचली जगह उतरना पड़ा । हालाँकि, यह जोड़ी एक जगह नहीं उतरी । जैसे ही हवा का झोंका उनके इर्द-गिर्द घूमाँ , वे पृथ्वी के ऊपर भौतिक रूप से उड़ गए , काफी समय तक कक्षा में चक्कर लगाने के बाद वे पृथ्वी की सतह के निकट आ गये। गुरुत्वाकर्षण शक्ति ने आदम को पूर्व में एक स्थान पर निर्देशित किया और उसने स्वयं को बड पर्वत पर उतरते हुए पाया । हव्वा को भी हल्की हवा का वहन करना पड़ा और वह तटीय शहर जेद्दा में उतर गई ।

नरम हवा जिसने आदम को धीरे से स्वर्ग से बाहर निकाला और उसे सीलोन के पहाड़ों पर हल्के से उतारा जिसे हीरों के द्वीप के नाम से भी जाना जाता है। भले ही नीरस पृथ्वी के वातावरण ने आदम को हतप्रभ कर दिया, हल्की हवा जो पहाड़ और उसके आस-पास थी और घाटियाँ में आश्वस्त करने वाली खुशबू से भर दिया था जिससे उसे सांत्वना मिली ।

यह सर्वशक्तिमान ईश्वर का आदेश था कि आदम और उसके संतानों को पृथ्वी पर शांति से रहना चाहिए और मानव जाति का साम्राज्य स्थापित करना चाहिए , और अज़ाज़ेल और सभी छुपे हुए लोग की शक्ति को उखाड़ फेंकना चाहिए । आदम परमेश्वर की वृक्ष के विषय में आज्ञा न

मानने के कारण लज्जित था, परन्तु उस ने सच्चे मन से पश्चाताप किया
और उसे विधिवत क्षमा कर दिया गया। हालाँकि, भगवान ने फिर भी उससे धरती पर उतरने का और बहुत से पवित्र संतान पैदा करने अनुरोध किया जो पृथ्वी पर निवास करेंगे और भगवान की पूजा करेंगे। न तो ईश्वर और न ही उसके स्वर्गदूतों ने आदम को ईडन गार्डन बाहर निकाला , बल्कि उसे केवल भगवान के भविष्यवक्ता के तहत दुनिया में सम्माननीय वायसराय के रूप भेजा गया था । उसे अज़ाज़ेल की तरह सज़ा के तौर पर बाहर नहीं निकाला गया था, लेकिन पृथ्वी पर आना आदम के पश्चाताप का प्रतीक था जो उसने स्वीकार कर लिया, और उन्हें अतिरिक्त रूप से पृथ्वी के केंद्र में पवित्र पूजा स्थल निर्माण का कार्य भी दिया गया ताकि उसके सभी बच्चे एक स्थान पर एकत्र होकर ईश्वर से प्रार्थना कर सकते हैं और अपनी बात, दिल की ख्वाहिशें व्यक्त कर सकते हैं ।

"हाय भगवान्! मैने क्या कि?! मैं कहाँ आ गया हूँ?! कहाँ आपने मुझे मेरी भूल का प्रायश्चित्त करने के लिये भेजा है? आपकी महिमा है , क्योंकि गलती तो मेरी ही थी!" पहला इंसान जिसे इस बात का एहसास था उसने खुलेआम विलाप किया , अगले क्षण, वह मित्रहीन दुनिया में अकेला था, जहाँ कोई भी पूर्व साथी, साथी या परिवार उनके साथ नहीं होगा । जब वह अकेलेपन में लोटपोट हो रहा था, तो उसकी नज़रों के सामने अछूती दुनिया में एक भी इंसान नहीं था ।

जबकि कुछ लोग आदम और हव्वा को पापी मानते थे, परमेश्वर ऐसा नहीं मानते थे , क्योंकि वे बस एक छोटी सी आज्ञा भूल गए थे और उन्हें विधिवत क्षमा कर दिया गया। दरअसल, निषिद्ध वृक्ष से फल खाना

आदम की नियति थी। सचमुच, आदम के वंश के लिए पृथ्वी पर उतरने के लिए पेड़ का फल खाना आवश्यक शर्त थी और ईश्वर को पहले से पता था कि यह होना ही था।

धरती पर आने पर, आदम अकेलापन पीड़ित था जहां न तो आशा उपलब्ध थी और न ही आनंद।उसके पास एक सामान्य इंसान की विशिष्ट शारीरिक पहचान थी लेकिन खुशी उससे खो गई थी, क्योंकि वह जानता था कि चाहे जीवन कितना भी लापरवाह क्यों न हो , मृत्यु तो उसके जीवन के सभी कारकों में स्थिर रहेगी । पेड़ की नाचती हुई मृत टहनियाँ आदम को देखकर कुटिलता से मुस्कुराते प्रतीत हो रहे थे, मानो उसकी दुविधा पर मज़ाक उड़ाते हुए आनन्दित हो रहे थे । आदम उदास होकर ख़ाली मैदानों चलता था और अक्सर जंगली फ़र्न के बीच बैठे रहता था ,चाँद की रोशनी में फूट-फूट कर रोता रहता था , उसके पाप के लिए विलाप करता रहता था और अपनी पत्नी को दोबारा देखने की लालसा रखता था ।

परमेश्वर ने आदम को जोतने के लिए एक बड़ा ग्रह दिया था, दयालु देवदूत संक्रामक को खत्म करने में उसकी सहायता करने के लिए पहुंचे , और यहाँ तक कि औसत जीवन प्रत्याशा में वृद्धि से भी उसे ख़ुशी नहीं हुई । आदम को पता था कि मानव जाति की निरंतरता आवश्यक थी, लेकिन उसका हृदय केवल स्वर्ग के लिए ही लालायित था जहाँ से उसे निष्कासित कर दिया गया था। अब पहाड़ की शिखा सुबह के सूरज की चमक के नीचे धीरे-धीरे चमक रही थी, लेकिन कुछ दिनों बाद यह बर्फ से ढक जाएगा। जैसे ही उसने उन राजसी लोगों के बारे में सोचा आदम को आँसू आ गए , उसके गालों पर पानी टपकने लगा, उसने पहाड़ और दृढ़ पहाड़ियाँ जो उसे घेरे हुए थीं उनके बारे में सोचा । दरअसल, आदम पृथ्वी पर केवल कुछ ही वर्षों से था, लेकिन वे पत्थर और ठंडे ग्रेनाइट के सुंदर खंड उनमें हजारों वर्षों से खड़े थे।

आदम न केवल अपनी मूर्खता के लिए रोया, बल्कि अपने बच्चो के भविष्य के लिए भी रोया I वह जानता था कि मनुष्यों को ईश्वर के संदेश की भावना से दूर करने के प्रयास से शैतान किसी को भी नहीं बख्शेगा । ईश्वर की आज्ञाओं में सफलता और बुद्धि ,परम निहित होगा , और जो अपने निर्माता पर विश्वास करते हैं , इश्वर का सच्चा शब्द मानेंगे और इस जीवन में सफल और अगले जीवन में आनंदमय बन जायेंगे ।

"यह जीवन भी क्या जीवन है ?" वह आकाश की और शून्यता में चिल्लाया “मैं किस तरह की दुनिया में हूँ, जहाँ सब कुछ गुजर रहा हैं और बदल रहा हैं? अफसोस, यहीं मौत रहती है, और यही वह जगह है जहां मानवजाति सड़ जाएगी, और बिना कोई भी चेतावनी मर जाएगी , धन और बुद्धि के सभी अवशेषों को पीछे छोड़ते हुए। यहां, वे थोड़े नियत समय के लिए जीवित रहेंगे, लेकिन शैतान एक बार फिर उन्हें यह सोचने में धोखा देगा वे हमेशा जीवित रहेंगे I किसी भी क्षण वे असहाय मनुष्य को यह जीवन छोड़ना पड़ेगा और न कोई महान राजा और न ही कोई शक्ति मनुष्य को मृत्यु के पंजे से बचा सकती है! कैसे लोग आनंद में रहने और आनंद में हंसने का साहस कर सकते हैं? जब वे देखेंगे कि मृत्यु वास्तविक है, और केवल मृत्यु का ही सभी से वादा किया गया है, और केवल कब्र का अकेलापन ही बूढ़े और जवान का इंतजार कर रहा है I”

प्रकृति की कठिनाइयो पर काबू पाने का तरीका सीखने में आदम को कई साल लग गए, लेकिन स्वर्गदूत माइकल और गेब्रियल थे जो अक्सर पृथ्वी पर उससे मिलने आते थे, और उन्होंने उसे कमरे को गर्माहट देना सिखाया, और उसका भोजन बनाना सिखाया । वास्तव में, यह आदम की जन्मजात प्रकृति थी बुद्धिमत्ता जिसने उसे जंगल में जीवित रहने में मदद की। उत्सुक मनुष्य की सरलता उसके आनुवंशिकी में अंतर्निहित थी, और लकड़ी कैसे एकत्रित करें और उसके घर को गर्म कैसे करें, और पौधे

कैसे लगाएं बीज और अपने परिवार का भरण-पोषण कैसे करे उसने ये सब सीखा, लेकिन वह कभी परमेश्वर के बारे में न भूल पाया वह जिसने उसे बनाया, और अचानक, एक कड़वे दुःख ने उसे घेर लिया और वह एक बच्चे की तरह रोया।

उसके सूखे होठों से निकली धीमी सिसकियाँ जंगल में गूँज उठीं और आदम निर्माता से क्षमा मांगते हुए कई दोहे पढ़े :
"मेरे पाप बड़े हैं, मेरे आँसू बहते हैं; क्या इस पथिक को अकेला और खोया हुआ, मुरझाया हुआ जाना चाहिए? मुझे खुश करने के लिए कोई देवदूत नहीं, मुझे सांत्वना देने के लिए कोई प्रिय नहीं, इस ग्रह पर अकेले, इतना अंधेरा और इतना खाली, और परमेश्वर अपने स्वर्ग में बहुत दूर दिखता है, अरे मैंने पाप क्यों किया और विनाश का दिन क्यों शुरू किया? क्या तुम, हे भगवान, मुझे दया से वंचित करोगे, और मुझे अपने प्यार और दया से दूर कर दोगे?"

अपनी आँखों में आँसू के साथ, आदम ने अफसोस जताया, "दुनिया में निराशा वालों के लिए कोई भी आशा नहीं है! भयभीत लोगो के लिए कोई वादा पूरा नहीं होता, और उन्हें कोई शांति नहीं है। दरअसल, मानव जाति इस संक्षिप्त जीवन में जहां रहेगी, मृत्यु किसी उम्र या जाति या लिंग का पता किये बिना कोई चेतावनी आएगी। कब्रों के खुले मुंह सभी युवाओं और बच्चों का इंतजार करेंगे, जबकि जो लोग जीवन के अगले पचास वर्ष के लिए योजना बनाएंगे, इस बात से अनजान कि अंतिम समय आ गया है । वे धन और शक्ति कमाने में व्यस्त रहेंगे, यह बिना जाने कि उन्हें जल्द ही अंतिम सांस लेनी होगी, और उनकी आत्माएं अगले जीवन के लिए चली जाएंगी, और उनकी पृथ्वी पर शवों को चिता की धधकती आग में जला दिया जायेगा, या कब्र के उथले गड्ढों में विघटित कर दिया जायेगा ।"

जैसे ही भगवान ने आदम के लिए अपनी क्षमा की घोषणा की शैतान क्रोधित हो गया, और वह आदम को और उसकी संतान को नष्ट करने की योजना बनाने लगा । आदम और हव्वा के साथ छेड़छाड़ करना बहुत मुश्किल साबित होगा , उसे इसका एहसास था, लेकिन उसने उनके बच्चे पैदा होने तक इंतजार करने का फैसला किया और फिर उन्हें युवा अवस्था से गुमराह किया गया । क्या आदम और उसके बच्चे सचमुच पूंजीपति होंगे? जिन्हें कभी कष्ट नहीं सहना पड़ता या स्वर्गीय निर्माता के क्रोध का सामना नहीं करना पड़ता ? इस विचार ने ही अज़ाज़ेल को क्रोध से कांपने पर मजबूर कर दिया उसने संगीत और शराब का उपयोग करके उन्हें नष्ट करने की कसम खाई।

स्वर्गदूतों ने अज़ाज़ेल की योजना के बारे में सुना और उसे अपने प्रभु के आदेशों के बारे में याद दिलाने की कोशिश की, उन्होंने निम्नलिखित श्लोक का जप किया:
“ईश्वर और उसके दूत पर विश्वास करो, और वह दो जिसका परमेश्वर ने तुम्हें वारिस बनाया है: किसी एक के लिए तुम विश्वास करते हो और दान देते हो; उसका बड़ा बदला मिलेगा । ” (अंतिम नियम, अध्याय आयरन, श्लोक 7)

“चूंकि कम दिमाग वाले मनुष्य बहुलता के ब्रह्मांड में रहते हैं, मैं उन्हें आसानी से गुमराह कर सकूँगा और उन्हें इश्वर को त्यागने पर मजबूर कर दूंगा ," शैतान ने स्वर्गदूतों से कहा। “वास्तव में, मैं स्वर्ग के निवासियों के बीच लंबे समय तक जी चुका हूँ, और मैंने सीखा आकाश के बहुत से रहस्य, सीखे है और मैंने कर्मों की पुस्तक और भाग्य की पुस्तकके बहुत से पन्ने देखे है । मुझे पता है पैदा होने से पहले ही इंसानों पर क्या गुजरेगी? दरअसल, मैं उनकी मृत्यु के समय से अवगत हूं और कई मामलों में, मै उनके रक्त प्रवाह में प्रवेश करके उनके अंतरतम को पढ़ने में सक्षम होऊंगा । मैं अंतिम घंटे के कई अंश पहले

ही देख चुका हूं , और मैंने भगवान के पास मौजूद कुछ दिव्य पुस्तकें भी पढ़ीं जो प्रतिष्ठित भविष्यवक्ताओं के समक्ष प्रकट कि गयी । मैं इनमें से बहुतों से चीजो से अवगत हूं जो धर्मग्रन्थ में परमेश्वर ने अपने आदरणीय चुने हुए दूतों को प्रकट करने का इरादा किया था और उनमें स्वर्ग और पृथ्वी के बहुत से रहस्य छिपे हुए थे ।
मैंने बहुत कुछ याद कर लिया है, और इसलिए, मैं मनुष्यों को उनके भविष्य के बारे में जानकारी बता सकूंगा । मैं उन्हें बरगलाऊंगा कि वे मेरी पूजा करें, और यदि वे ऐसा न करें , तो मैं बस उनसे कहूँगा कि वे मेरी गर्मी पर ध्यान दें। यदि वे मेरी ऊर्जा का ध्यान करके, त्याग कर मेरी पूजा करने के लिए सहमत हो जाये और ईश्वर का स्मरण भूल जाये , फिर मैं उन मनुष्यों को उन रहस्यों के बारे में कुछ दिखाऊंगा जो मैंने स्वर्ग से सीखे थे। भले ही इंसान एक क्षण के लिए मुझ पर ध्यान करे , मैं उन्हें बुद्धि की एक तुच्छ आशा दूँगा । प्रत्येक उस सेकंड के लिए जब आदमी भगवान से दूर हो जाता है, और हर पल के लिए कि एक आदमी मुझ पर ध्यान करता है, मैं महिमा में मगन हो जाऊंगा, क्योंकि इससे मैं सम्मानित महसूस करंगा । ओह, ईश्वर को मानव होते हुए भी अपने स्वर्ग में अकेले देखकर मुझे सबसे अधिक खुशी महसूस होती है जबकि, मानव उसके अस्तित्व को अस्वीकार करते हैं और मेरी पूजा करते हैं। बल्कि , जो शैतान बन गया हूँ, ईश्वर पर विश्वास करना कभी नहीं छोड़ा और केवल उसी की आराधना करता हु । परन्तु मैं यह देखकर प्रसन्न होऊँगा कि परमेश्वर को अकेले छोड़ दिया गया है और अपनी प्रिय रचना को विमुख होते हुए देखते हुए और अपने सबसे बड़े शत्रु से छोटी-छोटी चीज़ें मांगते हुए ।

"चुप रहो, हे शैतान!" देवदूत चिल्लाये। तब उन्होंने अंतिम नियम के एक श्लोक का पाठ किया और अज़ाज़ेल से कहा कि ईश्वर को अपनी रचना को माफ करना पसंद था: "जिसने मृत्यु और जीवन की रचना की यह साबित करने के लिए कि तुममें से कौन सबसे अधिक कर्म में धर्मी होगा; और वह शक्तिशाली, क्षमाशील है!"

"क्या तुम्हें मेरी कुशलता पर संदेह है?" शैतान ने अनदेखा स्वर्गदूतों की रुकावट को करते हुए गरजना शुरू कर दिया “वास्तव में, मेरे पास मेरे लाभ के लिए पर्याप्त ज्ञान है । मैं दुष्टो मनुष्य से मुझ पर ध्यान करऊँगा और मैं उनहे गंदे लोगो के विचारों को पढ़ने में मदद करूंगा, क्योंकि वास्तव में, भगवान ने मुझे धुएँ से रहित अग्नि से बनाया है जो मुझे अपने शरीर का आकार बदलने और विकर्षक लोगों के मन में प्रवेश करने की अनुमति देता है और पता लगाता है कि वे क्या सोच रहे हैं या उन्होंने अपना खजाने का रहस्य कहां छुपाया है । दरअसल, उन्हें ये अल्प शक्तियाँ देने के बाद और
उन्हें व्यापार की छोटी-छोटी तरकीबें सिखाने के बाद , उन्हें लगेगा कि मेरे पास अलौकिक शक्तियां हैं, इसलिए वे औसत दर्जे के इंसान मेरी पूजा करेंगे। वे भगवान की जगह मुझ पर विश्वास करने लगेंगे । अधिक जानकारी और अधिक शक्ति हासिल करने के लिए वे मेरे गुलाम बनने लगेंगे । मैं मनुष्यों को सभी मठों, भिक्षुणी विहारों और आश्रमों को दास बाज़ारों में बदलने के लिए मनाऊंगा जहां वे सूअरों की तरह व्यभिचार करेंगे और फिर इश्वर के पुरुषों और महिलाओं के खिलाफ झूठ सामने लाएंगे।”

उसने आगे की ओर देखा, उसकी आँखें सतर्क और घृणा से भरी थीं। निस्संदेह, वह इस प्रजाति को पृथ्वी पर कष्ट पहुँचाएगा। शैतान ने यह सुनिश्चित करने का संकल्प लिया कि मानवजाति ईश्वर के बारे में भूल जाए और अपने पवित्र भविष्यवक्ता को अस्वीकार कर दे । वह उन्हें अपने ही पूर्वज आदम का अस्तित्व को नकारने के लिए प्रेरित करेगा, और दुर्गंधयुक्त मिट्टी से बने वे प्राणी पाप और अध्यात्म के भुखमरी के साये में मँडराता रहेगा । यदि उन्होंने उसकी पूजा करने से इनकार कर दिया तो वह मानव जाति को महामारी गरीबी और मृत्यु से डराएगा । हमेशा कुछ मूर्ख होंगे जो उसके पतित पंथ का पालन करेंगे ।

एक औरत का प्यार

इस बीच, आदम और हव्वा अपनी-अपनी कठिनाइयों का सामना कर रहे थे।
जब हव्वा आदम को निषिद्ध वृक्ष का फल खाने के लिए प्रोत्साहित करने लगी, वह सहमत हो गया और तब उन दोनों को गलती का एहसास हुआ
और उन्होंने इश्वर से पश्चाताप किया। उन्होंने कहा, "हमारे इश्वर! हमने हमारे साथ अन्याय किया । यदि आप हमें माफ नहीं करते हैं और आप हम पर दया नहीं करते हैं तो , हम हार जायेंगे!”

इश्वर ने उनके पश्चाताप को स्वीकार कर लिया और उन्हें पृथ्वी पर ले जाया गया। आदम बाहर निकलते समय फूट-फूट कर रोया, क्योंकि वह 130 वर्षों तक स्वर्गमें रहता था । फिर वह स्वर्ग से माउंट सीलोन पर उतरा और उसके तुरंत बाद, सर्वशक्तिमान ईश्वर की ओर से भविष्यवाणी का रहस्योद्घाटन प्राप्त हुआ। इस प्रकार, आदम को इश्वर द्वारा बनाया जाने वाला पहला मनुष्य होने के अलावा ईश्वर के पैगम्बर होने का विशेषाधिकार प्राप्त हुआ ।इसके बाद आदम को ईश्वर से बहुत उपयोगी रहस्योद्घाटन प्राप्त हुये , जिससे उसने सीखा कि पृथ्वी के कठोर वातावरण में जीवित कैसे रहें।

पृथ्वी पर रहते हुए, हव्वा और आदम के कई बच्चे थे, और प्रत्येक जन्म जुड़वा बच्चों का एक समूह था। जल्द ही, पृथ्वी अपनी संतानों के साथ आबाद बन गई और बच्चे बड़े होकर स्वस्थ और सज्जन इंसान बने। इस प्रकार, आदम जो धरती पर कभी अस्तित्व में थे उन सभी मनुष्यों का पूर्वज बन गया।

वर्षों तक, आदम को स्वर्ग से रहस्योद्घाटन मिलते रहे, और स्वर्गदूतों के माध्यम से, परमेश्वर ने आदम को प्रार्थना करना और उपवास करना सिखाया।स्वर्गदूतों ने आदम को भूमि जोतने और बीज बोने और घर बनाने की शिक्षा दी । एडम ने, यह जानकारी उसके बच्चों को सिखाई । उसने उन्हें ईश्वर और स्वर्ग के बारे में ,धर्म और आस्था, उनके निर्माता और इश्वर के दिव्य और दयालु गुणों के बारे में सिखाया । आदम और हव्वा ने अपनी संतान को हमेशा ईमानदार और सच्चा होने की बात कही । सचमुच, आदम कई भाषाएँ बोलता था जो उन्होंने अपने सभी बच्चों को सिखाईं जिससे मानव जाति उस जानकारी को पीढ़ियों बाद तक पहुंचा सके । परमेश्वर ने आदम को उसकी रचना करते समय कई चमत्कार दिए थे और उसमें दुनिया की सब भाषाएँ बोलने की क्षमता थी , और वह यह भी जानता था कि फसल कैसे उगायी जाती है और यंत्र कैसे बनाते है । आदम पहले से ही सभी पेड़ों और फूल, सभी पौधों और जड़ी-बूटियों के के नाम जानता था, और सभी मशीनों के कार्य और उपकरणों का निर्माण भी जानता था।

आदम को भी अपने पाप के प्रति सदैव पश्चाताप होता रहा साल के पहले महीने के दसवें दिन शुक्रवार को परमेश्वर ने उसके पश्चाताप को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लिया । उस दिन को दसवें दिन के नाम से जाना जाने लगा , जब मानवजाति का सारा पश्चाताप स्वीकृत होगा ।

आदम एक सम्माननीय सज्जन व्यक्ति थे जो जानते थे की महिलाओं का सम्मान और सुरक्षा की जानी चाहिए और इसलिए उन्होंने उसकी गलती छुपाने के लिए प्रयास किया और स्वर्गदूतों या उनके बच्चों को नहीं बताया
की यह हव्वा और उसके प्रति उसका पत्नी प्रेम ही था जिसने उसे उसे निषिद्ध फलों का रस पीने के लिए प्रेरित किया । जिस क्षण से उसे स्वर्ग छोड़ने के लिए कहा गया, आदम ने अपने कार्यों के लिए पूरी ज़िम्मेदारी ली

और हव्वा का अवज्ञा के कार्य में योगदान उल्लेख करना छोड़ दिया, और इसलिए जब इश्वर ने आदम से पूछा कि क्या हुआ था, उसने अपना अपराध स्वीकार किया और हव्वा को दोष देने से इनकार कर दिया । इसके बाद इश्वर ने अंतिम वसीयतनामा में कहा , "और उन दोनों ने उसे खाया: और उनका नंगापन उनके सामने आया।" और वे स्वयं को ढकने के लिएस्वर्ग की पत्तियाँ साथ सिलाई करने लगे । और इस प्रकार, आदम अपने प्रभु की अवज्ञा की, और बहकाया गया।" (अंतिम वसीयतनामा, 20:121)

ईश्वर ने शीघ्र ही उन दोनों को ईश्वरीय आज्ञाओं को भूल जाने के कारण क्षमा कर दिया, क्योंकि वह जानता था कि आदम हव्वा से बेइंतहा प्यार करता था, और बदले में, हव्वा भी अपने पति से बेहद प्यार करती थी और उसके साथ हमेशा के लिए रहना चाहती थी । वह एक नाजुक दिल वाली महिला थीं उसे आदम के आलावा कोई और पता नही था । सचमुच, आदम उसका पहला और एकमात्र प्यार था, और वह पति से अलग होने के बारे में सोच भी नहीं सकती थी । जब शैतान हव्वा को आश्वस्त किया कि निषिद्ध वृक्ष के फल में जीवन का अमृत है, वह फलों का रस पीना चाहती थी और
उसके पति को भी पिलाना चाहती थी ताकि दोनों साथ सदा खुशी खुशी रह सकें ।

हालाँकि परमेश्वर की अवज्ञा करने का पाप बहुत बड़ा था, लेकिन हव्वा शैतान के बहकावे को अनदेखा ना कर सकी , और उसने और उसके पति ने फल खाया और उन्हें पृथ्वी पर उतरने का आदेश दिया गया। बगीचे से धरती तक उतरना लंबी और कठिन यात्रा थी , और जोड़े को साथ ले जाने वाले स्वर्गदूतों को इसका एहसास हुआ भगवान की भविष्यवाणी सच हो रही थी, जहां उन्होंने बताया गया था कि ईश्वर पृथ्वी पर एक वाइसराय बनाएगा जो जीवित रहेगा और ग्रह पर राज करेगा ।

अंतिम नियम उस भविष्यवाणी को याद करता है जो इश्वर ने आदम बनाने से पहले की थी:

और जब तुम्हारे रब ने फ़रिश्तों से कहा, "मैं पृथ्वी एक स्थापित कर रहा हूँ।"

उन्होंने कहा, “क्या आप वहां किसी ऐसे को रखेगा जो वहां बुराई करेगा? और खून बहायेगा? परन्तु हम आपकी स्तुति मनाते है और आपको पवित्र करते हैं ?” (अंतिम नियम, 2:30)

देवदूत यह सुनकर आश्चर्यचकित रह गये कि परमेश्वर का इरादा नए प्राणी पर अपना सम्मान और ज्ञान बरसाने का था। हालाँकि वे ईश्वर और महामहिम के प्रति समर्पित थे पर फिर भी स्वर्गदूतों ने सोचा कि क्या वे इस स्वर्गीय शिक्षा का मुकुट और अस्तित्व की शक्ति पर दावा करने के योग्य थे । जब इश्वर ने अपने स्वर्गदूतों को घोषणा की कि वह एक मनुष्य की रचना मिट्टी से करने वाले हैं, उन्होंने इसका विरोध किया और कहा की
मानव जाति निस्संदेह काफी शरारती होगी, लेकिन इश्वर ने उत्तर दिया और स्वर्गदूतों को सूचित किया कि मिट्टी के जीव बेहतर समझ वाले होंगे और गहन ज्ञान से संपन्न होंगे।

अंतिम नियम में ईश्वर को इसका उत्तर देवदूत को देने के लिए उद्धृत किया गया है , "वास्तव में मैं वह जानता हूँ जो तुम नहीं जानते!"

वास्तव में, परमेश्वर जानते थे कि आदम एक बुद्धिमान व्यक्ति होगा, और
यह भी जानते थे कि स्वर्गदूतों का नेता अज़ाज़ेल जो आधिकारिक तौर पर निचले स्वर्ग और पृथ्वी के बीच के पोर्टल के कार्यवाहक संरक्षक था,

आदम की श्रेष्ठ स्थिति को देखकर ईश्वर के विरुद्ध विद्रोह करने की संभावना थी।
कई वर्षों तक, अज़ाजेल स्वर्गदूतों का शिक्षक रहा था अंततः स्वर्ग का कोषाध्यक्ष बना दिया गया। वह खुद को सभी स्वर्गदूतों से बेहतर समझता था और उसे यह विश्वास था के उसे जगत का सबसे अधिक ज्ञानी व्यक्ति का नाम दिया जाना उसका विशेषाधिकार है। शैतान को तुरंत मिट्टी के रूप के आदम के प्रति नापसंदगी महसूस हुई और मानव शरीर की नाजुकता से उसे घृणा हुई।

आदम को बनाने के बाद, परमेश्वर ने उसे अपने सभी वंशज नाम सिखाये। परमेश्वर ने आदम को दुनिया में सभी जीवन के ज्ञान और यहां तक कि हजारों ऐसी भाषाएँ जो दसियों पुरुषों और महिलाओं द्वारा हजारों वर्षों बोली जानी थीं उनसे प्रेरित किया । महादूत गेब्रियल ने आदम को प्रत्येक कलाकृति जानवर या पौधे के नाम, और मशीनरी का कार्य जानने में घंटों सहायता की ।

अपनी असीम कृपा में, इश्वर ने आदम को सब कुछ सिखाया ताकि वह उन्हें अच्छी तरह से याद रख सके। जल्द ही आदम ब्रह्मांड में सबसे बड़ा शिक्षित मनुष्य हो गया, और देवदूत जिन्होंने आदम और उसके बच्चे को केवल पृथ्वी पर भ्रष्टाचार का कारण समझा था , यह देखकर चकित थे कि
यह नया प्राणी ज्ञानी और समझदार था। वास्तव में, आदम स्वर्गदूतों की तुलना में अधिक गुण समझने में सक्षम था।

स्वर्गदूतों की परीक्षा करने और आदम की उत्कृष्टता और श्रेष्ठ स्थिति का प्रदर्शन करने के लिए , इश्वर ने लाखों वस्तुओं, आकृतियों, बर्तनों और भौगोलिक स्थान स्वर्गदूतों और शैतान के सामने प्रदर्शित किए, और उन्हें यदि वे आदम से बेहतर है तो उनके नाम उच्चारण करने की आज्ञा दी। फ़रिश्ते चुप खड़े रहे, जब अज़ाज़ेल घबरा गया था, क्योंकि वह इतनी

सारी वस्तुओं के नाम नहीं जानता था , न ही वो कोई भाषाएँ बोल सका जो आदम जानता था।

तब परमेश्वर ने आदम से उनके नाम बताने को कहा, और वह सभी चीज़ों, भाषाओं और स्थानों का नाम बताने सक्षम हुआ। देवदूतो ने विनम्रतापूर्वक स्वीकार किया कि आदम के पास उनसे कहीं अधिक ज्ञान था और वे उसके छात्र बन गए और भगवान ने उन्हें आदम से सीखने की सलाह दी। इसके बाद, आदम स्वर्गदूतों का गुरु शिक्षक बन गया और , और उसने अपनी महिमा का पद अर्जित किया और अपने दूत शिष्यों को अच्छी तरह से पढ़ाया।

इस बीच, अज़ाज़ेल ने ईश्वर की अवज्ञा की और आदम को एक शिक्षक के रूप मेंस्वीकार करने से इनकार कर दिया। अंतिम नियम में इश्वर की शैतान के साथ आदम को बनाने के तुरंत बाद की चर्चा का वर्णन किया गया है ।

'और जब हमने देवदूतो से कहा, "आदम को सलाम करो, और इबलीस (दुष्ट शैतान) को छोड़ कर उन्होंने सजदा किया। उसने कहा, क्या मुझे उस को सजदा करना चाहिए जिसे तू ने मिट्टी से बनाया है?"

(शैतान ने) कहा, "क्या तुम इसे देखते हो जिसका तुमने मेरे ऊपर सम्मान किया है? यदि आप मुझे पुनरुत्थान के दिन समय दो , तो मैं कुछ को छोड़ कर, उसके वंशजों को निश्चय ही नष्ट कर डालूँगा।”

उसने (परमेश्वर ने) कहा, "जाओ, वास्तव में उनमें से जो कोई तुम्हारे पीछे हो ले, नरक तुम्हारा प्रतिफल होगा - भरपूर प्रतिफल। और उनमें से जिसे तुम भड़का सको भड़काओ अपनी वाणी से और अपने घोड़ों और सैनिकों के पैरों से उन पर आक्रमण करो और उनके धन और उनके बच्चों में भागीदार बनें और उनसे वादा करो।”

लेकिन शैतान उन्हें धोखा देने के अलावा कोई वादा नहीं करता। वास्तव में,
मेरे (ईमानवाले) बन्दों पर तुम्हारा कोई अधिकार नहीं होगा। और मामलों के निपटानकर्ता के रूप में आपका भगवान पर्याप्त है।' (अंतिम वसीयतनामा, अध्याय रात्रि यात्रा, श्लोक 61)

आदम एक उत्साही विद्यार्थी था, और उसने शुद्ध आनंद के लिए ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास किया और अन्य उद्देश्य था । दिन के दौरान, और रात के सभी घंटों में, आदम को उसकी बांहों के नीचे ढेर सारी किताबें लादे हुए प्रसन्नतापूर्वक चलते देखा जा सकता था । सप्ताहांत के दौरान भी, स्वर्गदूतों ने आदम को एक पुस्तकालय से दूसरे पुस्तकालय की ओर अपनी बाँहों में प्राचीन लेख और पांडुलिपियाँ भरकर दौड़ते हुए देखा ।

वे आदम के ज्ञान की गहराई से प्रभावित हुए स्वर्गदूतों ने उसका वैसा ही आदर किया जैसा वे किसी का भी करते जिसका दिल इतनी तीव्रता से जानकारी से भरा हुआ था और जिसका मन बुद्धि में बहुत उत्सुक था । क्या इश्वर ने उन्हें आदम को प्रणाम करने और उसे सम्मान देने लिए बाध्य नहीं किया था , तो संभवतः उन्होंने उसका सम्मान किया होता और
उन्हें वही सम्मान दिखाया जो वे आम तौर पर किसी विद्वान को देते हैं। अपने अंतर्निहित स्वभाव के रीति-रिवाजों से, देवदूत अपनी सहज बुद्धि के कारण विनम्र थे और ज्ञान और उसके जिज्ञासुओं के प्रति अविश्वसनीय सम्मान रखते थे चाहे वे आदम जैसे मिट्टी के प्राणी हों या के प्राणी

अज़ाज़ेल की तरह आग से बने प्राणी। परन्तु अज़ाज़ेल ने देवदूत की विनम्रता को साझा नहीं किया और यह उसका घृणित अभिमान और अविवेक था जिसने उसे शैतान में बदल दिया।

दरअसल, शैतान की अंतर्निहित नफरत और घमंड ने उसे पहली अवज्ञा करने आगे बढ़ाया। उसका भ्रष्ट हृदय ईर्ष्या से भरा हुआ था और वह स्वाभाविक रूप से आदम से खुद से श्रेष्ठ होने के लिए ईर्ष्या करता था। उसने आदम को निषिद्ध वृक्ष से फल खिलाकर उसे पापी बनाने की आशा की।

अज़ाज़ेल अब शैतान था, और वह पृथ्वी के निचले स्तर तक ही सीमित था
, लेकिन उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ था और वह गुस्से और निराशा से चिल्लाने लगा , स्वर्गदूतों को पुकारते हुए कि वह कैसे मानव जाति के प्रत्येक सदस्य को नष्ट करने की योजना बनायेगा। "वे मनहूस मनुष्य अपना दयनीय जीवन जीएँगे, उनका अस्तित्व मार डालेंगे और ईश्वर को कोसंगे और सभी भविष्यवक्ताओ पर अविश्वास करेंगे। मैं उनसे पाप करवाऊंगा और काम-क्रीड़ा में इतना व्यस्त करूँगा कि वे मृत्यु के आगमन से डरने लगेंगे। मैं उन विकृत मनुष्यों को सिखाऊंगा कि वे यदि वे मेरी पूजा करेंगे और मेरी ऊर्जा पर ध्यान करेंगे तो उनके पास शक्ति होगी। अगर वे मुझ पर ध्यान केंद्रित करें और पूरे दिन मेरा नाम जपें तो , मैं आऊंगा और छोटी-मोटी समस्याओं में उनकी मदद करूंगा, बदले में उन्हें स्वयं को नीचा दिखाना होगा। वास्तव में यह एकमात्र तरीका है जिससे मैं ईश्वर को आश्वस्त कर सकता हूं कि उन्होंने आदम को बनाकर गलती की है।"

वास्तव में, शापित अज़ाज़ेल ने मानव जाति को धोखा देने की शपथ ली थी,

और उसने सबसे बुद्धिमान मनुष्य को भी गुमराह करने की योजना बनाई थी। परन्तु परमेश्वर ने मानव जाति को शैतान का अनुसरण न करने की चेतावनी दी थी क्योंकि वह एक स्पष्ट दुश्मन था, न ही लोगों को अपने जीवन के किसी भी पहलू में उसकी आज्ञा मानने की अनुमति थी।
ईश्वर में विश्वास करने वालों को शैतानी रीति-रिवाज़ या नवोन्मेषी कानून के प्रति सचेत किया गया था , जो ऐसे कृत्यों को जन्म देते हैं जो ईश्वरीय अवज्ञा है ।

शैतान ने घोषणा की, “मैं अपने रचयिता और आदम के रचयिता को दिखाऊंगा कि उसे कभी भी मनुष्य का निर्माण नहीं करना चाहिए था। यदि वे भयानक मनुष्य जंगली कुत्तों की तरह व्यभिचार करने और बच्चो की हत्या करने और उनके बुजुर्ग माता-पिता का दिल खाने के लिए सहमत होंगे तो मै उन्हें कुछ तरकीबें सिखाउंगा और उन्हें विश्वास दिलाऊँगा कि उनके पास लोगों के मन को पढ़ने की शक्ति है । जब वो सारा दिन और सारी रात मुझ पर गहन ध्यान करेंगे तब मैं उनमें से कुछ को वे रहस्य बताऊंगा जो मैंने स्वर्गदूतों से सीखे थे जब तक परमेश्वर उन्हें फिर कभी माफ नहीं करने का निर्णय न ले ले !”

जैसे ही शैतान चिल्लाया, स्वर्गदूतों ने अंतिम नियम का एक अंश उद्धृत किया जहां ईश्वर का प्रेम प्रकट होता है। "जानते है कि ईश्वर कठोर दण्ड देने वाला है और ईश्वर दयालु और क्षमा करने वाला है।"

अचानक, ऐसा लगा मानो वह आदिकाल में प्रवेश कर गया हो वह क्षेत्र जहाँ केवल भय और क्रोध का शासन था। अज़ाज़ेल फिर चिल्लाया। “ये कुत्ते और कुत्तों की सन्तान और वेश्याओं की सन्तान इंसान कहलाने लायक नहीं है ! वे एक दूसरे का मल और नितंब खाने के लिए एक-दूसरे से लड़ते हैं ये बीमार कीड़े हैं, जो सारा दिन एक-दूसरे का मल-मूत्र खाते

हैं? इश्वर उन घिनौने मवाद से भरे गंदगी खाने वालों को मेरे ऊपर कैसे पसंद कर सकते हैं ? वह इन जानवरों को मेरे ऊपर कैसे रख सकता है? उसकी हिम्मत कैसे हुई कि वह उन्हें मेरे ऊपर सम्मान दे? उसने पाप करने के बाद उन्हें माफ करने की हिम्मत कैसे की?”

“मैं उन पाशविक मनुष्यों को सैकड़ों घंटे अपना ध्यान करने पर मजबूर कर दूँगा, और मैं उनसे अपने ऊर्जा पर ध्यान करने के लिए कहूंगा और खुद पर जब तक उनके दिल और आत्मा मृत नहीं बन जाते। जब वे मर जायेंगे तो मैं उनका ध्यान भटका दूँगा और घंटों ध्यान करने की वजह से वे ईश्वर की ओर रुख नहीं कर पाएंगे या उसकी आराधना कर पाएंगे या उसे पुकार पाएंगे ; और मरने से पहले जब फ़रिश्ते आते हैं उन्हें ईश्वर में विश्वास करने में मदद करने ताकि ईश्वर ऐसा उन्हें माफ कर सकें , मैं वहां उनका ध्यान भटकाऊंगा। क्युकी उन्होंने घंटो मेरी ऊर्जा पर ध्यान किया होगा , वे स्वर्गदूतों को देखने में सक्षम नहीं होंगे जो उनकी मदद करने की कोशिश करेंगे। उस महत्वपूर्ण समय पर, वे केवल मुझ पर, मेरी गर्मी और मेरी ईश्वरविहीन ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करेंगे और उसके साथ, मैं उन्हें धोखे में अंधा कर दूंगा , और उस ऊर्जा से, मैं उन्हें गुमराह कर दूँगा! जब वे मर रहे होंगे तो मै उनके माता-पिता के रूप में आउंगा और मैं उनसे धीरे से बात करंगा और उन्हें भगवान, स्वर्ग और नरक आदि में अविश्वास करने के लिए कहूँगा । वास्तव में, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि वे मृत्यु के समय भगवान को कोसें और मेरी पूजा करे और भगवान को कोसने में मै करूँगा मदद
और मेरी पूजा कर रहे होंगे और जब वे मेरी आराधना कर रहे होंगे, और मुझ पर विश्वास करते हुए, वे मर जाएंगे और भगवान के पास मेरे दासों को दुःख देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा ! जिन्होंने मेरी आराधना की इश्वर उन सभी को बन्दीगृह में जगह देंगे जहाँ वे सदैव निवास करेंगे। और
जब मेरे लिए दुनिया छोड़ने और अंत में मरने का समय आ जाएगा
क़यामत के दिन, मैं भी जेल जाऊँगा और अपने साथ शामिल हो जाऊँगा

मानव दास, जहां मैं अनंत काल तक उनके साथ रहूंगा। आह, मैं उस दिन का इंतजार नहीं कर सकता जब भगवान अंततः मेरी आत्मा को छीन लेंगे
और मुझे उन मनुष्यों के साथ रखेन्गे जो नरक में हैं! मैं वहां का राजा और स्वामी होऊंगा! नरक में मैं ही राजा बनूँगा और वहा मेरे पास सभी गंदे मानव दासों को जलाने और यातना देने की शक्ति होगी जिन्होंने मेरी पूजा की! हे अंततः आदम का बदला लेने में सक्षम होने की खुशी और उसके बच्चों को हमेशा के लिए जला देने की ख़ुशी! ओह, मैं कैसे आदम के बेटा-बेटी होने के कारण उन्हें वहां प्रताड़ित करूँगा और जला दूंगा ।"

फ़रिश्ते शैतान से बहस करते रहे और उसे बताते रहे कि वे सदैव मनुष्यों को मृत्यु के समय पवित्र रहने में सहायता करेंगे , स्वर्गदूतों की सेनाएं मृतक को घेर लेंगी और उसे भगवान में विश्वास करने की याद दिलाएंगी। फिर देवदूत ने अंतिम नियम के अध्याय जोसेफ़ से उद्धृत किया : "मैं मेरे रब से करूँगा तुम्हारे लिए माफ़ी मांन्गुंगा , वह दयालु है।"

"आदम के मेरी धरती पर प्रकट होने से हज़ारों वर्ष पहले से मई यहाँ मौजूद था , और मैं यहीं रहूंगा मुझे खुश करने के लिए सबसे घृणित कार्य करने के बाद मेरे विद्रोही मानव दास मर जाने के बाद । मैं उनपर अत्याचार करूंगा
क्योंकि उनके प्रति मेरी नफरत कभी खत्म नहीं होगी! मेरा मनुष्य के प्रति गुस्सा कभी खत्म नहीं होगा! मैंने आदम का इतनी तीव्रता से तिरस्कार किया है , कि उसके प्रति मेरी नफरत आदम के पुत्रों तक पहुँच गई थी
, और उन धर्मपरायण लोगों तक जिन्हें परमेश्वर ने मुझसे अधिक तरजीह दी थी! सचमुच, मैं साबित कर सकता हूं कि मानव जाति सृष्टि में सबसे बुरी है, देह के प्रति उनकी अतृप्त लालसा के कारण जो सदैव

प्रेम और घृणा में बदल जाती है, और फिर भी वह ईश्वर ही है जो उनकी प्रतीक्षा करता है! यह परमेश्वर है जो उनका सम्मान करता है! अफ़सोस! यह ईश्वर ही है जिसने पृथ्वी पर मुझसे मेरी शक्तियाँ छीन ली और मुझे उन पर अत्याचार करने से रोका और दुनिया में उन्हें धर्म और ईश्वर के बारे में याद दिलाने के लिए दूत भेजे । यह परमेश्वर है जो प्रे मनुष्य से इतना अधिक म करता है कि वह एक के बाद एक पैगम्बरों को भेजता रहता है एक के बाद एक पवित्र आज्ञाओं वाले उन्हें मृत्यु की याद दिलाने के लिए। लेकिन मैं इंसान से इतने गंभीर पाप करूँगा कि परमेश्वर भी उनका आदर न करेगा अब और नहीं, क्योंकि मैं उन्हें शराब की लत लगा दूंगा। जो उनकी इंद्रियों को तब तक विकृत कर देगा जब तक वे सत्य को असत्य से अलग करने में सक्षम नहीं होंगे । उनकी नशे की स्थिति में, मैं उन गंदे इंसानों से शराब पीकर तांडव करवाऊँगा और परमेश्वर को दिखाऊँगा कि मानवजाति कितनी दुष्ट है!”

"नशा मानव शरीर के लिए हानिकारक है," इनमें से एक वरिष्ठ स्वर्गदूतों ने शैतान से बहस की। “तुम मनुष्य को पुरानी, बासी और सडी हुई चीज नहीं पिला सकते । वे तुम्हारी बात मानने के लिए कभी सहमत नहीं होंगे।”

"छि!" शैतान ने गुर्राया और लोगों को ऐसी शराब जिसमें इथेनॉल हो पिलाने की कसम खाई, ताकि वह तेजी से उनके शरीर में समाहित हो सके , और मानव मस्तिष्क पर बड़े पैमाने पर अवसाद पैदा करने का प्रभाव डाल सके ।

जब स्वर्गदूतों ने शराब के स्पष्ट नुकसानों को इंगित करने का प्रयास किया, वह चिल्लाया। “तुम्हें चुप करा दिया जाए! मुझे अवश्य करना चाहिए, और मुझे आदम के हर बेटे को भयानक शराब और मदिरा पिलानी चाहिए, क्योंकि जब वे नशे में होगे, तो मेरे लिए उन्हें व्यभिचारी बनाना आसान हो जाएगा और वे सूअरों और नंगे बदन जंगली कुत्तों और

बंदरों की तरह एक दूसरे को मार डालेंगे। मैं उन्हें शराब का आदी बना दूंगा ।

“लेकिन बुद्धिमान मनुष्य जो ईश्वर में विश्वास करते हैं, उन्हें यह पता होगा
धर्म ने उन्हें शराब पीने से मना किया था," स्वर्गदूत ने याद दिलाया, “क्योंकि इसमें स्पष्ट हानियाँ हैं। दरअसल, शराब जैसा नशीला पदार्थ मस्तिष्क के संचार में बाधा डालती है, पुरुषों और महिलाओं को असंगत रूप से बोलने और अश्लील ढंग से कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं । वे नशे का प्रभाव में स्पष्ट रूप से सोचने में सक्षम नहीं होंगे!
संज्ञानात्मक विकार से पीड़ित होने के अलावा शराब पीने वाले लोग गर्दन के कैंसर से पीड़ित होंगे और जिसके कारण उनके ग्रसनी में अत्यधिक दर्द होगा। वे स्वरयंत्र कैंसर रोग से पीड़ित रहेंगे और उनके मूड में भारी बदलाव का अनुभव होगा। नशीले पदार्थ मानव जाति के लिए अनियमित दिल की धड़कन का कारण बनेंगे यहां तक कि उनके रक्तचाप को बढ़ाकर स्ट्रोक का कारण भी बनते हैं। निश्चित रूप से," स्वर्गदूतों ने निष्कर्ष निकाला, “इतने सारे स्वास्थ्य के जोखिम के बारे में जानने के बाद कि मनुष्य कभी भी केवल तुम्हें प्रसन्न करने के लिए बासी और सड़ा-गला रस पीने को राजी नहीं होगा ।”

“वे दास मनुष्य वैसा ही करेंगे जैसा मैं उन्हें बताऊंगा, क्योंकि मैं उन्हें सत्ता और धन का झूठा वादा करूँगा । वे मेरी आज्ञाओं का पालन करेंगे , और अगर मैं उनसे कहूं तो खून, मल और मवाद ख़ुशी से पीएँगे। आह, इंसानों को अपमानित करके मैं कितना आनंद लूँगा और भगवान को दिखाऊंगा की वो कितना घृणित और वे स्थूल प्राणी हैं। सदियों से, भगवान ने मानवजाति को सच्चाई का मार्ग दिखाने के लिए एक के बाद एक संत भेजे, और उन्होंने मुझ पर ज़ोर डाला और उन्होंने मुझे मानवता को नुकसान पहुंचाने से रोक दिया ।” जैसा कि शैतान ने कहा, उसने संक्षेप में पृथ्वी पर अपनी शक्तिहीनता पर शोक व्यक्त किया। उसने

हजारों सूर्यों की देदीप्यमान चमक और सुंदरता जिसने आसमान को सजाया वह देखा था और वह जानता था कि वह इस ग्रह पर मानवीय दुःख और सभ्यता के विभिन्न रूपों की प्रगति और गिरावट का गवाह बनने जा रहा है। फिर वह तालियाँ बजाते हुए जोशीले उत्साह से फिर बोला “लेकिन, वास्तव में, नर्क ही मेरा स्वर्ग होगा! सचमुच, नरक का कारावास ही मेरा राज्य होगा और मैं ही उसका राजा और नरक का देवता बनूँगा क्योंकि सर्वशक्तिमान भगवान मुझसे लोगो को बचाने के लिए वहां नहीं होंगे । भगवान की ओर से वहां आदम पर कोई दया नहीं होगी । वह उन घिनौने मनुष्य से दूर हो जाएगा जिन्होंने उस पर विश्वास नहीं किया। केवल वही जो ईश्वर की एकता मानते थे वाही
ईश्वर के स्वर्ग में जाएगे और देवता के साथ रहेगे जो उन्हें प्यार करते थे और उनका सम्मान करते थे । वे वही आदमी और महिलाएँ होंगे
जिन्होंने अनकहा दुख और पीड़ा झेली थी, दर्द और चोटें सहन कीं, और निर्माता से मिलने के लिए बहादुरी से मौत मरीं । स्वर्गवासी वे मनुष्य होंगे जिन्होंने
मेरे जादू से धोखा नहीं खाया और चाहे मैंने कितनी भी कोशिश की हो उन्हें या उनके बच्चों को कष्ट नहीं दिया, उन्होंने कभी ईश्वर को कोसा नहीं
उसकी दिव्य आज्ञाओं की अवज्ञा नहीं की, बल्कि उससे प्रेम किया और अधिक और विभाजित होकर उसकी ओर मुड़ गये। ये वो आपत्तिजनक पुरुष होंगे जो अपनी पत्नी, बेटे और बेटियों की मृत्यु पर रोते थे और उनके एकेश्वरवादी विश्वास के कारण उन्हें प्रताड़ित किया गया। यह वे थे जिन्हें एक ईश्वर में विश्वास करने के कारण काठ पर जला दिया गया, लेकिन संसार के सारे क्लेश के बावजूद उन्होंने भगवान की अवज्ञा नहीं की
जरूरतमंदों को भिक्षा देते रहे और उनके माता-पिता का सम्मान करते रहे और अपने बच्चों से प्यार करते थे। ये वो भाग्यशाली होंगे जिन्हें परमेश्वर

मोती के महलों और ऊंचे मंडपों और अनंत काल का आनंद के साथ स्वर्ग का राजा बनाएगा । केवल वे ही सुख प्राप्त करेंगे और शाश्वत मोक्ष का लाभ प्राप्त करेंगे और भगवान उनके साथ अपने स्वर्ग में रहेंगे । भगवान उनसे प्यार नहीं करेंगे और भगवान कभी भी उन दुष्ट इंसानों की ओर नहीं मुड़ेंगे जिन्होंने उसे श्राप दिया और उसके प्रेरितों को त्याग दिया और उन्हें मार डाला जो उस पर विश्वास करता था । दरअसल, मैं अपने भाग्य से संतुष्ट हूं नरक मेरा स्वर्ग होगा, और क्योंकि वहां कोई ईश्वर नहीं होगा
वहाँ कोई आशा नहीं है और पृथ्वी के पापी अनंत काल के लिए मेरे साथ रहेंगे, और उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर नहीं दिया जाएगा क्योंकि परमेश्वर उन से और उनके द्वारों से विमुख हो जाएगा नरक की जेल हमेशा के लिए बंद कर दी जाएगी और उसमें ताला लगा दिया जाएगा!”

अज़ाज़ेल के शब्दों से स्वर्गदूत चिढ़ गए इसलिए उन्होंने अंतिम नियम से एक अंश पाठ किया : "स्वर्ग बहुत विस्मय के लिए तैयार हैं : और स्वर्गदूत
अपने रब की स्तुति मानते है और पृथ्वी पर रहनेवालों से माफ़ी मांगते है : क्या ईश्वर कृपालु, दयालु नहीं है?" (अंतिम नियम, 42:5)

“आदम सबसे निचले क्रम की जाति से आता है और उसके बच्चे हैं कुरूप, कमज़ोर और घृणित हैं। वे मिट्टी और से बनाये गये थे मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि वे एक-दूसरे को मारें, लूटें और लूटपाट करें सड़कों पर जंगली सूअरों और पागल कुत्तों के समान व्यभिचार करे, ताकि मैं परमेश्वर को दिखा सकता हु कि आदम को मुझसे श्रेष्ठ बनाकर उसने गलती की थी। और जब वे पाप करते हैं और पीड़ा में तड़पते हुए भयानक रूप से मर जाते हैं, तो मैं उन्हें अपने साथ नरक में ले जाऊँगा और नरक में मुझे मेरे जीवन की ख़ुशी मिलेगी !” इस शब्द पर शैतान बहुत उत्तेजित हो गया ये कहते-कहते वह ख़ुशी से भूमि पर लोटने लगा, अपनी ख़ुशी व्यक्त करने के लिए अपने हाथ और पैर एक साथ ताली

बजाते हुए फिर वह खुशी से चिल्लाया । "नरक में, अनंत काल तक मनुष्य को यातना दूँगा ! मैं उन्हें जला दूँगा! मैं उन पर अत्याचार करूंगा! मैं जितना हो सके उनका जीवन कष्टमय बना दूंगा और मैं अपनी सारी नफरत और उन पर सारा गुस्सा मुझसे दुनिया से उनकी मदद करने के लिए लगा दूंगा! मुझे कभी उन विद्रोहियों की सहायता क्यों करनी पडेगी? केवल इसलिए कि वे ईश्वर में विश्वास नहीं करते और मेरी पूजा करते थे, क्या उन्होंने यह समझा कि मैं उनका दास बन गया और
उन्हें मेरी ऊर्जा पर ध्यान करने की शिक्षा दी और शक्ति हासिल की ? कभी नहीं! मुझे उनकी मदद करने से नफरत है, खासकर तब जब मैं आदम के बेटे की मदद करने से नफरत करता हूँ !"

जैसे शैतान चिल्ला रहा था, आदम फूट-फूट कर रो रहा था, पृथ्वी के विस्तार में एक खोया हुआ खानाबदोश की तरह भटक रहा था। आदम फिर से अकेला नहीं रहना चाहता था। उसे उत्सुकता से उसकी पत्नी के साथ की तलाश थी , और वह फिर एक बार साथ रहना चाहता था , और उसे सिखाना चाहता था कि चूल्हा कैसे बनाया जाए और स्वस्थ खाना कैसे बनाया जाए
भोजन करते हैं और अपने निवास को साल की रातो के सबसे ठंड में भी गर्म रखते हैं।

रक्षात्मक दुःख के दायरे में डूबा हुआ, आदम जंगल की सीमा से भागने की कोशिश करते हुए जल्दबाजी में चला गया। उसने देखा कि चाँद पेड़ों के बीच से अजीब तरह से चमक रहा था। आकाश की चमक से कुछ पत्तियों के रंग कलात्मक सम्मिश्रण से प्रकाशित हुये और ऊँचे फूलों की सुंदरता, और
दूर कहीं, शैतान की एक परिचित चीख आवाज़ हल्की थी, लेकिन उसने उन अप्रिय चीखों को नज़रअंदाज करने की कोशिश की ।

शैतान चिल्लाता रहा, उम्मीद करता रहा कि पंख वाले स्वर्गदूत उसके उग्र शब्दों को सुनेंगे : “आह, मैंने दुनिया में इंसान को नीचा दिखाने और अपमान करने की कोशिश की, लेकिन मैं उस गुस्से को उनके साथ नरक में ले जाऊंगा, अनंत काल तक उन्हें अपनी आग से यातना देकर रहूँगा।मैं उन्हें जला दूँगा और मार डालूँगा और फिर मैं इसके लिए ईश्वर को दोषी ठहराऊँगा। मैं उन्हें बताऊँगा कि यह भगवान है जो उन्हें नरक में जला रहा था इसलिए वे ईश्वरीय आह्वान या क्षमादान की विनती के लिए प्रार्थना करने का प्रयास भी न करें! मैं उन्हें नरक में भी कभी ईश्वर को पुकारने नहीं दूँगा! इस संसार में मैं बनाकर उन्हें परमेश्वर से विमुख कर दूँगा

मुझ पर और मेरी शक्ति पर विश्वास कराकर और मेरी शक्ति और ऊर्जा पर ध्यान कराकर । मरणोपरान्त मुझे उस ईश्वर की चिन्ता है हो सकता है कि यदि वे बहुत जोर से वाद-विवाद करें तो वे अभी भी उन्हें माफ कर दें और उन्हें नरक से निकाल लें , तो मैं उन पर दबाव डालूंगा की नरक में भी भगवान को कोसे, अगर दयालु भगवान को आदम के मामले में अपने दिल में उन्हें माफ करने और उन्हें स्वर्ग में जगह देने की भावना महसूस होती है! सचमुच, मैं उन्हें वहीं यातना दूँगा और वहां ईश्वर तक पहुंचने का रास्ता खोजुंगा , जिस तरह मैंने ईश्वर के पैगम्बरों को और पृथ्वी पर परमेश्वर के सभी विश्वासियों को फसाया था! जो लोग दुनिया में मेरी पूजा करते थे

मेरे साथ नरक में सभी शामिल होंगे। मैं उन पर अत्याचार करूंगा मेरी आग तब तक जब तक उनका मस्तिष्क पीड़ा में पिघल न जाए। उन्हें हर पल अधिक से अधिक यातनाएं झेलनी पड़ेगी । इसी जेल में सड़ेंगे । मैं उन्हें अपनी आग की चिंगारी से अन्धा कर दूँगा । मैं उन घृणित मनुष्यों को अनंत काल अपंग कर दूँगा और जला दूँगा, और यदि वे उनकी सहायता के लिए ईश्वर को पुकारते हैं, तो मैं उन्हें विश्वास दिलाउंगा कि यह ईश्वर ही थे जिन्होंने उन्हें सज़ा देने का आदेश दिया था। क्योंकि, सचमुच मैं ईश्वर को बहुत अच्छी तरह से जानता हूँ। यदि कोई पापी नरक की गहराइयों से भी पुकारे वह, ब्रह्मांड का निर्माता

शायद अब भी दया दिखाएं और उसे जेल से रिहा कर दें। आह, मैं ऐसा नहीं कर सकता, मुझे इसकी अनुमति कभी नहीं देनी चाहिए, क्योंकि संपूर्ण मानवजाति को वहाँ मेरे साथ रहना ही होगा।" फिर शैतान ने अपना सिर ऊपर उठाकर हवा में उसका चाबुक पटक दिया, तेज आवाज के साथ हवा पर तेजी से प्रहार कर रहा था जैसे वह चिल्लाया। "भगवान ने मेरे ऊपर मनुष्य को तरजीह देने की हिम्मत कैसे की? वे परजीवी-संक्रमित मनुष्य अपने मल के साथ शौचालय में रहने के लायक है ! वे स्वर्ग में रहने के लायक नहीं हैं! मैं वहा रहने का हकदार हूं। वे गाय के गोबर और विष्ठा के साथ सूअरबाड़े में रहने के हकदार है।"

फिर पंखों वाले स्वर्गदूतों ने शैतान को चुप कराने की कोशिश में, तेजी से बात की। उन्होंने अंतिम नियम से एक श्लोक उद्धृत किया जिसमे परमेश्वर ने मानव जाति को संबोधित किया: "उनके लिए भी जो अपनी परीक्षाओं के बाद अपने देश से भागे, फिर लड़े और धैर्यपूर्वक सहन किया, वास्तव में, तुम्हारा प्रभु अंततः क्षमाशील, दयालु होगा।"

"मुझ पर धिक्कार है! यदि वे कुरूप मनुष्य स्वर्ग में चले जायें। मैं उन्हें जाने नहीं दूंगा! मैं, जो शुद्ध अग्नि से बना हूँ, स्वर्ग के कहीं अधिक योग्य हूँ !"

"तुम यह क्यों सोचते हो कि तुम भलाई के अधिक योग्य हो,अज़ाजेल?" एक देवदूत ने मासूमियत से पूछा ।

"क्यों?" शैतान ने क्रोध से आग बबूला होते हुए दोहराया। "तुमने क्यों पूछने की हिम्मत कैसे की ? क्योंकि मैं आग से बना हूं, और आदम परमेश्वर ने कीचड़ और गंदी मिट्टी बनाया है! मैं आग का हूँ, और इसलिए बेहतर हूँ!"

"लेकिन तुम्हे ऐसा क्यों लगता हैं कि आग मिट्टी से बेहतर है?"

"हे मूर्ख देवदूतों!" शैतान ने अपने पूर्व शिष्यों को डांटा। “क्या तुममें कोई समझ या विवेक नहीं है? ईश्वर ने मुझे निर्धूम आग से बनाया, यह चीज़ इतनी शक्तिशाली और महान है कि यह सबसे ताकतवर संरचना को जला सकती है और सबसे ऊंचे पेड़ों को धूल चटा सकती है! दरअसल, यह आग ही है जो धातु को कठोर और तलवारें तेज कर सकती है; यह आग है जो मैदानों से घास-फूस को साफ़ कर सकती है; यह आग है जो बर्फ के बीच क्रोध और गर्मी उत्पन्न करता है; यह आग जो मेरी रगों में दौड़ती है जो सभी नश्वर आंखों को प्रकाश प्रदान करती है। इससे बड़ी सामग्री क्या है
जिस अग्नि से मैं बना हूँ, क्या उस अग्नि से बढ़कर कोई वस्तु हो सकती है? सचमुच मैं ही ब्रह्मांड में सबसे श्रेष्ठ प्राणी, सबसे महान के योग्य
प्रशंसा हूं!”

"तुम्हारा तर्क गलत है," स्वर्गदूतों ने तुरंत प्रतिवाद किया। “आदम मिट्टी से बनाया गया था क्योंकि परमेश्वर जानता था कि मिट्टी मिट्टी है अपने गुणों और लाभों में अग्नि से भी श्रेष्ठ। तुमने उल्लेख किया वह आग महान है क्योंकि यह खेतों और जंगलों को जला सकती है और साफ़ कर सकती है, लेकिन वास्तव में अग्नि में अधिकतर विनाशकारी गुण होते हैं। मिट्टी में खनिज शामिल है जो चोटों को ठीक कर सकते हैं और शरीर को शांत कर सकते हैं। इसमें पौधों और पेड़ों के लिए पोषण होता है और अरबों लोगों को सक्षम बनाता है इसकी नींव से जीव-जंतुओं और वनस्पतियों का उद्भव होता है। ईश्वर ने आदम को मिट्टी से बनाया, और जैसा कि हमने देखा, वह परिपूर्ण समझदार और बुद्धिमान प्राणी है जिसमें कुछ इंसान की कमज़ोरियाँ और इच्छाएँ है।”

"लेकिन आग बेहतर है!" अज़ाज़ेल चिल्लाया। शैतान ने आँख मूँद कर विश्वास कर लिया कि वह और उसकी संतान छुपे हुए अविनाशी लोगों में

से थे। उसने स्वर्गदूतों पर धमकी भरी मुट्ठी तान दी और असंगत रूप से चिल्लाया ।

पंखों वाले स्वर्गदूतों ने शैतान को नजरअंदाज कर दिया, और कहा, “वास्तव में, भगवान ने आदम को धरती की मिट्टी से बनाया, न कि आग से जो
दोनों में से अधिक श्रेष्ठ थी। पृथ्वी पर मिट्टी में ऐसे पोषक तत्व शामिल हैं जिनके बिना मनुष्य और जानवर जीवित नहीं रह सकते । उपजाऊ धूल मानव जीवन को बहुत पौष्टिक सामग्री प्रदान करती है, जैसे इलाज के लिए अमूल्य जड़ी-बूटियाँ उगाना बीमारों और उनके बच्चों को मजबूत करना। मिट्टी से ही पौधे लगते हैं
और पेड़ उगते हैं, और वे पेड़ मनुष्यों और अन्य लोगों और जीवित प्राणी को अपने घरों को गर्म करने के लिए इमारती लकड़ी की आपूर्ति करते हैं, और
जलवायु को नियंत्रित करने और घरों को सहारा देने के लिए कार्बन का भंडारण करता है और जीवित प्राणियों का निवास होता है। पृथ्वी दृढ़ रहती है और पदों को स्थिर करती है जिन पेड़ों पर मनुष्य फलों और सब्ज़ियो के लिए निर्भर रहता है। दरअसल, मिट्टी ने मानव जाति को विभिन्न प्रकार के पेड़ प्रदान किए जबकी तुम्हारी आग से केवल उनके पोषक तत्व नष्ट होते है और विनाशकारी जंगल की आग से जीवन नष्ट होता है । तुम नश्वर तर्कसंगतता के तहखानों में अंकित सबक को कैसे नजरअंदाज कर सकते हो? क्या तुम नहीं देख सकते, मिट्टी अग्नि से श्रेष्ठ है, अत: मनुष्य तुम्हारी तरह के लोगो से श्रेष्ठ है!"

“तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई देवदूतों यह सोचने की कि इंसान मुझसे बेहतर हैं, जब वे अपने सड़ते हुए मांस को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करते हैं, जो कि अशुद्धियाँ है? वे बेशर्म प्राणी सूअरों से भी बदतर हैं । यदि मिट्टी आग से बेहतर थी, तो वे क्यों हैं? मनुष्य शारीरिक और यौन रूप से इतने घृणित रूप से भ्रष्ट हो गए हैं? यहां तक की उनके मनुष्य रोगी

की नाईं कुत्ते की तरह अपने तलवे उघाड़े फिरंगे , जिनके नग्न शरीर पर परजीवी और माँस दिखाई देते हैं! हा, भगवान के लिए यह कितना दयनीय दृश्य होगा, जिसने देखा यह विश्वास करने की धृष्टता कि आदम और उसके बच्चे मुझ से बेहतर हैं!"

“हे अज़ाज़ेल, शापित शैतान! तुम मनुष्य से इतने मोहग्रस्त क्यों हो? वास्तव में, उनमें से बहुत से लोग होंगे जो धर्मपरायण, ईश्वरभक्त और नेकदिल बनंगे !” फिर देवदूत ने आगे कहा , “मानव जाति को संभावित हेरफेर की याद दिलाने जिसका आप उपयोग करेंगे, अंतिम नियम इंसानियत की घोषणा करता है: हे तुम जो विश्वास करते हो, वास्तव में, नशा, जुआ, (बलिदान करना) पत्थर बदलना (भगवान के अलावा अन्य के लिए), और
दैवीय तीर शैतान के कार्य से अशुद्ध करने वाले ही हैं इससे बचें ताकि आप सफल हो सकें। शैतान केवल यही चाहता है नशीले पदार्थों और जुए के द्वारा आपके बीच शत्रुता और घृणा उत्पन्न करे और तुम्हें भगवान की याद और प्रार्थना से रोके।” (अंतिम नियम, 5:90)

“इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि परमेश्वर मनुष्य को कितनी बार मेरी चालो के बारे में चेतावनी देता है," शैतान ने उत्तर दिया, "क्योंकि वे मूर्ख कीड़े हैं
जो मेरी ही सुनेंगे । वे परमेश्वर को अस्वीकार कर देंगे और मेरी आराधना करेंगे और मुझे खुश करने के लिए अपने बच्चों को मेरी वेदी पर बलि चढ़ाएंगे । आह, उन गंदे इंसानों को क्या पता होगा कि कैसे मुझे उनसे बहुत घृणा है! पुरुष और महिलाएं कपड़े पहनना धार्मिक उत्पीड़न समझेंगे और
सार्वजनिक रूप से पाप और व्यभिचार करेंगे । मैं धर्मपरायण लोगों को आतंकवाद के लिए फंसाऊंगा, और लोगों को बताऊँगा कि धार्मिक विद्वान

यौन गुलाम हैं और बलात्कारी हैं। तब मैं स्त्रियों को शिक्षा दूँगा कि नीच लोगों से मार खाना सम्मान की बात है। जल्द ही, वे मेरी बातों पर विश्वास करेगी और नंगी होकर घूमेगी और उनके अपवित्र शरीर दिखाई देंगे और वे भटके हुए मनुष्यों के पीछे कुत्ते की तरह जाएँगी और उनके शरीर के गंदे अंगों को चाटंगी और सुंघेगी ! फिर मैं देखूंगा भगवान उन्हें क्षमा करने योग्य कैसे समझते है।”

"ओ अस्वीकृत!" देवदूतों ने उलाहना दिया. "तुम नहीं जानते कि जो मनुष्य पृथ्वी पर आबाद होंगे वे तुम से प्रेम न रखेंगे और न वे उस परमेश्वर से बैर रखेंगे जो उन्हें बनाता और प्रेम करता है? वे परमेश्वर के भविष्यवक्ताओं की आज्ञा मानेंगे जो उनसे प्रेम करेंगे और उन्हें उपदेश देंगे , और उनके उद्धार के लिये चिल्लायेंगे! तुम्हे पता नहीं कि ये महान इंसान नहीं जानते होंगे की तुम उनका तिरस्कार करते हो?! वास्तव में, वे इसका पता लगा लेंगे कि कैसे तुम उन्हें अपमानजनक तरीके से शाप देते हो और तुम कितने पागलपन से जश्न मनाते हो जब उनमें से हर एक बिना पश्चाताप के पापी के रूप में मर जाएगा!” स्वर्गदूतों ने उदास स्वर में बात की, और फिर अंतिम नियम के छंद से ईश्वर का हवाला दिया : “
अज्ञानतावश पाप करने वालों को शीघ्र ही पश्चाताप करना चाहिए
उसके बाद भगवान स्वीकार करता है; परमेश्वर उन पर दया करेगा; क्योंकि परमेश्वर ज्ञान और बुद्धि से परिपूर्ण है... फिर जो लोग ईश्वर में विश्वास करते हैं, और उसे थामे रहते है, वह शीघ्र ही उन पर दया और अनुग्रह करेगा
और उन्हें सीधे मार्ग से अपनी ओर ले जायेगा!” (अंतिम नियम, 4:17, 175)

अज़ाज़ेल को भगवान के आज्ञाओं का उल्लंघन करने में कोई पछतावा नहीं था , और उसका इरादा इंसानों को नैतिक रूप से दिवालिया बनाने का था

कि वे उस स्वर्ग में कभी प्रवेश न कर सकें जो कभी उसका घर था। अब उन्हें अज़ाज़ेल नहीं कहा जाता था और न ही पंखों वाले देवदूत उनके उपदेशों का सम्मान करते हैं। शैतान उसकी निराशा से बाहर निकलना चाहता था और उसका चेहरा भगवान के सिंहासन की ओर उठ गया और चिल्लाया, “अफसोस! भगवान आदम को मुझसे श्रेष्ठ क्यों मानते हैं?” वह अपना कोड़ा लहराते हुए चिल्लाया, और हवा को काटा। “तुम्हें मानवजाति के हृदय की गंदगी का एहसास क्यों नहीं होता? आप घृणित को क्यों नहीं देख पाते? मनुष्य के हृदय में क्या आत्मा होती है? वास्तव में, जब वे पाप करेंगे और एक दूसरे को चोट पहुँचाएँगे, वे इतने घृणित, क्रोधित हो जाएँगे और उनको इतनी जलन होगी कि वे मुझे अपने रब और ख़ुदा के प्रेरितों से ज़्यादा प्यार करेंगे, क्योंकि जब वे दुष्ट मनुष्य देखते हैं कि मैं कितना भयानक हूं, उन्हें पवित्र बने रहने की इच्छा नहीं होगी, क्योंकि मैं इतना बुरा हो जाऊँगा कि चाहे वे कोई भी अपराध करें इससे वे पापी या बुरे नहीं लगेंगे! भले ही ईश्वर आदम की संतान से प्रेम करता हो , और उन्हें क्षमा कर देता है, यहाँ तक कि सभी भगवान के पैगम्बरों ने भी उन्हें शिक्षित करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया, फिर भी वे
अपनी तीव्र ईर्ष्या के कारण उन धर्मियों से बैर करेंगे। वे किसी भी अच्छे और पवित्र व्यक्ति से नफरत करेंगे!”

स्वर्गदूतों ने शैतान के प्रकोप को नज़रअंदाज करना जारी रखा, और अंतिम नियम से कुछ अंशों का पाठ किया: " ईश्वर की स्तुति करो! स्वर्ग में और पृथ्वी पर है जो कुछ है वह सब जिसका है; और अगली दुनिया में उसकी प्रशंसा होगी: उसके लिए वह सर्वज्ञ है! वह जानता है कि पृथ्वी में क्या प्रवेश करता है और जो कुछ उस से निकलता है; और स्वर्ग से नीचे क्या आता है , और जो कुछ उस में चढ़ता है, वही दयालु, क्षमाशील है!"

“हे देवदूतों! आप इंसान के दिल की कार्यप्रणाली को कितना कम समझते हैं! क्या तुम नहीं जानते, कि अधिक पाप करने से मनुष्य की भावनाओं मर जाती है , और अपवित्र कृत्यों उनके मस्तिष्क को सिकुड़ने का कारण बनता है? क्या तुम नहीं जानते कि नफरत और गुस्सा मनुष्यों को ईर्ष्या से इतना पागल और इतना क्रूर बना देता है उनके प्रति घृणित घृणा और रोष से अंधे हो जाते है कि वे केवल उन लोगों से प्रेम करते हैं जो पाप में उनसे भी बदतर हैं और वे उन लोगों से पूरी तरह नफरत करते हैं जो पवित्र और धार्मिक हैं इस हद तक कि वे किसी को भी चोट पहुँचाते हैं और मार डालते हैं जो उन्हें व्यभिचार और बुराई से दूर रहने को कहता है? वे पापी और दुष्ट मनुष्य तथा स्त्रियाँ सभी अच्छे और पवित्र पुरुषों को भी मार डालती हैं और अपंग कर देती हैं हालाँकि उनके दिल अच्छी तरह जानते हैं कि वे जिन लोगों को दुःख पहुँचा रहे हैं वे सम्माननीय प्राणी हैं जो उन्हें कभी नुकसान पहुंचाने के बारे में सपने में भी नहीं सोचेंगे!"

पंखों वाले स्वर्गदूतों ने अज़ाज़ेल को महान व्यक्तियों और औरतो के बारे में याद दिलाया जो मानव जाति के बीच रहेंगी। "तुम भूल जाते हो ," उन्होंने कहा, "कि मनुष्यों के बीच सम्माननीय पुरुष और भलाई होगी।" उनमें धार्मिक एवं धर्मात्मा पुरुष निवास करेंगे और वे दूसरों की मदद करेंगे और उनकी रक्षा करेंगे। पुरुष जो दूसरों को संभावित नुकसान से बचाएगा, और उनके निर्माता उन्हें पुरस्कृत करेंगे और उनका सम्मान करेंगे और उन पर उनके अच्छे कर्म पर गर्व करेंगे! उन्हें सर्वाधिक लाभकारी रूप से पुरस्कृत करने से तुम उनके प्रभु और निर्माता को कभी नहीं रोक सकते!”

शैतान ने क्रोध की ऐसी भयावह चीखें निकालीं कि...जब वह लगातार चिल्लाता रहा तो नरक के स्तंभ हिल गए। “हे रीढ़हीन देवदूत! आप सोचते हैं कि मैं उन प्रदूषित मनुष्य को कभी भगवान की ओर मुड़ने नहीं दूंगा। नहीं, जब वे क्रोध और पाप के उन्माद में होंगे तब वे एकदूसरे को

मार डालेंगे और तुम देखोगे कि मैं उन्हें किस प्रकार मेरे साथ नर्क में घसीटता हूँ! ओह, मैं उस पल को कैसे जी रहा हूं जब वे परजीवी से भरे हुए मनुष्य नरक में जाएंगे और मैं अंततः उन्हें यातना दे सकता हूँ और जला सकता हूँ
जैसे ही नरक के द्वार बंद होंगे! जो लोग मेरे पीछे चले और मेरी आराधना की उनको मैं सबसे बेरहमी से लात मारूंगा, वास्तव में, मैंने पृथ्वी पर उनके लिए छोटे-छोटे काम किये इससे मुझे क्रोध आया! ओह, मैं उन्हें अंतहीन यातना दूँगा, मैं उन्हें कितनी प्रसन्नता से मारूँगा और जला दूँगा और हर बार जब मैं उनकी खालें छिलूँगा, तो मेरी ह्दिल की पीड़ा कम होती जाएगी! नर्क में कोई भगवान नहीं होगा, इसलिए मैं ही वहां भगवान हु और मैं उन सड़े-गले इंसानों को चोट पहुंचा सकता हूं जैसे पहले कभी नहीं हुआ। नर्क मेरा राज्य होगा जहां मैं ईश्वर की सर्वोत्तम रचना यातनाएं दूंगा। मैं आदम के हर एक बेटे को मेरे साथ नरक की जेल में घसीटूंगा, और उसके बाद मैं उन्हें जला डालूँगा और उनकी खाल जला दूँगा, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि वे सोचें कि भगवान ने उन्हें जलाया है! मैं भगवान को नरक में भी फंसऊँगा, ताकि वे मूर्ख पापी मेरी आग से बचाने के लिए इश्वर से मदद मांगने का सपना भी न देखें! मैं उन्हें सारी अनंत काल तक के लिए पीड़ित करूंगा जो मैंने सहा है जिस दिन से मानवजाति का निर्माण हुआ!”

जो भेदी और अलौकिक ध्वनियाँ अज़ाज़ेल के गले आ रही थीं स्वर्गदूतों को सुनने के लिए बेचैन कर रहा था। वे नहीं जानते थे कि उसके क्रोध को शांत करने के लिए क्या करें। "हे बदकिस्मत शैतान," स्वर्गदूतों में से एक ने साहस किया। “ऐसी बकवास क्यों बोलते हो? क्या तुम नहीं देख सकते कि इश्वर के आलावा किसी के पास कोई ताकत नहीं है?

"नहीं!" शैतान चिल्लाया. “मैं मनुष्यों की दृष्टि से छिपा रहूंगा ताकि मेरा अस्तित्व एक रहस्य बना रहे, और फिर मैं कोशिश करूंगा उन्हें अप्रत्याशित तरीकों से फ़साने की। वास्तव में, भगवान ने आदम और

उसके बच्चों को पृथ्वी का उपप्रधान बनाया, और मेरे पास उन्हें मारने या यातना देने की अधिक शक्ति है! मैं बस यही कर सकता हूँ के अब उन से पागलों की तरह पाप करवाउ, और उनमें से जितनो को हो सके अपने साथ नर्क में ले जा सकता हूँ, जहाँ मैं अंततः अपना बदला ले सकता हूँ और यातना और दुर्व्यवहार से उनके बेईमान इंसान माँस को जला सकता हु ! ओह, उन्हें अंदर मेरे साथ बंद करके मुझे कितना मज़ा आएगा, उन्हें नरक में यातना देने में , और उन्हें मेरे शरीर में दौड़ती आग में जलाने में।

मेरे शरीर में दौड़ती आग में जल जाओ। यदि केवल वे मूर्ख मनुष्य जानते कि मेरी आत्मा कितनी उत्सुकता से तरसती है उनके मरने के लिए जब वे दुष्ट अवस्था में पाप कर हों ताकि उन्हें भगवान की क्षमा खोजने का मौका न मिले और उन्हें नरक में भेजा जाये! वास्तव में, मैं हर बार जब कोई पुरुष या महिला नरक में प्रवेश करे तो ख़ुशी मनऊँगा, क्योंकि मैं वहीं राज्य करूंगा, और मई उन्हें तब तक जलाऊँगा जब तक वे बदसूरत और मवाद से भर न जाएं, और मैं वहां उन्हें स्वतंत्र रूप से प्रताड़ित करंगा और उनकी बदसूरती पर थुकुंगा! ओह, मैं उनके नर्क में जाने का कैसे इंतजार कर रहा हूं, ताकि मैं अंततः उन विकृत बीमार मनुष्य पर अत्याचार और दुर्व्यवहार कर सकता हु । फिर मैं अंततः उन बदबूदार मिट्टी से बने घृणित अपवित्र जीव को जला सकता हूँ ! यदि उन मनुश्यो को पता चला कि मैं पूरे दिन उन्हें यातना देने का सपना देखता हूँ, फिर वे मेरे गुलाम बनने में संकोच करेंगे! यदि वे जानते थे कि एकमात्र चीज़ जो मुझे जीवित और स्वस्थ रखती है, वही मेरे जीने का एकमात्र कारण है, मेरे जीवन का एकमात्र उद्देश्य सबसे भयानक तरीके से घृणित इंसान पर अत्याचार करना है। वास्तव में, मेरे मानव शरीर रचना विज्ञान का ज्ञान अत्यंत सीमित है, इसलिए मुझे इंतजार करना चाहिए की कैसे एक इंसान दूसरे इंसान पर अत्याचार करता है।"

शैतान क्षण भर के लिए रुका, और अपना चेहरा निराशा से खुजलाया । उसने अपने चाबुक से हवा में प्रहार किया,मनुष्य की कप्लना करते हुए जब वह पागलपन से चिल्लाया। “ओह, मैं इंसानों से कितनी नफरत करता हूँ!

आदम का अस्तित्व मुझे पागलपन की ओर कैसे सताता है! हाय उन स्वतंत्र हृदय के पुरुषों पर जिन्हें ईश्वर ने मुझसे श्रेष्ठ होना चुना, और जिसका अस्तित्व मेरे से दूर हर विवेक आत्मा पर अत्याचार कर रहा है!" शैतान ने देखा कि स्वर्गदूत उसकी चीखें सुन रहे हैं, इसलिए उसने दुष्टता पूर्वक कहा “वास्तव में, मानव को यातना देने की सभी तकनीकों को जानने के लिए मैं अपने सभी राक्षसों और अन्य छिपे हुए लोग को भेजूंगा! तो फिर मैं अंततः

नरक की घाटी में मेरा सपना पूरा करूँगा, जहां भगवान पापियों को छोड़ देंगे

और मैं उन लोगों के साथ रहूँगा जिन्होंने मेरी पूजा की, और बच्चों की हत्या करके और उनका मांस खाकर मुझे खुश करने की कोशिश की और कुछ नकली शक्ति का लाभ पाने के लिए अपने शिशुओं का खून पिया! क्या मैं अंततः इस सपने के साथ नरक में रह पाऊंगा? जहां मैं कांटेदार पेड़ इकट्ठा करूंगा और गंदे मनुष्य को इसे खिलाऊंगा। मैं ख़ुशी से उन पर अत्याचार करूँगा और उन्हें जला दूँगा, और यदि वे प्यासे हों, और मुझ से जल मांगें, तो मैं उन्हें खौलता हुआ पानी और मवाद तथा अन्य गंदगी पीने के लिए विवश करूंगा! वास्तव में, भगवान नरक की घाटी में नहीं होंगे, और इसलिए यह मेरा स्वर्ग होगा, मेरा राज्य, मेरी दुनिया और मेरा आश्रय! ओह, मैं सभी मनुष्य पापियों की तरह मरने का इंतजार नहीं कर सकता!” शैतान ने एक पागलपन से हँसा और वह मनुष्यों पर किस प्रकार अत्याचार करेगा वर्णन करने लगा,इसलिए स्वर्गदूतों ने उसे चुप कराने की कोशिश की।

अंतिम नियम के अध्याय शीबा से पंक्तियों का पाठ करते हुए स्वर्गदूतों ने घोषणा की: “और एब्लिस (दुष्ट शैतान) ने पाया कि उसने सही समझा

था और उनमेसे कुछ को छोड़कर बाकि सब उसके वफ़ादार थे , उसके पीछे हो लिये । और उसका (शैतान) उनपर कोई जोर नहीं था , सिवाय इसके कि उन्हें प्रलोभित करें, हम उसे पहचान सकें जो जीवन में आने वाले है, उससे जिसने उस पर संदेह किया; क्योंकि तेरा प्रभु सब बातों पर दृष्टि रखता है।

शांत होने के बजाय, शैतान जोर से चिल्लाने लगा "मनुष्य स्वाभाविक रूप से नीच हैं। उनके हृदय जिद के कवच जलमग्न हो गये हैं और उनकी आत्माएं केवल अज्ञानता में माहिर हैं । काश, वे गंदे इंसान जानते कि कैसे मैं उन्हें जलाकर नष्ट कर देना चाहता हूँ, यदि वे जानते कि मैं ईश्वर पर विश्वास किए बिना उनके मरने का बहुत इंतज़ार करता हूँ वे मेरे वफादार गुलाम और गंदे बनने के लिए सहमत नहीं होंगे!" इन शब्दों को कहते हुए, शैतान इतनी जोर से चिल्लाया, कि अत्यधिक भावुकता में वह रोने लगा और उसकी आँखों से आँसू बहने लगे उसकी आँखों से, यहाँ तक कि उसकी आवाज़ भी गरज रही थी। "मर जाओ, पापी इंसानों! पाप करो और मरो, गंदे मनुष्यो, पाप करो और मरो! दुर्व्यवहार करो एक-दूसरे से छेड़छाड़ करो। और मरके मेरे नरक में आओ और सदैव रहो। पाप करते समय मरो, तुम गंदे इंसान! यदि आप नहीं कर सकते तो भगवान आपकी सहायता नहीं कर सकते अगर तुम उस पर विश्वास नहीं करते । नरक में मैं तुम्हारा ईश्वर बनूँगा और तुम मेरा प्रतिशोध देखोगे। ! मैं तुम्हें दुनिया में, कब्र में और भविष्य जीवन भी नीचा दिखाऊंगा।"

शैतान का यह प्रकोप सुनकर, स्वर्गदूत जो स्वर्ग और पृथ्वी के बीच द्वार की रक्षा करते थे,उन्होंने मनुष्यों की भलाई के लिए बहुत चिंता व्यक्त की, और मनुष्यों को राक्षसों के जाल से बचाने की कोशिश करते हुए उनकी हताशा में , उन्होंने शैतान की चीखें दबाने की कोशिश करते हुए एक साथ कई दोहे कहे: "हे मनुष्यों, क्या तुम उस परमेश्वर को भूल जाओगे जिसने तुम्हें बनाया है?हे मनुष्यों, क्या तुम शैतान पर विश्वास करोगे जब उसने तुम्हे धोखा दिया?हे मनुष्यों, क्या तुम उसका हृदय

तोड़ोगे जो तुम्हारा इंतजार करता है ?हे मनुष्यों, क्या तुम उस दिव्यता के सारे आशीर्वाद भूल जाओगे? जब शैतान तुम्हे धोखा देने और नष्ट होने के लिए मामूली सहायता प्रदान करता है?"

इन पंक्तियों को सुनकर शैतान क्रोधित हो गया और उसने ऐसा करने की ऊंचे स्वर से चिल्लाने की कोशिश की, परन्तु स्वर्गदूतों ने उसे बोलने का अवसर नहीं दिया ।

देवदूत एक के रूप में, पंक्तियों पर पंक्तियों के साथ, मार्च करते हुए साथ मिलकर सरक रहे थे उन कर्तव्यों को पूरा करना जो परमेश्वर ने उनके लिए निर्धारित किये थे। उनके चाँदी और सफ़ेद परिधानों में, देवदूत कट्टर और आकर्षक रहस्यमयी लग रहे थे। जब शैतान क्रोधित हो रहा था तो वे ठंडी शांति से सुनते रहे आदम के पुत्रों और पुत्रियों से अपने भावी प्रतिशोध के बारे में विस्तार से बताया , परन्तु भीतर से स्वर्गदूत दुश्मन के साथ संचार के इस तरीके के साथ बहुत निराश हुए। देवदूत ने , अपने गढ़े हुए गालों से आँसू बहाते हुए एक बार फिर जप किया:

“हे मनुष्यों, क्या तुम परमेश्वर से तभी प्रेम रखोगे जब वह तुम्हें देगा, और उन राक्षसों के समान हो जाओ जिनकी ईर्ष्या से समुद्र उमड़ पड़ता है?
हे अपने रब की इबादत करो जिसका सिंहासन स्वर्ग है,
उसकी सच्ची आराधना करो, और तुम्हारे पाप क्षमा हो जायेंगे!
अपनी भावी पीढ़ी को ईश्वर का धर्म सिखाओ:
प्रतिशोधी शैतान धूर्त है, परन्तु मानवीय दुर्बलता पर पूर्ण रूप से हावी हो नहीं सकता;
शैतान, अपने आप में, अक्सर भ्रमित हो जाता है,
शक्ति और धन प्रचुर मात्रा में प्रतीत होता है!
तू शैतान के वादों को न तो सच्चा और न उचित समझना ;
वह तुम्हें प्रार्थना से दूर करने के अलावा और कुछ नहीं चाहता,

और उसके द्वारा किये गये अपराधों में सभी मनुष्यों के साथ शामिल करना चाहता है जैसा कि उसने आदम और उसके बेटे के साथ किया था!
हे मनुष्यों, क्या तुम शैतान को दयालु समझते हो?
क्या आप सोचते हैं कि उसकी बातें स्वस्थ मन की हैं?
नहीं, वह बहकाया गया, और शीघ्र ही चला जायेगा ,
उसके वादों पर विश्वास मत करो, न ही उसके शब्दों का पालन करो!”

शैतान की प्रचंड चीख चारों ओर से नरक के स्तंभों तक गूँज उठी और स्वर्ग कांप उठा। “हर बार तुम गंदे इंसान एक दूसरे को गाली दो, यह मेरे दिल पर मरहम है और इससे मेरी आत्मा को शांति मिलेगी और मैं नरक में आनंद मनाऊंगा तुम्हें यातना दूंगा और जला दूंगा! सुनो, हे देवदूतों! वे सड़ती त्वचा और सड़े हुए मांस वाले गंदे मनुष्य मेरा क्रोध देखेंगे! वे सदैव मेरी यातना सहेंगे, और सचमुच, उन्हें इस बात का अंदाज़ा भी नहीं है कि मेरे ऊपर प्राथमिकता दिए जाने के लिए मैं उनसे कितनी नफ़रत करता हूँ । ओह, मैं अपना बदला नरक में लूंगा। वहां, मैं अंततः उन्हें वह बनाने में सक्षम होऊंगा जो उन्हें होना चाहिए था; छोटे-छोटे कीडे और बदबूदार जीव। नरक में, मैं उनका राजा उनके स्वामी बनूँगा! उनका अभिशाप का शाश्वत जीवन मेरा होगा! उन्हें मेरे पास आने तक प्रतीक्षा करने दो। अरबों वर्षों से यह गुस्सा मेरे अंदर बोतलबंद था, मैं उन पर हमला कर दूँगा, और कोई देवदूत मुझे रोक नहीं कर सकता। मैं उनकी जेल को धधकती हुई आग से ऐसे घेर लूंगा, जिसमें कोई भी देवदूत मुझे रोकने के लिए प्रवेश नहीं कर सकता और आपमें से कोई भी महान देवदूत मुझे उन दुष्ट मनुष्यों के साथ दुर्व्यवहार करने से नहीं रोक सकेंगे। ओह, यह मेरी खुशी वह दिन, जब मैं भ्रष्ट लोगों पर सारा आतंक फैलाऊंगा जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी!”

"आह," एक वरिष्ठ देवदूत ने आह भरी, "लेकिन भगवान संदेशवाहक नीचे भेजेंगे जो ईश्वर की चमत्कार शक्ति का प्रदर्शन करेंगे। सचमुच, वे दूत चमत्कार करने में सक्षम होंगे क्योंकि परमेश्वर उन्हें सबसे अच्छे लोगों

में से चुन लेगा। वे सभी जो आदम के पुत्रों में सबसे पवित्र हैं और मानव जाति में सबसे पापहीन है। सचमुच, भगवान उन लोगो को अभूतपूर्व स्तर के चमत्कार दिखाएँगे , जैसे मृतकों को कब्र से पुनर्जीवित करना और उन्हें दान देना शामिल है। आदम के एक भगवन , ब्रह्मांड के निर्माता की शक्ति।

"चुप रहो, मूर्ख, बेशर्मी से पीठ में छुरा घोंपने वाले देवदूत!" शैतान चिल्लाया, अचानक अपने पूर्व की शिष्यों की ओर पागलपन भरी दृष्टि से देखकर "मुट्ठी भर भविष्यवक्ताओं के छोटे-छोटे चमत्कार काम नहीं करेंगे, क्योंकि मैं ने परमेश्वर से ब्रह्मांड के अंतिम दिन तक सदैव जीवित रहने का एक वरदान पाया है। सचमुच, भले ही भविष्यवक्ता एक के बाद एक आते हों, जैसे ही वे मरेंगे या आसपास नहीं होंगे, मै लोगों को गुमराह करंगा। मैं मनुष्यों को विश्वास दिलाऊंगा कि वे दूत दुष्ट हैं और वे इसके बजाय मेरी पूजा करेंगे और मुझे खुश करने के लिए अपने ही नबियों को मार डालेंगे।

स्वर्गदूतों ने निडरतापूर्वक उत्तर दिया। "लोग बुद्धि से संपन्न रहे हैं वे परमेश्वर की सच्चाई देखेंगे और सच्चे पैगम्बरों की बातों पर विश्वास करेंगे। वास्तव में, ईश्वर के दूत मनुष्यों को ईश्वर की शक्ति दिखाएंगे और
कुष्ठ रोग आदि बीमारी को ठीक करने जैसे चमत्कार करेंगे और निश्चित रूप से इन चमत्कारों को देखने के बाद, वे कभी तुम्हारी पूजा नहीं करेंगे। वे मनुष्य कभी तुम्हारा ध्यान नहीं करेंगे और वे तुमसे कभी प्यार नहीं करेंगे। वे तुम्हारे झूठे वादे और मायावी शक्तियो पर कभी विश्वास नहीं करेंगे । वे कभी भी तुम्हारी वासनापूर्ण और भटकाने वाली सलाह का अनुसरण नहीं करेंगे और अपमानजनक कार्य जिनकी तुम मांग करते हो ऐसा करने के लिए कभी सहमति नहीं नहीं होंगे!"

स्वर्गदूत की बात सुनकर शैतान दोगुना क्रोधित हो गया, और उसने कहा, “मैं उसे गुमराह करना इसे अपने जीवन का उद्देश्य बनाऊंगा। अगर मुझे लगे कि कुछ इंसान माननीय भी हैं, तो मैं उनके सम्मान का उपयोग उन्हें ऐसे ऐसी स्थितियो में डालने के लिए करूंगा जो उन्हें तोड़ देंगी और उनकी धैर्य की हार का कारण बनेंगी और वे परमेश्वर पर क्रोधित हो जायेंगे! मैं दूसरे पुरुषों द्वारा सर्वोत्तम पुरुषों को तब तक प्रताड़ित करूँगा का उपयोग करूँगा
जब तक कि वे भगवान से घृणा न करने लगें और वासना और शरीर की गुलामी की ओर मुड़ें! फिर मैं उन्हें महिलाओं या पुरुषों का गुलाम बनूंगा और फिर वे अपने प्रेमी को खुश करने के लिए जानवरों की तरह लड़ेंगे। उनके गंदे प्रेमी अपने प्रति वफादार रखने के लिए , वे हत्या करेंगे, हत्या करेंगे और फसयेंगे और मानवजाति के बीच नफरत का प्रचार करेंगे जब तक सबसे अच्छे आदमी सबसे बुरे आदमी में बदल नहीं जाते!”

"वास्तव में, एडम हम सभी से बेहतर और श्रेष्ठ है!" देवदूत ने शैतान से कहा। फिर अपनी बात साबित करने के लिए अंतिम वसीयतनामा के एक अंश का पाठ किया।“जब तुम्हारे रब ने स्वर्गदूतों से कहा , 'वास्तव में मैं पृथ्वी पर एक उपप्रधान स्थापित करने जा रहा हूँ,' उन्होंने कहा, 'क्या आप इसमें किसी ऐसे व्यक्ति को बिठाओगे जो इसमें भ्रष्टाचार करेगा और खून बहायेगा, जबकि हम आपकी प्रशंसा का जश्न मनाते हैं और आपकी पवित्रता का प्रचार करते है ?' उन्होंने (भगवान) कहा, "वास्तव में मैं वो जानता हूं जो आप नहीं जानते हैं।" (अंतिम नियम, 2:30)

"क्या ईश्वर ने सचमुच आदम को महान और वीर माना है?" शैतान ने उपहासपूर्ण स्वर में प्रश्न किया। "मैं उसे गलत साबित करूंगा और दिखाऊंगा कि मानव जाति कितनी भयानक है। जब वे सड़को पर सूअरों की तरह आगे बढ़ते हैं और कुत्तों की तरह व्यभिचार करते है, मैं हंसूंगा और भगवान को साबित करूंगा कि वह इंसान मेरे गंदे, अपवित्र और अश्लील गुलाम हैं। वह प्राणी जिसे परमेश्वर ने बहुत दयालुता से आदर

दिया और सभी फरिश्तो को और मुझे आज्ञा दी के जिनका सम्मान किया जाना चाहिए
ब्रह्मांड में सबसे गंदे हो जाएँगे। मैं उन कलंकित मनुष्यों को अपने ही मल में दुबऊँगा और वे दुनिया की सारी सड़ी-गली गंदगी खा जायेंगे। मैं महिलाओं का इस्तेमाल उनके भगवान और निर्माता की पूजा से ध्यान भटकाने के लिए करूंगा और वे बीमार दिमाग वाले इंसान अपनी गंदगी के जुनून में तेजी से इश्वर को छोड़ देंगे।"

स्वर्गदूतों ने अंतिम वसीयतनामा के श्लोक का एक बार फिर पाठ किया : “जान लो कि तुम्हारी संपत्ति और तुम्हारे बच्चे एक प्रलोभन हैं; और वह भगवान! उसके साथ एक गौरवशाली मुआवज़ा है।” (द फाइनल टेस्टामेंट, चैप्टर द स्पॉयल्स, पद्य 30)

“घृणित मनुष्य ऐसी गंदगी और पाप में रहेंगे कि उनके दिल में हवस और लालच के अलावा कोई और भावना नहीं जगेगी। सचमुच, तब, तुम स्वर्गदूत, आदम के बच्चों पर दृष्टि डालोगे तो भय और घृणा से भर जाओगे, जबकि परमेश्वर जिसने उन्हें बनाया था देखेंगे कि आदम और उसकी संतान के पास कोई विशिष्ट योग्यता नहीं है और उनके हृदय में कोई अच्छाई नहीं है।”

स्वर्गदूतों ने शैतान की चिल्लाहट को अनदेखा करने और अंतिम नियम से पढ़ने का प्रयास किया : "स्वर्ग और पृथ्वी और जो कुछ भी उनके बीच जो भी है उन के भगवान, वह शक्तिशाली क्षमाशील है।" कुछ स्वर्गदूतों ने अंतिम वसीयतनामा धीमे स्वर में कहा ।

"मैं किसी भी महान व्यक्ति को अपने जाल से नहीं छोडूंगा!" शैतान घोषणा की । “मैं उनके अच्छे दिलों का उपयोग उन्हें ऐसी स्थितियो में शामिल करने के लिए करूंगा जो उन्हें शरीर की लालसा के लिए प्रलोभित

करेंगी। जल्द ही, मैं उन्हें समझाऊंगा कि वे भगवान पर अपनी आशा न रखें
उन्हें दूसरे इंसान के प्यार का गुलाम बनाऊँगा। जल्द ही, वे अच्छे सरमाटियन पागल शिकारी कुत्तों की तरह अपने प्रेमियों का पीछा करेंगे और जब परमेश्वर उनके हृदयों को देखेगा तो वह उन्हें अस्वीकार कर देगा।
वे इतने प्रदूषित हो गए हैं कि भगवान या भगवान के लिए उनके दिल में कोई जगह नहीं होगी और उनमे एकमात्र भावना होगी, जो उनके पास होगी
अपने प्रेमियों की पूजा करना । फिर, ये आदमी- जो पहले अच्छे और नेक आदमी थे, हर किसी को मार डालेंगे और आख़िरकार, उनकी बदबूदार घृणितता बेवफा प्रेमी की गुलामी उन्हें मेरे प्रति संवेदनशील बना देंगी। मैं भगवान को यह साबित कर दूँगा कि मनुष्य नीच हैं!"

स्वर्गदूतों ने आदम की श्रेष्ठता साबित करने के लिए अंतिम नियम का पाठ करने का प्रयास किया "वास्तव में, परमेश्वर ने आदम को नूह और इब्राहीम की सन्तान चुना और इमरान की सन्तान को सभी लोगों से ऊपर चुना हैं।" (3:33)

"नहीं!" शैतान चिल्लाया. "मेरे लिए भले मनुष्यों को बुरे मनुष्यों की अपेक्षा गुमराह करना आसान होगा क्युकी उनके पास कोई दिल नहीं है जिससे वे किसी दूसरे इंसान से प्यार कर सकें, और उनमें कोई प्रेम नहीं है जिसके द्वारा वे गुलाम बनाये जा सकें। फिर, मैं आदम के बेटों को संगीत सुनने के लिए प्रोत्साहित करूंगा शराब से उनकी इंद्रियों को सुन्न कर दूंगा। ये तो उनको पता नहीं होगा जब इस तरह के नशीले पदार्थों का सेवन किया जाता है, तो यह उनके दिमाग में कमज़ोरियो का स्थायी कारण बनता है।"

शैतान का प्रकोप सुनकर, स्वर्गदूतों ने अंतिम नियम से निम्नलिखित श्लोक शांति से पढ़ा: "ईश्वर जो दिया है बशर्ते कि तुम वैध और अच्छा खाओ, और इसके लिए आभारी रहो यदि तुम उसके उपासक हो, तो परमेश्वर की कृपा तुम पर है। आपके लिए केवल वही वर्जित है जो अपने आप मर जाता है, और लहू, और सूअर का मांस और जो ईश्वर के आलावा किसी अन्य के नाम पर मारा गया है : परन्तु यदि कोई जबरदस्ती करे, और न तो उसकी अभिलाषा करे और न जानबूझ अपराध करो, तो निस्संदेह ईश्वर क्षमा करने वाला, दयालु है।"

शैतान ने अपने वादे निभाने की कोशिश की और पृथ्वी पर वापस लौटने पर
उसने मानव जाति के विरुद्ध एक व्यापक अभियान शुरू किया। कई वर्षों तक, अज़ाज़ेल ने पुरुषों और महिलाओं का मनोविज्ञान को देखा और सीखा
, और मानवजाति को अय्याशी का जीवन जीने के लिए प्रलोभित करने उसने दिलचस्प तरीके उजागर किए। उसने संकल्प लिया प्रत्येक व्यक्ति की कमजोरियों पर ध्यान देंने का और उन्हें एक दूसरे के बारे में बुरा सोचना और बोलना समझाने का। अज़ाज़ेल ने मानव मनोविज्ञान का अध्ययन किया और समझा के मनुष्यों को एक-दूसरे से लड़ने के लिए राजी करने कलह पैदा करने के लिए उनके दिल में रिश्तेदारों के प्रति नफरत बोना यह आदर्श तरीका है। वह जल्द ही सीख गया कि मानव शरीर में नशीले पदार्थों की कमजोरी होगी, इसलिए उसने उन्हें नष्ट करने के लिए इसका उपयोग करने की विस्तृत योजनाएँ बनाईं । “मुझे पता है कि नशा मानव जाति के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डाल सकता है , इसलिए मैं इसे अपने लाभ के लिए उपयोग करूंगा! शैतान चिल्लाया “मैं लोगों को विश्वास दिलाऊंगा कि उनमें शराब की सहनशीलता का स्तर उच्च है और वे मेरे द्वारा उन्हें दी जाने वाली हर प्रकार की गंदगी को ख़ुशी-ख़ुशी पी लेंगे। मैं चाहता हूं कि वे घृणित मनुष्य सड़ा हुआ किण्वित पेय पेय पीएं और इतने नशे में हो कि

वे जिसे भी अपने सामने देखते हैं उसके साथ व्यभिचार करने सहमत हो जाते हैं और हत्या कर देते हैं ।

उनके संवेदनशील दिलों में नफरत और संदेह पैदा करके शैतान जानता था कि वह सबसे साधारण व्यक्ति को भी अपने साथियों को धोखा देने के लिए आसानी से मना सकता है । पिता और पुत्र, पति और पत्नी, भाई और के बीच भाई और माँ और बेटी के बीच नफरत और कलह के बीज बोकर, वह जानता था कि परिवार और समाज की एकजुट एकता वह बिखर सकता है।

जब अज़ाज़ेल को बहिष्कृत घोषित किया गया और धरती पर फेंक दिया गया अपनी ही प्रजाति के सदस्यों पर अपना अधिकार प्रदर्शित करने नीचे उसने प्रयास करके अपने लिए एक विशाल सिंहासन बनवाया , और उसने अपने नौकरों को महासागर के पानी के ऊपर आसन लगाने का आदेश दिया । कई वर्षों के बाद, आदम और हव्वा पृथ्वी पर आये, शैतान ने आदम की मानसिकता में बाधा डालने के लिए उसकी प्रजाति के चुनिंदा लोगों को प्रशिक्षण देकर अपना प्रभुत्व स्थापित करने की कोशिश की । अज़ाजेल को पता था कि ईश्वर के पैगम्बर को नियंत्रित करने और हराने के लिए वो शक्तिशाली नहीं था, लेकिन वह आश्वस्त थाकि वह आदम और ईव के बच्चों को आसानी से बरगला और गुमराह कर सकता था ।

शैतान उसके सिंहासन पर बैठा और उसने अपनी कनिष्ठ शैतानों की सेनाएँ
मानव आबादी पर नजर रखने के लिए दुनिया के विभिन्न कोनों में भेज दीं।
उनका लक्ष्य लोगों के समूहों के बीच मतभेद पैदा करना था, और युवा मनुष्यों जो तुच्छ सुखों का आनंद लेते थे को गुमराह करने करने का

काम उसके भरोसेमंद गुर्गे को दिया गया था । प्रत्येक दिन के समापन पर, सभी
युवा शैतान अज़ाज़ेल के सिंहासन पर लौट आते थे और उनके दिन भर के काम के बारे में एक विस्तृत टिपण्णी देते थे।

"आपने आज क्या किया?" अज़ाज़ेल छुपे हुए लोगों के पहले समूह से पूछताछ किया “आप कितने लोगों को गुमराह करने में सक्षम हुए?”

फिर युवा शैतान हर छोटे अपराध की विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत करेंगे जो वे इंसान से करवाने में सफल रहे, लेकिन अज़ाजेल असंतुष्ट दिखा और उसने कहा, "तुमने कुछ नहीं किया।"

फिर छुपे हुए में से कोई आकर सुनायेगा उनकी उपलब्धि का विवरण करेगा : “मैंने विशेष मानव को नहीं छोड़ा जब तक मैंने आदमी और उसकी पत्नी के बीच में कलह का बीज नहीं बोया।”

जब शैतान सुनता है कि कैसे युवा शैतानों ने विवाहों को नष्ट कर दिया और पारिवारिक एकता को छिन्न-भिन्न कर दिया और कैसे मानव जोड़े के लिए दिल टूटने और आँसू का कारण बना, वह उस शैतान को बधाई देता है और उसके पास जाकर कहता है, “तुमने अच्छा किया।” फिर वह उस शैतान को गले लगाता है और उसका पद ऊँचा करता है।

इस प्रकार, शैतान अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग मनुष्य को सत्य के मार्ग से भटकने के लिए करता रहता है। वह उसके कान में झूठी कहानियाँ फुसफुसाने की कोशिश करता है और जब वह एक साधारण पुरुष या महिला से कुछ ऐसा करवाने में जो भगवान है मना किया था सफल हो जाता है तो ख़ुशी मनाता है।

यही कारण था कि शैतान ने स्वर्गदूतों को चिल्लाकर कहा था पवित्र मंत्री आत्माओं को सूचित किया कि उसके इरादे क्या थे: “मैं व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक पुरुष और स्त्री को अपने वासना का दास बना लूँगा तब तक जब तक कि उनमें से हर एक घृणित पापी अपराधी न बन जाए। मैं उन्हें शराब की लत लगा दूँगा और वे गंदा किण्वित तरल तब तक पियें जब तक कि वे लकड़बग्घे की तरह नशे में न हो जाएँ!” अज़ाज़ेल को पता था कि नशे में रहने से किसी व्यक्ति के व्यवहार में प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बड़ी मात्रा में शराब व्यक्ति के अंतर्गत प्रणाली में नकारात्मक प्रभाव डालेगा, जिससे
प्रभावित व्यक्ति हिंसक और बेशर्म तरीके से कार्य करेंगे। यह कुछ ऐसा है जिसे पूरा करने की शैतान को बहुत आशा थी, और उसने लोगों को शराब पिलाकर नशे के प्रभाव में सबसे अपमानजनक कार्य करने की आशा की। "ओह, तुम सब देखोगे कि मैं कैसे हर आदमी को हत्यारा,दुर्व्यवहार करने वाले और स्वार्थी राक्षस बना दूँगा । ओ मैं उन्हें लालची जानवर में बदल दूँगा तब तक जब तक उनका निर्माता उनसे नफरत न करने लगे और उसे एहसास न हो कि ये दुष्ट इंसान कितने बीमार और घृणित हैं! अफ़सोस!
हर इंसान को जितना संभव हो उतना बुरा और पापि इंसान बनाना ही मेरे जीवन का एकमात्र जुनून है। अपने रब की अवज्ञा करन और खुद का अपमान करने के अपने प्रेमियों का यौन दास बनाना ही मेरा एकमात्र लक्ष्य है।”

"ओह, शापित!" पंखों वाले स्वर्गदूतों ने गंभीरता से कहा। "क्यों तुम उनसे बेहतर बनने के लिए और उन्हें सबसे ख़राब साबित करने के लिए इतने जुनूनी हो?”

"ओह, मैं मानव जाति से कितनी नफरत करता हूँ!" शैतान चिल्लाया। "मैं उन्हें नष्ट करने का प्रयास कभी नहीं छोड़ूंगा। जब तक सूर्य चमकता रहेगा

और चाँद चमकता है और तारे आग से जलते हैं, मैं हर एक मनुष्य को गुमराह कर दूँगा वैसा ही गंदा जानवर बना दूंगा जिसके वे लायक है । तो फिर परमेश्वर उन अशुद्ध मनुष्यों को देखेगा जिनके लिए उन्होंने स्वर्ग बनाया, और उन्हें देखने दो कैसे वे पृथ्वी को उनकी बीमारी और उनकी दुष्टता से भर देते हैं और एक दूसरे मल से सने नितंब की पूजा करते हैं। फिर ईश्वर जो न्यायी होने का दावा करता है, उनके पास उन्हें अनंत काल तक नरक की घाटी में निर्वासित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा, जहां मैं राजा और सबका स्वामी रहूंगा जिन्होंने पाप किया और अपने प्रिय लूसिफ़ेर के रूप में मेरी पूजा की।इसलिए, पृथ्वी पर मुझे जो भी पुरुष या महिला मिलेंगे, मैं उन्हें यही आदेश दूंगा की वे एकदूसरे को मार दे और अपने माता-पिता के शवों को भी खाए उनके बच्चों का खून पिए।”

"हे निंदित शैतान!" पहले एक स्वर्गदूत ने अंतिम नियम से एक श्लोक का हवाला देते हुए शैतान को डाँटा था। “तुम मानवजाति गंदी चीजें खाने जबरदस्ती नहीं कर सकते क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें आश्वासन दिया है उनके लिए हराम वही है जो अपने आप मर जाए, और खून, और सूअर का मांस, और जो भगवान के अलावा किसी अन्य का नाम में मारा गया है
: लेकिन यदि कोई मजबूर हो, और न ही उसकी चाहत हो और जानबूझ कर ज़ुल्म न करे , तो निःसंदेह अल्लाह क्षमा करने वाला दयालु है।"

शैतान अपनी आवाज़ में ज़हर भर कर बोला। “उन्हें जलाने और यातना देने के लिए नरक मैं उनके साथ रहूंगा, क्योंकि उन्हें मेरे कभी न ख़त्म होने वाले क्रोध से बचाने के लिए नरक में भगवान नहीं होंगे! मैं उन्हें जला दूँगा
उस आग से जिससे मैं बना हूँ। ओह, मुझे परवाह नहीं अगर मैं नरक में भी जाऊँ।मुझे अनंत काल तक कष्ट सहने से कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि यह मेरे लिए एक बेहतर भाग्य है ऐसी दुनिया में रहने से बेहतर है जहां

ईश्वर मनुष्य को मुझसे श्रेष्ठ समझता है। यदि मानव जाति को अधिक म्माननीय माना जाता है तो मेरे लिए तो स्वर्ग नर्क से भी बदतर होगा! स्वर्ग प्राप्त करने का प्रयास करने के बजाय, मैं प्रत्येक को नष्ट कर दूँगा और हर आदमी और औरत को मार डालूँगा और यातना दूंगा । तो फिर भगवान को अपनी सम्माननीय रचना देखने दें जो अपने आप को पाशविक पशुओं के समान अपवित्र और अपमानित करता है।”

"आह, लेकिन शापित शैतान!" स्वर्गदूतों ने भव्य पंक्तियों में मार्च करते हुए उपहासपूर्वक कहा “मनुष्य ईश्वर की प्रिय रचना है। निश्चित रूप से, भले ही वे मृत्यु के समय एक क्षण के लिए पश्चाताप करें, भगवान उन्हें माफ कर देंगे।"

"कभी नहीं!" शैतान चिल्लाया. “वे कभी भी उनकी मृत्यु का समय ईश्वर पर विश्वास नहीं करेंगे! मैं यह सुनिश्चित करूंगा ।उनके पूरे जीवन में वे मुझ पर ध्यान लगायेंगे और मृत्यु के समय में मैं याद दिलाने के लिए वहां रहूंगा की वे केवल मेरी शक्ति की पूजा करे और सर्वशक्तिमान ईश्वर को अस्वीकार करे। चूँकि उन्होंने अपने पूरे जीवन में, मेरी ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया होगा उनकी मृत्यु का समय निकट आयेगा,तब वे केवल मेरे बारे में सोचेंगे और मुझ पर विश्वास करेंगे।”

"लेकिन हम भी निकट रहेंगे," पवित्र स्वर्गदूतों ने अज़ाजेल को याद दिलाया, "और हम मनुष्यों को ईश्वर में विश्वास करने में तत्परता से सहायता करेंगे,
क्योंकि सचमुच हमारे रचयिता ने उन सब को क्षमा करने का वचन दिया है
जो पश्चाताप करते हैं।”

शैतान ने धुंधली आँखों से स्वर्गदूतों को क्रोध के साथ घूरा "नहीं!" वह चिल्लाया। “वे विकृत मनुष्य कभी तुम्हें नहीं सुनेगे। मैं उन्हें उनके जीवन

के हर दिन अपनी ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करवाऊंगा। और जब वे मुझसे शक्ति मांगेंगे, तो मैं सत्ता हासिल करने के लिए उन्हें घृणित पाप करने कहूँगा। मैं उन्हें उनकी मृत्यु का समय आने तक जंगली सूअरों के समान व्यभिचारी बना दूँगा और उनके पास क्षमा मांगने के लिए एक क्षण भी नहीं होगा। फिर उनके पाप में मरने के बाद मैं उन्हें नरक में नग्न देखूंगा जहा अपने पापों में जल रहे होंगे, क्योंकि मैं वहां अनंत काल तक मानव जाति पर अत्याचार करूँगा। सचमुच, नरक की आग में उन्हें मुझसे बचाने के लिए कोई भगवान नहीं होगा। ब्रह्माण्ड का निर्माता मेरे क्रोध से उनकी रक्षा के लिए उपस्थित नहीं होगा। मैं उन्हें लगातार आग लगाकर पीड़ा दूँगा, और फिर मैं ख़ुशी से देखता रहूँगा, कैसे वे नरक की आग में, दयनीय रूप से, अनंत काल तक जलते रहेंगे पीड़ा से छटपटा रहे होंगे और चिल्ला रहे होंगे।" जैसे उसने अपनी कार्यों का पूर्वाभ्यास किया, शैतान अधीरता से उत्तेजित हो गया, और वह आदम और उसकी पत्नी को नष्ट न कर पाने के लिए स्वयं को कोसते हुए, अपने ही सिर पर प्रहार किया।

शैतान क्रोध और शोक में, अपने आप में खोया हुआ था अपने दिमाग में, उसे वह घटना याद आ गई जिसके कारण उसे स्वर्ग में स्वप्नलोक जीवन से निर्वासित किया गया था । अंतिम नियम में , भगवान ने उस प्रकरण को सुनाया जिसमें शैतान ने आदम के सामने झुकने के उसके सीधे आदेश की अवज्ञा की।

फिर हमने फ़रिश्तों से कहा, "आदम को सज्दा करो" और एब्लिस को छोड़कर बाकी सभी ने सजदा किया (शैतान): वह सज्दा करने वालों में से नहीं था।

ख़ुदा ने उससे कहा, "तुम्हें सज्दा करने से किस चीज़ ने रोक दिया है?"

उस ने कहा, मैं उस से भी महान हूं; आप ने मुझे आग से उत्पन्न किया है
आप ने उसे मिट्टी से रचा है।"

उन्होंने (ईश्वर ने) कहा, "यहाँ से नीचे उतरो: स्वर्ग में तुम्हारे अभिमान के कोई जगह नहीं है: तो दूर हो जाओ; तू तुच्छ लोगों में से एक होगा।"

उन्होंने कहा, "मुझे उस दिन तक की मोहलत दो जब तक मानवजाति मृतकों में से जीवित न हो जाए।"

उन्होंने कहा, "तू राहत पाने वालों में से एक होगा।"

उसने (शैतान ने) कहा, "अब, आपने मुझसे ग़लती करवाई है, निश्चय आपके सीधे मार्ग में मैं उनके इंतजार में रहूंगा। तो फिर मैं उन पर आगे से, पीछे से, और उनके दाहिने हाथ से, और उनके बाएं हाथ से, आक्रमण करूँगा और उनमेसे ज्यादातर लोगो को आप शुक्रगुजार नहीं पाएंगे।"
उसने कहा, "हे तिरस्कृत, यहां से निकल जाओ! जो कोई उनमें से एक तेरे पीछे हो लेगा, मैं निश्चय तुझ से और उन सभी से जहन्नम को भर दूंगा। और, हे आदम तुम और तुम्हारी पत्नी स्वर्ग में रहो, और जहाँ से चाहो खाओ, परन्तु इस वृक्ष के निकट न जाओ, कहीं ऐसा न हो पाप करनेवालों में से बन जाओ।”

तब शैतान ने उन्हें फुसफुसाकर कहा , कि उन्हें अपना नंगापन दिखाओ, जो उन दोनों से छुपाया गया था. और उसने कहा था,”तुम्हारे रब ने तुम्हें वृक्ष से हराम कर दिया है, क्युकी ऐसा न हो कि तुम देवदूत बन जाओ या
, तुम अमर न हो जाओ।"

और उसने (शैतान ने) उन दोनों से शपथ खाई, "वास्तव में मैं तुम्हारे लिए वह हूँ जो उचित परामर्श देता है।"

सो उस ने उनको छल से भरमाया, और जब उन्होंने पेड़ का फल चखा, उनकी नग्नता उन्हें दिखाई दी, और वे बगीचे की पत्तियों को एक साथ जोडकर खुद को ढकने लगे। और उनके रब ने उन्हें पुकारा, "क्या मैंने तुम्हें इस पेड़ से मना नहीं किया था, और क्या मैं ने तुम से नहीं कहा, सचमुच शैतान तुम्हारा घोषित शत्रु है। "

उन्होंने कहा, "ऐ हमारे रब! हमने अपने साथ ज़ुल्म किया है।यदि तू हमें क्षमा न करे, और हम पर दया न करे, तो हम अवश्य नष्ट हो जाएंगे हैं।"

उस ने कहा, तुम जो एक दूसरे के शत्रु हो, नीचे उतर आओ; और तुम्हारा निवास पृथ्वी पर ही होगा, और एक निश्चित समय के लिए तुम्हारी जीविका भी इसी में होगी ।"

उसने कहा, "उसी पर तुम जीवित रहोगे, और उसी पर मरोगे, और उसी पर आधारित हो।"
क्या तुम्हें बाहर निकाला जाएगा? हे आदम के बच्चों! अब हमने भेज दिया है
उसने कहा, "उसी पर तुम जीवित रहोगे, और उसी पर मरोगे, और उसी पर आधारित हो।" हे आदम के बच्चों! अब हमने तुम्हारा नंगापन छिपाने के लिये शोभायमान वस्त्र भेज दिया है ; परन्तु धर्मपरायणता का वस्त्र-यह सर्वोत्तम है। ये एक परमेश्वर के चिन्ह है , जिन्हें मनुष्य ख़ुशी से प्रतिबिंबित कर सकता है।” (अंतिम वसीयतनामा, अध्याय ऊंचाई, श्लोक 11)

भगवान द्वारा शापित होने और स्वर्ग से निर्वासित होने के बाद, अज़ाज़ेल
क्रोध से उबल रहा था और उसके चिल्लाने से मुँह से झाग निकल रहा था, उसने देवदूत को सूचित किया कि वह आदम की विरासत नष्ट कर देगा
और उनकी जाति को अपवित्र कर देगा। शैतान सुंदर स्वर्ग के अंदर जाना चाहता था जहां स्वर्ग की भूमि को समृद्ध, उपजाऊ केसर की मिट्टी ने ढक लिया है और उसके निवासियों को अनन्त दीर्घायु और आराम का वादा किया गया था। वह उन सभी अच्छाइयों से भरपूर है जिनकी एक मन कल्पना कर सकता है पर अब, केवल आदम की रचना के साथ, उसने सब कुछ खो दिया था। वह यह सोचना बंद नहीं कर सका कि भगवान ने कैसे कैसे उसके स्थान पर आदम को चुनना उचित पाया। शैतान ने अपने ही बाल झटक लिये और चिल्लाया, "मेरा ईश्वर, मेरा सर्वज्ञ निर्माता, मेरे ऊपर वे भ्रष्ट पाशविक मनुष्य कैसे पसंद कर सकता है?! वह कैसे आदम के बेटे जो अपने सड़े हुए शरीर और विद्रोह के साथ घूमते है उन्हें सम्मान दे सकता? शापित हो वे घृणित मनुष्य दुष्ट जानवर अन्य समान घृणित प्राणियों के प्रति लालसा रखता है!"

ईश्वर जानते थे कि अज़ाजेल का मिशन मानवजाति सही रास्ते से भटकाना था , इसलिए उन्होंने अंतिम नियम के पन्नो में एक चेतावनी जोड़ी : "हे आदम के बच्चों! शैतान को तुम्हें संकट में डालने मत दो, जैसे उसने तुम्हारे माता-पिता को जन्नत से निकाल दिया उसने उन्हें उनके वस्त्रों से वंचित कर दिया उन्हें अपना नंगापन दिखाया: वह सचमुच तुम्हें देखता है, वह और उसके साथी, जहाँ से तुम उन्हें नहीं देखते। सचमुच, हमारे पास है शैतानों को उन लोगों का संरक्षक बना दिया जो विश्वास नहीं करते।" (अंतिम वसीयतनामा, अध्याय ऊंचाई, श्लोक 27)

स्वर्गदूतों ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया था और आदम के सामने विनम्रता दिखायी थी, लेकिन अज़ाज़ेल ने आदम के सामने विनम्र होने से इनकार कर दिया। उसने भगवान के निर्देशों की अवहेलना की और उसने उसे निर्वासन की सजा सुनाई । वह क्रोध से चिल्लाया, “मैं प्रतिज्ञा करता हूँ की हर मनुष्य से घोर पाप करवऊँगा और घृणित कार्य करवऊँगा। मैं उन घृणित मनुष्यों में से प्रत्येक को नष्ट करूँगा और उन्हें आध्यात्मिक चोरी में लिप्त सिखाऊंगा और सड़कों पर जंगली सूअर और लकड़बग्घा की तरह तांडव कराऊंगा । वे घृणित मनुष्य अपने अतृप्त वासना के साथ
ब्रह्माण्ड के सबसे घृणित प्राणी के रूप में व्यवहार करेगी और ईश्वर उनकी भ्रष्टता को देखेंगे और उनके पास कुछ विकल्प नहीं होगा इसके अलावा कि उन्हें अनन्त नरक में भेजा जाए, जहाँ आदम के बच्चों को मेरे साथ रहना होगा। ओह, मैं कैसे आनन्दित होऊँगा जब घिनौने इंसान मेरे साथ अँधेरे गड्ढे में शामिल होंगे । मैं इसे अब तक की सबसे गंदी जेल बना दूंगा।
कल्पना कीजिए कि मैं वहा उन्हें कितना प्रताड़ित करूंगा और उनकी गंदगी से भरे मैला शरीर को जला दूंगा । आह, जब मानव जाति का पतन होगा तो
वे व्यभिचार और वैवाहिक पाप में लिप्त हो जायेंगे और मेरी पूजा करेंगे,और
पूरे दिन मुझे लूसिफ़ेर बुलाएँगे! मैं यह कैसे स्वाद लेकर देखूंगा यहाँ तक कि अच्छे आदमी भी अंततः वासना की गुलामी में पड़ जाते हैं प्यार करता है और उग्र पागल और सबसे नीच प्राणी बन जाता है!"

एक बार आदम को देवदूतो की अनुशासित सेना द्वारा पृथ्वी पर ले जाया गया , वह दुःख के आगे झुक गया, और दुःख के संचित भार के नीचे डूब गया । अफ़सोस! द्वारा साथ उसे धोखा दिया गया और उसने निषिद्ध वृक्ष के फलों का स्वाद लिया। आदम और हव्वा के लिए यह

अप्रत्याशित लेकिन घातक परिणाम था , क्योंकि इससे उनके प्रभु की अप्रसन्नता अर्जित हुई ।
आदम ने तुरन्त क्षमा माँगी थी, और परमेश्वर ने अपनी ओर से उसे सरल आदेश को भूल जाने के लिए क्षमा किया। हालाँकि, वह अभी भी भगवान को निराश करने के कारण बहुत दुखी महसूस कर रहा था खासकर तब जब उसके निर्माता ने उसे भरपूर खुशी का उपहार दिया था और उसे सबसे अधिक खज़ानों का शानदार स्वर्ग निवासी बनाया था ।

अज़ाज़ेल को अब शैतान के रूप में जाना जाता था, और वह पूरी तरह से शैतान था और उसने आदम और उसकी संतान को नष्ट करने की कसम खाई। लेकिन आदम को धोखा देना मुश्किल था , इसलिए उसने आदम की संतानों का जीवन नष्ट करने का फैसला किया ।

स्वर्गदूतों को संबोधित करते हुए, शैतान ने गंभीर धमकियाँ दीं और धिक्कार के भयानक वादे किये “किसी भी मानव को बख्शा नहीं जाएगा," शैतान चिल्लाया। “मई उनका हौसला तोड़ दूँगा और उनके हृदय वासना और अभिलाषा से भरे हुए दिल नष्ट कर दूँगा। मैं कुछ पुरुष के दिल अपनी प्रेमिकाओं के झूठे प्यार के साथ तोड़ दूंगा, और कुछ पुरुष अपने प्रेमियों की अस्वीकृति या नफरत से नष्ट हो जायेंगे और दूसरों को मैं उनके प्रतिद्वंद्वी की शत्रुता से नष्ट कर दूंगा। कुछ लोगों को मैं उनकी महत्वाकांक्षा के साथ नष्ट कर दूंगा और कुछ को पैसे और कुछ नशे की चाहत से।”

स्वर्गदूतों ने तिरस्कार के साथ सुना और शैतान को यह याद दिलाया के मनुष्य बुद्धिमान प्राणी थे जो नैतिकता का प्रयोग करते थे अच्छा करने और बुराई से दूर रहने का तर्क करते थे । “नहीं, मैं उन्हें इंसान बने रहने नहीं दूँगा, मैं उन लंपट मनुष्यों को ऐसा सोचने पर मजबूर कर दूँगा उनके पिछले हिस्से को खाने में गर्व है, और हे वे बदबूदार कुत्ते कैसे होंगे अपने भाई के शरीर के निचले हिस्से को खाना अपनी शान समझते हैं।

वे लोग गंदगी खाने के अहंकार में कैसे व्यस्त होंगे, जब उनमें सम्माननीय भविष्यद्वक्ताओं का निर्माण हो रहा होगा, परन्तु वे पशुओं से भी बदतर हो जायेंगे । इनमें सभी महिलाएं शामिल जो वे मातृत्व की उपेक्षा करेंगी और सभी युवा लड़कियाँ भी भाईचारे को नजरअंदाज करेंगी और एक दूसरे के मलाशय को खाएंगी । ओह, मैं मुझे आशा है कि भगवान उन्हें ऐसी अपमानजनक स्थिति में देखने के बाद उनसे घृणा करेंगे। मैं हलेलुजाह कैसे चिल्लाऊंगा जब भगवान को उसकी रचना को ये घृणित कार्य करते हुए देखना पड़ेगा। मैं उन्हें दूसरों के पिछले गुप्तांग खाने को कहूँगा और बताऊंगा उनके लिए यह एक गौरवपूर्ण बात है। वो इंसान एक-दूसरे के गंध से भरे शरीर के अंगों का आनंद लेंगे और ऐसे बदबूदार निजी हिस्से खायेंगे अगर उन्होंने रुकने की कभी कोशिश भी की , मैं उन्हें याद दिलाऊंगा कि यह गौरव की बात है। मैं उन्हें अपने ही बच्चों को बहकाने कहूँगा , और उनके साथ दुर्व्यवहार करवाऊंगा। अनैतिक छेड़छाड़ करने वाले और महिलाओं का अपमान करने वालेउसकी सम्माननीय रचना को पागल सूअरों में बदलते हुए देखकर भगवान कैसे महसूस करेंगे । वो मूर्ख मंदबुद्धि मनुष्य फिर एक-दूसरे को अपवित्र करेंगे और इसे प्रेम कहेंगे। आह, मैं कैसे आशा करता हूं कि भगवान उनके बेशर्म कृत्यों को नजरअंदाज नहीं करेंगे । मैं चाहता हूं कि ईश्वर देखे कि आदम और उसके बच्चे कितने घिनौने है, और मैं कहूंगा: आदम के बेटे को देखो, जिनका आपने किसका सम्मान किया! उन पुरुषों को देखो जो शरीर के उन अंगों की पूजा करते है जिनका उपयोग किया शरीर के गंदे अपशिष्टों को हटाने किया जाता है , और वे तब तक हर किसी पर हमला करते है जब तक कोई भाई भाई न हो जाए। सचमुच, मैं एक-दूसरे को अपने ही मलमूत्र पीछा करने पर मजबूर कर दूँगा, और वे सूअरों और चूहों की तरह, उस गंदगी को स्वाद के साथ खाते हैं! ओह, मैं मनुष्यों को पीड़ा से कैसे नष्ट कर दूंगा जब तक कि हर एक मनुष्य जिसे परमेश्वर ने मुझ से अधिक पसन्द किया, पापी न हो जाए और अपने कर्मों में इतने नीच और बीमार हो जाये, ऐसे दिल जिन्हें भगवान इंसान बनाकर पछताता है।"

"तुम्हें ऐसे भयानक काम क्यों करने चाहिए?" देवदूतों ने पूछा, यह देखकर वे आश्चर्यचकित थे कि शैतान कितना क्रोधित था।

"भगवान् मेरे ऊपर दुर्गंध से भरे मनुष्य को कैसे पसंद कर सकते थे?" शैतान अचानक चिल्लाया, उसकी आँखो में पागल कर देने वाली चमक झलक रही थी। “ये गन्दे बदबूदार इंसान जो मल और गंदगी से भरे हुए हैं क्या मुझसे अधिक सम्माननीय हैं?! कभी नहीं! संसार में नहीं , और स्वर्ग और पृथ्वी के अस्तित्व में कभी नहीं! मनुष्य कभी भी मुझसे महान या अधिक सम्माननीय बन जाते हैं तो मेरी बेइज्जती होगी! मैं हर एक मनुष्य को जंगली सूअरों के समान पाप करने पर मजबूर कर दूंगा!”

“हे शैतान!” ऊँची प्रतिमा वाले स्वर्गदूतों ने प्रतिवाद किया। "तुम कैसे संभवतः लोगों को गुमराह करोगे? वह निश्चित मृत्यु होगी जो मानवजाति को याद दिलाएगी कि ईश्वर एक है जो उन्हें मृत्यु के बाद पुनः जीवन में वापस लाएगा!”

अज़ाज़ेल की आँखें गुस्से से चमक उठीं और वह चिल्लाया। “मैं मनुष्य को मुझ पर विश्वास करने के लिए और मेरी आराधना करने के लिए मना लूंगा। वे मृत्यु के विषय में भूल जायेंगे, और मैं उन्हें उन्हें अनन्त जीवन का वचन देकर मुझ पर ध्यान कराऊंगा । वे जितनी अधिक अपमानजनक हरकतें करेंगे, मैं उनके पुरस्कार बढ़ाऊँगा । मैं उनके मरे हुओं को जीवित कर दूँगा, और वे जितने अधिक लोगों को मारेंगे या अपंग करेंगे, मैं उतना ही अधिक उनकी मदद करने का दिखावा करूंगा।"

“कोई भी मनुष्य इतना मूर्ख नहीं होगा कि तुम्हारी तरह किसी नीच प्राणी की पूजा कर सके ," स्वर्गदूतों ने अज़ाज़ेल को फटकार लगाई।

"नहीं, भगवान की कसम!" शैतान चिल्लाया. “मैं मनुष्यों के पास ऊर्जा के रूप में जाऊँगा और उन्हें कुछ छोटी-छोटी तरकीबें सिखाऊँगा और उन्हें दूसरे लोगों के दिमाग को पढ़ने में मदद करूँगा जब वे मुझ पर ध्यान केंद्रित करेंगे और मेरी ऊर्जा पर ध्यान करेंगे और दिन-रात मुझे उनके उद्धारकर्ता लूसिफ़ेर के रूप में पुकारेंगे; मैं उन्हें बहलऊँगा और उन्हें अपनी शक्तियों पर विश्वास दिलाऊंगा, और फिर वे जानवरों की तरह व्यभिचार करेंगे और उनके पास मेरी आराधना करने के आलावा कोई विकल्प नहीं होगा ।”

आदम की रचना के कारण अज़ाज़ेल असुरक्षा से चिड़चिड़ी हो गया , लेकिन जब उसे, सभी स्वर्गदूतों के साथ, आदम के सामने झुकने का आदेश दिया गया था, उसे अपने शारीर में चारों ओर एक हिंसक क्रोध महसूस हुआ। तब परमेश्वर ने आदम को सभी चीज़ों के नाम सिखाये और देवदूत जो प्रकाश से बने थे और साथ ही छिपे हुए लोग जो आग से बनाए गए थे उनके ऊपर आदम की श्रेष्ठता प्रदर्शित की । हालाँकि, आदम को दिये गये अतिरिक्त स्थान से अज़ाज़ेल को दोगुना गुस्सा आया, और मिट्टी के एक प्राणी के सामने झुकने को कहा जानेसे उसकी ईर्ष्या और नफरत की आग में घी डालने का काम किया । मनुष्यों को एक-दूसरे की हत्या और नरसंहार के लिए उकसाना शैतान इससे अधिक कुछ नहीं चाहता था । उसकी केवल यही इच्छा थी कि मानवजाति पाप में फँस जाए और युद्ध की विभीषिका में नष्ट हो जायेंगे। पापी जीवन जीने का भय उनकी दैनिक गतिविधियों का पूरक होगा और उन्हें आदम के परमेश्वर के प्रति अपनी निष्ठा को तोड़ने सक्षम करेगा।

परमेश्वर ने आदम और हव्वा को स्वर्ग के सभी फल खाने की अनुमति दी थी , विशिष्ट निषिद्ध वृक्ष के फल को छोड़कर, और उनकी दृढ़ता की परीक्षा लेने के लिए, परमेश्वर ने आदम और उसकी पत्नी को बिना

किसी प्रतिबंधों के यूटोपियन निवास में स्वतंत्र रूप से घूमने के लिए अनुमति दी थी ।
शैतान ने इस अवसर का उपयोग बहकाने के लिए किया उसने ने संगीत बजाकर हव्वा की भावनाओं को जगाया और फिर उसने निषिद्ध वृक्ष के फलों के रस का उपयोग करने वाला नशीला पदार्थ बनाया। किण्वित रस पीने से, हव्वा उन्मादी हो गई और अपने पति को भी इसे पीने के लिए प्रोत्साहित किया।

जोड़े को स्वर्ग छोड़ने के लिए कहा गया और उन्हें स्वर्गदूतों द्वारा स्वर्गीय निवास से बाहर लेजाया गया।

जैसे ही आदम ने पृथ्वी पर अपनी शोकपूर्ण यात्रा शुरू की, उसके आँखों में घोर निराशा झलक रही है। हव्वा ने पति से बेहतर प्रदर्शन नहीं किया, और वह कई दिनों तक पहाड़ियों के चारों ओर ठोकरें खाती रही, और नम मैदानों पर मँडराती रही, उसकी चौड़ी आँखें आँसू से अंधी हो गईं। दुःख के कारण ऐसी थकान उत्पन्न हुई कि उसने बमुश्किल अपना वजन बरकरार रखा और अनंत आकाश की ओर शोकपूर्ण दृष्टि से देखा ।

स्वर्गदूतों ने आदम का दुःख देखा और उसे अंतिम वसीयतनामा के अध्याय आयरन के अंतिम छंद पढ़कर आश्वस्त किया : “हे तुम जो विश्वास करते हो! ईश्वर से डरो और उसके प्रेरित पर विश्वास करो : वह तुम्हें अपनी दया के दो हिस्से देगा। वह तुम्हें चलने के लिए रोशनी प्रदान करेगा, और वह तुम्हें माफ कर देगा: ईश्वर क्षमाशील, दयालु है! किताब वाले जानते हैं कि उनके किसी भी उपकार पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है , और यह कि अनुग्रह के ये उपहार भगवान के हाथों में हैं, और कि वह जिनको चाहता है उनको वचन देता है; क्योंकि परमेश्वर का अपार इनाम है।" (द फाइनल टेस्टामेंट, चैप्टर द आयरन)

जबकि आदम और हव्वा शर्म से रोये और भगवान से क्षमा मांगी शैतान ख़ुशी से उछल पड़ा। आदम ने खद्दों और खारियों को पार करने की कोशिश की उसके रस्ते में जंगलो ने बाधा डाली अव्यवस्थित जंगल ने उसके आगे बढ़ने में बाधा डाली।

आदम ने उसकी पत्नी को ढूंढने के लिए उत्सुकता से खेतों के चारों ओर दौड़ लगाई जो डर और अकेलापन से निराश हो गई होगी। अपने दुःख में उसने कुछ दोहे कहे:

"ओ प्रिये! ये कैसी चालें छुपा रखी है तुमने अपने अंदर,
कि तू दार्शनिकों को भी पाप करने के लिये उकसाता है,
और प्राचीन कवियों को अपने दावे पर विश्वास दिलाता है,
और उस झूठ को भूल जाओ जो तुम्हारा उद्देश्य था?
आप मनुष्य को कैसे विश्वास दिलाते हैं कि प्रेम स्थायी है,
कि वे बिना पूछे लूटने को तैयार हैं,
और स्त्रियों और शिशुओं को मार डालने और पीड़ा देने,
और इस झूठ को कायम रखने के लिए साथी आदमी को जलाने ?
इस झूठी भावना को लोहे के दस्ताने की तरह पहनना,
और प्यार नाम की इस अस्थायी चीज़ को बरकरार रखें?
जब मैंने प्यार किया, तो मेरे सबसे बुरे डर का एहसास हुआ,
मेरी आत्मा उदास थी, मेरा हृदय स्तब्ध था;
उस पुराने प्यार का कोई निशान नज़र नहीं आया,
न ही इसकी कोई आशा कि हम क्या होते!
विश्वासघात ने प्रेम के दर्शन को खारिज कर दिया,
मेरे मानवीय दुःख का मज़ाक उड़ाते हुए!"
आदम की माफ़ी

आदम के गले से वेदना की कड़वी चीखें निकलीं जब उसने अपने ईश्वर और निर्माता से प्रार्थना करना जारी रखा"मेरे गौरवशाली भगवान और

मालिक! केवल आपने ही मुझसे प्रेम किया था और मुझे स्वर्ग में सांत्वना प्रदान की थी, लेकिन मैंने गलती की है और वर्जित फल खाया है!”
उसकी आँखें आँसुओं से भर गईं और वह चिल्लाकर कहने लगा, “हे आकाश और पृथ्वी के निर्माता!मेरे आँसू केवल तुम्हारे लिए हैं! आपका स्वर्ग छोड़ने से मेरा हृदय पीड़ा और हृदयविदारक से व्यथित है। वास्तव में, भगवान, मैं केवल तुमसे प्यार करता हूँ और मैं उदासी और अकेलेपन से दुःख उठा रहा हूँ! अब से मैं आपके धर्मग्रन्थ और शब्दों की आज्ञाएँ सबकी बात मानूंगा!”

अपने दिल में, आदम को तबाही महसूस हुई। ओह, उसने ऐसा कैसे चाहा मृत्यु आँधी या हवा के रूप में आये और उसे स्वर्ग में ले जाये और समृद्ध और शांतिपूर्ण के भगवा रंग से ढके मैदान के बीच में धीरे से लिटा दे! नहीं, ऐसा नहीं होना था! इस जीवन के दुःख से कोई छुटकारा नहीं था! "मेरे निर्माता!" वह करुण स्वर से रोया. “मैंने गलती की है! आपने मुझे मेरे ही पाप के कारण, कष्ट दिया था और अब मई आपसे पश्चाताप करता हु!”

भारी आह भरते हुए, आदम पहाड़ियों और घाटियों के चारों ओर दौड़ा एक दोहा पढ़ा और भगवान से उसे माफ करने की भीख मांगी।

“मैं फिर कभी तेरी अवज्ञा नहीं करूँगा,
मैं बदनामी की ओर कभी नहीं लौटूंगा!
मैं अपने पाप के लिए पश्चाताप करता हूँ, और प्रार्थना में रोता हूँ,
हे भगवान, मुझे माफ कर दो और मेरा डर कम करो,
क्योंकि मुझे न तो खुशी है और न ही स्वर्ग पाने की परवाह है,
न तो प्रतिफल और न ही आशा मुझे प्राप्त होनी चाहिए,
हे मेरे पापी सिर से अपना क्रोध दूर करो,
और इसके बदले मुझे मृतकों की भूमि पर ले चलो!”

आदम ने नम्र स्वर में अपने निर्माता से कहा, “वास्तव में, मैं आपके आदेश का सम्मान करना भूल गया, लेकिन मैंने कभी ईश्वरीय आदेश की अवहेलना करने इरादा नहीं किया था ना ही मई आपका तिरस्कार करता हूँ, न ही मैं घृणा आप से करता हूँ! हे भगवान! यकीन मानिए मैंने कभी शैतान की तरह बगावत नहीं की! मैं कभी भी शैतान की तरह आपके साथ युद्ध या शत्रुता की घोषणा नहीं करूंगा जैसे उसने किया था जब आपने उसे स्वर्ग से निकाल दिया था! रब्बा बे! यह एक मूर्खता थी मेरे अपने मूर्ख मन की , जिसने मुझे वर्जित वृक्ष का फल खाने पर मजबूर किया! यदि मैं जानता कि आप मुझे आपके स्वर्ग से दूर स्वर्ग भेज देंगे, तो मैं अत्यधिक सतर्क होता और पश्चाताप करता!” आदम सोचा कि क्या कभी किसी इंसान या देवदूत ने उससे भी बड़ा दुःख महसूस किया। वास्तव में, प्राचीन स्वर्ग से दूर भेजे जाने से और गंदी धरती पर रखा जाने से जो गंदगी और फफूंद से ढकी हुइ थी इससे अधिक दर्दनाक क्या हो सकता है? वहाँ उसके लिये राहत नहीं थी , और ठंडे पहाड़ और जंगली पेड़ निराशाजनक और रक्तरंजित लग रहे थे!

सचमुच, आदम का हृदय कोमल था और वह अब मानवीय भावनाओं और करुणा के साथ अभिभूत हो गया था! ठंडी तेज़ हवा उसे काट रही थी
जब वह फूट-फूट कर रोने लगा। उसने ऊँचे गर्वित वृक्षों को शोक से देखा और देखा कि उनकी पत्तियाँ तूफ़ान से टुकड़े-टुकड़े हो रही थी। टूटी हुई टहनियाँ पत्तों से बिखरी ज़मीन गिर गयी, हवा से पराजित जंगल के वृक्ष अशुभ रूप से ऐंठने लगे, परन्तु आदम अभी भी उदास था और हवा के हर झोंके के साथ उसे केवल अपना दुःख बढ़ता हुआ महसूस हो रहा था।

ओह, आदम कैसे रोया, और रोते हुए अपने परमेश्वर से प्रार्थना की, "ओह,
मेरे हृदय के स्वामी, जिसके विरूद्ध मैंने पाप किया था! मुझे नहीं पता

अगर आप मुझसे नाराज़ हो तो कैसे बचा जाये! ओह, मैं सौ बार मर जाऊंगा
, और आपको क्रोधित करने के बजाय असामान्य रूप से दोबारा कष्ट सहूंगा! हे मेरे सम्माननीय भगवान, मुझे आपसे प्यार पाने के लिए पाप रहित और सम्माननीय होना चाहिए! मैं फिर कभी आपको निराश नहीं करूँगा या आपकी नाराजगी अर्जित करूँगा! ओ मुझे यहाँ देर तक मत रुकने दो और मुझे भटकने से रोको!"

आदम को वे ऐतिहासिक घड़ियाँ याद आईं जब उसके ईश्वर ने उसे मिट्टी से बनाया था , और उसमें जीवन फूंक दिया था। उसने याद किया अंधेरे में स्वर्गदूतों की टोलियों को ध्यान से खड़ा देखना उनके बीच में जला हुआ चेहरा वाला आदमी खड़ा था। बाद में उसे पता चला वह मुड़े हुए चेहरे वाला छोटा काला प्राणी और कोई नहीं सभी देवदूतो का नेता और शिक्षक अज़ाज़ेल था ।

आदम को बनाने के तुरंत बाद, परमेश्वर ने स्वर्गदूतों की परीक्षा लेने का निर्णय लिया वे सभी जो अपने-अपने पंथ में थे, और उसने उन्हें निर्देश दिया साँस लेने वाले पहले मानव के प्रति प्रकट विनम्रता व्यक्त करें। भगवान के इरादे को जानने के बाद, अज़ाज़ेल जल्दी से वहाँ गया स्वर्गदूतों को उसने परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करने का आदेश दिया, परन्तु देवदूतों ने सीधे मना कर दिया । उन्होंने निष्ठा की शपथ ली, सबसे पहले प्रभु और निर्माता के लिए।

जैसे ही स्वर्ग से आदेश आया, सब देवदूत विनम्रतापूर्वक घुटनों के बल गिर पड़े और आदम के प्रति निष्ठा और भक्ति व्यक्त की। हालाँकि, अज़ाज़ेल को यह बर्दाश्त नहीं हुआ। उसने इसे अपने रुतबे का अपमान माना । भगवान कैसे उसे एक काले और मजबूत प्राणी के सामने उसे झुकने को कह सकते है, जो सादा और मूर्ख लग रहा था? आदम उसे प्रभावहीन लगा और अज़ाजेल को उसके उग्र हृदय में नफरत बढती

महसूस हुई । वह अपने जीवन में पहली बार अपने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानेगा। जैसे ही सभी को आदेश दिया गया आदम के प्रति नम्रता दिखाओ, शैतान गुस्से में दहाड़ उठा। उसने उसके चेहरे पर कटु क्रोध से प्रहार करना शुरू किया और क्रोध से स्वर्गदूतों को घृणा से घूरा ।

आदम अभी भी एक कलाहीन दिमाग वाला एक नया इंसान था उसके चेहरे पर दूरगामी भाव थे । उसके आसपास क्या हो रहा था उसे इसकी बहुत कम जानकारी थी ।

ब्रह्मांड के निर्माता ने प्रत्यक्ष आदेश का इनकार करने के लिए अज़ाज़ेल की निंदा की , और स्वर्गदूतों के नेता के रूप में तत्काल प्रभाव से उसे हटाया गया। जिस क्षण भगवान ने अज़ाज़ेल को स्वर्ग छोड़ने के लिए आदेश दिया था, उसके दिल में गुस्सा भर गया। वह स्वयं अलंकृत पीड़ा में जमीन पर गिर पड़ा उसकी मुट्ठियों पर जोर से सिर पर वार करने लगी। उसने आदम से बदला लेने की कसम खाई और यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करने का वादा किया जिससे आदम को स्वर्ग से निकाल दिया जाये ।

जोर से चिल्लाते हुए, शैतान ने स्वर्गदूतों को दिखाया और आदम को नष्ट करने का वादा किया “वास्तव में, आदम के पास अधिकतम मानव बुद्धि स्तर था, जबकि उनकी आराध्य पत्नी को स्त्री पूर्णता और प्राकृतिक सौन्दर्य का आशीर्वाद दिया गया था , और भगवान ने उन्हें स्वर्ग में रहने दिया, जबकि मुझे अंततः पृथ्वी पर रहने का कष्ट मिला अब, मैं उनसे सर्वश्रेष्ठ बनूँगा! मैं पापरहित व्यक्ति, और जघन्य मनुष्य पापी होगे! वे कत्ल करेंगे! वे बलात्कारी होंगे! वे हत्यारे होंगे! वे विध्वंसक और लूटनेवाले होंगे
वे नरक में जायेंगे! वे सब नरक में जलेंगे कभी भी परमेश्वर के प्रेम और सम्मान से पुरस्कृत नही होंगे जिसके साथ उन्हें बनाया था। सचमुच, उन अपवित्र मनुष्य को कभी भी मेरे ऊपर प्राथमिकता नहीं दी जाएगी! मैं

किसी भी मनुष्य को मेरी दुनिया रहने की और सम्मानित होने अनुमति नहीं दूँगा! यदि आदम का एक भी पुत्र ईश्वर में विश्वास करके मर जाता है या स्वर्ग में प्रवेश करता है तो धिक्कार है मुझपर!

अज़ाज़ेल की यह नाराज़गी सुनकर स्वर्गदूत चौंक गए, जो उस सुबह तक उनके स्वयं के नेता और शिक्षक थे। यह पवित्र अग्नि-प्राणी, जो लगातार अस्सी-हजार वर्षों तक ईश्वर की आराधना करता था , कैसे अचानक ऐसा दुष्ट हो गया और उसी देवता पर ऐसे प्रतिशोध की योजना बना रहा है जिसने उसे बनाया, कायम रखा और सम्मानित किया? देवदूत स्तब्ध होकर एक-दूसरे की ओर चिंता करते हुए देखने लगे।

इस बीच, शैतान जोर-जोर से चिल्लाता रहा। "यदि एक भी मनुष्य अपने पापों से पश्चाताप करके मर जाए तो जानवर मेरे शरीर को टुकड़े-टुकड़े कर दे और पृथ्वी के गर्भ से आग मुझे जला डाले! किसी भी इंसान को न्यायी रहने नहीं दिया जाएगा! मैं किसी भी इंसान को इसकी इजाज़त नहीं दूँगा
की भगवान के धर्म का पालन करें। मैं किसी भी इंसान को इसकी इजाजत कभी नहीं दूंगा की वे महान बनें! कोई भी इंसान मुझसे बेहतर नहीं होगा! कोई भी व्यक्ति मुझ से महान नहीं होगा! मैं उन्हें नष्ट कर दूंगा! मैं उन्हें जला दूँगा! मैं उन्हें मार डालूँगा! मैं उन्हें दुष्ट बना दूंगा! मैं उन्हें नीच बना दूँगा! मैं उन्हें घृणित बना दूंगा! मैं उन्हें जानवरों से भी ज्यादा और भी बदतर बना दूँगा! मैं उन्हें राक्षस और जानवर बना दूंगा! मैं उन सब के लिये अनंतकाल अपनी घृणा और अपना क्रोध उन पर डालूंगा! मैं भगवान को दिखाऊंगा कि उसने क्या किया है! उन्हें आदम को बनाने के लिए अपनी गलती स्वीकार करनी होगी! मैं उनसे कहलाऊंगा कि यह एक गलती थी। मैं उसे आदम और आदम के बेटे से ज्यादा मुझे पसंद करने पर मजबूर कर दूँगा। मानवजाति दयनीय रूप से पुरातात्विक और भ्रष्ट है। उनमें कोई अंतर्निहित जन्मजात गुण नहीं है जो उन्हें मुझसे बेहतर बनाते हैं। आदम और उसके बच्चों में कोई

जन्मजात गुण नहीं हैं जो मुझसे श्रेष्ठ हों । मैं ही महान हूं क्योंकि मेरी रगों में धुआं रहित आग दौड़ती है। मनुष्य अंततः समझ जायेंगे कि मैं उनसे बेहतर हूं और वे मेरी पूजा करेंगे और भगवान के बजाय मेरी बात मानेंगे!

लंबे दो पंखों वाले स्वर्गदूतों में से एक ने आवाज उठाई और कहा,“नहीं, हे शैतान! हम आदम में बुद्धिमत्ता के चिह्न पाते हैं। वास्तव में,तुम मनुष्यों में ऐसे लोग नहीं पाओगे जो इतने स्पष्ट होंगे की तुम्हारे प्रति वफादार होंगे या तुम्हारे शब्दों पर विश्वास करेंगे! वे पाप, वासना आदि के गुलाम बनने के लिए सहमत नहीं होंगे!"

“तुम मूर्ख देवदूत!” शैतान चिल्लाया. “इतने लंबे समय तक मेरे शिष्य रहकर भी तुमने कुछ नहीं सिखा! क्या आप घृणित मनुष्य के बारे में कुछ नहीं जानते? क्या आप नहीं जानते कि वे कितने मूर्ख हैं और कीड़ों से भरे दिमागवाले हैं? वे विलासिता के आदी होंगे और आराम और एक बार मैं उन्हें शराब, संगीत और यौन गतिविधियो का आदी बना देता हूं , अधिक लाभ पाने के लिए वे वह बीमार और भ्रष्ट कुछ भी करने को सहमत होंगे।
जब वे मंदबुद्धि इंसान प्यार में पड़ जायेंगे धन और वासना की गुलामी करेंगे, वे कठोर दिलवाले हो जाएंगे! उनका अहंकार और वासना उन्हें इतना क्रूर बना देगी, उनके हृदय इस हद तक कठोर हो जायेंगे कि वे ईश्वर और उसकी भलाई से नफरत करेंगे, और केवल अवैध कार्यों से प्यार करेंगे, आनंद लेंगे केवल बीमारी, और परजीवी और गंदे मानव मांस की पूजा करेंगे! क्या तुम नहीं जानते, हे स्वर्गदूतों, कि एक बार जब वे पाप करते हैं तो मनुष्य की आत्मा सड़ जाती है, और एक बार वे अपना हृदय नफरत करते हुए खो देते हैं, वे उस गिद्ध के समान हो जाते हैं जो केवल सड़े हुए और बदबूदार लाश की तरह हो जाते है ? जंगली गिद्धों के समान वे पापी मनुष्य हर अच्छाई से पीछे हट जायेंगे और सबसे प्यारे और दयालु भगवान का विद्रोह करेंगे! वे इतना बुरा होने के लिए

अपने आप से नफरत करेंगे, और जो भी धर्मी बने रहने की कोशिश करेगा उससे ईर्ष्या करेगा, और जब यह क्रोध और आत्म-घृणा हावी हो जाती है तब वे सूअरों और जंगली कुत्तों के समान घृणित हो जाएँगे!”

"नहीं," स्वर्गदूतों में से एक ने तेजी से कहा। “मनुष्य मूर्ख नहीं हैं, और उनकी समझ पृथ्वी पर भी बरकरार रहेगी, और वे तुम्हारे शब्दों से प्रभावित नहीं होंगे!”

"आह, तुम भूल गए, हे स्वर्गदूतों, कि मैं शराब और अल्कोहल का उपयोग उन बदबूदार इंसानों पर नियंत्रण रखने के लिए करूंगा।” इसी बीच शैतान अपनी योजनाओं से उत्साहित बन गया, और अपनी शैतानी शिष्य पर प्रसन्न हो गया “मैं उन कीड़े-मकौड़े इंसानों को खूब शराब पीने के लिए उकसाऊंगा
ताकि उनका स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त रह सके। मैं गर्भवती माताओं को शराब और बीयर पीने के लिए प्रोत्साहित करूंगा , ताकि उनके शिशु समय से पहले मृत्यु और विकलांगता का शिकार हो जाएं । शराब से संबंधित ब्लैकआउट बहुत आम हैं, और वे लोगों की गोबर से भरी यादों में रिक्त स्थान बनाते हैं, जिसका मतलब है कि मैं खुशी-खुशी उन्हें नशे की लत लगा सकता हूं और वे भगवान की दिव्य आज्ञाओं के बारे में भूल जाते हैं! वे शराब, बीयर और अल्कोहल तब तक पियेंगे जब तक कि वे सभी छोटी बड़ी यादे ना भूल जाये और जानवरों की तरह मंदबुद्धि न हो जाये।”

स्वर्गदूतों ने शैतान को शराब और अन्य सभी नशीले पदार्थ को मानव जाति के लिए वर्जित करने की याद दिलायी, और उन्होंने अपना कहना साबित करने के लिए अंतिम नियम से कविता का पाठ किया गया। “हे विश्वास करने वालो! नशा, जुआ, मूर्तियाँ और चित्रकारी, निर्णयों के लिए पर्ची सभी शैतान की बुरी करतूत हैं। तो, इनसे दूर रहो ताकि तुम सफल हो सको।” (अंतिम नियम, 5:90) अंतिम नियम में, भगवान ने मानव

जाति को सूचित किया कि यह था शराब जैसे नशीले पदार्थों से खुद को दूर रखना जरूरी है
या कोई मादक उत्पाद जो दिमाग को नशा देता है, क्योंकि सचमुच, यह सभी बुराइयों की जड़ है।

शैतान ख़ुशी से चिल्लाया। “मैं उन्हें शराब का इतनी बुरी तरह से आदी बना दूँगा कि अगर वे छोड़ने की कोशिश करें तो उन्हें भयानक निराशा महसूस होगी और वे भावनात्मक पीड़ा से पीड़ित। वो कुरूप और बदबूदार इंसानों को डिस्फोरिया, चिड़चिड़ापन आदि का अनुभव होगा अगर वे नशीला पदार्थ पीना बंद करने की कोशिश करते हैं तो उनकी चिंता बढ़ जाएगी। जल्द ही, बेहतर महसूस करने के लिए, वे लालची मनुष्य नशीले पदार्थों के सोच में व्यस्त हो जायेंगे और सोचेंगे की इसका अधिक सेवन कैसे करें।"

शैतान की नज़र एक हृदयहीन जानवर की तरह थी, छोटे कद के साथ गोल आँखें जो कुछ हद तक निराशावादी ढंग से विशाल ब्रह्मांड की बाहर की ओर देखती थीं और स्वर्गदूतों पर चिल्लाया “ये लालची मनुष्य शराब खरीदने दूसरों की हत्या करने और धन चुराने का सहारा लेंगे, और कुछ लोग अधिक नशीला पदार्थ प्राप्त करने के लिए अपना शरीर बेचना शुरू कर देंगे। अंततः, प्रीफ्रंटल उनके मस्तिष्क का कॉर्टेक्स जो सभी कार्यकारी कार्यों को नियंत्रित करता है उन्हें सोचने की क्षमता पूर्ण रूप से प्रदान करता है तब तक क्षतिग्रस्त किया जाएगा जब तक कि आदम के शापित पुत्र और अधिक जंगली सूअर जो जंगलों में घूमते हैं वैसे बन जाये। मैं वंचित और कमजोर आबादी को अधिक शराब पिने मजबूर करूँगा ताकि वे उन्हें धर्म भगवान, और के प्रति अप्रभावी बने शक्तिशाली नशीला पदार्थ और क्योंकि वे शराब से संबंधित मौतों की उच्च दर से होंगे, मुझे यकीन है कि वे अविश्वास करेंगे, कोसेंगे और उसी परमेश्वर के नाम को अपवित्र करना जिसने उन्हें बनाया और प्रेम किया!"

शैतान कई दिनों तक चीखता-चिल्लाता रहा, लेकिन देवदूत पहले से ही व्यस्त थे। परमेश्वर ने आदम को आदेश दिया था स्वर्ग में निवास करना और स्वर्ग से सबसे सुशोभित स्थानों में से एक में रहना चाहिए। देवदूत उसका हाथ पकड़कर उसे स्वर्ग के विलासिता में ले गए जहा हरे साटन के साथ, सुसज्जित महलनुमा निवास पर्दे और चाँदी के दर्पण और भगवा कालीन थे।

उन्हें महलनुमा मैदान में ले जाया गया और उनका क्वार्टर दिखाया गया। हे
शानदार घर देखकर वह कितना खुश हुआ! वह बाहें फैलाकर आगे-पीछे उछला और सारा दिन स्वर्ग के चारों ओर घूमता रहा, जब तक कि वह थक नहीं गया । आदम लेट गया ज़मीन पर और एक बच्चे की तरह गहरी झपकी ली यह देखकर स्वर्गदूतों को आश्चर्य हुआ और सदमाँ लगा। वह
अक्सर आदम को फूलों की क्यारियों में लेटा हुआ देखकर खुशी होती थी, नींद में जोर-जोर से खर्राटे लेता रहता था। जैसे ही उन्होंने उसे देखा, वह जाग गया। आदम ने अपना सिर उठाया और स्वर्गदूतों को देखकर असीम दयालुता से मुस्कुराया कि वे उससे प्रेम करने के अलावा कुछ नहीं कर सके, लेकिन उसके साथ पौधे, जानवरों, के बारे में बात करते हुए घंटों बिताना
पक्षियों या यहां तक कि उसे उत्तम व्यंजनों के स्वाद का वर्णन करना स्वर्गदूतों को यह पसंद नहीं आया और इसलिए वे आम तौर पर इससे बचते रहे। ओह, आदम कैसे चाहता था कि उसके पास पूर्ण सुख की परमानंद को साझा करने के लिए कोई हो ।

आदम रेशमी मुलायम तकियों के सामने बैठ गया दिन के दौरान विभिन्न फल और खाना खाया । शाम को वह स्वतंत्र रूप से अपने स्वर्ग के चारों ओर घूमता रहा , समृद्ध ब्रोकेड हैंगिंग और फैशनेबल झूमर वाले

ग्लैमरस कमरे की सजावट का अध्ययन करता रहता । सचमुच, वह उसके पास नौकाओं और गाड़ियों का बेड़ा पूरा पाकर दंग रह गया ।
दिव्य चालक
उसे स्वर्ग के सबसे दूर के छोर तक ले जाने की उम्मीद में ध्यान से खड़ा था , लेकिन आदम को अपने वाहन की कमान स्वयं चलाने में आनंद आया
और समय-समय पर सहयात्री यात्रा की।

अब से स्वर्ग ही उसका घर था! उसके चारों ओर, वहाँ पके फल, चमचमाते पानी के फव्वारे और स्वादिष्ट खाना था। ताजे पानी की मीठी बहती धारा को आदम ने दिल खोलकर पिया और हमेशा फैली हुई मेज से दुर्लभ व्यंजन चखे। उसने अपनी भूख शांत की और उसे ऐसी अकल्पनीय विलासिता प्रदान करने के लिए अपने प्रभु को धन्यवाद दिया । उन्होंने अपने बैठने के कमरे में अच्छा समय बिताया । यह एक चमकीला चिन्टज़ी हॉल था, साथ में
कई रेशमी सोफे और सोने से जड़े विस्तृत झूमर जिसमे चाँदी की नक्काशी थी। उसने अध्ययनरत उदासीनता से विलासितापूर्ण वस्तुओं को ध्यान से देखा और धीरे-धीरे चारों स्वर्ग के हॉल.. के ओर चला गया।

उस पंखों वाले दूत के लिए जो स्वर्ग में स्वतंत्र रूप से घूमता थे, वास्तविक आदम बड़प्पन और संवेदनशीलता का सबसे विचित्र मिश्रण था। आदम एक ऐसा व्यक्ति था जिसे अकेला रहना पसंद नहीं था । इससे पहले स्वर्गदूत मनुष्यों के साथ व्यवहार करने के आदी नहीं थे और उनकी अपनी संस्कृति इस छोटे मनुष्य से नाटकीय रूप से भिन्न थी । उनकी हास्यहीनता गहरी जड़ों वाली थी और उन्हें मठवासी जीवन की अनुशासित एकरसता आदम जैसे भावुक प्राणी के साथ समय बिताने की तुलना में अधिक पसंद थी । उसके रगों में नश्वर कमज़ोरियाँ के साथ मानवीय महानता थी जैसा स्वर्गदूतों ने कभी देखा नहीं था । उसे अकेले रहने और खाने से घृणा थी,

लेकिन उसके पास बात करने के लिए कोई दोस्त नहीं था। आदम ने स्वर्ग में रहने वाले स्वर्गदूतों से मित्रता करने की उत्सुकता से कोशिश की। वह बच्चे की तरह मुस्कुराया और उसकी बांहों के नीचे एक या दो ताजे फल रखे हुए बेतरतीब पंखों वाली मंत्री आत्माओं के पास पहुंचा और हाथ हिलाया। अकेले रहने से ज्यदा आदम को और किसी चीज से इतनी घृणा नहीं थी और पर उसके देवदूत साथियों ने न तो भोजन के प्रति उसके उत्साह को साझा किया और न ही बातचीत।

वास्तव में, स्वर्गदूतों ने कभी किसी मनुष्य को इतनी बातचीत की भूख और हास्य की गहरी समझ, और छोटी से छोटी चीजो के प्रति भी ऐसी संवेदनशीलता में नहीं देखा। जब आदम अंततः शैतान की चालाकी के आगे झुक गया निषिद्ध वृक्ष का एक फल खाया, भगवान ने स्वर्गदूतों को निर्देश दिया उसे उचित सम्मान के साथ और धीरे से स्वर्ग से बाहर ले जाना
उसे पृथ्वी ग्रह पर स्थापित करें।

स्वर्गदूतों ने तुरंत परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया, लेकिन आदम को रोते और आसू बहते देख उन्हें एक दुःख एहसास हुआ। वास्तव में, उन्होंने इसे अपने अनुशासित हृदयों में उस पहले मानव के लिए खेद महसूस किया
जिसने उनके साथ स्वर्ग साझा किया था और जो उत्सुकता से उनका साथ चाहते था।

जब आदम को पृथ्वी पर ले जाया जा रहा था तो वह बहुत रोया, और पंखों वाले देवदूतों ने उसे पेशेवर तरीके से सांत्वना दी और उसे बिदाई में सलाह के कुछ शब्द दिए “द्विघात का परिणाम संगीत सुनना घातक है, हे आदम, इसलिए भगवान ने आपको और आपके बच्चों को सभी तरह के पवन और तार वाले वाद्ययंत्रों को सुनने से बचने के लिए कहा है । यह संगीत ही था जिसकी वजह से शैतान आपकी ईमानदारी को बरगलाने

और गुमराह करने में सक्षम हुआ जिसकी वजह से तुम्हारी पत्नी हव्वा ने तुम्हे निषिद्ध वृक्ष के फल का किण्वित रस पीने के लिए राजी किया। संगीत सुनने के बाद, शैतान हव्वा के दिल को भावनात्मक रूप से तोड़ने में सक्षम था, और उसने उसे समझाया कि जिस वृक्ष को ईश्वर ने तुम्हारे लिये हराम बनाया है उसमे जीवन का अमृत समाहित था। उसने अज़ाज़ेल के झूठ पर विश्वास किया और इसलिए निषिद्ध तरल पदार्थ पी लिया और आपको इसी तरह करने के लिए मना लिया।"

आदम ने मासूमियत से कहा, "मुझे नहीं पता था कि संगीत इतना खतरनाक है।" उसका गोल शरीर अभी भी सिसकियो से समय-समय पर झटके खा रहा था।

फ़रिश्तों ने ज़ोर से सिर हिलाया। “वास्तव में, संगीत मानव हृदय को सम्मोहित कर देता है और एक अत्यधिक नशे की लत उत्तेजक के रूप में कार्य करता है। उनके कमजोर मानव मन को हत्या, आत्महत्या के लिए प्रेरित करता है, और यहां तक कि बिना सोचे-समझे पीड़ितों पर यौन हमले भी करते हैं। शैतान को इस प्रतिकूल प्रभाव के बारे में पता है, और वह
इसका अधिकतम उपयोग करेंगा , लेकिन यह जान लें कि जो लोग संगीत सुनते हैं मरे हुए दिल वाले लाश की तरह बन जाते है, और बुढ़ापे में,
वे सभी मनोभ्रंश जैसी पुरानी बीमारियों से पीड़ित होंगे अन्य गंभीर समस्याओं का अनुभव करेंगे। उनके पास न केवल सीखने और स्मृति संबंधी समस्याएं होंगी, बल्कि जो संगीत या अश्लील धुनें सुनने के आदी हैं उनका
मानसिक स्वास्थ्य खराब होगा और चिंता सहित समस्याएं होंगी और वे अनैतिक जानवर बन जायेंगे। कुछ लोग सोच सकते हैं कि संगीत एक शक्तिशाली एम्फ़ैटेमिन का कार्य करता है लेकिन दिल का दर्द ठीक करने के बजाय, संगीत एकाग्रता और कारण में अधिक समस्याएँ पैदा करेगा।

श्रोता को कल्पना और हकीकत के बीच अंतर समझने में बड़ी कठिनाई होती है।
विकृत नोट जो मनुष्य को वास्तविकता का विकृत दृष्टिकोण देंगे, जिससे अत्यधिक व्याकुलता, घबराहट और भ्रम पैदा होता है। संगीत या शराब में कोई अच्छा नहीं होगा , इसलिए इनसे सख्ती से बचें।"

पृथ्वी पर पहुंचने पर, आदम के ताज़ा आँसु निकल आये जब अंततः उसका रोना कम हुआ, तो उसने क्षमा प्रार्थना करना जारी रखा ।“हे मेरे पालनहार! मेरा दिल और आत्मा दुख से टूट गया हैं , और मेरी सारी खुशियां छिन गई हैं! मैंने आपके साथ बहुत ही गंभीर रूप से विश्वासघात किया है और आपको असफल किया है और अब भी मै प्रेमहीन और अकेला हु ! मुझे धोखा देने के लिए मैं शैतान को दोषी नहीं ठहराता। मेरे साथ जबरदस्ती करने के लिए मेरी पत्नी को दोष मत दो! इस पाप के लिए मैं अपने अलावा किसी और को दोष नहीं देता , और मैं आपसे क्षमा चाहता हूँ!”

"हे भगवान!" आदम नये जोश से चिल्लाया। सूरज पहाड़ियों के पीछे स्थापित था, और आदम शाम का आराम करने के लिए चला गया, लेकिन उसके चेहरे पर एक उदासी छाई थी जो वसंत की धूप या तेज़ शरद ऋतु की हवाओ से मिटाइ नहीं जा सकती थी । “मैंने पाप किया है और मैं इस इस ठंडी दुनिया में रहने के दंड का पात्र हूँ! मैंने तुम्हें धोखा दिया और आप मुझे अत्यंत उत्साह से प्रेम करते थे , और मुझे स्वर्गदूतों और छुपे हुए लोग से भी ऊपर सम्मानित किया!” इस प्रार्थना को बोलने पर, आदम को
उसके हृदय में स्नेह महसूस हुआ, और उसे अनुभव हुआ कि उसका रचयिता
उससे कभी घृणा नही करेगा, क्योंकि वह जानता होगा कि आदम केवल उसके निर्माता, भगवान और राजा के लिए प्रेम रखता है!

इसके बाद आदम ने ईश्वर की दया की मांग करते हुए एक दोहा कहा:
"यदि मेरा विनाश और नियति ही होगी,
तब मैं वहां अनन्तकाल तक आनन्द मनाऊंगा,
यह जानकर कि तूने मेरा अपराध क्षमा कर दिया है,
और मेरी नज़रों से ये अँधेरा मिटा दिया!
क्या मैं भी गलती करूं और अपने दिन पाप करते हुए गुजारूं,
या ग़लतफ़हमी में प्रलोभन में पड़ जाउ,
भले ही मेरे पाप पेड़ के पत्तों की तरह हों,
और मेरी मूर्खताओं के लिए, मुझे कितना दोषी ठहराया जाना चाहिए फिर भी भगवान और मेरा एकमात्र पालनकर्ता,
और मुझे कभी उदास या अकेला नहीं छोड़ेंगे!
केवल दुःख के आँसू और दुःख के शब्द,
खामोश तीर की तरह मेरे दिल में चुभते है;
हे तू जिसके पास स्वर्ग का गलियारा है,
अगर मैं कभी मुस्कुराऊं तो मेरे होंठ नष्ट हो जाएं,
या यदि पछतावे की प्रार्थनाएँ आना बंद हो जाएँ,
फिर मेरा विनाश हो जाये और मुझे गूंगा बना दो!”

अपने दिल में आशा जगाते हुए, आदम ने अपने प्रभु से प्रार्थना की।
"हे मेरे परमेश्वर! सचमुच, मैं तुमसे प्यार करता हूँ! अरे कौन समझ सका
मुझे जो दुःख और चिंता महसूस हो रही है? मुझे डर है कि हे भगवान मुझसे नाराज़ है! हे भगवान, काश मुझे इसकी शाश्वती होती मुझे विश्वासघात के अनन्त जीवन के लिए बर्बाद नहीं करेगा! अफ़सोस! कैसे मैं अपने उद्धार के बारे में निश्चित हो सकता हूँ, जब शैतान, इस धरती को मेरे साथ साझा करता हैं, एक समय पर निष्कलंक रूप से पवित्र और आदरणीय और यहां तक कि एक समय भगवान को भी सबसे प्रिय था वह ईर्ष्या और सर्वश्रेष्ठ होने के जाल में फंस गया, वह ब्रह्मांड में सबसे बुरे प्राणी में बदल गया था और शैतान बन गया? क्या शाश्वती है की मैं

शैतान की तरह गुमराह न हो जाऊं, जो मुझसे भी अधिक बुद्धिमान और ज्ञानी था, और यहाँ तक कि सभी स्वर्गदूतों का नेता भी?"

एक गहरी आह भरते हुए, आदम ने ताराविहीन आकाश की ओर देखा और सोचा कि वह स्वर्ग में कब लौटेगा, उसने जो उसका घर था। जब उसकी लम्बी उदासी कम हुई तो उसने सुबह-सुबह बाहर देखा । आसपास का परिसर देखते हुए आदम दुखी और उदास दिख रहा था। पहाड़ों पर उस सुबह गर्मियों के फूल जाग रहे थे उज्ज्वल और बादल रहित आसमान के नीचे आनन्दित धूप थी, लेकिन उसे मुस्कुराने का कोई कारण नहीं मिला। सूरज कभी नहीं था इतनी खूबसूरती से उभरा, और दुनिया कभी इतनी प्यारी नहीं लगी परन्तु न तो सूर्य की चमक, न ही चंद्रमा की तेजस्विता आदम या उसकी पत्नी को खुश कर सकटी थी, क्योंकि उन्हें स्वर्ग की याद आ रही थी ।

"हे मेरे पालनहार! मुझे कभी भी पलक झपकाने के लिए भी आपकी नाराजगी का पात्र न बनना पड़े!" आदम रोया और उसने इस प्रकार प्रभु से विनती की "अफसोस! काश, मैं निश्चिंत हो पाता कि मेरे प्रभु ने मुझे माफ कर दिया है ! काश मैं निश्चिंत हो पाता कि मैं धार्मिकता में जीऊंगा, या
क्या शैतान मुझे और मेरे बच्चों को चालाकी से ईश्वर में अविश्वास करने के लिए फंसाएगा । मेरे बच्चों का क्या होगा? उनकी आत्माओं से आखिरी सांस दूर करने से पहले भगवान उन्हें धार्मिकता के मार्ग पर ले जाएंगे ? क्या मेरे बेटे और बेटियाँ अंतिम सांस लेने से पहले भगवान पर विश्वास करेगे?

जैसे ही कड़वी हवा क्षितिज पर चली, कठोर बर्फ उनके सिर पर गिरी, आदम और हव्वा को एक और साल लगभग चले जाने के लिए तीव्र दुःख महसूस हुआ। हर सुबह और शाम, आदम ईश्वर से प्रार्थना करता और बिना शर्त क्षमा की भीख मांगता। "अफसोस! यह शापित संसार और

अस्थायी जीवन!” वह रोते हुए बोला “मैं रोना कैसे बंद कर सकता हूँ जब मैं नहीं जानता कि मै कब मरूँगा? हे यदि मैं केवल यह जानता कि क्या मेरा प्रभु मुझसे प्रसन्न होगे और मेरे इस महान पाप को क्षमा करेंगे ! हे यदि मैं ही जानता निश्चित रूप से अगर मेरे दयालु और प्यारे भगवान मुझे उसके स्वर्ग में पुनः प्रवेश देंगे जब मैंने उसे अत्यंत निराश किया था!”

जब आदम रोया, उसने देखा कि उसकी पत्नी भी फूट-फूट कर रो रही थी।
हव्वा दोगुनी दुखी थी, क्योंकि उसे डर था कि आदम को स्वर्ग से निकाला जाना उसकी गलती थी। हालाँकि, यह जोड़ी एक-दूसरे को बहुत दिल से प्यार करती थी, और आदम ने उसे सांत्वना देना चाहा, उसके दिल को खुश करने का एक प्रयास करने के लिए उसने बगीचे से सबसे गुलाबी पूर्ण विकसित फूल एकत्र किए और अपनी पत्नी को सुंदरता और सुगंध की श्रद्धांजलि अर्पित की , लेकिन हव्वा ने जोर से रोते हुए कहा, "ओह।" हम फिर कभी ऐसा कोई कार्य नहीं करेंगे जिससे हमारे प्रभु अप्रसन्न हों! मैं इस नीरस धरती पर रहकर कितना दुखी हूँ!”

उसकी सिसकियाँ सुनकर आदम रोने लगा। "हे भगवान! मैं आपसे प्रार्थना करता हूं मुझसे प्रेम करो और मुझे क्षमा करो और मुझ पर और मेरी जाति पर दया करो! दरअसल, मुझे इसकी कोई शाश्वती नहीं है कि मेरी आखिरी सांस कब निकल जाएगी , मैं ईश्वर का पवित्र उपासक समझा जाऊँगा! हे भगवान! मुझे मेरी कब्र में पीड़ा के देवदूत द्वारा सज़ा मत दो? दरअसल, मैं मौत और अंधेरे से डरता हूं! मैं कैसे जी सकता हूँ, मैं कैसे सो सकता हूँ और मैं कैसे खा सकता हूँ, जब मैं अपने भविष्य की निश्चितता नहीं जानता? ओ मैं जो इस दुनिया के कृतघ्न लोगों में से एक नहीं बनना चाहता जो दिन में हँसते है और रात में जल्दी सोते है और मृत्यु और उसके बाद की वास्तविकता के बारे में भूले जाते है!”

आदम ने देखा कि हव्वा अभी भी उदास थी। उनकी सौम्य पत्नी ब्रहमांड में एकमात्र महिला थी और वे स्वर्ग में जीवित रहने के लिए एक-दूसरे से शक्तिशाली रूप से प्यार करते थे, लेकिन अब जब वे पृथ्वी पर अकेले थे , अपराधबोध और निराशा ने उन्हें हर तरफ से धमकाया। “ओ हव्वा ! यह जान लें कि हमें इस दुनिया में अनन्त परलोक के लिए तैयार होने के लिए भेजा गया है ," आदम ने अपनी पत्नी को उपदेश दिया, “परन्तु वह शैतान जिसने हमें वर्जित वृक्ष से फल खाने के लिए स्वर्ग में धोखा दिया, और हमारे बच्चो को वासना से, लालच से, प्रतिशोध से, गुमराह करने की कोशिश की जाएगी क्रोध, घृणा और खूनी और अन्यायपूर्ण लड़ाइयों के माध्यम से। सचमुच, शापित अज़ाज़ेल धार्मिक लोगो को अधार्मिक बनाने में सफल होगा, और वह भगवान के उपासकों को शैतान के उपासक बनाएगा। सचमुच, वह अच्छे लोगो को बुरे बनने के लिए मना लेगा! सचमुच यह संसार परीक्षा की जगह है और किसी को स्वर्ग प्राप्त करने का निश्चिती नहीं है और कोई भी व्यक्ति एक शाश्वत आनंद के वादे प्राप्त करने का दावा नहीं कर सकता! हे हव्वा ! मेरे दिल के अंदर डर और शर्म घर कर रही है! मैं हर जागने का समय आतंक में बिता रहा हूं मेरे दिल में ठंड अनिश्चितता है, जैसे-जैसे यह आतंक मेरे भीतर हर दिन बढ़ता जा रहा है! ओह, मुझे डर है कि यह आशंका मेरे मन में तब तक बनी रहेगी जिस दिन मैं मर जाऊँगा।"

“वास्तव में, मैं सदियों से जंगली जानवरों के बीच जंगल में रह रहा हूँ और मैं ने तेरे चुने हुए मनुष्यों से बढ़कर अधिक घृणित कोई प्राणी नहीं देखा। वे विद्रोही और सड़े हुए लोग सार्वजनिक रूप से अश्लील हरकतें करते हैं और सूअर और जंगली लकड़बग्घे की तरह एक-दूसरे पर छींटाकशी करते हैं। थोड़ी शक्ति पाने के लिए वे मेरी पूजा करते हैं और मुझे खुश करने के लिए कुछ भी करते है। सचमुच, मैं उन्हें घृणित पशु से भी बदतर सचमुच, मैं बनाऊंगा और तू देखेगा वे कितने दयनीय रूप से बेकार और बदबूदार हैं। वे

मुझे प्रसन्न करने के लिए अपने माता-पिता और बच्चों का वध करेंगे और काट डालेंगे, मेरा स्नेह हासिल करने के लिए अपने सबसे अच्छे दोस्तों और परिवार के धड़कते दिलों को बाहर निकालेंगे , जबकि मैं उनसे इतनी नफरत करता हूं मेरी जिंदगी इस तीव्र घृणा के कारण असहनीय हो गयी है।"

सबसे कठोर अभिशाप का उपयोग करके शैतान गुस्से में चिल्लाया, भगवान को मनाने की कोशिश कर रहा था कि उसकी जगह इंसान जो आदम के वंशज थे और पृथ्वी पर रहते थे वे शैतान कहलाने लायक है । वह पहाड़ी इलाकों में इधर-उधर अव्यवस्थित कदम से और क्रोधित होकर भागता रहा। "हे मेरे रचयिता! आपको इन घोर और पापी मनुष्यों को अनंत काल पीड़ा दो और दंडित करो , वास्तव में, यदि आप न्याय के देवता हैं, तो आप कभी

इन बुरे इंसानों को स्वर्ग की सुविधाओं का आनंद लेने की अनुमति नहीं दें

सकते जिन्होंने आप पर अविश्वास किया और अपने साथी मनुष्यों पर क्रूरतापूर्वक अत्याचार किया। आपका न्याय कहाँ है? आप कभी कैसे ऐसे लोगों के प्रति दया दिखा सकते है जो बहुत बुरे हैं और आप मुझे अनंत काल के लिए निर्वासित कर देते हैं जब की मैंने हमेशा आप पर विश्वास किया और केवल आपकी ही पूजा की? और आदम के वे बीमार और दुष्ट बेटे जिन्होंने आपके अस्तित्व का इनकार कर दिया, और मेरी पूजा की और अन्य मनुष्य की गंदगी खाई वे कैसे स्वर्ग के अंदर जा सकते है? कभी नहीं! आपकी कृपा और न्याय बहुत महान है! हे प्रभु, आप पीड़ितों के प्रति इतने अन्यायी कैसे हो सकते हैं? वो इंसान जिन पर अत्याचार किया गया और अनुष्ठानिक हत्याओं में मारे गए लोग क्या आपके जैसे महान देवता के न्याय के पात्र नहीं है हैं? आप उन इंसानों को कभी माफ़ नहीं कर सकते

वे जानवर जो मेरी और सिक्कों की पूजा करते थे और उनकी मूर्तियां बनाते थे सिर्फ मेरा प्यार मिले इसलिए? तुम्हें कभी भी उन्हें स्वर्ग में

नहीं रखना चाहिए! कभी नहीं! कभी नहीं!" जैसे ही शैतान एक नए पागलपन से चिल्लाया।

पूरे समय, आदम विनम्रतापूर्वक रोता रहा और प्रार्थना करता रहा की भगवान उसे बचाए और माफ कर दे।' उसने इश्वर के प्रति अपनी भक्ति बढ़ा दी । आदम जोश से बुदबुदाया, "हे मेरे प्यारे भगवान! आप सर्वज्ञ हैं और आपको क्षमा करने के लिए किसी कारण की आवश्यकता नहीं है! वास्तव में, आप बिना कारण के क्षमा प्रदान करते हैं और लोगों पर बिना किसी प्रतिफल के दया करते है। हे भगवान! मैं आपकी दया पर निर्भर हूँ!

पृथ्वी दुर्गम तत्वों के साथ-साथ दुर्गम भी लग रही थी, आदम पूरी तरह से दरिद्र हो गया था और वो अपने रचयिता के सामने रोया। "मेरे नाथ! आपको माफ़ करने के लिए बहाने की जरूरत नहीं है। मैं जानता हूं कि वास्तव में मैं अयोग्य हूं लेकिन, आपको दया दिखाने के लिए किसी बहाने की जरूरत नहीं है बहाना नहीं है।" आदम लड़खड़ा गया, अचानक सोचने लगा कि क्या उसे दोषी ठहराया जाएगा एक ऐसे पापी के समान जिसे क्षमा नहीं किया गया! वह डर जाता था जब भी वह भगवान के साथ अपने भविष्य के बारे में सोचता था। उसका दिल इस भयानक अपराधबोध के दुःख से कमजोर हो जाता था, और वह आशा करने की कोई शक्ति नहीं मिली।

जैसे ही पृथ्वी पर रात घिरी, उसके चारों ओर दुखद जंगल छा गया आदम को रोने पर मजबूर कर दिया, और सूरज के फिर से प्रकट होने की लालसा में उसने उसके सिर के ऊपर काले गुंबद की ओर देखा। उसकी आँखो में आंसुओं की बाढ़ आ गई आदम की दाढ़ी से होकर बहने लगीं। उसने ईश्वर से प्रार्थना की । "हे मेरे रचयिता! मेरे दिल में पीड़ा देखो किसी के लिए नहीं परन्तु तू मन के रहस्यों को जानता है! मैंने

गलती की है, लेकिन आपकी दया अपरिमित है, अत: मुझे क्षमा करें!"
इन शब्दों के साथ,
आदम एक बार फिर फूट-फूट कर रोने लगा और बोलने के लिए पर्याप्त मात्रा में धैर्य इकट्ठा करने की कोशिश करने लगा, परन्तु उसके मुँह से प्रार्थना के शब्द फुसफुसाहट के रूप में निकले। उसे लगा जैसे वह मर जाएगा, और चिल्लाया। "मेरे नाथ! वास्तव में, आपमें गलती करने और आपको धोखा देने के लिए आदमी को क्षमा करने की शक्ति है! क्या आप किसी आदमी को माफ नहीं करोगे जो तुम्हारे सिवा किसी से प्रेम नहीं करता?"

आदम उन शब्दों को दोहराते हुए जोर-जोर से रोने लगा: "ओह, हे भगवान
निर्माता! क्या तू मेरी तरह किसी अयोग्य प्राणी पर दया न करेगा जिसे अपने पापों के लिए कोई बहाना नहीं मिला? आप मेरी मूर्खता को क्षमा नही करेंगे और मुझे अपने स्वर्ग में पुनः प्रवेश प्रदान नहीं करेंगे? मेरे उदार और मधुर भगवान! क्या आप यकीन नहीं करेंगे कि मैं शैतान के समान तुझ से बैर या तिरस्कार नहीं करता, और न करूंगा, मुझे क्रूर यातना नरक से नहीं बचाओगे?"

आदम ने स्वर्ग में अपने स्वप्निल दिनों के बारे में सोचा जहां वह दान और आनंद के सपने में जीया था। वहाँ स्वर्ग में केवल सद्भावना और परोपकार था और उसे कभी बुराई या भय के साथ संगति नहीं करनि पडी। दरअसल, निषिद्ध वृक्ष का फल खाना उसकी अब तक की सबसे बड़ी गलती थी। अब, उसे शैतान के साथ एक ही ग्रह साझा करने की सजा दी गई, और इस दुनिया में एक अस्थायी जीवन जिएं जिसका उद्देश्य एक क्षणभंगुर स्वप्न की भाँति दूर भागदौड़ करना था, जहाँ राजा और उसकी प्रजा का अंत उसी दयनीय उथली और नम कब्र में होगा, जहां सभी मनुष्य, भले ही उसके कई प्रेमी या संतानें हों था, अकेले और मित्ररहित कब्र के गड्ढे में प्रवेश करेगा होगा । संकीर्ण और अंधेरी दुनिया

में, केवल धर्मपरायणता और ईश्वर का प्रेम ही होगा जो यह निर्धारित करेंगा कि मृतक की भूमि पर स्थिति कैसी होगी मृत। आदम को अंतिम नियम का अध्याय पहला श्लोक याद आया, जो इस प्रकार है:
चैम्बर्स अध्याय की पहली कविता में घोषणा करते हुए:

“वास्तव में
ईश्वर की दृष्टि में सम्मानित वह है जो आप में से सबसे अधिक धर्मी (वह जो है)।! वास्तव में, आदम जानता था कि केवल विद्वान और समझदार और धार्मिक पुरुष ही धरती के नीचे का वह अँधेरे छेद में जीवित रहेंगे। केवल वे पुरुष जो मानव शरीर के गुलाम नहीं थे या अपने और बीमार इच्छाओ या स्वार्थ से बंधे नहीं थे वो मृत्यु की पीड़ा से और कब्र का संकुचन से बचेंगे। केवल वे धार्मिक पुरुष जो कभी भी अपने जुनून के गुलाम नहीं हुए और न ही ईर्ष्या या द्वेष के गुलामी आगे झुकेगे वही सफल होंगे ।

जैसे ही ये सभी विचार आदम के दिमाग में घूमने लगे वास्तविकता के साथ संभोग बंद हो गया, और उसे केवल निराशा ही महसूस हुई। धुँधले आकाश से धूसर ठंडी धूप निकलने लगी, और आदम को एहसास हुआ कि यह सुबह की शुरुआत थी! आदम ने रोना जारी रखा और उसका शरीर ऐसे ऐंठ गया मानो दर्द हो रहा हो। "हे भगवान! सचमुच, तेरा वचन सच्चा है। सचमुच, आपकी बातें सत्य हैं। मैं गवाह हु कि परलोक का जीवन सत्य है! सचमुच, इस अस्थायी संसार की तुलना में परलोक अधिक वास्तविक है अंततः कौन सी मृत्यु जागेगी और मुझे पकड़ लेगी! दरअसल, मैं बहुत ही कम समय के लिए इस दुनिया में हूं। वास्तव में, यहां की सारी सांसारिक खुशियां और आनंद एक भ्रम मात्र हैं। मुझे तलाश है केवल आपके प्यार और क्षमा की ! यह जीवन का उपहास और नाटक मुझे इसका कोई भी भाग नहीं चाहिए! आपका स्वर्ग ही एकमात्र सत्य है जिसकी मुझे तलाश है!” रोना बंद करने में असमर्थ आदम कीचड़ भरी ज़मीन पर गिर गया और एक शिशु की तरह रोता रहा। उसने

भगवान से क्षमा की भीख मांगी और अपनी मानवीय भूल के लिए प्रायश्चित मांगा। "अफसोस हे भगवान! हे मेरे निर्माता! आपके पास क्षमा करने की शक्ति है एक आदमी जिसने आपके द्वारा निर्धारित एकमात्र कानून को तोड़ दिया था! वास्तव में, आपकी पवित्र आज्ञा का उल्लंघन करने के लिए केवल मैं ही दोषी हूँ और आपके द्वारा निर्धारित निर्देश की अवज्ञा करने के लिए भी। मुझे निषिद्ध वृक्ष का फल कभी नहीं खाना चाहिए था, लेकिन मैंने गंभीर गलती की है और मैंने आपके विश्वास को धोखा दिया है। परन्तु आप मेरे दयालु निर्माता हैं, और वास्तव में, आपके प्यार का वादा उस दिल से भी ज़्यादा सच्चा है जो मुझमें धड़कता है!" ये शब्द कहते हुए, आदम अपने घुटनों पर गिर गया और उसने तब तक प्रणाम किया जब तक उसकी भौंहें नम धरती को न छू लें। आदम बहुत फूट-फूट कर रोने लगा और निर्माता से माफ़ी मांगी "हे, स्वर्गदूतों, पैगंबरों और मनुष्यों के निर्माता! वास्तव में, आपके पास एक दुखी व्यक्ति को माफ करने की शक्ति है जिसने आपके विरुद्ध पाप किया था, और आपकी अवज्ञा की थी जबकि आपने उसे सब कुछ दिया है और उसे स्वर्ग की सुंदरता का उपहार दिया है! मैंने और मेरी पत्नी ने गलती की है, इसलिए हमसे नफरत मत करो, और हमारे पापों को क्षमा करो!" आदम की दयनीय स्थिति ने हव्वा को परेशान कर दिया और दम्पति एक साथ बैठकर रोये, और परमेश्वर से क्षमा और दया के लिए प्रार्थना करने लगे।

शैतान, जिसने आदम की प्रार्थनाओं पर ध्यान दिया, क्रोधित हो गया और क्रोध और तीव्र पागलपन में बड़बड़ाना और चिल्लाना जारी रखा। "मानव जाति के आंतरिक क्षय में नशीले पदार्थों से अधिक किसी चीज का योगदान नहीं होगा इसलिए यह मै और मेरे सभी छुपे हुए लोगों के बीच राक्षस यह सुनिश्चित करेंगे की मनुष्य कभी नहीं बीयर, स्पिरिट, वाइन, ब्रूज़, अल्कोहल या शराब पीना बंद ना करें। इन भयानक और सड़े हुए तरल पदार्थों को पीने से जैविक रोग हो जायेंगे उनमें अस्थिरता है, और इससे मेरे लिए उन्हें गुमराह करना आसान हो जाएगा। फिर वे ख़ुशी से

मुझे उनके देवता के रूप में, लूसिफ़ेर स्वीकार कर लेंगे! मैं उन्हें भयानक बातो के भ्रम में डाल दूंगा और उन्हें मेरी आराधना करने के लिए विवश कर दूंगा। सचमुच, शराब और अन्य नशीले पदार्थ निर्भरता पैदा करते हैं , इसलिए जो लोग एक बार पी लेते हैं उनके पास ऐसे गंदे किण्वित रस पीते रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। मैं उन्हें केवल स्वास्थ्यवर्धक फलों का जूस पीने से मना करूँगा उन्हें गन्दी सड़ी हुई वस्तुएँ खिलाऊँगा, क्योंकि मनुष्य गन्दे बदसूरत बदबूदार मिट्टी से बने जीव हैं , और वे स्वस्थ और स्वच्छ चीजें खाने के लायक नहीं हैं। लगातार शराब पिने से दुर्गंधयुक्त मस्तिष्क की संरचना और कार्यप्रणाली को बदल देता है ,जब तक मनुष्य जानवरों से भी मूर्ख नहीं बन जायेंगे और जंगली सूअर की तरह मौज-मस्ती करते रहेंगे।

वे अपना नैतिकता विवेक खो देंगे और सड़कों पर अपने ही बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करेंगे। वे कीटाणुनाशक मनुष्य कुत्तों से भी बदतर कार्य करेंगे और उनके सर्वश्रेष्ठ दोस्त को मार डालेंगे। ओह, सचमुच, मैं गवाही के हर पल का आनंद उठाऊंगा जो गंदे खून वाले इंसान सार्वजनिक रूप से खुद को अपवित्र करने में बिताते है! हमें बस उन्हें शराब के अच्छे प्रभाव दिखाने होंगे और उन्हें अस्थायी रूप से आदी होने का उत्साह देना होगा और शराब पीने का आदि बनाना होगा।"

अफ़सोस, इस दुख का कोई अंत नहीं था। अपनी पत्नी को खोजने की उम्मीद में पहाड़ियों के आसपास दौड़ते समय आदम को बेहोशी और ठंड महसूस हुई, लेकिन दुनिया खाली थी, और वह अकेला था। वह साँस को पकड़ने की कोशिश करते हुए अचानक रुक गया , और उसने एक पर्वत के शिखर से निकलने वाली गुस्से भरी चीखें सुनीं।

आदम ने उस गुर्राने वाले स्वर को पहचान लिया, और जानता था कि वो शैतान था स्वर्ग और पृथ्वी के बीच के द्वार के रास्ते से गुज़रने वाले स्वर्गदूतों से बात करके अपना गुस्सा ज़ाहिर कर रहा था। फूट-फूट कर रो

रोते हुए, आदम ने भगवान से अपने पापों को क्षमा करने की प्रार्थना की, और दोहे की कुछ पंक्तियाँ बोलीं:

"मेरा पाप कितना गंभीर है, मेरी दुर्दशा कितनी दयनीय है,
मेरी गलती और शर्मिंदगी कितनी गहरी होगी,
दिन कितना सुनसान है, मेरी रात कितनी अकेली है,
काश कि मैं कभी ऐसा न होता!
मैं उस स्वर्गीय घर से निर्वासित हूं,
मैं अब जीवित हूं, पृथ्वी के निराशाजनक गुंबद के नीचे,
धँसे हुए गालों के साथ, खामोश आँसुओं के साथ,
एक अपराधी जिसके केवल वर्ष अंकित हैं!
वसंत और ग्रीष्म ऋतु में, मैं रोते हुए दुखी होता हूँ,
दिन हो या रात, मैं नींद में रोता हूँ!
एक आवारा की तरह, मैं अपने दिनों की बर्बादी चाहता हूँ,
भगवान के नाम का भजन और उसकी शाश्वत स्तुति,
और हे फूट-फूट कर रोते, मैं बूढ़ा हो गया हूँ,
उन ज़मीनों पर जहां पहाड़ ठंडे हैं!”

आदम ने दुःख भरी आह भरी और ठंडे, पृथ्वी पर नम स्थान पर बैठ गया
और क्षमा के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। “ओह, स्वर्ग और पृथ्वी के निर्माता और मेरी आत्मा का प्रभु! मैं इसके बाद निश्चितता चाहता हूँ, लेकिन मेरे उद्धार के बारे में निश्चित नहीं हो सकता क्योंकि मैंने आपको बहुत ही बेरहमी से धोखा दिया है!”

कुछ वर्ष बाद में, आदम का दुःख थोड़ा कम हुआ जब उसकी पत्नी गर्भवती हो गई। यह उस जोड़े के लिए एक खुशी का अवसर था, जिन्हें अभी तक प्रसव का अनुभव नहीं हुआ था। कई लंबे महीनों के बाद,

खुशी का चरम तब आया, जब हव्वा ने खूबसूरत जुड़वाँ बच्चों को जन्म दिया। यह एक छोटा लड़का और एक छोटी लड़की थी।खुश माता-पिता ने लड़के का नाम कैन रखा और उसकी बहन का नाम कोलिमा रखा।

एक बार जब जन्म का उत्साह खत्म हो गया, तो जोड़े ने एक और बच्चे कोशिश की, इस बार हव्वा एक साल बाद गर्भवती हुई, द्वियुग्मज जुड़वां बच्चों के दूसरे समूह को जन्म दिया। एक लड़का था और दूसरी एक लड़की थी। उन्होंने उनका नाम हाबिल और जोमेली रखा।

दो लड़के और दो लड़कियाँ अपने माता-पिता के लिए मुट्ठी भर थे और हव्वा और आदम उन्हें पालने में और बच्चों को भोजन और पानी उपलब्ध कराने में बहुत व्यस्त हो गए। हव्वा अपने चार बच्चों को मैदान में खुशी से खेलते हुए देख और बच्चों के चेहरे खुशी और उल्लास से चमकते देख बहुत रोमांचित थी। साल बीत गए, जल्दी ही, और हव्वा के लड़के और लड़कियाँ वयस्क हो गए। लड़के बडे होकर स्वस्थ, प्रभावशाली रूप से लंबे, एथलेटिक दिखने वाला युवा पुरुष बन गये। हाबिल के चिकने भूरे बाल कानों के पीछे मुड़ते हुए उसके कंधों पर गिर गए, जबकि कैन ने पेशेवर हेयर स्टाइल रखा था।

परिवार ने पृथ्वी की प्रचुरता और फलों का आनंद लिया जो उनके प्रभु द्वारा प्रदान किया गये थे। सभी बच्चे बड़े होकर सुन्दर और स्वस्थ वयस्क युवा हुए। कैन और हाबिल ने सीखा कि जंगल में जीवित कैसे रहना है, और आदम ने लड़कों को मछली पकड़ना और तैरना सिखाया। उन्होंने सीखा कि जमीन पर खेती कैसे करें और मवेशी कैसे पालें, और अंततः कैन ने स्वेच्छा से उनके परिवार की खेत ज़मीन जोतने की पेशकश की, जबकि हाबिल मवेशियों की देखभाल करता था और उसे बकरियाँ पसंद थीं।

कुछ ही समय में दोनों लड़के पूरी तरह से वयस्क हो गए, और उनके लिए खुद के बच्चे पैदा करने का समय आ गया है, लेकिन मानव जनसंख्या की कमी के कारण, का एक विचित्र रूप से पुनरुत्पादन होने वाला था। सहोदर जुड़वां अलग हो गए और हव्वा अंदर की नाजुक प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ी और हाबिल को कोलिमा और कैन को जोम्मेली के साथ जोड़ा गया।

कैन निराश हो गया और उसने अपने माता-पिता से कहा कि वह अपनी बहन कोलिमा से शादी करना चाहता है और उसे अपना स्थायी जीवन साथी बनाना चाहता है। इन विट्रो निषेचन के माध्यम से प्रजनन हाबिल के जुड़वां कैन को पसंद नहीं किया। उसने जोमेली को अनाकर्षक और सादा पाया।

आदम और हव्वा ने अपने बेटों को समझाया कि मानवजाति के लिए प्रजनन करना और भिन्न-भिन्न संस्कृतियाँ और रंग के साथ राष्ट्रों का निर्माण करना यह परमेश्वर की योजना थी। यह परमेश्वर की इच्छा थी कि प्रत्येक आदम का पुत्र को उसे दूसरे जुड़वां बहन के साथ प्रजनन करना था, लेकिन कैन ने इस निर्देश पर आगे बढ़ने से इनकार कर दिया। उसने जुड़वाँ बहन ने अनाकर्षक होने के कारण हाबिल का उपहास किया
अपने पिता के दलीलों को अस्वीकार कर दिया। उसने कहा कि जोमेली उसकी अपनी बहन कोलिमा जितनी सुंदर नहीं थी, और वह अपने भाई हाबिल से सुन्दर कोलिमा के साथ बच्चा पैदा करने का मौका पाने के लिए बहुत नाराज़ था।

चूँकि कैन का जन्म जुड़वाँ बहन कोलिमा और हाबिल का जुड़वां बहन जोमेली के साथ हुआ था उनके जीवन साथी जन्म से निर्धारित थे। भाई-बहनों के बीच विवाह ईश्वर के स्वर्गीय आदेश द्वारा निषिद्ध थे, जिसने मनुष्य धर्मी जीवन कैसे जियें सिखाने का काम किया।

भाई-बहनों के साथ घनिष्ठ संबंध रखने के बजाय, उस दौरान प्रजनन कृत्रिम तरीके से होता था , और हव्वा ने इसे पूरा करने के लिए अद्वितीय पौधों का और नाजुक चिकित्सा प्रक्रियाओ का उपयोग किया।

भाई-बहनों से विवाह और बहनों के साथ यौन गतिविधियाँ भगवान द्वारा निषिद्ध थीं और जब आदम के चार बच्चे युवावस्था की उम्र तक पहुंच गए, यह उनके लिए समय था अति-उन्नत कृत्रिम गर्भाधान का उपयोग करके प्रजनन करने का । कैन हाबिल की जुड़वां बहन जोमेली के साथ जोड़ा गया था जबकि हाबिल को कैन की जुड़वां बहन कोलिमा से संतान उत्पन्न करने के लिए कहा गया।

व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया और हव्वा यह सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ी कि उसकी बेटियाँ किसी भी अवैध व्यवहार में शामिल हुए बिना बच्चे जन्म दे सकें। बच्चे भाईचारे में बने रहे जहां न तो विचारों की अश्लीलता थी और न ही वासनापूर्ण विचारों का मनोरंजन किया जा सकता है। हालाँकि, कैन जल्द अपनी जुड़वां बहन से मोहित हो गया और उसने आदम से उसे कोलिमा से शादी करने की अनुमति देने के लिए कहा। दोनों हव्वा और आदम अपने ही बेटे को ऐसी इच्छा करते देख भयभीत हो गए इसलिए उन्होंने उसे डांटा और पश्चाताप करने का आदेश दिया। आदम ने कैन को समझाया कि स्वर्ग के नियमों के अनुसार भाई-बहनों से शादी करना निषिद्ध है, परन्तु कैन क्रोधित हो गया और दूर चला गया।

इस बीच, कोलिमा दुःख और भय से घिरा हुइ थी। वह कैन को अपने सगे भाई के रूप में प्यार करती थी और उस पर रक्षक और सबसे अच्छा दोस्त रूप में भरोसा करती थी। यह कितना विचित्र और हास्यास्पद था कि जिस भाई को वह पिता तुल्य मानती थी वह उसकी पवित्रता पर हमला करना और उसे अपवित्र करना चाह रहा था? ओह, भयानक

दुनिया! उसने आशा कि के काश उसके माता-पिता ने स्वर्ग कभी नहीं छोड़ा नहीं होता और स्वर्ग के बगीचों में ही हमेशा के लिए रहे होते। ओह, काश वह कभी पैदा ही न हुई होती। कोलिमा डर गयी थी के उसके साथ क्या हो सकता है, और वह ज़मीन पर गिर पड़ी और फूट-फूट कर रोने लगी और भगवान से उसे बचाने की प्रार्थना करने लगी।जैसे ही कोलिमा ने अथाह आँसू बहाये, उसके दूसरे भाई हाबिल ने देख लिया उसकी चिंता और उसके दुःख का कारण पहचाना। उसने उसे सांत्वना दी और उसे आश्वासन दिया कि उसे कोई नुकसान नहीं होगा। हाबिल ने आश्वासन देते हुए कोलिमा से कहा कि उसका भाई होने के नाते वह हमेशा उसकी रक्षा करेगा और
एक समझदार और दयालु बड़ी बहन के रूप में उसे प्यार करेगा। उनके शब्द कोलिमा के दिल को दिलासा देने वाले थे और वह अपने पवित्र भाई के इस बुद्धिमानी पर मंद-मंद मुस्कुराई जिसने उसके सम्मान को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने की पेशकश की।

हाबिल ने उसका साथ छोड़कर तेजी से पहाड़ियों और घाटियों को पार किया और अपने क्रोधित भाई का पता लगाया। कैन गुस्से से आग बबूला हो रहा था और वह अपने सामने जो भी पेड़ देखता, उसकी पत्तियाँ तोड़ रहा था। हाबिल को देखते ही वह चिल्लाया और उसे गंभीर धमकी दी यदि उसने उसे कोलिमा से विवाह करने से रोकने का साहस किया तो वह उसे सज़ा देगा।

"लेकिन कोलिमा तुम्हारी अपनी जुड़वां बहन है," हाबिल ने धीरे से जितना वह कर सकता था तर्क करने की कोशिश की। “हे कैन! अपने आप पर नियंत्रण रखो । सचमुच, किसी की अवैध वासना के सामने समर्पण करना सही नहीं है। हमारी बहन को हमारे उचित और उसका सम्मान करने की जरुरत है। हमें उसके विश्वास को धोखा नहीं देना चाहिए। हमें
उसे कभी भी चोट नही पहुँचानि चाहिए या डराना नहीं चाहिए।”

"चुप रहो !" कैन चिल्लाया “कोलिमा मेरी जुड़वां बहन हो सकती है, लेकिन मुझे वह सुन्दर और उसका शरीर आकर्षक लगता है! मेरे पास वह अवश्य होनी चाहिए!”

"ओह, भाई कैन!" हाबिल बहुत दयनीय ढंग से चिल्लाया। "शैतान के विरुद्ध लडो ! अपनी इच्छाओं के विरुद्ध लड़ो! ओह, अपनी स्वार्थी उग्र इच्छाओ को तुम्हे अहंकारी और गर्व मत बनाने दो! इस क्रोधित वासना को तुम्हे घृणास्पद न बनाने दो जो तुम्हे अपने परमेश्वर की आज्ञाओं के प्रति अँधा कर देती है !”

आदम के धर्मपरायण पुत्र ने ह्रदय वेदना के कटु आँसू बहाये अपने भाई को वासनापूर्ण इच्छाओं के पीछे भागने की निरर्थकता को समझाने की आशा करते हुए, कविता की कुछ पंक्तियाँ बोलीं:
“हे प्रेम जो एक मनुष्य को दूसरे मनुष्य का दास बनाता है!
और हे अभिलाषा जो भाइयों को शत्रु बनाती है,
वीर पुरुषों को द्वेषपूर्ण दूसरों पर निर्भर बनाटी है,
झूठे प्रेमियों की खातिर खुद को नीचा दिखाती है ,
और ह्रदय को इतना स्वार्थी और कंजूस बनाती है की ,
जल्द ही यह ईर्ष्या के सागर से भर जाता है,
जहां प्रेमी की ईर्ष्या दिल को तोड़ देती है,
विश्वासघात करने वालों पर हिंसा को उचित ठहराती है,
असहायों पर घृणा और हिंसा करती है,
तो, प्रेमी इस क्रूर ज्यादती से प्रसन्न होते है!
हे किसी प्रिय को गुलाम बनाकर उसे अपना कहने का प्रयास!
यह किस प्रकार मनुष्यों द्वारा ज्ञात सभी नैतिक संहिताओं को कमज़ोर कर देता है!
प्रेमिका को वश में करने के लिए प्रेमी अपने भाई को मार डालेगा,
और उसके माता और पिता के पंथ को नष्ट कर देगा!

फिर टूटे हुए दिल को वह सहता है और बहकाना चाहता है,
उसके चारों ओर निर्दोष लोग, प्रेमी उपयोग और दुर्व्यवहार करते हैं!
पीड़ितों को उनके ही पाप और अपराध के लिए दोषी ठहराते है ,
द्वेषपूर्ण प्रेमी अपने यौवन का आनंद उठाते हैं,
लेकिन उसकी उम्र और भाग्य, समय ख़राब होने लगता है,
और उस प्रेम को नष्ट कर देता है जो उसे दिया गया था,
आकर्षण उसे थका देता है, और उसे नींद से जगा देता है,
उन सभी को मार डालना जिनकी ओर प्रियतम आश्चर्य से देखता है,
काठ में तड़पाते हैं, जो प्रेमी से बात करते हैं,
तो, वह अकेला ही उसका प्रियतम और स्वामी बना रह सकता है!

आदम उन घटनाओं से विनम्र या भयभीत नहीं था जो उसके सामने आईं। दरअसल, अपने बेटों को छोटी सी बात पर बहस करते देख उसका दिल टूट गया, और उसने अपने बच्चों को शापित शैतान के प्रभाव से बचाने के लिए भगवान से प्रार्थना की जिसने उसे और हव्वा को नित्य सुखदायक स्वर्ग से निष्कासित किया करवाया था। शैतान के पास जो शक्तियाँ थीं या विश्वास था कि उसके पास शक्तियाँ थीं, उनसे आदम नहीं डरता था, लेकिन वह लालच और स्वार्थी इच्छाओं से चिंतित था जो उसके बच्चों और पोते-पोतियों के हृदयों को भ्रष्ट कर देगी, और शैतान उनकी नैतिकता और न्याय की भावना पर आक्रमण करने के लिए इन मानवीय कमज़ोरियों का उपयोग करेगा।

जब बहिष्कृत शैतान ने आदम के दोनों के पुत्रो के बीच तीव्र नफरत देखी , वह अपनी खुशी रोक नहीं सका! आह, उसने सोचा, मुझे ज्यादा देर तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा । मानवजाति झगड़ने लगेगी और एक दूसरे को मार डालेगी ! वे खून बहाएंगे और नैतिकता को नष्ट कर देंगे और अपनी मानवता खो देंगे!

छुपे हुए लोगो के बीच में, अज़ाज़ेल का उल्लेख अब खुद उसके नाम से नहीं किया जाता था । उसे बहिष्कृत शैतान होने पर गर्व था और उसके शिष्यों, संतानों और अनुयायी के मंत्रों में आनंदित था । अनैतिकता और ईर्ष्या के सिद्धांत से शासन करना और घृणा से एक-दूसरे के ख़िलाफ़ सांप्रदायिक लड़ाइयाँ और खूनी संघर्ष में इस ग्रह के राष्ट्रों को उलझाने की आशा रखता था। ज़मीन पर अपना पैर पटकते हुए, शैतान ज़ोर से चिल्लाया। “ओ मैं आदम के इन घृणित पुत्रों से पाप करवाने और एक दूसरे को मार डालने का आनन्द कैसे लूँगा! मैं उन गंदे गंदगी-जीवों से कुछ बेकार धन और कभी-कभार थोड़ी शक्ति का वादा करूंगा और वो गंदे दिमाग वाले इंसान बिना कुछ संकोच अपनी आत्मा मुझे बेच देंगे!"

स्वर्गदूतों में से एक ने टोका, “हाय, हे शापित शैतान! कैसे तुम उन्हें धन और सोना दोगे जबकि भगवान ने तुम्हें मनुष्य की भौतिक संपत्ति पर कब्ज़ा करने की शक्ति नहीं दी?

शैतान ने निराश होकर कहा, "आप स्वर्गदूतों में चतुरता है।" "मुझे सुधार करना होगा। यदि मैं किसी गंदे व्यक्ति को मेरा नाम जप करते और मदद के लिए मुझे बुलाते हुए देखता हूँ, मैं किसी और अमीर इंसान को उसे भोजन या कुछ उपहार या पैसा या सोना देने के लिए कहूँगा , तो नया अनुयायी सोचेगा की मेरी आसुरी शक्तियों में उसे अमीर बनाने की शक्ति है। फिर वह सदा भक्तिपूर्वक मेरी पूजा करेगा। लेकिन ऐसा होने के लिए, मुझे यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि कोई अमीर आदमी या औरत पहले मेरा गुलाम बने, नहीं तो मैं अपने गरीब गुलाम को उपहार या कोई धन नहीं दे पाऊंगा । जो जितना अधिक मेरा नाम जपता है, उसके बच्चे मेरे लिये त्याग करता है, मैं उसे उतना ही अधिक प्रतिफल दूँगा।”

“यदि वे आपका नाम जपें तो आपको क्या लाभ होगा?”

"आह, मुझे व्यक्तिगत रूप से कुछ भी हासिल नहीं होगा लेकिन ये मुर्ख इंसान सब कुछ खो देगा! यदि वे निरंतर मेरी गुप्त ऊर्जा पर ध्यान करते रहें और वे पूरे दिन और रात मेरा नाम जपते हैं तो वे भगवान के बारे में भूल जाएंगे, और मृत्यु के समय, वे एक खतरनाक स्थिति के अंदर होंगे
और इससे पहले कि आखिरी सांस उनका शरीर छोड़ दे वे भगवान पर विश्वास नहीं कर पाएंगे! और फिर मैं ब्रह्माण्ड का सबसे खुश व्यक्ति हो जाऊंगा! क्योंकि फिर वो सब बदबूदार इंसान मेरे साथ नर्क में सड़ेंगे, जहां मैं उन्हें यातना दे सकता हूं इस दुनिया में मुझसे इतनी सारी माँग करने के लिए वे ! ओह, मैं उनसे कितनी नफरत करता था, लेकिन फिर भी वे मेरी पूजा करते थे, और उन्हें परमेश्वर की कृपा से दूर करने के लिए, मुझे मुझे उनकी कुछ इच्छाएँ मानने के लिए मजबूर होना पड़ा ! आह, अब मेरी नफरत नरक में प्रकट होगी और मैं उन्हें सदैव निर्दयतापूर्वक यातना दूँगा! वो गंदे मनुष्य जो पृथ्वी पर मेरी आराधना करते हैं वे शीघ्र ही मुझे प्रसन्न करने के लिए और भी अधिक उत्सुक होंगे, और मैं उनसे निर्दोषों की हत्या करवाऊंगा। आख़िरकार, मैं अधिक से अधिक बलिदान और व्यवस्था की माँग करूँगा वे मेरे लिये अपने आप को मार डालेंगे!"

"तुम मूर्ख शैतान हो!" एक देवदूत चिल्लाया "तुम ऐसी कल्पना कल्पना भी कैसे कर सकते हो कि बुद्धिमान और शुद्ध मनुष्य कभी भी तुम्हारी बात मानेंगे और आत्महत्या करके उनकी आत्माओं को दूषित करेंगे?"

ठीक है," शैतान ने सोच-समझकर उत्तर दिया। "यदि वे भ्रष्ट हृदय वाले मनुष्य आत्महत्या करने के लिए सहमत नहीं होंगे, तो मैं कुछ पैसा और ताकत के लिए उनसे उनके माता-पिता की हत्या करवाऊंगा या उनके बच्चों की बलि चढ़वाऊंगा! मैं उन घृणित और कुरूप मनुष्यों को जानता हूं, कुछ सोने या चाँदी, या अपने शत्रुओं के मन को पढ़ने जैसी कुछ आध्यात्मिक शक्तियाँ के लिए कुछ भी करेगा । आप देखेंगे वे दुष्ट

मनुष्य किस प्रकार मेरी पूजा करते हैं! वे मेरी और मेरे राक्षसों की अंतहीन प्रशंसा करेंगे, लेकिन अगर वे केवल जानते की मैं उनसे कितनी नफरत करता हूं, वे मेरे वफादार गुलाम बनने के लिए कभी सहमत नहीं होंगे ! लेकिन मैं उनकी गुलामी का उपयोग करूंगा, और उनसे घृणित कार्य करवाऊंगा और सार्वजनिक रूप से अक्षम्य पाप करेंगे! ओह, इस दुनिया में उनकी मदद करना मुझे कितना कष्ट देता है, लेकिन मुझे उन्हें ईश्वर में अविश्वास पैदा करना ही होगा ताकि उन्हें मुझ में विश्वास हो जाये ! जब वे अंततः राक्षसी शक्तियों पर विश्वास करते हैं और सारा दिन मेरी स्तुति गाते हैं और मुझे खुश करने के लिए गंदे गंदे अंधेरे में रहते है, तो मैं उन बीमार जानवरों से और भी माँगें करूँगा और उनसे कहूँगा कि यदि वे बच्चों की आँखों से मुझे बाल्टी भर आँसू ना दे , तो मैं उनके खेतों में वर्षा रोक दूंगा!”

“तुम्हारी दुष्टताएँ समाप्त हो गईं!” देवदूत चिल्लाये "तुम क्यों इंसान के कोमल हृदय से ऐसी विचित्र और क्रूर माँग करते हो?”

“मैं आदम के बेटों और बेटियों से दुष्टता करवाके उनके दिलों को इतना बर्बाद कर दूँगा के भगवान भी उन्हें माफ़ नहीं कर पाएंगे यदि वह एक न्यायकारी देवता होने का दावा करते है! मैं उनके बच्चों की आँखों के आँसू प्रसाद के रूप में मांग करूंगा , माता-पिता उनके सभी शिशुओं को इकट्ठा करेंगे और उन्हें यातना देंगे और तब तक पीटेंगे जब तक कि वे बच्चे इतना रोते हैं कि आंसुओं से कई बाल्टियाँ भर जाती हैं। तब ईश्वर और स्वर्ग के दूत देखेंगे कि वे कैसे टेढ़े हैं मनुष्य प्रतिदिन हजारों बच्चों को प्रताड़ित करेंगे और पीटेंगे और उन्हें रुलाएंगे, ताकि वे अपने बच्चों के आंसुओं को इकट्ठा कर सकें और उन्हें मुझे अर्पित कर दे । सचमुच, मैं उनसे ऐसी घटिया बातें करवाऊंगा कि उनके दिलों में इंसानियत ही नहीं बचेगी । मैं युवा लड़कियों का दिल चीरने का एक अनुष्ठान भी बनाऊंगा।

सचमुच, वे बाल उनके अपने गोबर-प्रधान माता-पिता द्वारा अनुमोदित बलिदान होंगे, जो यदि मैं कहूँ तो अपने बच्चों को खा जाओ खुशी-खुशी ऐसा करेंगे।”

“यदि आप दयालु लोगो से ऐसे क्रूर कृत्य करायेंगे तो वे आपसे घृणा करेंगे!” स्वर्गदूतों में से एक ने प्रतिवाद किया।

"नहीं!" शैतान चिल्लाया। “अगर मैं देखूंगा कि लोग मुझसे नफरत कर रहे हैं, तो मैं उनसे झूठ बोलूंगा और कहूंगा कि मैं एक देवदूत हूं। मैं महादूत होने का दावा करूंगा और आप में से एक का रूप लेंकर उन्हें सीधे संपर्क करंगा । मैं अपना परिचय ईश्वर के देवदूत के रूप में दूँगा लोगों को स्वर्ग से उतरे स्वर्गदूतों पर विश्वास करने के लिए मूर्ख बनाऊंगा! कभी-कभी मैं देवदूत बनकर उनकी मदद करूंगा, और कभी-कभी मैं उन्हें ठेस पहुँचाऊँगा, मेरे द्वारा सभी स्वर्गदूतों को अपराधों के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद वे शाप देना और नफरत करना सीख सकें!”

“यह बेतुका है! हम, देवदूत, खुद को कभी सामान्य मनुष्य के सामने नहीं दिखाते! वास्तव में, केवल भविष्यवक्ता और परमेश्वर के प्रेरितों को हमारे साथ बातचीत करने की अनुमति है। दरअसल, केवल आदम को ही देवदूतो बातचीत करने और मिलने का अधिकार है। और उसके बाद, दाऊद, यीशु जैसे भविष्यवक्ता,नूह और एड्रिस स्वर्गदूतों से अच्छी तरह परिचित होंगे क्योंकि हम महादूत गेब्रियल के साथ उनसे मिलने जायेंगे! यदि आप दावा करते हैं तो पृथ्वी पर कौन सा व्यक्ति कभी आप पर विश्वास करेगा की आप देवदूत है?"

“हां, मैं जानता हूं इंसानों के सामने फ़रिश्ते नहीं आ सकते, लेकिन परजीवी मस्तिष्क वाले वे मूक मनुष्य वह नहीं जानते! वे सोचेंगे कि स्वर्गदूत मेरी तरह ही लोगों के पास आ सकते हैं! वास्तव में, अगर यह

गंदा और घटिया मनुष्य बहुत दिनों तक अशुद्ध रहता है, और कुत्ते को मल अपने मुंह पर मलता है, और सड़ी-गली वस्तुएं खाते हैं, तो मैं मैं स्वयं उनके पास उपस्थित करूंगा और उनकी कुछ समस्याओं का समाधान करने की पेशकश करूँगा अगर वे मेरे नाम पर अपने बच्चों का बलिदान देते हैं! मैं उन्हें छोटे बच्चों पर अत्याचार करने और उन्हें मार डालने तथा उनका मांस खाने प्रोत्साहित करूंगा। सचमुच, मैं मनुष्यों को अधम जानवर से भी बदतर बना दूँगा और वे ख़ुशी से मेरे नाम पर बच्चों के हृदय को निकालकर की बलि देंगे! मैं सुनिश्चित करूंगा कि वे मेरे राक्षसों के सम्मान में नियमित नरभक्षण करने का अनुष्ठान अभ्यास करेंगे।' । मैं बताऊँगा वे मेरी शक्ति सम्मान में अपने जीवनसाथी के सिर काटकर उनका बलिदान करे। "

"ये कृत्य कितने भयानक और अमानवीय हैं!" देवदूत एक सुर में फुसफुसाए।

"आप यह कहने की हिम्मत नहीं करे कि ये बलिदान भयानक हैं!" शैतान ने उपहास किया और सभी निष्क्रिय सेवकों को अपनी बात मानने का वचन दिया। “मैं उन बदज़ुबान लोगों को आश्वस्त करूंगा कि यह गर्व और प्यार और सम्माननीय है की वह अपने बच्चों का बलिदान करके उनका मांस खाए । मैं उन्हें सिखाऊंगा कि रक्त जो अभी भी धड़कता दिल से पंप होता है ऊर्जा का सबसे शुद्ध रूप है, और मैं वे कुछ पैसों के बदले इंसानों का दिल खाने कहूँगा, जो कि मैं किसी धनी व्यक्ति को उन्हें देने के लिए मनाने का प्रयास करूँगा, क्योंकि मेरे पास सोना-चाँदी कुछ भी नहीं है। फिर वो पतित मनुष्य पूरे दिन और रात मुझे लूसिफ़ेर या शैतान कहकर पुकारते रहेंगे , और इस पृथ्वी के राजकुमार के समान मेरी जयजयकार करेंगे और मुझ से उनके सामने उपस्थित होने और उनकी मदद करने विनती करेंगे। वे आत्मा की शपथ लेंगे सदैव मेरी सेवा और आराधना करने के लिए। ओह मैं कैसे आदम के बेटे-बेटियों को नीचा दिखाने का आनन्द उठाऊँगा जब उन मनुष्यों और शिशुओं की क्रूर बलि

दयालु प्रतीत होगी। ये घृणित प्रथाएँ व्यापक रूप से प्रत्येक राष्ट्र और जनजाति के शैतान-पूजक समुदाय में प्रचलित होंगी। मैं उन्हें समझाऊँगा कि उनके बच्चों के दिल का खून पवित्र है और उन्हें ऊर्जा और आध्यात्मिक शक्ति देगा जो काला जादू करने के लिए जरूरत है।"

शैतान ने कसम खाई कि वह लालची और लंपट लोगों को प्रलोभित करेगा की उसके अधिकार के अधीन रहें और शैतानी मंदिर बनवाएँ उसकी सेवा और पूजा करे। वह स्वयं को उनके भगवान के रूप में पहचानेगा और उसकी संप्रभुता को दर्शाने के लिए विभिन्न गूढ़ नामों का उपयोग करेगे। जहाँ कुछ मनुष्य उसे शैतान कहेंगे, वहीं अन्य उन्हें लूसिफ़ेर के रूप में संबोधित करेंगे जबकि अन्य लोग उसे बुलाने के लिए उनके जन्म के नाम अज़ाज़ेल का उपयोग करेंगे। हे दुष्टों कितने उत्सुकता से सिंहासन के सामने घुटने टेकेंगे और स्वार्थी वासना, अत्याचार और उत्पीड़न का निरंकुश शासन उसकी सहायता करेंगे!

जब स्वर्गदूतों ने शैतान को भगवान के बारे में याद दिलाने की कोशिश की भविष्यवक्ता और दूत भेजकर मानव जाति को विनाश से बचाने का परमेश्वर के वचन और सौम्य और नैतिक जीवन जीने की हिदायत, यह सुनकर शैतान ने अपनी ही मुट्ठी से ठूंठदार काली नाक पर प्रहार किया और चिल्लाया। "वे भविष्यवक्ता जो परमेश्वर की आज्ञाओं पर को मनुष्य का जीवन सुधारने के लिए आते हैं, और उसकी स्थिति में सुधार सभ्यता द्वारा और उसका सम्मान करने से आता है वे अपने मिशन में कभी सफल नहीं होंगे, क्योंकि मैं सभी भविष्यवक्ताओं और उनके पवित्र सहायकों और शिष्यों को विभिन्न अपराध में फ़साने में सफल होऊंगा। मैं धार्मिक और ईश्वर से डरने वाले पुरुषों को बलात्कार और आतंकवाद में फंसाऊंगा । और मैं सभी पवित्र महिलाओं और धर्मपरायण लड़कियों को छेड़छाड़ करने वाली, वेश्या और युवा लड़कों के साथ दुर्व्यवहार करने वाली के रूप में फंसा दूँगा! इससे आम लोग सभी धर्मों से नफरत करने लगेंगे। प्लेबियन उत्सुकता से सभी धार्मिक लोगों को जला देंगे और नेता

और शिक्षक को मार डालेंगे और मुझे अपने भगवान लूसिफ़ेर के रूप में बुलायेंगे! इस तरह से मैं पृथ्वी पर ईश्वर के प्रकाश को नष्ट करने में सफल हो जाऊँगा, इस अंधेरी दुनिया के माध्यम से स्वर्गीय ज्ञान को मिटा दूंगा। शैतान ने अपनी सेनाओं के रूप में ज़ोर से चिल्लाया, आदम के बच्चे एक आपदा की परिधि में थे।

हाबिल और कैन इस बात पर बहस कर रहे थे कि उन्हें कैसे व्यक्तिगत इच्छाएँ और दृष्टिकोण में आगे बढ़ना है। कोमल शब्दों का प्रयोग करते हुए, हाबिल ने अपने इकलौते भाई को अपनी खूबसूरत कोलिमा से शादी करने की योजना से बाज आने के लिए मनाने की कोशिश की।"अरे भाई! मेरी बात सुनो! शैतान को तुम्हें धोखा न देने दो! उसे तुम अपने प्रभु की आज्ञाओं का उल्लंघन और अनादर मत करने दो! अपना अनादर करके और उन्हें अपमानित करके अपने रचयिता को निराश न करो और अपने शरीर को नीचा दिखाके या छेड़छाड़ करके जिसे भगवान ने सम्मान और विश्वास के साथ आपकी देखभाल में रखा है! ओह, प्रिय भाई! शैतान को इतनी जल्दी मनुष्य की वासना, प्रेम और ईर्ष्या मत जीतने दो!”

हालाँकि, उसकी दलीलें अनसुनी रह गईं और कैन अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने में दृढ़ संकल्पित था। उसने हाबिल पर छलांग लगाई और उसे चुप कराने के प्रयास में उसका गला घोंटने का प्रयास किया गया, लेकिन हाबिल उसकी पकड़ से छूटकर चला गया।

दोनों भाइयों की कुश्ती से शैतान बहुत प्रसन्न हुआ, जिसने इस बातचीत को दूर से देखा था। “आह! अंत में, एक भाई एक भाई के खिलाफ हो गए! मैं बच जाऊंगा! मानवता जल्द ही असफल हो जाएगी और पाप और मानव शरीर की गुलामी में डूब जाएगी ! वे जंगली लकड़बग्घे की तरह एक-दूसरे का लालच करेंगे और मांसाहारी जानवरों जैसे गंदे शरीर के अंग खाएंगे। अब इंसान पवित्र परोपकार और परिष्कृत चरित्र के वाहक नहीं रहेंगे, एक बार जब मैं और अन्य छुपे हुए लोग उनके खिलाफ हमारी

लड़ाई शुरू करते हैं। मैं इंतजार करूंगा किसी प्राकृतिक आपदा या वायरस के कारण सारी दुनिया के खाद्य आपूर्ति सफाया हो जाये, और फिर मैं आदम के बेटे और बेटियो के सामने सार्वजनिक रूप से उपस्थित होऊंगा , और कुछ भोजन या धन या शक्ति के बदले में उन्हें मेरी पूजा करने की आज्ञा दूंगा । वे वासना और व्यभिचार से इतने ग्रस्त हो जाएंगे कि वे गर्व, सम्मान और बड़प्पन की सारी भावना खो देंगे और एकदूसरे पर सडको पर आरूढ़ हो जायेंगे और अपने पुत्रों के साथ दुर्व्यवहार करेंगे और बलिदान देंगे और मांसाहारी जानवरों की तरह उनकी बेटियों का मांस खायेंगे, वे मनुष्य अपने मृतकों के सड़ते मांस पर दावत करेंगे, क्योंकि मैं उन्हें बताऊंगा कि यदि वे ऐसा करेंगे तो वे हमेशा जीवित रह सकेंगे।तब परमेश्वर देखेगा कि मनुष्य कितने गंदे और घृणित हैं!”

"ओह, कैन!" हाबिल चिल्लाया। “तुम कैसे क्षणभंगुर आनंद के संक्षिप्त क्षण लिए भगवान की अवज्ञा करके उनका दिल तोड़ोगे? आप अपने प्रभु के प्रेम से कैसे इनकार कर सकते हैं नीच मनुष्यों के प्रेम और वासना के लिए जलता है जो तुम्हें नष्ट करने की चाहत में जल रहा है और कल तुमसे नफरत करएंगा? आप कैसे आपको ख़ुशी और आशीवार्द देनेवाले को भूल सकते है और उस दूत के लिए अपनी गुलामी और पागलपन में व्यस्त हो सकते है जो केवल उस उपहार के वाहक बनें जो भगवान ने आपके लिए भेजा है?! मैं आपसे विनती करता हूं कि आप होश में आ जाएं!”

"लेकिन प्यार तो प्यार है!" कैन उन्मत्तता से चिल्लाया। “मैं जिसे भी चुनूं उसके साथ मेरी वासना से संतुष्ट होना चाहता हूँ! तुम्हारी यह कहने की हिम्मत कैसे हुई कि मुझे खुद पर नियंत्रण करना चाहिए? दो के बीच कोई भी कार्य सहमति देने वाले वयस्क के बीच में स्वीकार्य होना चाहिए , चाहे वे एक ही लिंग के हों या एक जैसे परिवार या यहाँ तक कि सगे भाई-बहन भी!”

हाबिल ने अपने भाई को समझाना जारी रखा और चिल्लाकर कहा, "ओह, भाई! यह जीवन जिसे आप शाश्वत समझते हैं, बस कुछ ही मिनटों जैसा ही प्रतीत होगा में जब आप मौत का चेहरा देख लेते हैं जब आप देखेंगे तो आपको पछतावे में सबसे कड़वी पीड़ा सहनी पड़ेगी, इन कार्यों से कुछ दिनों के परमानंद से गुजरने के और पापों से हानि जब आप देखोगे उसने तुम्हारे अनन्त जीवन के साथ क्या किया है!"

"मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोलिमा मेरी अपनी जुड़वां बहन है! वह सुंदर है और भगवान ने जो भी आदेश दिया हो, उसकी परवाह किए बिना मैं उससे शादी करूंगा!" कैन गरजा।

हाबिल फूट-फूट कर रोने लगा और अपने भाई से सन्माननीय होने की और अधिक प्रार्थना करने लगा "क्या आप नहीं जानते कि यह हर बेटे का कर्तव्य है अपनी माँ की रक्षा करना और हर भाई का कर्तव्य है उसकी अपनी बहन रक्षा करना और उसे शुद्ध निःस्वार्थ प्रेम करना और सम्मान देंना जिसमे कोई अवैध कार्य या विचार ना होना? क्या तुम नहीं जानते कि यह प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है की वो प्रत्येक बुजुर्ग व्यक्ति का अपने पिता समान आदर करे , हर युवा के साथ अपने सगे भाई जैसा व्यवहार करें और हर लड़के और हर बच्चे के साथ अपने बच्चे की तरह व्यवहार करें उन्हें शुद्ध प्रेम से प्यार करे , ऐसा प्यार जिसमें कोई गिरावट नहीं है या इसमें अवैध शर्मिंदगी नहीं है?"

हाबिल की दलील से कैन के दिल में नफरत कम नहीं हुई, न ही वह ईश्वर की सजा से डरता है। यहाँ तक कि भाईचारा भी किनारे कर दिया गया।कैन ने हाबिल का गला पकड़ लिया और उसे मारने के लिए हाबिल का गला मरोड़ना शुरू कर दिया, लेकिन भाई के आंसू ज्यादा फुर्तीले थे।

हाबिल ने संघर्ष किया और दया और उनके भाईचारे का आह्वान करते हुए और विनती करते हुए कैन की पकड़ से छूट गया। "मेरा अपना खून

का भाई!" हाबिल चिल्लाया । "क्या वह तुम्हारा परमेश्वर नहीं था जिसने तुम्हें जिस दिन से आपका जन्म हुआ खाना खिलाया? क्या यह तुम्हारा ईश्वर नहीं था जिसने ऐसा होने दिया के आज सुबह आपने जो खाना खाया वह पच गया? मुझे बताओ, हे मेरे भाई, उसका खाना खाते हो और उसकी धरती पर चलते हो और उसकी हवा में सांस लेते हो फिर भी तुम अपने परमेश्वर की आज्ञाओं को कैसे तोड़ सकते हो? अगर उन्होंने आज वसीयत की और आपका पाचन बंद कर दिया, तो ताकत, सारी बिजली, सारा जादू, सारी ऊर्जा और सब कुछ इस ब्रह्मांड की शक्ति आपके भोजन को अपने आप पचा देती है? फिर भी, आप अपने प्रभु की पवित्र आज्ञाओं की अवज्ञा करते हैं और एक ऐसा तरीका जिसका उन्होंने खंडन किया ऐसा आचरण करते हैं! फिर भी, आप उसकी आज्ञा को अस्वीकार करते हैं और आप जो थे उसके साथ अपनी शारीरिक इच्छा पूरी करने के लिए आगे बढ़ें जिसे उन्होंने बहन की तरह रक्षा करना और प्यार करना सिखाया?"

शैतान इस बातचीत को बड़े मजे से देख रहा था, और वह अंततः कैन के पास पहुंचा और उसे इंसानों को मार डालने के कुछ अन्य तरीके सिखाए। शैतान ने कैन को तेज़ वस्तुओ का उपयोग करके दिखाया जो मनुष्यों को मारने के लिए अधिक प्रभावी थीं, और उसे दिखाया किसी लक्ष्य पर पत्थर कैसे फेंके जाएं, लेकिन हाबिल नहीं रुका अपने प्रिय भाई को प्रेमपूर्वक उपदेश देता रहा। "अरे भाई! शैतान को तुम अपने परमेश्वर के सामने आदमी की निर्बलता और दासता सिद्ध मत करने दो !"

नेक भाई ने कुछ पंक्तियाँ पढ़कर कैन से विनती की उसे यह विश्वास दिलाने के लिए कि कोलिमा का प्यार किसी को जान से मारने के लिए सार्थक नहीं है :

"प्रिय, तुम उन लोगों को धोखा देते हो जो तुम पर विश्वास करते हैं।
हे प्रिय, तू उन लोगों को धोखा देता है जो तुझ से बचना चाहते हैं।

प्यार, तुम उन लोगों को गुलाम बनाते हो जो तुम पर विश्वास करते हैं।
प्रिय, तुम उन लोगों को नष्ट कर देते हो जो तुम्हारी रक्षा करते हैं।
प्रिय, तुम उन लोगों को मार देते हो जो तुम्हारे बारे में सच्चाई उजागर करने की कोशिश करते हैं!
प्रिय, तुम मूर्ख दिलों को निशाना बनाना कभी नहीं छोड़ते!
प्रिय, आप उन सभी को उग्र डार्ट्स से जला देते हैं!
प्रिय, तुममें फफूंद की गंध आती है जो कामुकता से सजी हुई है,
एक भयावह राक्षस जो लोगों की आत्माओं को शराब की तरह खा जाता है!
और एक उद्धारकर्ता राजा या एक कृपालु देवदूत का चेहरा प्रदर्शित करता है,
जबकि मानवजाति को घोर बेवफा होने में सक्षम बनाते हुए!
प्रिय, तुम उन लोगों की आत्मा को नष्ट कर देते हो जो दयालु हैं!
प्रिय, तुम मनुष्यों को तब तक नहीं छोड़ते जब तक तुम उनके मन को दूषित न कर दो!
प्यार, तुम इंसानों को सबसे ख़राब इंसान में बदल देते हो!
प्रिय, तुम उन सभी को मूर्ख बनाते हो जो तुम पर विश्वास करते हैं!
प्रिय, तुम ऐसे कानून बनाते हो और उनका अपमान करते हो जो तुम्हें रोकते हैं!
प्रिय, तुम संसार के सामने एक महान और नेक वस्तु के रूप में प्रकट होते हो
प्रिय, तुम उन लोगों को पीड़ित करते हो जो तुम्हें मारने से रोकते हैं!
प्रिय, आप पुरुषों को आनंद सिखाने के लिए गद्य का उपयोग करते हैं!
प्रेम, तुम लोगों को झूठे माप का उपदेश देने के लिए कविता रचते हो!
प्यार, मिठास से तुम चाहत से जहर छिपाते हो!
प्रिय, आप अपने आप को प्रेरणा देने के लिए निःसंदेह आत्माओं में आमंत्रित करते हैं!
प्यार, आप लोगों के दिलों में तब तक घुस जाते हैं जब तक वे छुटकारा नहीं पा लेते आप में से!

प्यार तुम एक ऐसी बीमारी हो जो इंसान को गुलाम बना देती है और गुस्सेवाला भी!
प्रेम, आप स्वतंत्र मानव ह्रदयों को निष्प्राण स्वार्थी में बदल देते हैं!
प्यार, तुम मासूमियत का अभिनय करते हो, लेकिन काश लोग प्यार को जानते जो दुख लाता है!
कंघियों में छिपा हुआ, प्यार लुभाता और भटकाता है,
शहद और मधुमक्खी की तरह, यह फँसाता है और तोड़ता है!
प्यार चुभता है और पीछे हट जाता है और पूर्व प्रेमी भूल जाते हैं
आशा करते हुए भी व्यभिचारियों को प्रोत्साहित करना,
वासना के वे पाप शीघ्र ही क्षमा किये जायेंगे,
और स्वर्ग के वादे स्वर्ग में ही रहते हैं!
प्यार, आप कम उम्र के लोगों को टारगेट करते हैं और उनसे महानता वादा करते हैं!
प्रिय, आप लोगों को एक विलक्षण मित्र और योग्य गवाह प्रतीत होते हैं!
प्यार, आप अपने पीड़ितों पर अत्याचार करते हैं और उन्हें वासनापूर्ण गुलाम और राक्षस बनाते हैं!
प्रिय, आप लोगों को बहकाने वाला और अंततः घृणित छेड़छाड़ करने वाला बनाते हैं!
प्रेम, तुम एक भ्रष्ट चीज़ हो जो आदमी की मानवता को मिटा देती है,
प्रेम, तुम्हारी प्रार्थना के बिना, मानवजाति स्वर्गदूत बन जाएगी!
प्यार, तुम्हारे घास के बिना, शैतान के पास भी कुछ इंसानियत होगी !
प्यार, तुम आशीर्वाद के रूप में छिपा हुआ नैतिकता एक अभिशाप हो जो सब कुछ मिटा देता है!
इश्क़ तू एक ऐसा नशा है जिसकी लत से कोई इंसान छुटकारा नहीं पा सकता!
प्यार, तुम एक बीमारी हो जो दवा का रूप धारण कर लेती है!
प्यार, भगवान के अलावा कोई भी आपके क्रोध से मानव जाति की रक्षा नहीं कर सकता!
प्रिय, तुम मानवता और इस युग के लिए सबसे बड़ा अभिशाप हो!

प्रिय, ब्रह्मांड अब भी मानता है कि तुम एक आशीर्वाद और चमत्कार हो! प्यार करो, वे नहीं जानते कि तुम कैसे धोखा देते हो और जाल में फँसाते हो!
युवाओं को धोखा देना, बूढ़ों को गुमराह करना और ठगना,
हे प्रिय, तेरी सच्चाई प्रेमियों की आंखों के सामने प्रकट हो जाएगी!
हाबिल ने आगे कहा, "शैतान को इतनी संतुष्टि मत दो और अपनी अभिलाषाओं का दास नहीं बनो ,हे मेरे अपने भाई कैन,!
वास्तव में, यदि आप अपनी खुशी के गुलाम बन जाते हैं, तो आप जल्द ही अपने प्रेमी या अपने धन और आपकी अपनी सफलता के लिए ब्रह्मांड को नष्ट कर दोगे! इसलिए, न तो प्रेम करें और न ही महत्वाकांक्षा और आशा या आराम और शरीर की लालसा तुम्हें क्रूर और समस्त मानवता के प्रति हृदयहीन बनाती है!"

बेतहाशा उदासी की लहरों ने आदम और उसके मन को घेर लिया गहरी आहें भरीं, और उसने सोचा कि उससे यह घातक गलती कैसे हुई। सचमुच, वह अपनी पत्नी के प्रति प्रेम से अभिभूत हो गया था कैन वैसे ही अपनी ही जुड़वाँ बहन से प्रेम करता था! आदम ने उस समय के बारे में सोचा जब हव्वा की निषिद्ध वृक्ष के फलों का रस चखने की विनती मना करना उसके लिए कठिन हो गया था! आदम और उसकी जाति को, परमेश्वर ने अंतिम नियम में आश्वासन दिया,
"हमने तुम्हें एक मध्यवर्ती राष्ट्र नियुक्त किया है जो तुम लोगों के गवाह हो सकते हो, और यह कि रसूल आपका गवाह हो सकता है... भगवान आपके विश्वास को कभी बर्बाद नहीं होने देंगे -वास्तव में, ईश्वर लोगों के प्रति अत्यंत दयालु, दयालु है।" (अंतिम नियम, 2:143)

"ओह, वासना और इंसानों की गुलामी जिसे लोग प्यार कहते हैं!" आदम धीरे से फुसफुसाया। "कहो, तुम मनुष्यों को मूर्ख और निर्बल प्राणी कैसे बना सकते हो जो उनके रब का आदेश भूला देते है?" सचमुच, प्रेम की

टपकती निहाई में ज़हर होती है जो सबसे धर्मी इंसान जिसमे नैतिक मूल्यों का उच्चतम स्तर होता है उसको रातों-रात राक्षस बना देती है!

वास्तव में, जीवित व्यक्ति उसके प्रियजन का प्यार पाने के लिए अपनी शक्ति में कुछ भी कर सकता है! ओह, वे कैसे निर्दोषों को मारेंगे या फंसाएंगे अपने आप को प्रियजन से प्यार करने के लिए! जो प्यार करता है वो खुशी से किसी का भी अपमान करेगा, हत्या करेगा या किसी पर भी हमला करेगा जो उसके प्रेमी के और उसके प्यार के बीच आने की कोशिश करेगा?

आदम अपने परिवेश के प्रति केवल आधा सचेत था। पृथ्वी ज़िंदगी एक काले सपने की तरह थी, जहाँ वह और हव्वा एक नहर पर थे जो अनंत काल तक फैली हुई है। उसे लगा मानो पृथ्वी पर उसके दिन एक उतरते हुए ज्वार की तरह गुज़र रही थी जो एक तटीय पहाड़ी से दूर और दूर नीचे उतर रहे थे और प्रत्येक घंटे के साथ, निश्चित समय के साथ हर एक भाग लुप्त होता जा रहा था । एक लंबे समय तक रहने वाला दुःखद सन्नाटा आदम की गोल विशेषताओं में फैला हुआ था, उसने रोना और और अपने प्रभु से प्रार्थना करना जारी रखा। “हे सात स्वर्गों के परमेश्वर! क्या तू उस पापी को क्षमा न करेगा जिसने अपने दिन और रात को तेरी इबादत और माफ़ी मांगने में व्यतीत किए हैं? ओह, मेरे इस धड़कते हुये दिल के निर्माता ! क्या तुम मुझ जैसे पापी को क्षमा नहीं करोगे जिसने गंभीर गलती की? हे भगवान! मैं केवल आपकी ही पूजा करता हूँ और अकेले मैं रोता हूँ! क्या आप मुझे अपनी माफी की पवित्रता प्रदान नहीं करेंगे? ओह, मेरे चेरिशर! क्या आप मुझे आपकी क्षमा का संकेत नहीं देंगे! मैं और मेरी पत्नी तुम्हें पुकार रहे हैं, और हम केवल आपसे प्रार्थना कर रहे हैं, आपसे क्षमा की भीख मांग रहे हैं! हे भगवान! हम से बैर न करो, और यह न समझो कि हम ने तुम्हारी आज्ञा विरोध में न मानी !"

"आह," आदम ने गहरी आह भरी, "अगर मेरे बच्चों को यह पता होता उन सभी का परलोक में जाना नियति था, जहाँ से वे कभी वापस नहीं लौटेंगे, तब वे पापों से दूर रहने दोगुने सावधान हो जायेंगे।" जैसे ही उसने ये शब्द कहे, उसकी उदास आवाज़ लड़खड़ाइ और टूट गइ ।"

शैतान ने कई वर्षों तक मानव मानस की जांच की थी,अब उसे विभिन्न न्यूरोसियों की अच्छी समझ हो गई थी जिसका प्रभाव लोगों के मन पर पड़ा। वह लगातार आदम के पुत्रों के जीवन को नष्ट करने की योजना बना रहा था और अब वह स्वर्गदूतों को संबोधित करते हुए गगनभेदी स्वर में चिल्लाया "ओह, मैं जीतूँगा! मैं एक भी मनुष्य को प्रवेश स्वर्ग में भगवान की कृपा में नहीं करने दूँगा । मुझे लावा के माध्यम से घसीटा जाये और तारकोल के गड्ढों में जला दिया जाये ,इससे पहले कि एक आदमी या औरत उनके ईश्वर और निर्माता में विश्वास करके मर जाए! मैं कभी भी ईश्वर की अवज्ञा नहीं करूँगा और न ही बनाने वाले को इन्कार करूँगा, परन्तु परमेश्वर ने जिन घिनौने प्राणियों को गन्दी मिट्टी से बनाया है वे सीमा से अधिक उल्लंघन करेंगे और एक दूसरे पर झपटेंगे और आक्रमण करेंगे। मैं उन्हें जो चाहें करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा, और मूर्ख महिलाएँ सोचेंगी कि बंदरों और सूअर की तरह सड़कों पर नग्न होकर घूमना यह एक आजादी का संकेत है , और वे अनियंत्रित रूप से पाप करना शुरू कर देंगे, और सार्वजनिक रूप से व्यभिचार करेंगी। वे मंदबुद्धि और गन्दी औरतें सड़क पर किसी भी व्यक्ति को उन्हें कोड़े मारकर मार डालने देंगी और सोचेंगी यही आज़ादी और प्यार है । वे मान लेंगे कि अजीब और जंगली लोगों द्वारा पीट-पीट कर टुकड़े-टुकड़े कर दिया जाना यह पाना उनका अधिकार है और वे सब सोचेंगी कि वे खुश और स्वतंत्र हैं। दरअसल, वे इंसान जो भी उनके सामने आएगा उसे मार डालेंगे और लूट लेंगे, और जल्द ही, पृथ्वी पर पापियों के अलावा कोई नहीं होगा। वे जो बहुत बुद्धिमान हैं और भगवान के पवित्र और महान नियमों को याद रखेंगे उनपर बेरहमी से हमला किया जाएगा । मैं उन धर्मपरायण लोगों को यौन अपराधों के लिए फसाऊंगा । मैं उन नग्न

महिलाओं को यह विश्वास दिलाऊंगा धार्मिक पुरुष सभी बलात्कारी हैं, और फिर हर आदमी और ऐसी महिला जो सार्वजनिक रूप से व्यभिचार करती है और एक-दूसरे के पिछले हिस्से को कोड़े मारती है गधे ख़ुशी-ख़ुशी इकट्ठा होकर अत्यंत यातनापूर्ण ढंग से पवित्र लोगों की हत्या कर देंगे, जब तक कि पृथ्वी पर एक भी धर्मी पुरुष या स्त्री न बच सके। फिर
बाकी सभी पापी अनंत काल तक नरक में ही रहेंगे! यदि मानव जाति ने ईश्वर में विश्वास करने का निर्णय लिया तो यह मेरे लिए दुर्भाग्य होगा और नरक के अंधकार से बच जाओ!"
जैसा कि शैतान ने सबसे अधिक कड़वाहट से कहा, आदम और हव्वा आँसुओं में में बह गए, और दुःख के बादलों ने उसे हर तरफ से ढँक लिया, और उन्होंने क्षमा के लिए प्रार्थना करते हुए चुपचाप ईश्वर से बात की। "हे प्रभु! स्वर्ग और पृथ्वी और मेरे रचयिता! मेरे साथ अन्याय हुआ है! मैंने आपके विरुद्ध अत्यंत गंभीर पाप किया, लेकिन वास्तव में मै आपका आदेश भूल गया था और मैंने उसके महत्व को अनदेखा कर दिया। मैं यह गलती कभी नहीं दोहराऊंगा। क्या आप मुझे आपकी क्षमा की ज़मानत नहीं देंगे? क्या मैं आपकी दया के निश्चितता पर दावा नहीं कर सकता? काश, मेरे पास माफ़ी का कोई सबूत होता?"

जब हव्वा रो रही थी, आदम ने उसके दर्द को शांत करने के लिए कुछ पंक्तियाँ बोलीं दिल:

"प्यार करने के लिए मैंने अपना दिल और उसका भरोसा दिया,
अनजाने में यह मनुष्य को वासना का गुलाम बना देता है!
और सम्मान को नष्ट कर देता है और शरीर को अपमानित करता है,
नई शुरुआत करने से पहले स्वयं का अपमान करता है !
ओह, प्रेम शरीर और हृदय का कितना तिरस्कार करता है!
यह कैसे गरिमा को जलाता है और अहंकार को खंडित करता है,
और तब कोई मन और कोई आत्मा नहीं रह जाती,

न प्रेम भरे मुख्य में स्वाभिमान!
पुराने ज़माने की शराब और सड़े हुए पेय की तरह,
मेरे प्रेमी का प्यार सोने की तरह चमक गया था,
और मेरे सम्मान और संस्कार को नये सिरे से जब्त कर लिया,
और मुझे स्वर्ग के आकाश से निकाल दिया!
हे मनुष्यों का प्रेम मेरी बुद्धि से दूर रहता है,
इसने मेरे राज्य को धोखा दिया और चुरा लिया!
सिंहासन से उतार दिया गया, वस्त्रहीन कर दिया गया, और अपमानित किया गया, हवस के प्यार ने मेरी किस्मत ख़राब कर दी!"

आदम ने आँसुओं से प्रार्थना की। "हे यदि मैंने क्षमा की दिव्यता अर्जित की होती और अपने जीवन के शेष दिनों को पवित्र पवित्रता की सहजता से जिता !" वह तारों रहित आकाश के नीचे खड़ा होकर अंधकार महसूस कर रहा था, आदम का शरीर कांप रहा था और अपने भविष्य के बारे में सोचते हुए ताज़ा आँसू बहने लगे। उसके कानों में बिजली की गड़गड़ाहट हुई, और वह घबरा गया। सचमुच, ऐसा भयानक शोर उसने स्वर्ग में कभी सुना था। आदम अपने निर्माता के साथ निम्नलिखित शब्दों के साथ बोला। "हे ब्रह्मांड के भगवान! मुझे आपकी दया की आशा है! सचमुच, मेरा विश्वास है मेरे निर्माता की असीम दया पर, जिसने जब से मैं मिट्टी से बना हूं, तब से मुझ पर नजर रखे हुए है, और जिसने मुझे जन्नत में सम्मान के साथ पनाह दी और जिसने मुझे सारी मानवजाति से श्रेष्ठ बना दिया! हे भगवान! वास्तव में, आपने इस दूर के संसार में मुझे आश्रय दिया और मेरे पापों को भी क्षमा कर दिया जब मैंने स्वर्ग में वर्जित फल खाकर तुम्हें धोखा दिया! आपका प्यार और दया मेरे साथ हर जगह रही है जहा जहा मैंने यात्रा की, और यह आपकी दयालुता थी जिसने निराशा और हताशा की घडी में मुझे आराम दिया ! हे मेरे और मेरे पुत्रों के अपराध क्षमा करो! और तेरी दया और क्षमा हम पर बनी रहे !"

वसंत का भूत केवल एक हाथ की दूरी पर था, और बादल अभी भी बर्फीले कफन की तरह सिर पर फैला हुआ है। आदम और हव्वा के रोने पर जंगली पेड़ की शाखाएँ ठंडी हवा में कांपने लगी, अपने बेटे के विश्वास और नैतिकता के पतन पर शोक मना रहे हैं।

"ओह, मैं निराशा की इस खाई में कैसे डूब गया,
इससे मेरा दिल फट गया और मेरे बाल सफ़ेद हो गए!
क्या यह नश्वर प्रेम फिर से जीतेगा,
और मेरे दर्द की परछाइयाँ मिटा देगा ?
रात की छाया के खिलाफ दौड़,
प्रेमी प्रेम की प्रसन्नता से मोहित हो जाते हैं,
परन्तु जब आयु आ गई और मृत्यु निकट आ गई,
इस दिल से प्यार तेजी से गायब हो जाता है!

कुछ दूरी पर, हाबिल एक बच्चे की तरह सिसक रहा था और उसके भाई का हाथ गले लगाते हुए चिल्लाकर बोला, “ओह, मेरे भाई वासना को तुम्हें गुमराह मत करने दो और तुम्हें मूर्ख मत बनाने दो और जो तुम्हें अपने निर्माता के प्रति सच्चाई और कृतज्ञता का मार्ग से भटका देते हैं! वास्तव में, हे कैन, कोई भी इंसान तुम्हें तुम्हारे रब से ज्यादा प्यार नहीं कर सकता क्योंकि वह वही है जो उन लोगों के दिलों में तुम्हारे लिए प्यार डालता है जिनसे वह प्यार करता है ! इसलिए, किसी झूठी भावना के कारण अपने आप को गुमराह न करो यह प्यार हो या नफरत, क्योंकि वास्तव में आपका भगवान किसी भी गुजरते या संक्षिप्त क्षण में मनुष्य के दिलों को बदल सकता है।

“ओह, मेरे भाई! अपने रब से माफ़ी मांगो जिसने तुम्हे बनाया, तुम्हें खिलाया, तुम्हें कपड़े पहनाए, तुम्हें बचाया, तुम्हें सांत्वना दी और तुम्हारा सम्मान किया! क्या तुम्हारे रब ने तुम्हें पैदा नहीं किया? क्या उन्होंने आपको अनंत काल तक पुरस्कृत करने के लिए स्वर्ग का निर्माण

नहीं किया? सचमुच, मेरा निर्माता केवल देता है और बिना बदले, बिना अंत, बिना सीमा के देता है परन्तु मनुष्य उसकी आज्ञा नहीं मानता; मनुष्य तब तक उसका इन्कार करता है जब तक उसकी दया धरती से नहीं चली जाती! इस प्रकार, मानवजाति ने स्वयं को अपने पापों और पागलपन से घृणा की आग में नष्ट कर लिया! निश्चित रूप से, यदि हम सभी अवैध वासनाओ और आधार इच्छाओ का अनुसरण करें ,तो मानव शरीर अब

पवित्रता का पात्र नहीं रहेगा, क्योंकि हर पाप पागलपन की ओर ले जाता है आप जितना अधिक पाप करेंगे, आपका मन उतना ही अधिक पागल हो जाएगा, और आपके हृदय को अधिक पीड़ा का अनुभव होगा। आप या तो

आप अपने प्रेमी की गुलामी के कारण पागल बन जायेंगे या लालच और नफरत से पागल हो जायेंगे जिससे तुम्हें विवेक के संतुलन का नुकसान होगा! इसलिए, मैं आपसे विनती करता हूँ हर प्रकार के पाप से दूर रहो और हर वो चीज जिससे आपको अवैधता की ओर आकर्षित करें या आपको स्वर्ग से दूर ले जाएँ उससे दूर रहो। वह ईश्वर जिसने तुम्हें बनाया है उससे सहायता मांगना और वह तुम्हें किसी भी बेवफा मानव हृदय से भी अधिक प्यार करता है!”

“ओह, मेरे भाई! दरअसल, हम इस दुनिया में कुछ दिनों की गिनती की के लिए आये है, इसलिए इसका हर मिनट अपने प्रभु का स्मरण, परम आदरणीय, सबसे अधिक उन सभी में उच्च, सबसे उदार और सबसे गैर-न्यायशील कौन अस्तित्व में है ऐसे बिताये! हमारे भगवान की ओर मुड़ें! अपने निर्माता की ओर मुड़ें और उससे इंसान की गुलामी से दूर रहने की कुछ ताकत के लिए और मानव हृदय की गुलामी जो तुम्हें बनाएगी क्रोधित करती है उससे दूर रहमे की विनती करें, अंधा और उस व्यक्ति को छोड़कर बाकी सभी से घृणा करने वाला जिसने तुम्हें गुलाम बना लिया!”

शैतान को कई विषयों के बारे में पता चला और उसने प्रयास किया मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में अधिक जानने के लिए ताकि वो उन्हें शरीर और मन से नियंत्रित करें, उन्होंने विभिन्न न्यूरोसिस के बारे में जाना जिसका प्रभाव मानव मस्तिष्क पर पड़ता है और उन्होंने इसकी खोज की के शराब और महिलाओं से ज्यादा कोई भी चीज़ इंसानों को भ्रमित करने का काम नहीं करती। मानवजाति को बुरे कार्य करने के लिए प्रेरित करने के लिए कई वर्षों से, वह योजना बना रहा था और षडयंत्र रच रहा था । अकेले, वह असफल हो सकता था, लेकिन नशीले पदार्थों की सहायता से, शैतान को विश्वास था कि वह उन सभी को गुमराह करने में सक्षम होगा। वह जानता था नशीले पेय पदार्थों ने मनुष्य के बुद्धिमान मस्तिष्क को भ्रमित कर दिया, और महिलाओं के प्रति वासना ने उन पुरुषों को एक-दूसरे का गुलाम बनाने में मदद की और उनसे ब्रह्मांड में सबसे भयानक काम करवाये। कैन और हाबिल के साथ, शैतान ने एक महिला के वादे का सहारा लिया उन्हें धोखा देने और नष्ट करने के लिए।

जब हाबिल ने देखा कि उसकी बातों का उसके भाई पर कोई असर नहीं हो रहा है , उसने अपना चेहरा भूरे आकाश की ओर किया और रो पड़ा। "ओ प्यार !" वह चिल्लाया. “वास्तव में, तुम एक राक्षस हो! तुम एक बुरी चीज़ हो! आप अपने आप को आराम और दया से से छिपाते हैं, तौभी तू भीतर से मनुष्योंके मन की इच्छा करता और उन्हें अपने प्रेमी के दास बनाता है और उनकी आत्मा, उनका विश्वास और उनकी ताकत को नष्ट कर देते हैं, तब तक है जब तक वे इंसान एक जंगली कुत्ते के समान नहीं बन जाते जो काटने और खा जाने को तैयार है जो कोई उनके प्रेमी को उनसे दूर ले जाने की धमकी देता है! ओह प्यार! आपकी गंध कितनी मधुर है, आपके कार्य कितने आशावादी हैं और आप कितना हानिरहित व्यवहार करते हैं! यदि केवल लोगों को पता होता कि आप अपनी युक्तियों और आशा से मानवजाति के साथ क्या करते हैं! यदि केवल मनुष्य ही जानता कि कैसे कितने युद्ध, कितनी मौतें, कितनी

यातनाएँ और तू अपने लिये मनुष्य से कितनी हत्याएं करवाएगा? तब वास्तव में, इस दुनिया के इंसान हर प्रेमी को उनके हाथ और पैर से खींच लेंगे और उन्हें इस ब्रह्मांड से दूर कर देंगे!"

कैन के मन में अपने जुड़वा के प्रति तीव्र इच्छा ने अज़ाजेल को जीत की ख़ुशी दिलाई । शैतान ने पहले से ही इसकी योजना बनाई थी। वह चाहते थे कि मानवजाति कामुक व्यवहार में संलग्न रहे, और नशीले पदार्थ से धोखा खाये, क्योंकि वह जानता था कि केवल शराब और महिलाओं के माध्यम से ही वह उन्हें एक पागल जानवर की तरह पाप करवाने में सफल होगा। अज़ाजेल की इंसानों से नफरत ने उसे पूरी तरह से एक अपमानजनक लुटेरे में बदल दिया था। वह अथाह खाई के बीच रहता था जिसने उसे आदम से अलग कर दिया। वह मानव जाति को केवल अस्तित्व के लिए कष्ट देना चाहता था क्योंकि यह उनकी उपस्थिति थी जिसके कारण हुआ उसे अनुग्रह से गिरना पड़ा।

इस बीच, हाबिल खुद से बात करते हुए अपने भाई को वही छोड़कर चला गया । "ओह, प्यार, तुमने मेरे ईश्वर-भयभीत भाई के साथ क्या किया है वो वो अब पागल हो गया है और हर शालीनता, हर आत्मसंयम, हर भय और अपने भगवान के लिए कृतज्ञता भूल गया है और एक राक्षस बन गया जो पागल कुत्ते की तरह हांफता है क्या वह अपनी वासना और लालच को संतुष्ट कर सकता है?" पीड़ा में फुसफुसाते हुए, हाबिल अकेले उस अँधेरे जंगल में चला गया जो अनंतकाल तक फैला हुआ लग रहा था। वह अपने पैरो से उबड़-खाबड़ ज़मीन पर लक्ष्यहीन रूप से चल रहा था और सूखे पत्ते कुचल रहा था । अचानक उसे अपने पीछे एक आवाज सुनाई दी। गर्दन घुमाते हुए हाबिल की नज़र एक बलोवाले जिव पर पड़ी । फिर वह उसने देखा कि एक चिल्लाता हुआ भेड़िया पदों को कुचलते हुए उसके पीछे दौड़ता हुआ आ रहा है। उसने हाबिल को जमीन पर गिरा दिया हबील ने देखा उसका शक्तिशाली जबड़ा खुला था और उसके गरदन में नुकीले दांत धंसाने वाला था ।

हालाँकि कुछ सेकंड पहले, हबील ने पैरो की गड़गड़ाहट सुनी, उसका भाई कैन आ गया था, और उसने अपने भाई कैन को टक्कर मार दी और मांसल शरीर भेड़िये में घुस गया और जानवर पर कुचलने वाली ताकत से ऐसा प्रहार किया कि भेड़िये ने जोर से चीख निकाली और मर गया। जैसे ही विशाल रोएँदार शरीर ज़मीन पर गिरा, कैन ने उसके भाई की पैरो पर खड़े होने में मदद की । उनका पिछला झगड़ा भूल गया; दो भाई साँस लेने के लिए रुके।

एक बार जब भाई जंगल से चले गए, तो उन्होंने अपनि बातचीत फिर से शुरू की । कैन ने एक बार फिर जुड़वां कोलिमा से शादी करने की इच्छा दोहराई , और हाबिल ने उसे याद दिलाया कि परमेश्वर के नियमों द्वारा सहोदर भाई-बहनों के बीच में शादी पर प्रतिबंध लगाया गया था। इस कथन से कैन क्रोधित हो गया और उसने हाबिल को धमकी दी कि यदि उसकी इच्छा के विरुद्ध एक और शब्द कहा तो वह उसे मार डालेगा।

हाबिल अपने भाई से प्यार करता था और वह जानता था कि कैन ने प्रतिकूलताओं से और विभिन्न आपदाओं से उसका बचाव तब से किया है जब वे लड़के थे, लेकिन उसका दिल उसे नैतिकता से अंधा होने की इजाजत नहीं देगा। उसने कैन को समझाने की कोशिश की के कोलिमा उनकी अपनी सगी बहन थी, जो उनके द्वारा सुरक्षा की हकदार थी।

"हम कोलिमा के भाई हैं," हाबिल ने निवेदन किया। “यह हमारा कर्तव्य है
उसके सम्मान की रक्षा करें, उसका शोषण न करें। हमें शरीर की अभिलाषा के सामने झुकना नहीं चाहिए और हमारे परमेश्वर की आज्ञाओं को भूलना नहीं चाहिए!”

“मैं जैसा चाहूँगा वैसा करूँगा!” कैन ने धमकी भरे स्वर में कहा।

"ओह, मेरे अपने भाई!" हाबिल चिल्लाया “तुम्हारा दिल क्या हो गया है?! क्या तुम्हारे दिल के अंदर कोई दया या सच्चा प्यार नहीं बचा है? ?! क्या तुम्हारे लिए हर प्रेम स्वार्थ पूर्ति का साधन बन गया है? क्या तेरे दिल का हर प्यार इतना नापाक और विचलित और घृणित हो गया है कि आपके पास शुद्ध प्रेम नहीं बचा उस व्यक्ति के सुरक्षा के लिए भी जिसके साथ यौन संबंध तुम्हारे भगवान ने वर्जित किया है? क्या आप हर इंसान का इस्तेमाल करेंगे, भले ही भगवान ने इसे मना किया हो, जब तक आपकी अपनी स्वार्थी इच्छा और आपकी पशु वासना की लालसा पूरी नहीं हो जाती? तुम्हारा हृदय इतना मृत, इतना घिनौना और इतना बीमार हो गया है कि तुम्हारे दिल में कोई निःस्वार्थ बचा नहीं है जिन लोगों का रक्षा और बचाव करने का आदेश इश्वर ने दिया है न कि छेड़छाड़, दुर्व्यवहार करनेका ? ओह, मेरे भाई! भगवान की माफ़ी मांगो जिसने तुम्हें इतने प्यार और देखभाल से बनाया। शैतान आपके साथ अपनी चाल मत चलने दो या उस परमेश्वर के सामने अपना अपमान मत होने दो
जिसके प्रेम ने तुम्हे बचाया है, जब तुमने पाप किया था यह सर्वज्ञ भगवान अभी भी आपकी रक्षा कर रहे हैं?”

अपने भाई को बात सुनाने में असमर्थ, हाबिल ने कैन के दिल को पिघलाने के लिए उस समय को याद किया जब वे लड़के थे और मैदान में खेलते थे। हाबिल ने अपने भाई को याद दिलाया कैसे उनके पिता आदम अपनी शामें हाबिल और कैन के अस्तित्व से बहुत पहले की दिल छू लेने वाली कहानियाँ सुनाने में बिताते थे। उन्होंने स्वर्ग के सुखद उपाख्यानों को याद किया जो आदम ने उन्हें बताया, और कैन को अति सुंदर स्वर्ग के मंत्रमुग्ध कर देने वाली कहानियों की याद दिलाई और यूटोपियन दुनिया का एक ग्राफिक चित्र चित्रित किया।

हाबिल ने अपने भाई की मदद करने के लिए ज्ञान की कुछ पंक्तियाँ बोलीं ताकि समझें कि मानव मांस का पीछा करना गैर-जिम्मेदाराना था:

“कैसे एक प्रेमी अपने शिकार का पीछा शिकारी कुत्ते की तरह करता है,
महामारी और पीड़ा से बेखबर,
किसी प्रियजन का प्यार जीतने के लिए, जो बहुत प्रिय है,
निन्दात्मक हवा से कोई भी झिझक नहीं सकता,
और तत्परता से सभी कलाहीन दूसरों को लूटता और बर्बाद करता है,
चाहे वे बहनें हों, पत्नियाँ हों, माँ के भाई हों,
क्योंकि प्रेम सुस्पष्ट वासना के दासों को गुलाम बना लेता है,
और भरोसे के हाथ से जंजीर तोड़ देता है;
सबसे प्यारे खून के रिश्ते से भी ईर्ष्या,
प्रेमी बिना दिल या भावनाओं के हत्या करेगा,
अपने प्रेमी के प्रेम का एक क्षण पाने के लिए,
वह धोखा देता है और आत्मा के उत्साह को नष्ट कर देता है!
निराशा की रात कभी नहीं, प्यार कभी नहीं टिकेगा,
प्रेम की वासना की तुलना मृत्यु से कभी नहीं की जा सकती,
और मनुष्य को अथाह सागर में डुबा दो,
झूठे शब्दों और एकाकी भावना के साथ!”

कैन ने क्षण भर के लिए बहस करना बंद कर दिया और हाबिल ने फिर एक बार स्वर्ग की और देखा और भगवान से प्रार्थना की कि वह उसके भाई के दिल को यौन विचलन और वासनापूर्ण अशुद्धियाँ से परे कर दे। “ओह , मेरे जलती हुई आत्मा के भगवान ! हाबिल धीरे से बोला “मेरे भाई को माफ कर दो और उसके हृदय को हर अवैध वासना से शुद्ध करें और उसे शक्ति और सम्मान देना ताकि वो अपने हृदय को उसकी हर बुरी इच्छा का गुलाम बनने से बचा सके! ओ प्यार ! मैं तुमसे शरण चाहता हूँ , और उन पापों से जो तुम मनुष्यों से करवाते हैं! वास्तव में, मैं चाहता हूँ इंसानों की उस गुलामी से सुरक्षा जो इंसानों को भगवान

और धर्म के लिए अंधा बना देती है! मैं मानव का गुलाम बनने से बचने की आशा करता हूं जो मनुष्य को पागल और क्रोधी पागल बना देता है एक इंसान के प्रति वफादारी और उनकी पागलपन भरी नफरत और उन सभी के प्रति क्रूरता जो उन्हें उनके वासना और स्वार्थ के लक्ष्यों से रोकने की कोशिश करते हैं ! ओह प्यार! तुम कितने निंदनीय और घृणित हो! वास्तव में, यह बेहतर होता यदि तुम्हे कभी बनाया ही नहीं होता! काश इस ब्रह्माण्ड में प्रेम न होता, तो कम से कम हम हमेशा के लिए स्वर्गदूतों की तरह पापरहित और स्वतंत्र और हमारे रचयिता और सृजनहार के प्रतिफल के योग्य हो सकते थे! तू कैसे अमानुष है हे हवस! यह कौन सी नीच चाल है जो तुम सबसे अच्छे आदमी को सबसे बुरे आदमी में बदल ने के लिए अपनाते हो? आप सबसे महान व्यक्तियों के हृदयों को मोड़ने के लिए ऐसा क्या करते हैं जो उन्हें पागलों और गुलामों में बदल देते हैं जो मारते हैं, चोट पहुँचाते हैं, यातना देते हैं और फँसाते हैं
और किसी भी मनुष्य को नष्ट करते है और परमेश्वर के वचनों को अशुद्ध करते है और विकृत करते है ,कोई भी धर्म जो उन्हें खुद पर नियंत्रण रखने की सलाह देता है और अपनी ही वासना, अहंकार और लालच के पागल गुलाम नहीं बनने देता है?

हाबिल की आंसुओं भरी चीखें शैतान के कानों तक पहुंचीं और वह यह चिंता करने के लगा कि उसके तर्क अंततः कैन को होश में आने के लिए मजबूर कर सकते हैं और वह कोलिमा से शादी करने की अपनी इच्छा छोड़ सकता है। ओह, शैतान को सख्त उम्मीद थी कि कैन अपने अवैध योजना के साथ आगे बढ़ेगा और परमेश्वर का क्रोध अर्जित करेगा। तभी अज़ाजेल परमेश्वर को दिखा सकता था कि आदम की संतानें नीच थीं और पापी प्राणी जो गंदे मानव शरीर की लालसा रखते थे, भले ही ये उनके अपने सगे भाई-बहन थे।

पाप और अय्याशी का जीवन जीने के बाद शैतान छुपे हुए लोगों की संगत में समय बिता कर क्रूर बन गया । आदम के प्रति उसकी नफरत ने उसे एक पतित खूनी विध्वंसक में बदल दिया, जिसने मानव जाति को अनगिनत अपराध करने के लिए प्रेरित करने की कसम खाई थी। अब उसने खुशी से आदम को दुःख में देखा जब उसके बच्चे पाप कर रहे थे और भाइयों ने भाई के विरुद्ध हथियार उठाए और अपने स्वयं के मांस और खून को दण्ड देने की कोशिश की।

कैन क्रोधित होता रहा और पागलों की तरह चिल्लाता रहा, उसकी बहन से जबरदस्ती शादी की कसम खाता रहा और हाबिल को उसके दिल में घबराहट महसूस हुई और उसे एहसास हुआ कि निस्संदेह वह शैतान था उसके सीधे-साधे भाई के दिमाग में बुरे विचार फुसफुसा रहा था। “ओह, शैतान की चालें जिसने इंसानों को आग के जुनून का गुलाम बना लिया!” हाबिल असहाय होकर चिल्लाया। “ओ हवस और प्यार जिसने इंसान को इंसान का गुलाम बना दिया! तुम भी मुझे मेरे प्रभु के प्रेम से भटका नहीं सकते! क्योंकि मैं तुम्हारी तरकीबें और आपकी कमज़ोरियाँ और जिन तरीक़ों से आप पुरुषों पर हमला करते हैं जान गया हूं । कमजोर लोगों को टूटे हुए लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करने के लिए भेजना,इसलिए वे सारी मानवीय शालीनता भूल जाते हैं और एक व्यक्ति के प्यार और अनुमोदन के लिए पागल हो जाते हैं! तुम मुझे कभी गुलाम नहीं बना सकते, ओ प्यार! हे अभिलाषा, तू मुझे कभी मूर्ख न बना सकेगी, क्योंकि मैं ने अपने आप को मेरे सबसे उचे, सबसे महान, सबसे शक्तिशाली प्रभु और निर्माता के प्रेम और आज्ञाकारिता के साथ बान्ध लिया है। मैं करूंगा उस के दिव्य नियमों का पालन करूँगा जिसका प्रेम सभी के लिए निःशुल्क है जो लोग उसकी ओर मुड़ने की परवाह करते हैं! मैंने अपने आप को उसके अनंत साम्राज्य, उसकी अनंत आशा, उसके शाश्वत प्रेम को
और उनकी असीम दया के लिए पास सुरक्षित कर लिया है!”

आदम ने देखा कि उसके बेटे कितनी पीड़ा झेल रहे हैं और उसने हाबिल की करुण पुकार सुनी, और हताशा के साथ, उसने स्वयं को ज़मीन पर गिराया और अनजाने में उसके और उसकी पत्नी से हुई गलती की ईश्वर से क्षमा के लिए प्रार्थना की। उसने अपना चेहरा हाथो में छुपाया और उसके आँसू बहने लगे और उसने ईश्वर से प्रार्थना की कि वह उसे और उसके बच्चों को माफ कर दे। वह जानता था कि शैतान उनके कई बच्चों की पवित्रता और सम्मान नष्ट करने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करेगा। वे ईर्ष्या, अभिमान से वश में होकर एक दूसरे की हत्या और विनाश करेंगे।

जबकि कैन अपने ही अंदर के राक्षस से संघर्ष कर रहा था अज़ाजेल ने सभी छुपे हुए लोगों को कैन को शराब बनाना सिखाने का निर्देश दिया और वे अनाज को किण्वित करने और एक मादक पदार्थ में मथने सड़े हुए अंगूर और सड़ांध इकट्ठा करने लगे ताकि आदम पवित्र पुत्र नशे में धुत्त हो जाये और हत्या या प्रलोभन जैसे अक्षम्य पाप करे।

शैतान यह सुनकर खुशी से चिल्ला रहा था कि कैन नशीला पदार्थ पीने की तैयारी कर रहा था, और उसने स्वर्गदूतों को चिल्लाकर कहा।“नशे में रहने से उनके मन में भ्रम और सुस्ती भर जाएगी और अपनी स्तब्ध अवस्था में, वे खुशी-खुशी व्यभिचार करेंगे और अपनी पिछवाड़े उघाड़कर सूअरों की नाईं सड़कों पर फिरेंगे। वे शराब के हानिकारक प्रभावों से पूरी प्रभावित होंगे और जंगली और बीमार जानवरों जैसा व्यवहार करेंगे! सचमुच, उन मंदबुद्धि इंसानों को पता ही नहीं चलेगा कि ज्यादा शराब पी रहे हैं शराब के कारण उन्हें दौरे पड़ सकते हैं, दिल की धड़कन अनियमित हो सकते हैं और शराब विषाक्तता का अनुभव हो सकता है! वो मल से सने हुए शरीर हाइपोथर्मिया से पीड़ित होंगे और मर जाएंगे, और मैं आनन्दित होऊंगा क्योंकि वे नशे में और बेसुध होंगे परमेश्वर पर विश्वास नहीं कर सकेंगे और वे जल्द ही होश हार जाएंगे और

अविश्वासियों की तरह मरेंगे! ओह, मेरे लिए जीत और खुशी होगी जब वे परजीवी मनुष्य अविश्वास में मर जाएंगे!”

हाबिल शैतान की योजनाओं से बेखबर था, लेकिन वह जानता था कि प्यार कैसे खतरनाक हो सकता है उसने खुद को सख्ती से संबोधित किया, और घोषणा की, "वास्तव में, कोई भी मनुष्य मुझे बंधन में नहीं डाल सकता, कोई भी इंसान मुझे गुलाम नहीं बना सकता, कोई भी इंसान मुझे प्रताड़ित नहीं कर सकता और न ही कोई मानवीय प्रेम मुझे कभी मूर्ख बना सकता है यह सोचने देकर कि यह स्थायी है! नहीं, मैंने भी इंसानों के दिलों की गहराई, उनका प्यार और उनकी नफरत परिवर्तनशील और विश्वासघाती स्वभाव, उनकी अस्थायीता और उनकी मिथ्यात्व जान लिया है! और मैंने अपने प्यारे और दयालु प्रभु के प्रेम को जान लिया है! मैंने उनके शाश्वत प्रेम, उनकी असीम दया और उनकी भावना उदार करुणा को महसूस किया है , वह तब जब वह मानवजाति को इस जीवन में कुछ प्रतिकूलताओं के साथ कष्ट देता है, वह आने वाले अनन्त जीवन में उन्हें सबसे अच्छा पुरस्कार देता है! यह जीवन बहुत संक्षिप्त है, जहां मनुष्य
केवल कुछ गिने-चुने दिन ही जीवित रहेंगे। इन गिने हुए घंटे और दिनों का मेरे लिए कोई मतलब नहीं है! इसकी ख़ुशी का कोई मोल नहीं है! अरे बहुत लोग आएंगे इस दुनिया में मेरे नष्ट होने के बाद, और वे कल्पना करेंगे कि वे हमेशा जीवित रहेंगे! लेकिन न तो मैं और न ही मेरे बाद आने वाले लोग हमेशा जीवित रहेंगे! सचमुच, मृत्यु का समय लिखा है और वह अपने नियत समय पर आएगा! जब मौत आएगी तो उम्र या लिंग की परवाह किए बिना आयेगी ! मृत्यु के समय, धन का लालच, मांस की लालसा या घृणा या मनुष्य का अहंकार और पाप की लपटें इस जीवन में मेरे काम नहीं आएंगी या मेरी मृत्यु के बाद का जीवन में । लोगों का प्यार और नफरत न तो नुकसान पहुंचा सकते हैं और न ही फायदा।”

आदम ने हाबिल की बातें सुनीं और कैसे कैन ने उसके भाई से बर्ताव किया , और उसके दिल में दर्द हुआ जो केवल माता-पिता को अपने प्रिय बच्चो को भटकते देखकर समझ सकते हैं , आदम ने लड़कों से भगवान की आज्ञा मानने की विनती की और अपने बच्चों से आग्रह किया कि वे ईश्वर के धर्म पर कायम रहें और सभी प्रकार संप्रदाय जो महिलाओं पर अत्याचार करते हैं और बच्चों की बलि चढ़ाते हैं उनसे दूर रहे। उन्होंने अपने बेटों को निर्देश दिया कि वे अपने बच्चों को प्रोत्साहित करें और पोते-पोतियों को शैतान की अंधविश्वासी पूजा से दूर रखें और ईश्वर के सच्चे विश्वास को अपनाएं जिसने मानव जाति का सम्मान किया और उसे स्वर्ग के उच्चतम चरणों तक पहुँचाया। “यह हमारा भगवान है जिसने थोड़ी देर के लिए स्वर्ग में मुझे जीने की इजाज़त देकर इस दुनिया में भेजा और जब वह मुझे वापस बुलाएगा, मुझे वहा जाने में ख़ुशी होगी ।” बुजुर्ग पिता ने अपने बेटों से कहा। "हमारा अनंत काल, हमारा परलोक और हमारा भविष्य जो ईश्वर के पास है हमारे लिए सारी वासनाओं, सारे सम्मान इस अस्थायी संसार के सभी राज्य से भी अधिक महत्वपूर्ण होने चाहिए। चाहे हम कितना धन और सुख भोगते हैं, याद रखें, हमें ये सब बहुत जल्द छोड़ना होगा। आज, या कल, हम सब को मरना होगा। हम सब यह जीवन छोड़ देंगे! एक भिखारी और एक राजा दोनों इस दुनिया को छोड़ना होगा लेकिन जो भगवान को सबसे ज्यादा प्यार करता है, और उसकी आज्ञा का पूरी लगन से पालन करता है वह अनन्त स्वर्ग का राजा होगा!”

"वास्तव में!" हाबिल भावुक होकर कहा। “कोई जीवन का आनंद कैसे ले सकता है जब यह जानता है कि मृत्यु अपरिहार्य है? कोई वासना का शिकार कैसे हो सकता है जब पृथ्वी पर मौजूद सभी लोग किसी भी क्षण मर जाएंगे और जल जायेंगे या सड़ जायेंगे और धूल के सिवा कुछ नहीं रह जायेंगे? कामुक हंसी के साथ , प्यार प्रेमियों को ज्वाला के बिस्तर पर सोने के लिए लुभाता है गहरे धुएँ में नष्ट हो जाते है। ओह, मेरे भाई! मैं

कुछ दुखी दिनों के जीवन की अपेक्षा अनंत काल के जीवन को प्राथमिकता दूंगा मुझे समझ नहीं आता कि इंसान इस जिंदगी में जीने के लिए इतना संघर्ष क्यों करता है जब वे जानते हैं कि उन्हें हर हाल में किसी भी मिनट मरना होगा ।" ऐसे बोलते हुए हाबिल भूरे आकाश के नीचे बैठ गया।

यह एक उदास सर्दियों के दिन का धुंधलका दिन था और हाबिल दूर के तारे और शरमाते हुए चंद्रमा को टिमटिमाते हुए देख रहा था, ऐसा लग रहा था मानो किसी दूसरे ब्रह्मांड में चला गया हो, इस उदास आकाश से दूर और एक अस्पष्ट छोटे ग्रह पृथ्वी पर भूमि का भूला हुआ टुकडे से भी दूर। हाबिल अपनी प्रार्थनाओं और चिंतन में व्यस्त था और सोच रहा था उसका और उसके भाई का क्या होगा । उनका जन्म एक साथ हुआ था, एक साथ पले-बढ़े और घनिष्ठ मित्रों की तरह एक साथ रहे और उन उदास घाटियों और बर्फ से ढके पहाड़ों पर साथियों के रूप में खेला।

"मेरे लिए, मेरे भगवान का वादा सच है!" हाबिल बड़बड़ाया।"मृत्यु के बाद शुरू होने वाला शाश्वत जीवन इस जीवन से अधिक सच्चा है जो मैं वर्तमान में जी रहा हूँ! मेरे लिए, यह एक सपना है और मृत्यु होगी मुझे वास्तविक दुनिया में जगाओ। मेरे लिए यह सपना और मृत्यु मुझे नयी दुनिया में ले जायेगा, ऐसा लगता है यह जीवन एक सपना है जिसका अंत मृत्यु में होता है लेकिन मेरे लिए यह एक परीक्षण स्थल है मेरे प्रभु यह देखना चाहते हैं कि उनके स्वर्ग में हमेशा के लिए उनके साथ रहने के योग्य कौन होगा और उसकी कौन सी रचना को स्थायी रूप से स्वर्ग से निर्वासित किया जाना है! ओ भाई ! अपने निर्माता से क्षमा मांगो और कुछ दिनों या घंटों की नफरत और ख़ुशी प्रेम के लिए अपने संपूर्ण जीवन को नष्ट न करें और ।"

"मुझे कोलिमा पसंद है," कैन ने कहा। "और जिसके साथ चाहे मैं अपनी वासना को संतुष्ट करूंगा।" वास्तव में, हे मेरे भाई! ये वासना और जुनून

एक मन और हृदय की बीमारी है जो किसी की जन्मजात दया और प्यार के पवित्रता को ख़त्म कर देता है और खुद को स्वार्थ और चंद पल की ख़ुशी के लिए अपनों का पागल और क्रूर गुलाम बना लेते हैं!”

तब हाबिल ने कैन से कुछ अतिरिक्त पंक्तियाँ कहीं:
"प्रेम के पंख फैलते हैं,
और हे अपने जन्म के दिन से निराशा!
मृत्यु और क्षय शीघ्र ही आने वाले हैं,
और अंत कल आ सकता है;
लेकिन नहीं, प्यार यहाँ है और देखो!
प्रेमी और प्रेमिका बूढ़े हो गए!
प्रेम और वासना की यह आशा कितनी झूठी है,
वह जल्द ही धूल में बदल जाएगा,
जहां वासना प्रेमी को पाप में गुलाम बना देती है,
मालिक बनने या जीतने के लिए जानवर की तरह रेंकना,
इस कामेच्छा के विषय को गुलाम बनाने के लिए,
और अहंकार के लिए लाखों लोगों को नष्ट कर दो,
और एक ग़लत कारण के लिए हज़ारों को गुलाम बनाया,
जिसमें स्वार्थ और पापपूर्ण कानूनों की दुर्गंध है!”

“हे कैन!” हाबिल ने आगे कहा, “अपने आप को आपकी अपनी वासना और स्वार्थी जुनून और आपकी अपनी इच्छाओ का गुलाम मत बनने दो, परन्तु अपने प्रभु की आज्ञाओं से पीछे हट जाओ अपने हृदय और मन को नियंत्रित करने के लिए अपने अंदर पर्याप्त शक्ति रखें! स्वयं को अपनी-अपनी इच्छाओ और प्रेम या वासना की सनक का अंधा गुलाम न बनने दें! मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, अपनी वासना और क्रोध के गुलाम होने से कुछ अच्छा नहीं होता।"

"आह, क्या आनंद है!" शैतान खुशी से चिल्लाया, जब उसने हाबिल और कैन को झगड़ते देखा। “वास्तव में, मुझे आदम के बेटों को अधिक शराब और बीयर पीने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि वे नशे की हालत में ग़लत निर्णय और पापपूर्ण व्यवहार करे। तेज़ नशीला पदार्थ पीने के बाद वो होश खो देंगे जिससे मै उन्हें आसानी से बेवकूफ बना पाऊंगा, वास्तव में, शराब कमजोर इंसानों को थकान और अस्त-व्यस्तता का अनुभव कराती है।”

आदम उम्मीद थी कि कैन और हाबिल शाश्वत मित्र और वफादार भाई बंधु रहेंगे। उसने उनसे यथासंभव धीरे से बात की और अपनी हार्दिक इच्छा व्यक्त की के उनके बीच एक स्थायी भाईचारे की मुहर लगा दी जाएगी, और उनके झगड़े बंद हो जाएंगे, दुश्मनी हमेशा के लिए ख़त्म हो जाएगी ।

"वास्तव में, हे मेरे भाई," हाबिल ने रोते हुए कहा, " इंसानों से प्यार और नफरत करना तुम्हारे रब के हाथ में है। चाहे आप किसी के गुलाम हैं या अपना दिल और आत्मा दे देते हैं और अपने विश्वास को नष्ट करते है और अपना स्वर्ग और पुनर्जन्म उस व्यक्ति के लिए त्याग दो, फिर भी हो सकता है वह व्यक्ति सबसे अधिक गुप्त रूप से आपसे घृणा करता है और अपने दिल में आपका तिरस्कार करता है। और यदि आप अपने भगवान की पूजा करते हैं और आपके सर्वशक्तिमान सबसे प्यारे भगवान आपके दिल को प्यार और कृतज्ञता से नियंत्रित करते हैं तो फिर, सचमुच सारा संसार तुम से इतनी उत्सुकता से प्रेम करेगा, कि उनका प्यार का आपके लिए कोई मतलब नहीं होगा क्योंकि आपने पहले से ही ईश्वर का सच्चा और स्थायी प्रेम पाया, और मानव प्रेम की अस्थायीता पहचाना । नश्वर प्रेम और नफरत आप को हँसा देंगे और आपको अपनी मूर्खता और और पागलपन गुलामी का एहसास होगा और आपके निर्माता की शक्ति और प्रेम से मुक्ति और शाश्वत शांति की तलाश करोगे !”

“हे मेरे भाई! प्रलोभन दुरुपयोग है, और यह मानव की गुलामी है जो हृदय और आत्मा को अशुद्ध करता है। जानवर से भी बदतर मत बनो। इन जंगलों के जानवरों को उनके भाई-बहन नहीं पता! हे अपने ही शरीर के अंगों का गुलाम मत बनो, और अपने आप को नष्ट मत करो । आप और मैं दोनों जानते हैं कि कोलिमा से शादी करना यह प्यार नहीं है! यह दुर्व्यवहार है। आपको हमारी बहन का संरक्षक होना चाहिए था! भगवान ने तुम्हें शरीर के अंग दिये और तुम्हें मनुष्य बनाया एक विश्वास, ताकि आप महिलाओं की रक्षा कर सकें, न कि उन पर हमला करें। "अरे नहीं!" कैन चिल्लाया। “ये प्यार पाप नहीं है। मुझे कोलिमा पसंद है! प्यार प्यार है! यह गर्व है!”

“तुम्हें शर्म नहीं आती मेरे भाई?” हाबिल हांफने लगा। “तुम उस व्यक्ति का शोषण करने की कोशिश कर रहे हो जिसकी तुम्हे प्यार और रक्षा करना चाहिए? हे इतना अमानवीय मत बनो, और इतना अमानवीय व्यवहार मत करो! तुम अपने आप को मानव कैसे बुला सकते हो जब तुम अपने बहन का दुरुपयोग करना चाहते हो? मैं तुमसे विनती करता हूँ, अपने आप को शैतान की तरह धोखा मत दो। अपनी बहन के साथ व्यभिचार करने में गर्व करने की कोई बात नहीं है। यह वाकई शर्मनाक है!”

"शर्म!" कैन चिल्लाया । “नहीं, प्यार गर्व है! सम्भोग अभिमान है! मुझे प्यार करने में शर्म नहीं आती है!”

“हाय, हे कैन! दो दिन की है ये जिंदगी, और ये सब हवस भावनाएँ एक गुलामी के अलावा और कुछ नहीं हैं। यह एक अस्थायी ज़िंदगी है। अपनी वासना के बारे में भूल जाओ! हार मान लो। ओह कैन! मैं तुम्हारे भाई की तरह बोलता हूं, अपने यौन अंगों पर नियंत्रण रखो और अपनी बहन की रक्षा करो। हे उसकी रक्षा करो जैसे तुम बच्चों की करते हो। प्यार प्यार नहीं है। वासना गुलामी है इसलिए अपनी इच्छा में पशुवत मत

बनो। अगर भगवान ने बहन के साथ संभोग करने से मना किया है तो ऐसा न करो , क्योंकि भाई को तो बहनों की रक्षा करनी चाहिए, न कि उनके साथ दुर्व्यवहार करना चाहिए! वास्तव में, सभी मनुष्य भाई हैं, चाहे वे युवा हों या बूढ़े, और इसलिए माता-पिता हैं । वे कभी भी अपने बच्चों के साथ दुर्व्यवहार नहीं करेंगे! हे प्रिय भाई! ईश्वर से डरना। भगवान ने हमें भाई-बहनों से शादी करने से मना किया था। हमें बहनों को छुने की अनुमति नहीं है!"
"चुप रहो, हाबिल, क्योंकि मैं तुम्हारी सलाह नहीं चाहता!" कैन ने धमकी भरे स्वर में कहा।

धर्मपरायण भाई सौम्य स्वर में बोलता रहा । "ओ मेरे भाई! किसी स्त्री की वासना तुम्हें यह विस्मृत न कर दे की जो आपके अधीन हैं उनकी रक्षा करना आपका अपना कर्तव्य है। कोलिमा हमारी बहन है और इसलिए हमें शादी करने या दुर्व्यवहार करने से मना किया गया है!" हाबिल ने दुःख भरी आह भरी और आगे कहा । "वास्तव में, वासना और शैतान को तुममेसे से राक्षस मत बनाने दो! किसी व्यक्ति की वासना को तुम्हे इतने पागल और विक्षिप्त मत बनाने दो अपनी बीमार वासना को बुझाने की तुम्हारी खोज में परमेश्वर की आज्ञाएँ भूल जाते हो जिसे परमेश्वर ने तेरे संरक्षण के आधीन रखा है?"

इस कथन से कैन इतना क्रोधित हुआ कि उसने उसका हाथ घुमाकर हाबिल के चेहरे पर मारा। फिर उसने एक मुट्ठी से हाबिल का अंगरखा पकड़ लिया और उसे अपनी मुट्ठी से पीटते हुए बेरहमी से ऊपर खींच लिया । हाबिल चिल्लाया और खुद को अपने क्रोधित भाई से दूर करने की कोशिश की लेकिन कैन ने उसे छोड़ने से इनकार कर दिया। अंततः हाबिल अपने भाई की पकड़ से मुक्त हो गया, कैन से अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की विनती की। "हे मेरी आत्मा के भगवान!" हाबिल रोया। "क्या तू ने मुझे और मेरे भाई को नहीं रचा? आपने हमें एक ही माता-पिता से नहीं बनाया है और आपने हमसे प्यार नहीं किया है

और हमारी रक्षा की और हमें खाना खिलाया और कपड़े पहनाए और हमें आप पर विश्वास से स्वस्थ रखा? तो फिर आप हमारे अपराध क्षमा कर हमें उन लोगों के मार्ग पर मार्गदर्शन करें जिन पर आप प्रसन्न हैं!"

अपने इकलौते बेटों के झगड़े ने बूढ़े पिता को दुःख में कांपने के लिए मजबूर कर दिया । आदम एक घायल योद्धा की तरह रोया जिसे भयानक पीड़ा पहुंचाई गई हो, और इतनी तीव्र पीड़ा महसूस की जैसे एक भाला सीधे उसके दिल में घुसा दिया गया हो। उसने ईश्वरीय क्षमा की प्रार्थना की और ईश्वर की दया और प्यार का आह्वान करना जारी रखा। दूर से उसने हाबिल को गहन तर्क और प्रेम से कैन से विनती करते हुए सुना । "क्या तुम नहीं जानते, हे मेरे भाई," हाबिल कह रहा था, "शैतान ने अच्छे-अच्छों को एक व्यक्ति के प्रति वासना और जुनून की गुलामी वाले एक पुरुष का फिर दुसरे फिर दुसरे पुरुष का गुलाम बना लिया तब जब तक कि उस व्यक्ति की अपनी कोई इच्छा न रह जाये और उनकी अपनी इच्छाएं और संतुष्टि के लिए हर पवित्र चीज़ को आसानी से चुनौती दी और फिर इसे झूठा प्यार से खुद का और अपने शिकार का दिमाग भरकर वैध बनाने की कोशिश की गई?!"

आदम ने हमेशा अपने बेटों को नेक बनने और अच्छा व्यवहार करने और इस दुनिया में शांति और भाईचारे के लिए प्रोत्साहित किया था। उसने और हव्वा ने नेक माता-पिता बनने की कोशिश की लेकिन वे बच्चों का आत्म-प्रशंसा रोक नहीं सके। शैतान आदम और उसके बेटों का निजी जीवन अंदर झांकता रहा, लेकिन मानव आत्मा को कम आंकने के कारण वह आक्रामक रूप से आगे बढ़ने लगा ।

आदम ने निराशाजनक आसमान की ओर देखा और असहाय महसूस किया, क्योंकि वह जानता था कि जीवन उसके लिए कभी भी दोबारापहले जैसा नहीं रहेगा। उसने भगवान से प्रार्थना की. "हे स्वर्ग और पृथ्वी के भगवान! मेरे बेटे को उसकी बुरी इच्छा से लड़ने की शक्ति दो, जिसे उसे

प्यार और सम्मान करना चाहिए उसे बहकाने के लिए उसका हृदय उसको स्वार्थी, भावुक वासनापूर्ण इच्छा का गुलामी का गुलाम बना देता है।हमारी आत्मा के भगवान! मेरे पुत्रों को पथभ्रष्ट होने से बचा! मुझे और मेरे बच्चों को जो शक्ति और आशीर्वाद आपने दिया है उस विश्वास पर गर्व करने से बचाएं और हमारे हृदयों को कभी किसी पुरुष या महिला के इतने गुलाम होने से बचा कि जिनके साथ यौन उत्पीड़न और छेड़खानी को उचित ठहराया जाये जिनकी रक्षा और सम्मान हमें प्यार से करना चाहिए!"

अपने पिता की प्रार्थना सुनकर, हाबिल ने उन्हीं शब्दों को दोहराते हुए कहा, “हे मेरे आत्मा के परमेश्वर! आपके अलावा कौन मेरे इस हृदय का मार्गदर्शन कर सकता है? मेरी आत्मा इस संसार और इस जीवन से ऊब गई है मनुष्य की वासना और जुनून उनमें से सर्वश्रेष्ठ को सबसे खराब बना देता है। मेरे अकेलेपन में, और मेरी डर भरी जिंदगी में, एक जिंदगी में जहां किसी चीज का वादा नहीं किया जाता और किसी खुशी की शाश्वती नहीं होती, और यहां तक कि अगले पल का आश्वासन नहीं है, ऐसी दुनिया में जहां पता नहीं कि मेरा अगला भोजन कहां से आएगा, न ही मुझे पता होगा क्या मैं इसे कभी खाऊंगा, या क्या मौत मुझसे मिलने आएगी इससे पहले कि मैं अपना भोजन करूँ!” हाबिल रुका और अपने भाई की ओर देखा। दोनों युवकों ने क्षण भर के लिए नज़ारे मिलायी कैन की आंखों से देवदूत कुछ हद तक नष्ट हो गया। वे पास के जंगल की ओर चलने लगे । नुकीली टहनियाँ और शाखाएँ ठंडी हवा में झूल रहे थे जैसे धूल के बादल हवा में उछल रहे थे। भाई जंगलों में दौड़ते रहे, एक दुसरे को अपना तर्क समझाने की कोशिश करते रहे , जैसे ही वे अधोवृद्धि के नीचे से गुजरे। ऊपर आकाश एक फौलादी नीला छत्र था, गोधूलि की चमक के अवशेषों के रूप में जोड़ी को देखते हुए ठंड से डूबता जा रहा था।

आदम और उनके बेटों ने पारिवारिक समय एक साथ बिताया और

इसके बाद की वास्तविकता के बारे में चर्चा की। वे नदियों पर नाव चलाने लगे और बड़ी मछलियाँ पकड़ीं। शाम ढलते-ढलते टोकरियाँ मछली और रोटी भर गयी और अपने चारों लिपटे ओर कम्बल लिपटे हुए उन्होंने स्वर्ग की कहानियाँ सुनीं। उन पुरानि कहानियों ने हाबिल और कैन और उनकी बहनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अब, हाबिल ने अपने भाई का हाथ पकड़ा और ज़ोर से प्रार्थना की। "हे ब्रम्हांड के इश्वर ! हाबिल ने पुकारा। “हमारे पास आपके अलावा कोई नहीं है। आपके सिवा हमारा कोई संरक्षक नहीं। आपके सिवा हमें कोई आशा नहीं है और हम आपके सिवा किसी प्रेम पर निर्भर नहीं रह सकते। यहां तक कि हमारे क्रूरता में भी , यहाँ तक कि हमारे उत्पीड़न और कृतघ्नता में भी, यहाँ तक कि हमारे पाप और अपराध, और यहां तक कि हमारे स्वार्थ में भी, हमें आपके सिवा कोई आशा नहीं! जिसके साथ हम गलत करते है या हम चाहे जो भी पाप करें, फिर भी हमें क्षमा करने वाला कोई नहीं है, कोई नहीं हमें समझने के लिए, आपके अलावा हम पर दया करने वाला कोई नहीं। इस अनचाहे और वादाहीन जीवन में, दर्द के माध्यम से इस अकेले यात्रा में और अकेलापन में , आपके अलावा कोई नहीं है जिसकी ओर रुख किया जा सके। लेकिन आपके आलावा कोई दोस्त नहीं, आपके सिवा कोई साथ नहीं और आप में आशा के सिवा कोई आशा नहीं। हमारा हर डर, आप सुलझाते हो ; हमारी हर आशा, आप देते हो; जिसका दर्द हम अनुभव करते हैं वो हमारे आस-पास की हर आपदा को आप ठीक करते हैं और आप इस दुनिया में या अगली दुनिया में इसका बदला चुकाते हैं!" हाबिल रुका और फिर अपने निर्माता से प्रार्थना की। "मेरा भगवान! इस ब्रह्माण्ड के स्वामी! अपने सेवकों को क्षमा कर दो जो तेरे नियमों का उल्लंघन करके तुझ पर अन्धेर करते और तुझे हानि पहुंचाते हैं उन आशीषों को नकारकर जो तू ने उन्हें दी थीं! हे माफ कर दो आपके उन सेवको को जो अपने दुःख और क्रोध में उन पर आई सारी विपत्ति के लिए आपको दोषी ठहराते है।”

हाबिल रोया और अपने भाई को माफ करने के लिए भगवान से प्रार्थना की, तब आदम अपने ही दुःख में डूबा हुआ था। दयनीय अँधेरी जिंदगी में पृथ्वी पर, आदम अकेला और उदास था। वह अपने संतान के लिए डरता था । क्या वे भी फिसलकर पाप में गिरेंगे? क्या उसके बच्चों को शैतान द्वारा धोखा दिया जाएगा जैसा कि उसे और उसकी पत्नी को वर्जित पेड़ का फल खाने के लिए धोखा दिया गया? मानवजाति को पाप अय्याशी और मनहूसियत से मरने की भयानक संभावना का सामना करना पड़ा।

आदम ने उत्सुकतापूर्वक अपने परिवेश का अवलोकन किया और उसकी नई स्थिति का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया। उसने हाबिल को ब्रह्मांड के भगवान से विनती करते हुए सुना "हे उस आत्मा के परमेश्वर जो आप पुकारता है! क्या आप नहीं जानते कि अकेलापन क्या होता है, और कैसा भय व्याप्त होता है आपके सेवकों और रचना के मन में ?" हाबिल रोया "क्षमा करना आपके सेवको को जो अपने जीवन में हर दर्द को आप के दंड के रूप में देखते हैं और वे भूल जाते हैं उस आशीर्वाद को जो आपने इस अस्थायी संसार में कष्ट के बाद उनके के लिए भंडारण में रखा है। मेरे नाथ! मेरा निर्माता और मेरा निर्माता! यह दुनिया दर्द और निराशा के अलावा और कुछ नहीं है ऐसी पीड़ा जिसे सहने का साहस किसी भी इंसान में नहीं है! आप उनकी चीखें नहीं सुन सकते? हे भगवान! क्या आपको उनकी सिसकियाँ सुनाई नहीं देतीं जब वे अपने प्रियजनों के जाने का शोक मनाते हैं और जब दर्द होता है डर उन पर हर तरफ से हमला करता है? क्या आप उनका जवाब नहीं देते हे सभी आत्माओं के प्रभु, पुकारते हैं, जब वे रोते हैं और आंसुओं का सागर उनके दिलों के दरवाज़ों से दर्द का सैलाब उमड़ता है भय पर भय और कष्ट पर कष्ट, जब गरीबी बीमारी, भय, अकेलापन और जलती हुई वेदनाएँ घाव और उनके दिलों का खून बहाती हैं? तो अब हमें माफ कर दो, हे प्यार के भगवान!

जब आदम को धरती पर भेजा गया, तो उसने खुद को हीरों की द्वीप पर पाया और धरती पर होने के सदमे के बावजूद, उसे महसूस हुआ कि स्वर्ग की खुशबू अभी भी सीलोन के पहाड़ पर बह रही है। जल्द ही, वह अकेला और पूरी तरह से दुःखी हो गया, इसलिए उसने अपने और जंगल के बीच
विचरण करने वाले जंगली प्राणियों के बीच संधान करने का निर्णय लिया और वे जानवर इस अजीब आगंतुक को देखने के लिए उनकी भूमि से अपनी मांदों से बाहर आ गए। आदम को आशा थी कि पृथ्वी के जानवर उससे प्रेम करेंगे, लेकिन उसकी मुलाकात संदिग्ध गुर्राने और धुंधली निगाहों से हुई।

आदम की पीड़ा देखकर कुछ स्वर्गदूत रोये, और उन्हें उस बचकाने आदमी के लिए खेद महसूस हुआ जो उनसे इतना प्यार करता था। दरअसल, आदम स्वभाव से जिज्ञासु था और कष्ट सहता था पर निर्णय में चूक के कारण, और उसने निषिद्ध वृक्षका फल खा लिया था, परन्तु स्वर्ग की सेवा करने वाली आत्माएँ जानती थीं परमेश्वर आदम से प्यार करता थे
और पहले ही उसे माफ कर चुका थे। वे आपस में बात कर रहे थे की प्रथम मनुष्य की रचना के लिए क्षमा किया जाना सौभाग्य की बात है। परन्तु जब शैतान ने उनकी बातचीत सुन ली, वह गुस्से में फूट पड़ा और चिल्लाया, "ओह, जलता हुआ नरसंहार मुझ पर टूट पड़े यदि आदम या उसकी सन्तान एकेश्वरवादी आस्तिक मर जाए और ईश्वर की क्षमा प्राप्त करता है! वे पागल कुत्तों की तरह बेतहाशा पाप करेंगे । मैं उन्हें विश्वास दिलाऊंगा कि वे वानरों और गोरिल्ला और उन घृणित लोगों के वंशज हैं। वे मिट्टी के जीव विश्वास करेंगे कि उनके पोते-पोतियाँ फिर से सूअर बन जाएंगे ! मैं आनन्द से देखूंगा जब आदम की सन्तान के पूरी तरह से अप्राकृतिक और घृणित कार्यों में मग्न हो जायेंगे जो कि भगवान द्वारा निषिद्ध हैं। और वे अपने ही भाई-बहनों और बच्चों से शादी करने लगेंगे, और अधिक शक्ति प्राप्त करने के लिए शिशुओं की बलि देंगे! मैं

चाहता हूं कि भगवान उनका पतन होते हुए देखें , और वे कैसे पशुवत प्राणी बन जाते है जो पूरी तरह से नैतिक अस्तित्व से वंचित हैं।" शैतान जोर से चिल्लाया. "हे मुझे कुचल दिया जाए, जला दिया जाए और फाड़ दिया जाए इससे पहले कि आदम के बेटों में से एक भी सदस्य की मृत्यु परमेश्वर के विश्वासी के रूप में हुई तो! ओह, मैं कैसे उन घृणित प्राणियों का बाद का जीवन बर्बाद कर दूंगा।

जब शैतान गुस्से में चिल्ला रहा था, आदम और उसके बेटे दया और धैर्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे। “हे पापियों के भगवान!” हाबिल रोया । “हे निर्बलों के परमेश्वर! हे वासना के दासों के परमेश्वर! हे हत्यारों और चोरों के देवता! रचना को माफ कर दो! अपनी रचना को क्षमा करें! आपके उन गुलामों को माफ कर दो जो पागलपन में पाप करते और अपने दिल टूटना और उनका अकेलापन में अपराध करते हैं! जब वे आप को शाप दें तो उन्हें क्षमा कर दो। जब वे आपको दोष दें और आपसे नफरत करें तो उन्हें माफ कर दें! उनके पास आपके इलावा और कौन है हे प्रभु, जब सारे संसार ने उन्हें धोखा दिया? आपके अलावा उनके पास और कौन है?

उन्हें जिम्मेदार ठहराने के लिए और कौन लेकिन आप है? हे ब्रह्मांड और सभी के भगवान! यदि उन्होंने आपसे प्रेम न किया होता, तो क्या वे आप उनके सारे दर्द और पीड़ा के लिए आप पर दोष लगाते?” इन शब्दों के साथ, हाबिल अपने निर्माता से विनती करने की कोशिश की, और उसे अपने भाई का विद्रोह माफ करने के लिए कहा क्योंकि वास्तव में, उसे विश्वास था कि पाशविक वासना और आधार से वशीभूत होकर अपनी सुध-बुध खो बैठा और कैन ने ऐसा किया था।

कई दशकों की अवधि में, आदम और हव्वा सद्भाव की सुरक्षा में रहे, क्योंकि उनके जीवन का एक घंटा भी ऐसा नहीं था जब आदम अपने पाप के लिए क्षमा माँगते हुए ईश्वर से रोया-चिल्लाया नहीं।

अपनी आँखों में आँसू के साथ आदम ने भगवान की क्षमा के लिए कई दोहे बोले:

“हे स्वर्गदूतों जो स्वर्ग में रहते हैं और शासन करते हैं!
जिनके पापों और मूर्खताओं को विधिवत क्षमा किया गया है!
क्या तू ने मुझे अपने द्वार से निकाल दिया है?
ऐसी दुनिया के लिए, जिसे आप कभी नहीं तलाशेंगे?
फ़रिश्ते दूर तक कैसे उड़ सकते थे,
क्या आपको पता है कि मैं किस पीड़ा का शिकार हूं?
क्या मुझे इन दर्दनाक दर्दों को अकेले ही सहना होगा,
क्या मेरे पार्थिव शरीर को कोई सहारा नहीं मिल सकता?
हे भगवान, अपनी क्षमा से, मुझ पर कृपा करो,
मेरी विनती स्वीकार करो, हालाँकि मैं ही ग़लत हूँ!”

हव्वा ने बीस जन्मों के माध्यम से चालीस बच्चों को जन्म दिया। बाद हर कुछ वर्षों में, वह जुड़वाँ बच्चों को जन्म देती थी हर जन्म में एक नर और एक मादा बच्चे शामिल था, लेकिन हाबिल और कैन उसके लाडले थे।

पृथ्वी ने आदम को दिलचस्प जीवन नहीं दिया। नीरस नश्वर जीवन की एकरसता जो मृत भूमि में रहने के समान थी। वे ज़मीन से ऊपर मेहनतबस उसके निचे मरने और डूबने के लिए कर रहे थे। एक लाश की सुस्ती और एक पहाड़ की कठोरता के साथ, वे प्रत्येक निराशाजनक स्थिति से बचे रहे दिन काटने का प्रयास करते रहे। जब वे एक धर्मी जीवन जीने के लिए संघर्ष कर रहे थे, शैतान था हर छाया के पीछे छिपकर, अपने दिल के अंदर कड़वी नफरत के साथ जी रहा था, मानव जाति से नफरत करने का सपना देख रहा था और अगले दिन सभी मनुष्यों से नफरत करने और उन्हें नष्ट करने के तरीके ढूंढ रहा था।

आदम दुविधा में था जब उसने हाबिल और कैन को भगवान के आदेश के बारे में बहस करते देखा। कैन ने अपने जुड़वां बहन से शादी करने पर जोर दिया था, जिसे स्वर्ग ने अस्वीकार कर दिया था। वह चाहता था उसके बच्चे विश्वास और पवित्रता के बीच एक सहज संलयन बनाये रखे , और वह अपने छोटे परिवार में शांति और सद्भाव के अलावा कुछ भी नहीं चाहता था , इसलिए उसने भगवान से सलाह देने की प्रार्थना की। आदम ने दिल से ईमानदारी से प्रार्थना की। “हे मेरे आत्मा के परमेश्वर, उन्हें क्षमा कर दे! अपने उन दासों को क्षमा कर दो जो तुम्हारे विरुद्ध पाप करते हैं! उन्हें अपने मूर्खता और दोषपूर्ण बुद्धि के लिए माफ़ कर दो जो उन्हें उस मानव शरीर की पूजा कराती है जिसे तुमने उनकी सहायता के लिए भेजा था, और वे इस प्रक्रिया में तुम्हें भूल जाते है! उन्हें माफ कर देना जब वे आपसे प्यार करने के बजाय आपके दासों का गुलाम बन जाएं! हे इश्वर ! क्या आप उस आत्मा को माफ नहीं करोगे जिसका दिल इतना टूट गया है जिसका दिमाग उस बच्चे के समान हो गया हैं जो केवल अपनी माँ को जानता है? क्या आप अपने उन टूटे मन वाले दासों को, जो मुकर गए हैं, क्षमा न करेगा?जो आपको दोष देते हैं, आपसे नफरत करते हैं और उन दसो की पूजा करते हैं और प्यार करते हैं और संजोते हैं, जिन्हें आपने दिल में प्रेम के साथ उनके पास भेजा है उनके टूटे हुए हृदय और दुःखी सेवकों के लिए? निश्चित रूप से, आप हे भगवान, जान लो कि दर्द और डर हर बहादुर आदमी को तोड़ देता है केवल उन्हीं को वासना की पीड़ा और सज़ा और इच्छाओं की गुलामी और पाप से बचाया जा सकता है जिनका आप सबसे अच्छी तरह मार्गदर्शन करते हैं!”

उदास महाद्वीपों और खामोश समुद्र की शांति की रक्षा करते हुए, आने वाले वर्षों में इस ग्रह पर हज़ारों की संख्या में मानव जाति का रहना तय था। आदम के परिवार ने काफी समय खुशहाली से बिताया था आनंद की शाम, और स्वादिष्ट भोजन और विशाल फलों की मात्रा का आनंद लिया था । अब, आदम ने जोश से प्रार्थना की, क्योंकि उसे डर था कि उसके

बच्चे धर्म छोड़ देंगे और लुटेरों के दायरे में रहेंगे जो भूमि और समुद्र पर आक्रमण करेंगे l वह चुपचाप प्रार्थना करता रहा। “हर गुज़रता मिनट, अकेलेपन का हर घंटा, हर मिनट पागलपन से, हम आपकी ओर मुड़ते हैं, हे मानव जाति के निर्माता, और भविष्य जीवन के भगवान ! हम आपकी ओर मुड़ते हैं, हम आपसे आशा करते हैं, हम आपकी ओर देखते हैं और हम आपके प्यार और आनेवाले बेहतर जीवन की आशा पर कायम हैं! हे इश्वर! मानव जीवन की पीड़ा, दुःख की पीड़ा, अकेलेपन का दर्द, झूठे मानवीय प्रेम का दर्द और पश्चातापहीन नश्वर घृणा, प्रेम और विश्वासघात का दर्द से आपकी सभी मानव रचनाओं के दिल टूट गए और चकनाचूर हो गए है! सचमुच, ये आत्मा-विदारक पीड़ा मानवजाति को पागल बना दिया है, और उन्हें हर उस मानव का गुलाम बना दिया है जो उन्हें आशा और साथ देता है l इस दर्द से उनका दिल इतना टूट गया है कि अब इस पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है! उनके दिलों में कोई अच्छाई नहीं है
सक्षम हैं, उनके हृदय में कोई आशा नहीं है, मायावी मानवीय प्रेम, घृणा, ईर्ष्या और असुरक्षा की तलाश में सभी ने मानव शरीर की गुलामी में अपना दिल खो दिया।"

आदम के मन में दुखद विचार घूमने लगे। वास्तव में, पापी के पास कोई स्वाद का कोई एहसास नहीं होगा, और वह एक दूसरे पर दया या प्रेम करना बंद कर देगा । वे उसके बच्चे होंगे, जो उसकी पत्नी से उत्पन्न होंगे, और फिर भी वे शैतान के वश में हो जायेंगे और लूटपाट करेंगे और उनके पड़ोसियों को मार डालेंगे! ओह, भयानक संभावना जो मानवजाति इंतजार कर रही है! क्या वे सचमुच समुद्री डाकू, धन और शक्ति का पीछा करता हुआ एक राष्ट्र बन जायेंगे? और परमेश्वर और स्वर्ग की महान महिमा में अविश्वास करेंगे? परमेश्वर के प्रेम और आशा के बिना मानवजाति कैसे इस दर्द भरे जीवन का एक मिनट भी जीवित रह सकती है? इसके अलावा इतने गहरे दर्द इतना , इतना निराशाजनक, इतना उन्मत्त और इतना विनाशकारी जीवन में और क्या आशा थी?

अपने दिल में, उसने भगवान से मानव जाति को आशा देने के लिए कहा। "हमें प्यार दो! हमें अपना वादा दो! हे इश्वर! हमें आपकी क्षमा दें और हमारे पहले से ही टूते हुए दिल को ठीक कर दे!"

जब शैतान ने आदम और हव्वा को सद्भाव में रहते हुए देखा, तो वह भय और क्रोध से उसने अपने बड़े-बड़े उग्र दाँत पीस लिये। "ओह, मुझे आदम से कितनी नफरत है!" वह इतनी जोर से चिल्लाया कि धरती के जानवर भयभीत हो गए ! "किसी ने भी कभी इस तरह कष्ट नहीं सह या नफरत नहीं की जितना मैंने की है! ओह, मैं खुशी-खुशी नरक में चला जाऊंगा अगर यह सुनिश्चित कर सकूं के ये गन्दी मानव जाति मेरे साथ चलेगी !" उसके दिल की गहराइयों से, अज़ाज़ेल को संपूर्ण मानव जाति से बहुत नफरत थी और जब उसने आदम को अपने निर्माता के सामने रोते और क्षमा मांगते देखा , उसने अपनी दुष्ट योजनाओं की घोषणा की। लाखों छिपे हुए लोग शैतान के घेरे में उसके चारों ओर खड़े थे और उसके हर शब्द पर सुन रहे थे । "आपकी सहायता से, मैं मनुष्यों को अब तक का सबसे घृणित प्राणी बनने के लिए प्रेरित करूँगा । मैं उन्हें आश्वस्त करूंगा कि अपने बच्चे का दुरुपयोग न करना और उनके माता-पिता या भाई-बहन से शादी न करना क्रूर है। जो नंगा नहीं घूमेनगे और निर्दोष बच्चों को नहीं मारेंगे उनकी भूमि से निर्वासित कर दिया जायेगा क्योंकि मैं उन पवित्र लोगों को पुरुष बलात्कार और हत्या में फंसा दूँगा और यहाँ तक कि उनके नाम पर आतंकवाद को भी अंजाम दूंगा, उनके नाम पर हत्याएं और आगजनी करूँगा जब तक संसार में हर मनुष्य मृत्यु से भी अधिक उन से नफरत नहीं करता। मैं उन्हें समझाऊँगा कि सड़कों पर सूअरों की तरह नंगे होकर घूमना और एक दूसरे का कूड़ा और गंदा शरीर के अंग खाना परम स्वतंत्रता है। लोग पापियों का अनुसरण करने में उतावली करेंगे, और जो धार्मिक हैं आदम के बच्चों में ईर्ष्यालु पापी लोग द्वारा उन्हें फाँसी पर लटका दिया जाएगा और चौपट कर दिया जाएगा।"

शैतान की क्रोधपूर्ण चीखें सुनकर आदम चिंतित हो गया और उसे एहसास हुआ कि यह इस ग्रह पर था कि वह और उसका छोटा परमाणु परिवार मानवीय कमज़ोरी के पिंजरे के भीतर अलगाव में रह रहा था! उसने अपने दिल में अपनी संतानों की भलाई के लिए प्रार्थना की ईश्वर से मानवजाति को क्षमा करने की प्रार्थना की। "हे भगवान, आपने जो मनुष्य बनाए उनमें से हर एक में भलाई है, और उन्हें क्षमा कर,क्योंकि तू बड़ा क्षमाशील, दयालु, बड़ा न्यायी है। सभी प्राणियों में परम सम्माननीय! क्या आप अपने उन दासों को क्षमा नहीं करेंगे, जिन्होंने आपके विरूद्ध अपराध किया है आप जानते हैं कि दर्द और अकेलापन क्या है, यातना और पीड़ा क्या है जिससे वे गुजर चुके हैं? हे प्रभु, उन्हें क्षमा कर दो, और उन्हें आशा दे दो यद्यपि वे आपको तुच्छ जानते हैं और आपको अस्वीकार करते हैं, आप पर विश्वास नहीं करते ? क्या किसी बच्चे का अपने माता-पिता पर अविश्वास हो सकता है? क्या माता-पिता अपने बच्चे की देखभाल करना बंद कर सकते है? फिर, हे भगवान, वास्तव में, आप पापियों से किसी भी माता-पिता से अधिक प्यार करते हैं, इसलिए जब वे तुम्हें शाप दें, घृणा करें और दोष दें, और तुम्हारा इन्कार करे और आपके गुलामों के गुलाम बन जाये जिसे आपने उनके पास भेजा और उनके दिलों में प्यार रखा ताकि उन्हें कुछ समय के लिए शांति और सुरक्षा मिल सके तब भी उन्हें क्षमा कर दो!"

एक समय था जब वह दुखी होने में असमर्थ था, लेकिन वह यूटोपियन जीवन ख़त्म हो गया था। और अब यहाँ वह बहुत अकेला और डरा हुआ था।यह स्वर्ग नहीं था, जहाँ वह आराम का आनंद उठा सकता था और सदैव व्यस्त रहता था! वास्तव में, दुनिया एक धोखे की जगह थी

जहां लोगों को प्रोग्राम किया जाएगा प्रेम, धन और समृद्धि के मोह से मोहित होने के लिए।वे कभी वासना या प्रसिद्धि से तृप्त नहीं हो सकते। उसे मानव जाति की पुनर्योजी शक्तियों में विश्वास था और ईश्वर से प्रार्थना की उनका मार्गदर्शन करते रहें। "हे परम दयालु भगवान! वास्तव

में, मनुष्य का दर्द, मनुष्य की पीड़ा, मनुष्य को क्रोधित करती है और क्रोध में वे द्वेषपूर्ण और प्रतिशोध और असुरक्षा की भावना से भरा भर जाते है, वे सारी दया, सारा प्यार, सारी वफादारी, सारी बुद्धिमत्ता और भूल जाते हैं!"

शारीरिक थकावट की तीव्र स्थिति ने उसे बेहोशी की हालत में डाल दिया है । आदम लगातार और भयानक दर्द में था। वह निर्दयी रेगिस्तानी सूरज के नीचे खड़ा हो गया और उसके प्रभु के सामने नम्रता और मौन में झुक गया। आदम जानता था कि उसका बेटा अभी भी है एक भ्रम के तहत काम कर रहा है और इस कारण कैन अपनी जुड़वाँ बहन के प्रति उसकी अवैध इच्छाओं और अवैध वासना से वशीभूत बन गया है! आदम ने अपने बच्चों को सभी प्रकार के नशे से दूर रहने का आदेश दिया उनसे कहा कि वे संगीत न सुनें और वाद्ययंत्र तोड़ें जिसे शैतान ने उन्हें बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उन्हें कठोर शब्द में याद दिलाया : "शराब और अन्य नशीले पदार्थों की तरह संगीत भी मस्तिष्क पर शक्तिशाली प्रभाव डालता है और आनंददायक भावनाएं उत्पन्न होती हैं इंसानों को दुखद नकारात्मक भावनाओं को भुलाने में मदद करता है। अक्सर, मनुष्य कल्पना को लगता है कि संगीत सुनने से उन्हें उपयोगी कार्य करने के लिए प्रेरणा मिलती है, लेकिन अभद्र शोर सुनने से न केवल कानों को नुकसान पहुंचाता है, जिससे बहरापन होता है, बल्कि इससे उनके स्वास्थ्य के लिए समस्या भी पैदा होती है। रॉक संगीत और बास सुनते समय ऐसा प्रतीत हो सकता है कि ड्रम तनाव उदासी और भावनात्मक शर्मिंदगी से अस्थायी राहत प्रदान करते हैं, लंबे समय तक संगीत सुनने से नकारात्मकता पैदा होती है और मानव मस्तिष्क में गहरा परिवर्तन लाती है , अव्यवस्थित व्यवहार की ओर ले जाता है, जैसे कि बड़े पैमाने पर हिंसा और आत्महत्या।"

यह सलाह देते हुए, आदम ने एक बार फिर अपना आंसुओं से साना चेहरा स्वर्ग की ओर रुख किया और प्रार्थना की। “वास्तव में, मेरे भगवान, यह
उनके दर्द और वेदना है जिनकी वजह से मनुष्य आपके आशीर्वाद के प्रति व्यक्ति अँधा हो जाता है और उन्हें दुसरे इन्सान के प्यार या नफरत का गुलाम बनाते है और वे बचपने और अपरिपक्वता से तुम्हे नकारते है ! इंसानों के लिए उनकी गुलामी माफ़ करो! मनुष्यों के प्रति उनके प्रेम को क्षमा करें! मनुष्यों के लिए उनकी वफादारी माफ कर दो जिन्हें आपने भेजा है और उन्हें क्षमा कर दिया जब वे हर चीज़ का आनंद लेते हुए आपसे पूरी शिद्दत से नफरत करते हैं जो आपके आशीवार्द से उनको मिली ! उन भोले इंसानों को माफ कर दो जब वे आपके द्वारा की गई या दूसरों को उनके लिए करने को कही गयी सभी अच्छाइयों का श्रेय मनुष्यों को देते हैं !” आदम सहस्राब्दी नहीं था, लेकिन उसे अपनी भावी संतान की अच्छाई से बहुत उम्मीदें थीं । उन्हें यकीन था कि उनके बच्चों से महान भविष्यवक्ता पैदा होंगे और वे धरती पर अच्छाई फैलाएंगे।

आदम को वर्जित फल खाने के लिए सफलतापूर्वक धोखा देने में सक्षम होने पर शैतान बहुत खुश था । अब, उसके पास अपनी क्षमताओं पर और भी बड़ा विश्वास था और उसने लाखों वर्ष तक आदम की सभी बेटों और बेटियाँ को गुमराह करने की कसम खाई।

"मानवीय घटनाओं के अनवरत ज्वार के एक चश्मदीद गवाह के रूप में," शैतान ने स्वर्गदूतों से शेखी बघारते हुए कहा, “मैं मनुष्यों को भविष्य में उन पर क्या प्रभाव पड़ सकता है ये सूचित कर सकूंगा, और इसके परिणामस्वरूप, वे सोचेंगे कि मैं परमेश्वर से भी अधिक शक्तिशाली हूँ और मेरी पूजा करेंगे! मैं उन कीड़े-मकौड़ों वाले मनुष्यों को उन्हें पाप और घृणित कार्य करने के लिए कुछ नई घटनाएँ दिखाऊँगा और भटके हुए सिद्धांत सिखाऊंगा । मैंने रहस्यमयी स्वर्ग की दीर्घाओं को पार करने का साहस किया है और पृथ्वी के छुपे हुए स्थानों को देखा है और जब मैं

घृणित लोगों को अधोलोक के रहस्यों के बारे में बताऊंगा, वे मेरी पूजा करेंगे और मेरे पंथ में विश्वास करेंगे। वास्तव में, वे सभी मुझे लूसिफ़ेर के रूप में पूजेंगे, क्योंकि वो छोटी-छोटी तरकीबें जो मैं उनके लिए करूंगा।
जानकारी के कुछ टुकड़ों के बदले में वे मेरे दास बन जायेंगे । मैं उनको उनके शत्रु उनके के बारे में क्या सोच रहे हैं ये बताऊंगा और वे सभी मुझ पर विश्वास करेंगे और ख़ुशी से ईश्वर पर अविश्वास करेंगे, मृत्युलोक पर विश्वास नहीं करेंगे और स्वर्ग और नर्क के सच पर विश्वास नहीं करेंगे जब तक ईश्वर उन्हें कभी माफ नहीं करता और उन्हें स्वर्ग में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देता है।"

"शापित हो तुम, हे शैतान!" देवदूत चिल्लाये "क्या तुमने अंतिम नियम नहीं पढ़ा, जहां ईश्वर मानव जाति को चैप्टर द ब्राइटनेस, इस प्रकार सूचित करता है : आपके भगवान ने आपको नहीं छोड़ा है, न ही वह अप्रसन्न हुआ है।"

"नहीं!" शैतान चिल्लाया. "यदि ईश्वर उन्हें क्षमा कर दे तो मुझ पर धिक्कार है! मैं उन्हें अन्यजातियों और मूर्तिपूजक में बदल डालूंगा वे सब नास्तिक बन जायेंगे और मेरी लूसिफ़ेर के रूप में पूजा करेंगे! और यदि वे अंततः स्वर्ग और नरक में विश्वास करना शुरू कर देंगे, तो वास्तव में, मैं उन्हें पुनर्जन्म में विश्वास दिलाना शुरू कर दूंगा। मैं छुपे हुए लोगों की अपनी सेना जुटाऊंगा, और मेरी संतान को उनके पूर्वजों का रूप देना शुरू कर दूंगा। वे छिपे हुए लोग उनके मानव पूर्वजों की तरह दिखेंगे और उसी तरह से कपड़े पहनेंगे। मेरी जाति के सभी सदस्य और मेरे आग से बनी संतानें फिर मनुष्य के सामने उनके मृत मित्रों और परिवार का रूप लेकर आयेंगी जब तक सभी को यह विश्वास नहीं हो जाता कि मरने वाले लोग भूत-प्रेत बनकर लौटने में सक्षम होंगे। मैं उनके पास इस बात का सबूत लाऊंगा कि मरा हुआ आदमी चला नहीं जाता, इसलिए मूर्ख मनुष्य मृत्यु से डरना बंद कर देंगे ,नरक की आग पर

विश्वास नहीं करेंगे । आख़िरकार, वो उबकाई देने वाले इंसान संदेशवाहक और परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता साथ लाए संदेशों पर विश्वास करना बंद कर देंगे और फिर मैं उन्हें उस ईश्वरीय सूचना पर अविश्वास करऊँगा। मैं उनके मृतकों के भूत को सफलतापूर्वक लाऊँगा क्योंकि मैंने उनके सभी दादा-दादी और उनके सभी दोस्त को देखा है। मैं उनके जन्म से हज़ारों साल पहले जीया हूं और उनमें संपूर्णता जीवन देखा है, और वास्तव में, उन्हें फ़साना मेरी आकार बदलने वाली संतानों के कारण मेरी शक्ति में होगा और उनसे मेरी पूजा करवाऊँगा। जब भी वे मेरी ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करेंगे, मैं उन्हें मेरी गैर-परिणामी शक्तियों में विश्वास दिलाऊंगा जब तक कि वे भगवान में , नर्क में और स्वर्ग में अविश्वास न करने लगें।”

ईश्वर के पंखों वाले दूत जो स्वर्ग भर में उड़ते थे उन्होंने शैतान को डाँटा। “वास्तव में, आपकी योजनाएँ असफल होंगी, क्योंकि ईश्वर ने मानवजाति को अंतिम नियम के निम्नलिखित अध्याय में अक्सर पढ़ने की आज्ञा दी थी : मैं अपने लिए भोर के प्रभु की शरण की शर्त लगाता हूँ। उसकी निर्माण के शरारतों के ख़िलाफ़। और रात की शरारत के ख़िलाफ़ जब यह मुझपर हावी हो जाती है । और अजीब औरतों की शरारतों के ख़िलाफ़। और जब ईर्ष्या करने वाला ईर्ष्या करता है, तो उसकी शरारत के विरूद्ध।“ फिर स्वर्गदूतों ने अंतिम वसीयतनामा अध्याय के परामर्श के अंशों को पढ़ा : "स्वर्ग में जो कुछ है, वह सब उसी का है।"
वह सब जो पृथ्वी पर है, और वह अद्भुत सर्वोत्कृष्ट है।"

शैतान ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया और चिल्लाता रहा। "मैं इस भूमि के भूमिगत कक्षों के बारे में रहस्य जानता हु और जमीन के नीचे की गहराई तक धरती के अंदरूनी हिस्सों में सुलगती आग को भी । पृय्वी के नीचे की आग्नेय द्रव्यमान मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता क्युकी

मैं आग से बना हूं। और जब मैं छोटे आदमियों के सामने अपनी शक्तियाँ प्रदर्शित करता हूँ, तो वे मेरे दास बन जायेंगे और ब्रह्मांड में परम पतित प्रजातियाँ बन जायेंगे। मैं हर उस गुफा में जाऊँगा जहाँ साधु रहते हैं, और उन्हें व्यभिचारी बनऊँगा और उनके माता-पिता की हत्या करंगा। वास्तव में, मृत्यु का आगमन भी उन्हें ईश्वर की ओर नहीं मोड़ पाएगा क्योंकि वे मृत्यु के बाद किसी भी जीवन में विश्वास नहीं करेंगे! वे घृणित लोग पुनर्जन्म और लूसिफ़ेर के रूप में मेरे लिए आह्वान में ही विश्वास करेंगे! वे अपने पूर्वजो के भूतों पर विश्वास करेंगे क्योंकि मैं मुर्दे का रूप धारण कर लूंगा और उनसे लूसिफ़ेर के रूप में बात करंगा, और वे नकली भूत उन्हें बताएंगे कि कोई पुनर्जन्म नहीं है। वो भयानक इंसान विश्वास करेंगे कि मृतकों के भूत दुनिया में आसपास घूमते हैं, और उन्हें नर्क से डरने या स्वर्ग की तलाश करने की कोई ज़रूरत नहीं होगी!"

"ओह, घृणित शैतान! तुम ऐसा क्यों सोचते हैं कि तुम इंसानों को गुलाम बना सकते हो ? जब की तुम उन्हें न तो शाश्वत जीवन दे सकते हो न उन्हें गंभीर बीमारियों से ठीक कर सकते हो। क्या तुम नहीं जानते कि परमेश्वर ने मनुष्यों को दया के प्रेम से बनाया है वे ईश्वर से तब भी प्रेम करते है जब वह उनसे कुछ छीन लेता है , तब भी जब वह उन्हें दुःखी करता है या वे गरीबी का सामना करता है। परमेश्वर मनुष्यों से तब भी प्रेम करता है जब वे शाप देते हैं, तब भी जब वे पाप करते हैं,
तब भी जब वे अवज्ञाकारी या भुलक्कड़ हों जाते है। तुम क्या हो, ओ प्रेमहीन शैतान, भगवान और मनुष्य के बीच आने के लिए?"

"लेकिन मैं उनके ईश्वर से प्रार्थना करने का इंतजार करूंगा, और जब ईश्वर उनकी प्रार्थनाओं को अस्वीकार करेंगे , मैं आऊंगा और उन्हें वे जो चाहते हैं देने का नाटक करूंगा!" शैतान ने तर्क दिया।

“वास्तव में, भगवान ने कभी भी इंसानों से इस शाश्वती के साथ के उन्हें वह सब कुछ देगा जो वे माँगेंगे पूजा करने के लिए नहीं कहा। नहीं, सचमुच, परमेश्वर उन लोगों से प्रेम नहीं करता जो उससे कुछ पाने के लिए प्रेम करते हैं। देवदूत रुका और शैतान को संबोधित किया। “हे द्वेषपूर्ण शैतान! तुम्हे क्या लगता कि क्यों तुम्हारे ईश्वर ने तुम्हें अस्वीकार कर दिया और आदम के पुत्रों को प्राथमिकता दी , हालाँकि उनमें से कुछ पापपूर्ण हैं और वे सब सड़ती हुई मिट्टी से बने हैं? क्योंकि तुम्हारे परमेश्वर के लिए, वे उनके पापों उनकी गंदगी और उनकी अवज्ञा के बावजूद तुमसे लाखों गुना अधिक योग्य है। सचमुच, हे शैतान, यह
आदम की संतानों का प्रेम है जिसके लिए परमेश्वर ने उन्हें चुना! यह मानव जाति के प्रति अथक प्रेम है; यह अप्राप्त या अपेक्षित इंसानों का प्यार है जिसने आपके भगवान को उनसे प्यार करना और पसंद करना सिखाया। वे हम सब से ऊपर हैं! यह इस अनंत प्रेम के लिए है कि भगवान मनुष्यों को सम्मानित और महिमामंडित किया और उन्हें आप राक्षसों और हम देवदूतों से अधिक श्रेष्ठ बनाया! मनुष्य को ईश्वर के शुद्ध मार्ग से तुम कभी भी दूर नहीं कर पाओगे!”

"ओ मूर्ख देवदूतों!" शैतान ने ज़ोर से गुर्राया। “तुम सब इतना भ्रमित और इतना मंदबुद्धि क्यों हो और इतनी ऊँची राय रखते हो जो परमेश्वर को तब भी इन्कार करते हैं जब वह उन्हें सब कुछ देता है। निःसंदेह, जब उनके पास सब कुछ होगा तब भी वे मेरे पास आएंगे और जब वे सब कुछ खो देते हैं तब भी वे मेरे पास आएंगे! मनुष्य को क्यों ईश्वर में विश्वास करना चाहिए? क्या वह कभी उन्हें उनकी उपासना का प्रतिफल देता है? भगवान क्या आपने कभी उन्हें प्रार्थना करने के लिए प्रतिदिन निश्चित मात्रा में सोना इनाम में दिया है? नहीं! बदले में पैसा और सोना को पाए बिना कौन मूर्ख मनुष्य उसकी पूजा करेगा? इसके बारे में सोचो! क्या ईश्वर इनाम देता है या कभी उन्हें वह देता है जो वे माँगते है?”

“हे शैतान! मनुष्य बिना किसी पूर्व शर्त के ईश्वर से प्रेम करता है। इंसानों और उनके निर्माता के बीच प्यार बिना शर्त है! यदि उनका प्यार सशर्त होता और वे केवल अपने लाभ के लिए उसकी पूजा करते, फिर स्वर्ग और पृथ्वी के परमेश्वर द्वारा, कभी भी मानवजाति की रचना नहीं की होती! हम इसकी शपथ लेते हैं राक्षसों और स्वर्गदूतों का निर्माता, उसने कभी नहीं बनाया होता, वास्तव में ईश्वर ने उन्हें कभी भी उन्नत नहीं किया होगा न ही उन्हें सारी सृष्टि में सर्वश्रेष्ठ बना दिया होता! सचमुच, हम देवदूत ईश्वर की आज्ञा मानते और उसकी आराधना करते है क्योंकि हम उसकी शक्ति और महिमा को देखते हैं और हम उसकी ताकत के गवाह हैं और हम उसके क्रोध से डरते हैं, लेकिन वास्तव में, मानवजाति ब्रह्मांड के भगवान की दृष्टि में हमसे कहीं अधिक श्रेष्ठ है क्योंकि वे शुद्ध रूप से सिर्फ प्यार से उनकी पूजा करते हैं। निश्चित रूप से, मनुष्य उसकी आज्ञा मानते हैं और उससे प्रेम करते हैं एक ऐसा प्यार जो कभी मांग नहीं करता, कभी सशर्त नहीं होता और कोई भी वापसी चाहता है। इस प्रकार भगवान ने मानव जाति को सभी सृष्टि में सर्वश्रेष्ठ बनाया है और सारे स्वर्ग को उसके राज्य के लिये तैयार किया है और वे उन्हें उनके प्रेम और महामहिम के प्रति समर्पण का सदा प्रतिफल देगा!”

“तुम्हारे मुँह पर सदा के लिए ताला लगा रहे!” शैतान चिल्लाया। “तुम्हारी यह कहने की हिम्मत कैसे हुई कि मनुष्य अपने ईश्वर के प्रेम के प्रति अधिक ईमानदार हैं? वे सचमुच सबसे कृतघ्न हैं! जब भगवान उन्हें सब कुछ देता है, वे उसके विरुद्ध पाप करते हैं; वे अपने प्रेमियों की पूजा करते हैं और वे परमेश्वर को कोसते हैं और उसके अनुयायियों को मारते हैं और वह सब कुछ जो उनके जीवन में गलत हैइसके लिए वे परमेश्वर को दोषी ठहराते हैं। दरअसल, जब विपत्ति की पहली आँधी उन पर पड़ेगी, वे सब मेरी ओर फिरेंगे। वे सभी गंदे शरीर वाले स्वार्थी मनुष्य अपने प्रिय परमेश्वर को त्याग देंगे और मुझे बुलाएंगे और मेरी पूजा करेंगे और भोजन प्राप्त करने के लिये जानबूझकर विश्वास करेंगे कि मैं उनके देवता

हूं, जिसे खाने के बाद मैं वैसे भी उन्हें मार डालूँगा। लेकिन मैं उनके पूरी तरह धर्मत्यागी बनने का इंतजार करूंगा और अविश्वास की स्थिति में आनंद मनाऊंगा इससे पहले कि मैं जहर दूँ!" शैतान ने स्वर्गदूतों पर थूका और कहा, "वे बदसूरत लोग मूर्ख भविष्यवक्ताओं के संदेशों को अस्वीकार कर देंगे और दूतों की आज्ञाओं की उपेक्षा करेंगे और वे अधिक शक्ति पाने के लिए मुझ पर ध्यान करेंगे । मैं उन्हें भूतों के बारे में भ्रम दिखाऊंगा यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे अब कभी भी भगवान की पूजा न करें, इसलिए वे कभी भी भगवान के संदेशों पर विश्वास नहीं करेंगे, इसलिए वे कभी सर्वशक्तिमान ईश्वर के आज्ञाओं और ग्रंथों और धर्मग्रंथों पर विश्वास नहीं करेंगे । सचमुच, वे कठिनाई के समय आने पर मेरी और मुड़ेंगे , और मैं कभी-कभी उनकी मदद करने के लिए अपनी शक्तियों का उपयोग करूंगा उन्हें मेरी और अधिक पूजा करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा । मेरे लिए कितनी खुशी की बात है जब वे बेहद घृणित मनुष्य हर उस आज्ञा पर विश्वास करेंगे जो मैं उन्हें बताऊंगा। जब वे मेरे और मेरी जाति के गुलाम बन जायेंगे, तब मैं भी उन्हें कुछ ऊर्जा और शक्ति प्रदान करंगा और उनसे भयानक अशोभनीय कृत्य कराऊंगा। सबसे निश्चित रूप से, आदम के बेटे थोड़ी सी अतिरिक्त शक्ति के लिए वास्तव में मेरे कहे हर शब्द पर विश्वास करेगा और सत्ता के आदी बन जाएगे,

ये भ्रष्ट इंसान और अधिक मेरे जैसे बनने की कोशिश करेंगे, लूसिफ़ेर के रूप में मुझे बुलाएँगे और मेरी गर्मी और ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे ,मेरी पूजा करेंगे और बकवास झूठ बोलेंगे, और अंततः अधिक शक्ति प्राप्त करने के लिए अपने ही बच्चों को मारन शुरू करेंगे। वे घृणित मैले प्राणी सूअरों की तरह व्यभिचार करेंगे, और नग्न घूमेंगे। वे उनके परिवार के सभी सदस्यों के साथ यौन संबंध बनाना शुरू कर देंगे

और सभी दोस्तों की हत्या कर देंगे, और ये सब अपराध करने के बाद, वे इसके लिए धार्मिक लोगों को फंसाएंगे, इसलिए कि कोई भी अन्य व्यक्ति कभी भी ईश्वर में विश्वास करने के लिए सहमत नहीं हो पाए

प्रेरितों, दूतों और साधू संतके विश्वासों का पालन न करें। जो मनुष्य मेरे दास बनेंगे, वे यश प्राप्त करेंगे परमेश्वर के लोग घिनौने अपराधों को प्रभावी ढंग से नष्ट कर देते हैं हर धर्म तब तक है जब तक ईश्वर मानव जाति से नफरत नहीं करता और इनकार नहीं करता और उन पर दया दिखाता है !”

"लो! भगवान, वह क्षमा करने वाला, दयालु है।" अंतिम नियम के अध्याय परामर्श से सीधे उद्‌धृत करते हुए देवदूत क्रोधपूर्वक चिल्लाये ।

अज़ाज़ेल ने हर पुरुष और महिला को गुमराह करने की कसम खाई थी उसी क्षण जब उसे एक बहिष्कृत शैतान घोषित कर दिया गया, और उसने
आदम को स्वर्ग में शांति से रहते हुए देखा, और क्रोध की लहरें फूट पड़ीं वह फिर से उसके दिल से चिल्लाया। “मैं मानव जाति के हर एक सदस्य को धर्म और पुनर्जन्म के बारे में भूला दूंगा । मैं उन्हें काम-वासना और संगीत में व्यस्त कर दूँगा जिससे वे आसन्न मृत्यु और बीमारी की पीड़ाओं के बारे में भूल जायेंगे। मैं उन्हें उसी तरह अश्लील संगीत के बोल सिखाऊंगा जैसे मैंने स्वर्ग में हव्वा और आदम का ध्यान भटकाने के लिए संगीत का इस्तेमाल किया था। मैं हर पर्वत-किनारे खोजूंगा और हर इंसान को सिर्फ मेरी पूजा करने के लिए मनाऊंगा । मैं उन्हें अंधकार की शक्ति सिखाने के लिए अपनी ऊर्जा और आग की क्षमता का उपयोग करूंगा और वे लूसिफ़ेर के रूप में मेरे सामने झुकेंगे। मैं उन्हें समझाऊँगा कि मुझमें बहुत शक्ति है। मैं उन्हें सिखाऊंगा की अपने मन की ऊर्जा की शक्ति पर विश्वास करें। आख़िरकार, मैं उन मलमूत्र से सने मनुष्यों को सिखाऊँगा कि वे सभी इस ब्रहमांड के देवता हैं, और वे मुझ पर विश्वास करेंगे और नास्तिक बन जाएंगे और अज्ञेयवादी, अपने सर्वोच्च निर्माता के अस्तित्व को ही नकारेंगे। हालाँकि, यदि मानव जाति में से कुछ को संदेह है, और उन्हें विश्वास है कि ईश्वर ने आदम और हव्वा से मानव जाति की रचना की है मै तुरंत उन्हें विकासवाद के

सिद्धांत में विश्वासी बनाऊंगा, जहां मैं उन्हें आश्वस्त करूंगा कि वे बंदरों, सूअरों और वानरों के वंशज रहे हैं । मैं नफरत करने वालों को सिखाऊंगा इंसानों के पास अपने दिमाग में शक्ति होती है। मैं भगवान को चुनौती देता हूं, कि यदि वह न्यायी होने का दावा करता है, तो वह मनुष्य को कैसे क्षमा कर सकता है जो युद्धों में एक-दूसरे को मारते है और अपने प्रेमियों के लिए या धन कमाने के लिए महिलाओं और बच्चो पर हमला करते है?”

जैसे ही देवदूत चले, उनकी शानदार आकृतियाँ एक सुर में थीं, और लंबी तराशी हुई गर्दनें तनी हुई थीं, और वे दर्शकों के लिए सौंदर्य के सूर्य की तरह दिखाई दे रही थी , लेकिन अज़ाज़ेल के निरंतर प्रलाप ने उनकी शांति भंग कर दी और उन्होंने उसे डांटा। “धिक्कार है तुम पर, ओ शैतान!" उन्होंने तीखे स्वर में कहा। “मनुष्यों के प्रति आपकी नफरत और ईर्ष्या के कारण तुम परमेश्वर द्वारा शापित हो गए हो! लोगों से पाप करवाकर और अपनी वासना गुस्सा और अहंकार का पालन करके तुम्हे क्या लाभ होगा ? क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि तुम सर्वश्रेष्ठ बनना चाहते हो? क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि तुम चाहते हो कि भगवान उनसे नफरत और घृणा करें ? क्या तुम शैतान बनकर अपने आप को नीचा दिखाते हो ताकि तुम स्वयं को उनसे बेहतर बना सको और स्वयं को सर्वश्रेष्ठ बना सको या इसलिए आप हमारा सम्मान प्राप्त कर सको? तुम क्यों अपनी छवि, मान-सम्मान और स्वाभिमान के प्रति इतने मोहग्रस्त हो कि अपना पूरा जीवन कष्ट सहते हुए बिताने को तैयार हो और आदम के पुत्रों को अपमानित करना चाहते हो , जबकि उन्होंने कभी तुम्हे हानि नहीं पहुंचाई?"

"हे पंख वाले स्वर्गदूतों की सेना!" शैतान ने उत्तर दिया। “आप सब मुझे शाप दो, लेकिन मैं कभी आप सबका नेता था। मैंने आत्माओं के बीच युद्ध बंद कर दिया और उनमें से छिपे हुए लोगों को कैद कर लिया

जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया। मुझे ईश्वर की कृपा से आपका नेता चुना गया क्योंकि आप सभी से सर्वश्रेष्ठ हु और आपने मेरा सम्मान किया, और मेरी नायक-पूजा की। सचमुच, मैं तुम्हारा नेता था ईश्वर की समस्त रचनाओं में सबसे सम्माननीय। आज आप मेरा आदर करने के स्थान पर उनकी सेवा करने लगे! तुम उन गंदे प्राणियों का आदर करते हो, और मेरा अनादर करते हो मानो मैं तुच्छ वस्तु हूं और तुम्हारे आदर के योग्य नहीं। आज या कल, मैं अपना पद वापस पा लूंगा लेकिन केवल साबित करने के बाद की मनुष्य कितने दुष्ट है। मैं उनसे ऐसी नीच हरकतें करवाऊंगा कि मल से सने वे मनुष्य पछतावे और मानवीय दयालुता होने का सारा एहसास खो देंगे और जंगली बेशर्म जानवर बन जायेंगे !”

शैतान की भयंकर चीख़ स्वर्ग में और अंतिम वसीयतनामा में, भगवान ने, अपने सिंहासन के ऊपर से, घोषणा की, “भगवन के जिन सेवकों ने अपराध करके तुम्हें हानि पहुंचाई है, वे ईश्वर की दया से निराश न हों, ईश्वर सभी पापों को क्षमा करता है। वह दयालु है! और तुम अपने रब की ओर लौट आओ, और उसी की शरण में चले जाओ नहीं तो तुम्हे भी सजा मिलेगी , तुम्हारी मदद न की होगी : और उस सबसे उत्तम चीज़ का पालन करें जो तुम्हारे रब की ओर से तुम्हारी ओर अवतरित किया गया है नहीं तो यातना तुम पर अचानक आ पड़ती है, और जब तुम उसका इंतजार नहीं करते!" (द फाइनल टेस्टामेंट, चैप्टर द ड्रूप्स)

शैतान की योजनाएँ

“ओह, मैं मनुष्यों को ईश्वर से इतनी अधिक नफरत करने पर मजबूर कर दूँगा कि वे नरक की गहराइयों से भी उसे शाप देंगे। मैं खुशी और महिमा का आनंद उठाऊंगा जब वे अनंत नरक में जलकर राख हो जायेंगे।" शैतान ने देवदूतों को आश्वासन दिया। “वे अश्लील और गंदे इंसान मुझे लूसिफ़ेर बुलाएँगे और मेरी पूजा करेंगे!”

“तुम अज्ञानी मूर्ख!” स्वर्गदूतों ने चिल्लाकर कहा। "हम दोनों ने नरक का आंतरिक भाग देखा है । यह महज़ एक जेल है जो कैदियों को भीतर से घेरने के लिए गेट से सुरक्षित है । तुम कैसे लोगो को झूठ बोलोगे कि वो जल जायेंगे ?”

“ओह, मुझे पता है कि भगवान ने सभी पापियों के लिए जेल बनाई है, लेकिन मुझे ख़ुशी है क्योंकि मैं भी उसी शापित घर में रहूँगा । मैं व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक मनुष्य का पीछा करूँगा और उन्हें जला डालूँगा।"

“लेकिन तुम्हें ऐसी जेल में डाल दिया जाएगा जहां कोई निष्चित सुविधाएं तुम्हे प्रदान नहीं होंगी। फिर तुम कैसे मनुष्यों को जलाकर दण्ड दोगे?”

“आह, तुम भूल जाते हो, मूर्ख स्वर्गदूतों, कि मैं धुंआ रहित आग के साथ बनाया गया हूँ, और कड़ी सुरक्षा वाली जेल जहां पापी लोग रहते हैं और महिलाओं को बंद कर दिया जाएगा, यह मेरा अधिकार क्षेत्र होगा। मैं नरक का स्वामी होऊंगा। मैं वहां का पालनकर्ता और स्वामी बनूंगा। ईश्वर गड्ढे की ओर नहीं देखेंगे और मुझे मेरा जीवन का सबसे अच्छा समय मिलेगा और लोगों को परमेश्वर से और भी अधिक घृणा करने पर मजबूर कर देगा।”

अंतिम नियम के पन्नों से ईश्वर को उद्धृत करते हुए देवदूत एक सुर में चिल्लाये, "हाँ! ईश्वर सही है, दयालु है!"

यह सुनकर शैतान क्रोधित हो गया और चिल्लाया, “मैं अपने शरीर से आग का उपयोग करूंगा और बदसूरत मनुष्यों को जला दूंगा। मैं उन्हें परमेश्वर से सख्त नफरत करने पर मजबूर कर दूँगा!”

"आप उन्हें भगवान से नफरत कैसे कराएँगे?" देवदूतों ने डाँटा। "बकवास मत करो!"

“जैसे ही उनके शरीर जलकर राख हो जाएंगे, मैं खुशी मनाऊंगा, लेकिन उन्हें कभी पता न चले कि मैंने यह किया है, क्योंकि जैसे ही वे जलने लगेंगे और पीड़ा से छटपटाने लगेंगे, मैं नरक के निवासियों को घोषणा कर दूँगा की, कि उनका रचयिता ही उन्हें आग लगाता है, और शरीर का दर्द बढ़ाने के लिए स्वर्गदूतों को उन पर गैसोलीन और टार डालने का आदेश देता है ।”

“लेकिन हम कभी भी किसी पर गैसोलीन और तारकोल नहीं डालेंगे, क्योंकि वास्तव में यह एक अन्यायपूर्ण बात होगी, क्योंकि ईश्वर ने कभी दासों को आग में जलाने का इरादा नहीं किया।”

“मैं उनके जले हुए शरीरों पर गरम हवा फेंकूँगा और उनकी पीड़ा बढ़ाऊँगा, जो उन्हें जंगली जानवरों की तरह चिल्लाने पर मजबूर कर देगी। आह, वे अपवित्र मनुष्य जो पृथ्वी पर लूसिफ़ेर के रूप में मेरी पूजा करते थे और ईश्वर के अस्तित्व में अविश्वास करके अज्ञेयवादी बन गये जब मैं बताऊंगा उन्हें कैसे भगवान अनंत काल के लिए जला रहा हैतो वे अपने रचयिता से और भी अधिक घृणा करेंगे ।

"लेकिन तुम्हें मनुष्यों को कष्ट क्यों देना चाहते हो?" देवदूतों ने पूछा. "उन्होंने आपके साथ क्या किया है?"

“उन सड़े-गले इंसानों को मुझ पर तरजीह दी गई और भगवान उन्हें मुझ से अधिक श्रेष्ठ मानते थे! मैंने उनमें से अंतिम को नष्ट करने का एक गंभीर व्रत लिया था, और इसलिए उन्हें पाप करने पर मजबूर किया और अपने कमजोर दिमाग से उन्होंने मेरी बात मानी, और कुछ ने तो ईश्वर के अस्तित्व को भी नकार दिया और ऐसा विश्वास करने लगे कि उनके

पूर्वज बंदर और कुत्ते थे। वे सभी स्वर्गीय आज्ञाओं को अस्वीकार कर देंगे और प्रेरितो की हत्या कर देंगे और फिर रोगग्रस्त सूअरों की तरह व्यभिचार करने लगेगे। कथित रूप से महान व्यक्ति को मानव जाति जंगली जानवरों की तरह व्यवहार करते देखना मेरे लिए खुशी की बात थी। मैं पूरी तरह से प्रसन्न हूं की भगवान गवाह बनंगे कि उन्होंने जो मनुष्य बनाए वे कितने भयानक और कितने घृणित हैं उनकी साँसें और उनके कुरूप शरीर कितने सड़ गये। अरबों वर्षों से मेरा परम बदला नरक में लिया जाएगा, क्योंकि यह अनंत काल के लिए होगा,और मुझे उन बदबूदार लोगों को यातना देने का अनुग्रहपूर्ण अवसर मिलेगा। मुझे यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका दुख कभी ख़त्म नहीं हो।"

स्वर्गदूतों में से एक ने अनाप-शनाप टिप्पणी की। "नर्क जैसी जेल भयानक है यह काफी है । इंसानों के दर्द में आग क्यों जोड़ें?"

शैतान ने झुंझलाकर उत्तर दिया। "मुझे डर है कि भगवान दयावान होंगे मैंने उनकी राजसी क्षमाशीलता को जाना और देखा है , इसलिए मै डरता हु कि अगर नरक के लोग उन्हें बचाने के लिए बुलाएँगे, तो वह संभवतः उन्हें माफ़ करने का विकल्प चुनें।"

शैतान को सीधे जवाब देने के बजाय, पंख वाले स्वर्गदूत ने अंतिम नियम से एक अंश पढ़ा: "वह कौन होगा रात के घंटों का निरीक्षण करेगा, साष्टांग प्रणाम करेगा या भक्ति में खड़े रहेगा , आने वाले जीवन के प्रति सावधान रहेगा, और उसके प्रभु की दया के लिए आशा करेगा .....? कहो: क्या वे लोग जो ज्ञान रखते हैं? और जिनके पास यह नहीं है, उनके साथ एक जैसा व्यवहार किया जाएगा? कालिख में, समझदार पुरुषों को ही चेतावनी मिलेगी।"

मैं नीच मनुष्यों को नीचा कर दूंगा क्योंकि वे नीच है और उनकी

शुरुआत नीच है!" शैतान चिल्लाया। "मैं उन्हें घृणित चीजों की तरफ मोड़ूँगा और वे एक-दूसरे की निजी अंगो का पीछा करेंगे पागल कुत्तों की तरह एक दूसरे के पीछे भागेंगे और वासना करेंगे। यह उनका प्यार है जो एक-दूसरे की वासना और अभिलाषा का घिनौना गुलाम बना देगा और वे सूअरों से भी नीच बन जायेंगे और अपने उन्माद में अपने प्रेमी के गंदे शरीर की गुलामी के लिए वे किसी को भी हर किसी को मार डालेंगे और युद्ध और सामूहिक हत्या करेंगे। पैसे या शक्ति के लिए, वे अब तक ज्ञात सबसे घृणित बुरे कार्य करेंगे!"

"हे शापित!" स्वर्गदूतों में से एक ने डांटा। "मनुष्य का धुल और मिटटी से बना दिल कोमल होता है,लेकिन वे एक दूसरे के प्रति बहुत विनम्र और प्रेमपूर्ण और देखभाल करने वाले होते है , इसलिए आपका निर्माता उन्हें पुरस्कार देगा, उनका सम्मान करेगा और उन्हें अनंतकाल ऊँचा उठाएगा !"

ये शब्द सुनकर शैतान ने स्वर्गदूतों को पकड़ने की कोशिश की और उनके पंख काट डाले । "तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मेरे सामने इंसान का नाम लेने की?! वह चिल्लाया। "तुम्हारी उनमें से आदर और सम्मान के साथ बोलने की हिम्मत कैसे हुई? तुम्हारी पहले से ही हिम्मत कैसे हुई उन अभी तक अजन्मी गन्दी चीजों के प्रति वफादार रहने की और उन्हें मुझसे बेहतर और श्रेष्ठ होने की कल्पना करने की ? ऐसा कभी नहीं होगा
होना! क्योंकि मनुष्य तुच्छ घृणित वस्तु हैं, जो घृणित मिट्टी और सड़ांध भरी गंदगी से बना है, यदि उन्हें ठीक से नहीं धोया जाता है तो उनमें भयानक दुर्गंध आती है। दरअसल, मेरा लक्ष्य इन सुस्त इंसानों को ईश्वर की सृष्टिसबसे खराब इंसान बनाना है।"

शैतान को पता था कि उसका क्या होगा। उसने स्वेच्छा से परमेश्वर की उचित आज्ञाओं का उल्लंघन किया और आदम को प्रणाम करने से

इनकार कर दिया, यद्यपि सभी स्वर्गदूतों ने तत्परता से पहला मनुष्य जो स्वर्ग और पृथ्वी पर खड़ा हुआ उसे प्रणाम किया। अज़ाज़ेल अक्सर उस पल को याद करता हैं जिसने उन्हें शापित शैतान के इस मुकाम तक पहुंचाया। उस पर 'एक अस्वीकृत' का ठप्पा लग गया था केवल आदम के सृजन के बाद, और इसी कारण से, उसने अपनी शिकायतों के लिए मानव जाति को दोषी ठहराया। यदि केवल भगवान ने आदम को न बनाया होता, तो वह स्वर्ग में सदा के लिए वास कर सकता था, और कर्तव्यपरायण देवदूत और सभी अधीनस्थों का नेता बना रहता। उसने आदम की उपस्थिति में भगवान के साथ हुई बातचीत को याद किया जैसा कि अंतिम नियम में दर्ज किया गया था:

जब तुम्हारे रब ने फ़रिश्तों से कहा, "मैं मनुष्य को मिट्टी से बनाने पर हूँ
, और जब मैं उसे बनाऊंगा और उसमें अपनी आत्मा फूंक दूंगा फिर उसके आगे झुककर सजदा करना।"

और शैतान को छोड़कर सब के सब फ़रिश्तों ने एक होकर सजदा किया। वह गर्व से फूल गया, और एक अविश्वासी बन गया।

"हे एब्लीस (दुष्ट शैतान)," भगवान ने कहा, "जिसे मेरे हाथों ने बनाया है उसके सामने दण्डवत् करने से तुम्हें कौन रोकता है? क्या तू घमण्ड से फूला हुआ है? या तू उच्च योग्यता का प्राणी है?"

उसने कहा: "मैं उससे अधिक उत्कृष्ट हूं; मुझे आप ने अग्नि से बनाया है।: आप ने उसे मिट्टी से उत्पन्न किया है।"

उसने (परमेश्वर ने) कहा: "तो फिर यहाँ से चले जाओ : तू शापित है। और देखो! मेरा प्रतिबंध तुम पर हिसाब के दिन तक रहेगा।"

उसने कहा: "हे मेरे रब! मुझे पुनरुत्थान के दिन तक मोहलत दे।"

उसने कहा, "तब तू विश्राम पानेवालों में से एक होगा। उस दिन नियत समय तक।"

उसने कहा: "तब मैं आपकी शक्ति की शपथ खाता हूं कि, आपके सच्चे सेवकों को उनके बीच से छोड़कर मैं उन सबको बहकाऊँगा ।"

उसने कहा: "यह सत्य है, और मैं जो सत्य कहता हूं, वह मैं तुझ से कहूंगा। निश्चय ही नरक भर जाएगा, और उन लोगों से जो तुम्हारे पीछे हो लेंगे।" (अंतिम नियम, 38:70)

अज़ाज़ेल जानता था कि वह शैतान बन गया है। उसी समय से उसने मानव जाती के विनाश की योजना बनाना शुरू कर दिया । वह आदम के बच्चो की जिंदगियों को नष्ट करके उसे कष्ट देना चाहता था। वह आदम को ज्ञान में उससे श्रेष्ठ होने के लिए कभी माफ नहीं कर सका । भगवान उसे आदम के सामने नम्रता दिखाने के लिए कैसे कह सकते थे? यह बेतुका और अपमानजनक था । अज़ाज़ेल आदम के बच्चों को उसी प्रकार अपमानित करना चाहता था जैसा उसने अपमानित महसूस किया था । वह आदम को अपनी संतानों को भयानक कार्य करते हुए देखकर लज्जित और दुखी देखना चाहता था। अज़ाज़ेल ने अपनी ऊँची आवाज़ से उन स्वर्गदूतों को चिल्लाया जो परिशुद्धता के साथ अपने कर्तव्यों को पूरा कर रहे थे : “ओय! मैं हर एक लंपट मनुष्यों में से एक से उनके साथी को मार डालने पर मजबूर करूँगा जिन्हें वे मेरे नाम पर बलिदान देंगे। मैं उन्हें अपना गुलाम बना लूँगा! मैं उन्हें इंसानों का दिल खाने और उनका खून पीने को मजबूर करूँगा तब तक जब तक वे पागल कुत्तों और लकड़बग्घे से भी बदतर न हो जाएँ !” कुछ देर रुककर, शैतान ज़ोर से हँसा। “ओ मनुष्य को सूअरों से भी बदतर बनते देखकर मेरी खुशी जो अपनी गन्दगी खाते हैं । हे आनंद और खुशी मुझे यह देखने में मिलेगी

जो दुष्ट लोग स्वयं को केवल इसलिए नीचा दिखाते हैं ताकि वे मेरी तरफ से नगण्य मदद प्राप्त कर सकें। मुझे कितनी ख़ुशी और उल्लास होगा उन्हें गंदगी में लोटते हुए देखकर ! ओह क्या आनंद और परमानंद! मुझे क्या अनुभव होगा! मैं किस आनंद के साथ छलांग लगाऊंगा और दौड़ूंगा! मैं आदम और उसके बेटे-बेटियों से इतना गंभीर पाप करवाऊंगा यहाँ तक कि परमेश्वर भी उनसे घृणा करने लगेगा।"

अपने सिंहासन के ऊपर से, सर्वशक्तिमान ईश्वर ने उसकी रचना के लिए क्षमादान और प्रेम की घोषणा की। अंतिम नियम में, भगवान घोषणा करते है: "और जो परमेश्वर की बोली लगानेवाले से अधिक अच्छी बातें बोलता है वह जो उचित काम करता है , और कहता है: मैं अपनी ओर से प्रस्तुत करने वालों में से हु ? इसके अलावा, अच्छाई और बुराई एक जैसी नहीं होनी चाहिए । जो अच्छा है उससे बुराई को दूर करो, और लो! वह जिसके और तुम्हारे बीच शत्रुता थी, हालाँकि वह एक मधुर मित्र थे। लेकिन कोई भी इस तक दृढ़ता से नहीं पहुंच पाता, और सर्वाधिक पसंदीदा के सिवा कोई उसे प्राप्त नहीं कर सकता।" (द फाइनल टेस्टामेंट, 41:31)

जैसे ही वह स्वर्गदूतों के साथ चिल्लाया, अज़ाज़ेल चिल्लाता रहा। शैतान ने गहरी साँस ली और गरजकर बोला: "ओह, सचमुच, यह मेरे लिए बेहद ख़ुशी का समय होगा! ख़ुशी मनुष्यों को मेरे लिए अपने ही बच्चों को अपवित्र करते देखना और उनकी अपनी माताओं का हृदय भी खाते हुए देखना। मुझे डर है कि यह आनंद मेरे दिल के लिए बहुत ज़्यादा होगा जब मैं उस आदमी को देखता हूँ जिसे भगवान ने मुझ पर प्राथमिकता दी है, सबसे बुरे प्रकार के सूअरों और जानवरों में बदल गए और मेरी हर बात इच्छा और सनक मानते है । ओह, जब वे मेरी बेकार ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करते हैं और मेरी हर आज्ञा का पालन करते है बस इसलिए कि मैं उनकी थोड़ी मदद कर सकूं तो कितनी प्रसन्नता होती है!"

“क्या तुम्हे लगता है कि यह तुम्हारे लिए दूर से भी संभव होगा की चतुर मनुष्यों को धार्मिक जीवन का अनुसरण छोड़ने के लिए बाध्य करें," स्वर्गदूतों ने उसे समझाने की कोशिश की, “जिससे वे कमाएँगे एक शुद्ध मृत्यु और अनंत काल तक खुशी और आशीर्वाद में जिएंगे उस ईश्वर के साथ जो उनसे सबसे अधिक प्रेम करता है और उनका सबसे अधिक सम्मान करता है? हे शैतान, तू सचमुच परमेश्वर के क्रोध से कभी न बच सके, तुम कभी भी उन इंसानों को गुमराह नहीं कर पाओ जिन्हें भगवान ने प्यार और सम्मान के साथ बनाया है! भगवान उसके बाद दूत के बाद
दूत और वसीयतों के बाद वसीयतें भेजेंगे उनका मार्गदर्शन करने के लिए। तुम्हारे घृणित प्रयास विफल हो जायेंगे,अज़ाज़ेल! क्या तुमने अंतिम नियम नहीं पढ़ा है जहां भगवान घोषणा की: 'भगवान आपकी पिछली प्रार्थनाएँ बेकार नहीं करना चाहते थे; ईश्वर दयालु और सर्व दयालु है!' (2:143) वास्तव में, भगवान स्वर्ग से दूतों को नीचे भेजेंगे जो उन्हें प्रार्थनाओं और उन प्रेरितों का चमत्कार दिखाएंगे ,उन्हें ईश्वर के प्रेम की भगवान की सुरक्षा की शक्ति दिखाएंगे। पृथ्वी पर लोग भगवान का चमत्कार पहचान लेंगे और वह शक्ति जो भगवान उन्हें देंगे और वे आनन्द के साथ अनन्त स्वर्ग की प्रतीक्षा करेंगे! उन पर तुम्हारा प्रभुत्व स्थायी या प्रभावोत्पादक कदापि नहीं हो!”

"अरे नहीं!" अज़ाज़ेल, एक बार फिर उसके ऊँची आवाज में चिल्लाया। “मनुष्य और कुछ नहीं बल्कि उनके दिमाग में कीड़े के साथ मंदबुद्धि गंदी देह है। मैंने देखा है कैसे वे घृणित और मूर्ख हैं! वे कभी किसी ऐसी चीज़ पर विश्वास नहीं कर पाएंगे जिसे वे देख नहीं सकते!”

“होश में आओ , हे शैतान!” एक देवदूत चिल्लाया। “कोई भी विवेकशील महिला या पुरुष तुम्हारे भयावह जीवन को पसंद नहीं करेगी और अपमान में रहने और यातना सहने, तुम्हारे लिए दर्द, केवल अनंत काल तक पीड़ा

का सामना करने सहमत नहीं होगी। वास्तव में, वे निष्पापता पवित्रता, अच्छाई में रहना पसंद करेंगे और ईश्वर के प्रेम में विश्वास रखेंगे। अधिकांश मनुष्य केवल ईश्वर के दूत और पैगंबर के चमत्कारों पर विश्वास करेंगे' वे वसीयतनामा के सभी के पन्नों का सम्मान करेंगे और स्वर्गीय कानूनों का पालन करेंगे और उनकी आज्ञाओ का पालन करेंगे। वे सत्य के मार्ग पर चलेंगे और शांति और खुशी से जिएंगे और मरेंगे जब तक भगवान उन सभी को पुनरुत्थान का दिन और उन्हें दूसरा जीवन बहाल नहीं कर देते। यह वे जो अनंत काल तक परमेश्वर के स्वर्ग में रहेंगे, और खुशी के साथ वास करेंगे, उस खूबसूरत स्वर्ग के अंदर जो भगवान ने उनके लिए बनाया था और उनके लिए सजाया और तैयार किया गया ताकि मानव जाति खुश रह सके। परमेश्वर आदम के सभी पुत्रों और पुत्रियों के लिए और विश्व के सभी स्त्री-पुरुष के लिए कामना करता है की वे उनके साथ अनंत काल तक स्वर्ग में रहे जो किसी भी इंसान द्वारा अकल्पनीय ऐसे आशीर्वाद से सज्ज है । वहां वे अनंत काल तक ईश्वर को अपना स्वामी और प्रभु मानते हुए समृद्धि और शांति से रहेंगे । वहाँ मनुष्य ईश्वर को अपने मित्र के रूप में पायेंगे और पायेंगे उनके साथ उनका सबसे प्रिय निर्माता। वे बुद्धिमान मनुष्य कभी आपकी नफरत पर विश्वास नहीं करेंगे। सचमुच, वे वे तुम्हारी दुष्टता को देख लेंगे, तुम्हारे सड़े हुए अंधकार को देख लेंगे, तुम्हारी ईर्ष्या को समझेगे और तुम्हारे उनके प्रति क्रोध को महसूस करेंगे और वे समझ जायेंगे कि तुम उन्हें कैसे अपमानित करते हो और किस तरह से तुम उनका तिरस्कार करते हो , उसकी निंदा करते हो । “

शैतान अपने पैरों पर खड़ा हो गया और उसने स्वर्गदूतों पर हमला करने की कोशिश की। "मैं सभी मनुष्यों को नष्ट कर दूँगा!" वह चिल्लाया । "वे गंदा और बेईमानी हैं और आज या कल वे सभी वासनापूर्ण इच्छाएँ और विद्रोही व्यवहार में पड़ जायेंगे, इधर-उधर सड़कों पर नग्न भागेंगे और गंदी बदबूदार सूअर की तरह एक दूसरे पर चढ़ेगे।”

स्वर्गदूतों ने अंतिम वसीयतनामा के अंश उद्धृत करते हुए कहा, "भगवान स्तन के रहस्यों को जानता है। सच तो यह है कि केवल शैतान ही था जिसने आपमें से उन लोगों को उनके कुछ कार्य में असफल कर दिया जो उस दिन वापस लौट आया जब मेज़बानों की बैठक हुई, परन्तु अब परमेश्वर ने उन्हें क्षमा कर दिया है; क्युकी ईश्वर क्षमाशील, दयालु है... ईश्वर ने इस मामले को कहा उन्हें हृदय को दुःख होगा! परमेश्वर जीवित बनाता और मारता है; और परमेश्वर तुम्हारे कामों को देखता है। और यदि तुम ईश्वर की राह पर चलते हुए मारे जाओगे या मर जाओगे तो ईश्वर से क्षमा और दया तुम्हारे सारे संग्रह से बढ़कर है।" (अंतिम नियम, अध्याय इमरान का परिवार, श्लोक 150

“नहीं! मैं उन घटिया मनुष्यों में से एक को भी सम्माननीय या पवित्र रहने नहीं दूँगा। भगवान ने मुझे शैतान बनाने की हिम्मत कैसे की? मैं अपने प्रभु और निर्माता को दिखाऊंगा कि उसकी गंदगी भरी रचना कितनी ख़राब है। मैं सब मनुष्यों से पाप कराऊंगा और उनका सहारा बनूंगा शिकारी कुत्तों के समूह की तरह पाप करते हुए जहाँ वे एक दूसरे को वासना और पाप के लिए बुलाएँगे और वे सभी एक सुर में चिल्लाएँगे!”

“मनुष्यों से तुम चाहे कितने भी पाप करवा लें, जब वे निम्नलिखित तरीके से भगवान से अपने पापों की क्षमा मांगेंगे तो उन्हें क्षमा कर दिया जाएगा।" तब स्वर्गदूतों ने अंतिम वसीयतनामा के इस श्लोक को पढ़ा: "हे मेरे भगवान, मैंने खुद को चोट पहुंचाने के लिए पाप किया है: मै क्षमा चाहता हूँ। तो, भगवान ने उसे माफ कर दिया; क्योंकि वह क्षमा करने वाला और दयालु है।"

"नहीं! भगवान उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे! वे गंदे इंसान परमेश्वर का इन्कार करेंगे और मुझे अपना लूसिफ़ेर, अपना स्वामी मानकर मेरी पूजा करेंगे! मैं उन घृणित मनुष्यों से एक-दूसरे की शरीर के अंग की पूजा

करवाऊँगा और वे कुत्तों की तरह हो जायेंगे इसलिए वे सूअर और कीड़े की तरह अपने प्रेमी के बदबूदार मल से भरे हुए निजी अंग की पूजा करेंगे। तब मैं उन से सब धर्मात्माओं को भगवान के पवित्र प्रिय पुरुष और महिलाओ को मरवा डालूंगा। क्योंकि मुझे यकीन है इससे निश्चित रूप से सर्वशक्तिमान परमेश्वर क्रोधित हो जाएगा। मैं इन सकल मनुष्य इतने पापी और पथभ्रष्ट बनाऊंगा की वे अन्य सभी को गुमराह करने के लिए वैसे ही बेताब हो जायेंगे जैसे अब मैं बेताब हूँ! वे मेरी तरह बन जायेंगे और दूसरे निर्दोष मनुष्य को पापी बनाने की कोशिश करेगे और अपनी ही वासना में डूबे रहेंगे। वे पाप करके घमण्ड करेंगे और सोचेंगे बच्चों को गली देना और पुजारियों को मारना अच्छे कार्य हैं, और वे वे सोचेंगे कि कुत्तों की तरह बनना, प्रेमी के शरीर की पूजा करना और धन तथा आराम के पीछे भागना सम्मानजनक है ।”

स्वर्गदूतों में से एक ने शैतान को याद दिलाया कि वहाँ मानव जाति के बीच कुछ लोग अच्छे होंगे, चाहे कुछ भी हो, और वे पाप करने को राजी न होंगे। फिर स्वर्गदूतों ने अंतिम नियम उद्धृत किया: और जो लोग विश्वास नहीं करते थे वे कहेंगे, "ओह।हमारे प्रभु! हमें उन छुपे हुए लोगों और नेतृत्व करने वाले लोगों को दिखाएँ जो हम को भटकाएंगे: हम उन दोनों को अपने पांवों के नीचे डालेंगे, कि वे नम्र लोगों में से हो सकता है।"

परन्तु जो लोग कहते हैं, कि हमारा मालिक परमेश्वर है; और जो सीधे उसके पास जाते है , स्वर्गदूत उनके पास उतरेंगे और कहेंगे, "न तो तुम डरो न तो उदास होओ, उस स्वर्ग में आनन्द मनाओ जिसका तुमसे वादा किया गया है। हम इस जीवन में और अगले में आपके अभिभावक हैं : उसमें तुम्हारी आत्मा की इच्छा तुम्हारी होगी और उसमें जो कुछ तुम मांगोगे वो तुम्हारा होगा। एक दयालु का आतिथ्य।" (द फाइनल टेस्टामेंट, 41:29)

शैतान ने तर्क दिया, "लेकिन मनुष्य मूर्ख और अज्ञानी रचना हैं।" “मैं जो भी कहूंगा वे उस पर विश्वास करेंगे। मैं उन्हें पाप करना एक पुण्य है , और पवित्र रहकर पुण्य करना पाप है यह सिखाऊंगा। वे गंदगी से बने हैं और इसलिए मंदबुद्धि हैं। सभी मनुष्य मुझ पर विश्वास करेंगे, और पापियों महिमा करने लगेंगे और व्यभिचारियों का आदर करेंगे और वे सब उनमें पवित्र, शुद्ध और धार्मिक लोगों का अनादर करेंगे।”

पंखों वाले स्वर्गदूतों में से एक ने कहा, “धिक्कार है तुमपर! शैतान, क्या तुम सच में सोचते हो कि तुम लोगों को उनके निर्माता से इतनी आसानी से दूर कर सकते हैं? तुम सोचते हो मनुष्य इतने मंदबुद्धि हैं कि अपने प्रेमियों और अपनी वासना के जाल में गिर जायेंगे और वे अपने रचयिता को भूल जायेंगे?! आप इंसानों के बारे में कैसे सोच सकते हैं की वे इतने बुद्धिहीन और विश्वासघाती है? मनुष्य कभी भी मूर्ख नहीं बनेंगे और अपने अस्थायी झूठे प्रेमियों के प्यार पर विश्वास नहीं करेंगे जो जिस दिन वे मरते है उस दिन उन्हें भूल जाते है और परमेश्वर के बुद्धिमान और दयालु प्राणी अपने निर्माता का कभी इन्कार नहीं करेंगे जिन्हें उनसे मिलने की चाहत है! तुम कभी किसी इंसान को इतना मूर्ख मोटे दिमाग वाले नहीं पाओगे कि वे अपने उस प्रेमी की पूजा करेंगे जो किसी भी क्षण किसी और से प्रेम करेगा और पिछली सारी वफ़ादारी भूल जाएगा! बुद्धिमान मनुष्य इतने झूठे, इतने अस्थायी और इतना क्षणभंगुर प्रेम से कभी नहीं ग्रस्त होगे ! नहीं, हे शैतान, तुम मनुष्य को उस ईश्वर से दूर नहीं कर सकते जिसने उन्हें बनाया और उनसे इतनी बेकरारी से प्रेम करता है! वे सब उसके पास वापस आएँगे! उन्हें ,आज या कल, एहसास होगा कि उनके प्रेमी कितने झूठे हैं उनके प्रेमी का प्यार कितना नकली और अस्थायी है! और फिर वे अपने निर्माता की ओर फिरेंगे!” फिर उन्होंने अंतिम नियम यह श्लोक पढ़ा, जहां भगवान कहते हैं: “जो कुछ भी स्वर्ग में और पृथ्वी पर है वो परमेश्वर का है! वह जिसे चाहे और जिसे चाहे ताड दे , क्योंकि परमेश्वर क्षमाशील, दयालु है।” (अंतिम वसीयतनामा, अध्याय इमरान का परिवार, श्लोक 125)

शैतान ने खुले आम उपहास किया। “ओह, तो आप देवदूत इंसान के बारे इतना ऊँचा सोचते हैं?” उसने गहरे स्वर में कहा। “क्या यह मेरा भगवान था जिसने आपको मानवता से प्यार करना और उसका सम्मान करना सिखाया? मैं उन्हें कष्ट दूँगा और उनके शिशुओं का अपहरण करूँगा और उनके बच्चों को दूर ले जाऊंगा जब तक वे यौन शोषण करने वालों और बहकाने वालों का शिकार बने रहते हैं तब वे इन्सान पागलों की तरह भगवान को कोकेंगे । हर बार जब मै उन दुष्ट मनुष्यों पर अत्याचार करूंगा , मैं उन से परमेश्वर पर दोष लगवाऊंगा, और उसके लिए शाप दूंगा! जब भी वे कुछ कमाएंगे या हासिल करेंगे, वे इसका श्रेय स्वयं को और अपने प्रेमियों को देंगे! वे तब भगवान से नफरत करना शुरू करेंगे और भगवान उन्हें माफ नहीं करना चाहेंगे! यदि मैं कभी किसी मनुष्य को मुझसे भी अधिक पवित्र बनने दूं तो शोक और विनाश मुझ पर हो!

"कभी नहीं!" स्वर्गदूतों ने विरोध किया। “वे धर्मी मनुष्य निश्चय जान लेंगे कि केवल परमेश्वर ही उन से प्रेम करता है, और वे जान लेंगे तुम उन्हें भगवान के नाम पर दंडित कर रहे हो ताकि वे उनके निर्माता से नफरत करे ! भगवान ने आपको लंबी उम्र दी है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता तुम मानव जाति के लिए क्या करेंगे, वे अच्छाई में प्रबल होंगे। हो सकता है कि ईश्वर ने आपको उन्हें नियंत्रित करने और दंडित करने की अनुमति दी हो पर छोटा सा क्षणभंगुर जीवनकाल की पीड़ा के लिए वह उन्हें अनंत काल तक पुरस्कृत करेगा हर पल के लिए अकल्पनीय खुशी और आशीर्वाद के साथ । जिस पीड़ा का उन्होंने इस हद तक सामना किया कि जब वे कोमल हुए मनुष्य स्वर्ग में प्रवेश करते हैं, तो वे चाहेंगे कि उन्हें और भी कष्ट सहना पड़ा होता इस खजानों से भी अधिक संग्रहीत ख़ुशी के लिए । तुम कभी कैसे सोच सकते हो की मनुष्य पापी चीज़ों की पूजा करेंगे और अस्थायी प्रसिद्धि और धन या सस्ती शक्तियाँ का या उनके प्रेमी का पीछा करेंगे जब उन्हें पता चलेगा कि उनका ईश्वर उनसे कितनी उत्सुकता से प्रेम करता है वह कैसे गर्व से

उनका इंतजार करता है और उन्हें प्यार करने और माफ करने की इच्छा रखता है?"

अध्याय स्पॉइल्स के सत्तरवें श्लोक में, अंतिम में वसीयतनामा, ब्रह्मांड का भगवान मानव जाति से घोषणा करता है, “यदि परमेश्वर तुम्हारे हृदयों में भलाई जानेगा, वह तुम्हें देगा जो कुछ भी तुमसे लिया गया है, और उससे परे अच्छा होगा तुम्हें क्षमा कर देना, क्योंकि ईश्वर क्षमाशील, दयालु है।”

"नहीं!" शैतान ने तर्क दिया. “मनुष्य दुष्ट और मूर्ख हैं! वे क्रोधी, कामी और दीन दास हैं! वे पाप करेंगे और इस पर गर्व करेंगे ! अगर मैं कभी किसी आदमी को पवित्र रहने दूं तो मुझ पर धिक्कार है! वे कभी भी भगवान की ओर नहीं मुड़ेंगे, यह मैं सुनिश्चित करूंगा, उनके छोटे-छोटे बुद्धिहीन दिमागों को उनके प्रेमी और उनकी संपत्ति और उनका आराम असीमित गुलामी से प्रदूषित कर रहे हैं। वे सब स्वार्थी छोटी चीजें बन जाएंगे । आप देवदूत जो शुद्ध प्रकाश से निर्मित है उनके हित के लिए कैसे लड़ सकते हो और उनकी सेवा कैसे कर सकते हो या उनके लिए भलाई और शाश्वत मोक्ष की कामना कर सकते हो जब की मनुष्य गंदे खून से बने हैं और गंदगी से भरे हुए हैं मूत्र और कृमि परजीवी और उनके अंग बदबूदार मल भरे रहते हैं?”

“अपनी तुच्छ बातों और घटिया चालबाज़ियों के साथ, क्या तुम्हे वास्तव में उम्मीद है कि लोग शाश्वत पुनर्जन्म,और मृत्यु के बाद जीवन का विश्वास और ईश्वर की पूजा अदृश्य में विश्वास के बारे में भूल जाएंगे?” कई देवदूत हताशा से चिल्लाये।

"मनुष्य कहलाने वाले ये प्राणी कभी भी पवित्र नहीं होंगे!" शैतान चिल्लाया। “नहीं! स्वर्ग को प्रकाश देने वाले सूर्यों द्वारा! तारे जो उल्काओं से जलते रहते हैं! स्वर्ग जो वह असीमित है! मैं इन अयोग्य मनुष्यों को

कभी भी पवित्र नहीं बनने दूँगा! नहीं! मैं उन्हें कभी उनके रचयिता का पता भी न लगने दूँगा! मैं उन्हें कभी अच्छा होने न दूँ! मैं उन्हें कभी भी पवित्र नहीं होने दूंगा ! मैं उन्हें उतना ही गंदा कर दूंगा जितना उनका भीतरी भाग गंदा है! मैं उन्हें सारी सृष्टि में सबसे ख़राब बनाऊँगा ! मैं उन्हें वासना का गुलाम बनाऊंगा और इसे प्यार कहूँगा ! मैं उन्हें नीचा बीमार कर दूँगा! आह, अगर मैं कभी किसी आदमी को स्वर्ग जाने दूँ तो मुझ पर धिक्कार है! यदि मैं किसी व्यक्ति को ईश्वर की आराधना करने दूँ और उस ईश्वर पर विश्वास करने दूँ उनसे प्यार करने दू तो मैं जल जाऊँगा! धिक्कार है मुझ पर यदि कभी पृथ्वी पर एक भी मनुष्य प्रेमी के गंदे शरीर के अंग के बजाय ईश्वर के बारे में सोचता है या ईश्वर से प्रेम करता है! अगर मैं कभी किसी आदमी को अच्छा कार्य करने दूं तो मुझ पर धिक्कार है और उसके बाद दस सबसे बुरे कार्य न करें! नरक और उसके बुरा असर मुझपर अगर मैं कभी किसी इंसान को पवित्र बनने दूं या अपने ईश्वर को पुकारें!

“शापित, चले जाओ!” स्वर्गदूतों में से एक ने तेजी से कहा, और शैतान से कहा कि उसकी चाल इंसानों पर काम नहीं करेगी। “निश्चित रूप से मानव जाति अंतिम नियम से पढ़ेगी," एक और पंख वाले देवदूत ने घोषणा की, "और तुम से निम्नलिखित श्लोक कहा : 'हाँ।" मुझे ईश्वर को अस्वीकार करने और उनके देवताओं में शामिल होने के लिए आमंत्रित करें जिनके बारे में मुझे कुछ भी नहीं पता; परन्तु मैं तुम्हें पराक्रमी, क्षमाशील के पास आमंत्रित करता हूं।' सचमुच, मनुष्य सम्माननीय और बुद्धिमान प्राणी हैं। जब वे तेरे झूठ को न सुनेंगे, तब न तुझ पर विश्वास करेंगे। उनके बीच में भविष्यद्वक्ता और प्रेरित होंगे जो मानव जाति को सच्चे वसीयतनामा सिखाएंगे और सबसे भरोसेमंद ईश्वर के दूत उनके मार्ग का मार्गदर्शन करने के लिए वहां मौजूद रहेंगे उन्हें सही रास्ता दिखाने !”

“भगवान के दूत? पैगंबर! उद्धारकर्ता?” शैतान चिल्लाया। उसकी चीखों में कुछ इतना गहरा था कि...स्वर्गदूतों ने सोचा कि उनका पूर्व गुरु पूरी तरह से विक्षिप्त बन गया है । “क्या तुम सब देवदूत पागल हो? नहीं, कभी नहीं! वो स्थूल मनुष्य अंततः सभी मेरी आराधना करेंगे! मैं उन सभी को मुझ पर और मेरी ऊर्जा और गर्मी पर ध्यान करने के लिए मजबूर करूँगा जो उन्हें गुमराह, पागल और वासना-उन्मुख बना देंगे और उनके दिमाग वासना और पाप का पागलपन, और गुलामी भर जायेंगे! मैं उन घिनौने लोगों की मदद करूंगा जीव-जंतुओं को मेरी पूजा करने के लिए प्रेरित करूँगा ,और फिर कभी-कभी, मैं उन्हें मृतकों आत्माओं की तस्वीरें दिखाऊंगा को यह विश्वास दिलाने के लिए कि मौत के बाद कोई पुनर्जन्म नहीं है। फिर मैं अपनी कुछ बेवकूफियों जैसी चालें से मदद करने का दिखावा करूंगा जैसे की मन को पढ़ने और कुछ जानकारी खोजने तब वे सभी मंदबुद्धि मनुष्य भक्तिहीन हो जाएँगे और मेरी और मेरी शक्ति की पूजा करेंगे और अपने परमेश्वर से विमुख हो जाएंगे ! वे अपने रचयिता का इन्कार करेंगे, और उसके बाद दूतों को शाप देंगे उनमें से हर एक के ख़िलाफ़ झूठे आरोप गढ़ेंगे! वे उनके पैगम्बरों का अपमान करेंगे और पवित्र विधानों को नष्ट करेंगे और मेरी ऊर्जा की पूजा करेंगे और लंबे समय तक जीने की आशा से ईश्वर को नकारेंगे, लेकिन इस सारे पागलपन के साथ वे सभी और भी जल्दी मर जायेंगे और मानसिक रूप से अस्थिर हो जायेंगे। उनकी गुलामी और मुझे प्रसन्न करने की इच्छा के बावजूद , वे गंदे लोग उन पवित्र लोगों के साथ मरेंगे जिन्होंने भगवान की पूजा की! सचमुच, वे एक अधिक क्षण या एक अतिरिक्त दिन भी जीवित न रहेंगे मुझ पर और मेरी ऊर्जा पर विश्वास करके।”

स्वर्गदूतों में से एक चिल्लाया। “हे विनाशकारी शैतान! तुम बहुत जल्दी थोड़ा उत्साहित हो रहे हो ! सचमुच, कोई भी मनुष्य इतना मुर्ख नहीं होगा

अपने अनंत काल के आनंद का बलिदान करके पृथ्वी के कुछ दिनों के आनंद के लिए जिनमें से वे सभी किसी भी क्षण मर जायेंगे! उनकी संपत्ति का एक हिस्सा कब्र में उनके साथ नहीं जाएगा, सिवाय ईश्वर और बुरे कर्म, इस संसार में उनके द्वारा किए गए केवल दान कार्य उनकी मानवीय आत्मा की रक्षा अनंत काल के विनाश से करेंगे!"

"हाँ, मुझे पता है," शैतान ने सोच-समझकर कहा। "लेकिन शोरगुल वाला मनुष्य इतने मूर्ख हैं कि मुझ पर विश्वास करते हैं! जी हां! गंदा और दुर्गन्धयुक्त मनुष्य जिन्हें परमेश्वर ने बनाया और मुझसे अधिक पसन्द किया, और जिसकी आप अब इतनी निष्ठापूर्वक सेवा करते हैं, वास्तव में यह निश्चित रूप से अब तक का सबसे मूर्ख और मंदबुद्धि जानवर है। तुम देखोगे और मैं तुम्हें सब दिखाऊंगा कि उन्हें कैसे मूर्ख बनाया जाएगा, जहां इस जीवन के कुछ अनछुए पलों के बदले मैं उन्हें अपनी आत्मा मुझे बेचने के लिए मनाऊंगा। वास्तव में, वे कुछ लोगों के लिए अपना जीवन, विश्वास, सम्मान और बच्चे बेच देंगे मुझसे शक्ति या धन और कुछ आराम और कुछ वासना या उनके झूठे और अस्थायी प्रेमियों का झूठा प्यार पाने के लिए ।

अंतिम नियम के दूसरे अध्याय में भगवान ने मानवजाति को इसकी घोषणा की, "यदि तुम वृद्धि चाहो तो यह तुम्हारे लिये कोई अपराध नहीं होगा अपने रब की ओर से... और उसे याद करो, क्योंकि उसी ने मार्गदर्शन किया है तुम जो इस से पहिले भी भटके हुए थे, ईश्वर क्षमा मांगो क्योंकि ईश्वर क्षमाशील, दयालु है।" (श्लोक 195)

"मुझे परवाह नहीं है अगर भगवान उन्हें माफ करने का वादा करता है!" शैतान चीखा । "गंदे इंसान जो मुझे अपने प्रिय लूसिफ़ेर के रूप में पूजते हैं कभी भी ईश्वर के अस्तित्व पर विश्वास नहीं करेगा। उनका अहंकार और उनका घमंड, उनकी वासना और उनकी बेकारता और खुद के बारे में तुच्छ राय उन सभी को मेरा गुलाम बना देगी और मैं

सुनिश्चित करंगा कि वे परमेश्वर के विश्वासियों को मारें और शाप दें। हे प्रभु, यदि वह न्यायपूर्ण होने का दावा करता है, तो उसे ऐसा करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा उनका सामना करें और उन्हें शाश्वत विनाश की नरक की घाटी की ओर ले जाएं , जहाँ मैं आदम के सभी पापी पुत्रों के साथ रहूँगा
और अनंत काल तक उनके शरीरों को यातना देते और जलाते रहूँगा। ओह मैं कैसे मनुष्यों को नरक में यातना दूंगा , क्योंकि वहां उनकी रक्षा करने कोई परमेश्वर नहीं होगा! मैं उन्हें हमेशा के लिए जला डालूँगा और शाप दूँगा और यातना दूँगा! ओह, उन्हें पीड़ित देखकर मेरी आत्मा कितनी प्रसन्न होगी! मैं और कितनी खुशियाँ माँग सकता हूँ जब आदम का एक भी पुत्र, एक भी मनुष्य न पाओगे जो उससे प्यार करेगा ! उन सब को देखना उसके लिए कितना कष्टदायक होगा जो अपने उत्पीड़न और बीमार व्यवहार के लिए धरती पर अनन्त विनाश में चले जाते है ?"

“लेकिन तुम नरक में भी रहोगे! भगवान ने मानव जाति को यह याद दिलाया तुम वहाँ पापी के साथी बनोगे!” देवदूत चिल्लाया और फिर अंतिम वसीयतनामा के दूसरे अध्याय का पाठ किया “धर्म में कोई ज़बरदस्ती न हो। अब क्या सही दिशा स्पष्ट रूप से धोखे से अलग है: इसलिये जो कोई झूठे देवताओं का इन्कार करेगा, और परमेश्वर पर विश्वास करेगा, वह निश्चय एक मजबूत हत्था पकड़ लेगा, जो नहीं होगा टूटा हुआ; परमेश्वर वह है जो सुनता और देखता है। ईश्वर उनके संरक्षक है जो विश्वास करते हैं; वह उन्हें अंधकार से बाहर प्रकाश की और ले जाएगा: परन्तु जो लोग ईमान नहीं लाते, उनके संरक्षक भगवान झूठे हैं ; वे उन्हें प्रकाश से अंधकार की ओर ले जायेंगे; वे आग के साथी हैं, वे उसमें हमेशा के लिए बने रहेंगे।" (अंतिम नियम, 2:256)

शैतान ने तुरन्त उत्तर दिया। “मैं कभी भी भगवान से भी ज्यादा किसी अन्य की पूजा नहीं करूँगा, और जब समय के अंत के निकट, प्रौद्योगिकी और बिजली प्रकट होगी मैं मनुष्यों के सामने आऊंगा और

उन्हें यह बताकर कि मैं परमेश्वर हूं, मेरी उपासना करने को समझाऊँगा। और चूँकि परमेश्वर स्वयं को मानवजाति के सामने कभी नहीं दिखाएगा, मैं आऊँगा
और मैं उनको धोखा दूंगा, और उन से अपनी आराधना करवाऊंगा। जो मेरे पीछे चलने को राजी हो जाएंगे, वे तो और भी बुरे जानवर हो जाएंगे क्योंकि मैं उन्हें अपने बच्चों को खाने के लिए मनाऊंगा। मैं उन्हें समझाऊंगा कि भ्रूण और प्लेसेंटा और नवजात शिशु खाना स्वास्थ्यवर्धक हैइ तथापि, मैं स्वयं भी धर्मनिष्ठ बना रहूँगा मैं पवित्र हूँ और ईश्वर के अलावा किसी अन्य की पूजा नहीं करूँगा, क्योंकि मैं अंततः परमेश्वर को दिखाऊंगा कि मनुष्य कितना बुरा है!"

स्वर्गदूतों ने शैतान के तर्क का प्रतिवाद निम्नलिखित शब्द के साथ किया। "परन्तु परमेश्वर जानता था कि मनुष्यों में कमज़ोरियाँ होती हैं, परन्तु उसने उन्हें क्षमा कर दिया और सबके पाप क्षमा करने का वचन दिया क्योंकि वह जानता था कि मनुष्य उससे बहुत प्रेम करता है। वह जानता था मनुष्य हृदय से एक कोमल प्राणी था जिसे शैतान द्वारा धोखा दिया गया जैसे आदम को अज़ाज़ेल ने वर्जित फल खाने के लिए धोखा दिया था। भगवान को महान सेवा या धर्मविधि की आवश्यकता नहीं है , वह अपनी रचना में से केवल उन्हीं को महत्व देता है जो उसे ईमानदारी से प्रेम करते हैं। अंतिम नियम के अध्याय परामर्श में, भगवान ने अपनी सृष्टि को आश्वासन दिया कि वह दया से परिपूर्ण है: और जिसने भी अच्छे काम का पुण्य जीता होगा, हम इससे उसके लिये भलाई बढ़ाएंगे ; क्योंकि परमेश्वर क्षमाशील, कृतज्ञ है!" (अंतिम नियम, अध्याय परामर्श, श्लोक 22)

"मैं उन लोगों को सूअरों और सुअर के बच्चे के समान नग्न शरीरों के साथ व्यभिचारी बना दूँगा, जबकि मैं पवित्र रहूंगा और ईश्वर के अलावा किसीकी कभी पूजा नहीं करूंगा, जिससे ईश्वर को यह साबित हो सके कि मैं बेहतर और श्रेष्ठ हूं।"

"ओह, शापित!" एक पूर्वाभासपूर्ण दिखने वाला देवदूत चिल्लाया। “आप बौद्धिक मनुष्यों से यह कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि वे भगवान को छोड़ देंगे जो उनसे प्यार करता है और तुम्हारा अनुसरण करेंगे जब की तुम पागलों की तरह उनसे नफरत करते हो और उनका अपमान करने की पूरी कोशिश कर रहे हो उन्हें नीचा दिखाना और अपनी स्वीकारोक्ति में, बनाने की कोशिश करना वे अपनी वासना की तलाश में कुत्तों और सूअरों से भी बदतर होंगे ? क्या तुम नहीं जानते, कि वे एक नीच, दुष्ट और मनहूस, क्रूर और घृणित चीज़ की की बजे भगवान के भविष्यद्वक्ताओं को अधिक पसंद करेंगे? उन्हें उस परमेश्वर की अवज्ञा क्यों करनी चाहिए जो उनसे प्रेम करता है तुम जैसे किसी ऐसे व्यक्ति के पापपूर्ण मार्ग का अनुसरण क्यों करना चाहिए जो घृणा और उनसे नफरत करता है, उन पर थूकता है और उन पर अत्याचार करने और उन्हें अपमानित करने के एकमात्र उद्देश्य के लिए जीता है?”

"क्योंकि मनुष्य बिल्कुल ऐसे ही घृणित होते हैं!" शैतान ने जवाब दिया। “वे मूर्ख, घमंडी और अहंकारी हैं, बहुत आसानी से क्रोधित हो जाते हैं! एक बार उनसे पाप कराना यह मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण होगा , फिर यह आसान हो जाएगा क्योंकि वे मेरे जैसा बनंगे! वे पवित्र लोगों से ईर्ष्या करने लगेंगे और अपने क्रोध में उन्मत्त हो जायेंगे, और अपनी दासता पर घमण्ड करते हैं, उनके प्रेमी का गंदा शरीर की गुलामी करेंगे कि भगवान अच्छे होने के लिए उन्हें नफरत होने लगेगी और वे केवल उन्हीं से प्रेम करेंगे और उनकी पूजा करेंगे जो उनसे भी अधिक दुष्ट और बीमार हैं!”

ऊँचे-ऊँचे देवदूत स्वर्गीय भूभाग पर निराशा फैलाते हुए अज़ाज़ेल पर नज़र दल्तेहुये उड़ रहे थे , जो कभी उनके सर्वोच्च शिक्षक और परामर्शदाता थे। उनमें से एक ने तीखे स्वर में पूछा, “हाय शैतान! कैसे तुम लोगों को गुमराह करने की उम्मीद करते हो जबकि भगवान ने स्वर्ग से भविष्यवक्ताओं और दूतों को भेजने का फैसला किया था जो उन्हें सही

और गलत का अंतर की शिक्षा देंगे, वे मानव जाति को बताएं कि पापी और बुरे , गतिविधियां और अच्छे कर्म के बीच अंतर कैसे किया जाए? तुम मनुष्य अपने भगवान के बारे में भूल जाने की उम्मीद कैसे कर सकते हो जब वे भगवान हर चीज़ में देख सकते हैं?"

"आह, लेकिन इन दुर्गंधयुक्त मनुष्यों का दिमाग कैसे काम करता है!" शैतान ने आत्मविश्वास से कहा। "उनका अभिमान, अहंकार और मूर्खता उन्हें मेरे जैसा बना देगी। वे परमेश्वर से बैर रखेंगे जो उनसे प्यार करता है ! उनका क्रोध और पापपूर्ण अतीत स्वाभाविक रूप से कारण बनेगा की वे परमेश्वर का इन्कार करें और उसे अस्वीकार करें और कभी भी उसके सामने माफी के लिए न झुकें! और फिर वे उनसे अत्यधिक ईर्ष्या करने लगेंगे जो पापरहित हैं और वे फंसाना और यातना देना चाहेंगे और उन सभी को मार डालेंगे जो ईश्वर और उसके बाद के जीवन में विश्वास करते हैं! वास्तव में, वे नीच इंसान आखिरी कुछ दुखद दिन उनका जीवन दुनिया के सामने अपने पापों को उचित ठहराने में बिताएंगे और अपने स्वार्थ में, घमंडी गुलामी का पागलपन, वे पूरी दुनिया को पापि बना देंगे इस पागलपन में कि वे अकेले ही नष्ट न हो जाएँ। किसी तरह, उनके मूर्ख दिमाग सोचेंगे कि दूसरों को पाप कराने से भगवान को ठेस पहुंचेगी और उसे नुकसान पहुँचेगा , ख़ासकर तब जब उसकी पूरी सृष्टि व्यभिचार करने लगे और हत्या करके उनकी गुलामी में पागल कुत्तों की तरह बन जाये और यौन विचलन और क्रूरता और दुर्व्यवहार के लिए समर्थन करे।"

देवदूतो ने कहा, "मनुष्य को पता चल जाएगा कि मृत्यु वास्तविक है और बहुत निकट। उन्हें एहसास होगा कि न तो तुम और न ही उनके प्रेमी परलोक के अनन्त जीवन में उनके साथ रहेंगे! अवश्य,बुद्धिमान मानव जाति कभी भी उनके रब के प्रेम के प्रति अंधी नहीं हो सकती! वास्तव में, उनके ईश्वर ने उन्हें क्षमा करने का वादा किया है सबसे बुरे पाप के लिए भी तब तक हैं जब तक वे एक बार सच्ची निष्ठा से उसकी ओर मुड़ते हैं

पश्चाताप करते है! ऐसा नहीं हो सकता, हे शापित शैतान, ऐसा नहीं हो सकता मनुष्य उनके रचयिता के इतने अकल्पनीय रूप से गहरे और समान सुन्दर प्रेम से विमुख हो जायेंगे और तुम्हारे दास बन जायें, जब परमेश्वर उनके पापों के लिए उनका न्याय कभी नहीं करेगा, नहीं ,चाहे वह कितना भी नीच और भ्रष्ट क्यों न हो! क्योंकि वह दिलों से प्यार करता है जिसे मनुष्य अपने साथ रखता है और वो उन्हें माफ करने के हर छोटे मौके की तलाश में रहता है!"

“हे देवदूतों! मेरे पूर्व शिष्य! जान लें कि मनुष्य मुझे अपने शैतानी लूसिफ़ेर के रूप में पूजेंगे। जी हां! वे पाप करेंगे! वे हर प्रकार का व्यभिचार करेगे और उन्हें बीमार कुत्तों की तरह व्यवहार करते देख और अपने प्रेमी के समान रूप से बदबूदार शरीर का पीछा करते देख स्वर्ग से इश्वर को भी आश्चर्य होगा! जी हां! वे मनुष्य एक दूसरे को मार डालेंगे। वे प्यार के नाम पर पाप करने का उपदेश देंगे और हाँ, वे अपने बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करेंगे और लड़कों और लड़कियों को बहकाएंगे और इसे प्यार का नाम देंगे। हाँ, वे गंदे इंसान पाप करेंगे और स्वयं को बहुत सम्मानित समझेंगे। हां, वे युद्ध में हत्याएं करेंगे और उन हत्याओं को उचित युद्ध के रूप में उचित ठहराएंगे। हाँ, वे सभी अंततः क्रोधी पापी और वासना के गुलाम बन जायेंगे। हाँ, आदम की सभी सन्तान पापी और नीच होंगी जितना नीच और दुष्ट बनना संभव हो सकता है उतना ! फिर मै देखूंगा कैसे भगवान उन्हें माफ करने का साहस कर सकते हैं! मैं अपने प्रभु का मुख देखने के लिये जीवित रहूँगा जब उसे इस गन्दी मिट्टी की दौड़ के निर्माण पर पछतावा होता है! मैं चाहता हूँ मेरा निर्माता अंततः देखें कि कैसे वे इंसान सूअर हैं और मैं उनमें से सर्वश्रेष्ठ से भी कितना बेहतर हूं! हाँ! मैं इश्वर को कष्ट सहते हुए देखना चाहता हूं जब इन्सान परमेश्वर को उसकी अवज्ञा करना और उसका इन्कार करना और उनके बदबूदार प्रेमी का शरीर की आराधना करना बहुत पसंद करता है ! हाँ! मैं देखूंगा कैसे आदरणीय ईश्वर मनुष्यों के बारे में तब सोचते हैं जब वे वे मुट्ठी भर लोग जो अभी भी अपने ईश्वर से प्रेम

करने का रास्ता खोज लेते हैं उन्हें फंसाते हैं और मार देते हैं। हां, मैं अपने भगवान को देखूंगा क्योंकि मैं उनमें से अरबों को गुमराह करता हूं उन्हें इतना घृणित और बीमार और भयावह बना देता हु कि यदि ईश्वर दावा करता है एक न्यायप्रिय देवता है तो उसके पास उन्हें सज़ा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा!"

“हे शैतान! चले जाओ और बंद करो ये बेकार की बातें। क्या तुम्हें लगता है की तुम इन बुद्धिमान मनुष्यों को सर्वशक्तिमान ईश्वर और प्रार्थनाओं की शक्ति और क्षमा की शक्ति और संसार में जीवन की पवित्रता और अनंत काल परलोक के बारे में भूला सकते हो ?”

“आह, मैं मानव जाति को जानवरों की तरह पाप और जंगली शूकर की तरह व्यभिचारी बना दूँगा! मेरे पास कई उपहार हैं, और मैं अलौकिक शक्तियाँ का उपयोग मनुष्यों को ईश्वर में अविश्वास करने के लिए इसके बजाय मेरी पूजा करने के लिए करूंगा। हे भगवान को कितना कष्ट होगा जब उन अपवित्र मानवों को दण्ड देना होगा जिसे वह बहुत प्रेम करता है! मेरे पास समय है! वास्तव में, मेरे पास दुनिया में सारा समय है

उसके साथ मै प्रत्येक व्यक्ति को गुमराह करने के लिए अलग-अलग तरीकों का उपयोग करूंगा। मैं प्रत्येक पुरुष और महिला के लिए एक अलग जाल बिछाऊँगा। कुछ के लिए, मैं प्रेम या वासना का उपयोग करूंगा , और कुछ के लिए मैं धन का उपयोग करूंगा और कुछ के लिए, मैं प्रेमियों में ईर्ष्या और कुछ चाहने वालों में प्रतिद्वंद्विता भड़काऊंगा , जबकि कुछ मूर्ख मनुष्य प्रशंसाएँ के लिए अत्यंत उत्सुक होंगे और मैं उनके लिए तब तक विशेष जाल बिछाऊँगा जब तक पृथ्वी पर कोई आदमी न ऐसा बचे जो हर संभव पाप नहीं करता है जिसकी कल्पना की जा सकती है!

स्वर्गदूतों में से एक अचानक बोला। “भगवान ने कहा कि वह माफ कर देंगे जब तक वे माफ़ी माँगते हैं!”

“हा! हा! हा!” शैतान हँसा। चिल्लाते हुए उसने अपनी भुजाएँ स्वर्ग की और ऊपर उठा दीं और परमेश्वर से बात की। “क्या आप एक भी व्यक्ति के बारे में सोचते हैं हे भगवान, ऐसे लोग बचे रहेंगे जो आप पर विश्वास करेंगे या आपकी दिव्यता की पूजा करेंगे ! नहीं! मेरे नाथ! गंदे मनुष्य भी अपने प्रेमी के बदबूदार शरीर की पूजा करने में और अधिक धन और प्रसिद्धि का लालच व्यस्त होंगे! बगावत करने वाले मनुष्य आपसे कभी माफ़ी नहीं मांगेंगे क्योंकि इतने क्रोधित कि वे आप पर विश्वास भी नहीं करेंगे! और यह आप जो भविष्यद्वक्ताओं और सन्देशवाहकों को उपदेश देने के लिये पृथ्वी पर भेजते है वे मारे जाएंगे और उनके द्वारा शापित होंगे। वे पापी और घृणित मनुष्य तेरे प्रेरितों को तुच्छ नामों से पुकारेंगे और उनकी निन्दा करेंगे! गंदे खून वाले इंसान प्रत्येक तक विभिन्न अपराधों के लिए पवित्र भविष्यवक्ताओं को दोषी ठहराएंगे । आदम के बच्चे तुमसे नफरत करेंगे! किसी को भी आपकी क्षमा के लिए नहीं छोड़ा जाएगा! पृथ्वी पर कोई भी मनुष्य नहीं बचेगा आप को पुकारने के लिये या आप पर विश्वास करने के लिए !

परमेश्वर अज़ाज़ेल की दुष्ट योजना से अवगत था और वह जानता था लोगों को गुमराह करने और भ्रमित करने में शैतान कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इसलिए,उन्होंने अंतिम नियम में घोषणा की: "और यदि एक प्रलोभन से शैतान तुम्हें फुसलाता है, फिर परमेश्वर की शरण में आ जाओ, क्योंकि वही सुनता है, जानता है।" (अंतिम नियम, 41:29)

अज़ाज़ेल को ईश्वर के प्रेम और उदारता के बारे में पता था, लेकिन उसको
इंसानों को गुमराह करने की अपनी क्षमता पर भरोसा है। ऐसा जोर से चिल्लाया कि स्वर्गदूतों ने क्षण भर के लिए उसकी ओर देखा, शैतान

विषैले स्वर में चिल्लाया। क्षण भर के लिए उसका रास्ता, शैतान
विषैले स्वर में चिल्लाया। "ओह, कितना भी भगवान इन परजीवी मनुष्यों को माफ करने का वादा करता है, उन्हें दुःख होता है जब वे उसे शाप देते हैं और गंभीर पाप करते हैं, अपने प्रिय मनुष्यों को राक्षसों और जंगली जानवरों की तरह व्यवहार करते हुए देखकर उनके उदार प्रभु दुःखी हुए बिना न रह सकेंगे। हां, मैं जानता हूं कि भगवान को आदम की बेटियाँ बेटों को एक दूसरे को मार डालते , लूटते और उजाड़ते देखकर कितना दुख होगा। वास्तव में, भगवान तबाह महसूस करेंगे, क्योंकि उन्होंने आदम को बनाया और उससे बहुत प्रेम किया और उसका आदर किया! मैं
जानता हु जब माता-पिता को कितना दुख होता है जो अपना सब कुछ उनकी संतानो को समर्पित कर देते हैं , और उनके बच्चों को अपना धन और प्रेम अर्पित करते है , लेकिन जैसे ही बच्चा अपने पैरों पर खड़ा होना सीख जाता है इस बात से इनकार करता है कि वे उसके माता-पिता हैं, और बच्चा इस बात से इनकार करता है माता-पिता ने कभी उसे जन्म दिया, या उसे इस दुनिया में लाया! सचमुच, ईश्वर को अपनी प्रिय रचना को देखकर और भी अधिक दुःख होता है जब वे उसके अस्तित्व को अस्वीकार करते है।"

अपना चेहरा स्वर्ग की ओर उठाते हुए, बहिष्कृत अज़ाज़ेल ने ईश्वरको संबोधित किया। "हे मेरे पराक्रमी और शक्तिशाली निर्माता! आदम को बनाने में आपकी ग़लती से हुई विफलता के बारे में मई आपको मना लूँगा । वे सड़ी हुई और गन्दी मिट्टी से बना हुआ जिव पाप करेगा, और तेरा इन्कार करेगा। वे मेरे दास बन जायेंगे और पाप करने में लगे रहेंगे अपने प्रेमी के सड़े-गले शरीरों की पूजा करेंगे और अस्थायी धन का पीछा करेंगे, और जबकि वे महिलाओं का और बच्चों का शोषण कर रहे होंगे मैं अन्य पापी मनुष्यों से उनकी हत्या कराऊंगा जबकि वे अस्वच्छता और व्यभिचार की अवस्था में हैं! वे युद्ध छेड़ेंगे और लाखों लोगों को को मार डालेंगे इससे पहले कि उन घृणित मनुष्यों को आपके सामने पश्चाताप

करने का मौका मिले! मैं जानता हूं, चाहे उन्होंने जीवन भर पाप ही किया हो।और फिर आपसे माफ़ी मांगने का फैसला किया, फिर आप में अनंत दया और असीम करुणा फिर भी उन्हें माफ कर देगी! इसलिए, मैं उन्हें आपकी क्षमा पाने का मौका प्राप्त करने की अनुमति कभी नहीं दूँगा! निश्चय ही, मैं उन्हें मार डालूँगा इससे पहले कि आपसे बात करने का मौका मिले और उनके पाप क्षमा किये जायें।"

"वास्तव में, चतुर मनुष्यों को पता चल जाएगा कि आपके शब्द कितने भ्रामक हैं," कर्तव्यपरायण स्वर्गदूतों में से एक ने शुष्क टिप्पणी की, "और वे झूठे वादों के बदले में तुम पर मध्यस्थता करने से इंकार कर देंगे
क्योंकि उन्हें तुम्हारी सारी सड़ी-गली चालों और व्यापार के बारे में पता होगा। वे मनुष्य कभी भी तुम्हारी पूजा नहीं करेंगे! वे कभी ईश्वर पर अविश्वास नहीं करेंगे ! वे कभी भी परमेश्वर के अनुग्रह और उसकी आत्मा से विमुख नहीं होंगे । वे कभी भी सत्ता और कोई अन्य तुच्छ चीज़ जो आप उन्हें दे सकें के लिए आपकी ओर नहीं मुड़ेंगे।"

"मैं उनमें से कमज़ोरों को निशाना बनाऊँगा।" शैतान बड़बड़ाया, हालाँकि जैसे खुद से "मैं हजारों वर्षों तक पृथ्वी पर रहा हूं और मैं उस शापित भूमि की हर चट्टान और दरार को जानता हूं। वहाँ मेरा आधिपत्य रहेगा और मैं बाघ जैसे हिरणों का शिकार करते है मै मनुष्यों का शिकार करूँगा, और मुझे वे लोग मिले जो भूख से क्षीण हो गए हैं, और थकान के कारण बेहोश हो रहे है तो , मैं उनके पास जाकर पूछूंगा कुछ भोजन के बदले में मेरी पूजा करो जिसे मैं धनी इंसान से चुरा लूँगा।"

"मनुष्य समझदार प्राणी हैं," एक हल्के रंग के बालों वाले देवदूत ने उत्तर दिया। उसके तीखे नैन-नक्श उज्ज्वल स्वर्गीय प्रकाश में चमक रहे थे जब उसने क्रोधित शैतान को समझाने की कोशिश की। "लोगों के पास

मृत्यु की वास्तविकता के बारे में कोई संदेह नहीं है। पृथ्वी पर समय की मात्रा बहुत संक्षिप्त है, और जब मृत्यु निकट आती है, तो हर किसी को पता चल जाएगा कि केवल अनंत काल ही वास्तविक है। निश्चित रूप से, सुस्पष्ट मनुष्य कभी भी आपकी ओर नहीं मुड़ेंगे जब उन्हें पता होगा कि मृत्यु जल्दी आएगी, क्योंकि मौत के साथ उन्हें ईश्वर के पास वापस लौटना होगा और उन्हें स्वर्ग और नरक की अनंत काल में विश्वास करना होगा। स्वाभाविक रूप से, यह उन्हें तुमसे दूर रखेगा ,इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम उन्हें क्या पेशकश करते हो।"

"वास्तव में, मैं जीतूंगा!" शैतान पागलपन से चिल्लाया। "मैं उनके विरुद्ध उनकी इच्छा का प्रयोग करके उन्हें गुमराह करूंगा। आदम के बच्चे मूर्ख होंगे, इसलिए जब भी किसी विपत्ति से पीड़ित होने पर, मैं उनसे कहूंगा कि वे मेरी और मेरी पूजा करें और उनके कष्टों को शांत करने का वादा करूँगा। मेरे शरीर में चलने वाली आग की लपटों के चमत्कार का उपयोग करते हुए मैं उन्हें धोखा दूंगा। तब मैं उनसे अपनी पूजा करवाउंगा ।

ओह, सचमुच, मैं घिनौने लोग अपनी शक्ति पर विश्वास कराऊंगा और फिर मैं उन्हें अपने मन का ध्यान कराऊँगा और वे विश्वास करेंगे कि ब्रह्मांड उनके नियंत्रण में है! मैं विश्वास दिलाऊंगा कि वे सभी दुनिया के देवता हैं। मैं हर बैरागी के उजाड़े आशियाने पर आक्रमण करूंगा और वे विश्वास करेंगे कि वे घिनौने जानवर हैं जिनमें अपने जीवन पर नियंत्रण रखेने की शक्ति है। मैं शोर मचाने वाले इंसान को मेरी ऊर्जा पर ध्यान करवाऊंगा और केवल मेरी गर्मी या उनकी गर्मी पर ध्यान केंद्रित करेंगे ।"

"क्या तुम अपने निर्माता के बारे में सब कुछ भूल गए हो?" पंखों वाला स्वर्गदूतों ने टिप्पणी की। "अंतिम वसीयतनामा के सोलहवें अध्याय में , भगवान मानव जाति को याद दिलाते हैं: वास्तव में तुम्हारा भगवान

अंत में दयालु है ।"

"वास्तव में," शैतान ने उत्तर दिया, "मेरी हैसियत सीमित मनुष्य से भी बहुत अधिक ऊँची होनी चाहिए थी , लेकिन भगवान ने आदम जैसा एक काला और बदसूरत प्राणी को श्रेष्ठ पदवी प्रदान की। मुझे एकमात्र इस पृथ्वी का निवासी और सारी महिमा का स्वामी होना चाहिए था। अब, मैं उन्हें अपना दास बनाऊंगा और उन्हें मूर्ख बनाऊंगा मनुष्य मेरी आज्ञा का पालन करते हैं। निःसंदेह, मेरा भयानक रूप से गंदे मानव दास मेरे प्रति अंधभक्ति रखेंगे। मैं उन्हें अपने ही बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करने दूंगा और मैं उन्हें सिखाऊंगा यह प्यार है । मैं उन्हें सिखाऊंगा कि गाली देना और बहकाना गर्व की बात है, उन लोगों को संवारें जिनकी उन्हें रक्षा करनी थी। वे गर्व से अभिमान और प्रेम का जाप करते हैं, और अपने ही परिवार के लोग को बहकाना शुरू कर देते हैं और अपने ही परिवार के लोगों को गाली देते हैं। ओह, वे भ्रमित मनुष्य कैसे एक दूसरे को जानवरों की तरह वासना करेंगे। मैं उनमें युवा और युवा लोगों के प्रती वासना पैदा करूंगा , और उन्हें सभी धर्म त्यागने के लिए मनाऊंगा, क्योंकि वास्तव में ईश्वर के धर्म लोगों की रक्षा करते हैं और उन्हें अपने बच्चे दुर्व्यवहार करने और उनके साथ छेड़खानी करने से रोकता है। मैं मनुष्यों से कहूंगा कि वे सभी धर्मों पर प्रतिबंध लगाएं, और मानव निर्मित अमानवीय कानून सृजन करें जिनसे हर कोई अनुसरण करने सहमत होगा। इसलिए, इससे पहले कि मैं उन्हें ऐसा कानून पारित कराऊं जो इसकी अनुमति दे
बच्चों का पालन-पोषण कर उन्हें माननीय कानून बनाऊंगा कानून जो नैतिकता और समानता की प्रतिध्वनि करते हैं। मैं जानबूझ कर वे कानून अत्यंत महान प्रतीत होते हैं ऐसे बनाऊंगा ताकि वे मनुष्य धर्म से विमुख हो जाते हैं और अपने स्वयं के कानून में विश्वास करने लगते हैं, और एक-एक करके, मैं मनुष्यों से उन कानूनों में संशोधन करवाऊंगा, जब तक वे शादी और यौन सहमति की उम्र कम नहीं कर देते और कानून

उन्हें कानूनी रूप से उनके अपने बच्चे से दुर्व्यवहार करने की अनुमति देंगे
, क्योंकि सेक्स के लिए कानूनी सहमति की उम्र प्रत्येक वर्ष कम किया जाएगा, जब तक कि हर कोई अपने नवजात का दुरुपयोग न करने लगे! और फिर मैं अपने ईश्वरविहीन कानूनों में हत्या को वैध बना दूंगा। जल्द ही, अगर मैं देखूंगा कि लोग इन कानूनों को स्वीकार कर रहे हैं, तो मैं अनाचार और सभी प्रकार के यौन विचलन को वैध बनाऊंगा। मेरे क़ानून में , मैं हर प्रकार की बुराई की अनुमति दूँगा जब तक कि हर आदमी एक-दूसरे का दुरुपयोग न करे, युवा लड़की और हर युवा बच्चे के साथ छेड़छाड़ करता है और हर बच्चे के साथ दुर्व्यवहार करता है नवयुवक और हर लड़के और हर लड़की को तैयार करता है। वे घृणित मनुष्य तब तक और अधिक कानूनों का समर्थन करते हैं जब तक हर एक बेटा अपनी माँ के साथ दुर्व्यवहार करता है, और गर्व और आनंद से उसे मार डालता है उसका दिल खाता है, और फिर उसे विश्वास दिलाता है कि यह प्यार है और , जब तक कि उनका प्रभु प्रेम करना बंद न कर दे
वे, और मानते हैं कि आदम और उसके बच्चे सबसे बीमार सूअरों से भी बदतर हैं!"

शैतान पागलपन से चिल्ला रहा था, परन्तु परमेश्वर ने आदम के वंशज से घोषणा कर दी: "और परमेश्वर कभी भी तुम्हारा विश्वास (प्रार्थनाएँ) कभी खोने नहीं देगा। सचमुच, ईश्वर अत्यंत दयालु है मानवजाति के प्रति दयालु!" (अंतिम नियम, 2:143)

"ओह, लेकिन मैं भगवान को अपना मन बदलने पर मजबूर कर दूंगा !" शैतान चिल्लाया। "मैं सभी मूर्ख महिलाओं को यौन इच्छा का गुलाम बना दूंगा और शारीरिक इच्छाओं के अधीन होकर और मैं मैले और नग्न बनने के लिए मना लूंगा। जल्द ही, मैं उन भयानक महिलाओं को सिखाऊंगा

कि जानवरों की तरह व्यवहार करना गर्व की बात है और उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर नग्न होने में खुशी होगी। वे अपने चारों ओर जानवरों की तरह घूमेंगे, सड़क पर नंगे घूमेंगे और वे जिस भी आदमी को देखते हैं उसे खुशी देने में प्रसन्न होंगी क्योंकि वे अपने आप से इतनी घृणा करेंगी कि यदि एक मनुष्य उन्हें ध्यान दें, वे बहुत प्रसन्न होंगी । वे निंदनीय महिलाएँ अपने ही नंगे शरीर के साथ इतना अपमानित होंगी कि वे सम्मान और गौरव की सभी भावनाएँ हार जायेंगी । उनकी शर्म की भावना और गरिमा इतनी कम हो जाएगी कि वे एक आदमी उनका अपमान करता है तो वे संतुष्टि महसूस करेंगे। अगर कोई आदमी उन्हें कुत्ते की तरह कोड़े मारता है या यातना देता है वे, वे घृणित महिलाएँ इसे यौन सुख के रूप में देखेंगी और खुश रहेगी । अगर पुरुषों का एक समूह उन्हें निर्वस्त्र करके उनके कुछ कपड़े कपड़े उतार दे, वो कामुक महिलाएं सोचेगी कि ये आज़ादी और प्यार है, और उन्हें कोड़े खाने का आनंद लेने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा जानवरों की तरह जलाए जायेगा और पुरुषो के गुलाम बने रहेगी , जब तक ईश्वर उनसे घृणा नहीं करता है और आदम को बनाने और उसे मुझ पर तरजीह देने के लिए सदैव पछताता है!”

स्वर्गदूतों ने शैतान और उसकी चीख-पुकार को सरलता से नज़रअंदाज करने की कोशिश की और अंतिम नियम के छंदों से पढ़ें: “क्योंकि मनुष्य के लिए ईश्वर दयालु, कृपालु है।"

शैतान ने निन्दा और शाप देकर अपना क्रोध प्रकट करना,स्वर्गदूतों पर जमकर चिल्लाना जारी रखा । “वे घटिया और बदसूरत मनुष्य मेरी आराधना करेंगे और ईश्वर पर विश्वास न कर पाने के कारण और उसके दूतों की आज्ञा न मानने के कारण पाप में मर जायेंगे। हालाँकि, जब वे मर जाते हैं और उनके शरीर सबसे खराब रूप से विघटन और पथ्रीकरण पीड़ित होते हैं,तब मैं आनन्दित होऊंगा और गर्व और खुशी से फूल जाऊंगा! सचमुच, मैं हर एक मानव जाति के सदस्य का परलोक नष्ट

कर दूँगा। मैं प्रत्येक अप्रिय महिला की धर्मपरायणता को नष्ट कर दूँगा। मैं हर युवा के दिमाग को बहलाऊंगा क्योंकि वे हर माँ को, हर एक बेटी को सुरक्षा देते हैं। निश्चय ही, मैं उन नीच, कामचोर मनुष्यों को नष्ट कर दूँगा लेकिन ऐसा होने के लिए, मुझे पहले भगवान का धर्म को नष्ट करना होगा, क्योंकि हमारे निर्माता का पंथ महिलाओं का सम्मान करता है और उन्हें सुरक्षित और पवित्र रखता है। यह उन्हें अनादर से बचाता है और लोगों को व्यभिचार करने से रोकता है और मानवजाति को रिश्तों में तभी शामिल होना चाहिए जब वह बच्चे पैदा करते हैं ताकि वे एक-दूसरे पर आपत्ति न जताएं। लेकिन मैं चाहता हु कि मानव जाति जानवर से भी बदतर जाति हो जाए, और इसलिए, मैं धर्म के सभी अवशेषों को पृथ्वी से नष्ट कर दूंगा और आदम के पुत्रों को सबसे घृणित जाति बनाऊंगा । गवाह रहो ऐ फरिश्तों, मैं इंसानियत को सबसे दुनिया में अपमानजनक, नीच और बीमार चीजें बनाऊंगा । इतने दुष्ट वे इतने घिनौने, इतने घृणित हो जायेंगे के ईश्वर माननीय और न्यायप्रिय और दयालु होने के लिए वे उसकी तरफ शैतान में बदल जायेंगे , उन्हें नरक के कारागार में डालने के अलावा इश्वर के पास कोई विकल्प नहीं होगा जहाँ मैं आकर उन्हें नष्ट कर दूँगा और अनंत काल तक उन पर अत्याचार करूँगा। आह, आख़िरकार मैं नरक में राहत और सुकून पाऊंगा, क्योंकि मैं पापी मानव जाति का सदैव के लिए को पीड़ा दे सकूँगा। भगवान बचाने के लिए या उनकी सहायता करने वहां नहीं होंगे और मैं उन्हें मेरी नस में चलती हुई आग में जला डालूंगा। वे मनुष्य जिन्होंने मल खाया और व्यभिचार किया

उनके अपने बच्चे मुझे प्रसन्न करने के लिये फिर देखेंगे कि मैं कैसा उनसे घृणा करता हूँ। फिर, यदि वे भगवान से गुहार लगाने की कोशिश करते हैं, तो उनके लिए कोई मदद नहीं मिलेगी क्योंकि वास्तव में, भगवान नरक पास-पास रहना पसंद नहीं करते वह जहाँ के निवासियों ने विधिवत् उनके निर्माता अस्तित्व से इनकार किया था। मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि वे विद्रोही मनुष्य हत्या करें और पृथ्वी पर अपनी अंतिम सांस

तक व्यभिचारी बने रहे और परमेश्वर पर अविश्वास करते रहे ताकि वे कभी भी मदद के लिए भगवान की ओर न मुड़ें, क्योंकि वास्तव में, मैं नरक की अँधेरी जेल में अकेले रहना नहीं चाहता।"
अज़ाज़ेल की ऐसी हिंसक चीख सुनकर स्वर्ग के देवदूत चौंक गए, इसलिए उन्होंने उसे परंपरा का हवाला देते हुए अंतिम प्रेरित याद दिलाया: "सर्वशक्तिमान ईश्वर ने कहा: हे आदम के पुत्र, यदि तुम मुझे पुकारो और मुझ पर आशा रखो, मैं तुम्हें क्षमा कर दूंगा बावजूद इसके कि आपके भीतर क्या है और मैं संकोच नहीं करूंगा। हे आदम के पुत्र! अगर तुम्हारे पाप बादलों तक जमा हो रहे हैं तो मेरी माफ़ी मांगो , मैं तुम्हें बिना किसी हिचकिचाहट के माफ़ कर दूंगा। हे आदम के पुत्र! , यदि तुम पृथ्वी को भरने के लिए पर्याप्त पापों के साथ मेरे पास आते हो और तब तुम मेरे साथ कुछ भी जोड़े बिना मुझसे मिलो, मैं तुम्हे मिलूंगा पृथ्वी को भरने के लिए पर्याप्त क्षमा के साथ ।"

इस वर्णन से शैतान क्रोध से कांपने लगा और उसने उसका सिर ज़मीन पर पटकने का प्रयास भी किया और वह चिल्लाया। "मैं चाहता हूँ हर एक आदम के बेटे या बेटी को मेरे साथ रहने दो ताकि मैं उन्हें सबसे अकल्पनीय यातनापूर्ण तरीकों के साथ प्रताड़ित कर सकूं, क्योंकि सचमुच, मैंने मनुष्य को रक्तरंजित और अवांछनीय का शत्रु बनने की शपथ ली है, आदम का शत्रु, आदम के पुत्रों का शत्रु पूरी मानवता का दुश्मन, हर इंसान का दुश्मन जो कभी इस दुनिया पर कदम रखेगा! अनंत काल तक मैं उन्हें नफरत करूंगा! और मैं परमेश्वर को भी उन से घृणा करवाऊंगा!"

परमेश्वर ने, अपने अंतिम नियम में, मनुष्यों को आश्वासन दिया: "ईश्वर आपके विश्वास को कभी निष्प्रभावी नहीं बनने देगा? क्योंकि ईश्वर सबके लिये है निःसंदेह दयालुता से भरे हुए हैं, अत्यंत दयालु हैं!" (अंतिम वसीयतनामा, 2:143)

शैतान चिल्लाता रहा। “अनंत काल के लिए मैं उन्हें नष्ट कर दूँगा और अनंत काल तक मैं उन्हें शाप देता रहूँगा। वो लोग उनके निर्माता का अस्तित्व अस्वीकार कर देंगे और अपरिवर्तनीयता और मेरी पूजा करेंगे। वे ईश्वर की संप्रभु अच्छाई से इनकार करेंगे और सबसे ख़राब प्रकार का पाप करने में संलग्न रहेंगे। मैं उन्हें समृद्धि का वादा करूंगा और मुझे खुशी होगी अगर वे अपने बच्चों को फाँसी दें और उनके मातापिता का दिल खाएँ।। अनंत काल तक मैं इन कुत्सित लोगों को गुमराह करता रहूंगा । मैं उन्हें दुनिया में जला दूँगा! मैं उनमें से हर एक को जला दूँगा इस औद्योगिक जीवन में और मैं उन्हें अपने नरक में जला दूंगा। मैं उन्हें इस दुनिया में नष्ट कर देंगे! मैं उन्हें परलोक में नष्ट कर दूंगा। उन्हें मुझसे कोई मित्रता और कोई दया नहीं मिलेगी! मैं हर आदमी और औरत को नरक में आग लगा दूंगा, और यहां तक कि अगर वे चिल्लाये भी और मुझ से दया की भीख मांगे, उन्हें मुझ से कुछ दया न मिलेगी! उन्हें मुझसे कोई पछतावा या अपराधबोध नहीं मिलेगा। मेरा जुनून और नफरत उन गंदे इंसानों को सुलगाएगी! मेरी नफरत की ऊर्जा दुनिया को जला देगी! मेरी नफरत की आग आदम के पुत्रों को अत्यन्त भयानक रूप से झुलसा देगी! सृष्टि,संपूर्ण मानवता मेरे द्वारा गुमराह होकर नष्ट हो जाएगी , मेरे द्वारा भटका हुआ, इस संसार और बाकी सब के लिए मेरे द्वारा प्रताड़ित जीवन और संपूर्ण अनंत काल तक।”

"और उन लोगों के लिए जो उसके अलावा दोस्तों की रक्षा करना चुनते हैं, अल्लाह उनका संरक्षक है और तुम उन पर किसी प्रकार संरक्षक नहीं हो।" मंत्री आत्माओं ने अंतिम वसीयतनामा के श्लोक का पाठ किया शैतान को उसकी योजनाओं को याद दिलाने के लिए की ऐसा कभी नहीं होगा क्योंकि ईश्वर अपनी सृष्टि की रक्षा करेगा।

शैतान ने स्पष्ट कर दिया कि आदम के पुत्रों और पुत्रियों के परलोक को नष्ट करने के अलावा उसके जीवन में कोई अन्य इच्छा नहीं है। उसने

मानव जाति को गुमराह करने की योजना बनाई, बनाकर उन्हें संगीत वाद्ययंत्र के साथ भ्रमित किया गया और उन्हें शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उसने मनुष्य तब तक उदास और परेशान बनाने का इरादा किया जब तक वे पाप करना शुरू नहीं कर देते एक दूसरे को मार नहीं देते और चोट नहीं पहुँचाते। हालाँकि, भगवान ने उनके रसूल और सन्देशवाहक भेजने का वादा किया था जिनका एक ही उद्देश्य था; वह मानवजाति को यह याद दिलाना था कि उनका ईश्वर उनसे कितना प्रेम करता था और वह कितनी उत्सुकता से उनकी वापसी का इंतजार कर रहा है। अंतिम वसीयतनामा मनुष्यों को आश्वस्त करता है कि शैतान के पास उनके ऊपर कोई शक्ति नहीं है: “वास्तव में! उसका (शैतान का) उन लोगों पर कोई अधिकार नहीं है विश्वास करें और केवल अपने प्रभु (भगवान) पर भरोसा रखें।" (अंतिम वसीयतनामा, अध्याय मधुमक्खी, श्लोक 99)।

शैतान विलाप करता रहा और चिल्लाता रहा। “मनुष्य मेरी मुट्ठी भर थोथी चालें देखकर मेरी पूजा करेगा और वे सोचेंगे कि मैं उन्हें अनन्त जीवन दूँगा। वो मूर्ख इंसान मुझे खुश करने के लिए कुछ भी करेंगे और इसके लिए अनुष्ठानिक दिन युवा लड़कियों की बलि चढ़ाएंगे , और मांसाहारी जानवर की तरह, वे काटेंगे और अपने साथी मनुष्यों का मांस फाड़ देंगे। वो घिनौने लोग जो मेरी आराधना करेगा, वह अपने मारे हुओं पीड़ितों के शरीर पर घाव करेगा और मुझे ख़ुश करने के लिए उनका मवाद और खून पियेंगे, लेकिन मैं उन आदम की बेटियाँ और बेटों के साथ कभी ख़ुश नहीं रहूँगा । छुपे हुए लोगों में से मेरी संतान एक विशाल देवदूत का रूप लेगी , इससे मुझे अधिक से अधिक उपासक प्राप्त होंगे और मेरे सभी के साथ उनके सामने प्रकट हो जायेंगे। हजारों छुपे हुए लोग मेरा समर्थन करेंगे और जो मेरे बन्दे बनेंगे उन पर मैं वर्षा बरसाने का नाटक करूंगा और ईश्वर पर ईमान लानेवालों से वर्षा का जल रोक दूंगा। वे बदसूरत और भयानक इंसान सत्ता हासिल करने की उम्मीद करेंगे अपने माता-पिता और बच्चो के कच्चे खून और मांस पर दावत

करेंगे और जानवरों के तरह जुनून वाले बनेंगे! उसके बाद वे खून-चूसने वाले गिद्धों की तुलना में बदतर हो जाते हैं , मैं भगवान को दिखाऊंगा कि ये जीव जिन्हें उसने मनुष्य कहा है वे वास्तव में कितने नीच हैं! सभ्य भविष्यवक्ताओं और धार्मिक लोगों का क्या जिन्हें उसने बनाया था? वास्तव में, ईश्वर मनुष्य की मानवता का दिवालियेपन देखेगा! वह साक्षी है कि सारी बुद्धिमत्ता और अच्छाई आदमी की हृदय से गायब हो जाती है।"

शैतान पागलों की तरह भड़क उठा, क्योंकि वह क्रोधित था आदम को खुद से अधिक प्रशंसा प्राप्त करते हुए देखकर। उसने स्वयं को श्रेष्ठ माना क्योंकि ईश्वर ने उसे निर्धूम अग्नि से बनाया है। शैतान यह भी जानता था कि ईश्वर स्वर्गदूतों को ठंडी रोशनी से बनाता है। शैतान बनने से पहले स्वर्गदूत ने उसका बहुत आदर किया। उन्होंने आदरपूर्वक उसे उसके सिरिएक नाम अज़ाज़ेल से संबोधित किया, जबकि मुट्ठी भर चतुर स्वर्गदूतों ने अरबी में उनका उल्लेख हैरिस नाम से किया ।

दरअसल, अज़ाज़ेल को अपनी स्थिति पर गर्व था और वह उसके विद्यार्थियों से प्रसन्न था। आख़िरकार वह उनके शिक्षक और गुरु भी थे स्वर्गीय उद्यान और सबसे निचला स्वर्ग के बीच पोर्टल के चुने हुए संरक्षकों में से एक था जो उसकी पृथ्वी ग्रह की ओर जाता था। अज़ाज़ेल ने इस अवधि के दौरान पृथ्वी पर महत्वपूर्ण अधिकार जमाया, और यद्यपि वह एक देवदूत की उदात्त सेवा भावनाओ के साथ संपन्न नहीं था, और उनके कनिष्ठ देवदूत उनके वाक्पटुता के जुनून के लिए और भाषण और दिलचस्प शिष्टाचार उनका सम्मान करते थे।

उन वर्षों के दौरान, शैतान एक व्यस्त छिपा हुआ व्यक्ति था स्वर्ग और पृथ्वी के बीच के पोर्टल के प्रबंधन के विभिन्न कर्तव्यों में व्यस्त रहता था । वह वास्तव में विश्वास करता था की वह स्वयं बहुत नेक और महान था और वो भयानक रूप से क्रोधित था जब परमेश्वर ने स्वर्ग में

रहने वाले सभी लोगों को प्रथम मानव आदम को दण्डवत् करने की सूचना दी। उसने परमेश्वर का आदेश मानने से इनकार कर दिया, और उसके उग्र हृदय में गर्व ने अज़ाज़ेल को ईश्वर की अवज्ञा करने के लिए प्रेरित किया। दरअसल, वह घमंड और आत्म-भ्रम से भरा हुआ था और तुरन्त स्वर्ग से निकाल दिया गया, और परमेश्वर ने आदम से स्वर्ग में स्वतंत्र रूप से रहने और सभी स्वर्गीय सुविधाओं का आनंद लेने के लिए कहा।

अंतिम नियम के दूसरे अध्याय में, भगवान आदम को स्वर्ग में शान से रहने का निर्देश देते हैं। "हे आदम, तुम और तुम्हारी पत्नी स्वर्ग में रहो और वहाँ से आप जहां चाहें वहां से प्रचुरता से खाओ (आराम से और)। लेकिन इस पेड़ पर ध्यान न दें, ऐसा न हो कि तुम ज़ालिमों में से हो जाओ।" (अंतिम वसीयतनामा, 2:35)

शैतान ने यह आदेश सुना और प्रसन्न हो गया। उसने आदम के प्राचीन स्वप्नलोक स्वर्ग के जीवन को नष्ट करने का आदर्श अवसर देखा, और एकमात्र उद्देश्य के साथ अंदर गया, आदम और उसकी पत्नी को निषिद्ध वृक्ष का खतरनाक फल खाने के लिए राजी करें।

कई महीनों की कोशिश के बाद शैतान को मनुष्यों को मनाने में सफलता मिली की वो परमेश्वर की आज्ञाओं का उल्लंघन करे और पेड़ से फल खाए, और आदम की इस मूर्खता के कारण वह पृथ्वी पर निर्वासन पर भेजा गया।

आदम का ईडन से बाहर निकलना

स्वर्गदूत ने स्वर्ग के आसपास से निकलने में आदम की सहायता करने पर, आदम और उसकी पत्नी दुनिया के नए और बेलगाम माहौल के साथ तालमेल बिठाने उसकी मदद करने के लिए कुछ सलाह दी। स्वर्गदूतों ने

आदम को ब्रह्मांड के इस हिस्से में प्रभुत्व वाले शैतान की बुराइयों के प्रति सचेत करने का ध्यान रखा, और उन्हें शराब और अल्कोहल जैसे सभी प्रकार के नशीले पदार्थों के साथ-साथ सभी संगीत और नाटक के कच्चे उपकरण से बचने की सलाह दी। उन्होंने इसमें वर्णन किया है जो यह बताता है कि संगीत मानव मस्तिष्क के संचार मार्ग में किस प्रकार हस्तक्षेप करता है, श्रोता को अप्रत्याशित रूप से काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। अक्सर संगीत के तीखे और झकझोर देने वाले स्वर न्यूरॉन्स में परिवर्तन लाते है जिससे व्यक्ति का सुसंगत रूप से बोलना या दीर्घकालिक स्मृति बनाए रखना यह कठिन हो जाता है। यह अंततः उनके दैनिक कर्तव्यों को करने का निर्णय कम करता है,दीर्घकालिक नकारात्मक परिणाम पैदा करता है। स्वर्गदूतों ने चेतावनी दी के आदम के लिए संगीत सुनना और मादक पेय पीना मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक थे, और प्रतिकूल भी होंगे और उनके समन्वय और सतर्कता पर असर पड़ता है। यह व्यसनी को व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने में रुचि कम कर देता है, और दीर्घकालिक अवसाद और मनोदशा में बदलाव की संभावना बढ़ जाती है। संगीत सुरों और तार वाले वाद्‌ययंत्रों का आदी होना अंततः श्रोता की परिवार शिक्षा या काम में रुचि खत्म कर देता है ।

आदम ने मार्गदर्शन और साहस के लिए अपने निर्माता से प्रार्थना की शैतान से अपनी संतान को हेराफेरी से बचाने के लिए भगवान से प्रार्थना की। उदासी के दौर ख़त्म नहीं होंगे, ऐसा आदम को लगा मानो वह प्रियजनों की भीड़ की अंत्येष्टि में शामिल हुआ हो! आदम की साँसों ने उसके कमजोर दिल में प्रवेश किया और उसे अधिक दुःख पहुँचाया और, उसके दुःख में, वह जो खेद महसूस कर रहा था उसे व्यक्त करने के लिए कविता की पंक्तियाँ कही:
"राह अँधेरी है, और यह यात्रा कठिन है,
मेरे पाप महान हैं, मेरे दिन बहुत अकेले हैं,
मेरे भगवान ने मुझे एक आनंदमय अनंत काल दिया था,
लेकिन ओह, मैंने कैसी गलती की और यह इनाम खो दिया!

अब मैं अकेला सफ़र करता हूँ, बहुत उदास और थका हुआ,
उन पहाड़ियों के ऊपर जहाँ आसमान नीरस है!
क्या आप, हे भगवान, आश्चर्य से उम्मीद कर सकते हैं?
क्या मुझे पाप और भूल से बचाना चाहिए?
बिखरे बालों के साथ मैं अकेली घूमती हूँ,
हे भगवान, इस गंभीर प्रार्थना को सुनो;
क्योंकि यदि तू अब फिर जाए,
हे आज मैं कहाँ जाऊँ?
मुझे खुश करने के लिए कोई दोस्त नहीं, रहने के लिए कोई देवदूत नहीं,
और जिस परमेश्वर से मैं प्रेम करता हूं, वह बहुत दूर है;
पृथ्वी पर, मुझे बाज़ की तरह भेजा गया था,
इस पाप और नीरस वंश पर धिक्कार है!"

फिर आदम ने पीड़ा के शब्द फुसफुसाते हुए चुपचाप प्रार्थना की। "ओ भगवान! मैंने निषिद्ध वृक्ष का फल खाकर गलती की है। मेरे अपराध को क्षमा कर दो और मेरे बच्चों को मेरी गलतियाँ न दोहराने दो। कोई उन्हें झूठ बोलकर , झूठे आशा और धोखे से गुमराह करने का अन्याय न करे। हे इश्वर ! क्या आप एक बच्चे को माफ नहीं करेंगे? जब वह तुम्हें कोसता है और उस माँ से प्यार करता है जिसने उसे खाना खिलाया है, जब की यह आप ही थे जिसने अपने अनंत प्रेम का एक छोटा सा हिस्सा माँ के हृदय बच्चे के लिए डाला और तुमने उसे उसके पास भेजा? तो माफ कर दीजिए तेरे दास जो अपने सहायकों की पूजा करते हैं, भूल जाते हैं यह तू ही था जिसने दूसरों के प्रेम के द्वारा उन पर दया की! उन्हें क्षमा कर दो, क्योंकि उनके कष्ट के कारण ही उन्हें अंधे और बुद्धिहीन बना दिया हैं और इसलिए वे इसका श्रेय मनुष्यों को देते हैं भलाई जो उन पर पड़ती है, और उस पीड़ा के लिये तुझे शाप देता है जो उनके पाप उन पर लाये गये! जब कि तुमने ही उनके लिए प्रेम और दया भेजा था

, और जब यह केवल आप ही थे जो चाहते थे उन्हें हर दर्द, हर डर और हर पीड़ा के लिए पुरस्कृत करें!”

इन शब्दों के साथ, आदम इतनी बुरी तरह रोया कि स्वर्गदूत को महसूस हुआ कि सहानुभूति से उनकी आंखें नम हो गईं। वे आदम को लंबे समय से जानते थे , और उसके साथ उन्होंने स्वर्गीय निवास साझा किया था। वास्तव में, स्वर्गदूत जानते थे कि आदम एक सरल हृदय व्यक्ति था जो हमेशा उनसे मित्रता करने के लिए उत्सुक रहता था। किसी देवदूत को मिलने की आशा में अक्सर वह अपनी बांहों के नीचे फलों के ढेर लाद लेता और स्वर्ग के चाँदी के गलियारों में प्रसन्नतापूर्वक इधर-उधर घूमने लगता और फिर कलाहीन मानव अपने देवदूत दोस्तों ताजे फलों के टुकड़े की पेशकश करता , और यहाँ तक कि उन्हें दोपहर के भोजन के लिए भी आमंत्रित करता ,परन्तु स्वर्गदूत जल्द ही आदम की मित्रता की ज्यादती से क्रोधित हो गये , और वे उनके भगवान अधिक भक्ति और पूजा उत्कट आज्ञाकारिता के साथकरने की आशा में उससे बचते रहे।

आदम के निरंतर प्रेम की सराहना और उनसे लगाव करने के बजाय , कुछ फ़रिश्ते उसके लगातार व्यवधान से परेशान हो गए। उन्हें अंदर से आशा थी आदम अपने ही निवास में रहेंगे और उनके ध्यान को बाधित नहीं करेगा । हालाँकि, पहला इंसान जो भगवान ने निर्माण किया था वह हर्षित था लेकिन एकाकी मनुष्य थी, और वह उत्सुकता से स्वर्गदूतों से मित्रता करना चाहता था जो स्वर्ग के बाहरी हिस्से में घूमते रहते थे । उन लम्बे मूर्तिमान देवदूत जो ठंडी रोशनी से बने थे उनके पीछे दौड़ते हुए , आदम उत्साह से भर जाता था , उनसे साथ सार्थक बातचीत करने की कोशिश करता और उन्हें अपने स्वर्ग के निवास में रात के खाने और नाश्ते के लिए में आमंत्रित करता । कभी-कभी, देवदूत जो व्यस्त थे प्रार्थनाओं में, अनिच्छा से आदम से संक्षिप्त मुलाकात के लिए सहमत हुए, लेकिन मुलाकातें शायद ही संक्षिप्त होंटी , क्योंकि मनुष्य उनसे उसके साथ टैग खेलना या स्वर्ग की स्वर्णिम माला के साथ दौड़ लगाना

मैत्रीपूर्ण प्रतियोगिताओं में इन सब की विनती करता । स्वर्ग का बैठक कक्ष रेशमी कुर्सियों से लिपटा हुआ मोटी, समृद्ध मखमल और सोने की कढ़ाई के साथ सुखद रूप से विलासितापूर्ण था । आदम अपने जागने के अधिकांश घंटे सुनहरे दावत के स्थान छत्रछाया में आराम करते हुए बिताते हैं जो सेवा करने वाले स्वर्गदूतों से भरे हुए थे और आदम जो भी इच्छा करने का सपना देख सकता था वह उसे देते थे ।

देवदूत स्वर्ग में बगीचों में विभिन्न कार्यों पर चले जाते तब उन्हें आदम के रुकावट से बार-बार संघर्ष करना पड़ता । वो सांवले सरल व्यक्ति उनका खुलकर स्वागत करता और बिना किसी हिचकिचाहट के खुशी से बोलता। उसके सौम्य व्यवहार के कारण, फ़रिश्ते हल्के से सिर हिलाते थे और आदम को स्वीकार करने के लिए पेशेवर मुस्कान भी देते थे , लेकिन उसने इशारे को एक अपमान स्वीकार करने से इनकार कर दिया और उनकी कंपनी में और भी अधिक उत्साहपूर्वक समय बिताने की कोशिश की। जब फ़रिश्ते आदम के लिए शाम की दावतें फैलाते हैं, उसने तब तक एक निवाला खाने से इंकार कर दिया जब तक कि वे एक-एक हिस्सा साझा न कर लें और प्रत्येक विशिष्ट स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद न चखले। उनके नक्काशीदार चेहरे उनके मानव मित्र के लगातार बातचीत से पर अदृश्य रूप से हिल गए। आदम की भावनाओ को ठेच न पहुचने की कोशिश करते हुए , स्वर्गदूतों ने सावधानीपूर्वक अपनी सच्ची निराशा को छिपाया, और उदासीन और असहानुभूतिपूर्ण न होने का प्रयास किया।

हालाँकि, हव्वा के निर्माण के बाद, आदम को उसमें शांति मिली, और अब बोर नहीं होता था। उसने स्वर्गदूतों के पीछे दौड़ नहीं लगाई और न ही
उनसे उसके साथ खेलने के लिए विनती की, लेकिन यदि वह चिंतित हो जाता तो उसके साथ बातचीत करने में सक्षम था। आदम और हव्वा पर स्वर्ग की बेहतरीन विलासिताएँ भरपूर थीं और भगवान ने उन्हें स्वर्ग के

सबसे अच्छे खजाने उपहार में दिए। दिन-रात, रंग-बिरंगे पक्षी ऊपर उड़ते थे, सबसे मधुर संगीत का जाप जो नश्वर कानों ने कभी सुना है, और आकाश प्रकाश की अनगिनत किरणों से जगमगा उठा, जो सितारों की तरह चमक रही थी और सरकते हुए स्वर्गदूत जो आदम और हव्वा के साथ रास्ते में आए ,भगवान की महिमा और सत्य की घोषणा की घोषणा करते हुए कविता के उत्कृष्ट छंदों का पाठ किया!

आदम को उसके घर जन्नत से निकाल कर पृथ्वी पर भेज दिया गया , स्वर्गदूत जो उससे हर दिन मिलते थे, उसे याद करने लगे।खुशियों के बिना उनका स्वर्ग बेरंग और सादा था पहले इंसान की बातें और बचकानी हंसी जो उनके बीच स्वर्ग में रहता था । अब, जैसे उन्होंने आदम को भयभीत शिशु की तरह रोते हुए देखा, कुछ स्वर्गदूतों ने उसे सांत्वना देने का निर्णय लिया, और साहसिक कहानियों और छोटी-छोटी बातों से उसके दिल को खुश करने लगे ।

स्वर्गदूतों में से एक स्वर्ग से उतरा और आदम के साथ धीरे से बोलने की कोशिश की और उसे पृथ्वी की विभिन्न सुंदरताओं के बारे में बताया, लेकिन आदम अपने दुःख में गमगीन था। वह बहुत जोर-जोर से सिसकते हुए रोता रहा।

स्वर्गदूत ने आदम को याद दिलाया कि उसे इस धरती पर जीवित रहना होगा क्योंकि उसके भाग्य में कई बच्चे पैदा करना लिखा था उनमें से, भगवान कई लोगों को पवित्र पैगम्बर, पापरहित संत और दयालु दूत बनने के लिए चुनेंगे। उन दोनों ने उन अनेक भविष्यवक्ताओं की चर्चा की जो

पृथ्वी पर महान चीजें करने के लिए नियत थे , आदम विशेष रूप से दाउद के लिए उत्सुक था। उसने स्वर्गदूतों से इस बेटे के बारे में कई सवाल पूछे, और उसे बताया गया था कि दाऊद भविष्यवक्ता और बहुतों धर्मी पुरुष और स्त्रियो का राजा होगा , और उसके पास एक सुन्दर

आवाज़ होगी और एक नेक व्यक्तित्व। उसने अपनी संतान दाऊद के बारे में जाना,जिसकी आवाज़ में संगीतमय ध्वनि का उपहार होगा। देवदूत ने आदम को सूचित किया कि जब दाऊद परमेश्वर की महिमा का वर्णन करेगा, तो उसकी जादुई आवाज हर इंसान की आत्मा को सबसे प्यारी भावना के साथ रोमांचित करने की क्षमता रखती होगी। आदम तब जानना चाहता था कि कैसे दाऊद का लंबे समय तक जीवित रहना तय था, और उत्तर यह था कि उसका जीवनकाल मात्र साठ वर्ष होगा। दुःख में दुबे आदम ने ईश्वर से प्रार्थना की कि उसके बच्चे दाउद की आयु लंबी हो,

परन्तु स्वर्ग के आदेश ने यह निर्धारित कर दिया कि पृथ्वी पर प्रत्येक पुरुष और स्त्री का जीवन काल निश्चित थे। कोई भी नश्वर उससे अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता था जितना उसका जीना नियति था रहना। फिर आदम ने ईश्वर को दाउद को अपने जीवन से चालीस वर्ष की आयु देने की भीख मांगी , ताकि महान युवा भविष्यवक्ता लंबे समय तक प्यार कर सके। यह इच्छा पूरी हुई और स्वर्गदूतों ने एक बड़ा चर्मपत्र निकाला और आदम ने अपने जीवन के चालीस वर्ष अपनी सन्तान दाउद के लिये लिख दिए।

यह घटना आदम जीवन ख़त्म होने से कई वर्ष पहले घटित हुई थी, और मौत के फ़रिश्ते उसे इस धरती से उठाने और उसकी आत्मा को मृतो की धरती पर ले जाने तैयार थे । जब मृत्यु के दूत आदम के पास आये, और उसकी आत्मा लेना चाहता था, वह चकित था, और चिल्लाकर बोला, “अब तुम मेरी आत्मा क्यों छीनने आये हो?सचमुच, मेरे पास जीने के लिए और चालीस साल हैं!”

मृत्यु के दूत ने धीरे से आदम को उसके पिछले उपहार की याद दिलायी जहाँ उन्होंने अपने जीवनकाल में से चालीस वर्ष दिये थे। "क्या तुमने उन वर्षों को अपने पुत्र दाऊद को नहीं दिए थे ?”

आदम एक साधारण व्यक्ति था जिसे उनके व्यस्त और तेज़ जीवन के विवरण में बहुत सी बातें याद नहीं थीं। वह उस आदान-प्रदान को पूरी तरह से भूल गया जिसमें उसने कई वर्षों पहले भाग लिया था, जहां वह अपने बच्चे के प्रति प्यार और स्नेह के आगे झुककर दाऊद को अपने जीवन में से चालीस वर्ष दे दिए ताकि दाउद लंबे समय तक जीवित रह सके और जीवन की सुख-सुविधाओं का आनंद ले सके।

यह उस समय था, स्वर्गदूतों ने हस्ताक्षर किए दस्तावेज़ लाये जहां एडम ने हार मानने की गारंटी लिखी थी दाऊद के जीवन के चालीस वर्ष, और फिर प्रथम मानव अंततः समझ गया कि इस दुनिया में समय तेजी से गुजर गया । वह मृत्यु के दूतों को अपने कर्तव्यों के साथ ले जाने देने के लिए सहमत हो गया और अपने प्रभु से मिलने के लिए खुद को तैयार किया। अब से,स्वर्गदूतों ने आदम और उसके बच्चों को सिखाया कि सभी खातों को लिखना यह मालिकों के लिए बुद्धिमानी है , चाहे वह बिक्री हो या ऋण, ताकि वहाँ भविष्य में कोई विस्मृति या अस्वीकृति नहीं हो सकती। वास्तव में, सभी प्रकार के व्यापार में उधार लेने वाले को लिखने की सलाह दी जाती थी लेन-देन के सभी विवरण नीचे रखें और उधार देने वाले को यह करना चाहिए गवाह के रूप में कार्य करें। आदम का लेन-देन उसके जीवन वर्षों से संबंधित था , और उन्होंने प्रदर्शित किया कि इसे भूलना और भूल जाना केवल मानवता है, स्वर्गदूतों ने सभी मनुष्यों को लिए सभी लेनदेन लिखने की सलाह दी ज्ञान और संपत्ति को संरक्षित करने के और अनिश्चितता दूर करने । भले ही कर्ज़दार भरोसेमंद हों, कर्ज़ लिखने से वे शांति से रह सकेंगे और भविष्य में परिवर्तन से बचेंगे।

जब आदम और हव्वा कठोर और अमित्रता पूर्व पृथ्वी ग्रह पर उतर आए वहा का वातावरण देखकर और भूमि की जर्जर अवस्था वे आश्चर्यचकित रह गये। आदम फूट-फूट कर रोने लगा, उसने भगवान से प्रार्थना की कि वह उसे वर्जित वृक्ष का फल खाने के लिए क्षमा कर दे। "हे भगवान! यह दिल जो मेरे पास है वह तुम्हारा है! मैं कदापि नहीं फिर लड़खड़ाता हूँ

और आपको कभी चोट नहीं पहुँचाऊँगा! मैं उस परमेश्वर के प्रति अवज्ञाकारी कभी नहीं बनूंगा जिसने मुझे बनाया! मैं कभी उस परमेश्वर को निराश नहीं करूंगा जिसने मुझसे प्रेम किया! मैं उस रचयिता को कभी धोखा नहीं दूँगा जिसने मुझे खाना खिलाया और कपड़े पहनाए, और मुझे उसके अस्तित्व के बारे में सिखाया मुझे उसके नाम से उसे पुकारने की अनुमति दी!" आह, उसके क्या कर दिया?उसके पाप के बारे में सोचकर आदम डर और दुःख से काँप उठा , और उसका परिणाम कितना दूर होगा! वह पृथ्वी पर अकेला था, उसे उसकी ठंडी नियति पूरी करनी थी। उसके बच्चों में भविष्यवक्ता और शैतान होंगे,दिलासा देने वाले और षडयंत्रकारी। वे सभी असमान दुनिया में निवास करेंगे ऐसी दुनिया जहां पूंजीपति गरीबों का शोषण करेंगे, और जहां ताकतवर लोग पुराने राजाओं द्वारा छोड़ी गई सत्ता की विरासत पर कब्ज़ा कर लेंगे और मानव जाति का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

मानवजाति का परिशोधन अपरिहार्य था, और यह सब आदम ने देखा विश्व के क्षितिज में अनिश्चितता थी। आदम और हव्वा वे जानते थे कि उन्हें अपनी भावी पीढ़ियों के लिए एक सद्गुण उदाहरण निर्धारित करना है। "महिमा और दया और प्रेम और प्रतिफल और शाश्वत आशा केवल आप से है!" आदम चिल्लाया। "हे व्यर्थ संसार के भगवान! हे मृतकों और जीवितों के भगवान! क्या आप माफ नहीं करेंगे, मुझ पर दया करो जब यह मैं ही था जिसने तुम्हें पकड़ रखा था तब भी जब मेरी दुनिया धुंधली हो गई और मैंने सभी मानवजाति और देवदूत में आशा खो दी, और जब भय का दर्द और निराशा ने मेरे दिल को टुकड़े-टुकड़े कर देने की धमकी दी?! आदम रोया और भगवान से प्रार्थना की क्योंकि उन्हें चिंता थी कि उनके बच्चे अनगिनत पापों में शामिल हो सकते है और पृथ्वी टुकड़े-टुकड़े हो जाएगी और इसके निवासियों का व्यापक मनोबल गिराने का कारण बनेगी। उन्होंने अपनी सारी शुभकामनाएं दीं बच्चे ईश्वर के प्रति अपनी निष्ठा विकसित करना सीखें।

वह छोटा ग्रह जिसे वह पृथ्वी कहते थे, पापियों के पापों के कारण अंततः नष्ट हो जाएगा और कुछ अपरिहार्य लौकिक प्रलय के आगे झुक जायेगा। हालाँकि, वह अपरिहार्य विनाशकारी चरमोत्कर्ष के बारे में अधिक चिंतित था जहां मनुष्यों के बीच में रहकर शैतान शासन करेगा और उन्हें पूरी तरह से गुमराह करेगा।

आदम जंगल में स्वतंत्र रूप से घूमता रहा और अजीब परिदृश्य, दिन और रात का अध्ययन करता रहा , और मौसम की खराबी के बावजूद जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की नई प्रजातियाँ, के खोज में आनंदित हुआ

अपने कड़वे दुःख में, आदम ने अपने प्रभु से कुछ दोहे कहे, इस आशा में कि उसके पाप क्षमा कर दिये जायेंगे:

"हे इन दुःख भरे आँसुओं ने मेरी दृष्टि धुंधली कर दी,
और शोक करते हुए मुझे अब प्रसन्नता का पता नहीं चलता,
इस धूल के ऊपर मैं सदैव खड़ा रहूंगा,
जब तक आप एक और आदेश सुरक्षित नहीं कर लेते!
हे भगवान! तेरा प्यार मेरे दिल को भर देता है,
और मैं दु:ख और शोक से घिरा हुआ हूं,
यह दर्द मेरी आत्मा को अलग कर देगा,
यदि तू मेरा दुःख दूर करने में असफल रहता है!
मुझे अपने प्रेम और प्रकाश से वंचित मत करो,
हे भगवान, मुझे बख्श दो, और मुझे फिर से प्यार करो,
मुझे लड़ने के लिए राक्षसों के पास मत भेजो,
क्योंकि मैं बिना किसी नश्वर लाभ के दुःख उठाता हूँ और जीवित रहता हूँ!
मेरे दिल को जल्दी निराशा में मत डुबाओ,
हे भगवान, मेरे आंसुओं के सागर को अस्वीकार मत करो!"

आदम रोता रहा और फिर अपने निर्माता से प्रार्थना की। “ओ भगवान! क्या आप मुझे क्षमा नहीं करेंगे जब मैंने आपके प्रेम की आशा की? और जब मैंने इस विशाल दुनिया में किसी और से प्यार नहीं किया था, अपने दिल से अकेलापन, डर और दर्द कोई भी अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं कर सका? क्या मैं तुम्हारी रचना के बजाय तुम्हारी ओर न मुड़ा होता! क्या मैं ने तेरी दोहाई न दी, और क्या मैं ने तेरी दया पर आशा न रखी होती! विश्वासघात के दर्द या पाप मुझ पर हावी हो जाने से पहले मुझे इस दुनिया में ले चलो ! वास्तव में, मैं तुम्हारे लिए ही जीवित हूँ! यह आपके लिए है मैं प्यार करता हूँ और नफरत करता हूँ! यह आपके लिए है, हे भगवान, कि मैं पुरस्कार की आशा करता हूं और यह आपके प्यार में है कि मुझे पूर्णता और अच्छाई मिलती है! हे ईश्वर! जब आप मेरे भगवान हैं तो मैं इंसानों से कैसे प्यार कर सकता हूं? मैं कैसे कर सकता हूँ इंसानों की ओर मुड़ें जब मैं जानता हूं कि वे आज मुझसे प्यार करेंगे और कल मुझसे नफरत करेंगे ?”जैसे ही आदम ने अपने निर्माता से बात की, उसने मानव जाति पर विश्वास किया आध्यात्मिक विकास से गुजरना होगा, लेकिन उसे डर था विलासिता में अत्यधिक लिप्तता उन्हें ऐसा करने का कारण बनेगी और वे शैतान के आकर्षण और झूठी शक्ति का गुलाम बन जायेंगे।

आदम और हव्वा ने अपने पहले बच्चों के जन्म का जश्न मनाया। उनके पास बेहद खूबसूरत जुड़वां बच्चों का एक समूह था और उसके माता-पिता दोनों ने बच्चों पर प्यार बरसाया । आदम और हव्वा की संतानों में पहले हाबिल और कैन थे। सबसे बड़े कैन और उसकी बहन कोलिमा थे, और आखिरी वाले एबडेल मोगिस और उनकी बहन ओमुल मोगिस थे।

धीरे-धीरे आदम के बच्चों और पोते-पोतियों की संख्या बढ़ती गई, और मनुष्य छोटे स्थान और सभ्यताएँ सृजन करते हुए पूरी पृथ्वी पर फैल गये।

ब्रह्मांड के भगवान ने मनुष्यों को पहले मनुष्य और महिला के बारे में अंतिम नियम के निम्नलिखित अंश में याद दिलाया: “हे मानवजाति! अपने रब के प्रति कर्तव्यनिष्ठ बनो, जिसने तुम्हें पैदा किया एकल व्यक्ति (आदम), और उससे (आदम) उसने हव्वा को बनाया, और उन दोनों से उसने बहुत से मनुष्य और औरत बनाए; और उस ईश्वर से डरो जिसके द्वारा तुम माँगते हो (आपसी अधिकार), और (संबंधों में कटौती न करें) गर्भ (रिश्तेदारी)। निःसंदेह, ईश्वर सदैव तुम पर नजर रखने वाला है!” (द अंतिम नियम, 4:1)

आदम ने अपने बच्चों को पवित्र बने रहना सिखाया, और हमेशा अपने बुरे विचारों, मानवीय इच्छाओं और अनुचित कार्य पर नियंत्रण रखना सिखाया।
उसने उन्हें स्वर्ग में पुरस्कार के सुन्दरता के बारे में बताया और उनसे अपने व्यक्तिगत स्वर्ग में अनुभव के विषय में बात की। आदम ने अपने बेटों को भी चेतावनी दी और बेटियों को उस दुश्मन के बारे में जो उनके भीतर रहता है। उन्होंने उन्हें बताया कि शैतान उन्हें गुमराह करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा और उन्हें नशीला पदार्थ पीने, संगीत सुनने और यहाँ तक कि एक दूसरे को मारना या चोट पहुँचाने के लिए प्रेरित करेगा।

आदम और हव्वा के हर साल, हर दूसरे वर्ष बच्चे होते रहे, हव्वा ने जुड़वाँ बच्चों को जन्म दिया। चालीस साल बाद, वह बूढ़ी और दुर्बल हो गई, और उसके सुन्दर बच्चे वयस्क हो गए और उसकी जरूरतों का ख्याल रखा।

आदम के प्रत्येक पुत्र ने भोजन सामग्री बनाने का व्यवसाय अपनाया और घरों का निर्माण किया, और जबकि हाबिल ने चरवाहा को प्राथमिकता दी, उसका भाई कैन ज़मीन जोतने वाला बन गया। यह अंतर्निहित था

वासना और क्रोध की भावनाओं का अनुभव करना मानव स्वभाव है। वास्तव में, नश्वर शरीर के रग-रग में स्वार्थी प्रवृत्तियाँ समाहित थीं जैसे लालच और आत्मसंतुष्टि। उनके दो पुत्रों में आदम जानता था कि कैन स्वामित्व वाला और बेचैन था, जबकि हाबिल बहुत बुद्धिमान और आज्ञाकारी था। उसे भव्यता अपने प्रभु की महिमा समझ में आ गई और भगवान की इच्छा के लिए समर्पण के लिए सदैव तैयार रहते थे। हाबिल ने उसके माता-पिता के हर आदेश का पालन करने की कोशिश की और पूरे दिन और रात प्रार्थना करते रहे।

जब दोनों लड़के वयस्क हो गए, तो कैन पर उसकी वासना और उसकी जुड़वाँ बहन कोलिमा के साथ रहने की चाहत काबू पा लिया गया। इस घोर अनैतिक सुझाव ने हाबिल और उनके पिता दोनों को भयभीत कर दिया और बुद्धिमान भाई ने कैन को उसे अपनी जिद छोड़ने के लिए सलाह देने का प्रयास किया।

परन्तु हाबिल की बात का वांछित प्रभाव नहीं हुआ, और कैन चिल्लाया। "मैं उस क्रूर ईश्वर की बात नहीं सुनना चाहता जो बच्चे को मरने देता है और बीमारी से पीड़ित होते हैं! मुझे उपदेश मत दो!"

हाबिल ने शांति से बात की और समझाया। "ओह, मेरे भाई! होश में आओ! यहां तक कि जब बच्चे पीड़ित होते हैं, तब भी भगवान देवदूत को निर्देश देते हैं उन्हें दर्द के कारण सुन्न और इंसान के पीड़ा के प्रति बेखबर कर देते हैं! दरअसल, इस दुनिया के बीमार और प्रताड़ित बच्चे की अनंत काल में अथाह रूप से पुरस्कृत किया जाएगा! उनका जीवन आनंदमय और सुखद प्रतिफल होगा जिसे वे निश्चित रूप से कभी हासिल नहीं कर पाते अगर वे परिपक्वता तक जीवित रहते। दरअसल, भगवान उन बच्चों को द्वेषपूर्ण दुनिया से दूर करता है ताकि उन्हें पापी छेड़छाड़ करने वालों, अपराधियों और दुर्व्यवहार करने वालों की संगत करनी न पड़े, लेकिन हमेशा के लिए स्वर्ग के राज्य में रह सके!"

"हाँ," हाबिल ने धीरे से सहमति व्यक्त की। “निस्संदेह हमारा ईश्वर दयालु है, देवता जो उन लोगों को माफ कर देता है जो उसके खिलाफ पाप करते हैं, वह उनसे प्यार करता है जो उससे घृणा करते हैं और उन लोगों को भी प्रतिफल देते हैं जिन्होंने उस पर विश्वास नहीं किया ईश्वरत्व यद्यपि अविश्वासियों के अविश्वास का दर्द है मेरे भगवान के लिए यह उस दर्द से भी अधिक गंभीर है जो एक माँ को महसूस होता है जब
जिस बच्चे को उसने जन्म दिया और बड़ा किया, वह उसके मातृत्व से इनकार करता है!”

जब कैन ने कोई उत्तर नहीं दिया, तो उसके भाई ने सलाह देना जारी रखा
“ईश्वरीय आज्ञाओं का पालन करो और हमारे प्रभु के नाम की महिमा करो, क्योंकि जब एक मानव उसका नाम बोलता है इश्वर खुश होते है! उन्होंने यह आदेश दिया था कि हमारे पिता आदम पृथ्वी पर आना चाहिए और अपनी संतानों को ईश्वर के बारे में सिखाना चाहिए, और अब से सभी पीढ़ियों को धार्मिकता में रहना चाहिए। हे मेरे भाई! पाप मत करो, क्योंकि यह संसार हमारे लिये परीक्षा है। विचार करना यह एक युद्ध का मैदान है जहां हमें ईश्वर की प्रति निष्ठा और अपना प्यार साबित करने के लिए भेजा गया था। यह संसार अनित्य एवं अल्पकालीन है। दरअसल, यह जीवन एक परीक्षा कक्ष के समान है जहां भगवान आदर्श शिक्षक मित्र हैं जो हमें सभी उत्तर प्रदान करते है। अभी तक, दिव्य शिक्षक अनुपस्थित हैं और उन्होंने हमें यह देखने की स्वतंत्र इच्छा दी है कि कौन है वह उससे प्रेम करता है और जो उसे नकारता है और उसके ईश्वरीय आज्ञाओ और सिद्धांतों का पालन नहीं करता है, मनुष्य में आनंद चाहते हैं और प्रेम या अपमान, पूजा या घृणा के लिए मनुष्य की तरफ झुकता है।

जैसे ही हाबिल ने बात की, कैन समय के साथ और क्रोधित हो गया, और उसे एहसास हुआ कि वह अपनी जुड़वां बहन से आसानी सेशादी नहीं कर पाएगा। हाबिल के चेहरे पर मुट्ठी हिलाते हुए, उसने अशुभ रूप से कहा, “मैं तुम्हें मार डालूँगा, इसमें कोई शक नहीं!”

हाबिल आश्चर्य से हांफने लगा लेकिन चुपचाप परमेश्वर की स्तुति करते हुए एक उत्कृष्ट गीत बोला, “हे कैन! मैं कभी तुम्हें चोट पहुँचाने के लिए हाथ नहीं उठाऊंगा, मेरे भाई। यदि तुम्हें मुझे दुःख पहुँचाना ही है, तो तुम्हें खुद ही करना होगा क्योंकि मैं कभी भी मेरे प्रभु कीआज्ञाओं का उल्लंघन नहीं करूंगा।” दूर जंगली भेड़िये चिल्ला रहे थे हाबिल बोला “मैं कभी किसी को दुःख नहीं दूँगा और न ही किसी को पीड़ा दूँगा न ही मैं किसी को मारूंगा।” हाबिल ने अपने भाई के संतुष्ट होने की आशा से अपने भाई को बताया। कटी-फटी पहाड़ियों के पीछे युवा रात हलचल मचा रही थी और कैन ने उसकी दलीलों को नजरअंदाज कर दिया और जोर देकर कहा कि वह कोलिमा के साथ मानव वासना संतुष्ट करेगा। उसके भाई की आवाज के रोष से हाबिल का दिल एक दर्दनाक गाँठ में सिकुड़ गया।

जैसे ही भाई ठंडी रात की हवा में चलते रहे, कैन गुस्से से उसका जबड़ा कसते हुए चिल्लाया। “आप ऐसा सुझाव देने का साहस कैसे कर सकते है की आप बेहतर हैं, कि आपमें इस तरह बोलने का साहस है की आप मुझसे श्रेष्ठ हैं?”

"प्रिय भाई!" हाबिल ने कहा, “मैं केवल भगवान की रचना हूं! अकेले, मैं कुछ भी नहीं हूं, और मैं केवल इसलिए सांस ले रहा हूं क्युकी ईश्वर मुझे सांस लेने देता है और जब चाहे वह मेरी आत्मा को जब्त कर सकता है।" हरे-भरे मैदान एक-दूसरे से लिपटकर अलग हो गए जैसे ही दोनों भाई आगे बढ़े, मृत घास दिखाई देने लगी।

हाबिल ने इस अस्थायी संसार की तुच्छता स्पष्ट करने की आशा में कैन से कुछ गुप्त पंक्तियों में बात की:
"प्यार ही नश्वर आत्मा को नष्ट कर देता है,
कोयले में जलाने के लिए इंसानों के दिलों को फाड़ना,
जैसे खूनी शिकारी तेजी से भाग रहे हों,
प्रेम एक ही दिन में कमज़ोर से कमज़ोर व्यक्ति को फँसा लेता है!
दूर से चमकते पीले तारों की तरह,
प्यार एक मृगतृष्णा है जो अधर में लटकी रहती है,
अपनी घातक योजना से न तो आराम कर रहा हूँ और न ही थक रहा हूँ,
नए प्रेमियों की तलाश, चाहे वह महिला हो या पुरुष!
हे प्यार जो कभी जलना और धोखा देना बंद नहीं करता!
जो प्रति दिन लाखों लोगों को बिना सजा के मारता है,
व्यर्थ बातों से एक मनुष्य को दूसरे मनुष्य का दास बनाना,
झूठी आशा और खोखली क्रियाओं के लिए मनुष्यों से पाप करवाना!
हे तेरे झूठ और मनगढ़ंत बातें!
हे प्रेम जो सबसे प्रतिभाशाली मानव मन को लुभाता है,
और सबसे गर्म दिलों को पीछे से धोखा देता है,
हे कहो! तुम, सबसे चतुर दिमाग को , कैसे धोखा दे सकते हो,
कैसे, झूठे वादों के साथ, आप इस प्रकार हासिल कर सकते हैं,
जब मानव हृदय का जन्म अकेला और स्वतंत्र हुआ,
और आप उन्हें प्रेमी की झूठी गवाही का गुलाम बनाते हैं?
और प्रेमियों के दासों को घृणा और हत्या के लिए उकसाते है,
पवित्र माताओं और भाइयों के अपवित्र बनने के लिए?
हे कहो, तुम सबसे शक्तिशाली राजाओं और राजाओं को कैसे फँसा सकते हो?
आप उन्हें झूठी और सबसे घिनौनी चीज़ का गुलाम कैसे बना सकते हैं?
क्या काश मैं तुम्हारे धोखे और चाल का रहस्य जान पाता!
आप राष्ट्रों को अविश्वासी विचारों का पालन करने के लिए कैसे मजबूर करते हैं,

और हज़ारों हत्याओं को जायज़ ठहराने के लिए झूठी ख़बरें फैलाईं, शापित प्रेमी को प्रियतम प्रिय दिखाने के लिए!"

"हे कैन! जो शाश्वत हैउसके बदले में उस चीज़ की तलाश मत करो जो अस्थायी है।" धर्मपरायण भाई ने विनती की। "वास्तव में, यह दुनिया केवल कुछ गिने-चुने दिनों के लिए है, और हम सब लौट आएंगे उस परमेश्वर के पास जिसने हमें बनाया, जिसने हमें सांस दी और जो हमारे दिल धडकते खता है।"

कैन अचानक चिल्लाया। "मैं अपनी बहन से शादी न करके दुखी रहने से इनकार करता हूं!"

हाबिल ने बिना किसी शिकायत के निंदा स्वीकार कर ली, और आदरपूर्वक उत्तर दिया। "तुम्हारे दुःख का कारण ढूँढ़ना यह तुम्हारे लिए अधिक उचित होगा, ओ मेरे भाई, और फिर शांति के मार्ग पर चलो। भगवान कर्मों को स्वीकार करते हैं केवल उन लोगों से जो उसकी सेवा करते हैं और उससे डरते हैं, उनसे नहीं जो उसकी आज्ञाओं को अस्वीकार करते है।" हाबिल दान का जिक्र कर रहा था दो भाइयों ने पहले किया था जहां कैन ने पेशकश की थी भिक्षा के रूप में अपने खेत से सड़े हुए पौधे दिए थे भगवान ने अपना संकेत दिया अपनी जुड़वां बहन कोलिमा के साथ कैन के मिलन को अस्वीकार करना, और कैन की दान की पेशकश को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

गोधूलि में जंगली मैदान धूमिल होते वैभव से जल उठा, शानदार सूर्यास्त की किरणों के नीचे सोने की तरह चमक रहा है। उनके आगे जंगल की गहराई से , अज़ाजेल ने हाबिल और कैन के बीच झगड़े को देखने के लिए

सभी छुपे हुए लोगों को इकट्ठा किया। वास्तव में, आदम के पुत्रों के घोर विवाद से अधिक शैतान को कोई भी चीज़ प्रसन्न नहीं कर सकती थी ।

शैतान ने मुट्ठी भर सीराफों को नदि के उस पार भागते हुए देखा और वह उन पर पागलपन से चिल्लाया। “आह, मैं जीतूंगा! मैं गंदी मानव जाति के लोगों को अन्य पुरुष की सस्ती वेश्या बना दूंगा और मैं सभी महिलाओं को हर आदमी के यौन गुलाम और वेश्या बदल दूंगा । निश्चय ही मैं विवाह की संस्था नष्ट कर दूँगा और उन सभी को खुला यौन संबंध भागीदार बना दूंगा । नहीं, मैं किसी को व्यभिचार गंदगी से नहीं बख्शूंगा
, और मैं माताओं को पुत्र से न बचाऊंगा,और भाई को भाई से, और न मैं बहिन को होने दूंगा बेटी के भाई से सुरक्षित होकर उसके पिता के साथ पवित्रता से रहने दूंगा। मैं मानव जाति को इतना बीमार कर दूंगा कि वे जंगली सूअर जैसे हो जायेंगे!” शैतान ने सभी प्रकार धार्मिक नैतिकता और सामाजिक शिष्टाचार के सिद्धांत को नष्ट करने के उन्मूलन की कसम खाई और आगे कहा, “मैं यौन विकृति को उनका विश्वास और उनका धर्म बना दूंगा! मैं घृणित मनुष्यों से युवाओं का दुव्र्यवहार और ब्रेनवॉश कराऊँगा और उन्हें विश्वास दिलाउंगा कि यह सच्चा प्यार है
शिशुओं को संवारें और उनके साथ दुर्व्यवहार करें! सचमुच, मैं पुरुषों का भाईचारा नष्ट कर दूँगा और उन्हें ऐसे यौन पागलों में बदल दूंगा कि वे हर युवा को बहकाएँगे और तैयार करेंगे, और छेड़छाड़ करेंगे हर आदमी और लड़का इसे प्राकृतिक प्यार मानगा! पृथ्वी पर किसी आदमी को उन लोगों से शुद्ध प्रेम का आश्रय नहीं मिलेगा जो उनके पिता या भाई थे।"

स्वर्गदूत भयभीत होकर देख रहे थे क्योंकि शैतान भयंकर रूप से चिल्ला रहा था और मनुष्य की मानवता को नष्ट करने की अपनी दीर्घकालिक योजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी दे रहा था। शैतान ने स्वर्गदूतों से

कहा कि वह पापियों को गौरवान्वित होने और भावनाओं का पोषण करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। आत्म-महिमा के लिए वे किसी को भी मारने को तैयार होंगे जो उनकी वासनापूर्ण प्रवृत्तियों के विरुद्ध बोलेगा। उसकी पहली विजय दिखाने उसने इस पहले मामले की पेशकश की जहा कैन जुड़वाँ बहन के साथ व्यभिचार करता है और अपने भाई हाबिल को मार डालने की धमकी भी देता है!

शैतान ने बर्बरतापूर्वक घोषणा की, "मैं नग्नता और अनैतिकता का महिमामंडन करूँगा।" "मैं उन बीमार लोगों से हर पवित्र महिला का पर्दा फाड़ डालूँगा और उन सभी का यौन उत्पीड़न किया जायेगा और निःसंदेह, धार्मिक और धर्मपरायण लोगों को इसमें फसाया जायेगा, इसलिए प्रत्येक स्त्री ईश्वर के धर्म के विरुद्ध हो जाएगी और आध्यात्मिक और धर्मपरायण बुजुर्ग पुरुष और महिलाएं जो नैतिकता का उपदेश देते हैं उनसे घृणा करने लगेगी । सचमुच, वे क्रोधित स्त्रियाँ पीटेंगी और उन सभी आस्थावान पुरुषों को मार डालेगी जो उनकी शुद्धता की रक्षा करते हैं और वे आनन्दपूर्वक विलाप की नंगी गली में वेश्याएं बन जाएंगी! स्वाभाविक रूप से, मैं केवल धार्मिक व्यक्तियों को ही दोषी ठहराऊंगा और उनसे पर्दा उठाने वाली हर महिला को व्यभिचार और अनैतिकता के आरोप में कोड़े मारकर मार डालने को कहा जाएगा। फिर, गूंगी और मंदबुद्धि महिलाएँ सोचेंगी कि भगवान का धर्म महिलाओं को आदेश देता है की मार और कोड़े खाओ, इसलिए वे परमेश्वर पर क्रोधित होंगी, और उनके कपड़े फाड़ देंगी और उनके स्कार्फ जला देंगी और सार्वजनिक चौराहों पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगी , और सभी धार्मिक इमारतों पर धावा बोल दिया जायेगा और सभी पूजा स्थलों को ध्वस्त कर दिया जायेगा , और फिर वे जंगली जानवरों की तरह बनने का सहारा लेंगे, और हर आदमी को उनका दुरुपयोग करने देंगी । सचमुच, कुछ ही समय में, मैं हर स्त्री सड़क पर जंगली कुत्तों की तरह स्वेच्छा से व्यभिचारी बनाने में सफल हो जाऊँगा, हर आदमी को उन्हें नंगा करने और कोड़े मारकर मार डालने की इजाजत दी जाएगी। वे

सार्वजनिक स्थानों पर नग्न होकर घूमेंगे, और हर मनुष्य को उन पर चढ़ने की अनुमति देंगी और उनके नग्न शरीरों को देखने देंगी जैसे वे खेत के गंदे सूअरों से बेहतर नहीं है ।"

मानव जाति को अपने प्रचुर प्रेम का आश्वासन देते हुए, भगवान ने अंतिम नियम में घोषणा की, "परमेश्वर आपके विश्वास को निष्फल नहीं बनाएंगे; निश्चय ही ईश्वर स्नेहमय, लोगो के प्रती दयालु है!" (अंतिम नियम, 2:143)

अपनी योजनाओं में मगन होकर, शैतान गुर्राया, "मैं हर एक यौन शिकारी को महिमामंडित करूँगा और उन्हें मानद उपाधियाँ दूंगा और उन्हें पीड़ितों के रूप में रंग दूंगा जब तक भगवान उन अपवित्र और बदसूरत इंसानों से प्यार करना बंद नहीं कर देते।आम लोग उन बीमार स्त्री-पुरुषों को प्यार करेंगे और उन्हें पीड़ित और शहीदों में बदल देंगे! सामान्य लोग सोचेंगे कि विकृत प्रेम सुंदर है और वे उन्हें शांति से रहने देंगे और उन्हें अपनी इच्छानुसार किसी पर भी हमला करने का अधिकार होगा। शीघ्र ही मूर्ख मनुष्य इतने उत्साही हो जायेंगे की वे यौन अपराधियों को अधिक अधिकार और सम्मान देनगे ,वे उस व्यक्ति को जला देंगे और मार डालेंगे जो उन यौन संबंधों को रोकने की कोशिश करेगा और युवा लड़कों और लड़कियों को शिक्षित करने से रोकेगा। यदि एक भी मनुष्य पवित्र रहे, तो ओले और आग के गोले मुझे कुचल डालें! यदि आदम का एक भी पुत्र पवित्र या सम्माननीय रहता है तो जलती हुई गंधक मुझ पर उतर आए! वे सब छेड़छाड़ करने वाले और दुर्व्यवहार करने वाले और बहकाने वाले और दुसरो को अपवित्र करने वाले बन जाएंगे! हर पुरुष और महिला अंततः अपने ही लिंग के और अपने ही बच्चो के प्रती दुर्व्यवहारी बन जाएं! ओह, केवल तभी मैं ईश्वर से पूछ पाऊंगा यदि वह अभी भी उन कुरूप मनुष्यों को मुझसे श्रेष्ठ समझता है? तब मै अपमान करंगा और भगवान के सामने खड़े हो जाउंगा! ओह तो तब मैं उन्हें दिखाऊंगा

ये इंसान सूअर और जानवर हैं जिन्हें उसने एक बार मुझ से ज्यादा पसंद किया था!

थोड़ी ही दूर पर उम्र की थकान पैगंबर आदम पर उतर रही थी। अब उसका एक परिवार था, लेकिन उसका अकेलापन का एहसास बढ़ता जा रहा था। उसके यौवन की बेचैन करने वाली अधीरता कम होती गई जैसे-जैसे इस धरती पर उसने अधिक वर्ष बिताए। उसने उस समय को याद किया जब वो पृथ्वी पर आये थे, और हव्वा ने उनकी पहली जुडवाजोड़ी को जन्म दिया। अब बच्चे बड़े हो गए थे, लेकिन आदम को याद था की उसका परमेश्वर उस पर और उसकी पत्नी के प्रति कितना दयालु था।

अपने पहले बच्चे के जन्म के बाद, आदम अपने उदार भगवान के प्रति अपनी कृतज्ञता की भावनाओं को दबाने सक्षम नहीं था जिसने उसे क्षमा प्रदान की और उसे सभी चीज़ों का नाम सिखाया और उसे दुनिया के सबसे खूबसूरत बच्चे दिए। उसने अपना हाथ स्वर्ग की ओर उठाया और परमेश्वर की बहुत प्रशंसा की वे शब्द जिन्हें वह अंतिम वसीयतनामा का पहला अध्याय मानता था: "दयालु भगवान के नाम पर! भगवान की स्तुति करो, दुनिया के भगवान! दयालु, दयालु! हिसाब के दिन राजा! हम केवल आपकी ही आराधना करते हैं और उन्हीं से सहायता की गुहार लगाते हैं। तू हमें सीधे मार्ग पर चला; उन लोगों का मार्ग जिनके प्रती तू दयालु रहा है; आप जिन से नाराज़ नहीं हैं, और न ही वे जो भटक जाते हैं!"

जबकि आदम ने प्यार के उन युवावस्था में खोए हुए दिनों को याद किया और , उनके बेटे एक भयानक चर्चा में लगे हुए थे, और कैन ने बार-बार अपने भाई हाबिल का गला घोंटने और पीटने की कोशिश की लेकिन दूसरा भाई शांति चाह रहा था।

भाइयों ने अंधेरे, चट्टानी ग्रेनाइट पहाड़ों पर पदयात्रा की तीखी चट्टानों के चारों ओर चक्कर लगाया।

“हे मेरे भाई!” हाबिल रोया। “इस अस्थायी दुनिया के कुछ दिनों के अपने जीवनके लिए निर्दोषों की हत्या मत करो, चोट मत पहुँचाओ या हमला मत करो और अपने बाद के जीवन को बर्बाद मत करो । कुछ दिन के क्षणिक सुख को उसके बाद की सारी अच्छाइयों को नष्ट मत करने दो। शैतान तुम्हें उन लोगों की पूजा करने के लिए बहकाने न दे जो तुमसे प्यार नहीं करते और किसी भी क्षण तुमसे प्यार करना बंद कर सकते है। जानते है कि यह केवल आपका भगवान है जो आपसे प्यार करता है! वास्तव में, यह तुम्हारा ईश्वर है तुम्हें खिलाता और कपड़े पहनाता है! वह तुम्हारा परमेश्वर है, जिस ने हमारे प्राण और हमारे माता-पिता का जीवन मोल लिये हैं अनन्त स्वर्ग के बदले में ।”

हवा का मार्ग पहाड़ के टूटे हुए हिस्से पर बेचैनी से काम कर रहा था हाबिल ने कैन से विनती की। “ओह, मेरे भाई! दरअसल, हर सांसें भगवान का दिया हुआ उपहार है, इसलिए इसे बेकार मानवीय प्रेम और वासना का पीछा करके बर्बाद मत करो क्युकी वो बाद में नष्ट हो जाएगा! आपके प्रेमी जल्द ही अन्य प्रेमी ढूंढ लेंगे या अन्य पुरुषों को अपना लेंगे जो तुम्हारे प्रेमी का प्यार पाने के लिए संघर्ष करेगा।”

वे साफ़ झील के सामने खड़े थे, जिसमें चमकीला पानी था जिसमे पीला नारंगी आकाश परिलक्षित होता है। हाबिल रुकते हुए बोला । “ओ मेरे भाई! जुनून एक बीमारी है जिसका इस्तेमाल शैतान इंसानों को हर कल्पनीय बुरा कार्य करने और फिर उसे खुद उचित ठहराने के लिए करता है ! वासना का जुनून हर प्यार को जला देता है! मानव दासता करने का जुनून मानव आत्मा को नष्ट कर देती है! प्यार के लिए जुनून इंसानों की हर बहादुरी और हर अच्छाई को जला देता है! वास्तव में, जुनून अकल्पनीय रूप से तीव्र घृणा क्रोध और ईर्ष्या को जन्म देता है,

जिसके कारण संसार एक दूसरे को मार डालता है! जुनून लोगों को तब तक अंधा बना देता है जब तक मौत आकर मानव आत्मा को पकड़ न ले।" हाबिल ने भावनात्मक रूप से विनती की कैन की बर्फ जैसी भूरी आँखें फिर से चमक उठीं।

कैन ने अचानक धमकी भरे ढंग से अपनी मुट्ठी ऊपर उठा ली , मानो अपने आवेग पर काम कर रहा हो, लेकिन हाबिल चलना बंद किया और जल्दी से बोला। "हे मेरे भाई! हम इंसान हैं, और भगवान ने हमें अच्छे और बुरे दोनों गुणों के साथ बनाया है, लेकिन हमें प्रयास करना चाहिए खुद पर नियंत्रण रखें और लालची, स्वार्थी लोभी न बनें। क्या वह तुम्हारा परमेश्वर नहीं था, जिस ने तुम्हें खिलाया और पहिनाया और आपको ऐसे दयालु माता-पिता दिए जो आपसे बिना शर्त प्यार करते थे, और जब आप बच्चे थे हर रात कोमल लोरी के साथ सुलाया? वास्तव में, यह ईश्वर ही था जिसने आपको हर सुबह तरोताज़ा जागने की अनुमति दी?

बादल जो धूसर आकाश में बेचैनी से उड़ रहे थेझील के पानी में मुरझाए हुए का एक उदास दृश्य प्रतिबिंबित हो रहा था। "ओ मेरे भाई! तो क्या तुम नहीं जानते, कि यदि तुम्हारा परमेश्वर न चाहता तो इस ब्रह्माण्ड की सारी शक्तियाँ मिलकर आपका भोजन नहीं पचा सकती हैं,तुम असफल हो जाओगे, चाहे कुछ भी कर लो ? क्या आप नहीं जानते थे कि दुनिया की सारी ताकत ऐसा नहीं कर सकती है यदि तुम्हारे परमेश्वर ने न चाहा होता, तो तुम्हें न सोने देते? तुम नहीं जानते कि हर सुबह, जब आप नींद से जागते हैं, आपकी आत्मा भगवान से पूछती है कि क्या उसे आपके शरीर में वापस आना चाहिए या तुम नींद में ही मर जाना चाहिए?" हाबिल ने नम्रतापूर्वक उससे विनती करते हुए भाई को कहा उसे अपने बुरे विचारों और कार्यों पर नियंत्रण रखना चाहिए। उसने कैन से विनती की
अपनी वासनापूर्ण इच्छाओं पर संयम का अभ्यास करे और अपनी जुड़वां बहन से शादी करने के बारे में सोच त्याग दे ।

इस कथन से कैन और भी क्रोधित हो गया और सभी अच्छे कार्यों में उससे आगे निकलने के लिए उसने हाबिल को डांटा। कैन ने अपना गुस्सा जाहिर किया के हाबिल का दान भगवान द्वारा क्यों स्वीकार किया गया।

हाबिल, जो पवित्रता और करुणा से भरा था, ने उत्तर दिया, "भगवान वह केवल उन लोगों के कर्मों को स्वीकार करता है जो उसकी सेवा करते हैं और उससे डरते हैं, उन लोगों से नहीं जो उसकी आज्ञाओं को अस्वीकार करते हैं।" वह धीरे से बोला, लेकिन अपने भाई की धमकियों से बिना डरे , और आगे कहा, “हे मेरे भाई भाई! आप जो भी सांस लेते हैं वह आपको आपके भगवान की अनुमति से प्रदान की जाती है। यह ईश्वर ही है जिसने आपको यह अस्थायी जीवन जीने की अनुमति दी है! मौत के बाद बेकार शरीर जो जल्द ही मिट्टी में मिल जाएगा अगर ऐसा है तो ख्वाहिशें पूरी करने की परवाह क्यों करे ? निश्चित रूप से, आप जानते हैं कि केवल पवित्र लोगों और ईश्वर से डरने वाले पुरुषों और महिलाओं के शरीर को गौरवशाली उत्सव के साथ कोमल स्वर्गदूतों द्वारा ले जाया जाएगा , और जहा वो सदैव निवास करेंगे उसी स्वर्ग के समीप, जिस पर हमारे माता-पिता ने पृथ्वी पर उतरने से पहले रहते थे ।"

जब कैन ने उत्तर नहीं दिया, तो हाबिल उससे विनती करता रहा।"मेरे भाई! क्या तुम यह नहीं जानते कि यदि परमेश्वर ने तुम्हें एक और दिन जीने की अनुमति, आपकी आत्मा को कभी नहीं लौट पाती और तुम नींद में ही मर गये होंते? हे प्रिय भाई! तो फिर आप इतने कृतघ्न क्यों बनें? भगवान जिसने तुम्हें सब कुछ दिया? एक इंसान की वासना क्यों पीछा करते हो जो आज नहीं तो कल आपसे नफरत करेगी? परमेश्वर और उसके प्रेरितों की आज्ञा मानें। ईश्वर के महान पैगम्बर मनुष्य को उसका जन्मसिद्ध अधिकार लौटा देगा, और उसे स्वर्ग की ओर ले जाएगा,

परन्तु शैतान हमारे पिता का शत्रु था और हमारे माता-पिता के पतन का कारण बना , और वही शैतान मानव जाति का दुश्मन है,इसलिये हे कैन, मेरी सलाह मान, और पाप करने से दूर रह।

ऊपर के बादल रहित आकाश ने संयम का एक दृश्य प्रस्तुत किया जहां जीवन क्षणभंगुर अस्तित्व का आभास दिया इसके शुरू होने से पहले ही गुजरता है "हे मेरे भाई!" हाबिल ने रोते हुए कहा। "क्या यह कुछ लोगों का भाग्य है कि वे जिनसे वह घृणा करते हैं जिनसे वह प्यार करता है? क्या यह मेरे ईश्वर का भाग्य है कि जिनसे वह प्रेम करता है, वे उनसे घृणा करें जैसे भावुक लोग, नेक लोग और अच्छे दिल वाले लोग?! ओह, वे सभी अपने क्रोध और उनकी नफरत में भगवान को क्यों नकारते हैं? वे हर दर्द के लिए भगवान को दोष क्यों देते हैं जो उनको इस जीवन में मिलता है?

हाबिल ने अपने भाई को याद दिलाया कि आदम और हव्वा का पृथ्वी पर अवतरित होना और अनेकों बच्चो को जन्म देना कैसे उनकी नियति है। उनके वंश में से ईश्वर ने बहुत से भविष्यवक्ताओं और धर्मात्माओं को नियुक्त किया था और पृथ्वी पर अच्छाई फैलाइ। युगल पवित्र संतों, शुद्ध कुलपतियों, भविष्यवक्ता, नगरों के धर्मी नेता, राष्ट्रों के शासक, और
महाद्वीपों के राजा पापरहित लोगों को सामने लाएँगे।

हाबिल सिसकने लगा और मानो स्वर्ग की प्रेरणा से बोल रहा हो, उसने अपने भाई को गंभीरता से संबोधित किया। "हे कैन! शैतान आप पर प्रशंसा की बौछार करेगा और आपका मित्र होने का दिखावा करेगा, जबकि वह वास्तव में आपका प्रकट शत्रु है। दरअसल, ओ मेरे भाई, भगवान ने हमें अंतिम वसीयतनामा के अंशों में सचेत किया: और (याद करो) जब शैतान ने उनके काम किये और उन्हें प्रसन्न करते हुए कहा, 'आज तुम पर लोगों के बीच से कोई विजय नहीं पा सकता, और वास्तव में, मैं

तुम्हारा रक्षक हूं।' जब दोनों सेनाओं ने एक-दूसरे को देखा, तो वह अपनी ऊँची एड़ी ओर मुड़ गया और कहा, 'वास्तव में, मैं तुमसे अलग हो गया हूँ। दरअसल, मैं वह देखता हु जो तुम नहीं देखते; सचमुच, मैं परमेश्वर से डरता हूँ। और भगवान दंड में कठोर है।" (द फाइनल टेस्टामेंट, चैप्टर द स्पॉयल्स ऑफ वॉर,श्लोक 48)

हाबिल ने आह भरते हुए कहा, "हे भाई, मेरे अपना मांस और खून! आप हमारे शाश्वत, अमर देवता के रहते हुए कैसे पाप कर सकते हैं? हमारे माता-पिता ने शुद्धता फूल का अवतार लिया था और हमें सिखाया कि परमात्मा के शास्त्र अनुसार जीवन कैसे जीना है! प्रार्थना करें, उनकी अवज्ञा न करें या उन्हें निराश न करें! हे भाई! तुम इंसानों से कितने पागलों की तरह प्यार करते हो और उनके पीछे भागते हो, यहां तक कि उनके लिए हत्या करने की, उनके लिए यातना देने की, फंसाने के लिए उनके लिए निर्दोष, उनके लिए घृणा और उनके लिए प्रेम उनके लिए नफरत, बेकार इंसानों के प्यार के लिए प्यार! भगवान और उनके पैगंबर मानव जाति से प्यार करते हैं और वे चाहते हैं कि हम एक पवित्र जीवन जीयें जीवन, और पाप और अनैतिकता के सभी तरीकों से बचें।

"वास्तव में, कैन, पाप करने से हमारे हृदयों में केवल दुःख उत्पन्न होगा, और हमारे बाद के जीवन का आतंक बन जायेगा।" हाबिल ने पुकारा। "ओ
भाई! तुम इस ब्रह्माण्ड में जीवन को क्यों नष्ट करते हो?मनुष्यों की स्वीकृति और प्यार के लिए और सम्मान जब वे आज तुमसे प्यार करते हैं और कल वे तुम्हें कोसेंगे और नफरत करेंगे आज आपका सम्मान करेंगे और कल आपका अपमान करेंगे और थूकेंगे? आप मानव प्रेम पर विश्वास करने में इतने भोले हैं कि आप अन्य मनुष्यों के धर्मों को मारने और नष्ट करने के लिए सहमत हैं और उस एकमात्र ईश्वर के बारे में सब कुछ भूल जाएंगे जो आपसे सच्चा प्यार करता है और आपका सम्मान करता है और दिन-रात प्रार्थनाओं में तुम्हारी एक बार पुकार

सुनने के लिए प्रतीक्षा करते हैं ताकि वह आपको बेहतरी के लिए बदलते हुए देख सके, इसलिए की वह देख सके कि आप पश्चाताप कर रहे हैं, और इसलिए भगवान अनन्त संसार की हर अच्छाई आपके लिए अनुदान दे सकते हैं? मानव साम्राज्य और नश्वर सभ्यता को नष्ट करने वाला पहले पाप में लिप्त मत बनो!

"हे प्यारे भाई! मेरा ईश्वर और तुम्हारा ईश्वर, हमारे पिता आदम के निर्माता ने हमारी आत्माओं को बनाया और हमारे अपने आनंद के लिए बनाये गए स्वर्ग के हमें योग्य समझा। अपने लिए नरक के द्वार क्यों खोलें? पिता ने हमें चेतावनी नहीं दी कि शैतान उन मनुश्यो को निशाना बनाएगा जो निराशा की इच्छा से प्रलोभित थे?"

दोनों भाई मृत पत्तियों के साथ ढके हुए पेड़ों के नीचे चले गए। ठंडी हवा कुरकुरा और ताज़ा थी, लेकिन हाबिल अपने प्यारे भाई को समझाने की कोशिश में व्यस्त था की वो पवित्र रहे और उसका अपने परिवेश पर बहुत कम ध्यान था। "ओ भाई! क्या आप कभी यह नहीं सोचते कि यह केवल हमारे प्रभु की दया और प्रेम था कि उसने हमें मनुष्य बनाया?! क्या आप नहीं जानते कि यह केवल अभूतपूर्व दया के कारण है हमारे सृष्टिकर्ता के ने हमें मनुष्य बनाने के लिए चुना, जो उसने हमें आत्माये दी हमें इतना प्यार किया कि उसने हमें किया आदम के बेटे बनाने का फैसला और उसके सभी रचना में सबसे अच्छे और श्रेष्ठ बनाया? शैतान की दुर्भावनापूर्ण कुटिलता पर भरोसा क्यों करें?"

तब हाबिल ने कैन को याद दिलाया कि जो लोग घृणित बेईमानी जीवन जीते थे और पापी प्रवृत्ति के होंगे शैतान की तरह बहिष्कृत कर दिया जायेगा जिसने हमारे माता-पिता को बहलाया और उन्होंने अपने ईश्वर और निर्माता की अवज्ञा की। वे जो अपने आप को घृणित मानव शरीर की लालसा का गुलाम बना लेंगे उन्हें नरक की कालकोठरियों में भेज दिया गया, जहां न तो आराम है और न ही विश्राम उपस्थित रहेगा।

"अरे भाई! क्या तुम नहीं जानते, कि यदि परमेश्वर ने चाहा, तो वह हमें जानवर बना दिया है? क्या तुम नहीं जानते कि परमेश्वर ऐसा कर सकता था हमारी आत्माओं को सूअरों और लकड़बग्घों या साँप के शरीर में डाल सकता है? क्यों अपनी आत्मा को मानव मांस की लालसा से हताशा के विनाशकारी रसातल में डुबाओ?? क्या आप नहीं जानते कि भगवान हमें जाने दे सकते थे और बिच्छू या बंदर बना सकते थे और हमारे बारे में पूरी तरह से भूल सकते थे?

हे भाई! मानवीय वासनाओं और उग्र पशु कामुक इच्छाओं का गुलाम बनकर ,पागल सूअरों की तरह पाप करके उन पशुओं से भी बदतर मत बनो, जिन्हें देखने पर हम कुत्तों से भी बदतर हो जाते हैं और हमारा रचयिता के नजर में उस स्वर्ग के अयोग्य हो जाओ , जो हमारे लिए बनाया गया है और कुत्ते और बिल्लियाँ उसके उपासकों की मदद करते हैं स्वर्ग में हमारी जगह ले ले ! ऐसे घोर पाप का प्रतिफल अनंत काल की सज़ा की है, तो शैतान के अंधविश्वास क्यों विश्वास करें? हे भाई! भगवान का अपमान न करो! उनके अनुयायियों को ठेस न पहुँचाएँ! शैतान के असत्य पर विश्वास न करें और उसके अनुयायियों द्वारा झूठ फैलाया जाता है जब वे आदम के ईश्वर को मानने वाले को हत्यारे और राक्षस और बलात्कारी के रूप में फसते है । शैतान केवल झूठ बोलता है, और उसका डंक का जहर मानव हृदय में प्रवेश करता है और आत्मा को उसके पालनहार के बारे में भूलाता है! हे भाई! हमारे प्रभु ने हमें इस रूप में सम्मानित किया है हालाँकि हमने कभी भी इंसानों के साथ कुछ विशेष नहीं किया है की इस महान विशेषाधिकार के पात्र हो! प्रार्थना करो, वासना का गुलाम और मानव मांस का पुजारी बनकर अपना अपमान मत करो
और दैहिक इच्छाओं का गुलाम होकर इस सांसारिक जीवन के अल्प समय में अपने उद्देश्य को भूल मत जाओ !"

उसके दूर देखने से पहले , कैन के चेहरे पर क्रोध की छाया छा गई दूर। लेकिन हाबिल ने उसके भाई के साथ सम्मानपूर्वक बात करना जारी रखा। “अपना सम्मान करो, हे भाई! अपने आप को ऊँचा उठाओ! आप मानव वासना के गुलाम नहीं हैं! तुम कोई शारीरिक इच्छा के कुत्ते नहीं हो! आप अपने निर्माता से नफरत करने वाले मूर्ख नहीं हैं! आप स्वर्ग का अनन्त जीवन के बजाय चॉकलेट और मिठाई पसंद करने के लिए बच्चे नहीं हैं।” जैसे हाबिल अपने भाई को सलाह दे रहा था, वे जानबूझकर रात होने से पहले के घने वातावरण में पहाड़ी क्षेत्र में चले गए। “अरे भाई! आपके भगवान को आपकी भक्ति की आवश्यकता नहीं है! तुम्हारे पाप से उसे कभी कोई हानि नहीं होती ! तुम्हारी पूजा से उसे कभी लाभ नहीं होता। उसके पास दुसरे है जो इस दुनिया में आएगे और भक्तिपूर्वक उसकी पूजा करेगे और उससे सच्चे दिल से प्यार करेंगे। भगवान के पास कई अन्य रचनाएँ हैं जो कभी भी उनकी आज्ञाओं की अवज्ञा न करेंगे और न ही उनके अनुयायियों को चोट पहुँचाएँगे । वे वह वही होगा जो सफल होगा, पापों में लिप्त रहते हुए भी तुम्हें कड़वा बना देगा, और तुम्हें तुम्हारे घृणा, क्रोध, जुनून द्वारा बर्बाद कर देगा और किसी भी चीज़ पर विश्वास करने का अंधापन जो ईश्वर या उसके अनुयायियों को दोष देता है। हे मेरे भाई! अपनी वासनापूर्ण इच्छाओं में लिप्त क्यों होना और अपने जीवन के शेष दिनों को अनुमान और निराशा से क्यों जीना? क्या जुनून ने तुम्हें अंधा और मूर्ख बना दिया है कि आप अपना सुदूर भविष्य नहीं देखते और न ही आपके भगवान का आशीर्वाद का अनुभव करते हैं।? हम इंसान कितने कृतघ्न हो सकते हैं जबकी हर देवदूत प्रार्थना करता है और हर पल भगवान को याद करता है उनका जीवन इस भय में रहता है कि कहीं वे शापित और शैतान की तरह गुमराह न हो जाएँ! वास्तव में, वासना केवल मानव शरीर की दिल को अच्छाई के ख़िलाफ़ भड़काने का काम करता है! भगवान के क्रोध की विनाशकारी निराशा आपके निर्दोषों दिल पर उतरने की अनुमति क्यों दें?"

तब हाबिल रुका और अपने भाई से कई पंक्तियाँ कही:

"कोई भी प्रेमी नैतिक दृढ़ता में आनंद नहीं लेता,
और ईर्ष्या को छोड़कर सभी भावनाएँ अनुपस्थित हैं,
और यह पृथ्वी पर अन्य सभी को झुलसा देता है,
भिन्न जन्म वालों को मारना,
आनंदहीन जीना, वासनापूर्ण संगति में,
दया में सदैव बदलते हृदय के साथ,
लाखों लोगों को फाँसी देना ताकि कोई जीत सके
प्रियतम का प्रेम, निरर्थक पाप में,
उन सभी को मार डालो जो नश्वर अपराध की निंदा करते हैं,
जो उदात्त की ओर मुड़ने के लिए कारण का आह्वान करते हैं;
और नैतिक पतन इच्छा जगाता है,
कुछ मांस को इस प्रकार कीचड़ से भर देने से,
वह तो फंसाने या मारने को भी तैयार है,
वे सभी जो प्रियतम अपनी इच्छा से बोलता है!
ओ प्रिये! तुम हज़ारों जिंदगियाँ कैसे नष्ट कर सकते हो,
और उन लाखों लोगों पर दया मत करो जो तुम्हारे आनंद के समय कष्ट सहते हैं,
आनंद का एक क्षण, और सड़े हुए मांस की एक झलक,
जबकि असंख्यों को गर्मी में जलने के लिए छोड़ दिया जाता है?
ओ प्रिये! क्या आप उन अरबों जिंदगियों के लिए नहीं रोते जो आप मारते हैं,
या अपने उन प्रलोभनों पर पछतावा करें जो दूसरों को इच्छानुसार यातना देते हैं,
पैगम्बरों, राजाओं और ब्रह्माण्ड के प्रभु का अपमान करना,
झूठे प्यार के लिए, आशिक अभिशाप की तरह बस जाते हैं?

“अरे भाई!” हाबिल चिल्लाया। “इंसानों की पूजा करना और प्यार करना बंद करो! यह सोचना बंद करें कि वे सभी आपसे श्रेष्ठ हैं और जीवित रहने के लिए उनके प्यार की जरूरत है! नहीं! सचमुच, तुम्हे किसके प्रेम

की आवश्यकता है, जब परमेश्वर स्वयं आपसे प्रेम करता है? अपने आप को दिव्य रहस्योद्घाटन की किरणों के साथ ढका रहने दो। हमारे प्रभु और निर्माता की दया और एकता से निराश न हों!”

"प्यारे भाई! भगवान हमें इस कमज़ोर मानव शरीर की अपरिहार्य कमज़ोरियो के सामने झुकने के लिए कभी सज़ा नहीं देंगे लेकिन हैं कोलिमा के साथ व्यभिचार करके स्वयं को अपमानित न करें! एक धन्य अनंत काल की पूरी आशा मत खोना जहां आप सभी पवित्र महिलाओं और पुरुषों के साथ स्वर्ग में रह सकते है! क्यों उस चिरस्थायी घर को त्याग दो जो कब्र से परे हमारा इंतजार कर रहा है?"

"मुझे कोलिमा आकर्षक लगती है और मुझे किसी भी कीमत पर वासना से संतुष्ट होना चाहिए!"कैन ने काफ़ी हास्यास्पद ढंग से उत्तर दिया।

"मुझे डर है कि प्रत्येक पाप हमें दुर्गति के करीब ले जाएगा!"हाबिल चिल्लाया । “केवल धार्मिक कृत्यों में ही मनुष्य द्वारा निराश में आशा का अनुभव किया जा सकता है! मानवजाति की जीवन शैली और दिव्य सिद्धांत के खिलाफ शैतान की शत्रुता की उत्पत्ति स्वर्ग में शुरू हुई जब शैतान ने हमारे माता-पिता को स्वर्ग से निकालना चाहा!
हमारे परिवार के प्रति ईश्वर की कृपा का स्वागत किया जाना चाहिए और तिरस्कृत नहीं और हमें उस देवता के प्रति कभी भी विश्वासघाती नहीं होना चाहिए जिसने हमारे पिता को ब्रह्मांड का प्रथम सम्माननीय मानव बनाया।"

उन पर, चोटियों की तरह, हल्की बर्फ लगातार गिर रही थी दूर के पहाड़ प्रकाशस्तंभ की तरह खड़े थे। हाबिल की रीढ़ की हड्डी में एक सिहरन सी उतर गयी जब उसने अपने ऊपर ठंडी हवा का झोंका महसूस किया।

कैन की मितव्ययिता ने धर्मपरायण भाई को बहुत चिंतित किया। उसने बहेलिये शब्दों में उससे विनती की। “ओ भाई! वास्तव में, शैतान हमारा प्रकट शत्रु है जो मानवजाति को भक्तिहीन बनाना चाहता है और शिकार की तरह प्रतीक्षा करता है जो कमज़ोर और अधर्मी पर झपटता है। यह जीवन मुक्त इच्छा में से एक है। भगवान ने मनुष्य को वह करने के लिए स्वतंत्र किया जो वह करना चाहता है और, उसके बाद के जीवन में, तुम्हारा ख़ुदा हर अच्छे काम का बदला देगा और उसका हक़ देगा इंसान द्वारा झेले गए हर दर्द का अकल्पनीय इनाम देगा।"

हाबिल ने अपने भाई को ईश्वर की याद दिलाते हुए कहा इश्वर ने इंसानों को स्वर्ग में शानदार आवास और मृत्यु के बाद एक आरामदायक जीवन देने का वादा किया है । “ओ परमेश्वर के वचन पर संदेह या इनकार मत करो , क्योंकि यह जीवन केवल अस्थायी है,और सभी को मृत्यु आ जायेगी। ग़लती से मूर्ख मत बनो!

घृणित पाप करने के बाद मनुष्य को केवल उसकी आत्मा में निराशा लज्जा, पश्चाताप और भय ही प्राप्त होता है जो अंततः उसके हृदय को झकझोर देती है। यहाँ तक कि सबसे शक्तिशाली व्यक्ति भी संकट की खाई में गिर जाता है ! तुम नहीं जानते की तुम्हार भगवान तुमसे कितना प्यार करता है? क्या तुम नहीं जानते तुम्हे उसके प्रति अपना प्यार साबित करने का यह एक मौका दिया गया है और फिर भी तुम अपने जीवन का हर कीमती पल किसी के पीछे भागते हुए बर्बाद कर देते हो वे मनुष्य जो अपने हृदयों में तुम्हें तुच्छ जानते हैं, और तुम्हारी निंदा करेंगे, आज नहीं तो कल?”

कैन ने कोई उत्तर नहीं दिया, इसलिए हाबिल ने भाई को समझाना जारी रखा। “कैन! क्या तुमको लगता है कि तुम प्यार से चंद दिनों के लिए बहुत कुछ हासिल कर रहे हो ?, जब इंसान का दिल सबसे कृतघ्न और पूरी तरह से बदलने वाला होता है! ओह, कितने आदमी प्रसिद्धि की

लालसा या सोने के लालच से नष्ट हो गए! वे चर्च संबंधी समारोहों और ईमानदारी से वसीयत करने से इनकार कर देंगे दान और बीमारों को ग़रीबों को, विधवाओं को या बुज़ुर्गों को सहायता प्रदान करने से इंकार कर देंगे । एक बेईमान की तरह साहसी, पापी की आत्मा और अधिक निराशा में गिर जाएगी!"

दिन करीब आ रहा था, और फीका सूरज ऊपर चमक रहा था। जंगल की सुखद ताजगी में उद्देश्यपूर्ण ढंग से साँस लेते हुए हाबिल और कैन छाया में चलते रहे। "प्रिय भाई! हे कैन! उस परोपकारी प्रभु का नाम से यज्ञ और भिक्षा अर्पित करें जिसने हमें बनाया, और उन लोगों को सहायता और जलपान कराओ जो कम भाग्यशाली हैं! तुम्हे लगता है कि तुच्छ इंसान तुमसे खुश होंगे यदि तुम अपने परमेश्वर की अवज्ञा करो और उनकी आज्ञा मानो? नहीं! वास्तव में, वे वे मन ही मन तुम्हें तुच्छ समझेंगे और उनके मन में भी वे तुमसे घृणा करेंगे और उनके प्रेम पर इतना निर्भर होने के कारण तुम्हें तुच्छ समझते हैं और तेरे चाहने वाले केवल उन्हीं लोगों का आदर करेंगे जो अपने ईश्वर की परवाह करें और केवल उसकी आज्ञाओं का पालन करें चाहे कितना भी जुनून हो उन्हें घृणित कार्य करने के लिए मजबूर करता है, कभी किसी को नहीं मारता या चोट नहीं पहुँचाता!"

जल्द ही, सांझ की शांति ने सूरज की रोशनी की आखिरी किरणों को खत्म कर दिया,और काला आकाश धीरे-धीरे एक अस्पष्ट और निराकार इकाई में फैल गया। "मेरे भाई," हाबिल एक बार फिर रोया। "तुम हो सन्मार्ग से भटककर काम-वासना के निर्णय में पापी हो गये हो । हे भगवान के सामने पश्चाताप करो और अपनी मूर्ख धमकी को भूल जाओ। लेकिन अगर तुम मुझे चोट पहुँचाने का इरादा रखते हो, तो मैं मामला मेरे प्रभु के हाथ में छोड़ दूँगा! तुम्हारे पाप का परिणाम तुम ही सहन करोगे, क्योंकि अनन्त दण्ड ही गलत काम करने वालों का प्रतिफल है।

सचमुच, हे कैन, हमारा जीवन बहुत छोटा है,मुश्किल से पचास या साठ साल और इसका आधा हिस्सा पहले ही बीत चुका है। सचमुच,बाकी आधा हिस्सा बुढ़ापे और स्वास्थ्य जटिलताओं में उड़ जाएगा जब तक मृत्यु हमारे सामने न आ जाए इससे छुटकारा नहीं है ! यदि आप अच्छे कर्म करते हैं और केवल अपने प्रभु की पूजा करते हैं, उसकी आज्ञाओं का पालन करते है , और न ही उसकी रचना की आराधना करते हो या उसकी रचना से आप जुनून सवार होता है , तो आपकी अनंत काल की मुक्ति होगी! लेकिन, यदि आपका जीवन मानवीय प्रेम और बीमार वासना के पीछे भागने में व्यतीत हो जाता है, फिर किसी भी क्षण, जब नियत समय पर मौत झपट्टा मारती है अनंत काल तक तुम्हारे लिए विनाश और भय के सिवा कुछ न होगा!"

हाबिल अचानक रुका, और कैन द्वारा देखे जाने से उसके दुःख को दूर करने के लिए अपने चेहरे पर कांपता हुआ हाथ हेरा । उसने गहराई से कहा, "हे भाई! आपके भगवान को आपकी ज़रूरत नहीं है! उसे आपकी पूजा की आवश्यकता नहीं है! उसे आपके प्यार की ज़रूरत है! उसे आपकी आज्ञाकारिता की आवश्यकता नहीं है! सचमुच, वहाँ हमारे बाद लाखों अन्य लोग आएंगे जो उसकी पूजा करेंगे और फिर भी, इससे उसकी शक्ति पर,
उनकी महिमा और अकल्पनीय रूप से विशाल स्वर्गीय साम्राज्य पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा! उनकी आराधना से केवल हमें ही लाभ होता है! यह केवल हम ही हैं जो परमेश्वर के स्वर्ग से अनंत काल के लिए स्वर्ग प्राप्त करते हैं! वास्तव में यह केवल हम जो ईश्वर की दया के माध्यम से शाश्वत मोक्ष प्राप्त करते हैं! हे मेरे भाई! यदि आप विद्रोह करते हैं और अपने निर्माता की अवज्ञा करते हैं, तो आप केवल स्वयं को नष्ट कर रहे होंगे!"

भाइयों ने झील के किनारे पर अपना चलना रोक दिया, और हाबिल ने बोलना बंद कर दिया और तेजी से बहते पानी को ध्यान से देखने लगा,

रंगहीन तरल की कोमल तरंगों को सुनने लगा । "ओह,भाई!" हाबिल ने विनती की। “यहां तक कि सबसे शक्तिशाली फ़रिश्ते भी अपने रब के डर से लगातार काँपते हैं, और हम कौन हैं उसकी अवज्ञा करनेवाले और उसका इन्कार करनेवाले और उसके खिलाफ गुस्से और जुनून अपने जीवन को नष्ट करनेवाले? सचमुच, हमारे पिता आदम को ईश्वर द्वारा उस प्राणी के रूप में चुना गया जिसे देवदूत द्वारा हमेशा के लिए आशीर्वाद दिया जाना था , और स्वर्ग में रहने वाले सभी लोगों द्वारा सम्मानित किया जाना था । सबसे प्यारे भाई! भगवान की अवज्ञा करके मानव जाति की अतुलनीय गरिमा अपकार मत करो! हे मेरे सबसे प्यारे भाई! यदि आप अब भी मुझे घृणा करते हैं तुम्हे सलाह देने के लिए, तो मैं धैर्य रखूंगा। दरअसल, अगर दर्द इस संसार में मेरे पास आएगा, तब मैं उसे दृढ़ता से सहूंगा क्योंकि मुझे अपने रचयिता पर विश्वास है और मैं जानता हूं कि समस्त मानवजाति को उनके द्वारा प्राप्त प्रत्येक छोटे से दर्द के लिए वह प्रतिफल देगा!”

कैन ने नदी की धीमी बुदबुदाहट को सुनने के लिए अपना सिर झुका लिया, और नदी तल की लहरदार शांति को ध्यान से देखा और उसके मनमोहक दृश्य की सराहना। फिर उसने हाथ की मुट्ठी को उठाया हाबिल को चुप रहने के लिए इशारा किया।

हाबिल ने आग्रहपूर्वक बोलना जारी रखा। “हे मेरे भाई! मैं इन कुछ सांसारिक जीवन के दिन के अस्थायी दर्द, भय और गरीबी और नफरत से नहीं डरता! तुम जो मेरे साथ करना चाहते हो वही करो क्योंकि मुझे केवल परवाह है मेरी अनंत काल और मेरे बाद के जीवन के बारे में। अरे भाई! मुझे इस छोटा से जीवन की परवाह नहीं है! मैं मृत्यु से नहीं डरता क्योंकि यह एकमात्र बाधा है मेरे और मेरे परोपकारी ईश्वर के प्रतिफल और प्रेम के बीच!”

"चुप रहो, मैंने कहा!" कैन चिल्लाया।

“अरे भाई!” हाबिल पीड़ा में फुसफुसाया। “कितना भी दर्द और बदमाशी और नफरत मैं तुम्हारे हाथों सहूंगा, मेरा भगवान मुझे बदला देगा! और मैं तुम्हें माफ कर दूंगा क्योंकि वास्तव में,
दूसरों को क्षमा करने से मेरे प्रभु सबसे अधिक प्रसन्न होंगे, जैसा वह प्रेम करते हैं यहाँ तक कि उसकी सबसे पापी रचना से भी , और अन्याय सहने वाला और उत्पीड़ित व्यक्ति की क्षमा भी हमारे भगवान को सबसे अधिक प्रसन्न करती है क्योंकि वह उत्पीड़ित की और से क्षमा नहीं कर सकता! जब असहाय लोग अत्याचारियों को क्षमा कर देते हैं, तो ईश्वर उसकी रचना में पापियों को क्षमा करना आसान पाता है! यह जान लो , हे मेरे भाई! भगवान हमसे प्यार करते हैं और हमारी आराधना करते हैं, इसलिए पाप करके उसके स्नेह को धोखा न दो! क्या तुम्हें याद नहीं कैसे सर्वशक्तिमान भगवान ने हमारे पिता को मिट्टी से बनाया, और सौम्य देवदूत और प्रतिष्ठित महादूत आनन्दित हुए और जिसके सामने सभी छिपे हुए लोग और सभी देवदूत को प्रणाम करने का आदेश दिया गया!”

आदम के पुत्रों ने क्षण भर के लिए पेड़ की छाया में विश्राम किया , और पहाड़ की तलहटी की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। “ओ भाई!" हाबिल ने कैन को सम्बोधित किया। “इस दुनिया में जो हर दर्द सहना पड़ेगा को भगवान द्वारा अनंत काल की खुशियों और मोक्ष से पुरस्कृत किया जाएगा। हम कृतघ्न और अहंकारी हैं, मेरे भाई! दरअसल, हम अपने भगवान के प्रति कृतघ्न हैं और इसलिए सोचते हैं इस जीवन में हम जो कुछ दिन बिताते हैं, हम अछूत बन जाते हैं! ओह, हम यह कैसे भूल जाते हैं कि मृत्यु और अनंत काल का अस्तित्व जल्दी आयेगा और हमें नष्ट कर देगा और हमारे शरीरों को सड़ने के लिए ले जायेगा और हमारी कमाई नष्ट हो जाएगी , हमारे प्रियजन हमें भूल जायेंगे, और वह जीवन ही जिसमें हम इतने घृणित पाप में लिप्त थे और

अहंकारी उत्पीड़न, एक कड़वे सपने की तरह दूर हो रहा है! ओ, शैतान मानव जाति की प्रगति में प्रत्येक मानव पाप को निर्बाध बनाने की योजना बना रहा है ताकि वे सभी अविश्वासियों के रूप में मर सकें। इसलिए, शैतान की निंदा करें और शैतान पर विश्वास और घोर अंधविश्वासन करें।"

आगे की पहाड़ी को पत्तों से चित्रित किया गया था जब भाई दृढ़ कदमों से चल रहे थे । सूरज के पूरी तरह से ख़त्म हो जाने के बाद, वे पहले मैदानी इलाकों तक पहुंचने की उम्मीद में हल्के कदमों से आगे बढ़े घाटी में अंधेरा छा गया। "कैन! हर तरह से, जिससे तुम्हे नफरत करनी है उससे करो , परन्तु यह जान लो कि जिस से तुम घृणा करते हो मर जायेंगे, सड़ जायेंगे और जल जायेंगे! तुम जिससे प्यार करना चाहते हो उससे प्यार करो और दुनिया अंततः प्रेमी और प्रेमिका दोनों को नष्ट कर देगी ,प्रिय और वे दोनों सड़ जायेंगे और मर जायेंगे और फिर वे मर जायेंगे और उन्हें अपने किये पापों के लिये अनन्त दण्ड भोगना पड़ेगा। और यदि वे घृणा और यातना चारों ओर से आये तब भी धर्मी बने रहे , तब परमेश्वर उत्पीड़ितों को प्रतिफल देगा और अनंत काल तक नफरत और दर्द के शिकार को ऐसा जीवन मिलेगा जहा धन और खुशी और सम्मान जिसका कोई अंत नहीं है और ऐसा स्वर्ग जिसकी कोई मृत्यु नहीं। मैं तुमसे विनती करता हूं कि तुम शैतान के मर्मिडों की बुरी फुसफुसाहट का पालन न करें। भविष्यवक्ता और दूत के समर्थक याद दिलाने के लिए इस धरती पर आएंगे की मानव जाति को शैतान द्वारा आसन्न खतरे का सामना करना पड़ सकता है जो कि हमारे पिता का शत्रु था। अरे भाई! जुनून, प्यार, वासना नफरत, क्रोध, प्रतिशोध, ईर्ष्या, अहंकार, अहं और क्रोध ये सब शैतान के हथियार हैं जिनका उपयोग वह हमें मृत्यु की सच्चाई से अंधा करने के लिए करता है और हमें ईश्वर के प्रेम से अंधा कर देता है और हमें हमारा अनंत काल और उसके बाद के जीवन के बारे में भूला देता है।"

भाषण देने की अपनी क्षमता पूरी तरह समाप्त होने के बाद हाबिल रुक गया। तब,कैन की चमकती आँखों पर दुःख भरी दृष्टि डालते हुए उसने आगे कहा। "हे कैन! राग, वासना, द्वेष, पागलपन अभिमान और इंसानों की भक्ति एक हथियार है जिसे शैतान हमसे पाप करवाने के लिए इस्तेमाल करता है, हम अन्य सभी को पाप कराते हैं, इसलिए हम अपना शाश्वत जीवन नष्ट करते हैं और ईश्वर को हमसे इतना नाराज करते है कि हमारे लिए कोई माफ़ी का मौका ही नहीं बचता। और केवल तभी जब मृत्यु आमने-सामने आयेगी हम जानेंगे कैसे हमारा अस्थायी जीवन नफरत, जुनून और वासना की गुलामी से हमने अपनी अनंत काल को नष्ट कर दिया है , लेकिन वास्तव में, तब बहुत देर हो जाएगी! एक बार मौत हमारे दरवाजे पर आती है, एक बार परलोक के द्वार आते हैं, हम कभी वापस नहीं लौट सकते! एक बार जब हम मरते है तो हमारी मुक्ति का मौका चला जाएगा, और पश्चाताप के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो जाएगे और भगवान अब और हमारी विनती नहीं सुनेंगे!

भाई अब सावधानी पहाड़ से नीचे उतर रहे थे, चांदनी की हल्की सी चमक के नीचे चट्टानों के चारों ओर घूम रही थी , जो एक निगरानीदार गोले की तरह अनंत आकाश में लटकी हुई थी।

"ओह, मेरे भाई कैन! तुम अपने ईश्वर की अवज्ञा कैसे कर सकते हैं? आत्मा, तुम्हारे हृदय का स्वामी, और तुम्हारे शरीर का निर्माता जबकि उसने हमें केवल शुद्ध और अच्छे बने रहने के लिए ही बनाया है हम उस स्वर्ग में लौट सकते हैं जहाँ हमारे पिता और माँ को बाहर निकाल दिया गया था क्योंकि उन्होंने अपने प्रभु की भावनाओं को ठेस पहुंचाई और उसकी अवज्ञा की?" इतना कहने पर हाबिल ने अंतिम नियम के चौथे अध्याय से कई पंक्तियाँ पढ़ीं , जो उसने अपने विद्वान पिता से सीखा। "हे मनुष्यों! अपने रब से डरो, जो

उस ने तुम्हें एक पुरूष से उत्पन्न किया, और उस से उसकी पत्नी उत्पन्न की, और इन दोनों से बहुत से पुरुष और औरते दुनिया में फैल गए। और तुम उस परमेश्वर से डरो, जिस के नाम से तुम आपस में उपकार मांगते हो , और उन गर्भों का आदर करो जिन्होंने तुम्हें जन्म दिया है। सचमुच ईश्वर आप पर ध्यान रख रहा है!" अपने पाठ को रोककर, हाबिल मुड़ा उसने अपने भाई से प्रार्थना की, “हे कैन! हमारे पिता आदम हैं,जिन्हें मानव जाति के पिता के रूप में भी जाना जाएगा। हमारे पिता को भगवान के हाथ से बनाया गया था जिसने अपनी आत्मा उसमे डाल दी और जिसने फ़रिश्तों को उसके सामने सजदा कराया । दरअसल, भगवान ने हमें चुना और हमसे प्यार किया, और उन्होंने हमारे पिता को सब कुछ के नाम सिखाया, और उन्हें और हमारी माँ को बनाया उसके विस्तृत स्वर्ग में निवास कराया। आप इतने महान वंश के होते हुए तुम अपनी बहन के प्रती वासना को संतुष्ट करने के लिए इतने जुनूनी कैसे हो सकते हो जिसके लिए भगवान ने तुम्हे मना किया था?”

हाबिल ने अब तक कैन की रूकावटो को धैर्यपूर्वक समझा , लेकिन इससे हाबिल अप्रसन्न नहीं हुआ, क्योंकि उसे एक वक्ता के रूप में ताज नहीं चाहिए था , और न ही वह ऐसा चाहता था की अपने प्रिय भाई को परामर्श देने के लिए उसकी प्रशंसा हो।

फिर उसने अपने भाषण में विनम्र और सुखद बने रहने की आशा करते हुए उसी नाजुक विषय पर फिर से बोलना शुरू किया। "अरे भाई!" हाबिल चिल्लाया । “शैतान को अपने जुनून का इस्तेमाल आपको अंधा करने के लिए न करने दें! उसे हर चीज़ के लिए भगवान को दोषी ठहराने के लिए अपने क्रोध का उपयोग न करने दें जो वह आदमी आदमी से करता है! शैतान को अपने दर्द क्रोध और अभिमान का उपयोग न करने दें उस ईश्वर से घृणा करने जिसने तुम्हें बनाया, खिलाया, तुम्हे स्वस्थ रखा और आपके द्वारा सहे गए सभी दर्द का बदले एक स्वर्गीय स्वर्ग को शाश्वत बना दिया है! सचमुच, वहाँ एक अरब आत्माएं होंगी जो

भगवान की पूजा करेंगी और असहाय लोगो को बचाएंगी और पापरहित रहेंगी और उपासकों का सम्मान करेंगी ईश्वर का और ईश्वर के सच्चे धर्म के सम्मान की रक्षा करेंगी । सचमुच,वे सफल होंगे! बहुत जल्द हम सब मर जायेंगे और देखो, परमेश्वर ने उन्हें क्या आशीष दीया, और हम भी देखेंगे उन लोगों को देखें जिन्होंने परमेश्वर के धर्म का अनादर किया, उसके धर्म और अस्तित्व को अस्वीकार किया, और उनके उपासकों का अपमान किया और उन्हें चोट पहुंचाई और अन्य मनुष्यों से पाप कराया, शीघ्र ही हम देखेंगे कि अनन्त विनाश उनपर हावी हो जायेगा। उनकी पापपूर्ण अभिलाषाएँ समाप्त हो जाएँगी! वहां उन्हें कोई मददगार या दोस्त नहीं मिलेगा! उनके सारे पाप दुनिया और के सामने उजागर किया जाएगा परमेश्वर के सभी पैगम्बरों की मध्यस्थता करने की शक्ति और मानवजाति स्वर्ग की ओर अनुरक्षण का विशेषाधिकार होगा, देखेगी कि वे वासनापूर्ण पापी कितने बुरे हैं थे, और वास्तव में, हर कोई उन्हें केवल दूर कर देगा नरक उनका शाश्वत निवास होगा।

“हे मेरे भाई! क्या आप जानते हैं कि अन्यायी पापी कैसे चिल्लाएंगे और रोएंगे और विलाप करेंगे और इन कुछ दिनों के जीवन के कार्यों पर पछतावा करेंगे ? क्या आप जानते हैं कि वे कितनी बेसब्री से इस दुनिया में आधे दिन के लिए भी वापस लौटना चाहेंगे, ताकि उनकी अनंत काल के लिए वे कुछ अच्छा कर सकें, क्योंकि वे देखेंगे कि उनका सांसारिक प्रयास सब कुछ कितना बेकार है जब उन्होंने मानव जाति को गुमराह करने की कोशिश की और उनसे पाप करवाये । वे देखेंगे कि वे कैसे उन्होंने जिन्हें पाप करने और व्यभिचार करने के लिए मजबूर किया था, अनन्त दण्ड में गुमराह करने के लिए नरक में वे उन्हें पीटेंगे और यातना देंगे! वे लोग पापी से गुमराह होने का बदला लेंगे , और अपराधियों और पापियों के बीच अग्रणी होंगे पापियों के क्रोध का सामना करेंगे और वे पछताएंगे और पागलपन से भीख मांगेंगे इस जीवन में वापस लौटने के लिए, भले ही केवल कुछ गिने हुए दिनो के लिए हो । लेकिन कोई भी भीख उन्हें वापस नहीं लाएगी यहाँ जहा वे इस जीवन को

अब हल्के में लेते हैं! कितना भी पछतावा उनके समय को पीछे नहीं ले जा सकता है अपने प्रेमियों और मित्रों को कितना भी कोसे उनका नरक कम दर्दनाकनहीं हो सकता और जिन लोगों को उन्होंने पथभ्रष्ट किया और सहायता दी, वे सब पाप करते हैं उन्हें अंतहीन रूप से दोषी ठहराएंगे, बिना किसी दंड के उन्हें शाप देंगे, और उन्हें अनंत काल तक मारेंगे और यातना देंगे।" हाबिल रुक गया। वह अब पहाड़ की चोटी पर खड़ा होकर चांदनी से चमक का अवलोकन कर रहा था। दूर झील फीकी रोशनी परावर्तित हो रही थी, चौकीदार की तरह चमकती हुई। अपने भाई को संबोधित करते हुए,हाबिल नए जोश के साथ बोला। "हे मेरे भाई! होश में आओ ! अपनी नफरत और गुस्से को इश्वर की अज्ञाओ के प्रती अँधा मत बनाने दो ! मानव वासना के लिए अपनी गुलामी तुम एक पागल गुलाम मत बनो और अंधा क्रोधी कुत्ता हो जाओ जो किसी को भी मार डालेगा एक मालिक के लिए जिसे उसकी कोई परवाह नहीं है!"

दोनों भाइयों ने जोरदार बहस की और कैन ने बहस जारी रखी इस बात पर जोर देते हुए कि उसे अपनी जुड़वां बहन से शादी करने का अधिकार होना चाहिए। हाबिल ने उससे अपनी वासना और अवैध इच्छाओं पर नियंत्रण रखने की विनती की, लेकिन हाबिल जितना अधिक गिड़गिड़ाता, कैन उतना ही क्रोधित होता जाता।

इस बीच, आदम ने अपने लड़कों और के बीच मध्यस्थता करने की कोशिश की हाबिल और कैन दोनों को सर्वशक्तिमान ईश्वर के लिए बलिदान चढ़ाने का आदेश दिया। उन्हें अच्छी गुणवत्ता और मध्यम मूल्य का सामान देने का निर्देश दिया गया ताकि उनके प्रभु, जिन्होंने उन्हें धन और स्वास्थ्य के साथ सुसज्जित किया, देख सकते हैं कि वे आभारी थे।

हाबिल अपने पिता की आज्ञाओं का पालन करने के लिए सहमत हो गया, और उसने अंतिम नियम का चौथा अध्याय का पाठ किया, जिसमें कहा गया है: “और अनाथों को उनकी संपत्ति दे दो; अपनी वस्तुएँ बेकार नहीं उनके लिये बहुमूल्य बनाओ, और उनकी संपत्ति को अपने साथ जोड़कर न खाओ; क्योंकि यह बहुत बड़ा अपराध है !"

आदम को स्वर्ग से धरती पर अवतरित हुए कई वर्ष हो गए थे, और उसे एक विशेष आदेश याद आया जो भगवान ने उसे दिया था। अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार उन्हें तीर्थयात्रा करने का निर्देश दिया गया था। आदम ने उस पवित्र कार्य को करने का निर्णय लिया, तीर्थयात्रा की और अपनी लंबी यात्रा की तैयारी की। दरअसल, उसे पैदल ही चलना होगा और पृथ्वी का सफर आधा तय करना होगा, जिसमे वर्षों नहीं तो कई महीने लग सकते हैं। अपनी प्यारी पत्नी की विदाई देते हुए, आदम को उसके बाकी बच्चो की चिंता होने लगी। उसने सोचा कि उनका उसकी अनुपस्थिति में कैसे होगा ? उनकी देखभाल कौन करेगा? क्या वे अपने प्रभु की आज्ञाएँ याद रख पाएंगे? ओह, उसे अपने परिवार को किसी भरोसेमंद व्यक्ति को सौंपना चाहिए आदम ने सोचा, लेकिन यह कौन होगा!

जाने से पहले, आदम ने अपने बच्चों के मामलों को ऊपर के आसमान तक सौंपने का एक कमजोर प्रयास किया, और उन्हें इसकी आशा थी स्वर्ग व्यक्तिगत रूप से उनकी देखभाल करेगा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। अंत में, आदम पृथ्वी से बात करने गया और उनसे पूछा कि क्या
वे उसके सभी बच्चों की देखभाल की ज़िम्मेदारी ले सकते थे यह सुनिश्चित करने की उसके बच्चे ज़िम्मेदारी निभाये, लेकिन पृथ्वी ने भी मना कर दिया, क्योंकि उसे इतना बड़ा बोझ उठाने की इच्छा नहीं थी । फिर आदम पहाड़ों के पास गया और उनसे उसके परिवार के देखरेख की जिम्मेदारी लेने को कहा, लेकिन उन्होंने माफी की भीख मांगी।

आदम लौटा, और अपने बेटों से पूछा कि उसके तीर्थयात्रा से वापस आने तक क्या उनमें से कोई परिवार के कल्याण की पूरी जिम्मेदारी लें सकता है, और कैन ने तुरंत स्वेच्छा से काम किया। उसने घोषणा की कि वह हाबिल और उसकी बहनो की देखभाल करने में पूरी तरह सक्षम है। इसके बाद, आदम रेगिस्तानी भूमि पर अपनी लंबी यात्रा पर निकल पड़ा जिसे ईश्वर ने सभी विश्वासियों के लिए तीर्थयात्रा वार्षिक स्थान के रूप में चुना था।

आदम के तीर्थयात्रा के लिए प्रस्थान करने के कुछ दिन बाद, हाबिल और कैन ने भगवान को दान के बदले में अपनी संपत्ति की पेशकश करने की तयारी की। हाबिल एक होशियार युवा था, वह ईश्वर से प्रेम करता था और एक धर्मी जीवन जीना चाहता था। उसने एक मजबूत और स्वस्थ बकरी की पेशकश की और भगवान के नाम के साथ दर्द रहित रूप से उसे मार डाला। लेकिन कैन महत्वाकांक्षी युवा था , जो खेती और उसकी फसल काटने का आनंद लेता था। उसने उसके सारे मक्के और अनाज को एक बड़े ढेर में इकट्ठा किया और केवल सड़ा हुआ अनाज ही दान में देने के लिए चुना। बर्बाद अनाज को इकट्ठा करके , कैन ने अपने फफूंद लगे प्रसाद को अपने भाई के बकरी के पास रखा और वे आशा में पहाड़ी के पास प्रतीक्षा कर रहे थे की अग्नि उनके उपहारों का उपभोग करें। जल्द ही, आग स्वर्ग से नीचे उतरी और हाबिल का बकरा तो ले लिया, परन्तु कैन का सडा हुआ अनाज नहीं लिया ।

कैन क्रोधित हो गया क्योंकि उसका बलिदान अस्वीकार कर दिया गया था वह चिल्लाया और अपने भाई को पीटा। "मैं तुम्हें मार डालूँगा!" वह हाबिल पर बार-बार चिल्लाया। “अगर तुमने मुझे मेरी बहन से शादी करने से रोकने की कोशिश की तो मैं तुम्हारी हत्या कर दूँगा! तुम्हारा बलिदान क्यों स्वीकार किया गया जबकि मेरा अस्वीकार कर दीया गया?”

हाबिल अपने भाई को और अधिक नाराज़ नहीं करना चाहता था, इसलिए उसने केवल यह कहा, "वास्तव में, अल्लाह केवल उन लोगों को स्वीकार करता है जो भगवान से डरते हैं।"

यह शैतान ही था जिसने कैनाइल को यौन स्वतंत्रतावाद में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया, और भगवान की ओर जाने वाले पोर्टल को बंद कर दिया। उसने कैन और हाबिल को तब तक झगड़ने के लिए उकसाया जब तक कि एक ने दुसरे को मार नहीं डाला। व्यक्तिगत अनुभव की बात कहू तो , अज़ाज़ेल के पोते ने ध्यान से देखा कि दोनों भाई कैसे लड़े और वे अपनी मानवीय प्रवृत्ति पर हावी हो गए।

अज़ाज़ेल का एक बेटा था, लोकी, जिसका बेटा हेम एक बुद्धिमान प्राणी था। जब अज़ाज़ेल साजिश रच रहा था तो उसने पृथ्वी पर कई बच्चों को जन्म दिया और उसके अनेक बच्चों के बीच आदम के शासन को उखाड़ फेंकने के लिए , लोकी का परिवार सबसे बड़ा था। उनके कई बेटे थे और हेम उनमें से एक था।

हेम एक विशेष व्यक्ति था, और अज़ाज़ेल ने इस पोते की बुद्धिमत्ता और दूरदर्शिता प्रशंसा करता था । दरअसल, अज़ाज़ेल ने हेम को इंसानों के बारे में सभी तरकीबें और रहस्य सिखाए और मानव जाति से पाप करवाकर उसके दिल को नष्ट करने के लिए उसे प्रोत्साहित किया, और इस आज्ञा का पालन हेम ने सबसे अधिक तत्परता से किया। हालाँकि, हेम का इकलौता बेटा हाम, एक धर्मपरायण छिपा हुआ व्यक्ति था जिसने ईश्वर में विश्वास करना चुना और पैगंबर इब्राहीम से मुलाकात के बाद एकेश्वरवाद का धर्म में परिवर्तित हो गया।

हैम केवल एक बच्चा था जब कैन और हाबिल ने एक दुसरे की हत्या कर दी, और वह वासना की चीज पर प्रियजन का खून बहता देखकर

परेशान हो गया। दुर्भाग्यपूर्ण हत्या देखने के बाद से , उसने ईश्वर में विश्वास करने का दृढ़ इरादा बना लिया और उन सभी पवित्र दूतों का आज्ञापालन करने की ठानी जो इस भूमिपर अवतरित होने वाले थे। हालाँकि हाम को अपने परदादा के बारे में जानकर दुःख हुआ वह कोई और नहीं बल्कि शैतान अज़ाज़ेल था, उसने अपने पूर्वजों के कार्यों को अस्वीकार कर दिया और भगवान की पूजा करने और पैगम्बर और प्रेरित का सम्मान करने की कोशिश की। चूँकि छुपे हुए लोगों की उम्र अवधि लंबी थी , हाम का हजारों वर्षों तक जीवित रहना नियति था इसलिए वह परमेश्वर के कई दूतों से मिलने में सक्षम था। इब्राहीम के समय से, हाम ने उन्हें भविष्यवक्ता जो पृथ्वी पर प्रकट हुआ परिचित बनाया, और अंत यीशु के पास आया, और उसका अनुयायी बनने की हार्दिक इच्छा व्यक्त की। लेकिन पैगंबर यीशु ने हाम से कहा कि वह कुछ देर और इंतजार करे ईश्वर का अंतिम दूत जो अरब से प्रकट होगा और संपूर्ण मानवता को सहायता और खुशी की ओर मार्गदर्शन करेंगा।

यह हैम ने खुशी के साथ किया, और अपना पूरा जीवन ध्यान करते हुए बिताया और ब्रह्मांड के भगवान से प्रार्थना करते हुए बिताया । भले ही हाम आग के साथ बनाया गया था , और छुपे हुए लोगों की जाति का था, वह अपने परदादा के कार्यों से बहुत शर्मिंदा थे और अक्सर आदम के बेटे की हत्या को याद करता था, जो पहली बार इस धरती पर कभी किसी इंसान ने खून बहाया था ।

हाम भाइयों के बीच मनहूस घड़ी से पहले हुई बातचीत को याद करेगा।

शैतान ने मनुष्यों को पाप करने और व्यभिचार करने में सक्षम बनाया उनमें लालच और आक्रोश बढ़ गया। आख़िरकार जब उसने देखा कैन और हाबिल झगड़ रहे थे, शैतान का आनन्द बढ़ गया वह पागलों की तरह इधर-उधर उछल रहा था और अपनी मुट्ठियाँ आकाश की और हिलाते हुए चिल्ला रहा था। "मेरे नाथ!" शैतान ने विनती की। “और कितना पाप

आप उन्हें करते हुए देखना चाहते है अपनी गलती स्वीकार करने से पहले उनकी स्थिति को जानवरों से निम्न स्तर की रचना में गिरा देना चाहते है , मुझे आपकी रचना में सबसे ऊंचे पद पर पहुंचाने से पहले ? कितनी अधिक घिनौनी और अनैतिक बीमारी और भ्रष्टता की सच्चाई आपको देखना होगा ये समझने के लिए की ये अछूत चीजें कितनी बीमार और घृणित और नीच हैं?
निश्चय ही, तुम जानते हो कि मनुष्य में कोई वासना, लालच और कृतघ्नता के सिवा और कोई भलाई नहीं है।"

एक देवदूत ने यह बड़बड़ाहट सुनी और घोषणा की। "हे दुर्भावनापूर्ण शैतान! ईश्वर इंसानों से प्यार करता है और बदले में वे भी उससे प्यार करते हैं। वास्तव में,ईश्वर उनसे कभी यह नहीं कहता कि वे उसकी आराधना करें और न ही उनसे प्रेम माँगता है! लो! उसे इसकी आवश्यकता भी नहीं है, और यद्यपि वह इसके लिए कभी भीख नहीं मांगता वह मानव जाति से सबसे अधिक प्यार करता है और अगर लोग उसे बुलाते हैं तो उसे उसके लिए बहुत खुशी होती है। लेकिन मनुष्य और ईश्वर के बीच का रिश्ता कोई लेन-देन नहीं है! हालाँकि वह किसी भी चीज़ से ज़्यादा अन्यथा ब्रह्मांड में उनका प्यार चाहता है, और हे शैतान, यदि तुम देखोगे कि वह कैसे पापियों का इंतजार करता है कि वे उसे एक बार बुलाएं, और एक बार पश्चाताप से उसकी ओर मुड़ें! ओह, शैतान, अगर तुमने देखा कि भगवान उनसे कितना प्यार करते हैं, तो यह तुम्हारा क्रूर हृदय भी टूट जायेगा और तुम रोओगे!"

शैतान स्वर्गदूतों पर टूट पड़ा। "वे घृणित मनुष्य स्वार्थी और क्रूर हैं और वे केवल अपनी परवाह करते हैं। यदि मैं उन्हें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहन दूं तो वे मेरी आराधना करेंगे और जंगली सूअरों की तरह व्यभिचार करेंगे!"

“ओह, दुष्ट शैतान! क्या आप जानते हैं भगवान ने मानव जाति आपके राक्षसी प्रकार उपर क्यों पसंद किया? क्योंकि जब वह परीक्षण करता है मनुष्य, वे अब भी उससे प्रेम करते हैं; क्योंकि हर दर्द के साथ और जो कष्ट उन पर पड़ता है, फिर भी वे उसे कभी शाप नहीं देते उसे कभी जाने नहीं देता और कभी उसका इन्कार नहीं करता और कभी पिछले आशीर्वाद के बारे में नहीं भूलता। हे शैतान! यदि आप देख सकें कि कैसे ईश्वर मिट्टी से बने मनुष्यों से अत्यंत प्रेम करता है, और वह स्वर्ग से उन्हें ऐसे प्रेम से देखता है कि सारे तारे और आग जल उठेंगे ! क्या आप जानते हैं कि वह किस उनके बारे में कैसे बात करते हैं और स्वर्गदूतों की संगति में उनके नाम का उल्लेख कैसे करते हैं? वास्तव में, भगवान हमसे कहते हैं, 'किसी किसी का , मैंने उसके और उसके बच्चे को ले लिया और फिर भी उन्होंने मुझ पर क्रोध नहीं किया और उन्होंने शाप नहीं दिया
उन्होंने मुझसे नफरत नहीं की क्योंकि वे इंसान मुझे जानते थे की अब भी उनसे प्यार करता हूँ!

उन्हें मुझ पर भरोसा था! वे जानते थे कि मैं उन्हें पुरस्कृत करूंगा। हे देवदूतों! गवाह रहो कि मैं उनसे प्रेम करता हूँ!' अर्थात् हमारा पराक्रमी और दयालु परमेश्वर उनसे कितना प्रेम करता है! भगवान उनके लिए स्वर्ग की अनंत काल की तैयारी करते हैं, और कैसे उनके बच्चों की प्यार से देखभाल करते हैं तब तक जब तक वे दोबारा माता-पिता जो सांसारिक जीवन की एक संक्षिप्त अवधि दर्द सहने के बाद आते हैं उनसे नहीं मिलते ! ओह, वह कैसा स्नेह है, जिससे ईश्वर उनसे प्रेम करता है! हे वह कैसा प्रेम जो समझ या मानवीय धारणाओं से इतना परे है! ओह, शैतान! यदि तुमने परमेश्वर का मनुष्यों के प्रति प्रेम देखा
और जो स्त्रियाँ कष्ट सहती हैं फिर भी उसे जाने नहीं देतीं, जिनके पास सांसारिक आशीर्वाद है और फिर भी उससे प्यार करता है और उसकी पूजा करता है, वास्तव में तो हे शैतान, तू क्रोध से जलकर झुलस जाता

और निराशा से अपना चेहरा खारोचता! तुम संभवतः कैसे भगवान का प्यार से जीत सकते हो , हे शैतान? तुम मनुष्य को ईश्वर से घृणा कैसे करवा सकते हैं? तुम उनके भगवान को उनसे प्यार करना कैसे बंद कर सकते हो?!सचमुच, तुम ऐसा नहीं कर सकते, चाहे तुम कोई भी चालें चलो!”

इस बीच, हाबिल ने अपने भाई को सज्जनता से सलाह दी। "ओह, भाई! क्या इससे आपको ज़रा भी अपराधबोध महसूस नहीं होता जब आप केवल मनुष्यों के प्रेम और पूजा आदि के बारे में सोचते हैं और इंसानों के लिए रोते है ? जबकि तुम्हारा भगवान सिर्फ तुम्हारे बारे में सोचता है, और दिन-रात आपका इंतजार कर रहा है, और आशा करता है कि आप उसके पास वापस आएंगे?"

उन्होंने आगे कहा, "वास्तव में, हे कैन, इस दुनिया में जीवन एक ठंडा झूठ है,और मानव जाति का यह सोचना मूर्खतापूर्ण होगी कि वे सोएंगे और
हर दिन सुबह उठेंगे! हमारे जीवन में एक भी दिन न आये जहां आपकी खुशी हमारे प्रती गुस्से में बदल जाएगी! हे इस संसार में जीवन कितना अस्थायी है! हम खा सकते हैं लेकिन नहीं क्या पता भोजन मिलने से पहले ही उसकी मृत्यु हो जाये! हे मानव जाति कैसे पाप कर सकती है और सोच सकती है कि उसका प्रभु उससे शाश्वत पारिश्रमिक नहीं मांगेगा!”

जब वह अपने भाई से बात कर रहा था तो परिदृश्य पर गहरी धुंध छा गई,और स्वर्ग से एक संकेत या आशा की किरण खोजने की आशा में, पन्ना की पहाड़ियों पर चिंतित होकर नज़र डालने लगा! उसका दिल उदासी से भारी हो गया, धर्मी भाई फूट-फूट कर रोने लगा, जैसे घायल जानवर कराह रहा हो। “ओह, यह भयानक पाप! क्या हम बर्बाद हो जायेंगे

एक दुखद जीवन में जहां पापी वासना में लिप्त होते हैं, और अपने प्रियजनों को चोट पहुंचाते हैं? क्या यह हमारा भाग्य हो सकता है कि हम अपने ईश्वर की अवज्ञा करें और अपने पिता का अनादर करें, जब तक वह अवसाद और निराशा में टूट नहीं जाते और मर जाते है? हे मेरे अपने सगे भाई! हम आदम के बेटे हैं! हमारे पिता ने हमें पाप करने के खतरे सिखाये हैं! तुम्हारा मन इतना संवेदनहीन हो जाता है कि तुम प्रेम के झूठ पर विश्वास करने लगते हो उसी तरह जैसे एक बच्चा परियों की कहानियों में विश्वास करता है और उन पर विचार करता है की यह जादुई कहानियाँ सच होंगी?

"मेरा भाई! क्या तुम्हारा दिमाग और तुम्हारी बुद्धि इतनी कुंठित हो गयी है
इतना कम हो गया है कि तुम मानवीय वासना और प्रेम के झूठ और भ्रष्टता में विश्वास करते हैं?"

हाबिल जीवंत भूरी आँखों वाला और अप्रतिरोध्य युवक था। एक बच्चे की मुस्कान, जो उसे अपने पिता से विरासत में मिली प्रतीत होती है। आदम अपने बेटों से बेहद प्यार करता था जबकि हव्वा अपने दोनों सुंदर और आकर्षक बेटियाँ से बेहद प्यार करती थी। हाबिल और कैन दोनों अच्छे स्वभाव का युवक थे , जिन्होंने अपने माता-पिता का सम्मान किया। आदम को उम्मीद थी कि उसके बेटे इस भूमि में स्थायी शांति को बनाए रखेंगे। अब, उसे यह देखने की सजा मिल गई के सके दो बेटे एक महिला की वासना को लेकर झगड़ रहे थे। जब उसने हाबिल को कैन से विनती करते सुना तो उसका हृदय टूट गया।

"ओह, मेरे भाई!" हाबिल सिसकने लगा। "मौत आएगी! हे कैन!मृत्यु किसी भी मिनट, किसी भी सेकंड और किसी भी समय बिना चेतावनी के आ जायेगी! जब मौत का साया उतरेगा, तो तुम्हारा या मेरा इंतज़ार नहीं करेगा!"

हाबिल ने अपने भाई को मनाने की कोशिश की और हताशा में उसने कुछ पंक्तियाँ पढ़ी :

"इतनी गुपचुप तरीके से प्यार कैसे बदल सकता है,
एक जानवर से लेकर सबसे निस्वार्थ आदमी,
जब स्वार्थी स्वभाव अनुरूप हो सकते हैं,
और आदमी मारने और लूटने को तैयार है?
हे प्रेम, तुम कभी भी दया की अनुमति नहीं देते,
पुरुषों के दिल में आराम करने के लिए,
जब तुम गुप्त रूप से उनका तिरस्कार करते हो,
और उन्हें फिर से वासना का गुलाम बनाओ!
ओ प्रिये! तुम मनुष्य को उसके प्रभु के विरुद्ध कैसे कर देते हो,
उसे स्वर्ग के आदेशों की अवज्ञा करना,
धोखेबाज़ वचन से प्रेमियों को धोखा देना,
सदैव क्षमा किये जाने के अवसर से!
उस मोड़ को याद मत करो,
जब सूरज की रोशनी ख़त्म हो जाएगी,
और चाँद और तारे टूट जाते हैं,
और प्यार अपना झूठ साबित कर देगा!
ओ प्रिये! आप लोगों को संकट के लिए कैसे फुसलाते हैं!
ओह, आप उनकी नश्वर कमजोरियों का उपयोग कैसे करते हैं!
अफ़सोस! आप अपना शिकार बनाने के लिए सबसे कमजोर को चुनते हैं,
अकेलेपन के दिन कमज़ोरों को पकड़ना!
मनुष्य पर आपकी विजय उसे अस्वस्थ बनाती है,
आसपास मौजूद सभी लोगों को तबाह करने वाला और हत्यारा!
तुम स्वार्थी हो, हे प्रिय, जो तुम विधिवत बहकाते हो,
कभी भी धोखेबाज को प्यार की पेशकश न करें!
आप खोजते हैं और मुक्त-जन्मे हृदय का शिकार करते हैं,

जब तक आप स्मार्ट को गुलाम नहीं बना लेते तब तक कर्तव्यनिष्ठा से पीछा करना;
बुद्धिमानों पर बरसते अंतहीन झूठ,
मुग्ध आँखों को दिखा रहे झूठे सपने!
तू उनके हृदयों को घृणित और अंधकारमय बना देता है,
और उनकी आँखों की चिंगारी में केवल दुष्टता ही शेष रहती है!
वादे जो स्वर्ग तक ढेर हो गए,
प्रोत्साहित अय्याशी, अभी भी उम्मीद,
वे पाप क्षमा किये जायेंगे,
और प्यार से दिल आबाद हो जाते हैं!"

तब हाबिल कैन को समझाता रहा। "अरे भाई! जबकि तुम अपने निर्माता की अवज्ञा करो, वह तुम्हारी प्रतीक्षा करता है! जब तुम उसके विरुद्ध पाप करो तो यह जान लो , वह तुम्हारे लिए स्वर्ग सजाता है और कामना करता है के तुम्हे एक दिन पश्चाताप हो और तुम उस परमेश्वर के पास लौट आओ जो किसी भी झूठे मानव हृदय से कहीं अधिक तुमसे प्यार करता है!"

दोनों भाई इत्मीनान से चलते रहे, एक सभ्य बातचीत को बनाए रखने की कोशिश करते रहे और एक नतीजे पर पहुचने तक । वे एक नंगे चट्टानी पहाड़ के बगल से एक खड्ड को पार कर गए जिसके इसके आसपास कोई वनस्पति या पानी नहीं था। हाबिल और कैन सूर्यास्त तक उद्देश्यपूर्ण ढंग से चलते रहे और उन्होंने शाम के लिए। आराम करने का फैसला किया। उन्होंने ऊबड़-खाबड़ पहाड़ पर चढ़कर एक विश्राम क्षेत्र की खोज की, और अंततः उन्हें एक गुफा मिली जो पर्वत के दक्षिण-पूर्वी ढलान पर स्थित थी ।

"अरे भाई!" हाबिल दयालुता से उपदेश देता रहा। "सोचें! जब आप रोते हैं तो वह कौन था जो आप के दु: ख पर नजर रखता है ? वह कौन था

सिवाय तुम्हारे ईश्वर के जो तुम्हारी हर अश्रुपूर्ण प्रार्थना का उत्तर देता है और जब आप उसे हताश अकेलापन और भय बुलाते हैं तो अनंत काल के लिए स्वर्ग में आशीर्वाद और अकल्पनीय इनाम देने की तैयारी करते है ?

कैन जानता था कि शैतान उसका नश्वर शत्रु था जिसने उसके माता-पिता को निषिद्ध वृक्ष का फल खाने के लिए प्रेरित किया था , लेकिन वह अपने छोटे भाई पर इतना क्रोधित था की वह ज्ञानी शैतान से सलाह और सहायता प्राप्त करने के लिए तैयार था।

वह ज्ञान के इस नए टुकड़े से प्रसन्न था जो उसके बुद्धिमान छोटे भाई को पता नहीं था। कैन ने हाबिल के सोने का इंतजार करने का फैसला किया और तब वह अपनी चाल का परीक्षण करेगा। दोपहर के विश्राम के समय, हाबिल ने अपना सिर घास के ढेर पर रखा और सो गया। जब वह सो रहा था, कैन उसके पास आया और उसे हाबिल के सिर पर पत्थर कुचल दिया , लेकिन सोता हुआ भाई आकार और बहुत मजबूत था । वह अचानक उठ बैठा, झटका मारा और उसे रोकने की कोशिश करने लगा और अपनी बाहों से चेहरे को धक् दिया । कैन के जान से मारने की धमकी देने के बाद हाबिल ने अपने भाई की उग्र भावनाओं को शांत करने के लिए शांतिपूर्ण बातें कहने की कोशिश की। अंतिम नियम हाबिल को यह कहते हुए उद्धृत किया गया: “भले ही तुम मुझे मारने की कोशिश करो, मैं निश्चित रूप से तुम्हें मारने की कोशिश नहीं करूंगा। मैं परमेश्वर से डरता हूं, परमेश्वर निर्माण का स्वामी है ।" (द फाइनल टेस्टामेंट, चैप्टर टेबल स्प्रेड, पद्य 28)

वास्तव में, हाबिल हत्यारे कैन से अधिक शक्तिशाली था, लेकिन उसने अपने भाई को मारने के लिए उस पर हाथ उठाने से उसकी धर्मपरायणता के लिए इनकार कर दिया। वह ईश्वर से डरता था और स्वर्ग की सभी आज्ञाओं का पालन करता था । हाबिल जानता था कि हत्या एक अक्षम्य

पाप है और वह ब्रह्मांड में हत्या करने वाला पहला व्यक्ति नहीं बनना चाहता था ।

हाबिल ने कैन की आँखों में चमकता हुआ गुस्सा देखा और उसके भाई का घृणित कार्य का इरादा पहचान लिया इसलिए उसने अपने भाई की आक्रामकता को रोकने के लिए हाथ उठाया । "ओह, मेरे भाई!" वह रोया। “हम एक ही मांस से आते हैं, और हमारी रगों में एक ही खून बहता है! भले ही तुम मेरे शब्द से नाराज़ हो, अपने क्रोध को नियंत्रित करने का प्रयास करें, जो कुछ भी आप मेरे साथ करते हैं, हालाँकि मेरे पास शरीर और दृढ़ शक्ति है, फिर भी मैं तुमसे लड़ने का इरादा नहीं रखता!”

इस बीच, कैन ने हाबिल को हिंसक तरीके से दबाना जारी रखा,पीड़ित अभी भी हिल रहा था, और डरते हुए, कैन ने उसे मौत तक मारा, जैसा कि उसने जंगली जानवरों को उसके भाई का खेत के भेड़-बकरियों के साथ करते देखा था। हाबिल की दलीलें व्यर्थ थीं। कैन दोगुना नीचे हो गया, उसके ऊपर छलांग लगाई, झपट्टा मारा और हाबिल को मारा, जिससे उसकी तुरन्त मौत हो गई।

कैन तब जोर से सांस ले रहा था, जब वह हाबिल के बेजान शरीर के ऊपर खड़ा था, सोच रहा था कि आगे क्या करना है। सचमुच, शैतान ने उसे सलाह दी और बताया कि मनुष्यों को चट्टान का टुकडे से कठोरता से कैसे मारना है, लेकिन अब जब उसने हाबिल को मार डाला था, तो उसे पता नहीं था के अचल लाश का क्या करें? उसने गुफा के और चोर नज़र से देखा और किसी को नहीं देखा या सुना। वास्तव में, कोई नश्वर नहीं
था जिसे उसकी शर्मनाक हरकत के बारे में पता था। उसने आशा व्यक्त की उसका बुरा काम एक रहस्य रहेगा और इसे छिपाने के लिए एक दरार या गड्ढे की तलाश में अपने भाई की लाश को अपने कंधे पर ले लिया। कई दिनों तक, कैन हाबिल के शव को ठिकाने लगाने के लिए रेत पर

रौंदा और दलदल को पार करने की कोशिश की लेकिन उसे शव को छोड़ने के लिए कोई उपयुक्त जगह नहीं मिली।

पृथ्वी पर पहली हत्या की गई थी, और कैन का मानना था कि नहीं किसी ने उसका अपराध देखा था। वह हाबिल का शरीर छिपाने के लिए उत्सुक था क्युकी यही एकमात्र सबूत था जो उसे हत्या से जोड़ता था। हालाँकि, शैतान पास में ही घूम रहा था और पूरी घटना जबरदस्त खुशी और उत्साह के साथदेख रहा था। जैसे ही कैन ने हाबिल को मारा, शैतान उनके घर की ओर दौड़ पड़ा और माँ और हव्वा से बात की।

शैतान ने उससे कहा, “हे हव्वा! तेरे पुत्र कैन ने हाबिल को मार डाला!"

"मारने का क्या मतलब है?" हव्वा ने पूरी तरह से चकित होकर पूछा। वास्तव में, वे कुछ वर्षों के लिए पृथ्वी पर आए थे, और अब तक किसी नश्वर की मृत्यु हो नहीं हुई थी। हव्वा इस बात से अनभिज्ञ थी कि मृत्यु क्या है या यह कैसे कैसे आती है।

चिंतित माँ को यह समझाने के बजाय कि मृत्यु क्या होती है,शैतान ख़ुशी से चिल्लाया, और अपने ही बालों को उत्तेजना से झटकने लगा। “ओह, आज मेरे लिए खुशी की बात है! आख़िरकार समस्त मानवजाति को नरक की घाटियों में कैसे सड़ाया जाए मैंने खोज लिया है!”

“तुम्हारा क्या मतलब है?" बुजुर्ग महिला ने पूछताछ की।

“आह, हव्वा! क्या तुम नहीं देख सकती ?" शैतान ख़ुशी से चिल्ला उठा उससे रहा नहीं जा रहा था। “मुझे अभी पता चला है कि कैसे मनुष्य से कल्पनीय घिनौने अपराध करवाना है ! सचमुच, मनुष्य एक कमजोर दिल है जो प्यार से भरा है! बेशक, वे प्यार कर सकते हैं! और निःसंदेह, यह उनके प्रेम के कारण ही है कि परमेश्वर ने आदम से इतना अधिक प्रेम

किया और उन्होंने मुझ पर उनके गंदे स्वभाव को प्राथमिकता दी, लेकिन अब मुझे पता चला कि उनकी गंदी खालों की हमेशा के लिए देखभाल कैसे की जाए! मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं उन्हें एक दूसरे को मारने पर मजबूर कर सकता हूँ,लेकिन आज, कैन को एक दुर्गंधयुक्त गन्दी महिला के प्रेम के कारण हाबिल को मारते हुए देखने के बाद, मेरे पास अपना उत्तर है। वे गोबर के सिर वाले मनुष्य इतने मूर्ख हैं कि वे ख़ुशी-ख़ुशी एक पुरुष या एक महिला के प्यार के लिए माता-पिता और भाई-बहन और यहां तक कि अपने ही लोगों की भी हत्या करेंगे ! मेरे लिए खुशी! आज, मैं बच गया हूँ!”

"मैं नहीं देख सकता कि आप इससे कैसे बच सकते हैं!" हव्वा ,शैतान जो जंगली चीखें निकाल रहा था उसे समझने में असमर्थ थी ।

शैतान चिल्लाता रहा और अपने बड़े नंगे पैर इतनी जोर से जमीन पर पटकता रहा, कि धरती हिल गई। “कैसे तुम्हारा बेटा एक औरत के लिए पागल हो गया है, देखने के बाद मैंने मनुष्यों के हृदय में प्रेम उत्पन्न करने का फैसला किया है और उन्हें मानव मांस गन्दी वासना में फँसाऊँगा मैं उन घटिया इंसानों का अकेले होने का इंतजार करूंगा और फिर जब कोई महिला उन्हें देखकर मुस्कुराती है और उनसे प्यार का दिखावा करती है, वो प्यार से पागल हो जायेंगे और नंगे बदन सुअर की तरह व्यभिचार करेंगे। और फिर अगर प्रेमी किसी और के पास जानेकी कोशिश करे तो वो मंदबुद्धि इंसान हर किसी की हत्या करेगा और फसयेगा और यहां तक कि अपने ही भाई या पिता को यातना देगा उसके साथ प्रेमी बदबूदार कीड़ों से भरे इंसान को रखने के लिए! ओह, मुझे उन बदबूदार चीजों को देखने में कितना आनंद आएगा जो कुछ सड़ा हुआ मांस जो कुछ ही दिनों में कीड़े बन जायेगा उस के लिए लाखों की संख्या में एक-दूसरे का कत्लेआम करते हैं!”

“लेकिन,” हव्वा ने टोकते हुए कहा, “मनुष्य वासना के पीछे भागने और अपने ही भाइयों को मारने से तुम्हें क्या हासिल होगा?”

"मुझे क्या मिलेगा!" शैतान चिल्लाया, उत्तेजना से लगभग उसका दम घुट रहा था। “देखो मैंने तुम्हारे बेटे से क्या करवाया? ये प्रेमी और वासना का जाल था जिसने उसे ब्रह्मांड का सबसे बुरा इंसान बना दिया। उसने अपने भाई को, जो उससे दुनिया में सबसे ज्यादा प्रेम करता था, यातना दी और मार डाला ! देखिये प्यार इंसानों से क्या-क्या करवा सकता है? फिर मैं प्रेमियों से प्रेम के लिये सम्पूर्ण राष्ट्रों का वध करवाऊंगा, परन्तु पहले मैं उन्हें धर्म से घृणा और ईश्वर को कोसने वाले,गंदे और अपवित्र बनाऊंगा, अन्यथा वे हाबिल की तरह आस्तिक होकर मर जायेंगे और स्वर्ग में सदैव पवित्र बने रहेंगे! नहीं! मैं कभी अनुमति नहीं दूंगा! आपके पुत्र कैन के पास प्रेमपूर्ण और भावुक हृदय था, जिसने उसे अपनी खूबसूरत बहन के लिए पागल बनना और इसके लिए हाबिल मारना आसान बनाया! सभी बड़े बेटे भावुक लगते हैं, इसलिए मै उन्हें निशाना बनाऊंगा! परन्तु मैं सभी पहले पुत्रों को प्यार का गुलाम बनाना चाहता हूँ और मैं उन्हें इंसानों के प्यार पर विश्वास करने मनाने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करूंगा! तभी तो वो मुर्ख मनुष्य अपनी हवस को संतुष्ट करने के लिए ईश्वर के विरुद्ध विद्रोह करेंगे और अपने ही धर्म को नष्ट करेंगे। मैं उन्हें प्यार में फंसाने के लिए उनके चारों ओर सुन्दर स्त्रियाँ रखूँगा, और अगर मैं देखूं अकेले महिला के साथ व्यभिचार करना उन्हें लाखों स्त्रियों और बच्चों की हत्या करने जितना दुष्ट नहीं बना सकतीं, तो मैं उनकी अच्छी मित्रता बुद्धिमान युवा से कराऊंगा। वे मूर्ख एक युवक उन्हें देखकर मुस्कुराता है, अच्छा व्यवहार करता है,बहुत खुश होंगे । मैं उन्हें समझाऊंगा कि प्यार सच्चा है!”

“भले ही वे मानते हों कि कुछ प्यार वास्तविक है, फिर इससे तुम कैसे प्रभावित होते हो?" हव्वा ने सोचा।

“गंदे इंसानों को दूसरे घृणित मनुष्य के प्यार पर विश्वास करने के लिए समझाना उन्हें परमेश्वर के बारे में और स्वर्गीय भविष्य भूला देंगे । सचमुच, हे हव्वा, मैं नहीं जानता था कि मेरे लिए मानवता को नष्ट करना आसान होगा! मुझे नहीं पता था कि मुझे बस एक युवक को सैकड़ों स्त्रियों के साथ व्यभिचार करावना है,जब तक उसे प्यार नहीं हो जाता। फिर, वह किसी को भी मार डालेगा जो उस महिला को ले जाने की कोशिश करेगा! यदि वह वासनायुक्त मनुष्य महिलाओ में रुचि लेना बंद कर दे, तो मैं उसके सामने एक जवान आदमी लाऊंगा, और वह आदमी के लिए उतना ही पागल हो जाएगा, और फिर धीरे-धीरे,वे प्रेमी परमेश्वर के नियमों और धर्म को नष्ट कर देंगे। वे उन सभी पवित्र ग्रंथों को जला देंगे जो उन्हें अवैध कार्यों और अप्राकृतिक यौन गतिविधियाँमें शामिल होने से रोकते हैं। आख़िरकार, किसी दूसरे आदमी के लिए उसकी तीव्र वासना के कारण, वह प्रेमी सुन्दर स्त्रियाँ के प्रती ईर्ष्यालु हो जाएगा , और यदि उसका प्रेमी किसी सुन्दरी पर दृष्टि डालता है वह उस स्त्री को काठ में जला कर मार डालेगा, और टार में पका देगा। और अगर उसे अभी भी वह आदमी मिल जाए जिससे वह प्यार करता है, जो अन्य महिलाओ का पीछा कर रहा है, तो वह उस देश की सभी महिलाओं को नग्न घूमने के लिए मजबूर करेगा और वेश्या बनायेगा और सूअरों की तरह सडको पर व्यभिचार करेगा। ईमानदार और दयालु पुरुष यदि प्यार में पड़ेंगे तो यही करेंगे! वे उन सभी पुजारियों को जला देंगे जो अवैध व्यभिचार के खिलाफ बोलते हैं। वे अपने परिवार के सदस्यों और छोटे की बच्चे हत्या कर देंगे जो उनके प्रेमी का ध्यान उससे हटाने की कोशिश करते हैं! जब मनुष्य इतने नीच हो जायेंगे और मार-काट करेंगे और अपने प्रेमियों के लिए पूरे शहर को दलाल बना देंगे तो मुझे कितनी खुशी होगी! हे इन मूर्ख इंसानों को कभी पता नहीं चले कि उनके प्रेमी का प्यार झूठा है! ओह कैसे मुझे सख्त ज़रूरत है कि वे प्यार में विश्वास करें! सब कीड़े-मकौड़े से भरे हुए मनुष्यों को यह विश्वास करना चाहिए कि उनके प्रेमियों का प्यार वास्तविक है, अन्यथा मैं नष्ट हो जाउंगा!"

“तुम नष्ट हो जाओगे?” हव्वा ने दोहराया।

“अगर पृथ्वी पर एक व्यक्ति को पता चले कि इंसानों का प्यार झूठा है, तो मेरा जीवन नष्ट हो जायेगा!” शैतान ज़ोर से चिल्लाया। “हाय! यदि वे कभी झूठे मानवीय प्रेम पर अविश्वास करें तो धिक्कार है मुझपर! उनको जरूर पुरुषों और महिलाओं की वासना पर विश्वास करना पडेग, क्योंकि केवल तभी वे सभी नरक में जाने के लिए सहमत होंगे! केवल प्यार में विश्वास करके ही वे ख़ुशी-ख़ुशी वैश्विक नरसंहारों और अमानवीय अपराधों को अंजाम देंगे।”

“इंसान अन्य प्राणियों के झूठे प्रेम में विश्वास कराणे का ये कैसा जुनून है तुम्हारा?

“केवल तभी जब वे गंदे और बदबूदार इंसान अपने प्रेमियों पर विश्वास करेंगे तब अपने प्रेमियों को अपने प्रति वफ़ादार बनाए रखने के लिए वे मल से भरे मानव स्त्री और बच्चे का वध करेंगे?!” शैतान इतनी ज़ोर से चिल्लाया कि हव्वा पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। "केवल तब वे स्वेच्छा से नरक में भागेंगे और परमेश्वर को शाप देंगे और पृथ्वी के मुख से हर धर्म नष्ट कर देंगे! वहाँ पृथ्वी पर बहुत सारे धर्मपरायण पुरुष और महिलाएं हैं जिनके मन में बहुत प्रेम है और वे उस प्रेम का उपयोग ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए करते हैं। मैं नग्न स्त्रियों से उन पवित्र पुरूषों को मोहित कराऊंगा, परन्तु ऐसे परमेश्वर से डरनेवाले लोग होंगे जो महिलाओं को अवैध संबंधों में जाने से इन्कार करेंगे, इसलिए मैं अलग-अलग जाल बिछाऊंगा और उन्हें अन्य पुरुषों के प्रति पागल बनाऊँगा! जिन्हें मैं स्त्रियों के साथ नहीं फसा सकता; मैं उनसे मित्रता करुंगा और वे दूसरे पुरुषों के गंदे शरीर के अंगों का पीछा करेंगे।

वे उन मर्दों के लिए इतने दीवाने हो जाएंगे कि जो कोई भी उनके विरुद्ध एक शब्द भी बोलेगा, उसे ख़ुशी-ख़ुशी मार डालेंगे! अगर

परमेश्वर का पवित्र धर्म उनके व्यभिचार को धिक्कारता है, तो वे अपनी इच्छा से धर्म को नष्ट करेंगे! मुझे उन्हें कोई भी पाप करने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना पड़ेगा! अंत में, यदि पुरुषों की पूजा की जाए गंदे शरीर के अंग उनके लिए बहुत उबाऊ हो जाते हैं, तो मैं उन्हें अनाचार से गुलाम बनाऊँगा, और उनमें से कुछ बहादुर लोग बेटी या बहनों से प्यार करेंगे और जो उसे पवित्र बने रहने के लिए मनाने की करने कोशिश करता है वे उसे मार देंगे। वह आदमी अनाचार वैध बनाने की कोशिश करेगा और सभी पुरुषों को अपनी बेटियों से शादी करने के लिए मजबूर करेगा, और वे जो भी पुजारी इसके खिलाफ बोलेगा उसे प्रताड़ित करेंगे और जिज्ञासा में धर्म पुरुष ठिकाने लगा देंगे। इस प्रकार, भगवान का धर्म पृथ्वी पर से मिटा दिया जाएगा, और मैं सर्वदा आनन्दित रहूंगा!”

“क्या तुमने पर्याप्त नहीं किया, हे शापित शैतान, जो तुमने मुझे और मेरे पति से स्वर्ग वर्जित फल खाकर पाप करवाया?"

"मेरा काम यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी ईश्वर के प्रेम पर विश्वास न करे, और केवल अपवित्र मनुष्यों के प्रेम की पूजा करे। अगर वे मानते हैं वह मानव प्रेम वास्तविक है, तो वे बदसूरत और गंदे इंसान आख़िरकार सभी धार्मिक नेताओं को जघन्य अपराधों और हत्या के लिए भगवान और पैगम्बरों का नाम दोषी ठहराएंगे और आम मुर्ख लोग बताएँगे कि भगवान ने उन्हें निर्दोष लोगों को मारने के लिए कहा था। वह जब पृथ्वी पर इंसानों की पूरी आबादी अज्ञेयवादी हो जाएगी और ईश्वर से नफरत करेगी। फिर मैं प्रेमी को जल्दी से मना लूंगा की उन लोगों को मार डालो जबकि वे अभी भी भगवान से नफरत कर रहे हैं ताकि वे अविश्वासियों के रूप में मर सकें और सीधे नरक में जाये! हा! मेरी योजना सुंदर है !"

"मेरे बेटे ने गलती की!" हव्वा चिल्ला उठी। “उसके बाद कोई इंसान नहीं

अब प्यार पर विश्वास नहीं करेगा!"

“धिक्कार ! धिक्कार !" शैतान इतनी जोर से चिल्लाया, कि आकाश पर बादल छा गए और बारिश की बूंदें नरम जमीन पर गिर गईं। “तुम्हारे मुँह पर ताला लगाओ! कभी नहीं! पृथ्वी पर कभी भी किसी को इसका पता नहीं चलेगा की मनुष्यों का प्रेम झूठा है! यह तो मैं ही जानता हूँ! मूर्ख मनुष्य यह कभी नहीं पता कर सकते हैं! गोबर जैसे मनुष्यों को कभी पता न चलेगा वह मानव प्रेम झूठा है! वे मंदबुद्धि और कुरूप मनुष्य कभी पता न चले कि उनके प्रेमियों का प्यार झूठा है! वो विक्षिप्त मनुष्य अपने प्रेमियों से प्रेम करना कभी नहीं छोड़ते! वो मूर्ख पागलों को कभी पता नहीं चलता कि ईश्वर उनसे प्रेमियों की तुलना में अधिक प्रेम करता है!

अचानक, शैतान ने इतनी गगनभेदी चीखना शुरू कर दिया, कि उसका आवाज़ किसी जंगली जानवर की तरह लग रही थी। “हे गंदगी से भरे इंसान हमेशा अपने झूठे प्रेमियों के प्यार के लिए रोते रहे! वे बदबूदार इंसान हमेशा अपने प्रेमियों के लिए चिल्लाते रहे! हो सकता है कि मूर्ख और सड़े हुए लोग सदैव प्रेम के लिए रोते और विचार करते हैं प्रेमी के शरीर से निकलने वाली गंदगी को खाना गर्व की बात है! हे दुष्ट और मूर्ख मनुष्य सदैव अवैध प्रेम की प्रशंसात्मक फिल्में बनाते हैं! वे इंसान एक-दूसरे से हमेशा के लिए प्यार करते रहें।' हे गंदे और बदबूदार मनुष्य उनके प्रेमी के मवाद से भरे शरीर की सदैव आराधना करते रहें और वे कभी भी एक-दूसरे से प्यार करना बंद नहीं करे ! वे मूर्ख और घृणित मनुष्य लिपि रचें और प्यार की प्रशंसा करने वाले नाटक बनाएं और दूसरों को प्रेमी बनाने के लिए प्रोत्साहित करे ! हे वे दुष्ट मनुष्य ही अश्लील चित्र बनाते हैं और प्रेम कविताएँ लिखते हैं मानव शरीर के उस झूठे प्रेम पर विश्वास करने के लिए ! आह, तभी तो मैं उन्हें नष्ट करने में सक्षम बनूंगा! तभी मैं मानवजाति ईश्वर में अविश्वास करके मरने में सफल बनूँगा और वे एक दूसरे को मार डालेंगे!

देखो मैंने आज क्या पूरा कर लिया! यह प्यार ही था जिसने धर्मपरायण आदम बेटे ने अपने ही भाई को मार डाला! आगे, मैं प्रेमियों को इस झूठे प्यार के लिए उनके माता-पिता को मार डालूँगा और उनके धर्म को नष्ट कर दूंगा!”

"आप इंसानों को निशाना क्यों बना रहे हैं?" हव्वा ने पूछा।

“हे हव्वा!” शैतान ने चिल्लाकर कहा, “प्यार के लिए मानवीय कमज़ोरी के अलावा किसी और चीज़ का उपयोग किये बिना पहली हत्या मैंने ही करवाई! यह इसी मानव हृदय के लिए था, यह कोमल प्रेममय मानव हृदय जिसके लिए भगवान ने आदम को मुझसे श्रेष्ठ होने के लिए चुना था! भगवान इंसानों से प्यार करते हैं क्योंकि वह जानता है कि मानवजाति के हृदय में प्रेम है! यह उनकी भावना और कोमलता है जो भगवान को उनसे प्यार करती है, और उनके लिये वह भव्य स्वर्ग तैयार करते है , इसलिये मैं इसका उपयोग उनके विरुद्ध करूंगा और उनके कमजोर दिलों को मनुष्यों के साथ प्रेम में डालूँगा और परमेश्वर के मार्ग से भात्कऊँगा! यद्यपि मानव का दूसरे इंसानों के लिए प्यार नकली है, लेकिन आपके बेटों की तरह मूर्ख लोगो को यह कभी पता नहीं चलेगा। मैं उन्हें विश्वास दिलाऊंगा कि उनका प्रेमी का प्यार सच्चे हैं, और वे कैन के समान इसके लिये पागल हो जायेंगे जैसे वो कोलिमा के लिए पागल हो गया था, और इसके लिए हाबिल को मार डाला! मैं पुरुष को महिलाओं का उपयोग करके बहकाऊंगा, लेकिन अगर वह ठीक से काम नहीं करता है, तो मैं अन्य पुरुषों को यौन विचलन के लिए लुभाने के लिए पुरुषों का उपयोग करूँगा। तब,उन पुरुषों को एक अच्छे व्यवहार वाले लड़के से प्यार हो जाएगा, और उन सभी महिलाओं को नष्ट करना शुरू करेंगे जो उस युवक की ओर देखती हैं!चूँकि धार्मिक महिलाएँ र पवित्र होती हैं, और कभी अपने पुरुष प्रेमियों के पास आने के लिए सहमत नहीं होंगी, वे पुरुष सभी धार्मिक महिलाओ को धर्मों को बुरा दिखाने के लिए यौन-

अपराधों के लिए फंसा देंगे। तो, आप देखेंगे, पृथ्वी पर हर आखिरी इंसान मेरे अच्छी तरह से तैयार किए गए जाल में गिर जाएगा!

शैतान ने खुशी से ताली बजाई। "आदम के सभी पुत्र तुम्हारे बेटे की तरह मंदबुद्धि बनंगे , और मैं उन्हें इसी तरह ईर्ष्यालु बनाऊंगा और अपने प्रेमियों को वफ़ादार बनाए रखने के लिए वे पूरे देशों को मार डालेंगे ! और फिर इससे पहले कि उन्हें भगवान के सामने पश्चाताप करने का मौका मिले, मैं उनके अपराधों को जनता के सामने उजागर करूँगा और लोग उस अत्याचारी और उसके पुरुष प्रेमी को मौत के घाट उतार देंगे! उसके बाद वे पूरे दुनिया को मार डालेंगे, मैं उनके अपराध सबके सामने प्रकट कर दूँगा और वे सबसे अधिक तिरस्कृत हो जाएंगे! हा! चूंकि मानव हृदय में प्यार है जिसने उन्हें मुझसे श्रेष्ठ बनाया, मैं व्यक्तिगत रूप से उसी प्रेम का उपयोग उन्हें नरक की घाटी की गहराई तक भेजने के लिए करूंगा! ओह, प्यार कितना खूबसूरत है! प्रेम की जय हो!

सभी प्रेमी और उनके प्रियजन गौरवान्वित हों! वे हमेशा एक-दूसरे से प्यार करते रहे !"

"आप केवल इंसानों से ही नफरत क्यों करते हैं, स्वर्गदूतों से नहीं? उनके पास प्रेमी नहीं हैं!" शैतान की लगातार चीखने से परेशान होकर हव्वा ने कहा ।

"ओह, पंख वाले देवदूत पवित्र हैं लेकिन वे ठंड प्रकाश से बने हैं और इस प्रकार, उनके पास कोई भावना या प्रेमपूर्ण हृदय नहीं है! भगवान उनसे प्यार नहीं करते क्योंकि वे किसी से भी प्यार करने में असमर्थ हैं। सचमुच, स्वर्गदूत परमेश्वर से भी प्रेम नहीं करते! वे उनसे केवल डरते हैं और उसकी महिमा का पालन करते है! मैं स्वर्गदूतों से ईर्ष्या नहीं करता, क्योंकि परमेश्वर ने स्वर्गदूतों से आदम को दण्डवत् कराया। मनुष्य को सब से श्रेष्ठ माना जाता है! इसलिए, मैं मानवजाति को नष्ट करूंगा!

देवदूत हृदयहीन होते हैं, और इसलिए वे कभी प्यार में नहीं पड़ते और न ही पाप करते और न ही इंसानों की तरह नष्ट नहीं होते ! मैं उनके ख़िलाफ़ उनके दिल का इस्तेमाल नहीं कर सकता! तो, मैं उन्हें अकेले छोड़ देता हु! लेकिन मैं केवल इंसानों को निशाना बनाऊंगा! और देखो मैंने क्या कर दिया! देखिये मैंने एक पवित्र भविष्यवक्ता के नेक बेटे के साथ क्या किया।मैं कैन को हाबिल को मारने में सक्षम था! मैंने आपके बेटे से प्यार के लिए क्या करवाया? यदि यह प्रेम ही मनुष्य को मुझसे श्रेष्ठ बनाता है, और भगवान ने उनसे प्यार किया, तो मैं इस प्यार का इस्तेमाल जिसने उन्हें मुझ पर प्राथमिकता दी मानव जाति को अनंत काल के लिए नष्ट करने के लिए करूँगा! मैं सुनिश्चित करूँगा कि पृथ्वी पर प्रत्येक व्यक्ति इस प्रेम का उपयोग स्वयं पुरुषों और महिलाओं का गुलाम बनाने के लिए करता है। प्रेमियों की जय हो! वो पशुवत मनुष्य प्रेम को सदैव पवित्र मानते हैं! वे गूंगे और गंदे प्राणी अपने प्यार के लिए रोते और चिल्लाते हैं और उस प्यार पर विश्वास करते है ! उन्हें कभी पता न चले कि अपने प्रेमी का दिल कितना मिथ्या और बदलने वाला है! वे गोबर-भरे हुए आदम के पुत्र ने इंसानों से प्यार करना कभी बंद नहीं करेंगे ! मैं हमेशा उस प्रेम का उपयोग उन्हें नष्ट करने के लिए कर सकूंगा जिसके लिए ईश्वर ने मानव जाति को मुझ से ऊपर उठाया! अहा, मैं आपके बेटे को अपने ही भाई का हत्यारा और नफरत करने वाला और अत्याचारी बनाने में सफल हो गया! गंदा इंसान प्यार पर विश्वास करके मर जाये! स्काटोलॉजिकल मानव शराबी कुत्ते की तरह प्यार का सपना देखते जीवित रहें! दुराचारी इंसान अपने प्रेमी के प्यार के सपने देखते देखते मर जाये! वे सदैव प्रेम का उपदेश करते रहें! वे सदैव प्रेम के बारे में सोचें और इसके लिए प्रार्थना करें, और प्यार के लिए मर जाये और फिर खुद को शहीद मानते रहे! वे इस प्रेम का उपयोग कभी भी परमेश्वर को पसंद करने के लिए नहीं करे ! ओह, प्यार की जय हो जिसका इस्तेमाल उन्हें सबसे घृणित मनुष्य और जानवर बनाने के लिए किया जा सकता है! वे गंदे और बदबूदार मनुष्य प्रेम से परमानंद प्राप्त करे ! वे हमेशा प्रेम के लिए परमेश्वर के अनुयायियों को नष्ट करते रहें! वे

अपनी बदबूदार वासना के लिए भगवान के धर्म को नष्ट करें! वे घृणित और कुरूप मनुष्य हर किसी को प्यार की वजह से विनाश और अपवित्र करते रहे ! ओह, मुझे कितनी सख्त जरूरत है उन्हें हर समय प्रेम का उपदेश देते रहने की !वे हमेशा मूर्ख बने रहें और उस घृणित प्यार के झूठ पर विश्वास करें! उन्हें कभी पता नहीं चले कि उनका प्रेमी उनसे कितना नफरत करता है!"

शैतान अपनी सांस लेने के लिए रुका और बोला, "मुझे उम्मीद तुम समझ गयी हो कि तुम्हारे बेटे ने कितना गंभीर काम किया है। उसने अपने भाई की हत्या कर दी! और मारने का मतलब जीवित व्यक्ति को मौत के घाट उतारना है।"शैतान ने चतुराई से उत्तर दिया।

"मृत्यु क्या है?" उल्टे में माँ ने पूछा।

शैतान ने समझाया, "मृत्यु का अर्थ है सांसारिक जीवन का अंत।" "मृत्यु मूलतः सांसारिक जीवन की समाप्ति है और परलोक की शुरुआत है ।"

"मुझे समझ नहीं आता कि जीवन कैसे ख़त्म हो जाता है!" हव्वा ने भ्रम में चिल्लाकर कहा।

"वास्तव में।" शैतान ने भावहीन होकर टिप्पणी की। वह पहले से ही पृथ्वी पर पहली हत्या देखने का आनंद उठा रहा था । "धरती पर जीवन अभी तो शुरुआत हुई है, लेकिन मौत सभी को आएगी। यह स्पष्ट रूप से आत्मा का शरीर से पृथक्करण है। मौत के फ़रिश्ते इंसान को इस दुनिया से उस दुनिया में स्थानांतरित कर देते हैं।"

हव्वा जानती थी कि जो छिपा हुआ व्यक्ति उससे बात कर रहा था वह स्वयं शैतान था , लेकिन वह उत्सुक थी और जानना चाहती थी कि

वास्तव में उसके बेटे के साथ क्या हुआ है । उसने पूछा, “उस व्यक्ति के लिए जो मर रहा है, मृत्यु कैसी है?”

"अपराधियों के लिए मौत एक भयानक अनुभव है," शैतान ने दुःखी माँ को सूचित किया। "मुझे पता चल गया है कि कैसे मृत्यु का दूत अविश्वासी या पापी की आत्मा को हटा देता है । मृत्यु के दूत मनुष्य को ज्ञात सबसे भयानक रूप में मरते हुए मनुष्य के पास जाते है और फिर एक आवाज़ जो शरद ऋतु की गड़गड़ाहट से भी अधिक कठोर गूँजती है, वे आत्मा को शरीर से बाहर निकलने का आदेश देती हैं। परन्तु पापी की भयभीत आत्मा बहार आने और उन कठोर और क्रोधित स्वर्गदूतों से मिलने से इंकार कर देती है, इसलिए यह शरीर के भीतर छिपने की पूरी कोशिश करती है। लेकिन हे हव्वा, देवदूत अथक हैं, इसलिए वे समर्पण के लिए आत्मा को पीटना शुरू कर देते हैं और इसे पापी से अत्यंत पीड़ादायक ढंग से शरीर के बाहर निकालते है । इसके बाद,

"क्या मौत सचमुच इतनी दर्दनाक होती है?"

“वास्तव में, हे हव्वा, मैंने स्वर्गदूतों से सुना है कि मृत्यु एक बहुत दर्दनाक प्रक्रिया है। मौत के फ़रिश्ते ने एक बार ज़िक्र किया था पापी मनुष्य में से आत्मा को निकालना , मरते हुए इंसान के लिए ऐसे तड़पना जैसे कोई लोहे की कटार को मोटे ऊन के बीच से खींचना, और मानव शरीर की नसें फाड़कर निकालना।”

"बाद में पापी की आत्मा का क्या होता है?" हव्वा ने पूछताछ की।

“तब पापी की आत्मा को शापित आवरण में ढक दिया जाता है लपेटने से सड़ी हुई गंध निकलती है, और देवदूत उस आत्मा को स्वर्ग लेजाने का प्रयास करते हैं , लेकिन पापी का वहां स्वागत नहीं है इसलिए उसे

अधोलोक में फेंक दिया जाता है जहां उसे इस ब्रह्माण्ड के अंतिम दिन तक यातना दी जाती है!"

"लेकिन मेरे बेटे का क्या?" हव्वा ने शैतान को रोका। "उसके साथ क्या हुआ?"

शैतान ने अशुभ स्वर में कहा, "तुम्हारे बेटे को सच्ची मौत का सामना करना पड़ा था।" "मैं इसे अपनी आँखों से देखा था! वह मर चुका है, मतलब तुम्हारा बेटा हाबिल फिर कभी चल या बात नहीं कर पाएगा। वह अब और खा या पी नहीं पायेगा!"

"मेरे प्यारे लड़के को मौत का सामना करना पड़ा? मेरा बच्चा फिर कभी बात नहीं करेगा?"

हव्वा ने कहा , मौत का अहसास उसके दिल पर दोधारी खंजर की तरह वार कर रहा था। हव्वा ठिठक गई और उसे समझ नहीं आया कि क्या करे। क्या उसका प्रिय लड़का मर गया? क्या हाबिल इस दुनिया से हमेशा के लिए चला गया? भयानक चीख के साथ, उसने जवाब की आशा करते हुए अपने बेटे को बुलाया "हे हाबिल! हे मेरे प्यारे बेटे! माँ तुम्हारे बिना अपने दिन कैसे गुजारेंगी? ओह, मेरे बेटे! क्या दर्द, क्या अभिशाप है, अभी भी इस धरती पर रहते हुए अपने ही दिल का एक टुकड़ा खो देना क्या पीड़ा है,? एक माँ कैसे रहती है जब उसका एक हिस्सा हमेशा के लिए चला जाता है? कैसे हो सकता है, माँ तब खाएगी जब उसका बेटा फिर कभी नहीं खाएगा? कैसे हो सकता है माँ यह जानकर कैसे सो पायेगी कि उसके दिल का एकमात्र प्यार अकेली कब्र के ठंड में पड़ा हुआ है? एक माँ फिर कभी कैसे मुस्कुराएगी जब वह बच्चा रात दर रात कब्र के अंधेरे में अकेला रहता है उसे सांत्वना देने के लिए कोई गर्मजोशी नहीं है?"

“मौत महज एक नींद से कहीं बढ़कर है!” धूर्त शैतान मानव माँ को शिक्षित किया। “यह सभी खुशियों और जीवन की सुविधाएँ का अंत है। कोई मरा हुआ आदमी फिर कभी नहीं बोलेगा। फिर मरा हुआ आदमी कभी नहीं हिलेगा। मृतक फिर कभी सुबह उठकर भोजन नहीं करेंगा। कभी कोई मृत व्यक्ति स्नान नहीं करेगा । कोई मरा हुआ प्राणी कभी भी इस संसार का दुःख या सुख पर प्रतिक्रिया नहीं कर सकता। मुर्दे अब प्रश्न पूछना या भाषण देना और उत्तर नहीं देंगे। मृत व्यक्ति कभी धन कमाने या घर बनाने में सक्षम नहीं होगा। कोई मरा हुआ व्यक्ति कभी बढ़िया भोजन का आनंद नहीं ले सकता क्योंकि उसकी लाश सबसे घृणित गंध सड़ने और उत्सर्जित होने लगेगी। मरा हुआ आदमी या औरत कभी भी अच्छा वस्त्र नहीं पहन सकता, क्योंकि शव कीड़े-मकौड़ों और रेत के टुकड़ों में विघटित हो जाते हैं। फिर मृतक अपने पास मौजूद धन का या जो फसल उसने बोई उसे काटा का उपयोग कभी नहीं कर पाएगा । फिर कभी मृतक उसके बनाए जूते नहीं पहन पायेगा, या नाव चला पायेगा या उधार ली हुई गाड़ी पर सवार हो पायेगा, या जीवित रहेगा उस महल में जो उसने बनवाया था! मरा हुआ किसान फिर कभी उसके बीज नहीं बोयेगा । मरा हुआ मजदूर कभी भी अपनी मैदान की जुताई नहीं कर सकता। मृत चरवाहा फिर कभी अपने झुंड की देखभाल नहीं कर सकता! मृत शिक्षक कभी भी अपने शिष्य को ज्ञान नहीं दे सकता।वास्तव में, न तो मृत पुत्र कभी अपने अभिभावक के प्रति स्नेह दिखा सकता है!"

और इसका मतलब मौत है?” चिंतित होकर हव्वा ने पूछताछ भी की।

"हाँ, वह मृत्यु है!" शैतान ने ख़ुशी से घोषणा की। "और इससे पहले कि मैं भूल जाऊं, मुझे तुम्हें याद दिलाना है कि कैन ने हाबिल को उसके अपने हाथ से मार डाला!”

"नहीं! ये नहीं हो सकता!" ईव चिल्ला उठी। “यह कभी नहीं हो सकता! मेरा लड़का कभी भी अपराधी और हत्यारा नहीं हो सकता ! नहीं! सचमुच,

मेरा लड़का कभी भी इतना बुरा नहीं हो सकता ! क्या मैं उसकी माँ नहीं हूँ? क्या मैं उससे प्यार नहीं करता था? क्या यह मेरा बच्चा नहीं है जिसे मैंने प्यार से पाला, खिलाया और बड़ा किया?"

"तुम भयानक बेशर्म माँ हो!" शैतान अचानक चिल्लाया। "क्या तुमने सुना भी नहीं कि मैंने क्या कहा? तुम्हारे एक बेटे ने ही दूसरे बेटे को मार डाला!"

"नहीं! ऐसा नहीं हो सकता कि मेरा बच्चा हत्यारा हो! सचमुच, मेरा बच्चा कोई हत्यारा नहीं हो सकता! वह मेरा बच्चा है, मेरा छोटा बच्चा! वह कभी एक आत्मा को दूर नहीं कर सकता। नहीं! दुनिया नष्ट हो सकती है लेकिन मुझे विश्वास नहीं होगा कि मेरा बेटा कभी हत्यारा हो सकता है!"

"तुम असफल औरत!" शैतान जोर-जोर से चिल्ला रहा था। "तुमने एक प्रकार का विकृत पुत्र पैदा किया जो दूसरों को सिर्फ इसलिए मरता है क्योंकि किसी ने उसे व्यभिचार से रोकने की कोशिश की थी? आप कैन कि कैसी माँ हैं जो वह मानव वासना का एक कमजोर गुलाम बन गया जो कोई भी उसे पाप करने से या भ्रष्ट वासना का गुलाम होने से रोकने की कोशिश करता है, उसे मार डालता है। "

"मेरा लड़का हत्यारा नहीं है! वह नहीं हो सकता! क्या वह नहीं जानता कि उसकी माँ उससे कितना प्यार करती थी? कैन दूसरे को कैसे मार सकता है? क्या वह सके प्रति उसकी माँ के प्यार का प्यार नहीं जानता ? वह जानते हुए भी पाप कैसे कर सकता है की मेरा हृदय उसके लिये कैसे तरसता और रोता है? मेरे पास इस दुनिया में मेरे बेटो के आलावा कौन है?
जिसकी कोई माँ है लेकिन इस दुनिया में उसके बेटे नहीं?"

शैतान अचानक हँसी में गरजा और अपनी झुर्रियों भरे हाथ पर ताली बजाई। “अपने आप को धिक्कारो , हे हत्यारे की माँ! किस तरह का तुमने उसे इतनी बुरी परवरिश दी कि कैन ने अपने ही भाई को मार डाला, और इस दुनिया का पहला हत्यारा बन गया?”

"ओह जिंदगी तुमने मेरे साथ क्या किया?" हव्वा निराशा में रो पड़ी। “ओह, एक हत्यारे की माँ बनना कैसा भाग्य है? ओह, मेरे बेटे! तुमने अपनी माँ को एक हत्यारे की माँ क्यों बना दिया?? क्या मैंने तुमसे प्रेम नहीं किया था और तुम्हें अपने हृदय में नहीं रखा था?हे मेरे बेटे, क्या मैं ने तुझ से इतना प्रेम न किया, कि तू वासना और प्रेम के गुलाम बन गया? हे मैं अपने बेटे के पाप साथ कैसे रहूँ? मैं इन आंसुओं के साथ कैसे जिऊंगी जो मुझे अपने पूरे अस्तित्व पर पछतावा करते है? ओह, मेरे अपने बेटे! हे मेरे अपने मांस और रक्त! तुमने अपनी मां के बारे में क्यों नहीं सोचा जब तुमने उसे मारा?! के दर्द का ख्याल क्यों नहीं किया वह माँ जिसने तुम्हें जन्म दिया और वह माँ जिसने तुम्हें और तुम्हारे पीड़ित को जन्म दिया? ओह, दुनिया! वास्तव में, आपसे अधिक दुखद कोई जगह नहीं है!"

शैतान गर्व से चिल्लाया, "उस दिन को धिक्कार है जब तुमने उसे जन्म दिया था।" “ओ हवस के कमज़ोर गुलाम की माँ! और कितने निर्दोषो की आपका बेटा अपनी प्रेमिका की गंदी हवस के लिए हत्या कर देगा?”

“हे ब्रह्मांड के भगवान! हे भगवान! मेरी आत्मा के स्वामी! यह दिन देखने के लिए जीवित रहने से पहले ही मृत्यु मेरे पास आ जाए! मेरा अपना बेटा हत्यारा और स्वार्थी वासना का गुलाम बन गया है इसका गवाह बनने से पहले तुमने मेरी जान क्यों नहीं छीन ली? अगर मैं उससे कम प्यार करती तो मुझे बहुत दुख नहीं होता! ओह, दुनिया! यह बच्चा खोना कैसा भाग्य है? यह संसार कैसा नरक है जो मानवजाति को पाप करने और वासना और प्रेम के गुलाम बनने के लिए प्रेरित करता है

? इससे बड़ा कोई दुःख हीं है जिस तरह से आप हर इंसान का दिल तोड़ते हैं! हे मुझ पर रहम करो! हे भगवान, मेरी आत्मा पर दया करो! मेरे बेटे को माफ कर दो और उसे अच्छा बनाओ! कैन को स्वतंत्र हृदय का बनाओ और उसे अपने प्रेमी का दास न बनने दो और जो कोई उसके और उसके प्रेमी के बीच आए उसे मरने न दो ! हे मेरे आत्मा के परमेश्वर! मेरे बेटे को एक स्वतंत्र आत्मा बनाओ और उसे वासना का गुलाम न बनने दें!" एक कड़वी आह भरते हुए, हव्वा ने शोकपूर्वक आगे कहा। “ओह, बेटा! हे मेरा बच्चा! तुमने उस माँ को कैसे धोखा दिया जिसने तुम्हे जन्म दिया? क्या तुम अपनी माँ को हत्यारे की माँ बनाओगे?
क्या तुम अपनी माँ को अनंत काल तक अपना शोक मनाने पर मजबूर करोगे? हे मेरे! बच्चे, क्या मैं यह जानते हुए भी इस दर्द भरी दुनिया को जीऊंगी कि मेरा बेटा अपने पापों के लिए अनंत काल तक कष्ट सहते रहेंगा?! तुमने अपने माँ को क्या श्राप दिया है, हे मेरे बेटे! क्या तू अपनी माँ को कष्ट सहने देगा?यह जानते हुए भी कि उसका बेटा हमेशा के लिए एक निर्दोष व्यक्ति के हत्या के लिए अभिशप्त होगा?! ओह, मेरे बेटे! मेरे कोनसे पाप से तुम में इतना गुस्सा और इतनी नफरत भरी हुई है कि इसने तुमको इतना दुष्ट हिंसक बना दिया है?!"

“हे घृणित हत्यारे पुत्र की माँ! और कितने लोग को वह सिर्फ इसलिए मार डालेगा क्योंकि उनका पाप सिर्फ उसे पाप से रोकने की कोशिश करना था?”

“हे मेरे बेटे! तुमने क्या कर डाला ? ओह, मेरे बेटे! तुमने तुम्हारी माँ के साथ ये क्या किया? क्या तुम्हें उसके टूटे हुए दिल पर कोई दया नहीं आई?ओह, मेरे बेटे! तुमने मेरे इस जले हुए हृदय के साथ क्या किया है? हे मेरे बेटे, चाहे तुम किसी को भी मार डालो, तुम फिर भी मेरे बेटे ही रहोगे! लेकिन मेरे किस पाप के कारण मेरा बेटा हत्यारा और अपने प्रेमी का गुलाम बन गया?

“देखो, हे हव्वा! तुम्हारा जीवन कितना शापित और निकम्मा है नौ महीने तक आपके गर्भ में एक भयानक बच्चा दर्द पर दर्द सहकर पाला , केवल एक घृणित, कमजोर को जन्म देने के लिए ,वह प्राणी जो उसे वासना के पाप से रोकने की कोशिश करने वाले को मार डालता है! तुम्हें शर्म आनी चाहिए और यहां आने वाली हर मां को शर्म आनी चाहिए पृथ्वी जो तुम्हारे जैसे हत्यारों को जन्म देगी।”

"मैं विश्वास नहीं कर सकता कि मेरा बेटा कभी किसी निर्दोष व्यक्ति की हत्या करेगा!" हव्वा ने विरोध जारी रखा।

"मैंने उसे देखा!" शैतान चिल्लाया, ऊपर-नीचे उछल रहा था। “यह कैन था जो हाबिल का हत्यारा था, और शापित मानव जीवन लेनेवाला बन गया!"

हव्वा करुण स्वर में चिल्लाई। “मेरा लड़का मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकता है?”मेरा बेटा अपने भाई से इतनी नफरत कैसे कर सकता है कि उसे मार डाले ,अपनी ही माँ को अनन्त दुःख का श्राप दे? कैन कैसे एक माँ के दर्द को भूल सकता है और पाप कर सकता है? हे कैन! तुम्हारा पाप इतनी गहरी चोट पहुँचाता है और काटता हैं कि मेरे लिए साँस लेना भी कठिन हो जाता है मुझे डर है कि कहीं मैं नष्ट न हो जाऊँ!

ओ जीने का काम भी मेरे कमजोर दिल के लिए कठिन और कष्टदायक हो गया है लेकिन वह प्यार मातृ प्रेम जो तुम्हारे लिए जलता है वह कभी नहीं बुझेगा, केवल कड़वी पीड़ा होती है, और जितना अधिक पाप तुम करते हो , उतना ही अधिक मेरा दर्द गंभीर होता है और उससे भी अधिक भयंकर दर्द! ओह, मेरे बेटे तुमने मुझे कैसा जीवन दिया है, ऐसा तो स्वर्ग भी मेरा दर्द कम नहीं कर सकता है!

कौन सा स्वर्ग माँ को उसके बेटे को भूला सकता है? ओह, मेरे प्रतिभाशाली बच्चे! क्या तुम एक पल के लिए भी मेरा दर्द महसूस कर सकते तो तुम आपके शेष जीवन के लिए अनियंत्रित रूप से रो पड़ते! उसको कैसे ये दर्द पता चलेगा जिसके कोई बच्चे है? ओह, वे क्या जान सकते हैं एक माँ के दिल के अंदर की दरारें? माँ का प्यार कितना लाचार है, वे यह जानने का प्रयास कैसे कर सकते हैं!"

शैतान ने धूर्ततापूर्वक व्यंग्य किया, और कहा, "ओह, मैंने कैन को देखा उसने क्रूरता से तुम्हारे पसंदीदा बेटे को मार डाला! सचमुच बहुत क्रूर!"

दु:ख के आँसू बहाते हुए, हव्वा परमेश्वर से उसके बेटे की ओर से विनती करती रही थी "ओह, मेरे बेटे! ये तुमने क्या कर दिया?! तुम किसी इंसान की आत्मा को सिर्फ इसलिए कैसे ले जा सकते हो उसने तुम्हें अपने प्रेमी के साथ न रहने नहीं दिया?! मैं आज के बाद प्यार कैसे कर सकता हूँ? मेरे विवेक को बिना चुभे दर्द के मैं कैसे सांस ले सकता हूं? मैं इस दर्द भरे दुनिया से कैसे बचूं?! मैं इस पापी दुनिया से कैसे बचूँ जो मनुष्य को गुलाम बनाती है और जीवित रहने के लिए हर किसी से पाप करवाता है? ओह, क्या इससे भी बुरा कुछ हो सकता है?उस दिन से भी बेहतर जिस दिन एक माँ को पता चलता है कि उसका बच्चा हत्यारा और उसकी स्वार्थी वासना का गुलाम है?! नहीं, इससे बुरा कोई दिन नहीं!

शैतान ने नकली चिंता के साथ जोड़ा। "लगता है कामातुर कोलिमा की चाहत ने कैन को हाबिल को मारने पर मजबूर कर दिया।"

हव्वा फूट-फूट कर रोने लगी और जोर से चिल्लाकर बोली, "हे मेरे बेटे! ईश्वर से तुम्हारी ओर से क्षमा मांगो और सच्चे पश्चाताप से पश्चाताप

करो और अपने परमेश्वर की आज्ञा का पालन करो और कभी हत्या मत करो या खून मत बहाओ जब तक तुम अपनी माँ का दिल अनंत काल के लिए मारना नहीं चाहते l तुमने मेरा दिल तोड़ दिया है, हे कैन! बच्चे माँ की कमजोरी हैं! यह उत्तोलन जिसे एक बच्चा उसकी माँ के उपर धारण करता है, तुम इसका दुरुपयोग कैसे कर सकते हैं? तुम कैसे जीवन के सुखों की खोज और पापपूर्ण अस्तित्व में लापरवाह और स्वार्थी हो सकते हो कि तुम अपनी माँ और अपने रचयिता को भूल जाते हो नकली प्रेमी के झूठे प्रेम के लिए ?"

शैतान ने रुखाई से कहा, "तुम्हारा बेटा कैन एक सुंदर महिला के साथ अवैध संबंध के लिए बेताब था, और इसीलिए उसने अपने ही भाई की हत्या कर दी , जिसने उसे पाप करने से रोकने की कोशिश की थी!"

हव्वा कैन के लिए रोती रही और अपने बेटे जिसे किसी तरह दूर देश में निर्वासन के लिए भेजा गया था मातृवत सलाह देने की आशा में चिल्लाती रही "ओह, कैन, मेरे अनमोल बेटे! यह केवल तुम्हारा भगवान है जो तुमसे प्यार करता है! यह वही है जिसने माँ के दिल में उसके बेटे के लिए प्यार डाला! क्योंकि परमेश्वर अपनी रचना से सबसे प्यारी माँ से भी ज्यादा सौ गुणा अधिक प्रेम रखता है! नफरत, गुस्सा और व्यक्तिगत प्रतिशोध को न आने दें जो तुम्हे अपने निर्माता के प्यार से दूर कर देता है! हे नश्वर की मूर्खता और स्नेह और वासना की मूर्खता को मत आने दो जो तुम्हे अपने प्रेमी के अस्थायी असत्य प्रेम के झूठे प्रेम पर विश्वास करने के लिए मूर्ख बनाती है ।

अपने प्रभु की ओर मुड़ें जो आपकी वापसी की प्रतीक्षा कर रहा है! और भगवान से कभी नफरत मत करो जिसने तुम्हें बनाया! कभी भी किसी इंसान को भगवान से ज्यादा प्यार मत करना जिसने तुम्हें सारी सृष्टि में सबसे श्रेष्ठ बनाया!"

“हे हव्वा, अपने आप को और अपने दुष्ट बच्चों को शाप दो! सचमुच तुम्हारा जीवन एक विफलता है !" दुखी माँ के दुःख पर शैतान खुश हुआ और उसे कैन के अपराधों के बारे में स्पष्ट रूप से याद दिलाया।

"ओह, मेरे बेटे!" हव्वा सिसकने लगी। “यह दुनिया केवल मुट्ठी भर दिन के लिए है? अस्थायी प्रेमी का झूठा प्यार और ख़ुशी के कुछ पलों के अपनी अनंतता, अपने स्वर्ग क्यों नष्ट करें? तुम्हारे क्रोध और वासना के प्रति आपके आवेश ने तुमसे क्या करवाया? हे तुम्हारे प्रेम और वासना ने तुम्हारी बुद्धि और विश्वास और दया का क्या हाल किया है? हे कैन! इस अस्थायी दुनिया के छोटे से जीवन के अप्रत्याशित आनंद के कुछ क्षणके लिए तुम अपने अनंत काल को कैसे बदल सकते हो? क्या तुम नहीं जानते कि मौत तुम्हें किसी भी समय, किसी भी क्षण पकड़ लेगी? हे मेरे बेटे! मृत्यु के समय, तुम्हे कोई सुख स्मरण नहीं रहेगा, और कोई प्रेमी तेरी रक्षा न करेगा कोई दोस्त तुम्हारी मदद नहीं करेगा! केवल आपका भगवान ही रहेगा क्युकी प्रेमियों को दूसरे प्रेमी मिलेंगे जो उन्हें और अधिक प्यार करेंगे और अधिक उत्साह से उनकी पूजा करेंगे और उनके लिए दूसरों को मार डालेंगे, क्योंकि वास्तव में, शैतान इंसानों को दूसरे इंसानों से प्यार से तब तक गुमराह करते रहेगा जब तक वे सभी गुमराह हो और ईश्वर और उसके प्रेम के बारे में भूल गए हैं !"

"भूलना मत!" शैतान चिल्लाया। “कैन बहुत क्रूर हत्यारा था!"

तब हव्वा ने जोर से सिसकते हुए कहा, “हे कैन, अपने परमेश्वर को चोट मत पहुँचाओ, तुम्हारे निर्माता को चोट मत पहुँचाओ। हे अपने रचयिता को दुःख न दे और उसे तुम्हें बनाने पर पछतावा करने न दो ! ओह, मेरे बेटे!
शैतान के नक्शेकदम पर मत चलो जो केवल अपने अहंकार अपने लाभ के लिये भगवान की पूजा करता था और प्रेम के कारण कभी अपने परमेश्वर की आराधना नहीं की! शैतान की तरह नहीं होना जो अपने सारे

दुर्भाग्य के लिए भगवान को दोषी मानता है! बल्कि आकाश और पृथ्वी का रचयिता का एक का प्रेमी, वफ़ादार दास और मित्र बनो जिसने तुम्हें बनाया और सब कुछ बनाया और तुम्हारे उद्धार के लिए स्वर्ग को बनाया ! जानो, मेरे बच्चे, हम सब को मरना है ! हम सभी को एक दिन इस दर्द भरी दुनिया को छोड़ देना ही होगा, अगर वह दिन बहुत निकट है , हे मेरे पुत्र, तब तू अपने रचयिता की ओर विनम्रता और ईमानदारी से फिरना! यदि तुम तेरे झूठे और बेवफा आशिक इन सभी के प्रेम पर विश्वास कर सकते हो तो फिर एक क्षण के लिए भी अपने निर्माता के प्यार पर यकीन क्यों नहीं करते और सभी बुराइयों को त्याग दो!”

"तुम्हें उस दिन को कोसना चाहिए जब तुमने हत्यारे लड़कों को जन्म दिया!" शैतान ने व्यंग्य किया।

आंखें आंसुओं से भर गईं, हव्वा रोई और अपने बेटे को संबोधित किया जो बहुत दूर था। “हे कैन ,शैतान के पापपूर्ण कार्य शाश्वत स्वर्ग और शाश्वत शांति से तुम्हें विचलित न करें! ओह, मेरे बेटे का दिल! हे मेरे बेटे के भगवान! मैं उस परमेश्वर से प्रार्थना करती हूँ जो मुझे मेरे लड़के, मेरे बच्चे, मेरे बेटे को उसकी मां की खातिर माफ करने के लिए प्रेरित करे

, जिसके आंसुओं के समंदर में यह दयनीय दुनिया समा जाएगी । ओह, मेरे बेटे! यदि तुम्हारे मन में दूसरों के लिए कोई दया नहीं है,तो क्या तुम्हें उस माँ पर भी जरा दया नहीं आएगी? जिसने तुम्हें अपने पेट में दर्द अकेलापन और उदासी में रखा और जिसने आपके साथ अपना खून, अपना भोजन और उसका शरीर साझा किया? या क्या ऐसा है, मेरे बेटे, कि तुम्हें मेरे प्रेम पर संदेह है?!हे मेरे बच्चे, तू ने मुझे क्या शाप दिया है? मैं कैसे समझती के जब मैंने तुम्हें सोने के लिए गाया तो मुझे पता चला कि तुम बड़े होकर दूसरों की जान लोगे और तबाही मचाओगे उस संसार में जो परमेश्वर का है? मैं कैसे जान सकती थी के तुम अपनी ही शारीरिक इच्छा के स्वार्थी गुलाम बन जाओगे और तुम अपने अलावा

बाकी सभी चीजों के प्रति अंधे हो जाएंगे। स्वयं और अपनी वासना और अपनी खुशी और दुसरो के लिए जो भी कीमत हो वो चुकोओगे ? ओह, मेरे बेटे, तुम्हारी माँ को यह जानकर क्यों मरना चाहिए की उसके बेटे ने उस व्यक्ति को मार डाला जिसने कभी उसे नुकसान नहीं पहुँचाया?! यदि तुम्हें अपने पापों की , अपने अनंत काल की अपने भविष्य की परवाह नहीं है, यदि अपने प्रेमी के लिए अपनी गुलामी में आत्म-विनाशकारी बन गए हो ; यदि तुम अपने स्वयं के बाद के जीवन के प्रति लापरवाह हो तब तुमने अपनी माँ के बारे में कभी नहीं सोचा था। क्या तुमने पाप करने से पहले अपनी माँ के बारे में नहीं सोचा था? क्या तू नहीं जानता था कि भगवान मुझे स्वर्ग लौटा भी देते हैं तो , मेरा स्वर्ग नरक होगा! नहीं, नरक से भी बदतर अगर मेरे बेटे को अनंत काल के लिए नरक की घाटियों में फेंक दिया गया !"

“हे हत्यारे की माँ, तुमने शोक मनाकर और रो कर अच्छा किया है,क्योंकि तुम्हारा जीवन शापित और व्यर्थ है!”

“ओह, मेरे बेटे, क्या तुम अपनी माँ से सबके अनंतकाल शोक मनवाओगे? ओह, मेरे बेटे! तुम अपनी माँ के दिल को कैसे नहीं जान सकते?जब तुमने ऐसा जघन्य अपराध किया? मैं इस दर्द से कैसे बच सकती हु और इस अकेलेपन को कैसे सह सकती हु? मैं कैसे सो सकती हूँ, हे मेरे आत्मा के परमेश्वर, मैं अपने आँसुओं को रोके बिना कैसे खा सकती हूँ? अगर तुम अपने पापों के लिये पश्चाताप नहीं कर सकते तो , हे मेरे पुत्र, हे मेरे बालक,
हे मेरे ह्रदय और मेरे लड़के, अपनी माता के लिये पश्चाताप करो ! पश्चाताप करो क्योंकि तुम्हारी माता के ह्रदय में नरक तुम्हें जो पीड़ा दे सकता है उससे दस गुना अधिक वेदनाएँ होंगी ! तुम्हारे पास अपनी माँ पर कोई दया नहीं, हे मेरे बेटे, या यह तुम्हारा जुनून है क्योंकि तेरे प्रेम और अभिलाषा के पागलपन ने तुझे उसकी भावनाओ के प्रति लापरवाह बना दिया है? ओह, मेरे बेटे! मेरा लड़का, और मेरा हीरो!

हे मेरे लड़के जो एक बच्चे के रूप में देवदूत जैसा था! क्या तुम्हें अपनी माँ के आंसुओं पर कोई दया नहीं आएगी? क्या तुम्हारी माँ के आँसू तुम्हारे लिए कोई मायने नहीं रखते? क्या तुम अपनी माँ के प्यार के प्रति कितने लापरवाह हो गए हो! मैंने क्या ग़लत किया, हे भगवान! यह संसार क्या है यह दयनीय जीवन क्या है! अगर मेरा अपना बेटा ही पापी हो जाए तो

अगर मेरा अपना बेटा गैरकानूनी तरीके से खून बहाए तो जीने का क्या प्रयोजन? इस दुनिया में जीना कैसा अभिशाप है! हे भगवान जिसने मुझे बनाया! तुमने मुझे माँ क्यों बनाया है?जब मुझे अपने बेटों के लिए शोक मनाना पड़ेगा? एक मर गया और एक हत्यारा! और मुझे जीवन भर रोना पड़ेगा क्योंकि मेरे पास भावनाओ के आलावा कुछ नहीं है लेकिन एक दर्द जो हर साँस के साथ मेरे दिल को तोड़ता है!"

"हाँ!" शैतान ने कहा I "वास्तव में, आपका बेटा हत्यारा है और आप, शापित हत्यारे की माँ! तुम्हारा परिवार कितना दुष्ट है!”

हव्वा ने सिसकते हुए उन कपड़ों को पकड़ लिया जो उसने अपने बेटों के लिए सिलाये थे जब वे छोटे थे। रोते हुए उसने उन छोटे-छोटे अंगरखों को मोड़ दिया और रोते हुए बोली, “कोई मेरा दर्द कैसे समझ सकता है? उन्हें तुम्हारे प्रति मेरे प्यार के बारे में कैसे पता हो सकता है? उन्हें क्या पता भगवान ने माँ को कैसे प्यार से बनाया है? उन्हें क्या पता तुम मेरे लिए क्या हो जबकि वे स्वयं माँ नहीं होतीं? और उसने कैन के बचपन के कपड़े पकड़ कर कहा, “मेरे बेटे ने ये कमीज़ पहनी थी जब वो छोटा था ! मेरा बच्चा कभी पापरहित और सम्माननीय था और मैं उसकी गौरवान्वित माँ थी! यदि मै जब वह छोटा था तब मर जाती, तो मुझे उसके विनाश का गवाह न बनना पड़ता! ओह, मेरे बेटे। तुम मेरे लिए एक बच्चे थे तुम मेरे लिए हमेशा एक बच्चे ही रहोगे! चाहे तुम्हारे पाप कुछ भी हों, तुम हमेशा मेरे बेटे, मेरे बच्चे और मेरी आत्मा के गायक मेरे शरीर की गर्मी और मेरे गर्भ का फल और मेरे हृदय की गर्मी दिल

की धड़कन रहोगे! ओह, मेरे बेटे! जब तक मेरी सांस चलेगी, मैं अपने प्रभु से प्रार्थना करती रहूंगी ताकि तुम, परमप्रधान, जो तुम से तुम्हारे किसी भी झूठे प्रेमी से भी अधिक प्रेम करता है, उन के पास लौट आओ , जिसके प्यार के लिए तुम एक भाई को मारने के लिए सहमत हुए थे! ईश्वर तुम्हारे झूठे प्रेमियों से भी अधिक प्यार करता है जिसके प्यार पर तुम अपने नादान दिल से विश्वास करते हो और और अपना अनंत काल जलाते हो और जिसके क्षणभंगुर प्रेम के कारण झूठ के लिए, तुम अपने ईश्वर को उसकी पूजा करने और आज्ञा मानने के अधिकार से वंचित कर देते हो! लेकिन जब तक सूरज उगता है जब तक चाँद भी डूबता है, जब तक मैं इन पत्तियों और हवाओं के बीच सांस लेती हूं, जब तक मैं तुम्हारी माँ हूँ और तुम मेरे बेटे हो, मैं उस ईश्वर के सामने असंख्य आँसू बहाऊंगी जिसने मुझे और तुम्हें और तुम्हारे पिता और भाई को बनाया! जब तक मेरी रगों में खून बहता रहेगा, मैं तुम्हारे उद्धार और पाप तथा वासना और प्रेम के गुलामी से मुक्ति के लिए प्रार्थना करुँगी!”

"हत्यारे के लिए रोने का कोई फ़ायदा नहीं है,हव्वा!" शैतान चिल्लाया। "शाप दो और अपने हत्यारे बच्चे को ख़त्म करो!" “ओह, बेटा, यह एक आशीर्वाद है जिसे तुम नहीं जानते कि माँ बनकर कैसे महसूस होता है! ओह, मैं अपने सबसे बड़े दुश्मन के लिए भी इस दर्द या पीड़ा की इच्छा नहीं रखूंगी के उन्हें एक लड़के की माँ बनने का भाग्य मिले जो पाप करता है और अपनी माता की दोहाई नहीं जानता! मै तुम्हारे लिए बारिश में रोती हु बेटा और मई तुम्हारे लिए धुप में भी रोती हु ! मैं हर शीत ऋतु में और हर गर्मी और हर मौसम में तुम्हारी क्षमा के लिए रोती रहूँगी जब तक मेरा भगवान मुझे इस दुनिया से दूर न लेजाये! हे मेरे बेटे, मैं तेरे लिए रोऊंगी! तुम्हे मेरे आंसुओं की परवाह नहीं, लेकिन मैं रोना बंद नहीं कर सकती! शैतान कहता है कि मैं रोना बंद कर दूं और प्रार्थना करना बंद कर दूं, प्यार करना बंद कर दू , मानो माँ का प्यार इतना आसान हो की चाहने से प्यार करना बंद हो सकता है ! जब तक मैं प्यार करती हूँ, हे मेरे बेटे, मैं तुम्हारे लिए यहाँ वह आंसू बहाती रहूंगी

जब तक मेरा भगवान और तुम्हारा भगवान तुम्हे माफ़ नहीं कर देता है!”

“हे हव्वा! तुम्हारा मृत पुत्र कभी भी इस जीवित भूमि में वापस नहीं आएगा, चाहे तुम कितना भी फूट-फूट कर रोओ।“ शैतान ने चतुराई से घोषणा की।

यह सुनकर, हव्वा फूट-फूट कर रोने लगी। ओह, एक माँ का दर्द यह जानकर कि उसका सबसे पसंदीदा बच्चा कभी घर वापस नहीं आएगा। हाबिल उसका सुनहरा बच्चा था, जो एक आदरणीय सज्जन का जीवन जीता था। उसने अपने भाई-बहन से गरिमापूर्ण वाक्पटुता से बात की और कभी भी अपनी प्रशंसा सुनकर गर्वित नहीं हुआ। आदम और हव्वा को इस लड़के पर गर्व था जिससे वे बिना शर्त प्यार करते थे।

शैतान समझाता रहा कि मृत्यु क्या है। “मृत्यु कुछ ऐसा है जिससे आप बच नहीं सकते। यदि आप इसका विरोध करते हैं, तो यह आप पर हावी हो जायेंगी । यदि आप इससे दूर भागेंगे तो यह आपको ढूंढ लेगी।भागो ! जहाँ चाहो भागो, परन्तु नियत समय पर, मृत्यु भले ही आप एक मजबूत किले में हों, आपको ढूंढ ही लेंगी ।"

"क्या कोई हमेशा के लिए जीवित नहीं रह सकता?" हव्वा ने पूछा।

“अगर दुनिया को किसी को भी हमेशा के लिए जीने की अनुमति देनी है, तो भविष्यवक्ताओं और संतों को इसके प्याले से मौत का पानी नहीं पीना पड़ेगा। प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक आत्मा को मृत्यु का स्वाद अवश्य चखना है। और तुम्हारा हाबिल मर गया है!”

हव्वा ने शैतान की बातों पर अविश्वास करने की कोशिश करते हुए अपना सिर हिलाया, लेकिन उसने महसूस किया कि दुःख ज्वार की लहर

की तरह उसके ऊपर आ गया है, और वह फूट-फूट कर रोने लगी। “ओह, क्या दुःख है! ओह, माँ बनना यह कैसा हृदयविदारक और दुःखदायी है! यह कैसा दुःस्वप्न और दुःख है मेरा बेटा जिसके लिए मैं दिन-रात रोती हूँ! हे मेरे बेटे! मेरा अपना मांस और खून! तुम्हें तुम्हारी माँ से ज़्यादा कौन प्यार कर सकता है? कौन तुमसे प्यार कर सकता है हर दुःख, हर अकेलेपन, जीवन के हर मौसम में,समय के शाश्वत प्रवाह के साथ? सचमुच, जिस दिन पैदा बेटा होता है कोई भी मां अपने आंसू नहीं रोक सकती। हर गुजरते दिन के साथ, हर गुजरते घंटे के साथ, मेरे आँसू तेज़ हो जाते हैं! ये मेरे बेटे के लिए प्यार मेरे जीवन की हर दूसरी चीज़ को नष्ट कर रहा है, वास्तव में, वहाँ अपने बेटे के जन्म के बाद एक माँ के लिए कोई जीवन नहीं रहता है! हे हाबिल! हे मेरे बेटे! मैं मौत की भीख माँगती हूँ! मैं मौत का सपना देखती हूं और मैं अपने दर्द को नियंत्रित नहीं कर सकती! मेरा दिल टूटना बहुत गंभीर है, मेरा दर्द बहुत पागल है और मेरा दिल बहुत नाजुक, और मेरा मन इस जीवन को तुम्हारे बिना जारी रखने के लिए बहुत अकेला है!"

शैतान ने रोती हुई माँ को उत्सुकता से देखा और कहा, “अगर जिंदगी की हकीकत जाननी है तो कब्रिस्तान जाओ,और उजाड़ कब्रों में झाँक कर देखो कि वहां कौन दफ़न हैं, और जांचें कि कौन से नेता, राजा और राजनेता या सम्राट ठंडी और फफूंदीयुक्त धरती के नीचे पड़े हैं। बहुत अच्छा और शक्तिशाली शासक जो पृथ्वी पर धूमधाम और गौरव से चले , और उनके साथ हजारों सर्वर, ये सभी हैं धरती के अंदर, और वे मोटे शरीर कीड़े और मकोड़े का भोजन बन गये थे। और उन कीड़ों को दूसरे लोग खा जाते हैं और ये है जिंदगी की हकीकत और मौत की सच्चाई, जहाँ हर दिन कब्र पुकारती है: मैं कीड़ों का घर हूं, मैं अँधेरे का घर हूँ, मै कीड़ों का घर हूँ, मैं अकेलेपन का घर हूँ , इसलिए मेरे पास आने से पहले खुद को तैयार कर लें।"

मौत की हकीकत सुनकर हव्वा के आंसू छलक पड़े। उसका बेटा हाबिल दिव्य स्वभाव का था और उसका हृदय भी पवित्र था घमंड के सभी जादू-टोने से मुक्त था। उनके माता-पिता ने उस पर जीवन की बेतहाशा विलासिताएँ लुटाई और उसे प्रेम और पुत्रवत स्नेह के ताबीज से ताज पहनाया। हव्वा के आँखों में मृत्यु की घटना के तीव्र अहसास के रूप में उसकी आंसुओं का ज्वार भर आया जो धीरे-धीरे उसकी मातृ हृदय दरारों में धँस गया ।

शैतान निराशा से भर गया और चिल्लाया, “हे हव्वा! देखो कैसे तुम्हारे भगवान ने तुम्हारे बेटे को मार डाला! वह कितना क्रूर है! उसे शाप दो और ईश्वर की निंदा करो! परमेश्वर को शाप दो और उसका इन्कार करो!”

“हे नीच प्राणी!” हव्वा चिल्ला उठी। “भगवान ने मेरे बच्चे को नहीं मारा! तुमने मारा ! तुमने मेरे एक बेटे को मार डाला और दूसरे को हत्यारा बना दिया! शापित हो तुम और तुम्हारी साजिशें, हे शैतान! चले जाओ और हमेशा के लिए निर्वासित हो जाओ, वास्तव में, भगवान हमें कभी नुकसान नहीं पहुँचाते!”

"लेकिन भगवान ने आपके बेटे को छीन लिया!" शैतान ने बेरहमी से समझाने की कोशिश की।

"हाँ!" दुःखी माँ रो पड़ी। “हां, भगवान मेरा प्रिय पुत्र स्वर्ग में ले गए ! लेकिन मैं कौन होती हूं विलाप करने वाली , जब मेरा बच्चा कभी मेरा नहीं हुआ! मेरा बेटा हाबिल निर्माता के साथ स्वर्ग में है, जिसने उसे बनाया और इतने वर्षों तक पृथ्वी बनाए रखा, जिस ने बालक को अमानत के लिये, और सुरक्षित रखने के लिथे मुझे दिया है, और नियत समय पर परमेश्वर ने मुझ से वह सब स्मरण दिलाया जो मेरे पास था सदैव उसी का था! मेरा बेटा स्वर्ग में भगवन के साथ खुश है और मुझे

आशा है कि ब्रह्मांड का भगवान मुझे तुम्हारे जैसे प्रतिशोधी राक्षसों से दूर ले जाएगा
और स्वर्ग में मुझे मेरे बेटे से मिलाएगा !"

“लेकिन तुम्हे ऐसा करने के लिए भगवान को कोसना और दोष देना चाहिए" शैतान ने ज़ोर देकर कहा। “वह तुम्हारे बेटे को बचाने का आदेश दे सकता था! माताओं में अपने बच्चों के प्रति भावनाएँ होनी चाहिए, और उन्हें अपने बच्चे को छीनने के लिए भगवान को कोसना चाहिए और उनसे नफरत करनी चाहिए!”

"तुमने यह किया!" हव्वा जोर-जोर से चिल्लाने लगी। “हे शैतान, तुमने मेरे एक बेटे को हत्यारा बना दिया और दूसरे को मार डाला! मुझे तुम्हे अभिशाप देना चाहिए ! यह तुम्हारी चालाकी है जिसकी मुझे निंदा करनी चाहिए! क्या तुम सोचते हो शैतान, कि तुम मुझे फिर से मूर्ख बना सकते हो, जैसा तुमने जन्नत में किया था और मुझे मेरे पति को वर्जित फल का जूस पीने के लिए मजबूर करवाया था ? क्या तुम्हें लगता है मैं तुम्हारे चालो के सामने झुक जाऊँगी? कभी नहीं! तुमने मेरे बेटे को मार डाला है, और मेरे पति को स्वर्ग से निकाल दिया गया, और मैं या मेरे परिवार का कोई भी सदस्य फिर कभी आपके झूठे वादे और जानलेवा चालें नहीं सुनंगे!”

“सोचो, हे स्त्री!” शैतान ने प्रसन्न स्वर में दोहराया। "ईश्वर ने तुम्हें शोक मनाने का एक कड़वा कारण दिया! इससे अधिक दुःख एक माँ के लिए और क्या हो सकता है अपने ही बच्चे को मरते हुए देखना और दूसरे को हत्यारा करार दिया जाना? कम से कम तुम अपने निर्दयी रचयिता का निंदा तो कर ही सकती हो और इन्कार कर सकती हो !”

"मैं तुमसे ईश्वर की शरण चाहती हूं, हे अभिशप्त और अस्वीकार किए गए व्यक्ति!" हव्वा ने फूट-फूट कर आह भरी और बहुत आँसू बहाए। “चले जाओ और मुझे शांति से शोक मनाने दो!”

स्वर्गदूतों की एक टोली आसमान में यात्रा कर रही थी उस भूमि के ऊपर से उड़ रही थी जहाँ हव्वा रो रही थी, और जब उन्होंने शैतान को गरीब माँ पर अत्याचार करते हुए सुना, वे रुक गये।
दुःखी माँ की गवाही देवदूत भी देने लगे उसकी दुर्दशा पर आँसू बहाये और जल्द ही, वे और नीचे उतर आये और भगवान की स्तुति की और जय-जयकार के कई दोहे गाए, हव्वा को सांत्वना देने की कोशिश की, हालाँकि वे जानते थे कि नरम दिल वाले माँ ने उन्हें सुनने की संभावना नहीं थी ।

देवदूत ने , अपने गढ़े हुए बर्फीले गालों से आँसू बहाते हुए अपने पंख नीचे झुकाये और कोरस दोहराया:
अफसोस, एक माँ को कितना दर्द सहना पड़ता होगा,
और बिना किसी शिकायत के चुपचाप सहते रहो!
हे नारी प्रेम और माँ की भावना!
क्या तुम्हारे आँसू सागर में बह जायेंगे?
आह, वह कब तक ऐसा दुःख भोगती रहेगी?
ओह, उसके आँसू कितने कड़वेपन से बह निकले!
उन घास के मैदानों की तरह जिन पर रोशनदान गाते हैं,
और फूल जो वसंत के चेहरे पर खिलते हैं,
माँ का हृदय प्यार और देखभाल से भरा होता है,
उसके बच्चे उसकी खुशी और सांस लेने वाली हवा हैं!
हे बच्चे के जन्म पर माँ की ख़ुशी,
इस धरती पर कोई भी तुलना नहीं कर सकता;
और जैसे-जैसे उसका बच्चा बड़ा होता है उसके चेहरे पर खुशी,
और वह दया और प्रेम जो वह दिखाती है!

हे उसके मांस का मांस, उसका बच्चा उसका अपना है,
हे जिस प्रेम का वह आनंद ले सकती है, उसे कोई अस्वीकार नहीं कर सकता!
जिस पीड़ा और दुःख का वह फिर से सामना करती है,
एक माँ सबसे दर्दनाक दर्द सहती है,
और अपने बच्चे के लिए उसके आँसू सच्चे और सच्चे हैं,
उसका प्रेम महान है, और उसकी प्रार्थना भी महान है!
चंद्रमा की तरह जो आधी रात को हल्की चमक देता है,
एक माँ की मुस्कान हमेशा उसके बच्चे पर बरसती है!
आशा के आंसुओं और भय के आंसुओं के साथ,
माताएँ एक असहाय योद्धा की तरह ईश्वर को पुकारती हैं!
घर में चूल्हे के पास, जब माँ जन्म देती है,
समुद्र में नाव से, जब उसका बच्चा पृथ्वी पर घूमता है,
माँ का प्यार स्थिर है, हर रेगिस्तान या जंगल में,
क्योंकि माँ अपने प्यारे बच्चे की मित्र होती है!
हे माँ! क्यों, यदि मृत्यु निश्चित है, तो इतनी गंभीरता से रोओ,
कि इस प्रकार दुःख के साथ तुम्हें अपना अस्तित्व तोड़ देना चाहिए?
जो दुःख जानता है, उसे यह दुःख सुनाई दे,
क्योंकि माँ का स्नेह बीमार पक्षी के विलाप से भी बढ़कर होता है;
अँधेरे और अँधेरे में, माताएँ भ्रमित नहीं होतीं,
और अपने प्रिय बच्चे को अपने आलिंगन में ले लेती है!
हे माताओं, रोमांचित होओ और अपने बच्चे से सदैव प्रेम करो,
मृत्यु से लेकर जीवनपर्यंत सम्मानित और पोषित रहें;
आपके आँसू और आपकी प्रार्थनाएँ, भगवान पूरा करेंगे,
क्योंकि तेरे बच्चों का स्वर्ग निश्चय तेरे चरणों में है!
क्या आपको अभी भी उस बच्चे के लिए दुःख है जो मर गया?
जानो हे माँ! वह ईश्वर आपके साथ है!
यह बच्चा आपके लिए खुशी और दर्द दोनों लेकर आया है,
आपकी संतानें और आप फिर से एक हो जायेंगे!

भगवान ने तुम्हारे दिन से सूरज की रोशनी छीन ली है,
लेकिन हे माताओं, धैर्य रखो और प्रार्थना करना जारी रखो!
तेरे आँसू वर्षा के समान हैं, और तेरे पाप क्षमा किए गए हैं,
तुम माताओं को जानो! आपकी प्रार्थनाएँ स्वर्ग तक पहुँचती हैं!
तेरे निर्माता ने अपनी बुद्धि और अनुग्रह से चुना है,
सभी माताओं का सम्मान करने और उनके चेहरे को उज्ज्वल करने के लिए!
पाप और दुःख में भी, विद्रोही दृष्टि से भी,
माँ का हृदय कितना गर्म होता है, कितना दयालु और विनम्र।
एक माँ खून और संघर्ष के आँसू रोती है,
जब उसका बच्चा उसकी जिंदगी से चला गया!
हे माँ, जिसने भूखा नहीं, बल्कि पालन-पोषण चाहा,
लेकिन हे उसके बच्चे को अभी भी नष्ट होना था!
भगवान माँ को सर्वोत्तम पुरस्कार दे,
और उसकी आँखों का दर्द कम करो!
हम स्वर्ग में, एक दूसरे को, अवगत कराते हैं,
माँ का प्यार कभी नहीं मरता!"

इस शोक सभा के समापन पर, स्वर्गदूतों ने गाना बंद कर दिया दुखी माँ के लिए आशा के शब्दों के साथ अपना कोरस समाप्त किया। माँ, जिसने कुछ ही समय पहले एक बेटे को मौत के सामने खो दिया और अभिशाप के लिए अन्य। "हे माताओं!" स्वर्गदूतों में से एक ने आगे कहा । "बच्चे अनमोल रत्न हैं, जो आपके ईश्वर की ओर से आपको सौंपे गए हैं, जो कभी-कभी उन्हें शांतिपूर्ण स्वर्ग में निवास करने के लिए ले जाता है! हे माँ!

तो खुलकर शोक मत करो, जिस बच्चे से आप प्यार करते हैं वह एक बेहतर और दयालु दुनिया में चला गया है, ईश्वर को संरक्षक मानकर उसके साथ रहने के लिए! यदि आप केवल यह जानते होंगे कि कैसे

भगवान उन माता-पिता को उदारतापूर्वक पुरस्कृत करता है जो ऐसे दुःख के बाद धैर्य रखते है, फिर आप दृढ़ रहेंगे और शहीद बच्चे की शाश्वत खुशी के लिए प्रार्थना करेंगे। बच्चे जिन्हें स्वर्ग ले जाया गया है वे ईडन में अपने माता-पिता की प्रतीक्षा कर रहे हैं , और जल्द ही सभी माताएँ अपने नन्हें बेटी या बेटा के साथ एकजुट हो जाएँगी! जल्द ही, सारा दुःख दूर हो जाएगा, और धैर्य की रस्सियों को थामे रखने का अत्यधिक प्रतिफल मिलेगा उन माताओं के लिए जिन्होंने इस धरती पर अपने बच्चे को खो दिया है!"
कई दिनों के बाद, जब आदम घर आया, तो उसने हव्वा को रोते हुए देखा
उसने उससे पूछा कि उसे क्या तकलीफ है।

हव्वा ने अपने पति को उत्तर नहीं दिया और उन्मादपूर्वक रोती रही। वह हाबिल के खोने का दुःख मना रही थी, लेकिन एक माँ के रूप में,वह यह भी नहीं चाहती थी कि उसके दूसरे बेटे को फटकार मिले।

आदम उससे उसके आंसुओं का कारण पूछता रहा, लेकिन हव्वा केवल रोती रही , जिसके बाद आदम नाराज हो गया और कहा, "तुम्हें और तुम्हारी बेटियों को रोने की आदत विरासत में मिलेगी, जबकि मैं और मेरे बेटे इससे मुक्त हैं!"

कैन को यह नहीं पता था कि जिस गुफा में उसने अपने भाई को मार डाला था जो बाद में एक पुरातात्विक अभयारण्य बन जाएगा यहां हजारों की संख्या में आगंतुक आते रहेंगे जो हाबिल की दिवंगत आत्मा के लिए प्रार्थना की पेशकश करेंगे। पहाड़ के चरणों में, एक ऐसे शहर का जन्म होगा जो जीवन से भरपूर होगा मेहनती गतिविधियां और इसमें हजारों प्रार्थना स्थल शामिल हैं और पर्यटकों के लिए धार्मिक मंदिर और मानद स्मारक यात्रा और स्थानीय लोग श्रद्धेय। रहस्यमय और दुर्गम जिस भूमि पर कैन ने हाबिल को मार डाला वह जल्द ही प्रतिष्ठित बन गई

और वह गुफा प्रसिद्ध है जहाँ उसने अपने भाई पर घात लगाकर हमला किया था उसे संरक्षित एवं संश्लेषित किया जाएगा।

अपराध स्थल जहां कैन ने अपने भाई हाबिल को मार डाला, वह इतिहास के पन्ने में अंकित हो गया।

कैन ने अपने भाई को मार डाला, इसके बाद वह हाबिल की लाश को अपने साथ ले गया वह पूरे एक वर्ष तक एक स्थान से दूसरे स्थान तक दौड़ता रहा उसे नहीं पता कि उसके भाई की लाश के साथ क्या किया जाए। ईश्वर ने हाबिल के हत्या के बाद कैन की पीड़ा और पछतावे का वर्णन किया, अंतिम नियम बताता है: "फिर, भगवान ने एक कौवा भेजा जिसने उसे यह दिखाने के लिए कि उसके भाई का शव को कैसे छुपाया जाता है, ज़मीन को खरोंचा। उसने (हत्यारे ने) कहा: 'हाय मुझ पर! क्या मैं इस कौए की तरह बनने और मेरे भाई के शव को छुपाने में भी सक्षम नहीं ?' तब वह पछतानेवालों में से एक बन गया।" (अंतिम नियम, 5:31)

हाबिल की हत्या करने के बाद, कैन ने शव को अपनी पीठ पर लाद लिया
उसे किसी पेड़ के नीचे या किसी गुफा में छुपाने की कोशिश की, लेकिन वह असमंजस में था। उसने गुस्से में आकर अपने भाई की हत्या कर दी थी, लेकिन अब उसका गुस्सा शांत हो गया था । कैन का हृदय अपराध बोध से भर गया और उसे उसके पाप पर कुछ शर्म महसूस होने लगी ।

दरअसल, कैन शर्मिंदा था और जानता था कि उसने इस रातअपनी आत्मा खो दी है। जैसे-जैसे वह शर्मिंदगी के अपने जीवन में आगे बढ़ता रहा
इस गुफ़ा से परे दूर की दुनिया उसे बर्फ़ जैसी दिखाई देती थी जहां भगवान की दया मौजूद नहीं थी और वह सोच रहा था यदि उसके सिंहासन से ऊपर का ईश्वर उसके कार्य से अनंतकाल तक नाराज रहेंगे।

उसका जीवन अब अकेलेपन और ज्वलंत जागरूकता के अलावा कुछ नहीं था उसका अक्षम्य पाप उसकी आँखों के सामने घूम गया। कैन जानता हत्या क्या थी और वह यह भी जानता था कि वह एक ईश्वर के पवित्र पैगम्बर का नेक बेटा था! क्या ईश्वर उसे अपने भाई की हत्या के लिए कभी माफ करेगा? सचमुच, वह कोई साधारण अज्ञानी मूर्ख था!

कैन आदम का पुत्र था, जो ब्रह्माण्ड का पहला मनुष्य था, वह मनुष्य जिसे ईश्वर ने सबसे अधिक ज्ञान प्रदान किया था । आदम एक दयालु पिता था जिसने कैन को वह सब कुछ पढ़ाया था जो उसे पृथ्वी पर धर्मी और सुखी जीवन जीने के लिए जानना आवश्यक था, लेकिन उसने अपने भाई को मारकर सभी पवित्र संभावनाओं को नष्ट कर दिया था।अफ़सोस! वह परास्त हो गया था शैतान की फुसफुसाहट से और उसने सोचा की क्या उसके भविष्य में और भी कुछ कष्ट बाकी है।

उसके भाई की लाश के वजन भारीपन के कारण कैन धीरे-धीरे थकने लगा था। शव धीरे-धीरे सड़ रहा था, और उसमें से एक भयानक गंध आने लगी। हालाँकि हत्या एक गंभीर पाप था, भगवान ने कैन के दुख पर दया दिखाने का फैसला किया , और मानव जाति को मृत्यु के बाद शरीर गरिमापूर्ण तरीके से शिक्षित करने के लिए , भगवान दो पक्षियों को पाठ देने भेजा।

जैसे ही कैन बैठा और पृथ्वी पर पहला हत्यारा होने के लिए खुद को कोसने लगा, उसने देखा कि दो पक्षी भयंकर झगड़ रहे थे, और एक ने दूसरे को अपनी चोंच के जोर से मार डाला। फिर हत्यारे पक्षी ने नरम धरती पर पंजा मारा और ज़मीन पर एक गड्ढा बना दिया। मृत पक्षी को गड्ढे में धकेल दिया और पंखदार शरीर को जमीन में छिपा दिया। विजयी पक्षी ने ढकने के लिए अपने पंजों का प्रयोग किया और रेतीली मिट्टी से मरा हुआ कौआ ढक दिया।

जब कैन ने मरे हुए कौवे को दफ़न होते देखा, तो वह तुरंत उठा उसे एहसास हुआ कि मृतकों को ठिकाने लगाने का यही तरीका है, इसलिए अपने भाई कैन की भारी लाश को ज़मीन पर रखकर उसने कब्र खोदना शुरू किया। एक बार फिर उस पक्षी की ओर देखा जिसने कैन को दिखाया कि मुर्दे को कैसे दफनाया जाता है, कैन शर्म से काँप उठा। वह इतना मूर्ख कैसे हो सकता था? वह पश्चातापपूर्वक रोया,
"मुझ पर धिक्कार! मैं मेरे भाई की लाश को छुपाने के लिए वह नहीं कर सका जो इस कौवे ने किया है।"

अपने हाथों का उपयोग करते हुए, उसने जमीन को तब तक खुजाया जब तक कि एक गहरा गड्ढा न हो गया। तब उस ने हाबिल के शारीर को ठिकाने लगाया, और उसे मिट्टी से ढक दिया। अपने मृत भाई के शव को मिटटी के साथ दफनाकर उसे ढक दिया, कैन धरती पर किसी मुर्दे को दफनाने के लिए पहला मनुष्य बनने के बाद अपने घर लौट आया। उसने अपनी माँ को चिंता से बीमार पाया,क्योंकि वह हाबिल को ढूंढ़ रही थी, और अपने प्रिय बेटे को न पा सकी।

जल्द ही, आदम तीर्थयात्रा से लौटा, और उसने देखा हाबिल को गायब था। उसने रात होने तक प्रतीक्षा की, और जब हाबिल को अपने झुंड की देखभाल करके लौटने में देर हो रही थी ,आदम ने कैन से पूछा कि क्या उसके भाई के साथ क्या हुआ था, और कैन ने कठोरता से उत्तर दिया।
"मुझे कैसे पता होगा? मैं उसका रखवाला या चरवाहा नहीं हूँ?”

वृद्ध पिता को अपने ह्रदय में तीव्र वेदना महसूस हुई जैसे उसके सहज प्रवृत्ति ने अंदर लात मारी। उसने किसी तरह कैन के रक्षात्मक रवैये को देखकर अनुमान लगाया कि युवाओं ने कुछ भयानक किया है! अब उसके परिवार की विरासत ऊपर एक अंधेरा फैल गया था, और आदम भविष्य के लिए उस इतिहास को जानता था की आगे की पीढ़ियाँ संभवतः उसके बेटे के बारे में भयानक बातें करेंगी।

जिस क्षण कैन ने हाबिल को मार डाला, शैतान उसके पैरों पर उछल पड़ा और उसने आग के चारों ओर नृत्य करना शुरू कर दिया। उसने अपने सभी राक्षसों को इकट्ठा किया और चारों ओर खुशी से चिल्लाया। देखना! देखिये मैंने कैसे इंसान जानवरों से भी बदतर बनाया जहां एक भाई एक भाई को मार देता है ! मैंने आदम के पुत्रों से पशुओं के समान पाप कराया! मुझे कितनी खुशी महसूस हो रही है, अब जब उन्होंने पाप किया और कैन ने अपने भाई को मार डाला! मैंने इंसानों को कुत्तों की तरह भाई-बहनों के पीछे वासनायुक्त बना दिया! हे मेरे लिए ख़ुशी! मैं मानवजाति को पाप कराता रहूँगा। अगली बार, मैं पुरुषों को उनके बच्चों के साथ यौन संबंध बनाने पर मजबूर करूँगा!"

शैतान पागलों की तरह हँसा और चिल्लाया। "ओह, यह सिर्फ शुरुआत है! मैं लाखों आदमियों को लाखों लोगों निर्दोष की हत्या करवा दूँगा! मैं उनसे घृणित यौन ओरान और अभिलाषाओ के लिए दूसरों पर अत्याचार करवाऊंगा, जब तक कि वे बदबूदार महिलाओं पर लड़ाई करते थक न जाएँ! मैं उन्हें पुरुष के लिए पागल बना दूँगा, और उन पुरुषों के लिए वे अपनी ही बहनों और माताओं को मार डालेंगे। आज मैं कितना खुश हूँ!

ब्रह्मांड में पहली हत्या देखने के बाद, घृणित शैतान पागलों की तरह हँसा। "ओह, मेरे अच्छे दिन अभी शुरू हुए हैं। मुझे खुशी महसूस हो रही है, मनुश्यो को जानवरों की तरह पाप करवाने के लिए मुझे ज्यादा देर तक इंतजार नहीं करना पडेगा।' " उन्होंने आग जलाना और मनुष्यों को श्राप देते नृत्य करना जारी रखा।

हाबिल को खोने से आदम पूरी तरह से दुखी था, लेकिन उसने शोक व्यक्त किया कि दोनों लड़कों को हमेशा के लिए उससे दूर जाना पड़ेगा। कैन उसे फिर कभी नहीं देख सकेगा , क्योंकि वह शैतान के प्रभाव से पराजित हो गया था और जगत का पहला हत्यारा बन गया। अफ़सोस!

आदम को जो दुःख महसूस हुआ वह अंतहीन था! उसे एहसास हुआ कि कैन भयानक दुःख का वाहक होगा,क्योंकि तब से, हर एक हत्या का पाप पृथ्वी पर घटित होने के लिए कैन को जिम्मेदार माना जाएगा क्युकी वह पहला हत्यारा था।

आदम ने कैन को इलाके से भगा दिया और हत्यारे को दंडित किया उसे पृथ्वी पर एक अभिशप्त पथिक होने का आदेश दिया। अब पृथ्वी को कैन के अधीन होने की अनुमति नहीं दी गई और उसके बाद,जब वह खेती करता था और बीज बोता था, तो कोई फसल नहीं उगती थी। पृथ्वी को यह देखकर दुःख हुआ कि एक मनुष्य ने अपने भाई को मार डाला है और मिट्टी को जवान और मासूम बच्चे की लाश को निगलने के लिए मजबूर कर दिया।

चूँकि कैन ने पवित्र भूमि को हाबिल का खून गिराकर अपवित्र कर दिया था , भगवान ने अब उसे मिट्टी जोतकर अपनी आजीविका हासिल करने की अनुमति नहीं दी। कैन कई वर्षों तक पृथ्वी पर घूमता रहा, उसके दिल पर भारी पड़े बिना अपने ही भाई की हत्या के अपराध बोध के साथ।

हत्यारा बेटा लगातार भटकते रहने के लिए अभिशप्त था जहां उसे सभ्यता से दूर रहना पड़ा, ताकि कैन अब और हत्या न कर सके ।अपने भाई को मारने के बाद कैन फिर कभी उसके माता-पिता से मिलने नहीं आ पाया , क्योंकि उसे उनके घर से निकाल दिया गया था। वह दूर जाकर बंधुआई में रहने लगा, और उसने शादी करने और बच्चे पैदा करने के लिए फ्लैटलैंड्स बीच में एक स्थान चुन लिया, जबकि आदम और उसकी शेष संतान राजसी पहाड़ी क्षेत्र पर रहती थी और अपने प्रिय पुत्र सेठ को सब कुछ सिखाने लगा ,वह जो ईश्वर और परलोक के बारे में जानता था।

ईश्वर का पैगम्बर होने के बावजूद आदम उसके बेटो को एक दूसरे का नाश करने से रोक नहीं सका! ओह, उसने अपने दिल के अंदर कितना दुख महसूस किया! जैसे-जैसे आदम बुढा होता गया, उसने अपने बच्चों को पढ़ाया और पोते-पोतियों को ईश्वर के प्रेम और उनकी दया के बारे में सिखाया । उसने उन्हें ईश्वर में विश्वास करने और दूसरों को सिर्फ भगवान की पूजा करने के लिए बुलाने का निर्देश दिया। उसने कहानी दोहराई की कैसे शैतान ने उन्हें निषिद्ध वृक्ष का फल खाने के लिए उकसाया और उन्हें स्वर्ग से निष्कासित कर दिया गया। अंततः, आदम ने अपने बच्चों को चेतावनी देने के लिए कैन के कार्यों का वासना और मानवीय प्रेम और प्रलोभनों के खतरों के बारे में उपयोग किया। उसने याद दिलाया कि यह शैतान ही था जिसने कैन को हाबिल को मारने के लिए प्रोत्साहित किया था, और शैतान कभी भी पृथ्वी पर हर इंसान की अच्छाई नष्ट करने की कोशिश करना बंद नहीं करेगा।

वर्षों तक, आदम अपने बेटों को सलाह देता रहा, और जब वह बहुत बूढ़ा और कमज़ोर हो गया, तो उसने अपने पुत्र सेठ को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त कर लिया और उसे धर्म और फिलोसोफी का ज्ञान सिखाया। आदम ने अपने प्यारे बेटे को दिन के घंटे गिनती करना और रात का समय कैसे मापें और नियत समय पर प्रार्थना कैसे करें सिखाया। उसने सिखाया सेठ को पूजा के सभी उचित कार्य कैसे करने चाहिए और उसने उसे यह भी भविष्यवाणी की थी कि उसके वंशजो के बीच से नूह नाम का एक विष्यवक्ता आएगा , और फिर, एक शक्तिशाली बाढ़ भूमि को भर देगी और पृथ्वी को सभी पापियों से शुद्ध कर देगी ।

सेठ एक धर्मात्मा युवक था जो अपने पिता का आदर करता था अपनी माँ से प्यार करता था। वह परिवार के भलाई के लिए चिंतित थे और छोटे भाई-बहन सभी दैवीय आज्ञा का पालन करते हुए रहते थे।

जब सेठ बड़ा हुआ, तो उसके पिता ने धर्मपरायण व्यक्ति के तौर पर उसका अभिषेक किया और वह आदम की तरह ईश्वर का पैगम्बर बन गया। जब आदम की मृत्यु निकट थी, उसने अपने बच्चों से कहा, “बच्चों, सचमुच मुझे जन्नत के फलों की भूख महसूस होती है।'

बच्चे अपने स्नेही पिता से प्यार करते थे, और वे सब जानते थे कैसे आदम और हव्वा एक समय स्वर्ग में रहते थे और अनोखा भोजन करते थे विदेशी फल और स्वादिष्ट भोजन खाते थे। वे उसे वह देना चाहते थे जो उसने चाहा, इसलिए आदम के सभी पुत्र दूर चले गए। उन्होंने पृथ्वी की यात्रा की, दलदलों को पार करते हुए और घाटियों में दौड़ते हुए, खोज करते हुए, आदम ने जो अनुरोध किया था उसके लिए। वे प्रत्येक पेड़ के ऊपर चढ़ गये और पके और अनोखे फलों की उत्सुकता से खोज की।

आदम के कुछ बेटे प्रयास में बर्फीली नदियों को तैरकर पार कर गए गर्म स्थानों में चले जाएँ ताकि वे अपने बीमार पिता के लिए अधिक से अधिक स्वादिष्ट फल संग्रह कर सकें जो उत्सुकता से कुछ स्वादिष्ट फल खाना चाहते थे जो स्वर्ग के फलों के समान हों ।

रास्ते में, बच्चों की मुलाकात स्वर्गदूतों से हुई, उनके पास एक चमचमाता कफन और कुछ स्वर्गीय सुगंधित सामग्री थी जिससे मृतकों का लेपन किया जाता है। देवदूतों ने उनसे कहा, “हे आदम की सन्तान, तुम क्या खोज रहे हो? आप क्या चाहते हैं? आप कहां जा रहे हैं?"

उन्होंने कहा, “हमारे पिता बीमार हैं और उन्हें उन्होंने कहा, “हमारे पिता बीमार हैं और उन्हें स्वर्ग के फलों की भूख है, इसलिए हम आशा करते हुए, पृथ्वी भर में यात्रा कर रहे हैं एक दुर्लभ फल ढूंढते हुए जो मेरे पिता को उनकी बीमारी का कष्टदायक दर्द भूला देगा और वे एक बार फिर मुस्कुराये।”

स्वर्गदूतों ने उनसे कहा, “वापस जाओ, क्योंकि तुम्हारे पिता का जल्द ही अंत हो जाएगा।”

इसलिए, वे स्वर्गदूतों के साथ लौट आए और जब हव्वा ने उन्हें देखा, तो वह उन्हें मृत्यु के दूत के रूप में पहचाना, क्योंकि वह अपने पति के साथ स्वर्ग में रहती थी और जानती थी कि मृत्यु के दूत नियुक्त किये गये स्वर्गदूत कौन हैं। हव्वा उन्हें देखकर घबरा गई वह उनके और अपने प्रेमी पति के बीच आने की कोशिश करने लगी। वह एक ऐसी महिला थी जिसका दिल प्यार से भरा था और वह वह अपने पति को देवदूतो के कारण खोना नहीं चाहती थी।

जब हव्वा ने छिपकर आदम को स्वर्गदूतों से उसके पीछे छुपाने की कोशिश की, आदम ने उसे धीरे से डांटा और कहा, “मुझे अकेला छोड़ दो। मेरे और मेरे प्रभु के स्वर्गदूतों के बीच मत आओ।"

हव्वा ने अपने पति की इच्छा का सम्मान किया और पीछे हट गई। थोड़े ही देर के बाद, मृत्यु के दूत आदम के सामने बैठ गए और उससे बात करने लगे उन्होंने कोमल शब्दों का प्रयोग किया। एडम के सभी बच्चे चारों ओर खड़े थे, उन्होंने उसे र उत्सुकता से देखा जैसे स्वर्गदूत उसकी आत्मा ले रहे थे।
यह पृथ्वी पर होने वाली पहली प्राकृतिक मृत्यु थी, इसलिए स्वर्गदूतों को मृत्यु का अनुष्ठान प्रदर्शित करने का आदेश दिया गया।आदम और हव्वा के अनेक बच्चों की निगरानी में,स्वर्गदूतों ने आदम के मृत शरीर को उसे शुद्ध सफेद कफन के साथ क्षत-विक्षत कर लपेट दिया। उन्होंने एक गहरी कब्र खोदकर इसमें पैगंबर का शरीर रख दिया और उसके शरीर के ऊपर खडे होकर अंतिम संस्कार की प्रार्थना की और धीरे-धीरे, महिमामय परमेश्वर का नाम लिया , उन्होंने कब्र को ताज़ी मिट्टी से ढँक दिया। दफ़न पूरा करने के बाद, उन्होंने उन मनुष्यों को सूचित किया जो वहाँ

देख रहे थे। "हे आदम की सन्तान! इसे अच्छी तरह सीखो, क्योंकि यह तुम्हारे मृत्यु के समय की परंपरा है!"

अपनी मृत्यु से पहले आदम ने अपने बच्चों को आश्वस्त किया कि ईश्वर मनुष्य को पृथ्वी पर अकेला कभी न छोड़ेंगा , परन्तु अपना मार्गदर्शन करने के लिए उनके भविष्यवक्ता भेजेगा। दूत और नबी अलग-अलग नाम, लक्षण और चमत्कार वाले होंगे, लेकिन वे एक चीज़ में एकजुट होंगे; अकेले ईश्वर की पूजा करने और उसका गुणगान करने का आह्वान उसका कोई साझीदार नहीं। अपनी मृत्यु से पहले, आदम ने इसकी सूचना पुत्र सेठ को दी, कि बारह सौ वर्ष पश्चात उसकी मृत्यु हो जाएगी इस धरती पर लोगों को सत्य का मार्ग का मार्गदर्शन करने के लिए एक और पैगम्बर भेजा जाएगा। यह पवित्र व्यक्ति नूह होगा, जो आदम और हव्वा का वंशज होगा और भूमि पर धर्मी जीवन व्यतीत करेगा और अपने साथी मनुष्यों से एक ईश्वर में विश्वास करने का आग्रह करें और शैतान की पूजा करना बंद करो। जो धर्मनिष्ठ एवं परोपकारी रहेंगे तो उनका देवदूतों से मिलन हो सकेगा। वे सेवकाई करने वाली आत्माएँ और परमेश्वर के पंखों वाले दूत उन मनुष्यों का उत्सुकता से अभिनंदन करेंगे जो इसके एकेश्वरवादी विश्वास के प्रति दृढ़ रहेगे और देवदूत उनका सम्मान करने के लिए उनसे हाथ मिलाएंगे। आदम की अपने बच्चों के लिए वसीयत थी ईश्वर की आज्ञा मानें और उसके सभी प्रेरितों का सम्मान करें और पाप से दूर रहें। आदम ने बोलना समाप्त किया और अपनी आँखें बंद कर लीं। तब स्वर्गदूतों ने उसके कमरे में प्रवेश किया और उसे घेर लिया। जब उसने अपने बीच में मौत के दूत को पहचान लिया, उसका दिल शांति से मुस्कुराया क्योंकि वह अपने समय के स्वर्ग के इन दोस्तों को पहचानता था।

आदम के निधन के तुरंत बाद, सेठ को स्वर्ग से अनुदेश प्राप्त हुआ यह आदेश देते हुए कि उसकी संतानों को कैन के वंशजों से विवाह करने से प्रतिबंधित किया गया था। सेठ और उसके परिवार ने इस नियम का

निष्ठापूर्वक पालन किया जब तक उसके परिवार के युवा शैतान के हथकंडों से और अधिक प्रभावित हो गए।

शैतान ने मनुष्य का रूप धारण किया और कैन के पास गया और नौकरी मांगी। उन्हें साधारण किसान नियुक्त किया गया और एक छोटी सी नौकरी दी गई। जबकि शैतान ने एक फार्महैंड के रूप में भेष बनाया , उन्होंने धीरे-धीरे संगीत के विभिन्न रूपों के वाद्‌ययंत्र को कैन के बच्चों और पोते-पोतियों के सामने पेश किया, और उन्हें परमेश्वर की आज्ञाओं का उल्लंघन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उसने युवा मनुष्य तेज़ और तीव्र ध्वनि के तार वाले वाद्‌ययंत्र का आदी बनाया और जल्द ही, युवा उन ध्वनियों से मंत्रमुग्ध हो गए और पूरे दिन संगीत वाद्‌ययंत्र बजाया, और सारी रात धुनों पर नृत्य किया। शैतान ने इन संगीत का प्रयोग हव्वा को धोखा देने किया था और उसे स्वर्ग में निषिद्‌ध वृक्ष का फल खाने के लिए प्रेरित किया था और अब वह संगीत वाद्‌ययंत्रों को पहली बार पृथ्वी पर अस्तित्व में लाया, शैतान ने कैन के बच्चों को गिटार और वायलिन का इस्तेमाल करके नियंत्रित करना शुरू कर दिया।

युवा हर रात इकट्‌ठा होते थे और इन संगीतमय ध्वनियों ध्यान से सुनते थे और जल्द ही, भाई-बहनों ने एक साथ नृत्य किया, और एक दूसरे के साथ व्यभिचार करने की कोशिश की, हालाँकि भाइयों को बहनों के साथ रहने की सख्त मनाही थी। इस प्रकार, शैतान ने शेत की सन्तान और कैन की सन्तान दोनों को बहलाने के लिए संगीत वाद्‌ययंत्रों का उपयोग किया उनके युवाओं का दिमाग संगीत और नशे की लत में डूब गया। संगीत का प्रभाव तात्कालिक था और जल्द ही, उनके बच्चे परमेश्वर की आज्ञाओं के बारे में भूल गए और अवैध कार्यों और व्यभिचार में संलग्न होने लगे। कैन के मूल पाप की तरह, उन्होंने व्यभिचार किया और एक दूसरे को ईर्ष्या और नफरत से मारने लगे।

सेठ ने एक पवित्र जीवन बनाए रखा, और अपने बच्चों को यह सिखाने की कोशिश की स्वर्ग के दैवीय आदेशों का पालन करते रहे, लेकिन उसकी अधिकांश संतानो ने विद्रोह कर दिया। इस बीच, सेठ ने उनकी मृत्यु के समय, उसके पुत्र अव्न्स का नामांकन उत्तराधिकारी के रूप में किया। उसके बाद अवन्स भविष्यवक्ता बन गये, और अपने बच्चों को ईश्वर के बारे में मरणोपरांत जीवन की वास्तविकता सिखाना जारी रखा।

कई वर्षों के बाद, अवन्स की मृत्यु हो गई और उसका बेटा क्विनान उत्तराधिकारी बना उन्होंने भी उस समय एक पवित्र जीवन व्यतीत किया उसकी मृत्यु के बाद, महलाब को राजा और भविष्यवक्ता नियुक्त किया गया। महलाब एक गहरा धार्मिक व्यक्ति था, लेकिन वह जबरदस्त दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता भी था। उसने एक अवधि तक चालीस साल का शासन किया और माना जाता है कि वह पेड़ों को गिरते और लकड़ी के मकानों से भरे पूरे शहर बनते देखने वाला पहला मानव था। कुछ लोग उसे मूलतः बेबीलोनिया के प्राचीन ग्लैमरस शहर निर्माण कराने वाला राजा मानते हैं। और मौत के साथ प्रत्येक भविष्यवक्ता का कार्यभार उसके एक पुत्र ने संभाला और मानव जाति को मोक्ष की ओर ले जाने उन्हें ईश्वर का प्रेम और स्वर्ग की कृपा सिखाने का प्रयास किया।

भाइयों ने ऐसे फालतू और दुष्टों जैसे लड़ाई की के शैतान बहुत प्रसन्न हुआ। कैन ने चीखते हुए हाबिल पर हमला किया और उस पर बार-बार आग से प्रहार किया क्योंकि धर्मपरायण भाई ने कैन को अनुमति देने से इनकार कर दिया उसकी दैहिक और अश्लील आकांक्षाओं में लिप्त। शैतान चाहता था कि ईश्वर पैगंबर आदम के महान बच्चों के दया के बिना एक दूसरे को मारने और पीटने का गवाह बने, इसलिए मनुष्य भविष्य में एक दूसरे को कैसे नष्ट करेगा देखने और सीखने के लिए शैतान ने सभी राक्षसों को बुलाया। उसने अपनी संतानों से आग्रह किया कि वे सोचें कि मनुष्य जो बेतुका और नींव रहित है उनसे बेहतर नहीं हैं।

शैतान के अनुसार, मनुष्यों की कोई अवर्णनीय श्रेष्ठता नहीं थी जो स्वर्गदूतों के ऊपर, जो प्रकाश से बनाए गए थे और छुपे हुए लोग जो आग से बनाए गए थे।

कैन द्वारा हाबिल की हत्या मानव इतिहास में एक निर्णायक मोड़ थी। इस परिमाण की घटना इस ग्रह पर अद्वितीय थी क्युकी इससे पहले कभी भी पृथ्वी पर एक आदमी ने किसी दूसरे आदमी की हत्या नहीं की थी। अपने अंतिम नियम में, भगवान ने इस प्रकरण का संक्षेप में वर्णन किया है:"उन्हें आदम के पुत्रों की कहानी ठीक-ठीक सुनाओ।" उनमें से प्रत्येक ने एक-एक भेंट चढ़ाई; उनमें से एक से स्वीकार किया गया, और दूसरे से स्वीकार नहीं किया जाता। एक ने कहा, "मैं अवश्य तुम्हें मार डालूँगा।"

दूसरे ने कहा, "परमेश्वर ने केवल उन लोगों से स्वीकार किया जो उससे डरते हैं। चाहे तू मुझे मार डालने के लिये अपना हाथ मेरे विरुद्ध बढ़ाए, तौभी मैं मैं तुझे घात करने के लिये तेरे विरुद्ध हाथ नहीं बढ़ाऊंगा। सचमुच मैं संसार के प्रभु परमेश्वर से डरता हु। हाँ, बल्कि मैं यह चाहूँगा कि तुम मेरा पाप और अपना पाप तुम ही उठाओगे आग का कैदी बन जाओगे , यही बदला है अन्याय करने वाले का ।"

और उसके (कैन) जुनून ने उसे अपने भाई को मारने के लिए प्रेरित किया: और उसने उसे मार डाला; और वह नाश होने वालों में से एक हो गया। और परमेश्वर ने एक कौआ भेजा जो भूमि को खरोंचता था उसे दिखाया कि वह अपने भाई की ग़लती को कैसे छिपा सकता है। उसने (कैन ने) कहाः "हाय मैं! क्या मैं इतना कमजोर हूं कि मेरे भाई की गलती को छिपाने के लिए इस कौवे जैसा नहीं बन सकता?" ओर वह पश्चाताप करने वालों में से एक बन गया।

इसी कारण हमने इसराईल की सन्तान को यह आदेश दिया है वह जो किसी को मार डालता है, जब तक कि वह हत्या का दोषी न हो , या भूमि में विकार फैलाये , हालाँकि उसने सारी मानवजाति को मार डाला था; परन्तु वह जो जीवन बचाता है, ऐसा होगा मानो उसने सारी मानवजाति को जीवित बचा लिया हो।" (अंतिम वसीयतनामा, अध्याय 5, श्लोक 30)

इस बीच, पृथ्वी पर पहली हत्या के कृत्य से शैतान बहुत खुश हुआ और उसने स्वर्गदूतों के सामने शेखी बघारते हुए उनसे कहा कि वह सफल हुआ।

स्वर्गदूतों ने शांति से उत्तर दिया और कहा, "नहीं! वास्तव में, मानवजाति को बर्बाद करने में सफल नहीं हुए क्योंकि वहाँ आदम के बाद और भी कई भविष्यवक्ता आएँगे जो एक बार फिर मानव जाति को याद दिलाएँगे तुम्हारी दुष्टता के बारे में बताएंगे और उन्हें दयालु और उदार होना सिखाएंगे ।"

शैतान चिल्लाया, "फिर मैं समय के अंत में वापस आऊंगा।" उसने इतनी ताकत से पैर पटका की धरती के महाद्वीप हिलाया। "मैं पृथ्वी पर किसी भयानक विस्फोट होने का इंतज़ार करूँगा, और मैं देखूंगा कि क्या कोई बड़ा ज्वालामुखी फूटता है। फिर मैं तब तक प्रतीक्षा करूंगा जब तक ज्वालामुखी की राख आसमान में न भर जाए और सूरज की रोशनी न ढक दे और किसानों की फसल बर्बाद हो जाएगी और हवा परमाणु पदार्थों से विषैली बन जाएगी , और तब मैं पंखों वाला एक दैत्य का रूप धारण करूंगा , और मानव जाति के बीच स्वतंत्र रूप से घूमूंगा। मैं खुद को भूख से मर रही मानव आबादी के सामने प्रस्तुत करंगा और उन्हें कुछ भोजन और विकिरण-मुक्त पानी दूंगा। तब मैं भगवान होने का दावा करूंगा, और भयानक इंसान मेरी पूजा करेंगे । अगर वे जिद्दी इंसान मेरे देवत्व को स्वीकार करने से इनकार कर दे , तो मैं उन्हें मार डालूँगा।

स्वाभाविक रूप से, भगवान ने मुझे मनुष्य को मारने की शक्ति नहीं दी है, इसलिए मैं अपने अन्य समर्पित दास से मना करने वाले धार्मिक पुरुषों और महिलाओं को मरवाऊँगा जो मुझे भगवान नहीं मानेंगे । मैं शुरुआत में एंजेल गेब्रियल का रूप लूँगा , बड़े पंखों से राष्ट्रों के ऊपर उड़ूँगा, और तब मैं उन्हें कुछ चमत्कार दिखाऊंगा और यहाँ तक कि एक विशाल अग्नि भी जलाऊंगा और लोगों को समझाऊँगा की यह वास्तविक नरक है जो मैंने सभी देवताओं के देवता ने उन लोगों से वादा किया जो मुझसे इनकार करते हैं। तब मैं सब धर्मात्माओं को और जो पुरुष और स्त्रियाँ मेरी आराधना करने से इन्कार करते हैं उनको नरक की धधकती हुई आग में फेक दूंगा । इसके अतिरिक्त, समय के अंत के दौरान, जब मैं अंततः मैं आदम के बच्चों के सामने अपनी भव्य उपस्थिति दर्ज कराऊंगा
एक आलीशान स्टेडियम बनाऊंगा और उसे अपना स्वर्ग कहूंगा। मैं करूँगा उन सभी को प्रवेश करने और रहने की अनुमति दूंगा जो मेरी दिव्यता में विश्वास करते हैं । अगर इंसानों में से कोई भी मर जाए तो मैं भगवान बनने का नाटक करूंगा और उन्हें पुनर्जीवित करूँगा।”

स्वर्गदूतों ने तीव्र स्वर से कहा। “तुम्हारे पास शक्ति नहीं है के तू मृतकों को पुनर्जीवित कर सकता है, या बीमारों को भी ठीक कर सकता है!”

"सत्य!" शैतान ने प्रतिध्वनित किया। “हालाँकि, मनुष्य गंदगी और परजीवी से भरे हुए हैं और इसलिए, उनके पास कोई बुद्धि या समझनहीं है । वे भयानक मनुष्य मेरी चालों से धोखा खा जायेंगे। मैं मेरे बच्चों और पोते-पोतियों को उनके मृत माता-पिता रूप धारण कराऊंगा और वे उनके सामने उपस्थित होगे। वो सड़े हुए कीड़े-मकोड़ों वाले दिमाग वाले इंसान सोचेंगे कि उनके रिश्तेदार मुर्दे से पैदा हुए हैं और वे मेरे सामने सज्दा करेंगे और सब पर मेरा झूठ ईमान लाएँगे । मैं उन्हें

विश्वास दिलाऊंगा कि हत्या करने इनकार करना या व्यभिचार करने में संकोच करना असभ्य है । मैं समय के अंत का इंतज़ार नहीं कर सकता जब मैं उन भयानक और गंदे लोगों पर शासन करूंगा! मैं मनुष्यों से इतना भारी पाप कराऊंगा कि उनके गंदे दिलों में केवल लालच और पाशविकता होगी। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि मानव जाति की अहंकारी सभ्यता समाप्त हो, और मैं अंततः समय के अंत अपनी उपस्थिति दर्ज कराऊँगा। मैंने अपने जीवन के हर घंटे में इंसानों से नफरत की है और आख़िरकार मुझे उनके दिल से विश्वास के हर कण को नष्ट करने का मौका मिलेगा! मैं उनसे इतनी नफ़रत करता हूँ कि आदम के विनाश के लिए ख़ुशी से जलकर मर जाऊंगा और क्रोधित जानवरों तथा भूखों शार्क द्वारा निगला जाऊंगा! सचमुच, यह अवर्णनीय नफरत मेरे जीवन के सबसे कठिन घंटों में भी मैंने अपनी ताकत बनाए रखी थी!"

शैतान ने अब मानव जाति की कुलीनता ओर से सम्मान के सभी निशान मिटा देने की कसम खाई। वह और उसके उपासक सभी धार्मिक संप्रदायों और ईश्वर से डरने वाले पंथों को समाप्त करेंगे, और लागू करें खंजर की नोक पर बुतपरस्त धर्म और सांस्कृतिक अनुष्ठान स्थापन करेंगे। वह मनुष्यों को ईश्वर पर अविश्वास करने के लिए प्रेरित करेगे और उन्हें उसकी पूजा करने के लिए मजबूर करेंगे। दरअसल, अगर अनुनय असफल रहा, शैतान, जिसे स्वर्गदूतों ने शैतान कहकर संबोधित किया, असफल हो गया तो तलवार की शक्ति से अपने विद्रोही शासन को लागू करेंगा।

जब स्वर्गदूतों ने शैतान को चुप कराने की कोशिश की, तो उसने घमंड किया वह विभिन्न मानव संप्रदायों को कैसे एक दूसरे पर अत्याचार करने या सताने और सभी पवित्र लोगों को यातना देने और जला देने के लिए प्रोत्साहित करेगा। वे पुरुष और महिलाएँ जो ईश्वर में विश्वास करते थे और कुलीनों की आज्ञा का पालन करते थे प्रेरितों और किसी भी पाप, महान या छोटा को करने से परहेज करते थे। "पृथ्वी पर जो कुछ भी अपवित्र रहेगा जो मनुष्य मानसिक मूर्छा और भ्रष्टता से युक्त दुष्ट हैं! वे

केवल मेरी सेवा और पूजा करेंगे और ईश्वर के अस्तित्व को नकार देंगे। तब मैं अपनी शक्तियों पर आनन्दित होऊंगा और मनुष्यों को एक समान बना दूंगा, यदि वे शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से अशुद्ध रहे उन्हें शक्ति और धन का वादा करके और अधिक गंदा करूँगा।"

देवदूतो ने अंतिम वसीयतनामा से एक और अंश उद्धृत किया, जहां ईश्वर आदम के बेटे-बेटियों के प्रती दयालु होने के अपने इरादे की घोषणा करता है "लेकिन यह भगवान का इरादा नहीं था कि तुम्हारा विश्वास व्यर्थ हो, क्योंकि परमेश्वर परिपूर्ण है दयालू है , मानवजाति के प्रति दयालु!" अंतिम नियम, 2:143)

शैतान अनियंत्रित रूप से चिल्ला रहा था, जैसे उसके भयानक उग्र होंठ उद्देश्य से हिल रहे थे। "वर्षों तक, मैं उन्हें प्रोत्साहित करता रहूँगा विकृत मानवों को सदैव अपने ही मल-मूत्र में रहने के लिए और उनके शरीर को कभी न धोने और मृत रिश्तेदारों का सड़ा हुआ मांस ही खाने और उनके चेहरों पर मल और जानवरों का मल मलने और कोढ़ियों का सड़ा हुआ और दुर्गन्धयुक्त लोहू ही पीने! हा! वह दिन मेरे लिए कैसा होगा, जब मैं भगवान को अंततः दिखा सकूंगा कि कैसे वे मनुष्य घृणित होते हैं जो अपने बच्चों को ख़ुशी से खाते हैं, जानवरों की तरह मार डालते है और उनका मांस फाड़ डालते है कुछ अस्तित्वगत शक्तियाँ हासिल करने के लिए!"

"मेरे उपासक और छुपे हुए लोगों की संतानें ईश्वर में विश्वास करने वाले किसी भी व्यक्ति पर घोर अत्याचार करके या उसे ख़त्म कर देगे।हर रात, हम पवित्र पुरुषों और महिलाओं की बलि चढ़ाएंगे और उनके धड़कते दिलों को जला देंगे और मेरे मानव गुलाम कब्रिस्तानों में घूमेंगे और बदबूदार सड़े हुए शव का सेवन करें! इस भीषण तरीके से, मैं किसी को भी अस्तित्व से बाहर कर दूंगा कौन यह कहने का साहस कर सकता है

कि आदम मुझसे बेहतर था! मैं मानवजाति को मना लूंगा और परमेश्वर को दिखाऊँगा कि आदम कमज़ोर लोगों में नीच जाती का है।"

चिल्लाते हुए शैतान के चेहरे पर एक भयंकर भाव उभर आया। जब वह क्रोध करता था तो उसकी जली हुई और जख्मी त्वचा कभी-कभी चमक उठती थी। "मैं यह प्रदर्शित करूँगा कि मेरी जाति किस प्रकार अधिक मजबूत और श्रेष्ठ है। एक बार दुष्ट मनुष्य मेरे दास बन गए, फिर वे नैतिक नहीं रहेंगे जो न्याय के कानूनों का पालन करते हैं, न ही रत्ती भर भी उनके गंदे दिलों में मानवता देखभाल करेंगे !" यह शुद्ध ईर्ष्या, द्वेष, और अविरल घृणा थी जिसने शैतान के रक्तपिपासु कार्यों को निर्देशित किया।उसने अपने वंचित बुतपरस्तों को सभी धर्मी पुरुषों और सभी महिलाओं और बच्चों का अनुष्ठानिक घंटे में बलिदान के लिए प्रोत्साहित करने का वादा किया। "मैं मानवजाति को निम्नतम स्तर पर गिरा दूँगा। अंततः सभी मनुष्य मानव बलि की घृणित प्रथा अपनाएंगे। वे हत्या और अनाचार वैध कर देंगे, और खुले तौर पर अपने भगवान के खिलाफ विद्रोह करेंगे ! ये परजीवी मनुष्य ऐसे विद्रोही कृत्यों को अंजाम देंगे कि भगवान
उनसे नज़रें फेर लेंगे और उन्हें उसकी कृपा से दूर कर देंगे। इस प्रकार मैं मनुष्य की गरिमा को मिटा दूँगा, और उन्हें उनके रचयिता को अस्वीकार करने पर मजबूर कर दूँगा।"

शैतान फिर हँसते हुए बोला। "जब अन्यजाति लोग मूरतों के साम्हने दण्डवत् करेंगे मैं उनके झूठे देवताओं की मूर्ति में घुस जाऊंगा और भयानक, डरावनी आवाजें निकालूँगा वे मंदबुद्धि विधर्मी झूठे देवताओं को वास्तविक मानेंगे। वे मेरी सब आज्ञाओं को मानंगे और सजदा करेंगे , क्योंकि वे मानेंगे कि मूर्तियों में जीवन और मृत्यु देने की शक्ति है।"

शैतान ने मानवजाति से सबसे घृणित कार्य करवाने का वादा किया

ताकि वे ईर्ष्यालु और आत्ममुग्ध हो जाएं । "मैं हर माननीय और धार्मिक मनुष्य को आतंकवादी, हत्यारा, बलात्कारी और बच्चों का हत्यारा कहके फंसाऊंगा जब तक दुनिया का हर मूर्ख इंसान सभी धार्मिक लोगों को मार नहीं डालता, उनके धर्मस्थलों को नष्ट कर देता है और उन्हें यातनाएँ देकर मार डालता है और उनके बच्चे के साथ दुर्व्यवहार करता है। और अंत में, मैं आप सभी स्वर्गदूतों को अपराध में फसऊँगा , या कम से कम उनके शरीर का आकार लूँगा और देवदूत होने का दिखावा करंगा और फिर लोगों से कहूँगा कि मेरी पूजा करो! वे मूर्ख लोग सोचेंगे कि मैं कोई देवदूत हूं या कम से कम, वे ऐसा ही सोचेंगे की देवदूत और राक्षस एक ही पक्ष में हैं!"

स्वर्गदूतों में से एक ने उसे डाँटा। "हे शापित शैतान! तुम कभी भी हमें फंसाएं नहीं सकते हो , या लोगों के सामने यह दिखावा न करें कि तुम देवदूत एक हो, क्योंकि वास्तव में, सभी समझदार मनुष्य स्वर्गदूतों को जानते होंगे की वे सामान्य मनुष्यों के सामने कभी प्रकट नही होते! केवल पैगम्बर और प्रेरितों को हमें देखने का सौभाग्य मिला है! तुम सदैव सम्माननीय मनुष्य को हमेशा नहीं फसा सकते !"

"थू !" शैतान ने उन पर थूका। "वास्तव में, मैं अपनी उंगलियों की नोक से दुनिया के लोगों को नियंत्रित करूंगा और मैं उन्हें बताऊंगा किस पर हुक्म चलाये ,वे किससे प्रेम करेंगे और किससे घृणा करेंगे और किसे अपनी बेटियों और बेटों से छेड़छाड़ करने की अनुमति दें। मैं उन्हें इतनी अच्छी तरह से ब्रेनवॉश करूंगा की अपने बच्चों के साथ दुर्व्यवहार से माता-पिता सम्मानित महसूस करेंगे और वे मान लेंगे कि यह प्यार और गौरव है! मैं हर एक को धार्मिक, पवित्र और पर्दा महिला के साथ बलात्कार करने कहूँगा , उसे प्रताड़ित किया जाएगा और मार दिया जाएगा , लेकिन मैं यह सुनिश्चित करूंगा
लोग धार्मिक पुजारी और विद्वानों को हत्यारों और छेड़छाड़ करने वाले के रूप में दोषी ठहराये । इस तरह मैं मनुष्यों के भाईचारे को नष्ट कर दूँगा,

और स्त्रियों के भाईचारे को नष्ट कर दूंगा और कुलीन माताओं का मातृत्व और पिताओं का राजसी पितृत्व मिटा दूंगा। उन सभी को एक-दूसरे का यौन उत्पीड़न करने के लिए मजबूर करूँगा! मैं उन्हें सिखाऊंगा इसे प्यार कहें और सहमति देने के लिए अपने बच्चों का दुर्व्यवहार के लिए ब्रेनवॉश करूँगा और बच्चों को यह सोचने पर मजबूर करूँगा कि दुर्व्यवहार किया जाना सामान्य और महान है ! अहा! फिर कोई भी इंसान अब और इंसान नहीं रह जाएगा! और मैं आदम से श्रेष्ठ समझे जाने की माँग करूँगा!"

सेवा करने वाली आत्माओं में से एक जिसने शैतान की बात सुनी उसने टिप्पणी की, "आदम वास्तव में पूरी सृष्टि के निर्माण में से श्रेष्ठ है इसके
कई कारण है । उसे भगवान द्वारा बनाए जाने वाले प्रथम इन्सान होने का गौरव प्राप्त है!"

"परन्तु उस ने वृक्ष के फल खाकर परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया!" शैतान गरजा ।

"उसने ऐसा किया," पंखों वाले स्वर्गदूतों ने शांति से उत्तर दिया, "लेकिन भगवान यह अच्छी तरह से जानता है कि उसे ईश्वरीय आदेश से भटकने के लिए राजी किया यह तुम्हारी दुष्ट चालाकी थी। इस तरह,आदम की श्रेष्ठता एक बार फिर प्रकट हुई क्योंकि वह सृष्टि में सबसे पहले था जिसके लिए भगवान ने पश्चाताप और क्षमा के दरवाजे खोले, और आदम को पृथ्वी पर भेजे जाने के बाद, वह पहले व्यक्ति बने जिनके लिए ईश्वरीय धर्म या , कानून बनाया गया था इसलिए, एडम और उसकी संतान हमेशा के लिए तुमसे और तुम्हारे राक्षसों से भी महान रहेंगे।"

स्वर्गदूतों ने अपने पंख उठाये, स्वर्ग की ओर उड़ने की कोशिश करने लगे

ताकि शैतान से और अधिक निंदा सुनने से बचें। उसका भावुक धमकियों ने इन पंखों वाले दूतों को आंसुओं में बदल दिया था, और रोते हुए, स्वर्गदूतों ने एक दूसरे को सांत्वना दी और आशा व्यक्त की मानवजाति शैतान के उन्हें बहकाने या नष्ट करने के अत्यधिक प्रयासों के बावजूद भी कायम रहेगी:

“हिम्मत रखो, हे मानव, क्योंकि हम चाहते हैं कि हम मनुष्य होते,
और गिने हुए दिनों के साथ फिर से इस धरती पर जीवित रहे!
क्योंकि परमेश्वर तुझ से स्वर्ग के सब लोगों से अधिक प्रेम रखता है,
हे मनुष्यो, तुम महान हो, तुम्हारी स्त्रियाँ और तुम्हारे पुरुष!
हे शापित शैतान कभी भी तुम्हारे मन को धोखा न दें!
हे देवदूत आपकी तरह के होने के लिए क्या देंगे!
क्या तू परमेश्वर को अस्वीकार करेगा, और उसकी आज्ञा का इन्कार करेगा?
उस शापित की आज्ञा का पालन करना जो क्रूरता सिखाता है,
और मनुष्य को उसके स्वर्ग के भाग्य से भटका देता है,
ऐसी नफ़रत के साथ जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता?
हे इस तुच्छ पृथ्वी को कष्ट न होने दो,
तुम्हें उस अंतहीन आनंद से वंचित कर दो!
हे मानवजाति! उस परमेश्वर को मत भूलो जो तुम से प्रेम करता है!
जो तुम पर अनंत काल तक दया का वचन देता है!
हे मनुष्यों, क्या तुम्हें कभी दर्द का पता नहीं चलेगा?
आपकी घृणा और क्रोध का मुख्य कारण ईश्वर है,
तेरे रचयिता से कभी घृणा न होगी,
क्या न तो आशा की जा सकती है और न ही पूर्वाभास किया जा सकता है?
हे मनुष्यों, क्या तुम अपने परमेश्वर को भूल जाओगे?
एक आदेश पर, और शैतान की सराहना के साथ अपने सबसे बड़े दुश्मन के पास दौड़ना,

मृत्यु को जानना एक शाश्वती है?
हे मनुष्यों, क्या तुम धर्मत्याग की ओर फिरोगे?
और क्या तुम उस परमेश्वर से प्रेम नहीं रखते जो तुम से लिपटा रहता है?
हे मनुष्यो, क्या तुम उस परमेश्वर का इन्कार करोगे जो तुम्हारा रचनेवाला है?
और तुम्हें अपने पिता या माता से भी अधिक प्रेम करता है?
हे मनुष्यों, क्या तुम स्वर्ग का सारा प्रेम भूल जाओगे?
शैतान की स्वार्थी इच्छाओं को माफ नहीं किया जा सकता?
उस ईश्वर को अस्वीकार करना जिसने इस मानवता का सम्मान किया,
क्योंकि उसने आपकी अपमानजनक दलील का जवाब देने में देरी की?

एक माँ के आँसू

जैसे ही क्रोधित शैतान ने स्वर्गदूतों के साथ बहस की, एक दुःखी माँ दुःखी होकर सिसक रही थी, निरूद्देश्य दुनिया के जंगल भटक रही थी। उसके जीवन में कोई आशा शेष नहीं रही।उसके लिए जीवन में कोई खुशी नहीं थी और न ही राहत की कोई उम्मीद थी, उसने शैतान के कार्यों के कारण अपने दो बेटों को खो दिया था।

हाबिल मर गया और हमेशा के लिए चला गया, और कैन को उसके पाप का श्राप के कारण अकेले रहने धर्मी लोगों का समुदाय से दूर भगा दिया गया। हर बार हव्वा कैन के बारे में सोचती थी और डर और दर्द से काँप उठती । उसका अपना बेटा हत्यारा कैसे बन सकता है? उसने अपनी आवाज़ ऊँची की और चिल्लाकर कहा, “हे कैन! हे मेरे बेटे, तू ने मारे गए बेटे की माता के साथ क्या किया है? ओह, मेरे दिल के बारे में सोचो! मेरे आँसुओं पर दया करो! मैं और कितने आँसू बहा सकती हूँ, हे मेरे बेटे!
अपनी आवाज़ खोने से पहले मैं और कितना विलाप कर सकती हूँ? ओह

बेटा! यह दुनिया मेरे लिए कब्र बन गई है! इस दिन से आगे , मैं ऐसे रहूंगी मानो मैं अपनी कब्र में हूँ! हे मेरे बेटे, आज तू ने अपने पापों से अपनी माँ को मार डाला! तुमने उसके दिल को ऐसे तीव्र दर्द और ऐसी क्रूर यातना से तोड़ दिया है जिसे किसी भी इंसान ने कभी महसूस नहीं किया होगा और न ही महसूस करेगा! हे भगवान, तेरे सिवा मेरे पास कौन बचा है! किसके पास मुझे रोना है, लेकिन आपके सामने? इस दर्द भरी दुनिया में मेरे पास आपके आलावा कौन है ? मैं इतने दर्द और इतनी ज़बरदस्त पीड़ा के साथ यह जीवन कैसे जी पाऊंगी?! हे मेरे और मेरे पति के रचयिता, मुझे क्षमा कर! क्षमा करना! एक मां को तब माफ करना
जब वह अपने बेटे के लिए रोती है! मेरा क्या पाप था कि मुझे ऐसी माँ बनना पड़ा जिसका बेटा अपने पापों से और स्वार्थी इच्छाओ से उसका दिल हमेशा के लिए तोड़ देगा? तुम ऐसा कौन सा पाप करोगे जिससे मेरा प्रेम तुम्हारे प्रति गायब हो जाये, हे मेरे बेटे! नहीं! तुम जो कुछ भी कर सकते हो वह मेरा तुम्हारे लिए प्यार नहीं भूल सकता, लेकिन यह केवल तुम्हारे पाप हैं जो मुझे अंत में रुलाते हैं!"

जब भी हव्वा उसके बेटो के बारे में सोचती थी तो उसका दिल बहुत दुखता था। एक मर चुका था, दूसरा शापित था। सचमुच, कैसे किसी माँ पर ऐसी दोहरी विपत्ति आ सकती है! वह समझ नहीं पा रही थी कि उसका अपना एक बच्चा इस ग्रह पर पहला हत्यारा बन गया है , अपने भाई की हत्या करने वाला पहला व्यक्ति , इस धरती पर पहला पापी!

इससे बड़ा दुःख और क्या हो सकता है जिस बच्चे को आपने आपकी कोख से जन्म दिया है, जिस बच्चे को आपने पाला-पोसा और बड़ा किया, जिस बच्चे को आपने प्यार किया और कपड़े पहनए, वो हत्यारा बन गया और अपने भाई का खून बहाया?

अपने दुःख में, हव्वा ने ज़ोर से शोकपूर्ण शब्द बोले। “हे प्यारे बेटे ! मैं कैसे जान सकती थी कि एक दिन ऐसा आएगा जब मुझे बिना किसी पूर्व चेतावनी के आपको जबरदस्ती अलविदा कहना पड़ेगा? जब मैंने तुम्हें उस मनहूस दिन को अलविदा कहा तो मुझे यह कैसे पता चलता, वह आलिंगन आखिरी आलिंगन होगा और वह मुस्कान जिसने मेरी दुनिया को रोशन कर दिया, वह मुझे कभी उपहार में नहीं मिलेगी क्योंकि मेरी रोशनी चली गई है, मेरी दुनिया नकली है और मेरा बेटा कभी नहीं आयेगा फिर कभी मुस्कुराने और मेरे दिल को सांत्वना देने !”

हव्वा के पास अपना दुख व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं थे और केवल उसके आँसू के प्रवाह थे जिन्होंने उसके अंगरखा और घूंघट को भिगो दिया। "अगर मै जानती , हे मेरे बेटे, कि तुम मुझे इतनी जल्दी छोड़ दोगे तो मैं भगवान से भीख मांगती की मुझे पहले जाने दे, क्योंकि यह दर्द किसी सहन करने वाली माँ के लिए भी बहुत ज्यादा है। मेरे प्रिय हाबिल! मेरा बच्चा! तुम्हें एक बार गले लगाने के लिए मैं अपना शेष जीवन दे दूँगी , हे मेरी दिल की खुशी, जैसे मैंने तुम्हें तब थाम लिया था जब तुम पैदा हुए थे! ओ इतने दर्द और पीड़ा से गुजरने के बाद में कैसे तुम्हारा जन्म मेरे लिए हुआ था! और हमेशा के लिए मेरा! और अब तुमने मुझे ठण्डी दुनिया में इस हाल पर छोड़ दिया है! हे मेरे बेटे, तू ने मुझे बिना किसी चेतावनी के छोड़ दिया है! मेरे किस पाप के कारण यह दुःख भोगना पड़ा? क्या सज़ा इससे ज़्यादा कड़ी हो सकती है, मैं नहीं जानती!”

इस दुनिया में कुछ भी उसे पसंद नहीं आया क्योंकि वह समय में वापस जाने के लिए उत्सुक थी , जब कोई पछतावा नहीं था, कोई प्रतिशोध या बदला नहीं था। वह उसके पति के साथ स्वर्ग में वापस जाने के लिए तरस रही थी , जहाँ उसे परेशान करने वाला कोई नहीं था और उसे धमकाने के लिए विपत्ति नहीं थी।

ओह, वह कितना शांतिपूर्ण जीवन था! स्वर्ग उसका घर था, और वह और आदम शांति से रहते थे! जैसा कि उसने स्वर्गीय यादो को याद किया , हव्वा को अचानक कारण याद आया की उसे और उसके पति को पृथ्वी पर क्यों भेजा गया, और उसका शरीर यादें ताजा होने पर ताजा सिसकियों से टूट गया। उससे ग़लती हुई थी! वह कितनी मूर्ख थी की शैतान पर विश्वास करके निषिद्ध वृक्ष का फल खाया? अफ़सोस! उसने प्रिय पति को इसे खाने के लिए मना लिया था। यदि केवल उसने शैतान को झिड़क दिया होता और स्वर्ग में कोमल स्वर्गदूतों की संगति में रहती जो आतिथ्य सत्कार के सिद्धांतों में पारंगत थे! वह उसके पति के साथ स्वर्ग की दिखावटी विलासिता में रह सकती थी! सचमुच, उसके हृदय में कोई भी प्रकट दुर्बलता नहीं थी सिवाय इसके कि वह बहुत गहराई से प्यार करती थी और बहुत निराशाजनक ढंग से परवाह करती थी।

उसके दिल में मौजूद सारे प्यार ने उसे और भी अधिक पीड़ा पहुंचाई। वो विस्मृति में बाहर रोई “ओह, मेरे बेटे! मैं तुम्हारा शोक करना कभी नहीं छोड़ूँगी! मैं तुम्हें एक क्षण के लिए भी कभी नहीं भूलूंगा! मैं कभी भी अपने प्रभु से तुम्हारे शाश्वत कल्याण और उद्धार के लिए प्रार्थना किए बिना एक घंटा नहीं जिउंगी , हे मेरे प्रिय पुत्र! क्या तुम्हे पता है तुम्हारे जाने से तुम्हारी माँ के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ा है ?! कौन सा सूरज मेरी दुनिया को रोशन कर सकता है अगर मैं अपने बेटे की मुस्कान फिर कभी नहीं देख पाऊंगी ?! ओह, मेरे बेटे! कौन, अब मुझे प्यार करेगा और तुम्हारी तरह प्यार से मुझे माँ बुलाएगा या जब मैं उदास होती हूँ तो मुझे गले लगायेगा, अब जब की तुम चले गए हो? हे मेरे बेटे, मुझे आशा है कि माताएं अपने जवान होते हुए बेटे को कभी नहीं खोएंगी, दिल फट जाता है और दिल बिखर जाता है और ये टूटा हुआ दिल रूह को इतनी गहरी चोट पहुँचाता है के बेटे के चले जाने के बाद एक माँ का सारा अंतर्मन हमेशा के लिए जल जाता है! एक माँ के पास अपने बेटे के अलावा और कौन होता है?! वह किसके प्यार पर दावा करेगी, किसके दिल पर निर्भर रह सकती है अगर उसका बेटा चला गया है? हे मेरे बेटे

के बिना यह दुनिया कैसी है? अरे ये तुम्हारे बिना जीवन क्या है, मेरे बच्चे?”

अपने पति के प्रति प्रेम ने उससे वह अकल्पनीय कार्य करवाया उसे निषिद्ध वृक्ष का फल खाने और पृथ्वी पर निर्वासन पर भेजने के लिए मजबूर किया , और अब अपने दो बेटो के लिए उसका प्यार उसे पागलपन की कगार पर ले जा रहा था। हव्वा के पास अब आगे जिंदा रहने कोई इच्छा नहीं थी । यह संसार अब किस काम का जब वह जिस बच्चे से सबसे ज्यादा प्यार करती थी वह मर गया? इस दुनिया पर विलासिता और सब चीजे क्या काम की जब सभी मनुष्यों को इस दुनिया को गरीब और नंगा छोड़ना पड़ता है ?

उसे विलम्बकारी और अनादर शैतान की संगति में रहने का कोई कारण नहीं मिला जो उसके साथ इस गृह पर रहता था! ओह, उसके पास जीने के लिए कोई नहीं था! उसके प्रिय पति का निधन बुढ़ापे के कारण हो गया , और उसके पसंदीदा बच्चे को उसके यौवन में ही मार दिया गया था और हत्यारे बेटे को परिवार में दोबारा लौटने पर प्रतिबंध लगा दिया गया! हव्वा ने सडक पर एक अपंग और अंधी औरत की तरह लड़खड़ाते हुए ने दुःख भरे आँसू बहाये।

लंगड़े की तरह लंगड़ा कर चलते हुए, हव्वा फूट-फूट कर रोने लगी अपने जीवन के अंतिम वर्षों में उसने ईश्वर से प्रेम और क्षमा मांगी। वह अपने निर्माता और उसके बच्चे का निर्माता भगवान से प्रार्थना करते हुए फूट-फूट कर रोने लगी “हे भगवान, तुम्हारी अपनी रचना के दूर जाने का शोक मनाने के लिए मुझे क्षमा कर दो! निश्चित रूप से, आप एक माँ को दिल जानते हैं क्युकी अपने मुझे बनाया है! आपको पता है मेरे दिल को क्या दुख है! सिर्फ आप ही जान सकते हैं कि मेरी आत्मा को क्या पीड़ा होती है! हे भगवान! आपको पता है! आप सुनते हैं और आप देखते हैं! फिर मेरे बेटे को विशाल ब्रह्मांड के साथ आशीर्वाद दे, हे मेरे

निर्माता। मुझसे वादा करो कि तुम उसके अभिभावक और उसकी देखभाल करने वाले बनोगे, क्योंकि मैं जानती हूं कि तुम उससे किसी भी माँ से अधिक बहुत प्यार करते हो! मेरे हृदय के कुएं में अपनी शांति बरसाओ, हे मेरे प्राण के स्वामी! हे अब से आने वाले, जो मेरे जैसे होंगे, वे अपने प्रिय लड़के को खो देंगे,या जिनके पास बेटे नहीं है उन सभी माताओं को सांत्वना दो ! मैं अब अकेली हूं, मैंने अपने बच्चे को खो दिया, न कोई प्यार करने वाला, न किसी के लिए जीनेवाला!"

उसका बच्चा चला गया! हाबिल मिट्टी के कुछ झुरमुटों के नीचे छिपा हुआ था! ओह, इस विचार ने ही उसे दर्द से चिल्लाने पर मजबूर कर दिया! कैसे जिस छोटे बच्चे को उसने पाला-पोसा, जिस खूबसूरत लड़के को उसने पाला, उसके पैरों के नीचे काली मिट्टी के नीचे कैसे हो सकता है ! हाबिल कैसे सांस ले सकता है या हिल सकता है अगर वह मिट्टी के इन ढेरों के नीचे फंस गया है ! “ओ मेरे प्यारे बेटे!” हव्वा ने पीड़ा में फुसफुसाया। “मेरी यह पागल ख्वाइश है की मैं इस जीवन को छोड़ दू जब भी मैं उस रास्ते को देखती हु जो तुमने इस्तेमाल किया था, या वह सड़क जिस पर तुम बचपन में चले थे!”

इस दुनिया की हर वस्तु उसे अपने प्रिय बेटे की यादें ताज़ा कर देती थी। हव्वा को सांसारिक चीज़ों को देखना अब और बर्दाश्त नहीं हो रहा था । हवा की सीटी अब उसे प्रसन्न नहीं करती थी, और न ही उस पार ग्लेड पर पुष्प प्रदर्शन ने उसे प्रसन्न किया, लेकिन उसके दुख में पछुआ हवा का हर झोंका एक तेज़ आँधी जैसा लग रहा था और वसंत की बारिश ने मानो उसे परेशान कर दिया था, यह अपने अंदर बुरी ताकतों और गर्मी की हवा को लेकर आया था, सुबह अशुभ लग रही थी मानो राक्षस उपहासपूर्वक उसके दुःख पर चिल्ला रहे हों।

इस तरह हव्वा की आँखों में आँसू पीड़ा की बड़ी बूंदों की तरह गिरे जब

बीमार माँ असहाय पीड़ा में रोती रही, और हर गुजरते दिन के साथ ताजा दुःख सहती रही। इस धरती पर हर घंटा उसके दिल पर ताजा यातना एक जैसा था, क्योंकि वह अपने बेटे को बहुत याद करती थी। दुःख में जीने का मानवीय बोझ हव्वा के सहने की ताकत से भी अधिक था।

घोर दुख के गर्म आँसू हव्वा के गाल पर बह निकले जब वो ऊंचे पेड़ों के बीच चल रही थी और जंगली हवाएँ जो खेतों में गरजती हैंउसका स्वागत किया। उसके दिल में, उसने भगवान से प्रार्थना की वह उसे स्वर्ग में ले जाए जहा से उसे और उसके पति को बाहर निकाल दिया गया था। दरअसल, उसे उसके निर्माता से मृत्यु का अनमोल वरदान आलावा कुछ भी नहीं चाहिए थे! हव्वा मृत पेड़ों की अंधेरी छाया के नीचे, और प्रेतवाधित कब्र के पास से भय और पीड़ा के ताजा दौरों से कांपती हुई गुजरी। क्या उसका बच्चा उन पहाड़ियों के नीचे था?क्या हाबिल का शरीर काईदार दलदल के नीचे बिखरा हुआ था ? ओह कैसे हव्वा अपने बेटे की मौत पर फूट-फूट कर रोने लगी। यहाँ तक कि जिनके पास कठोर से कठोर हृदय भी हो वो उसके जन्मजात दुःख से द्रवित हो जाते।

उसके छोटे बच्चों से अपने बहते आँसुओं को छुपाने के लिए अपने चेहरे पर पर्दा डाल लिया और कोशिश की उसके दुखते दिल को खुश करने की, लेकिन वह सांत्वना से परे थी।
विनती की पीड़ा में, हव्वा ने चिल्लाकर कहा, “हे मेरे बेटे! अब तुमने मुझे छोड़ दिया और मैं तुम्हारी वापसी के लिए रो रही हूं। हे मेरे बेटे! मेरे जीवन में तुम्हें अपनी बाँहों में पकड़ने से अधिक गर्व का कोई दिन नहीं था जब इतना दर्द झेलने के बाद मैंने तुम्हें जन्म दिया ! तब से मेरा दिल बन गए; तुम मेरे सांस लेने की और जीने की वजह बन गए और अब मेरे मरने की वजह तुम हो सकते हो क्योंकि मैं तुम्हारे बिना जीना बर्दाश्त नहीं कर सकती! ओह, मेरे बेटे! मुझे ईश्वर से आशा है जिसने मुझे बनाया वह तुम्हें मुझसे फिर से मिलायेगा क्योंकि मेरा दिल तुम्हारे साथ है!"

फिर उसने अपना चेहरा स्वर्ग की ओर उठाया और भगवान से उसे शीघ्र मृत्यु का अनमोल उपहार देने की प्रार्थना की, ताकि वह एक बार फिर उसका मृत बेटा देख सके। उसने प्रार्थना के शब्द बुदबुदाये और टूटा हुए दर्द से , जमीन पर औंधे मुँह गिर पड़ी।

हव्वा एक बेघर पथिक की तरह ऊंची पहाड़ियों के पास चली जिसने सारी सांसारिक संपत्ति का त्याग कर दिया था और इस दुख से भरी दुनिया के राजसी या धन का अधिग्रहण छोड़ दिया था। हाबिल और कैन पूरी तरह से सौंदर्य और स्वास्थ्य से ऊर्जावान युवक थे, और फिर भी उसने इन दोनों को सबसे अधिक क्रूर तरीके से खो दिया।

एक माँ के रूप में, वह अपने दुःख का कारण नहीं बता सकती थी। हाबिल उसके बेटे से बढ़कर था, वह उसका जीवन, उसकी खुशी, उसका जीवन था। ऐसी भावना वाला लड़का कैसे मर सकता है और धरती से मिट सकता है ? हाबिल अस्तित्व के चरम पर एक मजबूत युवक था , लेकिन मृत्यु ने बिना किसी चेतावनी के उसे पकड़ लिया था।

उसे अपने घर में घरेलू आराम की कोई आभा नहीं मिली, और अपने पति के बिना हव्वा को पहले से कहीं अधिक अकेलापन महसूस हुआ। वह मन ही मन चाहती थी कि वह मर जाए और अपने पति के साथ मृत्यु की भूमि मिल जाए। उसकी आंखोसे आंसुओं की एक ताज़ा धारा फूटते ही हव्वा कांप उठी। “ओह, मेरे बच्चे! हे मेरे बच्चे, मेरे मांस और खून! तू अँधेरे में मेरा सूरज था, मेरे पागलपन में मेरी रोशनी थी, मेरी मेरी उदासी और मेरे दिल के खून में आशा! मेरी हर ख़ुशी आपकी मुस्कुराहट के हाथ में थी! कोई इंसान कैसे जान सकता है किसी मां की पीड़ा? कोई भी इंसान कैसे एक माँ के टूटे दिल का दर्द जान सकता है ? कोई कैसे इंसान मेरी तन्हाई को जान सकता है , या मेरे दुख को समझ सकता है ?"

यह दुख की दर्दनाक तस्वीर थी जो चेहरे पर फैली हुई थी, और जिसने भी उसे देखा वह जानता था कि इस धरती पर किसी भी इंसान ने ऐसा अधिक कठोर दुःख का अनुभव नहीं किया।

वास्तव में, हव्वा तभी से नीरस पीड़ा प्राप्त कर रही थी जिस दिन हाबिल की मृत्यु हुई, उसके कुछ ही समय बाद, उसका प्रेमी पति आदम बुढ़ापे के कारण मर गया था। उसने अपने बच्चे असामान्य रूप से बुद्धिमान सेठ का चयन अपने उत्तराधिकारी के रूप में किया था , जिसने आदम की धर्मी विरासत को जारी रखने की कसम खाई थी और आने वाली पीढ़ियों को ईश्वर की दया और स्वर्ग की सुंदरता के बारे में सिखाया ।

इस संसार की नीचता, शैतान का विश्वासघात, और उसके अपने बच्चों की भी एक दूसरे के प्रति क्रूरता इस गरीब माँ के लिए सहनशक्ति से बहार थी , और उसने अपने दिन मृत्यु-जैसी सुस्ती में गुजारे। ओह, वह कितनी शिद्दत से अपने बेटों से आशा करती थी के वे पूर्ण सामंजस्य में एक साथ रहेंगे और वीरतापूर्ण कार्य करेंगे लेकिन अफ़सोस, ऐसा नहीं होना था। वे लड़कों के अच्छे माता-पिता थे , और आदम ने उन्हें सिखाया कि विवेक और विश्वासयोग्यता से जीवन कैसे जीना है, जबकि हव्वा ने उन्हें बुद्धि प्रदान की और उन्हें दूसरों के लिए देखभाल की आवश्यकता के बारे में बताया और इस प्रथम परिवार की विरासत को बनाए रखना सिखाया । उसने उन्हें स्वर्ग की सुंदरता का आश्वासन दिया जहां पवित्र लोग पुरुषों और महिलाओं को शाश्वत धन विरासत में मिलेगा और वे सतत आनंद में रहेंगे। आदम कभी भी अपने पुत्रों के हृदय में धार्मिक शिक्षा और ईश्वर के प्रेम को प्रभावित करने में असफल नहीं हुआ। उसने उन्हें इस दुनिया के खतरों के बारे में बताया और उनसे एक दूसरे के साथ उनकी बातचीत के बारे में स्पष्टवादी होने का आग्रह किया।

हव्वा के दिमाग में हजारों सवाल घूमने लगे ,उसने सोचा कि कैसे उसके बेटे को शैतान ने अपने ही भाई की हत्या करने के लिए धोखा दिया था। कैन एक प्यारा बच्चा था, जिसने अपने जीवन में कभी मक्खी नहीं मारी। वह हाबिल को कैसे मार सकता था, जो उसका सबसे अच्छा दोस्त और भाई था? हाबिल और कैन अविभाज्य थे! ऐसा कैसे हो सकता है? लड़के कैसे भूल सकते हैं शैतान को उनके परिवार से दुश्मनी थी? क्या आदम और हव्वा ने बच्चों को नहीं बताया कि शैतान किस प्रकार चिल्लाया जब

ईश्वर ने आदम को बनाया । सचमुच, शैतान के पास आदम और उसके परिवार के प्रति खुली नफरत और घृणित तिरस्कार के अलावा कुछ भी नहीं था! लड़कों को इसके बारे में अच्छी तरह से पता था, और फिर भी, कैन शैतान की चालो के झांसे में आ गया! शैतान ने आदम को शाप दिया था और स्पष्ट उपहास की धमकी दी थी। फिर भी, कैन ने शैतान की फुसफुसाहट क्यों सुनी? अरे क्यों! आदम और हव्वा उनके बच्चे इतने धर्मपरायण थे कि उनमें अचेतन घृणा थी उनके दिलों में बुराई थी, और वे पवित्रता में रहने के लिए उत्सुक थे सद्गुण, लेकिन माता-पिता के रूप में, हव्वा को लगा कि वह अपना कर्तव्य निभाने में विफल रही। अफ़सोस! यह उसकी गलती थी कि उसका प्यारा बेटा चला गया! वह फट गयी

और एक बार फिर रोते हुए चिल्लाया, “हे मेरे पुत्र, जिसे मैं ने मेरी कोख जन्म दिया! अब जब तू चला गया है तो तेरी माता तेरे लिये क्या शोक मनाएगी? हे मेरे बेटे! क्या तुम्हें मेरे आँसू दिख रहे हैं? क्या आप मेरी बात सुनते हैं? क्या मैं फिर कभी तुम्हारा आलिंगन महसूस नहीं कर पाऊँगी ? क्या मैं कभी आपकी हँसी नहीं सुनूंगी? हे मेरे बच्चे! क्या मैं बच्चे को कभी नहीं पकड़ पाउंगी जो मेरे गर्भ में बना था? हे हाबिल! तुमने मुझे दुनिया में शोक क्यों छोड़ दिया? हे मेरे बेटे! तुम्हारी हँसी बिना मेरा जीवन बेकार है! तुम्हारे प्यार के बिना मेरा जीवन व्यर्थ है। क्या किसी माँ का बेटा चला गया है? क्या तुम्हें याद नहीं है जब मैं तुम्हें कामों के लिए अकेला छोड़ कर बाहर चली जाती थी तो तुम रोते

थे ,और तुम बहुत छोटे थे, हे मेरे बेटे, मुझे तुम पर बहुत गर्व था मेरे लिए प्यार, और हर बार मैं उन पलों के बारे में सोचती हूं जब तुम एक अबी थे, मैं अंतहीन रोता हूँ!

तीव्र दुःख के कारण, हव्वा अपना खाना भूल गई थी और दुःख की मूर्छा में उसके दिन बीते। उसे सांसारिक पोषण की अब इच्छा नहीं थी और लेकिन उसका दिल अब सुखद स्वर्ग की दावतें चाहता था। वह परमेश्वर के स्वर्ग के राज्य में लौटना चाहती थी।